GOVERNMENT OF INDIA

DEPARTMENT OF ARCHAEOLOGY

CENTRAL ARCHÆOLOGICAL LIBRARY

951.5/Thor

Call No. 19021

**D.G.A. 79.**GIPN—S4—2D. G. Arch. N. D /57.—25-9-58—1,00,030.

NOT TO TO TOWN



## holes, attached to the Liang eximy.

- २ श्रीप'वगार श्रॅव विगानी वादवी विराधिय प्रदेश करें के कि हैं प्रदेश हैं प्रदेश के वाया की विराधिय के कि स्रोधिय के कि स्रोधिय
- भारता है। अंग्रास्ते श्रद्धा श्रष्ट्यार्था मुच्यार्था सुन् । स्वास्त्र सुन् । स्वास्त्र सुन् । स्वास्त्र सुन् । स्वास्त्र सुन । सुन ।
- यर. प्रें प्रत्यां प्रत्ये । इ. यं या या या प्रत्ये । यह प्रत्यां या प्रत्ये । यह प्
- नाध्यात्रास्यायारम्यायारम्यायायार्यस्यायाः मृत्याय्ये
- - प्रमुद्धान्यात्यात्रम्यात्यात्याः विदाद्याः याद्राः मेनायाः याद्राः स्थाः विदाद्राः स्थाः स्याः स्थाः स्थाः

Jaseph Thiertan

	•		
			•
			٠



र्ह्नद्धीद प्रधियाल सूरी

NOT TO DE JOSES

The War between Liang and Hing.

ar

2nd. Obleansscript of Jesar Saga

the King of Jing Ships-Kams.

Squad by begininesia.



Ace No 19021

De 2.1-62

Call No. 951.5

-श्रेटः। त्यादार्णात्मक्षासते द्वारम्, द्वारम्, द्वारम्, द्वारम्, द्वारम्, द्वारम्, क्वारम्, व्यादारम्, व्यादारम्यादारम्, व्यादारम्, व्यादारम्यादारम्, व्यादारम्, व्यादारम्यादारम्, व्यादारम्, व्यादारम्यादारम्, व्यादारम्, व्यादारम्, व्यादारम्, व्यादारम्, व्यादारम्, व्यादारम्यम्, व्यादारम्, व्यादारम्, व्यादारम्, व्यादारम्, व्यादार इर्निन्स्क्रिं स्वयात्रियाः स्वायाः स्वयाः यहर्त्वया त्याष्ट्रिक्ताः संस्कृतः रे नेया विकार् रव.क्र.वा बेबाअरदरप्रदेश बम्बेटक्रव.बाम्बेपरवेवा.सेर.रर.परं.वर्रे अक्रूब.रक्षर. बाल बाल के बाल त्या के अलक्ष्य देव के बाल का के राज है। मुंब के बाल का के राज है। मुंब के बाल का का का का का क रुव। रस् क्रि.श्रूटा वे.स्.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स. वेचर सद्ध्रिम (दर प्रद्री मध्या प्रदाष्ट्रम वस्याम्य प्रस्ति । स्वराष्ट्रम या वि के मस्याष्ट्रमा तर्भाके मा प्रमाणयते स्ट्रिंग्नात्र विदारी विदारी वार्षा महिमाना की बी.लर.क्रेंट.जा ब्र.प्रवक्ष्यधिरक्ष्य.च्रांजाचप्रक्रंटरीः वरवासक्ष्यक्ष्या इरित्र्वासहित्वया नेसकेवाचेराष्ट्रवाह्यवाया। वासुद्रकेत्वाह्यया अवरेत तरे भूर गगुरशा तिम वेर के अध्यक्ष व में हिंदी दूर भुद इ वते दवद से वसूद वयान्त्रात्रक्षात्रेन्त्रित्त्र्त्त्रित्त्र्त्त्र्त्त्र्त्त्र्याः क्षेत्रा देन्द्रत्याः व्यववाक्रयायाः। वता 2 W5 N 3 Salt ब्रा अक्रवा ववश्व के अंतर्ति । वश्ववादी है ते व्या तर सक्षे हे र ता वर वर्षे प्रस्मक्षेत्रविदेश्वर् क्षेत्रहरम् स्याद्यरायदेशस्य स्याद्यरायदेशस्य स्याद्यायदेशस्य स्रा क्रिंस्ट्रें हैं। ह्या श्रामायाया ह्यायायाया श्रामायाया श्रामायाया क्रिंगवालपायभावणा नवयात्रेन्तुरावी सेरावर्षिया चरासळेर्त्राप्यस्यस्य लम्बन् वर्षेत्रक्षेत् मामेरम्य्यानमान्यतानिरातिक्व । यदास्वामाधीयान्यत्रियास्त्रि। यदावस्त्रेय यते तुः ता द्यतः अर्वेवि अर्देदी द्या दस्दा अ विवि विवि विकास विवि द्या अर्वतः सार्द्र र्विदात्तीता वात्तीत्रः भरेशे वर्षाद्वेरः कातीतविष्यातियो देवशादाता स्वर्धिक विष्यात्व रर्. तमा तमा में हे मात्रे किता में केरा करा मा तहा ही र व्याप स्था माधारा हुना सूर्या मेर भेर भेर ने द्रार विशेष भेर भेर ने द्रार के ते हिर सामित्र के दिर के ते द्रार के द्रार के दे के के राद्रः अत्या मुद्दः भेव। कुषार्थिके विति ति हिराया थेव। तव्यव सेरा मवया earth स्यायते स्थापात्त्व स्थाप्त स्थापात्त्र स्थापात्त्र स्थापात्त्र स्थाप्त स्थापत स्य स्थापत स्य स्थापत स्थ र्रमक्षेत्रम् देन्यरायद्वात्रकृषिरामाम्यवस्यम् वर्षास्यामायद्राक्षेत्रसः रात्यायारे। द्वास्यामरायायस्य विवास्य विवास वि श्चीर अर्भवास्त्र त्या तर्ता क्ष्य स्वयं में में त्या त्या त्या स्वयं स्वर त्या तर्ता श्वीर अर्भवासाम्ब्रीरायाः विवानावेनायाः मतो कृताः वक्ष्यः नव्याः श्वीः तहः वनास्त्राः मति अर्देदः।

"

लयकी अक्ष्य नामूल स्रोट र्वेन वाद अर्दा लिल की अक्ष्य न वामूल ति वो वा की क्षेत्र लि श्चित्रमा शुक्रे वहवायते द्या दुःवर् ववार्ष्ट् मारा वहुर दस्दरा तह्वा यर्थहरू यतुः श्री दयतः दुः कु वार सुव छेव व कु र व सुर दर। सुल अके वा अवितः त वा हो क्ष्या के सूर्य क्षेत्र व गुत व स्थायत। स्थित अदे सूर्य था था स्थायत स्यायत स्थायत स्यायत स्थायत स्थाय चरुर्रिस्टात्रह्मायायाः श्रीव्शीया महत्त्रा सहत्त्रत्याः सद्या स्वतः स्वताः स्वताः स्वताः स्वताः स्वताः तर्यावरःसहरी दे:ले:सहरे:तप्रदेशक्षाः सर्यावस्थाः विकास कर्या विकास करा विकास कर्या विकास करा वि म्.क्रें.म्.वर.म्.क्र्यमा अ.सीम.क्रेंर.म.र.च.क्रेंर.मेंर.ये.रंग केत.क्रेंर.मार. अर्थे बनाकिता कुराष्ट्रविक्त कार्यकुरा हिंद्या किर्या कर्या कि कर्या किर्या कि यहिर्वर्यायाः सेवाक्ष्यां वर्षे वर् वद्वांचें अहें द्वेता ववदावी तर्दें द्वुते त्यंद्र स्त्रुंद्र व्यापे स्त्र द्रा तर् श्चरः लूर्यायाश्चर्या भियायक्षेत्र क्षेत्र प्रमाण्या द्याप्तर्या भिराप्तर विश्व स्थित स्थि इर.स.भूर.स्थवधर्याता जूटश.क्रीर.क्रीय.तपु.पचल.वे.वेंचार्य.वेंचार्य. यर त्या भारा मिक्ति में न्या स्वा माना किया में नियं में नियं में भारती र्भ। नगतः ग्रुंभः अहर्रः वयः रह्यार्भः मञ्जूनः भावत् वा प्रह्यः श्रीरः श्रुतः हेंग्यं यहरें यही के कर वस्त्रवायलया हो लेखाया थी साध्या हिर्यार वहरें श्चर्वना छ। हे गर्भ है हुए। गर्वर्वर्षा वता वह्या शेर हुए। ये विक्रां रवालिया हे के किया में या नियम में मिन वि में दें मिन ने मिन की में मिन की मिन वयः सं हे गा वे देव । ज्वा वह राज्य स्ते वा सुद् वा सुवा व स्ते । वाल त्रेव। तह्यात्रीरः वर्षाताता वरे श्रीराय्य यादर। कृतावते सुवायादर विदक्षाया स्य । इर.क्रियम, श्रीर्यप्रकेल.क्षेत्रं क्षात्र्यात्र्यात्र्या व्राक्षात्र्याः क्षित्रं पर्दे व्यासेना परेवावाकापात स्थापात स्थापात स्थापात व्यापाव स्थापात भारता व्यक्षेत्रात्मवास्तरः व्यक्षत्म। व्यव्यत्यस्य व्यक्ष्यात्मात्म्यः व्यक्ष्यः व्यक्षित्वरः मायक्षेत्र करी स्राप्त क्रिरेतर्रातामा वर्गी वर्गी क्रियाला सर्गे कर्य क्रियाला सर्गे कर्य र्वातव्यास्त्री स्राम्यायात्रीत्यियात्रव्यायाः वाववात्रेत्रार्यात्रात्रात्रा म् द्वेर्पहर पिन्याये सुराष्ट्रियात् नाय का स्वेर प्रेर पाना के से वा हि से म्हानेता है। अति श्वेवारी वा स्वा वा ना मान्या ना माया ना मान्या ना मान्या ना मान्या ना मान्या ना मान्या ना मान्या न

ज्ञियाता सर्वेशका र्या तारिकस्य कुवल सि.कुवला विवाल व्राप्त पर सर से दर्भर मु किर्मा अमर अमान कर रहता से बड़े में में क्रिया प्रमान के वर्ष वर्ष ने वर्ष मार्थ. 19: मंत्रा हिर्मा वराषा ११०० मा वर्षा ११०० वर्षे में अक्षेत्र वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे न्तरः क्रियाम् मिः रेहमार्यरं त्यावता क्याक्ष्यः दे दे शेतुः वावताः यमान्त्री देवासितः र्गे.वर्भग्यात्राचरावणा अत्राचेयात्राच्या पहुःक्रवणा कीम्पात्री वर्धः श्रेवश्रेवा क्वा स्वात्रात्रवाद्वात् यास्यात्रक्षा राज्यात्रास्यात्रम्यात्रस्या र्वास्था विवासारा श्रीराया दिवाया केर्य कराया माराया स्थानिया अपार्तिकर तु. ब्राज्यक्ष्या जरम्ब्रा गामरा स्वारद्व स्वार्थन स्वार्थन स्वार्थन स्वार्थन स्वार्थन स्वार्थन स्वार्थन स्वार्थन कवाक्कीमात्र्यद्वता सेवाख्याद्धरं कवाक्किताद्ववाला सेवाववाद्वी वक्केवाता स्तित्रवर्षा वर में विक्राहर्म हिया में ता चेता के वा विवक्षेत्र का मित्रहर्म का मि इनानमान में गर्र राया में न में या कि देश किर दाता में ति विकास में में गर्मा देयः क्रिन्यः मान्यः विवाद्यः मेताः द्वार्षः विवाद्यः विवाद्यः विवादः विव म्यान्यायन्त्रम्यात्रेत्वात्त्रम्यात्र्यात्रात्र्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्या म् अबक्र वया विरं व त्या क्रक्र के त्री तिर व क्षेत्र वा अवा क्रवा क्रिया ही ता ही इ.क्रुंग्नाभराष्ट्रितवा व्यास्त्रिया व्यास्त्रिया स्त्रात्त्रेत्र स्त्रात्त्र वा स्त्रात्त्र वा स्त्रात्त्र वा नावसास्त्रमाल'रताची'री युर्पर'तामायलम्बुरहिनाचेरा सूर्गप्रमास्त्रीर लेजार्ज्यातो के.क्रे.क्रिक्तर्वाता क्रि.रे.त्यतप्.स्तातवात्वा रे.यटवाक्तर् कि.संबायाके,ही रह्याचरिर्धात्मान्यात्रीरे.स्टाइरी ए.पिट्वदाबी,वास्तरे हि.ही मस्तिः द्वार्यामा स्वययते ववः स्ति। तेवार्वे वात्र्या स्ति। स्वययते ववः स्ति। त्तिता वाधुरी वर्डेराणी श्रीर श्री रेप्ट व्राह्म वर्षेत्र महत्वेत्र प्रदाने वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र बारिया द्वासीट्रा संस्कृति द्वाया द्वासी द्वासी द्वासी द्वासी स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य त्रभावस्त्र द्वात्र वायर द्वाते वाया हेरा नस्य वस्य वाया से प्राप्त व्यापा स्रेमः कर क्रें असामार्या वारा मेरा वारा के से के के की रिया में मेर में मेरे में चेती तर्शिर स्नार्ते। कर दर या एके गण के ता से दा वर से दर्भ द्यार वरिवर्शर कुतारी हिर्मायायाः दिनामानेन सामा गरमारदाया पर्मान से देन की हैं। देगीर अस्तित्व्युत्त्वादी कवरदःअत्व्युवाभाष्मभादवःक्षी त्यामुदक्ताः स्त्रेक्षारवद्दःदी

्रार्पार करें ता और व इस्या सी रार शर यह स्था अर श्रुं र यह स्था श्रुं र व श्रुं सारी लगाहे सारव व मार्थ त्येश छे रेर्द्र्वेच यते हुग्याय स्त्री रेर्द्रिक श्यायव क्षेत्र वा चरा है वरुर्द्रस्राम्भात्वया स्रावरमा स्रावरमा हाराय्ययासेर् हेरा त्यात्र्रम्भानेर मिन्यसे हेर्। में वन त्यापात विष्यं केर् हर् दर सुदेश सुद्रा से हेर्। भूव.क्षेत्र.लज्यूराव्येशहरी देन्य्ये.जग्राच्यग्रह्माक्रिमा यो.रवमा गरभक्तिः क्वां वा में प्राक्ति में द्यां भिदा भेदा था था ने वा भारते वा भार क्रुम्रम् स्वा हिर.सं. यर. त्रास्याक्रममा स्वा क्रि. यवामा माया माया विस्ता विस्ता विस्ता विस्ता विस्ता विस्ता र्त्रशस्त्र्रत्त्रिं मेवाद्येला सन्ब्बार्मानी में तर्वेत्राणा यक्त्रभार्याम् वेश र्मन रमन 'यति हिर हो अर्दरा मुक्रेर मुर्च या मार्थ में मार्थ विष्य में मार्थ विष्य विष्य होते । रद्वास्था यद्द्रम्भःशे:वि:सर्केयःवस्था रे:यदःसःस्र्रं तह्यःभेवाःश्रिश स्ट्रिंग मते द्वा दस्ट ता बुवा ते वा अवी महत्वते क्रिंग ता वेर खुव द्वार यति रुपहेबर्दा स्वाश्चर्यस्य । वर्षेत्र स्वार्यक्ष स्वार्यके स्वार्यके स्वार्यके स्वार्यके स्वार्यके स्वार्थके यरमा रेर्द्रद्यार्स्ट्रिंद्वस्थान्त्रम् मासीसा देवना ग्रीयवगात ग्रुवासासावमा अस्त्रेवगासः स्वास्वा स्तु सेत्र सेता सेता वहसा द्वा में ह्वा में तिविद्ये सेवा देरी हा से देर तह या न्या ही भा भी हिर से हुद दालमें के ददा मानु बद बेद अहे वेद दें अके त्या हूद खुना बाती के बूबा जबिर देता अर केरा के धे बूबा जबिर देता र बात बुद्धा प्रकेर. वक्या देर्द्रस्यक्र्रिंदरह्याम्बान्त्रेया ।वस्य स्टर्स्य मेवान्त्रं दर्भ रवा ता सर्तास्त्र तस्तर्यं से त्या क्रम् कृत्यम् त्या मान्य विकास से द्रात्या विक्रीत्र विकास से एवरर्दा विर्वेद्व सुनायम् स्विर्वे वा मुखा देरेदा संस्था में निका में की भी वाववः भरास्ये मेरि द्वाः सर्वः ता वाववे व सर्दः श्रुदः भवाने दे द्वा विश्ववः दरसायवाः यामार देरदर्। अविरम्भूर अवार्ष्ट्र वहस्य विग्रम् मुग्ति के वाया *प्र*.ची सद्दर्द्द्रस्य वरुरा में गरेगाने वह ता तह्याने ग्रीम सद में के सामित्राचा त्यात्युद्धक्षद्ववाजीयवाद्वरावाद्वरावाद्वरा देवदःह्यीयवाद्वरावाद्वरावाद्वरावाद्वरा में वे ले हुर वेर हुए हु। विशेष हे देत हैं के सम्बद्ध हैर हुन अ मिल यते व संस्थानिया सुवक्षात्यरंभेगयते ददवस्यवविष्यंभं । त्रवं वर्ष्यक्षात्रा यर्षण्यूचे करामवाना रदान्यास्त्रेवात्रर्श्कित्वात्रायरात्रे वात्ररावात्रेत्रे मेरा

र्वतिश्वात्त्रव्यत्त्र्या वाववत्तात्त्रत्यः कर्ष्याक्षेत्रत्त्र्यः विश्वाक्षेत्रत्त्र

स्वर्श्यस्त्र्र्र्त्र्त्राहेवयायाहेवायेवाहे। ववेदायावयात्यान्त्रस्व वत्यस्तर्या स्वर्धे विन्यते र्रम्भेर्द्र द्रिया मुल्य नाया कर के वा तहिना विद्रास्त कर विकास विद्रास्त विद्रास्त विद्रास्त विद्रास तुरास्र अन्यायाकार्त्रावी इदाराष्ट्रियवर्ष्ट्रिये सुरायदावर्षायायायाया विरापा विवेत र्भुविश्वी वयायाविवालायाधी द्येत्। त्येवश्चर क्रिये स्थित्शेष्ट मिल्या त्या केवर्य से मेन्यू मेन्य कृत्यीवरुद्दा दरदमहेगचुरिलुवरसंद्रवसा कतहँगछायदियेन्त्रे भूना मर हर सुर्य नाथाल हें ना हर नरसाय वर्ष यति हो राय वर्ष नित्य वर्ष र्द्यम् गरेग् सुरी कॅद्र या केवाय अवाय भाग वार्षिका वा सेर कुत्र कर देर दर के दर के भा वि'वरशस्त्रम्भक्तं त्युर्यते सुंसर्ति वैद्येत्र देन्ते में स्त्रम्भ निस्ति विवयर् रहेल। "देते'सदापूरक्षेत्रानाराभेदायायरगर्वेनेवरवर्भावेवःयापूरा कुर्केदास्य सेवानहेन्। चावन्यन मं खें या तकरमाया के जान्त्र आवर से ही अ में द जैन की जवार क्रमभवसा दयमार्यविक्षमासुवा द्वित्वविद्वाति ग्रम्द्रिर्धिः गर्हे विद्वात् ल्याहर्रे १.६) जूर्येर कुर्या प्राप्ताताता काताताता वीत्र कुर्य विद्रित्य क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क नुस्यापरवसा वयायापते सम्बन्धिक र केर वसूरा तमा र हेर्रार्गार्येते स्त्रा ग्रेंदेश। वित्वह्यागस्यायाम् वित्यावह्यायहेदा स्वावित्या व्यवस्य केदारेदायम् विश्वमेर्यत्रर्रार्वाम्युः भेर के रेश्वाला श्रीमानतः रविर्णात्रर मेर प्राण्यत्रात्रा चर्चमेष्वम्बिक्किक्षेक्ष्र्रीलक्र्री विश्वमिक्षियत्वस्त्रीत्रेत्वा । । । । वररेदा मध्यत्रकुन्वित्यते केदर्दुन्यग्या तिद्यार केवाक्षेट्य वर्षेद्र वर्र वर्येद्र वर्षेद्र वर्षेद्र वर्षेद्र वर्षेद्र वर्षेद्र वर्षेद्र लेंस्यर्यह्याला ब्रेट्स्वे हेवाकर्यात्वया त्रेवावाके हेवार्यद्वात्वक्रात्वा पियापियानुया गर्नायविगावश्चिराह्र्द्रप्रदावर्द्ध्राता हिंदर्प्रवास्त्राह्याः त्या वेर्ष्युव्यक्तिकुवार्यतेवनावार्त्त्वेन्यवा र्षेत्रेवित र्पेत्रके वास्त्राम्पेर्थिवा निर क्रेंब यते द्युद के य के हैं वा भेवा के क्रेंब में ते द्युद के मूं कर क्रुंब भेवा कर में विते दस्र सेव्ही हें ने भेता दूरवि के वार दानते सुद्वारा सेद्वान वार कर भेता त्र्वात्रम् स्वानम् यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रम् । विकानम् स्वानम् विकानम् विकानम् विकानम् विकानम् मालवायायस्त्र रामग्रीराधेवा त्यासे वरे ग्रेमास्वरंशिरंशिरंभिराधेवा दारुद्रिवर्थे स्वत्त्रवर

म्बर्गाल्यः बर्भरः। स्त्रम्सम्यूर्वे म्बर्गार्भः म्वर्गार्भः म्बर्गार्भः म्बर्गार्भः म्बर्गार्भः म्बर्भः स्वर्भः स्वरंभः स्वरं पानम्वास्य रत्यव्द्रसेर्यस्यत्यव्यव्यास्यास्यास्य देवसरायाः अव्यक्ताः सुक्षित्रयरे वी वार्षः पश्चरहे। दवापह्यायं वेद्धवापार्वेदावन्याय्त्री युरावारे विविद्धेदावीकी विदाया प्रिंगयते स्वाया स्वित्राय के राजा मार्ग न रायते प्रायत स्वाया मार्ग स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय मु.स्यमक्रमभाव.म्जा वट्कि.स्.चलट्ट.धा.विर्वेच्यन्तरा रंजवा.वे.हेपु.लू.जर्भ.वेर. ्कृत्या मन्याद्वारा वास्ट्रा वास्ट्रादेशाय कुरा वास्त्रा में स्वास्त्र के स्वास्त्र हिर्वित्रहेरी के वस्वार्वित्विर्वे रेखे लगास्त्रिक्रियायाय सम्बद्धिया रहरा या के कि वे के विश्व के के सेन्द्रक्षाय्याद्रम्योष्या त्युरत्द्रेद्रकेवायसेद्रावयात्युर। तद्रावद्रेद्रवेदायते क्रिया वारतास्त्रम् तक्षातर्दर्स्स्र रायाः भेरावणायका । स्वास्त्रियास्य क्रियास्य मानिवासुनिहेन्। मादलानी से वलायी कार्या एड्राक्की महास्ट्रिया ने विद्रा महिरा महिरा स्र मेर व्याची तकवाका क्षे करिया भेर में वर्षे के वा हरा दे पर एहर सम्बर्भर वा त्र के देवलद्वायां सार्वे तांत्रमा द्वस्याद्रम् त्यायावसावत्रात्वता ह्वाम्यावेता यद् ्रवेद्यम्या व र्मार्या विवा र व्यविष्ट्रमाक्षे व्यायद्यायदी क्षेत्रमा व स्थित व स्था र व व र्वितिकरमा अर्थे देशवा रागवा वा स्थारदेति होर वर्षेत् हिंदी भागवा केमानवर द्वायम्बर्भातामम्बर्भातामम्बर्भात्मम्बर्धात्मम्बर्धात्मम्बर्भात्मम्बर्भात्मम्बर्धात्मम्बर्धात्मम्बर्धात्मम्बर्धात्मम्बर्धात्मम्बर्भात्मम श्चिम्बादलक्षेत्रमृत्किर्द्वत्वर्गमेत्। देवलास्य केत्रमुख्य कुलाकु तहेत्र वद्वामेत्। स्रोद म् म् मानम्बर्गात्री केटल्यन् सेवरात्रेयात्रीयात्री के. या वेगा त्राप्ता वेगा क्ट्लयादगर्यते स्वायापेरी हिर्ययम् हेरा यवस्तुरा विवव ता से हिर्देशववन चरिक लेरेरा इत्यासर हुना साम हुना । महना वर्षेन केन अपकेर अपकर में क्रमासूरको चित्रेरो स्वाया मेर्राया रेका या रेता एहिस ही र वर्षे के क्रमाय स्वाया मेरा राम्युःगर्वेन्यरिःसदसान्त्र्यानेरा दस्वयाधीःयाः स्वत्रायोते सामवयाः नर्शियानरेदा तह्यानुत्तीर्गे मेंग निररेदा रेप्यांप थे। हुर केंन देदा है। सर्देश्निक्ष्यान्ने क्रियं ने से स्वानिक विकान के त्रिक्ष मान्या ने रिक्षित हो। दरलेट नेता स्वावव राष्ट्री कु सूर्य नेता अर्थ निया निया की द्वट वि हे दे या नेता ७ लिखेया मर स्वार्येवारी स्वारा ततुवाहेर अनेता तसुदारेव। श्वायकेवानकृत्यु मेरा वीयावा डिर्वयसाम्भवस्यरिकुणां वर्षे के । विवासित्राह्मात्र्या द्वादराष्ट्र वर्द्यात्रका पर्रात्तर्था पवटल मुक्साला कासुद द्वा वर्रा मुति का की का मिल्या के पर्दर भेर विवेश स्वार द्वार मिला विष्य स्था के के पार के स्था के स्थ रुष्ट्रिंद्रेर्यव्वन्या अव्येक्न रेक्निया महरायुक्ती नर्गरावित केर्रुर्ये केर्

5

'क्रीयभारवर'वरुद्दिकेते र्वायक्ष्ण'दद्र। द्यर'वतिन्तर्दर्द्रमर'वदित्यु सुग्रमात्ये क्रममास्पर्रारहेन हेरा रहनरे मलन सिर्मरमहरे यर ली हरके लूर कर रेगूम हैं। क्टा श्रीत्रमाञ्चीतावर्ताम्बर्तित्वाता इटार्क् वटावर्तात्वात्वारेन प्रवित्तित्वा प्रवास क्षे.रर.केल.श्रुव. बेबज.ज.ज.चस्री ल्यांस्ट्रियं हैं हैं से से देर पार्या मलवास वस सह स्वर्ध ने रचर से दे तर्य वर्देर्ज्यायं केन्यं मुनायां चियायते दर्दर्वन्य। द्रगतः रेज्ने यदे केन्या स्वा प्रमासम्भून'याव ब्रह्मा स्वानेम्ब्रियाक्तिकार्यात्रानेन्ने श्रीमारेगांभेग द्वां अक्ट वस्त्रां वा वर्षा वर्षा अप्या दव स्वा वर्गात है व भी वर्षा भारत्या से र्भेन तह्या हीर वर्ष प्रमुक्त वर्ष प्रमुक्त वर्ष प्रमेश विष्ठ्र की क्षेत्र कर के किया कर के किया कर के किया कर स्चाराइरायवात्र्री क्रि.र.ररामक्रेरायहात्रात्वाह्य ।वक्रातावाद्वात्वाक्ष वर्रेन्द्रत्वला मुद्रवा बर्देश्वरेत्वर विश्वेकरेश भेव वर्षेत्र में महिर सुद्र वरे भे महर्ते । क्रीय है रहे हैं हैं। व्याय याया अययय याया व्यायके रहे रे न ने में र राम हो। रदावसेव नपु नेक्ष्य व एड्डिंग वहूरे विक्र रे. व ने व रे. व ने वि.सी रट हैं अ वर्षे व रे. रदासर्थ। शिक्षिकेत्रं साम्राम्य मित्रेर् श्र.स्वाविविद्यात्रः वित्यत्रक्तां के त्यात्रक्षा रद्विया महत्वात्र्या देविया पानि के किया रे सर्वारे सूर्व किर केर्त्व सूर्य सूर्य अक्षा रे अर्थ रे अर्थ रे ते प्रति हैं लर:मूर्यानित्रम् एकी प्रवित्रमाने के यभित्रत्वया रे यभित्र रे यम् वित्रम् वित्रम् वि सर्प्याथ्यायवंदरः। मर्द्रस्वक्यायक्रम्पार्दरः। स्विकेवारहेवायदेवायदेवा रतायक्षरक्षात्रीयक्षेत्रात्रीरवक्षात्रेत्। भ्राद्याच्यर्वेशक्ष्यात्राः भ्रेयत्रेवातियः र्शियाद्या क्रिंशक्तारावर्त्वतात्त्रहेवा सामेर्वित्या में मेंवित्र मेंविकंद्वा देवा न्त्र'दर'तर्'अञ्च्यावस्थाःस्त्र र'तत्र्र'त्य्यावस्य म्यत्रेर्'वर्ष्ट्रवान्यःत्र वितह्रवान्यः र्गरंत्र्र्त्र्री क्रिट्भुरवश्चर्यक्रिक्षः क्षव्यत्री एयव्रेश्रंत्ववत्रः क्रियाः मृ. वेश र्मएक्टराम्यक्षेत्रम्भान्यक्षेत्रम् विषयम्यक्ष्यं मिर्वस्य विषयः विषयः हा। वि. १. ५८. ५१। या वा अवरायम् अस्ति वा अवरायम् । विस्ति सेट्री स्ट्रिंग्यायवातास्थायत्यास्य विवास्य प्रमाण्यायः मिर्याया वात्रुः अत्रदे विवेशतर्ग । स्वार्यर्भ गार्थे भारत्ये अत्र विवेश के ते विवेश के ते विवेश वि का.च.र् । पर्वट विश्वार में में चर्र वा माट चेत्रकी पर्वट केट कर का.च.री चाली पर्वेश ट्रक्तास्त्रम्याथायात्र हिर्दर्त्येत्रम्यस्य स्थायत्रे स्टर्मद्रस्य स्थाप्त र्श्चिमानात्री तिवास्त्रेन से. यमुबामानात्मानात्री ये श्री. रहात्र, वश्चवात्वात्री

वयायावतिःववयात्यातरुतायोता दुकेवातुर्वातववावववातर् कृत्यद्वितेत्त्रारात्याः याधियाखेरा री वं अर्थकें द्वारवा हैरिक्षरा शक्ता वी वा वो वा त्यां राये राये राये राये राये राये राये वि गर्भरके श्रूर्या मार्च क्षेत्रवा मार्च क्षेत्रका मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्य के मार्य के मार्य के मार्थ के श्रीरिक्शः व्यावितः विवित्रः दिताय्या ह्वाराद्रः ह्रात्य्या विवास्य विवास वि पिलग्रयतेश्वरिया श्रीदाम्यूदारक्षण्याश्रुराय्यायाः वित्रायाः द्व ल्या माल्या कार्या केला हो ने ना केंद्रात ही से वेश में के अप पर की कारत ता शरको हिन्स्यसारको सहिता विवासाता देवा अहित स्वार स्वार स्वार स्वार प्रविद स्वर प्रमुख्ये भी कवापायी स्वापायी रिक्ष प्रमुख्या रिक्ष वर्ष में स्वापायी स्वापाय स्वापायी स्वापा कर्ास्थ्यस्थ्रस्थ्यः बुवादेशत्येद। सुराये प्रायाप्ययात्ववायेव। सर्दात्रियः त्यि गरायवे गरा थे है। विचायकं व्याद्याया भेवा सदतः विवास्त्रा विवास्त्रा स्वार्थिता स्वार्थिता स्वार्थिता स्व म्ब्रायान्त्रित्त्रक्षियातक्ष्याचे यात्मायावर्त्त्रियात्रह्यात्र्र्यः) यात्मायायाया क्रि.रामाक्सी स्थालका के दान से ने प्रति न में ने में ने प्रति न में ने प्रति न में ने प्रति न में ने प्रति न में ने में ने प्रति न में ने में में ने मे र्वायाधेरा देवयात्र्वायंतिसर्वास्त्रवास्त्रवाया विवादर् वयाक्षिर्प्यादे। Target, त्यापद्याग्रह तिवे व दुष्य व ग्राह्म कर । व व व वे व दे दे व का के दा ति व व व व व व व व व व व व व व व आकर्ति । व्याप्ति व्याप्ति । वर्षे कार्य । वर्षे व वर्षे वर रत्त्र-दर्भात्यरः अइ.रेशत्रकाषुयाः जूरा कैपात्र किपाला शुः सूर्के। मार्यपा रवारणान्यः ववाकी रेवाला स्वायती के विवलका केवालवा वसर दव के खेल. ह्मवं यते ग्रेंगा तहेश हेव हिंभाय यहर हेर दग्ता विषय विद्यालय है ह्मद्र राहिर स्य । हो दर्भारामार्थे गर्भाराम्या । स्यान्तर्थे वार्ष्याम्यान्य । स्यान्य । वुबार्शार्शिरातारदेवया अख्रेवयाः सूर्वे क्रियासायक्री रवाक्र्यमाव्वेववृति । र्था. में हरी मा के पायक वर्ष रेंग में . ए केरी रेंग में . या रेसेर . ए ह्या . ये व . यरे ती यास्वास्व कर् हर व त्र हरे । यनियमियास वर्त देव व वे वे वा वे व स्वयाति इ.ठ.का श्रुक्त्रं हैं अ.सूर. अवेशवी संक्र्टार के. अ.प क्री अ.रंटा श्रुवः क्षरः म्यारीय संस्था द्रा द्रा वा वा वा वा वा वा वा वे वे वा वा व वे व व नलुराभवन्त्रेत्र। स्वर्येशचेरायतेष्ठेताः हर्षद्। १वर्गात्रवर्भावेताः हर् द्रत्युं क्रेर् चेर्वा अर्प क्षेत्रयावात्व क्षेत्र क्षेत्रा स्ट्राम् स्वावायाः क्षेत्र क्षेत्र त्रविरा वर्राकेव'रगार'यें ब्रेर्'क्याक्या वर्रा परितापार्हर'याया बर्रा वासर स्वास्त्रेन्सुम्यक् र्वास्यात्वरा तर्वेतायितः रथलात्वर् मेर्यं कृता । दर्भते

यः तः क्रिं त्या अत्री द्रायवा विषयः व

चेतरहेंच।

व कर क्ष्या दे अधीव स्त्र वया वर्ते करी तमार में तर वे नाहर क्रिया हैरी तावार गारव हिर व -म्यून्त वरक्ष स्त्रेया देशवर्षित र्यापसित्रित्ये में स्त्राम्या राष्ट्र स्त्राम्या पार्षे स्त्री मान्त्री उ र्द्ध यारे अ. म् अ. इंड म् मू त त त में त्रा हेटा। यो और की व मू यो आ मि अ में त में ती यो भू के व न्म स्याक्षत्रकार्यक द्रा क्षेत्रक्र नाम् अपने क्रिया के व्यक्ष वस्त्र वा वर्ष वा वर्ष वा वर्ष वा वर्ष वा वर्ष री से तर्गे सार्वास रिया मेरा ही राया मेरा मेरा मेरा मेरा मेरा के मेरा श्रेय्य कृद्वराके। श्रीर द्यात खान मेर्न वार्म मान किर विश्व के विश्व कर के मान दिन हो। मंभेर। यं केर श्रेट संतरमधी र्यं भा तरम श्रमाया भवा का की कुर हो हो। नवगः वः तर् वाः तरे द्वारायर। नवक्षाः व्यन् वान्यम् स्वरं त्याः स्वरं त्याः स्वरं वा ANI 5 old रीर्श्वे पर्ने भीव बुर वेशावेला यं श्वेर से र श्वे में में न तसेर ल में बार माने वा न वे व्या नर्षिल्याम्याम् नुरावतायारा । द्यद्यस्यातात्वरेषाः वर्षेताः वर्षेताः वर्षेताः वर्षेताः वर्षेताः वर्षेताः वर्षे कर्। भेनायायनरकर्ग्यायम् रायदेगाय द्यान्यरायन्त्रा वर्ग्यरायन्त्रा न स्वायातीत्यातात्वीत्त्वत् वक्क स्वत्वत्वी स्थाराह्माता द्वाराह्मातात्वातात्त्रीतात्त्रीतात्त्रीतात्त्रीतात्त सीर्रर्रा राज्याती वार्षिती क्षेत्र होते होती क्षेत्र में स्वर्ण क्षेत्र में स्वर्ण क्षेत्र में स्वर्ण क्षेत्र क्ष नायमन न्नायम् कुर्ता नहेरासुर्याष्ट्रेरन सेर्प्यवसासेरा छात्यराम मेराना मेराना स्रिंगारायर शेष्ट्राव स्रिंग केर के ना का सामा केवा के वर रे ना कर रहे ना में रहे। कर बुका शुक्र व रवात है रेरी हूर रवश पर्वे वधु भिषावत ता व व स्वावस राहेर वर्वे वधी इट्स्रिंग्र्वं वर्षे स्वार्येया गीद्दस्य नाम् द्रुवार्याता कुरायात्रेयात्र सम्मन्नाम् । स्त्रिम् वकासःस्यानेकान्यः क्रायन्त्रम् । इत्यान्यः । इत्यान्यः । इत्यान्यः । इत्यान्यः । इत्यान्यः । क्री ह्र बार्स के बार क्रिया में क्रिया के हर हैं क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिया के क्रिया के स्वान्द्रम् स्वान्द्रभ्यते स्वान्द्रभ्यते स्वान्द्रभयो सार्वे स्वान्द्रभ्याते स्वान्द्रभ्याते स्वान् बेर व्यागायी बेर के बा १ के अध्यात में १ के अध्यात में १ कि त्मान्दरक्षाम् स्रानमूद्रक्रद्रसत् स्रवशद्र हिरास्त्राम् हिरास्त्राम् हिरास्त्राम् अवितः श्रेपायादेशह्यभाषादः लेवाया लद्याक्षेत्रः मधीलेव्यायाविवायीवात्रः लेंद्रप्रविधारा, देत्रात्री श्रिक्षाक्ष्यवेश्रयात्राक्ष्यक्ष्य । मेर्ग्यात्राक्ष्यक्ष्य श्रीर में रेकितारी परम । त्या के के प्राचित के के प्राची नाम है। के में में मानिया

ला वे श्री दाता अयो तही श्री दार्थर के व श्री ता में प्रदेश आया वित श्री निर्देश में राज्य वर्ष वहन्यते (हनसे) रेना वर के हम रहत्र व्यक्ति में के के अपने के विकास के विकास विकास के विकास मैंने'विषेद्राचनस्य हरस्य । विशिष्णवर्षेद्रांत्र सेत्रांत्रस्य । स्थानिक्षांत्रस्य । स्थानिक्षांत्रस्य । उपकरा वहित्यते त्यमावह मेवड थीना इत्या का विकास मानद वहुत । हारे व स्त्री विश्वत्यात्त्र्यस्यात्रेरत्यत्या महाराहरारात्त्रम् नवात्त्रस् न भूरावरात्व्ये भेर्वरा त्रित्रम् भेरावराद्वाराद्या रावराद्वारा द्रावराद्वारा ्याला र्षेष्ट्रणास्ट्रप्राच्याताला हर्मात्यक्रिया द्वार्म सम्प्र म् वदावकार्यः । त्रा व्यापिष्ठा स्वापिष्ठा । वहनारा । वहनारा । अवत्रक्षे पह्नामा भ्रायदेनदावस्तराके पहुरा नाम्भादेखार्वकार्यक्षात्रवाद्वात्राद्वा रा श्वेता स्वाप्ति एतम्ब्रीता वेर हर्षात्मा निया मिता स्वराष्ट्री सुरार्द्र स्वरणा किन्नुस्क्रिया हो श्रीश्रामाश्रामा अयापयाया भुरत्र तर्य मार्च हे हारः ध्यमकेव स्वर द्वि हैव ह्व ह्व के के विद रहेर पवर हुगा रहे गण है गण के र विदे हैं ये पर दिन रार.पूर्व । राह्म अ.स. हैं य. प्रवेश परितः क्रिया वतम प्रमाप्त प्रमाप देश रहा रहिर क्रम रो रेश्य रात थर के जा या परे अद्भार प्रमायेश में ता ता प्राप्त दें दे विषे अका के वा तर में वेद के प्रका देश इस्विक्षिणायम्भविष्ठितः वयापायकेस्विधिय्याम्भवि राह्याद्वार्यायाः रं अरम्बद्धानिम्बद्धम् दिस्मद्धान्या स्वत्रम् म्यान्त्रान्त्रा मिर्मर्या मिन्ना प्रमाति विषयित्व स्थाय सम्मात्म स्थाप स्थाप स्थाप वर्षि यत्रवेष्ठवास्वरेता स्रीमस्योभार्यात्रेयात्रेयाता विकार्यात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रे एक्ट्रीयहराता लानगरमहरात्मवादवरहरा वववित्यात्मवाकी म्यापाधी मन्त्री मेव यतिन्ववसम्प्रन्थातेत् छ। यद्यावसङ्ग्याद्यावस्त्रात्ते वित्तात्ताः । स्ट्रायाः वर्ष्ट्रयानार्वानी वेरी शवस्वाराष्ट्रयारा संस्थित संदेशका १८ कि देनेट पहिनास्वापरी यम्बा सि.स.म.त.त.त. वार्षात्रक्षात्रका म्यान्त्र विवाद्य कराया कराया नेत्र विवाद विवाद विवाद विवाद विवाद विवाद लूरी सर्वामिनासेनाएकर कारलप्रविशा र्जनामिनासिकासिकास्य लूपाल्या व्यापाली व्यापाली व्यापाली श्री क्षेत्र क्षेत्र श्री शासी वारो वारो वारो वारो के विश्व क्षेत्र क् निवर्तन्त्रिअर्थरास्त्रान्थ्री कृषात्र्वेत्रवयास्त्रियात्रेव्यात्रियात्र्याः व्यापात्र्यात्र्याः स्त्रियात्र्य वबर होता हुर देव के राज्य राष्ट्री वर्ते पर्य प्रकार हुर विशेष्य सी दासी राजा दरास्ट हुन देव ने की वर्षी नलमास्य नक्षात्रक्षात्रम् । रदाने लाचेदावाद्यदात्रम् वास्यवा वालवाद्याः र रिक्षवाक्षेत्रायायेवा तह्याहेव नह्या है। दशका है। व कि है निक्ष के निक त्र्वेक्ष्ये म् म् वस्य विश्वेष्ट्रा मान्ये से प्रमान्य स्थान के विश्वेष्ट्रा विश्वेष्ट्रा मान्ये

ं रामदार दें में अला के कुने थे ता ता कारण दें कीनी अपराद माना का का की की की दी वर्षेत्रात्तेत्त द्वीयप्तरत्तात्त्रत्तात्त्रेविद्धाः वहत्तेत्तात्त्त्त्तात्त्त्त्त्ताः व्यादात् न हिस्स्क्रियाचेते अवद्राया अध्यवद्रवामरेगा छत्त्र मेरा विवास्मा त्यां में स्थान सहिर चला राजरान्त्र वर्षात् वर्षा वर्षा क्षेत्र अला द्वेश वसेला तता की वर्षक्षेत्र मार्थन परिष् पियीता भावना मेर्टिश्चर के पर्द पियमाता मेरेवत्ये पानर्वेवत्या पश्चित्र पियाता देर्वयू राम्याकि बेररे मूरे र्रमायमा श्रीटर्टर या है। किटा समानवर में श्री केर मेरी कववर म्बाबद्वहेर्द्वसंबद्। क्वित्रां क्रिक्रियां विश्वादा विषय विश्वादा विश्वेष दववी स्ट्य र्वातात्वे तो भेव। यदार्वरात्द्र्यीरायदेवाता यम्मवाभी रव्यवस्तात्त्रेया क्र क्रियामायावायायाया स्राष्ट्रिय्वर रेश्र तो वा विश्व स्राप्तिया स्राप्तिया स्वार्थाया निरवनगान्ना अस्तिना है। स्परप्रेंगायवार्ष्ट्रा यारी सम्पर्वेता कुम्प्रेर्चातर्वरक्षरहर्षे हिल्लाम् प्राप्त मिल्लाम् रातव्रवेवन् कुव्याद्वे विकार्यः विकार्यः पर्वतास्त्रवाकामात्राद्वाद्वात्त्री है। देशकद्दादर्दाद्वाता है। देशमान्यावकामकास्यात्रे वस्त्री वस्त्री स्यान्त्रिक्ष्ण्याया राम्यार्वारावाद्यायात् । महाराष्ट्रिक्ष्यायात्री न्यून्य यर स्रा विभाषात्री। गंडरा युना वर्ते स्वरहिंग गतुवा छारत रेलु सर्वा स्री वुरवा खुर र्भागर्ताकी स्वर्णस्य प्रतिभागरियाकी। विशेषात्रा वन्ति भीराव्येण स्वाप्ति। द्राक्तियात्रभे बेहाराज्यक्तिक्षात्रभे भूषाभित्रक्षिक्षात्रभे वर्षात्रभावत्रभे यापार्वहरी एतनवरातक्वार्वकाना पर देश हैं अस्तर के के मेरी देश के स्तर हैं ने स्तर हैं ने स्तर हैं ने ही के अही इर्र्स्स्येत्रेय्रेय्रेय् । स्वर्र्भवास्याः ग्रेयार्याः क्वार्यः । वर्षाः भावतास्रितः वस्रवास्ययाः र कर हिस्से व्यवदेश तर्वाता राष्ट्र में स्थान वार्य में वार्य में वार्य प्रत्य के में में में में में में में रे.अ. गुर्के.ध्ये.त्.रेरी मर्.धिर. प्रांता वसवारे गरातरवात्री रद्धि क्ष्युं रद डिवार्यु शे वस्याम् निर्ध्याः धीराववीय । वदान्दरमे त्याक्षमामे त्यवव। मे बदायक्रयकाराः भीमे वर्मिया किक्य रेड स्वराहा के माल क्रिया में उत्तर के स्वराहत में तिका है। तिका है कि स्वराहत के स्वराहत के स्वराहत के क्राध्यक्ष हिराहे सिप्यार प्रमान हेरा मेराहरा साराहरा सिप्यार है। विस्था श्चीत्यद्धिः श्वीत्यवेर। हिंश्ट्वेलहास्यात्यात्यात्यः स्वत्यत्ये वह्ने व्यत्वेत्याद्वे यादः म्रा राज्यानुष्यान्त्रकात्त्रम्याः न्येत्रन्यन्त्रम्याः म्याक्षाः सर्द्रमात्वाद्रभक्षण्योव। यात्राद्रमात्रात्रीत्रात्रात्रीत्री देशक्षाद्रात्त्वात् मर

लून। र्जानिवधुन्द्रभवश्च तत्त्र्यात्रम् संस्थित्वर्वित्तर्ताः पर्वश्चितरायः

वर्षेत्रवर्षाच्याप्त्र, । त्यम् रत्तात्यम् द्वारेष्ट्यक्तित्तत्त् त्यस्त्रत्ते । तस्त्रत्त्ते पर्वार केरावतर क्रिक्तिकी के राम के भी , बता हो र काका मुक्ता है कि सा कुर की है। अविदेशको रेक्तिन भाषिण्यदेवस्य स्थलकोति के कुर्या । महर्तिर मानियात्य मेर्चा । विमाणविष्यम्भेणविष्यत्य व्याप्ति । इत्याप्ति । इत्याप्ति । दर्भा रात्रा है। इस मिल्लिकार केविविविविव । श्रीमका विदान हैर हैर हैर हैर हैर हैर हैर हैर लंचनार्ट्य र जनमाहरी केयार कंचना मारे जनमाहरी हे रह केवल में अपर हरी है ने ब्राद्रकेवलवलाह्मावलाहेरा हित्रकेवलावलादववास्चवहेरी हेलवास्चराज्यात्वरा त्र नातह्व व लक्षा ही हिट से ने भारतहवारों सदा हिटन खुरुव का मृत्याया है। हिट्ना या पुर म्रद्भावनर केटा के वार्षित के विषय के कि वि दुर्यावर्कताला जरतामा ज्यापारा ज्याने जि.वे.च मरसमा खेता व जागपारी में या गरामहेर (यव वर्षेर्यात्र) वर्रा क्रि. कर्तित्या वर्षा वर्षा प्राप्त प्राप्त क्रिक्त । यास्य वर्षा तर्षेत्र वर्षा वर्षा यी द्वायते द्वायदेन हे सुदासूदायता वर्षा हेराहेर ही द्वारायोता दावला यह वर नियद्वेर्ष्ट्रा । । विद्वेर्ष्ट्रियां क्ष्या । विद्वेर्ष्ट्रिया विद्वेष्ट्रिया विद्वेष्ट्रिय विद्वेष्ट्य विद्वेष्ट्य विद्वेष्ट्रिय विद्वेष्ट्य विद्वेष्ट्रिय विद्वेष्ट्रिय विद्वेष्ट्रिय विद्वेष्ट्य विद्वेष्ट्य विद्वेष्ट यावसायसारदार्द्यक्तारामा कृता क्षेत्रास्य स्थानमा स्थान स्थानमा स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान वरामवरास्त्राची द्राक्तेरसम्बर्धरास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र · प्रदाय मेन देशक्र एक रक्ट्री : मेता में देश गण गटन गरे में में में में में में में प्रायदे रहेरे. क्रक्टर. यस्त्रेत्र अव. क्रि. पा. च. हे। र १ हेर सरकी वार्ष र र की छात्र। उक्केर पाराके र भाग्यर। दे वया र र र मे धूर्में व्यापा वराय ग्रेमाइसवसा वसवा मेरवसा मास्टर्ड रादे हैं राहर राही अंभिक्टिन्द्रम् हो हो मुक्तायायायाया छातायायायादेरवणदी मुद्दादेखा स्यान्यान्ता रावे लेव र्गायकरात्रा स्रीतान करकरात्रा रेता कराकरा देशवादा भ्रोतिकारा ना अपराप्रे राजेर जाराका हा । यस अवस्थितिहरू यायरे तिरामिता नित्रिक्षी केता त्रुं त्र वर वेताक्रेन नेरी सेक्टराविया वर यम्यास्यात्रेरा मह्यात्रास्य विस्तितात्र्यम् म्यास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स वालवायुर्भाक्षेद्रकरार्श्वेवहासः इत्राचनाद्वाद्वाक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्रा ह्मयानेपाइ। सर्वात्वेर्वरेष्ट्र क्ष्यकात्रम्याप्रवादावाकारवादारा के राजियेत्रकत्रात्रात्रहाहरः, मुक्तवरक्तारा त्या वरदर। द्रभगपरद्रशुक्षेवाभारतात्रहर्त्तः होत्त्वारावसे न्यात्रहेत्

रयान्त्रेयुर्ग्यायार्थेका भेत्रस्त्रात्रेयः त्रक्षात्र्यः । व्याप्यक्षात्रा म रदार है ब्रिटिस्पारायायां वीयभेरा सहस्यार विवास सेवाहुकाता व्यवस् इत्र रंखन दुवलिया वर्षा है उपके तर्म प्रकारका इकेले रे लहर यक्ष्य से म कर्म द्वार्वा हेर्द्धराय भे में व की राज्य में तर्था मे न्यवित्या नेवाम्ब्रायायम् मुक्ति हेया नेवाम्यायम् स्वार्थात् स्वार्थात् स्वार्थात् स्वार्थात् स्वार्थात् स्वार विभार्भाद्धरहेद नाम्। हेप्पवितार्से वर्भाकी द्यात्मा मार्चेर हेरा यह देव मार् कर विद्यादार रदास्यार्वास्थास्या दास्यार्वादारात्यारात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात् राट्यक्ता त्याया वियम्भिया क्यात्र्य प्रत्यापर्यापर्याप्त्य । ह्यायर्र्यार्र्यस्य वायाय्याः हिंद्रान्ति । व्याप्ति व्याप्ति । वात्र क्षेत्र। वात्र द्वाप्ति वात्र देव वहेर । द्वाप लिल्क् रोस्र की वर्षर तर्व । के तहेव क के वर्ष की का की की की × प्रतास्त्रित्सिर्द्रमार्त्याचुत्यमा स्वायक्तिवहर्द्वाक्षा स्वायत्त्रित्वाद्वात्या विटायते वित्या के के किया विवास कर दे कर के निया के नि नहरार्क्षितहर्तिका हुमायमानेमार्कर्त्त्वीयरमेता क्ष्यात्र मायादेग्या स्वासुर अवाराताकराताकीः वमाम्बायाताचीवायरामा तमुक्तिरामा वार्किरामा वार्किरामा द्वान अते विवादिता । अस्ति अकेरकिर ते दे विवाद अप्ति महिवादन भागान स्ट्रिय विवादन स्ति । क्र्यालवर्। वाववालातकरःवर्तः वृत्ते वृत्तरा वृत्त्रयावरेत्रदः अद्दलकृतः वर्षात्वावरेत्रदः दिर.या.चल्या.देदा चाता.द्व.पीर.व्या.क्र.क्षेत्रता विजयाक्ति.द्व.देवार.बेंच.पी.द्वा किंद.राप्ट.द्वा. इत्त्वात्त्वर् क्राय्यत्त्वर् अत्यात्त्र्वर् हिल्लाम्याः वर्षवर्यते स्वत्यत्यः अव । व्रव्यत्त्रः व नाम्यान्त्रना क्रियायरे हर्षायाये त्यां मित्रा व्याप्ता व्यापता व्याप ह्मिर्रिक्तित्व विकास विकास विकास क्षेत्र कार्य कार्य विकास क्षेत्र कार्य कार्य विकास क्षेत्र कार्य विकास कार्य अविश्वेवासदुराकेतीयात्यार्क्षाता वात्रम्याव्यात्यार्वाक्षेत्रयाः यात्रम्यात्रात्रा स्रद्रम् क्रिया कितात्त्रं त्यत्वर्वद्रितिविद्रात्। स्र्वतवद्रम् के स्रत्मिरविक् । अर् यामार्याद्वराम् भिष्टरायाद्वराष्ट्रमात्र्वामात्वेभा रेग्नेवारायवामरामित्राच्या द्वानित्र नामदान्याराष्ट्राक्षेत्र्यार्थेरारेन हास्तानात्रात्यहर्त्त्रारेन सेवास्तात्रक्रवातात्यक्रद्रपते त्याता रदात्रवायवित्रभागात्वयाम्दर्भा संकेशमद्द्यां विद्युरायना तह्यासायुर्ध्यया रदाहिरारे द्वावाक्षेत्रवात्रवाति ह्वायते त्यापा क्रिक्त्यरे मास्यर सामार्थित यानिक्ष्याक्षित्राक्ष्यां तह्त्राधीराधरक्षेत्रकेतात्ता रशामात्रे विवास येरा वानी वेश र्वापर्द्राण्ये वस्त्राक्षे गुरक्ष्यायण्याच्यास्य व्यवगातर्द्याः स्ट्रान्य प्राप्तायायाः स्

व्यास्त्र क्षेत्र नुभाग्न हर्षेत्र सुद्धी सुक्षेत्र मालु द्वी माल र द्वारी, व्यान विवास के वर्ष सिक्ष दरकेवन। वार्षरञ्जीन्दरायक्रास्त्रे स्थानम्। तर्वातत्वानिकानेदरक्ष्या सद्भ की गरेश सुगदी तहम सुगाये गलाय दिसदरल दर्द मेरे भेर परायाच्या म्बान्यका है। रहाईकानरवायायायायाया निर्देश करा हैना हैना हैना रेना रेना रहेना वान वर सर्वा है। एक रंगा , स्यासिया गड़े सर्थे स्वर्द सर्द है दर्भ के राहिंद सर्द राहा दें थेवाचलयाक्षेत् वात्रात्त्रात्वेअवर्यद्रत्येवत् द्रात्रेत्रविष्ट्रत्ये हरवाभारीयांतरेता, नवाभावतांतांता वा नवाम सराहरातीता स्टान तमाईरव्याम्येकेसेर्द्धायाद्वाता वे अराव्यायते स्पर्द्वाया र्वाताव्यायाचे व स्यूर्धर्थर्द्वताकिर्द्धना प्रतिल प्रतिष्ठा प्रविष्ठा भाषा के दावपारेवा रद्धिया प्रत्येता विद्रा तर्हारा महोन् इस्यायदुवर्का हराहरा स्म स्टायादवा धीरहरात्याकीया दारेलाता ग नविनात्मत्रद्रा दात्र्वां अवराद्रवाद्देश हैं ते ये क्षेत्रका अपूर्वित दे ते दे ते वारा श्चिरपदेराहिताकीराद्वाराहिता द्वाराहिता व्याप्ताहिता विकास पर्नाता यानुग्वाष्ट्रपुर्धियार्द्धत् अनुपर्ह्त्याष्ट्रपुर्ध्यार्द्धत्। स्वानिवार्ष्व्या कुलाक्वा छा.र्द्रात्र्वनक्वलक् के किंदा रदार् में में विषय दे हुट में भी या दा रा रदा में में विषय दे हुट में भी या दा रा रा र्द्धना असे तर्भेरा से कुलना वेजायमा का निर्देश असे त्या कर स्वर्थ कर में त्या वर्ष गराभदर्भिक्षाम् नाम् नामिन्द्रेन्। स्ट्रास्यापाभक्षाम् । सम्प्रम्थन्यस्य कु मुद्द्यगदेवग्रव्यायस्य तहेव। वाह्यकुर्भ्द्रके रव रव रेर् रव यव तमायास्तर है सार्य रेर् क्रांभिट्टित्री कुराच्यात्रप्रक्षात्र विकास क्षेत्र विकास का क्षेत्र विकास का क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र ने बना में के विरायदर स्वा के बर्द त्वीयायमा में नियाद वा वेस हर पर है पर तर है र सेन्यार्रामहर्पत्राष्ट्रिक्षिक्षकण्याष्ट्राप्तान्त्रीक्षावरायक्षेत्रम्या पायरे प्रयुत्त्वा नार्ट्स्याय मित्रे के त्या मित्र में ते में में ते करारीयभाव भूरायदा हार्याच्या हार्याच्या हार्याच्या हार्याच्याच्या हार्याच्याच्या त्रकार्के दर्गा ने स्वी धीवार्डा देवला ब्रह्म दलस्या स्वाकृषास्वरा देवला प्रवासिकार की हरवते देवे छेत्। देवे तबुव यते रद स्वादिशया रे वद की मुद्द स्वादिश स्थाप . प्रम्यमा स्वारा रदार स्वारा के दिल्या के दिल्या के दिल्या के दिल्या है। सिर्कद्रवस्ताहदराहिवाक्षरकात्वे स्वर्गा के स्वर्गद्रभवता वास्तिविष्टितापते सेदल्य लर्षिट्रश्रीट जटलिव स्त्विष्ट्रियाल अर्थाल अर्थाल द्रार्थार प्राप्ता व्यापाल वि ्यः रर.क्र.म. यात्राक्ष वित्राक्ष वित्रात्र वित्रा रराज्य वित्र वित्र त्रहरक्त्राह्मात्रात्त्रात्यात्यात्रहर्द्धः रहणस्य दक्त्रम् स्वत्रक्ष्यात्रात्रात् वास्तरः हते वर वर हार देव दर दिया हते वर वर वर कर ते देव वर दे किया से ते दूर दे लर्याय्याय्या हत्याय्याय्येरावर्षेत्रवर्षेत्रवर्षेत्रवर्षेत्रवर्षाः मिवता क्रियाय्याः क्षेत्रवरिष्ट्रवर्षेत्र

2 Ba

क्षात्रात्र राष्ट्रिक्कवार्स्त्र म्यान्य क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र व्यवस्थाता क्षेत्र विष्यस्य व्यवस्य व्यवस्थात् त्तिक्रीन्त्रे मूलरक्षाह्र पर्तरी पर्तु भी स्वाक्षित्रक्षित्र क्षित्र प्राचित्र क्षित्र क्षित्र ्रपरी रे.ब्रि.क्षेत्रकुर्यामणेश्वितकारी र्वार्गास्यान्त्र्ये विमानाम्रेरेतकारा सामित्रकृतिकारी यस्तिववराजीस्त्राहराहरातास्त्रहरूराताः व्याप्ताहरूपे क्री. सुप्तावर्षात्रः भैरानेद्वाथरा कालातातीदायां व्यात्मात्रात्वातात्त्रा है गर्गाता स्तिक्षित्रकार्द्वेत्तं व्याका न्याका राज्याकी महित्रवार् वार् राग्रायर्भी । द्र्यवाराह्मान्तुरावराज्यहोत्रातीते । ह्राय्यात्रात्याच्या ्यिन्द्रित्यायात्वीवत्तरस्य । सप्तित्रात्तितात्त्रात्तिता पर्यात्रात्त्रात्ता वाष्ट्र त्मुता नित्यक्षे भारत्वारेत्। दार्दरदादादादादात् । क्षेत्रात्रे मा क्षेत्रात्यादा द्वार्त्याया यायतःत्र्वितित्वितः कर्कत्तः सेयस्य वायद्वयद्याद्या स्थे लितद्वः सुराद्या यापे लाकेदादे सेर्दरा केन्द्रायाप्रधारम्भुग्यस्य। येन्वयस्यायदावर्ष्यं देस्यस्यायदेश र देव राज्यर विर मिर मिर मियामक्षाप्र में बात्र देव प्राप्त में के के लो निक्र में ते हैं के लो निक्र में ते हैं लानेलाल्द्रका, वाललात्वीवकोद्रायतिकदर्वाकाहेकावा। सक्ष्मांसूना विश्वास्त्राया मिनायाता की रू में भरी यात्र रेट के पार्चे व ते र र व अरती करती याद र व र र में पर वयाक्षा दरक्षात्राचित्रे दश्यवदरावर्षः वर्षः स. म्राचार्युका । सदादक्षार्यद्रां पर्याः नावकार्यात्युः से केव कर्यायात्यु स्तरं किया। स्तरा मिर्द्रश्याम्बर्द्रश्वाद्वेत। सर्द्रितास्यक्षाद्वताद्वास्य। सर्वेद्राम्द्रम् स्वताद्वि े अन्तरम् अ ऑन्स्यवन् भ हरास्राप्तार्तिकार्तवपुर्ते से यामाक्राम् नव्यार्मियास्त्र र्राष्ट्राधायास्त्र भूत्यात्रमात् के दिया वास्तर्द्ध स्ट्रियात्राह्म के प्रत्यात्रमात्र के प्रत्या कार्यात्रमात्र के प्रत्या कार्या किं। नरायसेरायधुन्ताज्ञात्वलात्रा पह्याकेवात्त्रात्ता मियाह्यादरा र राजा मारी श्रा माया राजा माया हि हि द खेर ता खेरी कट्र व राजा ने ता व के कर के सिष्ठी ्रे स्थल इट्रिश्र क्रि. श्रुं ते क्रिकेन दिले क्रिकेन क वेद्यकारायिक नाम्यारात्ता । राउद्येषक्षिक रायते के देशकेरावास्य नुः तुन्य कारताम् १९१५ व १९८८ व्यानिहरू व्यानिहरू वरासुदासुवायायदा, राष्ट्रवामुलायति यानिसार् ंर.कु. वर्रा देश.स्यायेत। इरक्र रदेर वाद्याय यक्षर। देव येद वर्षाय वर्षा वर्ष याराद्वारा नास्तुः म्रास्तुः म्रास्तुः न्द्रुः केवानुःद्रात्षुवाः श्रुतिःद्र्वा वावविश्वःद्रद्वति। 6 म्यासायाः द्रमादादाः क्रियाम्बर्धितः वार्ष्णायाम्बर्धतः मृत्रद्यतावा ह्याची द्वार्यवा कुरावा विवास्या विवास्य विवास्य विवास्य विवास ्रकारम्य कर भास्त्रास्त्र त्या मान्या प्रमान्त्र । वर्षित प्रमान्त्र । कार्य प्रमान्य का मान्या मान्य । वर्षित

मूराताअक्रांक्री की नार्वे वु नार्वे वु नार्वे ना दर नार्वे ना त्र मित्र हुरा के नार्वे ना वावावी

कृत्या है तर के इस मार्थित है नासर माना दर नुवा संभित्य हो स्वता देद देव देव देव हैं तर के तर के तर के तर के त

ा भेजायुभाव के पर्देश्या दर वरा करकुल में ते न गतामकी पदत वरा भेव में न लाना मुम्मी र्वर्ण, विक्रह्ण त्यर किर के व्यक्ति के व्यक्ति के विक्र के प्राचित के प्राचित के विक्र के वि देनेहरमावर्वेदिखेताकता हिर्केलार्युक्तिकाराम् प्रहित्र्यूच्यां है। रमका सिंधान्यक्या पटा वापानिव्य विष्यान्त्रविद्यान्त्रविद्यान्त्रविद्यान्त्रविद्यान्त्रविद्यान्त्रविद्यान्त्रविद्यान्त्रविद्यान्त्रव क्यानेयादरीर र्यायात्री अहेग. ही. घटा तात्र इं. युने ग्रारी तयावन रगरके अक्षी अर्थे यरा नुसुरकेवायरी द्रियाया स्वादा व्यवस्था स्वादायाय देवा में वाहरा राजा वाहवादे त्यन्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यक्ति रद्यदेन्नवव्यक्तियक्ति प्रति अप्रिक्षे मोर्जिते क्रियान्य स्टिश्न द्वारे भेर वर्षात्रया क्रियां क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया , क्षेत्रेल्ये त्वाता केर्यकेरा कुलायंकी का तक स्वाता के आरकी खरकेरा, वि खुकाला अयदकर । सुन्। वर्षीयेक्त्रतः । ११वे १ वर्षा नुष्कुतियासुरव्यस्य वे रायवना वरवर्षी सर्वे मुलास्त्रदिः भरए न खुवा लूरितारु ला श्रे लाजाकिर व बर कि मा कि दा किया तर मा व श्रिता ्वहुन द्रान्द्रान्त्रेत् । त्रित्वानित्रे श्रीदर्रात्र्वस्य क्रियम्यक्रियो व्यद्यम्यम्यत्तित्तर्ते विष्यावक्रत्तेवक कराक्ष्रियाक्षात्यदाक्षात्रः क्रवायते इराद्वाक्ष्यत्यात्वात्राक्ष्यत्यत्यात् क्षायात्राक्षात्रे क्षेत्रवरात्व म्रेटमाना त्रवान इन्हरतार्द्र वृत्यायत्रवावत। दर्शेत्यमक्वार्द्रकृत्यम् धिरास्ता हेन हे अहा वर्षेत्र वर्ष स्वास्त्र का तहा है से वा से विषाः भरा कुत्रः यदे ग्याः वराया कुताः यो द्रार्द्धां के वाद्यार्वा व व्यावाया वर्षा व वरा वाद्या व वरा वाद्या हु राज्दे वेद रहर । हु वेद अद गया की भी गयुभाव के किद किद केद रह गा भी सदे र किया तर् हैरहैं देरकी रिकेट्टी रिकेटी रिकेटिंदि के किया में अहू के के लिए स्वार्थिक निर्मायवर दरदेर हा अहिती लु हे वा खेला स्वेर्थारवर स्वार पर्देव के दा लु देव देव देव। मिन्द्रता दवादलाकेटामुख्यालक्ष्यालक्यालक्ष्यालक्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्यालक्ष्याल क्षे श्रुवास्थानायानायायान् । कार्याकार्यानेरावायान् वायदाः द्वायदे त्यायात्रेयायदे यां इन्हें रेजालकी आयतार कें ५८१ वी खास कें वे खें त्या वह दे वह ते वे केव रेजा की वार तर्णे दर्ग मेंबायरी दें वाबाहर्भ अहरियरी सुद्रादेशकार्की अविरादकी दरा ताब्द्रवरे अंदर्भ अ महर्तिष्ठी जमाक्तिर्वायकी भवतार्थी, वन्ता भुजवाति, वृत्तु वस्ता है। वर्षिवाया वर्केवायुत्यम् स्वानुदेन्तः रात्रिकृता दि विद्याता तद्वारा के अर्भूरत्यवानेश ब्रिक्वियानानान्यिहिर्द्धित्रे होता स्वाक्ष्याने स्वाक्ष्याने स्वाक्ष्याने स्वाक्ष्याने स्वाक्ष्याने स्वाक्ष्य वर्त्र-वर्त्व व अवस्थावित श्रेव अति अक्ष । र्यतः श्रीटः तह्यायः वरमः स्रेटः त्रेटः) मि.गरैकालाएकर.वर् से अतुरावनं यमित्रहित्यह्मतात्रहा उतिकासिवा यमिरक्रका. वर्र क्रिक्रक्ष्य के वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष क्रिक्ष क्षेत्र वर्ष हिर दे दे वर्ष वर्ष वर्ष क्षेत्रभादतः वार्णनावहिवालानियावितावितावितावितावा अक्तार्वाराम् भारवता व्युत्वत्वत्यत्यान्त्रवानीः वादवान्त्रेदवः वनातःस्वार्धरम् रेदर्यपदाः व्यूप्तरे रूट्र ग्रेयान्कीतान्या अरगणस्याने के मल्यान्यान्यान्यां महानानात्यां वाद्यां वहीं

भूतक्ष्यात्रात् भर्त्वात्रात् में स्राप्ति क्रियाय्ये सक्षात् । स्रिवादवदावुदायदे त्यादात् त्याय्यायः । क्षि मस्दरमाद्रलात्येवप्रा महाद्रमायायायायायाया देवीवाम्नारदिक्षेत्रासुद्र म्भुन्द्रात्र्र्वहर्भ्यःक्रूरः। दःसदः म्पिख्याया वम्नामत्यम्भवतः वसः भीताद्रशास्त्र क् केन दान में दान दिन हो निया के निया र्रमी त्यभावभीतानाहरं ही महित्तरे जारी लार्यातरी भाने महिन लाएं मांसून निर्मा तार्यः विवासनार्थः सेनासनार्थः युवासर्थः त्यार्थः स्वास्त्र स्वास वाडेलासुवादरा हरियारार केरा देश हिस्सर्य स्था तथा लुकाल प्रमान वासुवा महीर रुन्त्रमा गर्वन्द्रयायात्रात्रम्यान्त्री क्रावस्यायद्वात्वर्षात्रद्वर्ष्यायद्व पर्वनित्यं देवाला अहीं सुदारी लाइ अकुता याला क्रा के दाई वाया वा महत्या थीं र्'यो अस्ति। येरी रवारपावावावा रसर केर्'वस्त्राया स्वार प्रवासिक रामे विकास में करमहा भरतः हेर मन्नायके विवयां संदर्भ वारवा मन्त्रा या मन्त्रा मेरा रेडा £41. उर्वनिर्द्ध्यानम् । वर्षानम् । क्रियान्वन्त्रहर्ष्य बहारियां केरण केरण मिराम्या विकासे ताला निकास हर्षेट्र पर्वेट केर मेल भुलाकर। भुन्द्राष्ट्रायम्भूभाभूभावर्। समक्ष्वात्वरक्षराद्राक्षेत्रात् विक्रावर्षाद्राव रुकालानियामा गिलुदान्त्रामा मेर्न्यामा मेर्न्यामा विद्याली विद्याल क्रमास्वरत्तर्द्रह्व त्रह्यास्वावकानी क्रोसायायदा रेदवरी कृताह्य हैता रहें अभिन्य द्वाद् के मा कर्रा कर्रा कर्रा के देव विद्या के मा पर् दिए बर रे अस्मित्य के ताव हरा । व्यक्त मिला वर कर कर का असमित के नित्त हर लुन्नन्दर अरात्मकावर्षेत्र राजाः विवासीयानोवर्गाताक्रियाक्षेत्र। प्रह्मास्याव केरादर रा. कंषरग्रेंद्र, वट. केषा. जेशाला प्रेंस्वाक्त्रेंद्र। का अष्ट अर्वे वेषा त्यर प्रब्रे. जा विया विवी विवी विपावसानिहरू श्रेवारे श्रवारे श्रवारे श्रवारे स्वारित स्वारित स्वारित स्वारित स्वारित स्वार्थिया सिंदी ब्रेगराम्भू ह्या हु त्य रामा हुर। वरे व्याद्ययावा वर वर्षी व हर व्यर वर ही व्यर् भूष। यक्षितः म्यात्म्र्र्यरमः मानि सद्देश्याः भरत्याः मान्यस्याः भाषाः मान्यस्य साम् इर्। वन्नास्त्रेर,क्ररेय,यहराजातिया वनास्तरायहरास्त्रिके मेरास्त्रेन स्वरायम्य ्राः वायानानी अस्तर्भात्री क्रिक्टिक ही वावना होर वही। नहिना वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या

ग्रायम्भाद्रात्र्रार्यारयंग्रास्य मुक्षाः चित्रार्वा कृत्य यात्र प्रायम् । ताः मस्याय परितः वार्येकावरा रेजास्ट्रियाकारा हुंदा टेरबी.स्ट्रिंट केवाकारी भवार्ववरा अष्टवालास्ट वक्षी तर्यक्षिकार्यक्षिम् वर्षाक्षेत्र वर्षेत्र क्षेत्र हित्यक्षेत्र हित्यक्षेत्र क्षेत्र क्षे नाथदरमाराष्ट्राक्षेरणयम् । हि.स.कर.वरार्यर ए.स. व्रम्भर.शक्त्र चत्रकाश्वायरेग । क्रिय अर्बर.जेग.वे.त्रेच.त.श्री जीवा.रेनरप्रह.जूर.इ अरेत.श्री श्रेकुन. ग्रेप.श्रुम.व परत.श्री विश्व क्यावानपादिरायादी देवमाताद्वीतिरत्यत्यावणा वास्ताकेरत्रहेवकार्याता वास्ताकेरत्र बिन बार्ट्या न बी वा अस्ति हो। म्यान वा ने त्रक्र.भ्र. प्रमाद्रेश रहेर्त्र, याच्यातीयथार, केर्यर्ये । यात्रायाती, क्षेत्रात्र्री वर् मेर्ट. क्षेत्र मासरवर्ता केवावराह्नेतवराह्नेत्रात्राह्नेत्रात्राह्नेत्रात्राह्नेत्रात्रा केवास्त्रेत्रावरावराक्षेत्रात्राक्षेत्रात्रात्रात्राक्षेत्रात्रात्रात्रा द्यरातवर्यादे। बुदार्यवर्यते वासुरादका के त्यासकी वास्त्रिकी दुराकरादका राजार्यका दे प्रभावत्याक्षेत्रहराधीः वर्षवात्र। व्यानेवाक्षित्रवर्षात्यम् द्राप्त्रम् वर्षे देशाधिव, क्वांच पुराद्वाया थे राये राये है। स्वयाता स्वया यदि द्वां विवा वीता सेस्या युवाववा कुटायार्द्रद्रयम्। जैनाकुकार्द्रवाद्रीयादाद्री कूर्वक्यात्रात्यस्यावद्रस्य वद्रास्ता विवास्य प्रवस्त्रास्कर्तित्वर्रः वादेवःवराक्षेत्रुवा रूपात्त्री केवायात्वर्यर्तित्वर्वा श्वान्वर्ध्याभक्षेत्रम्भवाद्दः स्त्रेश देव्यायाद्वी तर्त्रेवया की दर्भद्वाया प्रमाणुत्रा विश्व देवता का १६.) रूम.वर्ग.वेम.वंमत्मत्यत.व.द्री कैल.द्रांतु.वेस.पाद्य. स्वत्मा द.ज्येव.स्र रक्ष्यु.वे. कारमा दर्शसुर्यमात्म्वार्म्यायो द्वनात्म्यां भे छेराद्वारमायायवर। न्यार्परदाद्वार्थः क्षार्या में अह. मेलायन अलियंत्रे अरायमामायावि अक्षियार रे रेर्टर वर्षेर् रार्टिकार् ला दंगुअशालिकक्षिदंबराजारावरता सावराजारावाता है। इस बर्भे बरत्वरेराक्षालयहरी वर्वाभेर रे केर्टर मुक्ते खुक तर् । युक रर र्र मचर रेवळेव द्वा वलकार यते खुका खेवारा धील द्दाद्वरः। दुर्दानारिकः । त्रुपार्यस्य क्रियायद्यामेर्द्रम् वस्तायद्याम् वस्तायद्याम् में करा श्रामावर्षात्रीर मेर न्या रेजा र उसा मितर ने र्या हा ही ला आहा ने के के ने रेटा रेटा रेटा पर ने रेटा में वर्षेत्रद्रादराष्ट्री वर्ष्येदान्द्रदासूत्र ।वयमान्यन् यावहारादाहरारा वर्षाद्रदाराहरा वर्षाद्रदेशाविववदेशारहरे र्तः विकिद्रमाधिरात्वा एवं रावारा लूटबलमाखाकाकाकान्त्राताना कि मिर्मित्रम् तां विश्वस्थायद्गर्यार्याद्रः द्वात्वराद्वाद्वात्वस्थात्रेत्रं विश्वस्थात्रेत्रं विश्वस्थात्रात्रः विराधिता द्यात्वरुद्वभाभवतिः भ्रांकिन्दातात्। श्रीराद्गारार्वरपुदित्यकान् केकुणाभूकार्थाः बर.यर.सूर् सेर.४क्ट्रार १.इं. ब्रियाकुरा सुवाकुरा सुवा तिर हिर.सर.सेया व र.एक् ३१. बराया है. व्याक्त विभागर्याकर्षाकर्षात्रां कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कराववमा मानवा कराम प्राप्त करा करा करा करा करा करा करा करा करा त्यानात्रवाद्वनानी वाक्ककवात्रमा वाद्यारह्व हिलाद्यात्यात्यात्यात् । द्वात्यपुर्वाहित्या भूत्री र्वटार्वाषु त्रीता एस्टेटावर्ष्यानीया भूत्री विश्वट्या से राजर्ए में दे के दे हुई। सर्थः सूर व्यान्यमात्वयात्ववाधिया हर्नेत्तुत्वमात्यक्षित् व्यान्यम् व्यान्यक्षित्

23001

製作知器

三年3

र्रातः रे.ग्रुं हर्म के. व.संका वि. व्रेंद्रका तर्ये व का वा व्येंद्र के वि व्या व्येंद्र के व्या वि व वयाववरानेता क्वें व्यानेता व्यानेता स्ट्राया स्ट्रिक्षात्य स्ट्राया वयात्यात्य । द्वाताः शक्त्वाः सेरारायाः क्वायदान्तरायाराद्यायाये । राजवात्वात्रः सर्वायाया देता इर्ड्र केण त्रु सेल हैंग प्रया हर है। इसमा है। वैसा स्वत्रह लाई। दवा शे से रर उद्देश्यक्षक्षक्ष्या । कियास्त्रक्षक्ष्यास्त्रम् वर्षास्त्रम् । वर्षित्रम् वर्षाः अन्मात्या नेरायक्ट्रा म्या दर्भावायरायर मुलीख्य दुर्भवात्य वर्भवाद्य प्रायत्य क्राअक्टर्यून्यून्य क्रिया न्।यद्राह्म , द्रदेशद्रव्यवाद्रद्राह्म प्रदायद्रव्यक्षित्रम् मार्गद्रथवात्वद्रवा अस्त्रेतायद्वाद् रात्वरात्यां वर्षेत्र देवराद्याः श्चिरक्तायर मास्टराय केवालुके खेरा स्रेता स्रेतायर वर्षायर्शः र्भा मिलेश प्रमूचितालाकाकात्वा वा वारा मार्थे प्रमुखा का वा वा प्रमुखा प्रमुखा करें क्ति. येद्र अद्र अद्र प्रमान प्रति क्र रमारा क्षेत्र क क्षे अपालवान्त्रवे नःतर्देवःयर त्यानेदः रहाक्षेत्रदे र मूलायावोदः वर्षः वर्षः वर्षः दे दे दे दे दे दे दे दे दे क्रीमहिन्द्री है। वीरामहामा कामजाना यमहूनम्बर्ममा यरे, म्रांदर्भ प्रमानियात्ये । स्तापालयायिकासा सुद्रमान सियहरक्षेत्रा प्रमानिया परेदा ब्राम्यस्य विष्यात्रास्य स्त्राः स्त्र इसायके यहा वीत्रिया विस्तित सिक्षा सिक्षेत्र किया विस्ति वर्षेत्र के किया में सारदेशस्याराषुकार्यका संवदः त्रियायते और उवारेदा दारदादां अस्ववा अन्वहेषा श्चिर्दरस्री तार्वाश्चरता त्रे शिक्ताराद्वराता व्यवस्ति। व्यवस्ति व्यवस्ति। व्यवस्ति। व्यवस्ति। व्यवस्ति। अत्वक्षर्त्वायुःश्रेष्ट्रेवादुःभवा रदःवक्षर्भवाक्षरःदेवाद्वायेवा याः अहेरत्वकाश्वाद्वातिवः री अवारावरको में ह्वामीवा वार्वन द्याराष्ट्रर दे रहेर है व की अदायहा दर की वादन वहर तर्। भ्रेंभ्र वर्षा रहे हे तर् । वर्षा वर्षा वर्ष वर्ष भ्रेव केवें वर्ष कर देव कर देव के रहेर ए मेंबगाल श्रद्भवक्षतक्षर तथीं लाव केवा श्रदाक्षत वार त्राता है। है। है। है। है। ना मिलायालाइवान्त्राक्षात्राहरात हैवायाचेराहराक्षेत्राक्षात्राहरा स्तिकालक वर्गाला हैर्ज़ है दैवालवं के व देश है देश है देश है देश है देश है ने व हैरा व देश में स्ति हैरा मार्थ म् वर्वरावर्षायर्भागाः कर्रायाः स्थानाः वार्वभागाः साम्याः स्याः साम्याः साम्याः साम्याः साम्याः साम्याः साम्या विवस्तवादारास्त्रीतं द्वरार्थानुस्रवादाराः स्वत्राद्वात् स्वत्राद्वात् स्वत् । यतुःशुः वेशल, श्रह्मत् व्युवः देशरः वयुः श्रूशक्रेदः वयसः क्रीलः वक्षद्रश क्रिया विषा विभागः मरी क्षेर्देत्त्रःम्भामा मुक्ति विम्मरम्भवत्त्रमेन क्षेत्रक्षेत्रके राज्यत् विवादा विदेशको अपादः

भुराष्ट्राम स् मार्गाम विकास कर । भूरभावविष्यम् विवस्तिति विवस्तिनित उद्देशकी अन्तर्भाती दरासेन असदरमायम् वास्त्रा महिता है। किर्तार मिं केर्भवः व भेतुवार वितेष्व राक्षित्व विक्ति है। देश हैं दिलाय के तद्या वर्षे राद्य वा तव के दिला है। इत्त्वराद्भार राज्याके से हिर्देश रें के के वर्ष राज्य है वर्ष राज्य राज्य राज्य के सम्में नाता देवका क्री द्वार्रेशत्वे व्राचनित्री जयका स्मार्थित्री में स्मार्थित क्रिया वर्षेत्र यग्रभागाम्भातद्व। कुलायां अद्याद्वारका कार्यात्र में त्र्वायामा विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास सेटामाम्यात्वां स्वाद्यं कार्यात्वां यह स्वाद्यं कार्यात्वां स्वाद्यं स्वाद्यं स्वाद्यं स्वाद्यं स्वाद्यं स्व करण्येत्व्यवानायुर्केत्य। युर्क्त्रिला येत्रक्त्रिला केत्रिला क्रिक्तिता क्रिक्तिता वर्ष्ट्र हिरायक्ष्या देरमायर् हराष्ट्राच्यात् हरा राज्य हराष्ट्राच्या नहस्यां र्द्रान्यसभावतः भूरराहे हर्ते वितवार्थे के मादरक्ववस्ति हु सुर्ते सुर्वद । क्षेत्रमहिन्द्रान्ते। क्षेत सुप्तायाश्चायाश्चार्यादेन्। उत्तरात्ताः नेन्यायदा नेवायानवित्रावरः शुक्रा परिताल का किर्व हिकदे कर में शुर्व निर्मा के ने ने कि के निर्मा के कि के निर्मा के कि के निर्मा के कि के देवलद्रातादात्वकुरः कुलक्ष्याद्रप्तिया अवन्यदि स्वाद्रद्रम् द्विषायाय र्म् दृद्धियके मानायुवायद्या रेट्र स्थावायुक्तात्वाय्य राज्यायाः रिन्दिस्त्रिश्वरात्तेश सेवात्त्ररात्त्रीत्वात्वात्वात्वात्वात्वात्वात्वात्वात्त्रात्त्रात्यात् देवहतः 14. इंडर क्रांटर है। अपन्य विवास कार्य क्रांटर कार्य मार्थ क्रांटर कार्य मार्थ कार्य मार्थ कार्य मार्थ कार्य मार्थ वारम्रित्भे भीवन्ने मार्था महत्त्वर वास्त्र वास्त्र वास्त्र मारहितासि है। तर् हित भीर हर राद्यार वर व्यूरा द्वज्रद्रवावात्र्वववावात्त्वव क्रियावात्त्वव क्रियावात्त्वव व्यव स्तिते हे हैं र श्रमियं केंद्र द्या नेरी बीट के अमार्का जरें का के वाता की वाता मार हैं ए प्रिकार कूर हैं हैं है रदा दिलाम्बाज्यकुष्टित्राचदानास्त्रत्र। रवित्रवादवात्रकाक्त्र्यक्ष्यता किंदालीकात्रदापक्षिका तहिवानेवान्। ब्रीरायतिकीरानद्वरानद्वारान्ति। रान्ति । रान्ति । रान्ति । रान्ति । रान्ति । मुन ने मन्दर्भ कर कुन वेर पना पारी रा की देशके महिर आसे पानी ना हीर केरे पने पाने के यायरी र्नेदायवेग, वर्षाता सुरी रहा दराहर तर ग्रेस रवा रवा रहा वर्षा रहा या प्राप्त भावताती कुंतान्तरावतामा त्रार्किरायात्त्रेते हे.वि.हि.रटायम् अता वि. र्यतः वृद्धः बृद्धः वश्वः व्यापारः वश्वः वश्वः

कर्मा के से अभादता दुन्तुन । श्रे के के अदुन अदूर त्यु च किया अर्के र दर ति वी अर्के देर वी नास्त्रा -रदावर् न वश्चिरामध्याम् छेर। द्धिर्भाववनायतः हिर्भाता र्वाकुरामुदाकुरामुदाकुर्वा भुरद्भरम्यम्भगत्रह्माम् इरि हेरिह्मार्थर्या क्रिया मुक्ता प्रतिस्था पर्या क्रिया है। अपायी वर्ष सुराया वर्षेत्र हें। द्वावालुविते द्वादन्ते तिनुद्वास्त्रिये स्थापना स्वाद्वार्या हिंदा द्यारा नाल सदस्की स्ट्राया कुबालवंगाल्यूत्यरवाकेमाञ्चरायरेग । यदायर्राजाक्षायक्ष्येयाव बेटा क्रीरामधुः वीत्रपृत्रक्षेत्रम् । एवंग ता ग्रूर्रगर्भेभवातास्य वदवात्वर। मृत्वते तुर्वासी विभवातितातासी केवा हो देशहीरावरार्विया कर करवावद्वरमाय देशवादि वु ख्वाकी या वा समाय विवयंत्रीता प्राप्ता कार में त्राप्ता के त्राप्ता के त्राप्ती का अवर वर्ण कर जा क्या हा जी की कि वर्ष के वाली वा वर्ष के वाली के विकास के वाली के विकास के वित उन्म्यं युना सहर.सहर.प्रम.यमिनाईर.त.त्री हुमन्त्रर.यनत.क्रि.त.क्रि.ग्रामुग्राम्ये क्री वे ते ते में में के प्राप्तिया सक्षे प्रवे वे वे ता क्षा ता क्रिया क्षे प्रति वे वे ते के वे क्षा प्रति वे व्या वा ८र. ५९६. ठवे बासियात्यां क्रांटाचला सेर. ५९. प्रदेश प्रदेश वाद्य देश क्रांट्र प्रत्य प्रत्य देश र्वे अस्वरास रहक्त व बेटा) वायव आट के पार्च के प्रकार के वस्त्राम्भवातास्ति हुन्यास्याम्यान्त्राम् । तराम्यायान्यान्त्राम्यान्त्रा क्रिकेसरी अलबरायवलवारवायहेमावसी अवभक्षात्री हिंदी राष्ट्रात्मात्रात्र आवरम्बेस यातीत्विष्टाप्रकुणात्वापरी कृषाक्वाहित्वहन्त्वाकु व्यवसायवीय। विद्यायहेत् हेरास्वाद्यात्वाद्यात्वाद्यात्वाद्या वरावारा अर्था हे सेर् ही विभावरहराद्यवा व में ता है खु व हे देखा खुता रुद्या व शव है र अद्याद्वर्षेत्रेर्यत्वे म्यापाराह्यक्षर् क्रिया महर्यायात्वरया मृद्धप्राप्ताव क्रियो मे मयुमाद म्याव वामात्री राष्ट्रासाद्या हत्या वाचारवर्षात्र । व्यापादेश महित्या व स्थित्रमुत्रायो नाम्साता त्रवाया मार्गिया रवार्वाक्रियायदावर्वम् राधारे स्त्री कृताद्वे नेयुद्धवाद्भेत्रमाष्ट्रेर्वयत्रार् मुद्रकी वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे भूते हरे नद्र बुंबर्क्स म्या व्या वर्षा बुद्रवा में व्या में मुवाया थर। ्रेस्माल्या बयरा, पुराक्ती से लिल्ब्य मार्थित विकास के प्राप्त कर के विकास प्राप्त के विकास के प्राप्त कर के व श्रीश्वर श्वर तरे हिर श्वर सार्था । अर्थे अह दो हु। छो. श्रीश्वर प्राप्त श्वर । श्रीखार सार्थ । तात्रातातात्र्री व्यापाता के त्रात्राक्षेत्रकाष्ट्रका के त्रात्रके व्यापिकी व्यापात्रका व्याह्री वरासिव्यवर्गराम्याम् देशायते भे तार्द्रक्रमह्दी सरमिव्यक्षात्र रात्रमा स्था महत्यते। श्रीताद्यतात्रम्वत्रहित् द्वापाद्वाप विविधानामा मार्गित विविधान मार्गित वास्त्र विविधान विव द्रात्राहा मदानुनाया छो। यदावता वाका मही कारा महावादा कारा हा वाहर हो हो है। महामहा छो। एम् वलमा दरतिय नेट में वा भारत कर प्रियमित केर ता हो एक वलमा परारम के में पार्टी रस्यानेर्त्रे वसाववर्षक्रियात्तात् । मार्थन्थरम्यत्मात्ता मार्थन्थरम्

ण.चडवाता वैज्ञान्त्रवा. दु. अवतः भ्रान्त्रवाहे। क्षेत्रदेशहर. दू. अत्यातहत्य क्षेत्रवेश क्षेत्रकेट. क्षेत्रवेश र्यात्रवरात्रियात्रकारम् वित्रकारम् वित्रक्षेत्रवस्यात्रवर् स्वर्षाययात्रम् क्री भर्द्रवर्षान्यायक्षेत्रवर्षेत्रिक्षाः सम्मान्यम् वम्यान्त्रवर्षा वक्ष्यतिष्व व्यवस् च्यावशा भिषात्र्यः में (ववशान्त्रे रे सेवशा याता विवास के रे के दर दर दे वाल्य विवार के मक्तार्भराव र हेंदर दें। वर्षामेर वर्षिता वर्षा है वर्षा के सम्बन्ध वनदा क्रेबानमुम्मेर्थरात्र्रथरात्र्वहमान्या क्षेत्रात्रहेत् क्रुविद्यक्रमा क्षेत्रव्यान्य वर्रात्रामाभेरी वाष्ट्रभाग्यां अस्ति स्वाह्याह्या ख्वालायायात्राम् रेतित्याम् री हिर्देशलीयाई, क्षेत्री पर्णात्केषाविक्वयायाय्वेशकी ब्रिल्यकुर्मेश्वरक्षेत्रायवीय विषा, ववण त्रप्रेयितर.पार्चेत्रत्यापद्ये वित्राचर् द्वेत्रात्मक्ष्याः वित्रहेत्रात्मात्मक्ष्याः द्वारेकः महूरी प्रमूक्त्रीयां शुक्षाताः आस्ताक्षा हरातः । वास्ताक्षरी स्तुम् क्षिरातरायम् वे योगेता रेज्य कार्यका क्री क्राम्या क्षेत्राचे क्षेत्र व क्षेत्र क् विस्त्रें में में में हरत्युत । मार्स्वर में त्यात में क्रियं के त्यात में क्रियं के त्यात में क्रियं में में सकर्भम्यस्य मुद्दा द्विते स्त्रात्वर् वर्ष्ट्र देता सुद्धाद्य देश्वर् सेता मुत्राय वर्ष्ट्र रेश इत्या म्यानिया निया मेर् मर्तास्याक्षर्तरेरी र बराक्षेत्रासरक्ष्य मा हूं या कर्मिया पहुंचारिया वेद्या का प्राप्त का का का का का का का का यायत्तर त्या व्यायावितः स्थावरके पर्वत्यात्ति रहीर त्रावाया स्मित्ति वाया वर्षे या वर्षे या सहस्र मियारीयामेद्रत्र्यात्राता सेदक्रम्मकतामाम्बर्भिक्ता पर्वत्तात्रियार्थियाम्द्रात्तात्त्र द्राप्ताद्रम्यास्त्री देवियक्षत्रस्य द्याराष्ट्रस्य देव्या देव्या स्थार्यम् वा के रवत्यवर्ग्य वत्या वर्ग्य वर्ग्य वर्ग्य वर्ग्य वर्ग्य अर्र्र्स्युंबद्धात्मत्मन्त्रम् द्रम्याद्रत्यम् द्रम्याद्रत्यम् व्यास्त्राह्नत्याः द्रात्रम् प्रायान महार महार व्यामित ह्या हिन्द्र नार नार महिन्द्र मार महिन्द्र म भारव्यायात्रा भारव्यात्यात्वात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्याः वर्भत्वास्यात्यात्याः स्वर्कानुस्याः वर्भत् ल्या मंत्रेवन्द्रसम्बद्धवर्षित्रेवालाला स्वर्भकृतवीतहलाले र्यादा रहे नेर द्वारायाचा वर हो राज्यवा मा भारता विश्व में के देश में मार्थ मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ में मार्थ मा प्रत्वाह्मायहर्भेद्रायात्र्वायाः ध्रुवायाववायर्रायर्रायर्थे व्यवस्थात्रायर्थे व्यवस्थात्रायाः वा नहिंग्या केर् केर व क्षेत्र केर मुला की लुक्यू र कवलका राष्ट्र की केर सरकार की की कर सार्वा राष्ट्र केर हेर्यार राज्याता वेवाया ग्रिट कें वन्तेर अक्षेत्र केंग्रिय विश्वेत क्रिया है या है या देवाया देवाद म्मत्याक्तरम् म्याक्तर्रम् म्याक्तर्रम् म्याक्ताक्ष्याक्षाक्ष्याः वर्षे म्यान्त्रम् वर्षे ।

की व्याद्यायात्राचेद्रवायात्रेत्र कातातात्रीदताक्षेत्रेत्रवायदा व्याद्यात्रेत्रव्यवाव्यावतित्रः विव वता सेनुवानासेनासूवानावाबुवारीया । वाइवाद्वातिएर्ट्सिएल्स्यानाः व्यानाः म् एकिरारक्रियारक्रात्रेया। वश्चार्यक्षात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्थात्रस्था राजिन्द्रविजिनिभूद्रवर्षा तुर्देदराङ्ग्यापर्गात्यः अकेरिर्द्र्यापुरिन्तार्थरावहार देवपादमान्द्री र प्रेमदर। यत्रदेश द तुमा तुमानेया वृद्धाया तददिद्वुते अकरेद्र स्ट्रां स्ट्रां ते प्रवास्ता वर्षाया सेना सेना में या में अपरेता हिंग ने दार्प त्या त्या से साम हो वर्ष वर्ष में दे केस रेरा वायारे देवाकरे के हा तह गरा दरदरदेनेयायसवा वायातववा वेया यरे वरक हराया म् हेस्याश्यक्तात्तः म् १ हित्यप्तायह्यात् भ्रम् केत्रिया वर्मा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा हित सुद्रस्थे भे तर्। अर्चेशयुष्ये खुद्रवशद्दमा द्वतव तर्देवादर हो भे तर्। वर भे खुता ब्रीट वर्षे वारत्यातः विक्रित्रासर्वेशक्तिकार्षिकार्यः के नाराष्ट्रवादेर। दास्यक्ष्यास्य ख्वादाद्वात्याः वित्रायति वार्त्वीरावित्र मद्दिवाक्त्री द्याना सुम्हेरे व्यापादलाकी हेर्त्ता वका वार परावहेंब हिर्द्रने राथेद्री मुंभे भेग राष्ट्र निवारवेला खानरलरगर है तन् भन पन पन मुंभा से भाग तें नवला है क्षिर्याद्याचीवातापर्वतास्त्राम्याच्या क्यातात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्याः ्रियामा इत्यूम्रेरिवरवाई तत्रयाइमला तर्वेर्त्ये तथारे द्याना राजना ह्या द्वारा तथा स्थापना त्या है। नाथाताम्द्रवहन्या वर्द्रत्यवरक्षरक्षरक्षरक्ष्याच्याचे । स्वाधात्वर्षक्ष्रवाच्याद्वर्ष्यद्वर्रम् विर्यान मार्थिया दिस्त्रीया वर्षित्रवाया केलेयाकी वर्षे रापवित्या वर्षात्रा करावर्षिया ग्रमातात्वका रमेर्रर्ष्ट्रायम्बाद्वायर्गित् स्ट्रायात्र माल्यात् स्वास्त्र १स्रमा दुःरहेवे:क्याःयर्पायवया देःश्रवःत्यवार्धाः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः विदे देलाव वर्ष कृषाचे वाया वायावाय की द्याया दुर्येदा ही स्थेते स्वाया देर द्यार है दे हैरा भूतर्यः प्रायम् मेर्यातिर ब्रायाता भ्रीत्रवयास्त्र अवत्यत्य स्वर विद्युत्य व न.किलाजूआड़री राजवारमधारहाक्त्रात्मात्रकालात्री डेराक्षारत्वात्मात्रावात्र्वी अक्षा र देवरात्र रवारावरक्षेत्राचामवाव्यव्या वनातः व्वानेरख्याचारुवः वया वना वया वया वया वया वया भेरान्याक्ता वाम्बाक्तिक्षेत्रात्रम्याक्ति। यामान्यात्रम्याक्ष्याः मस्यायात्। क्षेत्रादे देव सरात्य्र रार्म श्रीवार्य्याल्या में मर्च्यावित्य व्यास्त्र व्यास्त्र विता है स्राञ्चाला रर.हैश चर्टराता. मे.एर्वरी शिक्षेत्रक्षेत्र के प्रति क्षेत्र के प्रति क्षेत्र के प्रति क्षेत्र के प्रति के प्र अक्तात्रम्यात्वात्त्वात्त्वात्त्रम्येशहरी भ्रत्यात्राक्षात्राक्षात्राक्षर्भक्षात्वात्त्रम्याः द्रभगद्रम् अविद्रातायवया नदात्रात्यायात्रभगविषाः सेराक्ता सुनाह्रदारेदास्ते स्वर्

ला यूर.त्.सेच.वेत.रेल्व.त्.ब्रूरी बाल्व.रे.रेअव.यु.हेरवसूब.केला सेट.र्.सेटेर्ड्स

वर वर्दे देन भी सूर त. हैं र हैं र तूर्य त. हिंदी यालय में रेशवा यी रेशवार त्र हैं भी से स्थार वनामायर होतार्विद्या नदाद्यात्यात्या स्वात् द्वार द्वार हेत्र हे में द्वार हेत्र में में विदाहर में में विदाहर स्रद्भः रत्नुः त्वायायवत्रम् वायायाः द्वानाः हो हिर व्यन् क्रिया चर्रः र त्वानाः द्वानाः र द्वारः स्विन राजा वि निवयार रहेत मार्गित रिक्ट हर् हर वर पतु द्वा वर्देवा वर्देवा वर्षेत्र प्राप्त पर्में पर्में पर्मे अर्ब.रे.४.८१४। रेज्रच.क्रेश्रात्त्र्य से.र.गमवत्राक्षतः जदमायरे.क्रिया परः प्रचा जमारेश्रवा हिंचा यार.कुला सर्थ. खुट्रमम्बट्र वर्षेरेजा पर्वेया. स्रेयुर्र तता. स्येष्ट्र राजूरी प्रावार्थिय के विशे जन्मून । एडिशेर्रि, एडए हेसार हेसार हेसार हेसार हेसा रहा प्रस्ता वाजा राजा है वास्त्रा की में बार ही है। ह्रूट. वट. वद. वदा क्षेत्र. स्वा. स्वा. स्वा. स्वा. स्वा. श्रा. श्रा. स्वा किव. स्वा. स्वा विवास स्व विवास स्वा विवास स्व विवास ललद्रमन्द्राक्षात्राक्षात्रात् भी श्रीद्रवर्श्वर्ष्यम्श्रीद्रम्भुम् द्रमान्द्रवे सेते सद्रवेषण सा प्रमार्थकारे में देश प्रभाव सें राष्ट्रिया क्षेत्री हिं ही दासे क्षेत्र हो के वर्ष स्वार्थ की स्वानास्थाको केववलक्षश्रास्या विदर्भवन्ति मार्श्वास्त्रा द्वामान्यास्या मिद्रावतः वृत्ता स्वतं व्याववातविवात। रद्धवाता र्यवा व्यावा स्वतः क्रिया वर्षे द्रात्र द्रियत द्रात्र यविश्वकतार्यर्यात्वर १०० क्याकृतानुवादनातातहैन्याकोर्ददा । सित्रम् स्युर्वरम् वर्षा मद्रम्द्रक्ष्ट्रत्वित्त्विताद्रम्बद्रद्रा भाव्या अप्रतेत्वद्वर्ष्यः वद्रा वाषाः द्वा विष्या व्या क्षा वद्रा वर्षा दर प्यालमारमया विद्यास्था क्या वदश्चित्रका व्यक्षात्रमा क्रियं वर्ष द्वार प्रदेश वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष क्रियं वर्ष क्षाद्रार्थ्य स्था कर के वार्य वार्य के निर्मा कर के त्राम के त्राम कर के त्राम कर के त्राम कर के त्राम कर के त्रा रद्रात्यात्मर्भार्थयात्र्यात्र्यात्रेशा में हर्रा मान्यार्गाता नामा स्वर्णे के अक्षेत्राके न्यराता द्याया रत्र्यारे रेते अरतः विवदार्ः । तरार्यमा म् अक्ताराह्माता क्रिया हरायु नामा स्राप्ता केरा चर्रक्रम्रम्भारम् स्र्रक्षणक्ष्रेया वर्ष्यास्तिर्वतात्त्रम् । व्याप्तास्त्रम् र्यास्त्रम् रेर् अव क्रिक्र सद्भा तर्ता विष्ठा में विषय में विषय हो द्वार में देश के क्षेत्र हे में में के के विषय के कि यक्तारी ही रे हिन निर्मित्र के दर्श्वन प्रमा अवित्य मित्र प्रमा हिन्द्र महिन्द्र है । विकार महिन्द्र है । विकार व्या भर्याद्वम् मानुवायकुर्तम् रेते विष्रार्थः वर्षाया वर्षा वर्षा कुरा क्षेत्रवर्षा कर्रा मान्द्रः वर्षेत्रं विभागकियाहकरक्षाक्षातामान्याः विद्याताक्षात्रक्षात्रम् भदत्रदर्दर्दर्दर्दर्दर्दर्भयात्रम् भगवत् विभावे किया ता विश्वरा ब्राट्सिट अला वर्दे एए अता राजा है अला अला जारी वर्षेट है। सिव या देर पहि श्चर भे की भी भी वारतारा दर की सिवया महता । वना या वहुर के ने वर वहुरें ने या वहुर वें के तपुः अदशः क्रियो चट्यः यथः वट्टिक् क्र्यःभेजो यात्रवावत्रः क्रियः वि मेवः तः एई अभारायः मेवः में! प्रदःस्रम्भर अभरभाइदर्दः। अर् श्रीर विभग्नेश्वा क्षेर्युश्वर्ण की स्वार्वे विदेश्वरे विदेशाया म्भरा बैंब.हुर.) क्र.बंद.वे.भावर.क्षेब्र.भूष्यं वर्देर.दे.ब्रा व्रुभरा (स्रुम) विब्रशासर् वेदाम् येश्चारणी अर्थेक्षक्ष्यं र.अर्थःकेषाः म्री वंशाभिषतः बालाभाक्षितः म्यात्रेशा वंशाभिषतः बालावः वंशावः क्रिक्टर.रूपात्रश वनामावर् सुव प्रहासूनाक्रावरा स्वाप्त स्वाप्त वर्षात्रावरा

खूनहित्र्ये। क्र. बिह्मामातामातामा क्राणाकाण लच्च द्रानामही सरलाई मर द्वराष्ट्र इक्टराम् कार्स्य विकास १ तर १ र जुला द्वरावर हो। वर्ष र्वे वाया माना माना माना वात्रुवाला दुराक्ष्रेवालामात्रवेदित्रास्त्व । दुर्गलादालाग्यमार्थे ला मार्ग्यु साद्भान्वेलये। दर तितामहर्यका हिंदि सिमावरक्तावर के मावर के या तुर्वेद स्टूर संभूता व मा बेद सेव. मुलम् वेरा वस्यावतः नाथलाकुः वर्षेत्रावता वस्यावतः कर्षात्रकः क्रिक्र्यर्गाताः वस्यावतः , र्वित्य किया रात्य क्षेत्रयहतक्त्र महिमारी वरम्भवयात्या संदर्भ अवामनास्य द्रि होत्रक्षे से देव के में रवण होत्रके महम्भान्य होत के मान विदा होत्रको अग्रेस यामग्रमम्बर्ग । रविलान् स्कून म् कुर्त वेस्त व्यक्ता प्रधारम् ग्रारी इसाम स्वाप म्पर्या मिन्न म्पर्यास्त्रीयाक्ष्याक्ष्याः स्त्री यर्द्रायायम् म्प्राप्ति। यम्ब्रिस सरकुरायाम् सूरी कियायामा प्रहार्जहार निर्मेत्रया ५ तेष्य भरासेर विषया सूरी किया श्रेत्र यास्वाया वर्ष द्वाया में वाया में वाया विदेश मावताय क्या में राज वाया वर्षे के वे के वे तायां न्न (एड्रेन) महिन्स्य। हे हे रेवारा मी साववाव के दे। दममा वे विवेश व वटा स्वारा रेपेटी सेंद हैरिंदर के किए करा देशकें में मुख्य की आववत में दे। स्पेर में दे तहुं भरेश हुन से प्येदा मैकामित द्वाकेर्य महिला यूर्य त्यानी अववता करें। द्वार महि मका प्रवास में वार में वार में वार में वार में वार में दुरसेट.कून.भेर.एकर.जहरीमा जमाक्चित्रमा क्यांक्चित्रमा क्यांत्री केट.गूर्य.वे.वर्दर,विवश्यूत्री म्बल्येयान्त्रित्त्रिक्षेत्रात्त्रा वित्यत्त्वात्त्रम्यत्त्रात्त्रात्त्रात्त्रम्यत्त्रात्त्रम् श्चित्रमायाचारे सामेद्रा के सरद्व पर्या म्याप्ट्रा वेत्रे सूरम्या सुवन्ने महिया ह्यू च्यामित्यते के द्रात्रां वीद्रद्र्य माम्यावर्षेय्या भीत्रों क्षाद्रक्षे महत्रा भाष्यायोग न्त्री प्रिष्ट वर्षेत्रतापद्देशवास्त्रात्री द्वान्त्रवातवापद्वेत्रस्य म्यात्री तवास्त्रित्व नपुर्वास्वास्त्रीया अवत्रद्विद्याकूदःतपुर्ध्यत्यासारद्राः सुर्दाराच्युःकुःस्त्राः वादेवाद्रः। लर्याक्राक्राक्ष्यं नगलन्त्रामा विचलाम्याद्द्रभ्रामा वियक्षेत्रमा वियक्षेत्रमा नियक्षेत्रमा नियक्षेत्रमा नियम् इंट च्रेन मुंद सेंद मुलामा द्यायते केंदा युद्ध द्या गार्च एका वर्षे मुद्द द्यवा स्वा की मा सर. बुंबे, ब्रवजा अंत्रेचे, श्रेचा श्रे. ब्रव्यान्त्र प्रवास्त्र संदर्भाता श्रदः रूरे व्यापाळ्या व्याप्ते मि. रे.मार्था मिरे.पाट् । एड्र्याहेवायधनाकी वारवाणा ववत्यातातातायणात्र्यातास्य कुलारायात्राम्मना वेदावा। यम्रायात्रायाः वात्रायाः वाद्वातक्त्रा तदेः वाद्वान्वरायः र्शिताबरायको श्रिताक्र. वि. जाक्षानाक्री वि. प्रत्या श्रियाक्ष्यक्ष विष्या व्यत्या श्रिया विष्य

अर्थात्रास्त्र देवी.अर्थात्राद्धाः देवी.अर्थात्राद्धाः प्रकामका मिता देशवे.वि.म्.भाग्रेपावे.क्रां.पूर्या उद्या मिरिए रेग्रेज विजयेत मेरे र्या रेर् हे बिल मेरे रे जारता का अपूर्य के बार कि मेरिए रेग्रे कर के मारित कर मार्थ ता.का अर्थन्त्र अर्थन्त्र अम्भित्वा है तर् रेरी विका हैर दे के वे त्वा हिना हिना ते में के दिन है तर रेरेरी उसक पर जनस्त्रेरक्रकेत्रेत्वाता अर्वत्यात रास्त्र रास्त्र मान्य अर्था अर्था यह से अर्था यह से स्वापन कुरद्रमेरी धवासवार्यद्रम्यायवीता ब्रामकवास्ट्रस्य अर्था करायाला मान्यास्य स्ट्रिय हेर् म्ला असीर्श्वावदुःवालाल ब्रेस्ट्री वर्तिक्षुं बाल्च ब्रेस्ट्री वर्षेत्रेशव के वावते वर्षेत्रा वर्षेत्रेशव वर्षेत्रा वर्षेत्र वर्षेत्रा वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्ते वर्षेत्र वरत्र वर्ते वर्य वर्या वर्षेत्र वर्षेत्र वर्ते वर्ते वर्ते वर्ते वर्ते वर्येत्र वरत्र वर्ते वर्य क् अक् लाजूट वर्ष अर है। क्रांजुर में बड़ के वर्ष ते का वर्ष अवस्त अवस्त अवस्त है। विवासीकाथीवान सत्ताहराहर द्यमविवाली वाले ना नाराहरा, द्रा ता ध्येत्रा रहा त क्रार्निक्षेत्रेन्येन्यन्त्रवाहराक्षामा वन्यवाकावाक्षावाक्ष्याकरायवेता क्ष्रा स्वताहार्या स्व यदंदरात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा हिरासेर्याः स्त्रिरीयर्थ। सक्तराहेशर्रदानामा बद्धिरमुद्दात्रात्राप्तम् कृता स्टायुत्या विदासावराष्ट्राकाता स्राद्धार्याद्वाता स्वाद्धारा , पत्री वश्वाला में बार्ट मिला हिंग दिवात त्री अक्षेत्र अत्तर्भ देवात है के स्वास मिला में बार का प्रवास की रमगानि हेयु पालावग्री विव स्त्रां कुला रंग जाता मर्द्र हिल कार्री हिट गर्ति हेस् कुर केर महिल क्षी क दीमानकिर्देवारि भिवतात्रकातिया ।वरिरक्षनक्षणावलाम्ब्रह्मकार्का नेमानकिर्देशवत्रका परीय पिर्वतासिष्ट्रिकातार्भे अवावनामुक अअवबिरियसिष्यानमप्रदेश । प्राध्ते असावरार्द्र त्याना व्यविद्वारिक विद्यालया विद्वार विद्यार विद्यार बाबिन्वरुका ह्युंदरवेदग्रदुक् । सी एड्सा सार इंसाविका १ ० ५ ता । विद्याद्वरक्षा क्षेत्राओं दर है रा ० दुका । ध्ववसा कर्रित रि. में कि.चार्चरस्वरात्रेरी दिवावितावी.व.पक्टराक्ट्रदात्रेरी व्यवनाकी व्यवस्वाकिरः विकला परेक । अलाकी में अक्रका हिर अर अर के इपा बर पाला बर पा के इरी दमा बराजा है. द्विक्रमण्यक्र म्र्रिचेर्वर्वर्द्रम् भेर्मेर स्थान्य द्वर्गाम् भेरा भेरा क्रिक्र गरुवा ता द्वर्षित्य व्या द्यवार्रेत्रः म्यूयायार्केत्त्यमायार्थेत्। द्यवार्केत्रंत्र्रेत्व्यातायर्थेत्ः भेवा द्यावस्वापत्रः =: र क्षित्राया त्रीतार्थे,वर्ष-भरीयात्राता प्रदा सद्या थ्रम्भर्या रग्ने क्षरक्षियात्राता र क्षर्या र्वे व त्रराधिया वें किर लेब वाधर दुः खनायाने भेरा द्वारवार गर धरे त्या व गर्ने दे होया के.बेर.र्यर.त्राय.क्रापडेंग्राय.क्रापडिया स्यूर्तिवसंबद्धर्य.है.पर्या.क्रा सूर.ह्या.क्रा. क्वावहरन्वविवत्री वर्राम्ब्रिंदिवहर्ववर्षः वर्षः क्षेत्रः अवनः क्षेत्रः अवनः क्षेत्रः अवनः क्षेत्रः वर्षः वर्षः म्रि.ह्रेग.रा.म.एइव.म. गडे ग.म. यद्र्यामाधाम्में में के कर्री में व.पर्रे.म. क्रेंव. र्याः रें। रयात्रेतात्रेत्तात्रेरायमभाती कृरपातार्यात्र्यं में असीवात्या के रें या से रे.क्रियाचाराक्षातीते र.चेवाता र्व. बेवर्यार ग्रह्म क्रिंग्यात्रे ब्रिटरिया विद्यात्रात्रात्रे स्रम्प्या विस्वत्ररार्शक्षेत्रकार्शक्षेत्रकार्शका दम्मुयाव्स्वावस्य गामास्य देवा

मूद अगूर इम्रयम र्मार्थित स्वार्थित स्वार्थित । स्वार्थित स्व म्रा विक्राम्य कार्या कार्य के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्य के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्य के मार्य के मार्य के मार्य के 2 मुल्या मिल्यास्य द्रान्ति में माने द्रायार्गामा साम्यास्त्र सद्यो विद्रस्था स्था 22179C7 मूर्न्र्र्यं बेय अह्या वे बेद्र्यं अत्य विद्र्यं अव्या विवाय वे विवाय वे विवाय क्रेट्य में या द्राया न क्षेत्र मा ना द्राया मा द्राया में वा द्राया मे वा द्राया में इयालावी केंद्रवन्ताना विदाता पर्राविष्ठा हो। क्रेर्स्यविष्ठा रूपा हैया पर्वे देवा क्षेत्री विक स्वत्यात् स्वत्याद्वेवा त्रेवा क्षेत्र क्षेत्वा विकास विकास । वासवायाः क्रुंता,वर्टरंत्र,वयमा जयाकुवयमात्रवेत्रा,पर्वेव,द्रवा,श्रुंत्री वर्देर,क्रुंत्रक्षित्र,क्रुंत्यार्थः ूभक्ष वर्षेत्र प्रविधासितः रमणात्रेवःस्रित्यः वर्षा स्रित्यकात्रह्मः ताक्षरात्रवात्रः । । १० १० वर्षे वत् स्रेर अग्रहे भेगव विष्य रहरदेव कर से स्ट्रिय हिर दा रा रा स्था मेर पर में या वा सम् स्वाद्राक्षावः चत्रुरः म्वास्त्रुवा विदः वेरवाम्याम्याक्षायायायायः व्यातद्वा विर्वतः सद्भः गव.परेव ।र्नायाकीरवामार्माकीराकीरा किरायावनामीतारीयम् भेना प्यायक्षात्राप् ग्रांदायेन्ने र्याया सर्ता क्रियायते म्रांदायेन म्रांद्रिया स्थिन क्रिया स्थित म्रांद्रिया मानेद्केन्थते में द्ये के द्याया द्रकेन्यते के इत्ये द्याया हु अक्यायते म्राटिना मालकार्त्र क्रिका मालकार्त्र क्रिका क्रिका क्रिका माला क्रिका क्रिका माला क्रिका क्रिका माला माला माला क्रिका माला क्रिका माला क् र्वेश्वाद्यी अवर वर्ष वेष्य केश विष्य में स्वरस्थ में वर्षा वर्ष के वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष मूंबाक्ष्रिकार्या क्षेट्रकार्ये स्वायर्थित्यम् अवाहरी वाह्यावां वे छा हरवेवेरी कर्री याने वाद्राता है । विद्रात क्षेत्र क्षेत्र के प्रति हैं के अपने में देखी देश अपने से देखें। क्रि.हें। रित्यमार्थिव एह्मास्तर स्थानी क्या विद्वीया वे वेया महत्रिया सित्र नसेन हैरक्षा हिराल वभक्तिरमया स्रिय हिता यीर देशवा त्यर करे. देश्य क्षिण हीया . 12.42. । क्रांबाहे येहरी हो। श्रुवायां श्रायायायां रेटी पर्तिस्य द्वार का.ण.का.जा.जा.प्रट्रंदरने.लाक्. मेवलक्जान.के.अक्ट्रं विवलाता.परेटी इंट्यूचा. यासिमाताः स्यात्वरात्या द्रीस्मेदार्विक्षाः मः हिरी प्याभितः भूता रहिरमञ् वरत्या द्वानाम्यान्यक्तानक्तानक्ष्यान्यः वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् त्रुं गर्या में विवाला देर्दर सेरावर्ता मार्टी यह । वाद्या वस्य वस्त्र सम्मात्र होता रेज्याराजा सेवाक् ता रमक्ष्यविवाम् मानाक्षा वाम्यान्य सम्मानामा क्षाद्वार सुन्धाः प्रत्या र्दर्भविभग्रेष्ट्रहिष्ठाः स्वायाः या सानेतरा त्यात्वात्तात्ताः वेत्रेष्ट्र स्वाक्ताम्रो के.यम्स्रीराम् क्रि.म्यावया वलाय्येहरम् याम्यावया स्यास्या व्यास्यावमा वःलद्दं लद्दं त्यवक्षम्य वर्षेष्ठः लःक्षेत्रायद्वरा वर्षे य में अश्या अर्था वर्षे अर्था वर्षे अर्था वर्षे अर्थे अर्थे राष्ट्र अर्थे राष्ट्र अर्थे राष्ट्र अर्थे राष्ट्र अ क्ति. ख्र. बरत्या हीय तहरा कूष वाध्या कर क्षेत्र के वाद्या स्वाद वाद्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या

4

ह्ये अ.जी. से.पी.पी. केंद्र से र मेंद्र ही अज्ञ भ इव भ अव कि के का प्राप्त के हैं र केशल, वेद विद्याकिल अर्थ अर्थि क्षिया विद्य विद्यात्मा के भेग ता लेख विद्या पाःभिषदः पर्वेतः में महर्थारेश के त्वां सेश्राध्या करे वदे ताव मूरा मेरा ता भी राजी राजी वा वा क्षेत्रत्रक्षेत्रविष्यं विष्यं विष्यं वार्षात्रात्रेर्धेत्र निष्यं विष्यं वार्षेत्र विष्यं विषयं विषय अहरी क्षेत्रपार्श्वर निर्देश कर्ति कर्ति कराने राजववा बर्टर ता कथा मू र्या मूर्री कथा मूर्य दर सेर्ष्ट्र अव कु कु मा कथा मूदर वर्ष दर्ग वर्ष गर्य परियो वर्रारास्ट्रिस म्यायस्थ अवस्या संवद्या स्वर्ण स्वायस्य स्वरंतरम् के लेट्र दे ताता है। देनी त्रमे बारा पर्देशी अवस्ति है में बारा बड़ी भी वर एक में प् अधिर प्रमूत में वर्ष विवास मिया तथा हैर वर में वर्ष से वर से वर में वर्ष में वर पर केर वर पर हरें दालां हरा बेचे वादाता बालिदावाता किंदा वाचनारम बाचे अवास्त्र वातरे वाचे विद्याला 13 एटर्डा: इर इकारवारवदावते क्रेसासला स्वावेतारं की कर हर वह वित्तर् बाली ब्रिटिट सुद्धार रायहर्ता । राज्या क्रियं कर ताल क्रियं विवास राज्या रहा रहाता श्चित्रादालावस्त्रम् वलवारेती कार्यावादा वर्षाला स्थाप्ति स्थापासिक देवास्य स्थापासिक देवास्य स्थापासिक देवास्य वर्गमत्रारात्रे तर्मत्र वर्गात्म वर्गात्म वर्गात्म वर्षे के वर्ष्म श्रेष्ट्र वर्ण दुवाके दिन विवक्ते वे वर्ण के नए. ह्या बिव. पर्ते। क्व. रस्क्र्यक्रमरें रे. अभयात ग्रेरी विव. हर वे. रे. पार्टरी विव. म्भुन्नाविकास्वरः द्वर्भः द्वर्भः द्वासितः प्राप्तिकात्रः स्त्रि विकत्तिः म्यान् अद्भादा द्रिल्या हार कुर्या कुर्य देश मही पर्देश में स्थान के प्राथम में से नि लदार्थ्यातास्त्रभाग्यात्वरात्र्येय । श्र्वाक्ष्रम्भाग्यते । स्रेटार्राय्यरे स्रेटार्राय्यरे । रदर् देशारा में में बार्त्रदिर्य में पाय रेगाय में मार्थ में में मार्थ पर में में में में में में में में में पर्रद्रियास्त्रीयसर्द्रियार्वेद्रियार्वेद्रियाः सद्द्र्युत्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रा संदर्भन्ता से अ स्वापदी विकाप हर पर पर दे दे हैं हैं ने कर हैं से का से अपर एवताश्रद्भाश्री पर्द्रम्पाद्भद्रात्र्राः महत्वते द्याताः स्वावा वायवाव मे विवयन्ते नवः तर्गार्वित्रां ना ना ना ने मिला में त्या प्रथा प्रथा में में तिया में प्राप्त के प्रथा के निर्देश के निर्म के निर्देश के र्रे : सर्द्रम्सस्य स्थायवतः वर स्थाया त्राम्य राष्ट्री में त्राप्त स्था में र - भेराना रेप्टियायस्ति हैयास्त्रियाद्यास्य द्वारा द्वारा सद्देश्यायस्य वाशित्वरः सैवाला केयालया सिर्वास्त्री सिर्वासिर् र्णास्याद्वेयाद्वराद्दवतः र्वातास्वादः यदाद्वरा राज्यावा वतः वर्षाः गर् र्रायद्वार्श्वराव्यात्रे व्वयास्त्रवातास्त्रात्र्यास्त्रात्र्वराव्यरे र्यं.ज.स्याना कर्रयूनातास्थानम्बर्धारात्रस्याः बर्देर्यःक्वतस्यः में वर्षः 

एकर हैर के मन् रहवा मारिक का रेंग में में के में के प्रकार वर रेंग में में यद्रद्रश्रास्य विकास द्राय मुकाला द्रिः श्रुद्रः श्रीत्र विवावस्य विदेशे वद्रायाः मद्रविकार् हिदारता अमार्श्वेद्रतिय वश्च वामर्थेदास्त्रं वश्चा देवा सर्थिद्र हुद्रां वर्थित होता देन्याद्राता अव क्रि. व्यास क्रियं का त्रात्मा है देने का त्राता है देन क्रिक्ट के व स्थान क्षा का मिना के वा श्रीराध्ये के क्राया ता में हेना क्या भारी क्राया ता राजिन हुए के के प्राया में ना मिनमास्याम् केन्यास्य निवस्ति केन्या द्वारा विकास विकास । में सामे वार्षा सामित प्रमिन् स्पर्यास्त्र राद्दायाक्षां स्ट्रियम् वर्द्द्रमहेशःस्निन्द्राः स्ट्रियः नश्चरा यानार सर बाहुस के राज र वा वा मि सूर्य मानार तार तर्रा मि सर भेर भेर पर तर्वत अवे से ह्रेट ख्रमाम् वता नर्दर छाए स्वी क्रिक्स में स्वीत के मान्या के नर्दर स्वापित है। रद्ध्यात्यात्रात्यात्र्यात्रेयात्रा श्रीत्रा चीदान्त्र सूद्यात्रा स्टास्ट्र स्ट्रियात्या सावरात्रात् स्त्रात्य यहरे एक राज्य वार्य राजि के मार्ट्र ति मार्ट प्यालवार्त्यात्रेयात्रम् स्था नर्धिरात्यात्रेत्रः द्वात्रवात्रेत्रः द्वात्या एका बितु हा बे सा शर मारी रहेका बिस्व करिव विकृत रिक्त र र र तुवी रहा प्रवाण करिव विकास की वी श्चर श्चर अर अर के वर्ष वेशा भारत्य एक मार्थ प्रश्निम के से कि मार्थ के वर्ष पर ति मार्थ र र्द्रास्ति वर्षात्र वर्षेत्र राज्यात्येत्र त्यात्र । रदात्या तायात्या विवादात्येतः नत्यात् स्तित्यात्र वर्षे मार्थमारी के कर कर मार्थ के लिए प्रेवी क्राम्य मित्र के रिका मार्थ है के निर्माण के मार्थ है के निर्म है के निर्माण के मार्थ है के निर्माण के मार्य है के निर्म वयान्त्रेराण्यून.वद्यमञ्जाती उत्तरक्रिंश्वर.क्रेश्वर.क्षेत्र विराधानी विषया स्वरक्षेत्र राज्य । देलद्भक्ष्यक्ष्यक्ष्याक्ष्या स्वायास्य म्यास्य विवायास्य विवायस्य विवायस्य अध्यक्ष तक्ष्य नाथ महस्य म्यान क्षेत्र मान क्षेत्र मान क्षेत्र मान क्षेत्र मान क्षेत्र मान क्षेत्र मान क्षेत्र देलता देलता ने प्रत्ये प्राप्त प्राप्त प्राप्त विकाल हिना करते या है ने प्रत्य प्राप्त विकाल विकाल के विकाल के श्चित्रस्यासीयहरूद्वया इस्वित्रया अवक्किल्या महास्वित्रात्रेया हें अन्य क्राया है। इस्ति हें क्राया है के बार है के तर मिला है वा की के बार के वा क्षेत्र के वा क्षेत्र के वा उर्वराम् नद्रम्य में वास्तान सिर्प्य मिर्वे वित्वविधास्ता राम्या वासी वित्व करा वित्व करा वित्व रद्द्यालगर्भवात्र्यात्र्यात्र्याः द्वा द्वा मुद्देत्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्याः अवस्ति क्षात्र के त्या दिनया यत्ते स्वे त्रवा ता स्वा व के लूटी रह प्रया पा शारित या विका सा हिंदा महित सह सा है। या अक्षत्रयाच्या ने श्रीटर्टरत्यं कतु ग्राम मान्याच्या व्यापन्य मान्याचा मान्याच मान्याचा मान्याच मायाच मान्याच मान्याच मायाच मायाच मायाच रयतातामें सुराद्या राज्यारा द्वाराद्वरासुरव्याकुः व्यक्ता व्यक्तात्वा परात्वातामाद्ववाते कुल । खक्रद्रकेश. सूपुः ग्री. अर्जना अधिरशुः एक्चिर विश्वास्त्रिया। मूजिर हूर् देवता विद्या वित्या वि क्रिकार्त देलदा अर्देर एह्मार्थ्य केंद्र विद्यालय कर्र खेंद्र

12 ch

えつ

व्यति एकद्र क्रियर्ग दिएत्या अवि स्रेमर्थे गर्मा के वर्गात के वर्गात के वर्गात त्त्रत्यम् विवास्तर्भेत्रम् व्यास्त्रम् विवास्त्रम् विवास्त्रम् विवास्त्रम् विवास्त्रम् विवास्त्रम् र्. लट.अ.ब्रेर.एड्अ.प्र. क्रि. प्रहर. के. बर. क्रेर. वर क्रि. वर प्रवर के वर क्रि. वर क्रेर. वर क्रेर. वर क्रे त्रैट. घट : धटा अती कूर्य : अया है र : रया तप की सरवया हिट्या एक र अवर्षेत्र स्वया स्रास्त्रेमामाठ्राचनवयाद्वर्थाय्। वमातः अदमस्यादो सार्रात्वर् द्वार् देवार अ.र्जर. एड्रें अ.स्व. कीया स्वाया स्रेंर स्व. या स्वर । यह वाया राष्ट्र श्री. दर प्रायय यह यह वर्षा वि गार ने वर्षा देशमर्यक्रेर.स्रातवराज्याक्षाक्षा के सेर.स्र र्रा राज्या मार्च हुन्द्र हुन्यर हुन्या अक् क्ष नाया वर्ष पहुंच रे ब्रह्म रे ब्रह्म अक्रास्त्राष्ट्रात्वे वहन अवाववार्यः व्याप्ताराष्ट्रात्या व्यापावार्यः मर्गरे इर्यायमा मार्यायम् प्राप्तायमा द्रम् त्राया के के मार् द्र्या । या चे द्रम् की मारवाया। स्वाक्षर्वाक्षर्वाक्ष्या वात्रवा राष्ट्रियादेर के यापा या वा हु या संदा वसार से सेवरिया वसार न्यास्यादायादायादायाद्वात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या तस्यान्यनार्वार्वे । १००० । १०० मेलिनान्यनेम्बह्नाय वस्योगार्वे वर् वला इत्यम्बर्वरावलेते मेर्द्र्षवंदेश स्थात कर्द्राद्र्यात वीमाद्रा श्रीत्रेत्र अंशक्तित्र्यान्त्रान्त्रान्त्र्यान्द्रम् द्रास्त्रम् द्रास्त्रात्ते द्वात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् मेंद्रः रापुः श्रीदेश्वापन की प्रात्मात्रा . . . . श्रीलमः वर्षेद्रः व्यविदाप्ट्याः श्री डिमराज्य में देश प्रमाकी केल के वास कर कर तह है। त्राष्ट्रियायते त्रु देशेत्रेश्च इतित्रेश्च स्थापने विषये । प्रवालिकान्त्रमा द्वरातीकात्मवाक्ष्रवाचार्द्वात्त्रम् द्वर्द्वाद्वात्त्रम् वाद्वात्त्रम् वस्य भिषाः भक्त्याः हीरान्। हे व प्राप्ताः व प्रमान्त्रेरा हरान्याः स्टर्स्याः स्वान्याः तवतः स्वान्याः करमारः त्रालान्यायातातः मुख्याने मुक्यान्य मान्याने मान्याने महिलान्या मान्याने महिलान्या मान्याने महिलान्या त्रीयाच अद्भार्त्र में यो नद्भारता या अभारताया यो अवा स्वाहरा सेर वर्ष में श्री द्राया वर्ष र वर्ष में वर्ष छर्। वर्गाः वर्गाः मार्गाः रमग्रस्य स्वास्त्रम् मेर्रा देमेवास्त्रम् कर्णाव्याः हवस्यस् यासदा श्रीर राज्य हुर त्या हिव हुन या वाया केंद्र त्या वीर वार करेंद्र वार करेंद्र ही श्रीर हा स्व वे व मूर् ह थुन्त्री रतप्त्वचर्त्वत्त्वमंत्रार्भरत्त्र्यंत्राचिरं द्रिया करावत्त्रं द्रिर्ध्यम्यात्रात्रात्र्ये णु-र्रा क्.सूत्र-मेर.र. क्रांक्र्यलमा प्रथमा स्थापार क्रांक्र क्या वस्तर क्रिया वस्तर क्रांचरमा क्रियमा स्थाप र्यानवर्षाक्र र्व कार्य त्या है। वा वा वा वा विद्या के वा विद्या के विद्या क है। यर.स्ट. मिलाक्देवप्रचन, त. प्रथम। यनमः त. मुरम् मुरम्बन्ता मुर्मे कर. थे. प्रर्

र्ग्यान्त्रुम् देदलार्ग्या कराराम्बुरारादेवन्यायम्बर्ग्या इटाक्टर्व्यार्म्याः र्यूया अर्पः श्वाः स्वः व्यूवा सः शुः अक्वाः रगरः र व्यूया र अवाः सर्पाः पर्येवः व नवः पर्योषा किर्वन्त्रस्थार्थ्यक्त्रस्थात्वा वासुरः। वाल्य्यस्यार्व्यक्त्रस्यात् । । Bर्वन्यात्र्ये विम्ला पुर्दर तक्षात्वे दे हैं है है से प्रवास्त्र ने कर वर्ष कर ने व कर है है किया त्या ने तर को किया ने र लुड़ र.म.पर्या.यमनता.प्रयूव-पूत्रक्रिता श्रीटार्ताड विर्टरेश प्राप्त राज्य श्री स्मिर्धि. ्यात्वक्षाच्यः स्वातः श्रीयालाश्चीर्यालाशे दरः हिद्दाक्षायां यास्टरं सुर्दे हर्याः था। द्रास्त्राः अद्वायाः अद् त्तियान्त्र विकार्त्य वर्गात् में वास्त्र देशत्र विकास विकास विकास के विकास में ति विकास में ति विकास के वितास के विकास 32 अ.ब्रीझ.वर्य. बर्रास्ट्री स्थ्रीयहिंदीर्थी। अस्ति व नवेशत्रात्र व व व प्रति सम्बन्धिः र्योतः गर्वात्रातः विकासम्बद्धाः स्त्रीराताः स्त्रीयः स्त्रीराताः क्रियास्त्र द्राहरा द्राह्मेश्चर्यर वरिवाले केद्यया द्राह्मेशास्त्र ह्राह्मेश्चर वर्षे स्तित्र वर्षे स्ट्यहुभ क्ष मा जै.कार.भड़िन.यम्ब इ.र्यर.ज्ञाक्ष्या भरकाइत्याक्ष्या करमाइया वरमाइया वरमाइया वर्याह्या वर्याह्य वि.च्.माइने. टरक्तवाइम् सैंबरविकाइन। वसवत्तपः ह्वाकासरक्तीमाइन। केर्द्रस्तावन तायर् आहेवत्येत्। व्यायुक्षात्र्याय्यात्र्यत्याः श्रद्देत्। ।देवद्यात्ताः श्रवः कृत्या वातर् वाद्याः क्षणा कर में स्वा में स्थाप है अति में मुकारेश स्थाप है स्वारेश स्थाप कर विकास कर वि क्र गावस्तानेता सम्दूर्भ से मार्था वर्षा देदला देदला व्यापा मार्थि सम्दूर्भ सम्दूर्भ रहार द्रान्तुर विरावर्षे रेरा स्रानु अरानु काकुवाह्मव तह के पान देर सहस्र स्व परि विरायस रेरा राजाराक्षित्वास्याक्षेत्राद्वास्याक्षेत्रात् क्रेंब्लारे तायाता कामावग्रद्दित वन्त्रे हेते विभाषाकामावहन नेता दर्दरदर्द्भान्त्रावः स्वावार्वद्वन्वर्यस्यात्रेत्रः । तद्यभाद्यवादप्रदायाः स्वावात्र्यः विवासा राषु यार्थातीयवानुरा द्वलात्रेत्रात्तात्वत्ये स्वाह्यववात् हात्राच्यात्रात्यात्रात्वात्ये संक्षित्रहें अलग्दर अलर्बा अवर्षा हे अवर्षा है अवर्षा है अवर्षे अवर्षे के स्थान है । स्वायानाम् वस्ताना हेल्ला । हेल्ला । हेला निवायाना है अया निवायाना स्वार्थ मा क्रिंवनवामामार्थरायम् र्वायामारा राज्याहरायात् क्रिंत्यामा वहरते देश वहरत्या कर कि भी के के कि अहमेर राजा मेर के देश हर के कि पद्रताश्ची श्रीराक्षेत्राक्ष्याक्षी हेवराक्षात्री हैलाड्यावा वेश कूर कुरा कुरा खें श्री र पहेंब्या द्यन्तवाराश्चरतायद्वरात्रा वार्तात्वरात्रात्रा व्यवस्य विवादम् अविश्वरात्रात्र्याः भ्राप्य विभावतितार्थः करकेवत् विदेशास्त्र । विदेशास्त्र । विदेशास्त्र । विदेशास्त्र । विदेशास्त्र विभावति ।

नरेव पर थे भेला रहा हैं। त्या भारति । के ह्या अप कार वित में भारति । प्रदेश देत कात्रेश में त्राम्या वेश लट वस्त्र वस्त्र वस्त्र व विकाय विकाय विकाय विकाय वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष ड़िर.क्.रव.सूर.ज्यात्रव.इरव. श्रद्भातात्रव.चयात्वस्ताःव.क्.स्. मेयात्वाव्यदेःक्त्रियर्थे स्रित्ये के त्या राष्ट्र के त्या कार्या कार् दर्भार्योदा गोर्ड दे वस्त्राचित्रं सेथाताता का तववावह राउद् त्यारि भूम सदमार्थों क्यूनाहिरीय में सामायात्रातात्री कालकाजातात्र्रीर हेरी कालकाजा पन्धर:रेरवःम। शुःभक्रिक्ताःगुरःसूरःद्रःवरःवरः करलायः से से क्रिकाराः मकः। सर सर्केम् श्रीर ख्वाकावया वृत्रासित के केवाया सकत्। यर सकत् सूर प्रस्था वाया पाया प्रदा नाथर वर्वा करते की संस्कृत का माने में स्टा प्रथा करता वर्षे में श्रेया स्वापक वर्गर्ना रियमकर्त्रा अवस्तर्भा के वास्त्र में में विश्व के में विश्व कर तर्म के वार के वार के वार के वार के वार द्वालाभेदा हिंदानेलाकेवाश्वादेशलादरानराता हा तेता हा ताता हा । मूर्त्र्रिणकी लद्या देविषान्त्र विष्ठिण विर्त्वा विष्ठिण विर् ला ग्राम्य वर्षेत्रवादरमाराक्षेत्रातात्व । । धानेत्राच हतायि वर्णाराक्ष्मात्वा र्यान्यायदार्द्धाः गादाः हेक्यायदेवनातद्द्द्दाः मात्रम् क्रियायदेवन एड्स श्रीटाश्रद्धकार्के साम्यात् साम्यात् साम्यात् साम्यात् । साम्याक्ष्याः स्टलाक्ष्याः स्टलाक्ष्याः स्टलाक् वर्गर्त्यारेत् शुर्त्याक्षेत्रान्तरत्वदुवा क्रिकेत् भारमः .. श्रूरःश्रूरःनेता दवदके रहाः व सर-देश्य-सूर-धिर-अर्वेश्यक्तेत्रतः जय-वयरक्तरतः ववर्याः वी रूक्षः श्राक्तः भित्रः त्यव्याता सेर्ययेश्वरयार् छोक्ष्यायाः . शुक्रम्यायायारे वक्षार् द्रायाया

्यार्वादास्त्रात् के आविवार्ट अव तत्त्र के त्रात्त्र के त्रात्त्र के त्रात्त्र के त्रात्त्र के त्रात्त्र के त्र

सी. पर सी. ट्रांस के प्रायो में से देवन जार अवशो सी दर के प्रियो के प्रायो में दर के प्राय

स्त्रिक्ष्णियाः स्थाप्ता देक्ष्णाः यात्रा विद्यास्त्रा देव्याव्या व्याप्ता विद्याप्ता विद्यापत्ता व

श्रुवा र्यः सीयात्रभाषायः भीवयायद्वा स्त्री । अद्यास्त्रम् स्याप्त्रम् वर्षा प्रदेश स्त्री

521812

क सर्वात्रया

72742

मान्नेकवारायते संभारः वर्षेराम्याय्याय्यायायारायाः स्वान्त्रेवात्रायाः हिनानिदक्तायरि सुस्यारे भेरतिर्द्य तर्दर्य तर्दर्य के के के की हैं भेदार वा व या बेरा वक्ष हववनव पर्यर द्यर द्यर इर भूर हवववनव यार्द्य अर बेर हववनव वया ११ श्व ? वेद् यविवा क्रिक्टरनुदालुका एक्टरक्रिकात्रमा नादमात्रायमा इ.र.म्.स.म.म.म.म. गरित्रियालकी व्याम्बर्धित्रियामक्षिया वर्षेत्रियानिक विद्यारि । ददक्षां मुख्यातः दयवाववाद्यवादेशा सेर्वा वहा वदाववभाभरा थर सहित्रा द्वांभावायेवा ।त्वाराष्ट्रदारे वाचर स्वार क्षेत्र क्षेत्रद्वात्ववातात्वर राजातात् हैं। यां मान्यस्थिति व्यवस्थात् । यदायहरा हेर्य यह हात्या वारा माना वादा व व्यवस्थानियम् या मगानया तहा तहार्यहार मेर्द्र केल के कृता दूर विद्यान यदि अप केरवण सुपरि अत्याद्याक्षेत्रेण. यामयाविषयायाच्यात्त्र्र्यात्र्रात्रः द्रात्रः वाम्यः विषयात्यः नित्रित्विद्यं अद्भावतिकाराक्ष्येद्रां द्वाराद्यं नासम् वास्त्राच्या वास्त्राच्या वास्त्राच्या वास्त्राच्या वर्गाय: स्वारं में वार्षिताराता वार्षित्रायात् वीत्रावित्रायां वित्रायां विद्रा । देवता मान्ने सिद्रा रवरास्त्रिया अस्यापासुः हेवायायायात्त्रा साञ्चरात्रेत्रकेवादरात्रावात्रात् स्वायापार्धेवः ुर्धन्तर्। ववान्तरास्त्राः रेग्रेन्क्रेस्क्रेश्क्रेश्क्रेश्चरान्त्राः भरवान्त्रा भरवान्त्रात्रात्रात्रात्रा हिल्दुल हुव हिल्दे देश में मेर्ट्स अकेंद्र में तार है। के प्राप्त कर में में हिल्ले हैं। विवास ्तकर कूना च देर कुन र प्राया है। वर्ष भूने कार्य कुर हमा किर में माने मुन में में में में में में में साहित्यातार्दः वर्दर्श्वेवर्धतातातान्त्राद्वाकात् यत्रम् वर्षातातात्त्राद्वाकात्त्रात्तात् पर्कालायनवारतका वार्षात्रा क्रियात्र वार्षात्रा क्रियात्र वार्षात्र वार्षात् त्तर् क्षेत्रीराता वरातर् क्याराकुणद्राता वरावर् क्षेत्रिक्तारावाळ्या कर. टिमाला व. की. दिया। दि दिर दर ट्रेरता हु या हुत्या हुत हुत्या दर्म या वे व व व व व व व व व व व व व र्जियुर्क्यमान्त्रियादारादादादादा में इ.श्राद्यमानेयाद्वाद सुशुर्वायनेयानुक में कुव.र्.रदावाडिव हर्दारा चायरवे.चायायडीवाअर्दादारा चावअव्यापरादावाययवा क्षेत्रः राद्यवाद्यायात्रवाद्याः वरम्याय्यं क्वववयात्वरः हर्द्रास्मक्ववस्या इतिन्द्रप्रमान्वनाम्बनाक्ष्यार्षः भेष्यपात्मात्म्यद्रः मेष्यपात्मात्म्यद्रदरः यान् की त्रायातात्तर्विरायान् क्रियद्वन्त्रकातात्त्रिकः यद्। व्यवावित्रत्त्रित्व व। द्वार्त्,र्वावी द्वाराहरू दिराईवान विराईवान विराई कार्यं कार विराधित विदेश 75 3 N. नीर अध्य । जिर सेयार ति स्याक्ति अधिका हिरा यह हार दिया हिरा दिया हिरा दिया है या किया में स्वा भर्यायस्यान्त्रान्यान्यात्रात्त्रम्।यामकी कर्तात्त्र देहेत् वयात्यात्त्र विवास्यात्र्यः मते भी मानुभाष्य हुर का द्यव या हा माने से माने माने पाने माने का माने माने से माने माने से मा ४०५:

का.धि.काबाक्त्रुश्वे च्रिंग वेस्तु वर्दे न्द्रक्षा हुवे त्यदें वे वे त्या देव प्राया देव प्राया देव प्राया देव

×31

(301)

त्यवानेदः इवः यदे वे नहे । यद्वत्र दुर्द्द्राध्या दे र विक्र में हर्ष्य हैं । द्रत्यक्ष्यां सूर वर्दरेश्व केटार महाराष्ट्र केटार में महाराष्ट्र में अंका प्रमाय के में लगाक्षेत्रालवी दरातक्षित्रस्तात्वव्यः क्रिया अस्तिवात्रास्त्र केवावत्यक्ष र्शित्याद्भा पर्वदान्वणात्वमा स्वादस्तित्राहेत द्वाभा संकृतात्मा वृत्तात्मा AU. 291. Balungo, Wic. Et atternorm. & Luila. + Li Feel Alala 1250. 250 ल्। वर्र्यग्राक्षाक्ष्रभ्यक्ष्युक्ष्यः स्वाध्यर्भः त्युर्ध्यर्थः हेन स्वाधः वर्षः अर्थत्त्री अक्टुन्हें द ं ं विवयत्त्रेरी प्वीयत्त्रा दर्भात्र हें व स्तरी दराया से बाजू रदःक्षाःश्चितं कूर्तानानु क्रव्यात्रान्त्रात्तान्त्रां वाष्ट्रभाताक्ष्णेवा रियायवनःश्वी विर्धतः स्ति। धरकुरायकुरायर् लाया कूरा.कितायेवत्यायायह्यायात्र्री यक्तरार् येवारार्याताया लुन। सूर.पिया.मे.पडीरं नापुंत्रातालाला विस्त्वाक्ष्या.जनाक्ष्या वित्तरायाला म्। एवरं सूरी एवीम्बं वर्षे का बश्चा दहै वान एवं राष्ट्र सूर्य राष्ट्र क्रमें क्रमें। वर्षे वर्षे स्रित्रातात्रेशस्रित्तात्री वि.इ.वि.स्याला स्रित्रात्री स्रियात्री स्रियात्री द्वार्थितात्री द्वार्थितात्री द्वार्थितात्री द्यतःवहवादेःवःवदुदःदरःवद्। वहुर्केव्कुवाविःवदःदर्ग रःव्यद्। ववुवार्क्वविवायवः अक्षान्यर्द्यं में विर्श्वेयाण्या ह्रिंद्र र्वत्यु त्या त्या विष्यु व विष्यु व विष्यु व विष्यु व विष्यु व भ्रामित्राः सूरी वरः उन्तरं सूर्यात्राः भाषा वर्षः क्रियमे व क्रियमे व क्षित्रः प्रति । क्रियमे यति श्रीर यदे श्रीद दर्ग द्वायवत्वा कु श्री ता स्वत्रा राजातः के यह यह श्री वात्या वर्षेत्र जानी न्याव स्वाप्त मिना मिना ता कर के वे ना बिर तव या से राव राकर मिन स्वाप्त या. प्रदा अद्दर्शन मान्या विश्व देश देश में अद्दर्शन में स्वर्ण के विश्व क पि.सर्गः अन्तर्भ द्वा यते। यते विषावया स्वाय स्वत्य स्वतः यत् विष्य स्वतः विष्य स्वतः विष्य स्वतः विष्य स्वतः व याती.के. प्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति । विवाधिकार्त्ते प्रमान्ति का वाता प्रचात्त्रे विवास छो.चेर.सेयायाका.चेर.येचा श्रीर.रिय.श्रेमपायारे सिरावल्या । 1 3 × 31 = 5× 1/2 क्रिया में स्वर्धिया भू.वेर.दे.रर.जरम.पे. थे.र.दंकेरी व्यूवेतपु.कु.वर्षूर.दर्ग लुव.लुव.आवल.अर्व. यी यार्थित्रास्त्रीयार्थेता रिल्या स्तर्पहरलाता के कैंवार्य योग ने स्तर् क्र्याताश्चरी सेराजारह्,विगतर्यस्त्रेत्त्रत्त्वा रवा.व्यार्ट्रास्वेयात्त्रेत्त्रात्रात्त्रात्त्रात् रदः एहें दूर देवाल कर्के अकी रेब्राल ताजर इं इस हर बी एहें की र बदल ल्या न्यूर्स्या श्रीकाराकारात्रदी कालालान्याताप्रद्र्यकालामा केल्याता

र्राय में के वार मार में विश्व राष्ट्रिया हो देव त्या त्य विदे विदेश त्या त्या विदेश त्या य दार्गाता क्या हित शुक्रा वर्ग न्या वर्ग करी दार्ग करामार्ग नामारा क्रूटर्ड्रिक्ट्रिक त्रेया.म.केयो.बर्ट्रावेल्.१.. ट्रह्रद्राज्ञात्रेराते क्रिम्रेया. क्रिम्रेया.क्रिक्ट्राज्ये क्रि.त. वेजाअवयुं-रदाअदरम्याः वयापास्त्रं श्रीवार्देशः मृत्युं हेत्। स्वायाः स्वीयः स्वीयः स्वीयः स्वीयः स्वीयः स्वीयः पहन्न श्रीर हिंतु के ने वर्गेर ज़ेन दर्मा देवा में राहर रहे राजी देववा स्वर रहे के ने इर्.सं. र्यारम्दअपदारावर्षायर प्राच्याया भवा द्रांचे अवश्वायात विवानिर 一色まで चाल्यात्त्वेत्रभारत् चाम्भास्त्रभाश्चात्रम्भात्त्रत्त्रं वास्त्रभाव्यात्रम् मिस्त्रिरामविष्य्यार्थात् स्राप्तिया स्रापतिया स्रापतिया स्राप्तिया स्राप्तिया स्राप्तिया स्राप्तिया स्राप्तिया स्राप्तिया स्राप्तिया स्राप्तिया स्रापतिया स् ्यम्। १४ वर्षाः स्तर्ताः तर्वित्रियः तया वर्ग्रद्धियः स्तर्भः या म्याद्धवा वर्षाया वर्षः द्रायः वर्षः वर्षः " स्यामकः यात्रयः तर्येत्रः तर्यात्रः देरः सरः दुवाकः देरः याः वा वुरक्षायतः विष्ठायतः वार्षाः देवायः वार्षाः ्रः व्यावस्त्राचर्त्राचावम्य्रवहरावस्याः माध्यस्यव्यावस्यावस्या स्वावम्बर्धराहीवावग्रादानम्भरात्। वायवाद्यताताहावाम्यानम्पाताताः स्वा वश्त्रायात्रावात्राचार्यात्राचा विवयमभायात्र्यात्राचात्राच्या अस्त्रादास्त वर्द्रमाध्या स्रद्रातकवाङः । तेर्रभर् क्या । विवर्षे द्वार्स्यकः के। वार्द्रवर्षे श्र.मंक्रेलक्षेत्रं रात्रादा । सायर् सेराल्या क्षेत्राल्या क्षेत्राल्या क्षेत्राच्या मक्क्षे ्रमक्त्रमम् रूप् मुक्त्रम् बेरम् प्राप्ता सामा प्राप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता के प्राप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापत विकाम्पर्यास्य विकासम्प्रियाः विकासम्पर्याः विकासम्पर्याः विकासम्पर्याः विकासम्पर्याः विकासम्पर्याः विकासम्पर् पर्नम्बर्भेरवारे एकेन्सुर्मा द्वारामा राष्ट्रिन्भिते म्याराम् राष्ट्रिन्भिते म्याराम् राष्ट्रिन्भिते म्याराम् चारपार्शित के वर्ष प्राचित्रिया के कार्या प्राचीय विद्याले के ब्राचीया के वर्षे के व्यापार वर्षे सं.ला. ७ र.ए. ११ . . . . चे अ. अराय अ. य के अपर रे. य के अ. रे र्य के रे ये ये अ. रे रे वे अ. य के अ <sup>1</sup> मिलेश ? भ्रे किरश्चेयामर्प्रद्रक क्रिंग रिस्टरवाराट्र्यमा वर्षाम् मान्यमा मित्रप्रमा नन्त्र यास्य में तथरथर्श वारुत्ये व्याद्या में देश मारुत्य यह स्टार्थित। वया वर्षे राम निवास प्रतरमार्था ववर त्वं भुर्ग में द्रे दे विभक्त में र्या र्या विभा में र स्वाराय इत्रमालक्षा विजयहण्यात् व क्षा विभयाविद्यवद्यद्रवस्य विश + = 3 = · हैं वह का का कार का दे के बा तथा है है। तह का स्था देश हैं है ताम कार दे दे वस वा के बे अप का पर का दे । स्वार्यरावरे व्यतः स्वराद्वावादि वर्वे देवान्द्रीव क्रूर चेरव नायद्राय स्वर्वान्तर्वाता भार रेला महे क्ष्मां महारे रेला महारे रेला महारे ही का स्वाह के लिए हैं महाराज हैं के रेला हैं के का महारे के का र्यत्वर्राद्रम्भद्रर्तरक्ष्याताः वस्वत्यत्रिष्वयार्रावयार्र्वायात्यार् 9 343! कर्णाहर क्यारता. यू.मूर.रत्त्वाकुत्रायद्भीरक्त. ए वेच.द्रा.ग्रीय-प्रशाद्र . मे.सूर.कीर.प्रश्चेयात. लूर.क्रेर.क्रर. क्रियाता.लर.त.पंत्त-त. अरर्यूश्वाती.क्षेत्र.स्वयात्राती.क्षेत्र.

मी मिन ल्या है से मिन हैं से मिन द्यतःबहुद्विक् द्वरायश्वम् । केंग्याश्यारम्याते मुद्वारायश्या श्रदशाम् द्रिया त्रा राम्या वर्षात्र द्रायम् द्रायम् । त्र्री वर्षात्र इट्याया देख्रा वायव नियम् मार्था व्यवसाय वायस्य व्यवसाय वित्या मार्था नेदालाया श्रीदम्बे ह्यामात्मावविव । हेमानेरहरादमात्मरमात्मात्मा रेप्तिवा वार्या वर्रेर ष्यां भीरात्मार्थाः नर्याया स्थापरा वावभाक्षेत्रार्थाः नः वायरात्राः मि.च.आवे. राजावेशका में प्रधाना प्रधान प्रधान मार्थित प्रधान प्रधान द्याताश्रक्षर् द्रायाश्रम् द्रायाथात्र्यः स्वार्थात्र्यः स्वार्थाः द्रवार्थाः विकार् तर दिन दिन महत्त्वन अत्वक्षात्रः द्रिया क्रिया प्राप्त त्रिया र त्रिया प्राप्त । गर्दराय्यं में हार्दर दारायायाया है। हार्य नव दार्थ में इराद्वार्थन्यते द्वान्यः अञ्चलास्वाय वुवायानारः वाह्यकेवास्त्रास्य महाना अराष्ट्रपात्रामा तर्पतिवा क्रियाक्षा मार्थित स्थाप लेथी केवाकर पर सेरालेथी वालेर्स्य वाला मुकायते हुन। वानाः नेरराप्तरम्पराधिक। सेरापरा यदतःश्चितातर्वातः । इसाथवावेवाक्षः है। त्याः । केरिराष्ट्रात्याताः ्र स्राप्तः वात्रभवावन्त्राव वार्ववार्ववार्याच्या देखान्यान् विष्यात् वाद्यारः देदस्यरः डिमाकी करावस्यात। पर्यामात्राच्या । पर्यामात्राच्या माया मेरा मुकार् अद्राध्यायभर् सुरायार । द्यम्भर् धाराया विश्वास्य क्षाया तर्य क्षाया यल अत्य कर् निया विकार कर विरमित जायी वार्ष मेरी श्वित्रतान विवास कर्या विकार र्स्टरामा क्राजिकितात्राम्महर्ताम्री युम्यामस्राम्चराम्चराम् विराण्या नेर क्रारी मूर र्या राश्री मामार्थि कार्या करा करा मेर देश मारे करा मेर देश रामा मारे करा मेर कर मेर कर मेर करा मेर करा मेर कर मेर करा मेर करा मेर करा मेर कर मेर कर मेर कर मेर कर मेर कर मेर येशनास्त्राणाः भारत्यात्रमः दर्दरभ्रम्। त्यार्षेशाः हेश्याः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स् द्वाराज्ञरी यदः शुभन्द्वात् वावता तावारा वाष्ट्रभारता वाष्ट्रभार्त्वात् व्यक्ष्यात् वाष्ट्रभार्त्वात् वाष्ट्रभारत्वात् वाष्ट्यम्यत्वात् वाष्ट्रभारत्वात् वाष्ट्रभारत्वात्य यथियाक्षेत्रभक्तिवरक्षित् रताराष्ट्रकेष्मभागात्राच्याः क्षेत्राक्षेत्रभागात्र्रणः

ल्याः नर्पात्मित्तरित्तिः हरा तथ्ये। देश्रीवायात्रवात्यात्ये वेष्ट्रे तयरावते देश्रीवायात्रवात्रे विष्ट्रात्या (A) でが र्यतः निष्यं र्वे वर्षे देवे वर्षे देव वर्षे र्त्त्र राभक्षे यभावभाष्ठा चुन क्रेश लहार्य्य भागता में ह्या वश्चर व त्यूर हु तर्या वर्त्यू भा , स्वास मिन्ना स्वास मिन्ना मिन्ना स्वास मिन्ना स्वास मिन्ना स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स प्रकृत्वय र त्याची में कार्याका क्षेत्रमारी स्वराया द्वाराया प्रवराया में विषय त्याची में विषय हात हरते तहरकेवारिक्यालातम् लेकिवा महेवाह स्थान हात्या महिला महिला महिला हर सर्मारी एउन लेकिवा दे ने मार्गित ने मार्गित ते तार्थित स्वर्ष्य मार्गित के मार्गित के मार्गित के मार्गित के मार्गित के मार्गित के ७ हो र ·夏季3. छ। हिंदाने, देक हिन्मिर कोरायात्रहा न निमारेवरायातात्रात्रकारी Scame as में मार्थन नुमान्ये वे केट स्रान्या प्रान्दर दावा गुवाह व वह दि । ही सूत्र रागर स्री हां वा विवाह हैं हैं क्रिकेश्या विश्वास्त्र विश्वास्त्र प्रमान्य मार्थे द्रार्थ द्रार्थ दे प्रमान क्ष्या मार्थे स्थान क्ष्या मार्थे विश्वास्त्र दायन्त्रा याद्र राद्र देरे द्र द्र राष्ट्र व्यवायक्षयाद्वी राष्ट्र त्र व्यव्याय क्षेत्र द्र व्यव्याय क्षेत्र ह 10 ब्रेंग्स "अत्वेष्य नदातालद्भे वर्षित्य प्रमानित्य । वर्षे अवाधराद्य अववाद्य म्या अववाद्य म्या अववाद्य म्या अववाद्य व्या in a pass य निम्दारिति । निर्देशका मिल्या मिल्या में निम्दार में निष्टित के करा होता ,3 root वयम्बर्स्य वस्यतं वहमायम् वर्षे देशायने देशायने स्थानित हो स्तर्भा . 7 अग्ला प्रते मार्थ र्ड्ड कर्रावास्त्र पान हीर। क्या प्रेटरर्थ राज्य पान होते वर्ष प्राप्त प्रता है। क्या प्रता क्षा प नियामहर् मिर्द्रिया देशा है। यो गर्म मेर ब्रिया द्रापर पर वर्ष । वर्ष कर्षर मार्चित हरायर मार्चित हराय सम्म 10 किया मूर्या देशाया तमम। टास्रेश्मयामा महामहेराया हैराया मिराय निवास कार्याया तर्या देवार देवार देवार देवार मे 17 mag ! रदायाः भिन्न हैं दिलक्ष्यां क्रायम्भदभवा श्रीराता हेराता है। दभवाह्रवा भरायता मूर् ज्ञात्त्र। अत्राध्यादवाराक्तराना वाताः । अतिराध्यात्वी त्वत्त्वात्वात्व । अत्राष्ट्रक्षायाः वरास्त्रः स्वाद्यते के त्युत्मात् वासके वाहार्यते वहर्षा स्वादा हर्श्या वार्या भेवाव वार्या रात्री रवकात्रा वारवरवारकात। रमवारुवासीर रमार हिरायाक्रव। यासीर हिरायास्तर हुत्त्वस्त अक्षा अक्षात्र्वा स्वाप्तवात्त्वस्य नाम स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व यनवर्यात्री र्द्रिर्वाण्याक्षेत्राक्षेत्रात्री हामावराश्चितात्रीहर्यावविवर्ण्या ।वास. यूर. हुने. त्.चवा. प. वर्षा व्यापार्यवश्वरात्वा प्राप्ति रे. हेर. थे. या. भवन्यः प.

थीव। र्युर्रेश्वरक्षिक्रियो विद्यायतेमानम्हेर्न्त्र्र्य्यापातेमानम्हेर् म् रेव भेग वर्षा प्राप्ति स्वरण वर मर हर। यह सेम प्रमाय कर से राजेश स्था भर्द्र वरिष्युराष्ट्र राव्या विकास्य विकास विकास के के के मूर्या विकास विकास के विकास के विकास के विकास के विकास न् । इरम् ब्रायम् वन्त्रयाये वन्त्रयाये हर्द्यये स्थान्य क्षेत्र हर्मा स्थान्य वन्त्र यांचा अस्तर्महेन्याननवायायेव। कर्रात्रात्रात्र के निवादगारने में से यांकरारकि के रिका लाभामिन। वर्षवया वर्ष्या वर्ष्या वर्ष्या । वर्ष्या वर्ष्या द्या वर्ष्या । द्रश्चेन द वासवीयार्गाहर तिकास्य र्यार स्तार ते स्वार राष्ट्र कर वसवायाः यहर यहर यहर यहर यानवाचेत्। में शिर्रत्या सर्द्यम् सम्बद्धा र स्र वित्र क्रि.च.द्र.अर्घरक्षेत्रा रचापक्च.च.द्रथत्त्रच्यं क्रथाचयः लेट च्याच्यः रचपक् च्या करि.विश्वस्थाद्वः वेय्यम् । द्वारावारारायः वर्गाताः वयावारम्भारक्वानम्भेत्वा रिवार के नाम निर्धिक कर में बार के रिवार के रिवा र्जे.क. येया केर. वे. ता. योहर. हर.रह. या हुल हा. क. क. क. क. वे. त्या क. प्राप्त कर ता. व्या केर विकास के क. विकास के क. विकास केर वित राम्यान्त्र महाराज्याः हर्त्या द्वार्याः विद्यार्थः विद मार्टासालकार्य विकास मार्थित है। विकास मार्थित है। विकास मार्थित मार निया भरे स्वाद्भारता अवादित स्वाद्भारता क्षाव्या हरा द्युराधित ने रहाद्वादत मूर्यानियाश वसार्वता के शिर्यप्रत्येत्र वा विकासका विकास विकास माने विकास माने विकास माने विकास माने विकास करी रर्भातात्रकार्यात्रकार्यात्रम् इति हिस्सा वर्षेत्रका मान्यात्रका हिस्सा एक्रा तिर्द्धतिविज्ञातात्वर्गे विष्णकृतिक्षियां मृत्यात्रात्तेत् । अवार्षियाव्यत्तेत् र्गराक्टिवायाव। न्यक्रेयर्वेवाकेवाव्यायाव क्रियावाव क्रियावायाव विविधायाव । !! Axe. कार्याचेत्रत्यं कर्त्रेत्राचेत्रत्याचेत् द्रमत्कुः करीत्यात्रवायात्वत्वया स्तात्र्यते पद्मात्रेव मार् क्षेत्रमान् म्यो म्यो विष्णर पार्श्या स्था विष्ण हिल मारुवामां ने ले हर देवर के व न्यन्यायातात्त्रीत्त्रेत्त्रात्त्रात्त्रे क्षेत्रात्त्रात्त्रे क्षेत्रात्त्रात्त्रे क्षेत्रात्त्रात्त्रात्त्र स्रा के.क् बेबाल.ज. पर्तरहर, मृ.वर.१. व सव ताज, बेबाल, बेबाल के मार्चर मी पर जिर भी IIm

ارس

वार्यात्रात्रात्रात् विवास्य वार्याहेरात्व्यक्षेत्र्याव्या द्यास्य वाक्रात्वेवसम्बद्धः िन्दर्द नेया नेया रेवा रेवा रेवा रेवा रेवा नेया ने या नाया ने विष्या ने या नाया निष्या उर्दे याताक्षेत्रात्तरत्वेव। याव्यायात्र्यक्षात्रः वेव। क्वायात्र्येत्वार्वेदत्दार्वेत। र्वित्य स्ट्वाम् सट्वाम् त्यान्त्रकेत तर १८० १८ वर्षे स्ट्रम् स्ट्रम् स्ट्रम् स्ट्रम् स्ट्रम् स्ट्रम् स्ट्रम् = स्वत्यके रेनर.त्.येत्री अ.पर्.अ.इ.जयाज्याज्याच्या स.लेखाकेयावरात्राज्य. रूरी र.रेर. स्त्रिक्त द्रामान्यान न्यान न्यान न्यान्यान्या क्रिक्टरम्यान्या द्रम्यान्या द्रम्यान्या न्यान्यान्या र्ने नवर्गाण्याराज्य विद्यालया में द्वाराज्य में विद्यालया त्य वास्त्राचार्यस्थिता कुरायतिता । वास्त्राच्या वास्त्राच्या वस्त्राच्याते वास्त्राच्या पिक्रिक्त में में में विविध्याम् वायम् विक्राम्य विक्राम विक्राम्य विक्राम विक ्याद्भाम् कृत्या । विश्व प्रमाणिक वि दुर्म जिया दु या अभिराधार सं केषी दे ता के भरतर वरत्य क्रिया बर्धिया अवा महवा जाव करम्याः त्राम्यायायायाः यद्याः व्याम्यायाः व्याम्यायाः व्याम्यायाः 'अवह व सहस्रायकार्त्युं राज्यकार्त्यात्रां । ताल्यं क्रियं स्थान्यर्वा स्थान्या 1690 ११ े कुरायायी लुवार्स्य अरस्य अरस्य अरस्य मार्थिय त्नारहित्रहाआतंत्रर तेचा स्टेर्ल (अपनान) । न्यारीते अकेता याभकत्य्वा थ स्वयद्यम्यासहदर्य्य द्यमाद्य म्यायहद्दर्त्से म्यायाः त्यवविवयवद्रत्त्रात्रः तार सिक्शिहराम्यात्रम्याद्वः यर सिद्धार्यान्यम् इते वत् म्यवविद्याम्यास्य वामकाप्टीव । इर्वरे बहुभर हिवादिक रर् एए हर्ष रक्ष्य के बनेस तर्का या तर्म वा ता है बहुर एकेंगा ्रे हरायार्थविक्तां हा हा द्वाप्ति व्यापातां ध्वात्त्व व्यापातां ध्वात्त्व व्यापातां प्राप्ति । क् त्यालाका प्रवादिव हिला केंद्रकृत्तात हा क्षित दिवार करण कार्य काराश कार्याविक ।-लर्द्य्यस्त्रकेव्यवनर ्व तकक् बहुबाक्रताव्य ः व्यवनद्वास्तिक्षास्त्राभर् ार्वभवस्वभवहरवाहरवेन विस्ते शुराकरवाहरस्ये प्रात्मिके विभावन्त्र न्दारायर् तत्यात्र पर्वार्वेद रेतावर् दित् दुराम् मार्त्रेया यक्कितिवारमार्वेद्रेया न ्वहेवरारं वातर्के हेवरारं कार्य अर्थे अर्थेवातर वेवस हेर्यत हुवर्ध वादव हेक्यारं र् र्वाष्ट्रवयाने तात्रकेष्ठवयाने वा राजा किरहे वा द्वा । नेमानवया वाह्रवता व्यव देवायाता ्रां ग्रां भवायता कराता प्रहाता एक्षेत्र या ह्रवा स्वास्ट्रके स्वास्ट्रके स्वास्ट्रके स्वास्ट्रके स्वास्ट्रके यद्यालाभ्या : हिंबी = कर्त्यालया देंग चराम्रेर वद्दलास्याम प्राथ स्था म्बाह्य देशायत सरायार्य करायार्यका महिन्द्र कार्यका मिन्द्र वा महिन्द्र

याम्बर्भायास्यान् चीवारद्यायारे न्यां भारदा हर्षारस्यास्य स्तरारस्य हमाला द्रावत हो किरवरणाहुता दे किय है रायत माला सेवा से जाना सेवा प्र द्वार्यम्पर्यात्रायद्वाद्वाः राजादवाक्षेत्रेक्ष्णक्षणकार्वास्वः । यद्देश्याद्वरवन्तवः यः रिमाद्र थेरे. करा क्षेत्र के से प्रकार के प्रकार के प्रकार के किए के प्रकार का प्रवास करें। अयानिक क्रिया के क्रिया क्रिया के क् म् भारताम् द्राह्म द्राह्म के महामान क्षेत्र के महामान के महान के महामान के महाम के महामान के महाम के महामान के महाम के महामान के महाम के महामान के महाम के महामान के की ।श्राद्धालक्ष्राचालकर्षाक्ष्राक स्थापत कर्षा विकास कर्षा है। मानुस्रकाल व्याप्ते व्यापार्य वर्षे । वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे यात्रम्भ महिल्यस्य स्तित्वामर्ये स्तिस्य स्ति । अवस्थात्र्यं स्ति व्वास्य स्रि प्रातिमात्राकाकात्रक्रिया द्वार् द्वार स्वातिक्ष । त्राम्यात्रा राज्यात्राम् द्वारामान्त्राम् संगत्रहेरिकंदरतान - मामावरायक्त्रेत्रहेरमञ्जा - नाराय महादाराय स क्षेयतरे तामहन्त्रात्वयम् हर्मा ११-१८ लागररमर सम्मायुम्ये भेरहरूना WERNAMORY TEXMONERS STANDY TO SERVE THE WAY TO THE STEM वाहर स्थापति । प्रति । वाहरी म्यारी र पश्ची म्यार्क्र स्टार्ज वर्ण च्रमः यहात्र का क्रिक्ष क्षार्ट स्वाराज्य मान्य का क्ष्रित स्वाराज्य स्व राज्य का मानाज्य स्वार्क्र स्वाराज्य स्वाराज्य का क्ष्रिय त्राज्य का क्ष्रिय स्वाराज्य स्वाराज में ह्या नेने थीवा में त्या ता तह र यत है रयत में तेव का में न तह में में न र रह भीवा तुरा के भावना में पर्तिनार्रें देवभाराता चमव के ता चमर क्षित्र राष्ट्र च्राह्म वास्त्र के सम्मूचाकूत हुर र्युर्स. नात्मका दिवानाकात्मारमारविद्यातात्मेरिवटावानवा दिविद्यार मूर्य मारक्षेर्ययाः केत्राविद्याः नेत्राविद्याः र्वाक्षेत्रामकी मानवाम विदानिवास स्वापन कर्मित्र के क्षेत्र स्वापनी महाराज्यार वात्रेवायम् विर्यम्भवाव त्रेवा रहेता स्रीता स्र श्चर देश: श्वमः याम् रेट कियाद्वा याक्ष्मात् विकार म् भारतियानी मृत्यान्त्र । स्ट्रिंग मृत्यान्त्र । स्ट्रिंग मृत्यान्त्र । स्ट्रिंग मृत्यान्त्र । स्ट्रिंग मृत्या स्ट्रिंग न्यान्यायात्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या

در کاران

120 できないないないというないというないことは、これには、日本のはないないないとうないという。 में स्था त्यं यान्यामा व्रद्धिक भीदावाकोदी मान मित्रांका तर्वाकी भाषा व्रद्धा देवीयान देवता व्यवाहिती ्रात्रा प्रेस्त स्थान के प्रतिक स्थान है वस्ते यात तह है । स्थान है वस्ते यात तह है । स्थान है वस्ते यात विकास るとなるとはには、これには、まないとは、はないなのであるといれば、これをあれるので न्येसविद्या गार्डा मेर्ड प्राप्त स्था प्राप्त । त्ये ज्ञानहार स्था प्राप्त प्रमाण कर्षेत्र प्राप्त स्था है 大学一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个 एर्डिस्कृत्वीत्वरकार्तः एड त्या द्वारा द्वार्क्ष्यान् अनेवन् द्वार्क्ष्यान् अनेवन् द्वार् भाग गर्ने । प्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति वा द्वारा माने प्राप्ति है ता हिन्दी है। केव क्री. जारमा देश नारकर जुन क्रिया गार समा वि. हर महिर खू त्या जारमा द्विस्याचित्राभावरात्री महरता व्यवपानस्य विद्या व्याप अराख्याताभावरः होते। या प्याने लोहर अरहाय। ध्याने चेत्रात्री। र १६९० ११ १० १६ १००० इर्ड्गायाहराय नेत्रामा (अरामार्) विश्वीत्वता प्रता ता ही खेतरा जदमा र देशायेचा न केंद्र किंचा कुर ब हे आ जुन कड़ेंग न हु ही, ता है ए देश. तार्थातात्वेद दे दे विकास के कार्यात के विकास कर महास्थात कर महास्थात के प्रति से तार्यात । यम् विभादी यर विभाव कार्या स्टाम्बायिकीयाद्ययाकार्याभित्रीत्व सराम्बाहेन र्यस्य मा र्यायतेश लावतह्त्रासहर ररायक्ष्यास्त्रास्त्रास्त्र サインになるという ीर्याकार के अनुस्रायावरवरा अध्यक्षित्र। यहानम्हे वहामायोग रहता है न्यास्त्रक्र नेत्रात्वात्यात्रात्वात्या नामित् त्वर्ष्यात्र्वर्ष्यात्र्वर्ष्यात्र्वर् मार्था क्रिक्सिंद्वरण्यक्षेत्रकार्यत्रम् । स्राप्तिपार्याः इन अया से अअक्या ब्रासिट विकास त्यार दे राज्य रायर विकास ने के में के विकास म्मायन्त्रकेशह सहन त्वामा अर प्यापा मा निर्मातिक स्थापा निर्मा मिन्न या. श्रे. जा मार्च के किया घरण हैं हे या ता है हे या ता है है या ता है हैं या ता है हैं किया में हैं किया है हैं इर्डल वयम्यु वर्षक्त्र्यास्यय र्यु वर्षेर्यस्य मिर्वह्यास्य स्वर्थाः चलामा रेक्ना रार केन रेक्ने में राय में मेर चलामा केन्स् ग्रेट रें यो में यो या सम्हरी देह. लाव.जियायक्र.य.ट्.हेर.लवा हैव.बाज्यक्रवा.ज्यर.ब.ट्यूब.ज्या.प्राचा.प्रवा.पा.वाहेर.ज्य. वस्ति । द्यारक्षा के व्यवस्ति । व्यवस्ति वास्ति वास्ति वास्ति । विक्वा कर्षिव । विक्वा कर्षिव । विक्वा कर्षिव

याह्यात्ता, तास्त्रेर्वा सेवाराद्वा अलावात्वास्त्रेर्वा देन विष्णा कार्यद्वर् चारि वि स्यापकोर्वस्य विश्वत्य देशेश्वर्या वाकिकार्वरात्त्व विश्वत्य विश्वदेवर्वे वर्त्रम् क् बद्धात क वर्द्धात है। है। है। है। है। है। है। है। शुक्रेत्रक्तार्त्रेणार्या नंसन्तिस्यात्रात् तान श्रीतातात्वेभक्तम्पर्णाया द्रेत्र रलम्दर्वाचा राजारा सेर्लेचा सुर्वरस्थातेर्ताचा स्थालकार्यका क्षित्राचारमा के विश्वास के विष्यु के स्थान के स णार्दरमाश्रीमा प्रदेशरणवा ११ गार्द्यम्भेत सम्मात्रमा विकासम्भित्रासम्भित्राम् प्रवाद्मा प्रत्येत्वतात्त्वतात्त्वतात्त्वतात्त्वतात्त्वतात्त्रत्ते देत्त्वतात्त्रत्ते देत्तात्त्रवात्त्रत्ते विद्यात्त्रवात्त्रत्ते देत्तात्त्रवात्त्रत्ते देत्तात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्त्रत्ते विद्यात्त्रवात्त्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त् इरश्चामान्त्र, यम्बरात्त्राम् । व्यापित्र आयूर्य प्राप्त क्ष्य । व्याप्त क्ष्य । व्याप्त क्ष्य । व्याप्त क्ष्य विश्व वि स्ट्रिया त्राम्याची त्राम्याची स्वाम्याची व्याप्ताची व्यापताची व्याप्ताची व्यापताची व्यापत र्वियाला इक्षेत्र अतः श्रेत्र विद्वालिया मृत्या वाका विद्यालयात्वया द्वाम प्रदास्त्र विद्या मेरा स्वित्रवासर्गत्वर्भवर्भवर्भवर्भवर्भवर्भवर्भवर्भः । १००० एवर्गत्वर्भवर्भवर्भः वर्भवर्भः लात्री द्रातामात्राक्षाद्र १३ व मा महिला से असी माना में लादी में हैं ला जे ने आयो राजा निर्मा हराहा दास्त्र निया साम्याया साम्याया साम्याया मिया देशमा सामा स्वार्थिता में भी त्या देशमा सामा स्वार्थिता रिदायदा चेत्र चेत्र देयदा नेता चन्त्र मिना स्वापिता स्वापा दामर द्यम यति क्रिया ्यास्य स्थापेर प्रयापात् अर्देव येवर्र संपर्य स्थाप्त र वास्य अर्थे र विवास से हैं हैं युवास्वरा केंद्र. एक्ट. वाट. वी.वधु. सेवरा सेवा. के. होर. सेट. इ. लुया वयदवा सेव. नियामात्रप्रक्रिकेयामानान्त्री कुटमाईट देन मानद्र मानद्र मानद्रा साम्यद्रा । इत वियासम्भेत मियामामाम्या राष्ट्रपात्रप्रत्यात्रवात्रवात्रवात्रवात्रवात्रवात्रया क्षेत्रक्रत्यात्रक्षक्षवायायात्रेत् これにはままれるまでは、これには、これには、これはないないできているというできない स्टिन्तरा । १ १ । रचतामाला राज्याम मेनाम् रहे । निर्देश मेर वहेंन देशायते स्वतुःको धिवाला देशायति वाह्रमहिवाधिवानम् । निर्देशाय हे । प्रदेश विवेद द्रम्ति तर्वरातात्वात्वारे। वनवायां पात्वार्वाताया देवाराया । ष्रात्वा क्रें र्यतः तर्वारा ता देवार्वा विवत दम्पद्रस्तित्वात् वात्रात् कृतः । मात्र्वित्राक्षियाव्ययात् विवासद्वात् वात्रात् वात्रः 14. श्रेम्छ्या र विवासर पर प्रमाण और हुन थेने कि कि निवास कर के प्रमाण करें द्वरारा वर्षा से निर्देश में ति है राजा है। है। राजा ह र्यान्त्रस्यात्त्रः विर्ववारान्त्रस्यात्त्रवान्त्रात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्

प्राण्ने क्रिक्षियात्रर्म स्वायम्य स्वयाध्ये र व सम्यायम् वितरहेत् र मे क्रिंट्र वा मार्टिया और पारिह्म क्षेत्र) तथा ते क्रिंट्र में क्रिंट्र में देव त्या विद्वा मिन्य पार्टिया मिन्य रमस्यात्। तथात्वीत् नत्यात्रं भाद्येत्। यस्य पर्या वर्षा भारतात्। हरा वर वस्यात्रपुरक्षेत्रे भुवत्यात् वर्षेत्रक्षेत्रे कृत्या । अस्तित्रेषु वर्षेत्रे वर्षेत्रे मही भवत्यार मार्चियाः । विष्यामार हिंगमुक्तामा । विषयमार व वास्ट्रा तवावायासास्यर्त्यामुन्नासेयासेदा -नेयासेस्यामास्ट्रास्य म्यासा यम्रा इद्यारे हेर्य के अपने मार्थिय मा वनवायानाम्बर् वेरते क्षेत्रा क्षेत्रात्मा क्षात्मा क्षेत्रात में ते निर्मानना वर्षे बार्युयात्मा पर्वे हैं याद्यात्त्रवायात्त्रवायात्त्रवायात्त्रवायाः केतात्राक्षेत्रवायाः सामा देश्यते व रदम्येवायाताताता प्रायास्त्रम्यात्राम्यात्राम्यात्रम्यात्राम्या म् गर्गाम वाथारवाम क्वा वारा व्यान वार्या में भाषा तक्रा में भाषा में भारति हैं में त्या यात्रभाष्ट्रम् तर्मात्रम् वर्षात्रम् वरम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वरम् वरम् वरम् वर्षात्रम् वरम् वरम् वरम् इं .. क्रान्याः । वर्षायाः वर्षायाः क्रान्याः क्रान्याः क्रान्याः वर्षाः क्रान्याः वर्षाः क्रान्याः वर्षाः वर्षाः क्रान्याः वर्षाः क्रान्याः वर्षाः क्रान्याः वर्षाः वर्षा ~35<del>\*</del> स्था का स्था हिंद्र के स्था है कि स्था करी स्था करित के स्था पहुंचे के स्था प्रदेश के स्था प्रदेश के स्था कर स ८ लेक्य राष्ट्रमा अध्येत्रात्रावतः हे से स्रात् । से वमान्नरर्द्रयामार हेवायाय वर्षे पर्मानर नातुनासकु सूमा विमाण को तेर सूना तमी केर नेना हिं में उत्रामवरुर में भारती वार्माय देश मानार गरा में में में इंडिंग विवाय विवाय में में में है। ता ब्रामाना मार अपहेर हेन । दार्छ ता नामाना राहर देना नामेर । देन के में अपहे ना है ता महेना ्रव्याद्वाराज्याया वाजर्जा त्वारा हुन्यात्वा मान्या वाजर्जा त्वारा वाजर्जा वा त्यासम्बद्धार्यात् भरा द्वारा मार्गा नेयात् वर्राक्षिक्ष व्यवस्त्री स्थार्यक्षाक्षिक्षात् स्थार्यक्षाक्षात् स् स्मार्ट्स क्षेत्र क्ष क्टान्स्य। रायनभागविवायां भावस्तृत्वद् । वित्तः रात्राः विरायाववाद्याः वासुर्या रयत्वर्रायस्यः त्रार्थः सर्दा श्रीरम्डर्भते ह्वार्वालाः वत्रस्यान्तिः र्षाय्यरेया अवस्या देर्यायम्बन्धान्या विभागादे देरमा स्ट्र्या हिता याद्या त्या (0.274) यरें अर्थात्र अर्थात्य अर्थे देश देश के विद्यान था त्यान विद्यान था ने व " वाह्य र्यात्मनायरे वाद्रभाद्रियाता द्रायम्बाराष्ट्रीटाताकी तर्ये ह्या देवतावनवाया

45

चंद्यानियं द्रात् य निर्मान् व विवादित्ता व वारायद्वाता विवादित्ता वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत् नध्स्या.ज.रनए.ल्ट्ड्यो इस्य.ब्ट्राज्यहर्षे रे.र्ज्यामा.र्रे क्रियाना.ज्यी इस्य र्बेश्रिवेश्वर्तार्टातावे कराताववेव त्रास्त्रात्म् क्याहरामान् वर्षात्मात्र्याणमात्र्यायम् देलं कुल यति सुवा का त्याव विका की यहिं ये दिलें। र रहराही रहित्र मान्य ने विकास के मान्य के निर्माण के प्रमाण के प् THE RESERVE OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF नेर्निक्षत्वरः । वन्ने अवेद्याक्ष्यपद्भा पर्युक्त्रित्र स्थायवस्थान्त्रिक्ष स्वाम्यान्त्रात्म् ररायद्वरः व्यम्भार्ष्यक्ष्यात् । स्वर्षात् 大大型的电影、大型大型、中央中央大型的大型的大型的大型的大型的大型大型大型大型 ख्रीमहिन्द्रीति । स्थानस्य मार्म प्रात्माकानामं वार्षकार निर्म 到けてあいれていていて、多いろとまたのあて到てい、そうかいことのかいながあってく मार्षक्षितान्त्रीता देवकवत्त्रात्ता वक्षात्वा नाम्बर्धिक कर्मा वर्षे वह विवास कर्मा वर्षे वह विवास यात्रेक्षमात्र्यह्न्द्रवात्रक्ष्य विकेम्पा विराह्मस्य विकास स्वापात स्वा THE THE TOTAL SOLD THE STATE OF गुर्नेद्रमहिरमहिरम् स्थार् र व्यक्तिकार प्रभूतिका ए हे है सिर्वेद प्रमान CAS TOTAL TOTAL AND A Ring. गरमार्थः वर्षम्यवर्षत्रवर्षत्रस्य र्रात्रम् सर्मात्रम् स्राप्तात्रम् स्राप्ता गरम्मान्याया । दर्भन्त्रात्या राष्ट्र याद्यं याद्यं याद्यं प्राप्ति । यद राजेवाश हर करा है। यह स्थाप करा करा है। यह अपना स्थाप करा स्थाप कर स्था कर स्थाप कर स्य र.जेंचे.श.भ.कंद्रांश्चर त्या नुस्ता कार्या म्बर्यायस्याध्येतः इति स्वरं । स्वरं स्वरं । स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं । स्वरं स्वरं स्वरं । स्वरं स्वरं स्वरं स इरहास्यायाः महिनामिक्तान्त्राम् । इति विकास के विता के विकास = र्र्यान्यायहरः र्र्याक्षांकः । भर्काः कर्राक्षः कर्रात्याः कर्रात्याः कर्रात्याः 四元字中型 是是如果我们的我们的一个一个一个一个一个一个一个一个一个

, बहुतायते. . Z ported. - G. A. S. U. ... 27. E. B. D. La. U. C. G. A. N. B. a. yu. aux. U. D. a. S. म् अस्ति । व्याप्ति । व्यापति । व्याप्ति । व्यापति । व स्वार प्राप्त कर निकास कर निकास कर कर के किस के किस के किस कर कर के किस ्येवकार्य सूर्वे हिराचीरेटरिय के विश्वे हिरा में सूर्याता whose perfect the second of th पर्यात्म वर्गमा स्वास्त्र । स वस्ता । त्रिक्त निर्म स्ट्रिंग प्रमान । त्रिक्त क्षेत्र प्रमान । त्रिक्त प र्यतात्रहरू र्माविषात्र । स्मार्थन्य स्मार्थन्य स्मार्थन्य स्मार्थन्य स्मार्थन्य डिक्रामा का प्राप्त विश्वति । प्रवास्ता मंत्रदेशम् हेव संदेशम्य स्थान मान्य स्थान स् सम्बद्धित है। हेरहर देवार भरत्युकार करत्या । इसत्य प्रतास करा । इसत्य प्रतास के अद्ये भिष्यद्रवासीय ने मान दें हैं के पूर्व पार्य पर के पार्व में के वा में के के के के के के के के कि के के कि कि क 12 fate द्वराकशेटलाता श्रीटार्य राष्ट्र श्रुवा ही रदा हिराधरा भराया रेश है कि ता क्षेत्र वा श्रुवा प्रति दा बुद्धानिवारी विधानाम् कुर्कर्त्री र कुर्कर्ता स्थान कुर्करास र मान्या हुन्या स्थान दम् । त्याभेर हत्या छवा धरे विकास वर्षा का विभेद वी के के रिक्ट हरवाद पर वी वर्गे र घट धीवावरवा रवा के मार्थित अन्तर का तर्व त्वा कु प्राने क कर् के यो के अने अने के के कि का कि कि कर मलद्दार्श्वा तरी दमा हुन रमादशु त्र वृत्र त्या देरल है तदी विवा र्यो । विवा महिन्दी दिन

मुख्यालाष्ट्रात्रदातात्वरा वलकेकवितारः करवयात्वत्वत्रित्तेत्वदावसम्बाद् त्रात्वर्वात्रम् वावशास्त्रम् वावराय वार्यस्य द्रम् यारि विश्वेद वया द्रवत् हे तर्वा व स्वायस्त प्रवीतात्रात्वे । या अवारदामक्ष्मे कर भेर देशा एकर राष्ट्रा १ वी राषा देशा कर प्रवित अरात्वयात्रात्रा सराभरावेतारायमा कार तरा राष्ट्रात्या करा साम् द्रुं हैंग्रे दर असे सरके बर्के देश में लार्ट से मेरिले हिंद केर लो एक मेल मर्गर मेरिके हैं न रेट कियर क्षेत्रिर केया मार है। देवर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र के क्षेत्र क् उन्द्रीयाथाता र रावनहरात्रायम् मेरस्य मेरस्य मेरस्य मेरस्य मेरस्य मेरस्य मेरस्य उतिवास्त्री में कुर्यात र विक्रमणाया में करता प्रसिद्धिक मात्र वाली मा प्रकार वाली विद्युर्तः भ्रीरामभदम् । मैकामक्षरः य विव्यवस्थित्वस्थित्वस्थित्वस्य द्वेतरः द्रार्भित्ववा किने रे रे रे वा स्मार मेर है राजहार वर्ष के राजा राजा र तरा राजा राजा के राजा राजा च्यातिता । १८८१ । अस्टर्यम् स्वेते द्वेत त्या देतः यक्टम् स्यद्वेत्यक्तियम् र्ग रम्भी मेरि सक्षरम् होरा का सुरायहका वाका मेरिया यात्र का सुरामी सूर्व वर्षेत्र सामाया लवरण प्रवाहर । अवस्थित्र । सम्मान्त्र विषयः समान्त्र । सामान्य प्रवाहर सामान्य । वर्षात्रा भेदेववायवारकरत्वा १३१ १०० १०० र म्यूनंसकर यासस्यावर की में देवलार का वा वा प्रवास के के के बना का का मार्थित है में वा का का का का मार्थित है की मार्थित के के की का मीयां भित्र रेमायां पुंचीय वर्षेत्रकारका कर पर वार्षा है है । तर रहते वर्षे म् स्वाकी कात्रभावां ता । । विस्ति रूपर्भव । उत्वर्ष्य कात्रभ मुधीया वर्णदा महर्य वार्षकाळेश्रास्त्रीराचनादा तस्रास्काल हरा देराचयाहरा हर द्वारा तर वार् स्रोदार्शक्ष रात्र व्यापा । श्रीराद्रमयम् वर्णायांत्रस्य हेदा स्रीराष्ट्रमद्रमाम् वर्णाम् मण्डरा निर्मित्रमात्रात्वरमे । त्यास्ट्रद्राय्यस्ट्रायावरम् । त्यात्रस्यायम् मिन् दर्भात्ति । व क्ष्यंत्र व्यक्ति व्यक्ति । अव्यक्ष्य प्राप्त । व क्ष्यं । अव्यक्ष्य । व क्ष्यं । व क्ष्यं मिर्ष्ट्रित्रेभ विक्रंभेगायाय । । । । । । । । । विक्रंप्रमायायायाया मान्यायम् क्रियाययः स्वर्णाव्यस्य निर्मात्यः स्वर्णाव्यस्य निर्मात्यः स्वर्णाव्यस्य स्वर्णाव्यस्य । भविष्येत्रेयरा रद्यवर्ग्यवर क्षेत्रक वर्षित व क्षेत्रस्रवालयाच्यार द्वास्ति विपार्का मद्द्रभाभा क्रद्रमम् स्पर्पर्य कर्षा मान्य कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्ष गम्भूता करा कर्मिन मिलावंभूता न्यानंदर्गम् यार्म्या गर्भार् वद्यान्त्रभा । अत्रव्यद्यो शुर्भरो धेवस्य द्वार्ष्यभा स्रित्रम्भ

इ.ल्ट्राउट्टी र केंग्रा करिताल लाजाताता मिल्यूए प्रदक्षित बराज्य करित्र र की विक्वर्य की 2 नाडेना one:(1) उद्यमद्देन स् उत्याद्वे व्याप्त व्रद्याप्तर देवाराभेद प्रतिम स्म के देवाराभेदी 3) रक्षण नेवा स्ट्रेस भाग ही हैर राजारी करा से सार है राजारी करा में सार है हैं। इस मार स्वार है के सार है की सार ह あいかだり はなからのからいいののからくっています ्या वित्तर पूर्वता कासहित्र है।। कुरायारोद्द कुरायी किराय यानर, रायहार अदम्भ्येषणात्वावट्युरायायद्वा same as द्रम्य प्रेश ता प्रदेश ता प्रदेश ते प्राप्त के प्रति के क्षाः स्वायमायरेवलक्षा क्षेत्रं स्वायः या या वाह्या द्वार्ष्यं स्टर्ष्टर वेर्स् नवर्त्र हिरक्करहा द्वयदिग्वे धेवो अदः नव मुन्द्र के के दुर् प्रत्यत्या श्राभ्यक्त्वमाराष्ट्रम् म्या मेर्टायत् श्रुर्थे मेर्ने मेर्ने मान्यत्महत् ्राभिर्धित्वी भरक्रक्षेत्रचात्रत्वात्रा राष्ट्र में स्थान मैणक्रमारात् संस्थान्त स्टार्ट्सान्यात स्टार्ट्सान्या स्टार्ट्सान्या स्टार्ट्स प्रतिस्था । तर प्रति । वर न विवस्था के विवस्था के विवस्था वर्ष देश वर्ष देश वर्ष देश िर्यात्त्रस्यः वद्यायंत्रर्द्रायाद्वास्त्रस्याञ्चरा स्वर्षास्त्राः वहारास्त्रस्य परम्याः वर्षाः १ व्यामाना कार्या स्थान निर्देश स्थान निर्देशकार निर्देशकार १६४ व्यानिकामें मिला सेवार्त सेवा कर केर केर अरेट राज वार हुन के वार हुन के वार हुन के वार हुन के वार हुन हुन परिवासम् सम्भक्तिः च्रास्त्र हिर. च्रायलापर्यः । ज्रातिस्वास्तरः विस्तरः प्रायस्तरः वास्तरः स्वास्तरः विस्तरः यद्द्राचे यद्द्रवित्रदे वित्या । द्वा विवायन्यवास्त्रवास्त्रवे । त्र रामानार्त्रेवासा तर्वा वातारेरा केलवासी राहा से राह्यारेरा केला सुवास केला सामाने केला से कार्या से पार्टिया से ए.र. यदर्श्याती,यंगर्श्काती,देर्। त्यामानु,याद्यायायाया र याद्या वितरहित्यामा

. अहते नातुमा र्यान्य किनाता व्याय हरी यरायाय की महिनाना तर्रा में नामहर नम्बर्गर्था र्वा त्रिवः श्रें रेशायिशायाः स्वित्याताः वाविवाताः स्वित् व्यापाताः विवाताः स्वितः स्विताताः क्षेत्री. ल. वटारी क्रानप्र थे. सेपायरे. प्रान्त क्षेत्र रेप्षे प्रयाचित्र वर्ष क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र रेश श्रेशीरा त्याव द्वारा में बीट उरा है। या वेर में रेश वा केर हैं ता ता दे विशेष विशेष विशेष में राम्यार्यम्य के तर्या वाया मेरा वाया मारा मेरा में राम्य के तर किर्य के सामित तियोपन्ती एक इरव.व. .. . यामाता पर्या विमान देवा । .. भारादा मि. ३ कि हेववी त्रें से से हें तार्वाराक्षर। यह नेरव एक रक्ष में के में ता मक्ष रक्ष में माना यह राजा लायाया केर्यां नदा देवलादा लाया है। र ब्रेस्टा केर्या केर्या केर्या निर्द्रम्थात्र्रं मञ्जा त्रामा क्ष्या क्षामा क्ष्या क्ष्य सम्ब्रिते सर कार्ने दर त्योरवाया। वार द्येव ये बेद्या करवा वे बेव कर वा वे वा देवा देवा वा वा वा वा वा वा वा वा े.र. हायका को राष्ट्र में र. वार्षरका एवं र के विद्रायां के र वार्ष के की विकास सुनाउ तरावता ने वे वे द्ववसाय हर राष्ट्राय स्ट्राय स्ट वाभेर्ष्ठवराभेर्। क्याय हिमर्वभर्ष्ठवराभवाभेरा स्वत्य मारास्त्र व नारात्वरवाया अवमाना. र्वेयम् स्यामेरम् विरम् तो भेव। मध्येषानुस्य वासर्वास १७ । । स्याने रत्ये व हिलाल क्रमरमम्याचेरवारम्याचेरवारम्याचेवा महत्वम यामहत्यम । याहेरा द्वाची हुव विवया है हैं रिया वहिता तह देवा हो होरा ताला स्वयंव तथा देवा व विवाय तर हो सम्मारी में starte ? यान्यात्रियात्रात्राः व्यक्तिम्भेरवाक्षात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्याः व्यक्तित्रात्र्याः व्यक्तित्र याधी नर्द संक्रियाता कर्णायाची रेद्रश्रिष्टराता क्षेत्र वर्षा स्र स्रित्याध्या द्वाकी नास्वारुत्वाता धेवा वाज्यावे व्यक्ताक दुवा दया केर यति वय इस्तरायरायवरायवरा हल्यं श्रीरायार्ट्यायात्रीत्रा हर्त्यायात्रीत्रा देर्त्यायवरा हिं ते वनान्ध्राप्तक्रिकाल्या क्रा क्रिकाक्ष्या द्रियास्य विषय् सैवानित्र के प्रकार के त्राच वर वर वर प्रमान में एकेर के वा के ले रे रेवा के हिर पा.चर्याके.गुर्ग मेंद्रध्रितास्त्राह्रद्रायवराक्ष्यं यरपाराम्परेग्रपक्रियंवित्वेग्रियो र्रचास्त्रिक्तावत्वव क्रियं रही देव तयह स्थायवादी रवा बेटा वय क्रियं वर्षे में दें तहतास्माक्ष्म मुत्र के प्राप्त में विश्वा मित्र में विश्वा करें विश्वास्थ्य क्रि. प्रथिताया क्रिरेरिताया वरिरेरिताया वरिरेरिया वर्षित करिरेश्वास स्वेत्रेश वर्षा अविविविद्री करिये वर्षा क्षात्मक्तार्वार मेरेला स्वाभार्त्वार विभेरेता हैतार्थान्यान्यान्या अम् विभागिक का विकास का विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के का निर्मा के कि विकास के कि विकास के वितास के विकास के विकास

1 2 क्षित्र त्रिम् की.व.रर.वर्दर त्रि राजाति. व्यापाति व्यापात्याची कारावी मुक्ति किराविर विरावित कार्या इन्त्यास्त यह र स्वराधार्य वायम्राक्रिया मृत्यायात्राम् वाह्याता मृत्याया by feet. हर या है : अर्दरहेट महिना है अन् के अन् के विकार मिना है। न्यात्यः वालिमारतरमात्यम्दः विभागावतःद्रमःवान्तवाः वर्षाः वर्षाः वार्यातात्वीं विवाभा क्ष्मां अक्षा क्ष्मां क्षेत्र द्वारात्वा वर्षेत्र दे वार्षेत्र दे वार्षेत्र वार्य वार्षेत्र वार्षेत्र वार्य वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत Maria NI युवाभा में अयामावाकुरातीर तात्रका क्रमायनवायां योद्वामें अपन्यायां 5 hors ह प्रकारका क्रि. क्रि. क्रि. क्रि. वर्षात वर्षात वर्षात त्या तरा वर्षात त्या तरा क्रि. क्र क्रि. क्र क्रि. क्र क्रि. क्र क्रि. क्र क्रि. क्र क्रि. क्र ॥ डेश मा पुर्निया माल्य र ही र के न्यर क्रिंग के राजिका : विकासिक्त क्रिया के मान्य प्राप्त का प्रत्य विकासिक मान्य क्रिया के विकासिक मान्य प्रत्य के विकासिक मान्य प्रत्य के विकासिक मान्य के विकासिक विरंभर हैं कवर दा से अंभर वसकार हैं । कर मारा हीर की र्यार वर्द्र वस्तः । रक्ति अर्थे रस्ति स्वरं राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र तह्वात का मार्थिया राज्यात्रेश्चित्रवाक्षेत्रम्ववाक्षेत्रमा क्षेत्रमा विद्वा राज्यक्षेत्र मेंद्री अकर्शी क्रांस्टर न द्राम्या मुनायद्रा र्यारस्टर्म्य अकर्शी अकर्शी मेंद्रिंग योगरासहर एक्षेत्र नि एवं अर से अरा के सिंह ता है। म् अर्पत्रिः स्वा वस्ता रदा का वहर वनवा यह नहुरा वनवा वी द्वार स्वा स्वा स्वा स्वा राजायातारद्व द्वारा त्र्या त्र्या त्र्या त्रामा व्यापाता रयलकुर्क्षकुलयां यतुन्य समित्रा महारक्षित्व द्राव goodsed horns. स्दर्भेद्राव्यात्रेता अवग्रह्मा कार्यात्राह्मा कार्यात्राह्मा कार्यात्राह्मा कार्या छ। र्रियद्वी व्ववादिष्य एक । एक । विवादिण राधेवा स्वितिवत वी लेर सेर्थित रभक्तिवर्षि भवाकिता भवे वां अदिवर के वहर हिंगा भवे। वादवाय रिव कुर्श्नित्वदेश्वदेश धवा सद्द्रश्चित्व द्विक व्यक्ष पत्र अरतिर से खेदवत्द्विश्ची थेव इंगर्गराष्ट्रेरावी रर सुध्येव। विदार्गर सुराव देशसर दुला हिग्यवा र्गाया। सेर्याजानु रेर्या सेवाल ररी उर्द्रायने रेर्रे क्याल ररी इंग्नियन प्रक्याल ररी भें अन्ति भें भेंदाने ते ते दें वर्ष क्रियर निया ते ने निया वर्ष भी निर्देश का दर निया के मेरी वृद्धा वाण्या द्या कु य द्वा वत्र त्या अत्य अत्य व्या क्रिया क्रिया वर्षा प्रमा स्वा वरे व

कुलाकी दरम्रेरवक्षिशयररक्षर्रः स्मर्वक्षः मेन्द््रिक्षे वन्तर्भावराष्ट्रिया रदम्भेरेर। यावुकाळ्यारणरात्क्या तक्या हीराष्ट्रिय तक्या हीराकेरवाय वु पर तक्या सेरा उमेरी अर्वःशवाःस्वायक्षाःवक्षाःमनेरःश्रिभावकषाः कर्नरःभर्वरभर्वरपादः वक्षाः देशाः स्मार्विदा राम्बारा क्रियानावरा त्या भेषाम्भरती वारार तारा रहामरा क्रियाचर क्रिया द्रा वारार में रगरहार्षे द्वायहरता रेकेसकेस एवर प्रथम नेया हुरा देशे प्रेरे छ। वी सेवाय सर्वा रिकेट उरवित् शुरे अदार्श दिस्याती दे दे बदक्ष वर्ष कुराय यदा बुग्य विस्थान देशी मिने मार्मा तम् द्रा है दर्म मिन केम माना ना ना हरे हरा मेने भए जाते हैं। वे व व र र र व र र र र र र र र र र र याचीदवायाः परावका प्रविक्तिति स्वित्ति स्वति स्वति स्वति स्वित्ति स्वित्ति स्वति होत्र स्वायाक्त्र वावया अक्या वया रवाउठिकारा भेरा वक्तिका स्वीत् ववी विवयम्योः या रद्रविष् स्रेचेत्रक्ष द्वां मावरशा सायर्वा ही वृद्ध विश्व है वाहाव विवाह विवाह व क्री वार्षाया पर्वेद्या वर्षा देव पर वर्षा देव अभाग सम्में में वर्षा वर्षे के वर्षा वर्षे के वर्षा वर्षे के वि - निया विवादर श्रीर द्रार से थर किया स्वय स्था स्था केर स्थ कर त्या के सुरस् रिद्यान्त्रम् स्थापतः व्याप्तयान्त्रेर्ध्याप्त्रम्पत्युः वर्षाप्त्रम् स्वयाप्तराप्त्रेशस्याप्त् निरास्त्र देखावारात् हर १० गान था वाह्यातातर्य राज्येवायते काहरावाह्यातुरः क्षर्तेर। द्राहे हर श्रेयक्षर्त्र हर्षे क्ष्रेय के न्या हिन्द्र । द्रात हमान गाप्रमायारम् द्वायायस्य स्ट्रिंग सुर्याद हुत सदत्यदत्या यव । हु ः वस्य सुर्यो र एक व्यास करा गामा लिय वस्तित्व क्रिक्ट म्यानित क्रिक्ट म्यानित स्थानित भराद्यम् स्र वर्षास्य भरतरम् त्रवेतकवेद र र र वर्षद्रम् स्र त्रवेत क्षेत्र्यः । मरागरी मेजम्बरीयार्भेवशास्त्राम् द्रायात = क्रि.वर्ष व्हिर्जाता हाता वर्षे स्वाक्ती, रर देश शास दलए वे ते हुए प्राचन के प्राचन के प्राचन के स्वर स्राथाक्षेत्र । जनास्रदासद्यास्य । तस्य विद्वाराष्ट्रिय तकारतः स्रेम्बादर्गः सर्वार्यः तह्नादेश्यद्षेत्र ता यत में नेनेन स्वास्त्र राष्ट्र ता रेव राये सामार्थ स्राक्ष्यात्रा होर। रचाकुरवा वदारवा हर याचा स्रार्थ स्वाक्ष्य राज्या होरः क्षेत्रमाना भिरत्या हिया रमणाया मिर्दर में बेर पर्वे माना किस्प्रमा

वेर्याचाराज्यायः युरुत्स्रियाः स्राम्याः राम्याः वाकावाः विद्याः वित्ते व्यवाः व्यव् भिनातिग्रेश्वारमप्रे। शैवाबिद्द्द्राप्तिविद्वा र श्रेष्ट्रियायर्द्रायायर्थित द्वार्थ क्षेत्र विकास राक्ष्रक्षणार राग्वरास्त्र हिर्द्यायवद्गामार्थामार्थरवर विद्वर्षिक्षम्या अवस्यद्र। स्वाक्त्रं सेवकदाताः व्यक्तितः स्वरम् स्राप्ताः स्राप्ताः स्राप्ताः क्षिया अवश्यह सम्बद्ध सम्बद्ध क्षित्र क्षेत्र वया येगाया रहि । हिंद के नवर्या यावी के प्रतियं है । विश्वाचीया पर्का ्रास्तानित क्षेत्राचित प्रमानित क्षेत्राचार क्षेत्राचार क्षेत्राची क्षेत्र क्षेत्रका पति मिताश्चार् से के र दे विद्या करते हत्य । दे विद्या कर्ता विद्या व यारास्ट्र भारत की हर देव कारत्व के या प्रवास हरी किर्य वर्ष के या वर्ष वर्ष अवस्था २ तकेन्या ता व उस राजदा वेर के हिंदर तो सूक ति विकार का स्विक राज्य स्विक स्वि क्रियार में मारा हमारमाहर हा मार्टर हर रहे देंदर के मार्टिश क्रिया में मार्टिश में मार्टिश में मार्टिश में मार्टिश में मार्टिश ्र । वहने प्राथित होने पर हिन होने पर है वर है। है। स्थान निन उन्तर में कर राज्य के अके न्द्र ता की स्रोधन के के स्रोधन के की स्रोधन की स्रोधन के की स्रोधन मन्ति वहन क्यां से प्राप्ति हरा दर दर द नात् मार्थि वर्ष हिंदि । लवान रेवाय में र्नाय के मान्य हैना यापय हैने या रवत्य देने यह त्या हैने यह त्या हैने वह देन हैं हैं हैं हैं है स्ति विकार विकार विकार मिन के दर हर यह र यह स्वास के रहित के का की अधार वह ने तर्विमालर्मार्द्या रहा । व्याप्तिक स्टिक्षा विकास । रेविमाल्या । रेविमाल्या । द्रा दे वार्षेत्र वार्षेत् मिलाक् रमर रार श्रीयक्ष्याच्या श्रीर मित्रमा ग्राम्य सम्भाष्या स्था स्था स्था स्था मुक्तामा में रहा हर दार्ग में हिंदी पहरायर हिंदा के स्थार कर के दर मिन हिंदी है। सकर्दुरत्विर संदर्भन्द विषाय स्राम्य ह ाम्बक्षिकार हुत ने भूत हिटा हत र श्विष्टि करर राय धेव रूर देर रदार दिव विदेश विकास समित राय सं द्वर राजर दिवर रदर रद्वेषर क्रिस है किया रद व महिन राज के प्रेर्थ त्य व्या प्रवेद राकर् राक्षर्य स्थान्य करा न्यत्य स्थान्त्र स्थान स्थान केता है राज्या है म्दा राष्ट्रियमाता वादालस्वर रहात् सुर्द्द क्षेर् स्ट्रिट रहार्द्र) क्रांअहर्देश्यो श्रुवाश्येरायम्य द्राहातातात्रारा भ्रवास्तरायम् मावरक्र स्थावता द्वाप्ट्रार्थारक्ररावदाद्द सेरीर्थरस्ति आवर्षर्वता

ार में वरवारवी शिंदरंशर उपायक्ष ्रहेर देशर पर्ध में वाहें में सहूदी परीपर्वणा मेर यम्भित्वा क्षां कर्षा कर कर्षा कर कर्षा कर करिया कर कर्षा कर कर करिया कर करिया कर करिया कर करिया कर करिया कर करिया करिया कर करिया कर अमेगान अन्दर्वर्गित्राहरू । अन्यति भारति विभिन्न विभागति । र्यतातिक श्रूर्तार्य वर् करके करिया रहता है। वर्षे करिया वर्षे तक्षाध्येव त्रायापरिश्वेद्रद्रम्वकवर देवल देवत्यम्भर्तामुद्र नरा देदा श्रीर सेर्यान्त्रम्यात्त्रं श्रेक सर्वेमक्दरीयं वे नहीं ने ने कहेंगान प्रति राजायुर् मतुरा कर्मध्य में देश रे वर्षाता करात रे र राजा करा करा र्वार्यात कर्य हर सहस्य प्रमान क्षेत्र म्यू रह प्रमान क्षेत्र व्यक्ति वार् र्गर्यान्वस्त अद्राज्यस्य स्ट्रिक्स् विक्राम्य क्रियाना श्रेम्या द्रम्यात द्रम्यात द्रम्यात्रम् वर्षाम् म्यात्रम् रायवसः ना य्यालेन्यपुर्द्राष्ट्रमायाध्याद्रम्यलार केष्य्रियद्रमार सूप्रुविकाल, रहक्षायः । म्यास्त्राप्त्र । ज्यास्य विद्वास्त्र स्वास्य विद्वास्य । त्य विद्वास्य । विद्वास्य विद्वास्य विद्वास्य । विद्व लिमायदेवराति मुखानेता विकास मेरावारी हो महिसावारायर त्यास्य र र्रामिन्दरायाः र्षा रात्र र अवारार्धियात्व स्टूबर् नार्वित्र र मान्य र मान्य । यह र मान्य विद्यात्वा । प्रियम् हरता थर सारमायार हरत्वरामा हर कराया हर समान हर प्रमान के स्वास्त्र के स्वास्त में देवापकी ये प्रकार के वाला हात्रीये. यह ते व हिंद हर राप व में व के व ले व के व ले व के व द्वारा गुराहर रा रा देश रवर स्वर । जार्ष रायमभाषा द्वार्योभी द्वाराय । विविधा म्बर्दिर एक्टिक के कर्ण व नेमालय उद्देशका वासी में अवसीय प्रदेशका था र्वयस्थान स्वत्यस् स्राचार्कालवार्ष्ट्राचे ध्वा प्रवासि रदाक्षेरक्षेत्रः णायाः रह्मक्रम् क्राच्या कृतावन कृतावन कृतावन्त्राक्षा क्राच्याक्षा नेर्सं रिश्वार केर्प्रां हैं हम रें ह्या केवा केवा केवा मार्थ केरण विवह रहेता जारा पर्कारिक में बेंबा अभवात से मा परे परे वाम देश हैं हैं । अर में मित्रिः निर्देश्वर्रा वर्षात्व अनेत्रात्व । निर्देशः वर्षात्व विषय् यारायवा क्रामिन्द्रियुत्ति हर वेर्षेट्यान हरहररा

भारता सम्बद्धार्थर राज्ये द्रम् स्वित्रे विव्यव स्थापे । के भारता हो स्वयं स्थापे प्रत्या स्थापित स्थापित स्थाप (वस्ता क्रिया वर्ष्ट्रा मित्र वर्ष्ट्रा मित्र वर्ष्ट्र वर्ष्ट्रा क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क् राम्यार स्थापा विकास स्थापित विकास स्थापित विकास स्थापित स्थाप रमद्भीसर्वा विस्मान्द्र। ABahadult ... GOZALTAGARICACIONES GOMANO, USON INEST. CHANNOGUETTE THOSOMET TO STUTE AND HONE करा स्मेर्राष्ट्राम् तक्कान्द्रका करम् स्टर्ग ता वा स्टर्ग मामिक केरिया स्टर्ग म्बार्ट्सियायल विर्धायलय राह्त्य एत्रायलम् राज्याताः । हा किले थीना लाव かるとなっていないまなかいとれるのであるか、はならればないがり किंत्र ने ने ने का का रिराय सुर देशवया कार्डिस अवता र सेर्वाय थे महित्य महिते हैं। स्तित्वार्ताः म्यावया नहत्वद्वयावदे वहावस्ति। स्टर्शे व्राप्ति स्टर्शे व्राप्ति स्टर्शे व्राप्ति स्टर्शे व्राप्ति पालवा राष्ट्रन्थतः कुवाहेव च्यापायाहर। व्यापायाहरा आथायावरः है करता ते व्यस्तामंद्रम सुम रद्र एड्रिंग हिम्मा सर् ते हैं जार दर्भ तहें में द स्ति दिन राज्य ने दे में दिन प्राप्ति का मार्ट्र की वाम नार्विक विकास विदेश मान्य किया म्मान निकास योगर्याः ।। १ अर्थर् याग्रेतः याग्रेतः । व्याप्तः । व्याप्तः स्ट्रायः याग्रेतः । अस्याप्तः । व्याप्तः । व्यापतः । व्याप र्यार्या। १६ मान्यायम् । स्यार्थात् स्यार्थात् स्यार्थात् स्यार्थात् । स्यार्थात् स्यार्थात् । स रबेटके थेर है। व्यवस्थित स्माप्त रामुहार रामुहार ने वार्ष मा प्राप्त ना विकास के जिल्ला के जिल्ला है के जिल्ला है कि . 'अट्ट. अंचनात्र कड़्त यथना प्रयोगात् हिन्द्र में द्राह्म अत्राह्म हैं कि म किर् रे में व नेर में ने जा रियमिर से वे या हर रे वयर हर रे तता तारा

MC

ही राहेगाय एत्यायकी राष्ट्रस्य हर्षे वय हाक्या वहस्य व्यागिय एक हेश हर्ष र्यायेश अरवा एतर रहकावयारहिरलाउराकारण सन्वर्भाया के कर है से खन बरातामा त्या है। विस्ता में विद्या प्रवेश र केंद्र कर के वार वर के देश सम्मान देव हिलास मातिवेद्दा कर्य हु में हु स्वार के वर किया विता कराय व म्यान्त्रीतित्ती क्षेत्र क्षेत भूतिरारिकुवाता मुख्येयां द्यातार तंत्रकार्दर पराक्षिकारेश। बंधात्रय मदारेदर पृथ्वा म् अस्य निर्मित्र केर्या । अर्थित केर्या मार्थित केर्या पालकाते । व अवस्य स्वाति ह्या । ह परवासिक स्वार्थ प्राप्त व्यक्त भवाष्ट्रीत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक त्रस्यर्थस्यव्यव्यान् वर्षे द्यत्यस्य हित्। ज्यारवका वर्षेत्व । वर्षे मदाम्हलार्वाद्वाद्वादार्वादार विकास करहेते का स्मित्रमा कर्णा त्यास्थित्वातास्य श्राद्यस्य विष्य विष्यस्य द्वातास्य विष्यस्य स्थात्यास्य स्थात्यास्य स्थात्यास्य स्थात्यास्य अभिन्द्रं विद्युवा में ल पहिलालाला स्वाभरार्विद्रिर्पेर सरप्रका क्र-रायाम्माहरवरात्वरा मारिष्ट्रमाह्यायन्तर्वन्तर्वं दार्थरात्रिव्याम्भवरत्या मी तम् तर्ग अरत हयद्वर हेव ने में मार्ग थेव हेवसव हरन भाषामा इत्यहार लामा विभागालभरवर्दार्दाय व्यामा द्वाराय के में द्वार्भर निभागर योजाय के अपायरी इस्याम क्रिय ए प्राप्त के अपाय किया भए प्राप्त के प्राप्त किया भए प्राप्त के प्राप्त किया भी किया के दिया के द おいなくないのかかからは、これにはいいかのがくなるないで कर्रकर मना १९ वर्षा वर्षा एक वर्षा वर्षा एक वर्षा १९ वर्षा वरम वर्षा वर वर्षा वर वर्षा वर्षा वर्षा वर वर वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर् ्रातः वहत्यातम् स्वत्त्व । वतः वत्त्त्वस्वरातः । यतः देवद् तः हिराहरे हर। उसर उ नाम्बर्क व्यवन्ता हिराहरे भूट सम्बद्धां पर राम्ब्रियाम् युक्त राह्यात्व करात्रा देरतास्यवाद त्रोत्तरात्राहरतः केमानीयमद्द्यमद्द्र पर्वद्रम् स्वारम् स्वारम् स्वारम् नेया देद्रद्रम् श्रीमान्त्रवर्षा नेयावा म्तर्गयास्य प्राप्त वर्ष अर्व वर्ष स्व तर्व वर्ष नेय वर्ष वर्ष तर्वेद्र कर्रयात वा विवस्थलक्ष । देर श्रेम माउर वन वा मारवर या वी पार्यं रामारा वामारा वामेरा के मार्था के मार्था मार्था मार्था के म

XX 88 (अ.स्.) हरमाहरी हर्षेत्रभए मूर्यूर्य स्त्रिंग रार्मण त्या मार्थे । या मर्ग हेन्यातरेम् हेर्याय में श्रदेश हेरी हेरी हैं दिनात से में में महिनाया हिरदेश 3 आ असीट रदय के अर्दे धर धर में या ने अया ने अया ने अपदेश देश देश हैं र से र में र ता ता भी र विवालहर हेरा मेंते लक्षे हेरा महीरामा हा रासे महारामा महीरा दल देर दर्ग दल हैं। 495% अध्यम्भेरता त्यायकार्वकार्वकार्द्यात्रे हिर्द्धान्य सरक्रिर ही चित्रेत निवरात्वर्थस्य सरो सर् हेरवेन में रवक्र रवक्र रहेर स्व समेरा दर्भ भरत्वर्थ मेरव्येन ्रं । न्या ह्रायन्त्याकेषात्रात्याता हिर्हित्य वयायवाया व्याप्तयाता श्रीत्यहणः रूप नियाले रावस्थान नर्द्यम् अभिनेराये यदम्बर्भे रेरेराके त्या माना के मा क्यां या ही रहेता है या हेर हेर हर दर्य के खाँचल माना लय अर्द्धन श्री का सेर यह भारती ब्रियम् अवाह्यम् वाह्यम् यदारारेश्रार्थराताताता मुभ्यवरातदेव सत्वर दर स्वरंभाष्ट्रदाष्ठ्र वा दर सामा क्षेत्रक्षरक्षित्रक्षरक्षरक्षरक्षरक्षरक्षित्रक्षरक्षरक्षरक्ष रेट क्रिका विकास काला का का के देश हैं। इस है के के कुर देश के कर कर का कर के किया ्रक्र्यामभाषात्रभाष्ट्रवाद्याद्यात्री है। देर्दरात्यायि वाद्राव्याभाभाइत् अक्ट्रे अक्ट्रेवाद्याक्षेत्रावास्यभा र्थातः रोदर्द्रायुवार्थातः वासून देवेद स्वयति रस्ट वाह्नेवाय अर्द्धन अर्द्धन विवास वायद्वावायः नता च वेन्द्रवर्षित्र्याक्षेत्र्व्याक्षर्रा द्र्रात्र्याक्षर्त् रि. क्र्यायाकस्ति वीदार्व्यवान्ताप्त्वेता र्स्वर्यात्या व्यवस्थात्राहेवष्ठवाधरभहेत वरायदास्थान्यात्राहार्यात्राहार्या इन्येर अवरमाना हरे। विक्रिय क्रामानमान विकास क्षेत्र क्रामान क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क र्वहासुर्वात्त्वा रेक्यारामा १ वरक्षा । रयारायमा नेरानेरा रेपरायमा वर्ष्णे वर्ष्णे व्यक्ति राष्ट्र वेर्रा वनवाराद्यरम्दरा श्रीरके कुलायां सरकेवादर, दयताता के सुरादे नास्वादी , जनाह्या क्रवातवराक्ष्यकः ,राष्ट्रका तनवरात्वस्ति केराताष्ट्रकः वराधारास्वादधराकेरपुर्व ल्याम् रावन स्राहर हर विकास में मार्य राय के मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ र्शर्या पर में विराद्व मधीर, देखें हु सेर्छे द्यताल हर। देराव नव यते विर्देश में विकेश का विक्रांतर्वारद्ध्वारोपत्रा वर्द्याल म्राम्यक्षात्रात्र द्रावनवर्धारे कर रा रामे वहें का विदेवके वह राया व्यदायां केंग्र दरया है रायवा वाय विदेश निर वर्द्धवर्भावर्ष्ट्रादी द्वर्यानुम्क्तिवायाचेत्र व्यायानुम्क्तिवायान् वर्षाः स्ट्रिकरियाः थेवा कर्द्धरायायवराद्यां भवी र्याद्यमं श्रीकर्द्धारामानेर हर्ने न्यंने वनना न्यंने रहन तेरे रंगेने वहरी हर्ते हर्ते द्वराया हर् मियान्ने के निया है। के निया क

सराया ना ना वर्षा । क्षां सा स्था की सम्हा हा सम्बा के सा मार्थ । वर्षे सा सा

द्राताल (श्रेम्या) द्रावनम्यावहरायेष्रभाष्ट्रायम् वर्षायायस्य हे ।द्रशायायसः द्व

म्मार्गायत्वावा वित्यम्भायातार्थरात्यातात् राज्यात्यात्वात् ।भारत क्रिं रेंगाणवं ट.केंगेशामु बादुलचलभाववी वतु ट्वांश्रिमें कुरावकी वादेशवादी देशदेशवादी स्वाद्रावादी वाद्रावादी वाद्रावादी देशदेशवाद्रावादी वाद्रावादी वाद्र सम्मुत्रमानरम्भः निर्मात्याः (यारकः ने मेर्स्स्ये स्वरम् द्रस्यस्य परिष्ण्यार् एकेर.य.जाला र.जा.चें.र.जूबारअर.कर.ता.रंबाडा च रें अ.ब्रांच्ये, का.केंट्ररंबाडाजा.व्हर दल्देरेरेटके अहे अहे अद्रेश्वादाता वामला द्या दिस्त्रद्वला अद्रेश किया वर्षे वामने विवेद विवासायरायरायात्वात् द्रात्रदेश हिर्रथातातावस्याताचार्यः वा सर्वाशवास्य शुर्या यह व हर साता पत्र मिन हर है है है दें सा हो बेदी सी मेर सात्र ता का बर मा होता स्राम्मकाकम्याकाकाकरार्थायम् अर्दार्थायम् अर्दात्यवन्द्रद्भान्नेवन। स्वाप्तरावस्या नासिया बी. अभागमासेर, प्रा. या बूर, रुपा, मुन्, रूपा, मुन, रूपा, म र्थरावमाना के वास्त्रा के वास्त्रा के वास्ता के वास्ता के के कि केला बेर केर कारता तर्क कर्य भी स्वरूप स्वरूप E. 472. 47 करास्यामिक भी मुद्रायतिया स्वायदाता । देवाता वावाया विता । देवा म्मार्वेश्वरहरी यर्रायायायात्राय्त्या मार्थरायायात्रायात्रात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्र विर शिर्द्र के विरमाया । श्रिमाद्देश हैं शिकाता श्राहरा श्रामाती कर्रात्र्रा सरामर हर्षमा भाषत् । त्या मेरामर हर्षे वेश गायतः अहः : , यातः श्री अर्चरक्ष्यः वालुदः तह्यः श्री व्यायः यते स्वायक्षेत्रः थे। मन्द्री कुल,के राष्ट्र कार्तप्र भी रहिरे के में दावे तार हर भी अविजात प्र भी अव्या के वर्षे गुजुक्ती केजारवायातात्र्रत्याती हित्रत्याता किव्यवाद्वर्या वित्वताता क्षेत्र मर्द्रम्म्या हिरेद्रिर्द्धारा वर्द्दम्मया यद्द्रम् वर्गातम् म्यून्याद्दा द्धारायते स्त्र मुद्धरार्गः विश्वमा श्रुतिर्दर्भक्षित्रदेश कामुतिष्वुर्धरात्वर्षाम् अस्य ववस्यान मार्थाकी द्वाराया के अदा हिमायती के त्या त्या के त्या है त्या के त्या है ते विकास त्या के त्या के त्या के त्या र्दर वर्ग भ्राप्त प्रस्ति के नुरा विभवात वार्ष के हिं हो नुरा र्वे कर बर्ग होता है नुरा र्राराद्यात रहें : हिर्द्वाराम् प्रमान क्रिमान क्रिमान क्रिमान क्रिमान क्रिमान कुर्दा क्रियाञ्चलात्याताता क्रिया क्रिया विश्वेष द्यास्तिया क्रिया मार्ने परिवालके श्रीहर्यम्यामा मुसम्बर्वकुर्यम्। रग्नुष्ठवर्वन्यायाम् मर्वेष्ठाक्षराम्यादा वरक्षेत्रवर्तात् वरक्षेत्रवर्तात् किष्ठिरवरम्या देवलादायाववर्षाता र्रेट्र र्याता त्रकी विवादी दाले विवादा क्रिया ता. की. पार्याची प्रत्य देश देत पा. पा. क्रिया पार्ये र्रह्मास्य अथा मार्थित हिंदाल त्या हिंदाल हिंदाल त्या हिंदाल हि इ.स. में त्यार्यदेश नहिंदा वयादेद माहिता वयादेद के लामें पार्ये प्रमान के प्रवास के प्रवास के प्रवास के के कि इ.म्.स्रे र्परे.पर.ब्रिंग.ब्रेर.र्वाम.स्रेरी शुर्र्यात के.क्रे.र्तिवा.स्.जा वरम्वयावमात.

जर्भी करणद्वीत्याता हिन्दाता १८० दर्भावाद प्रदेशता वर.ही. मुद्दः यः स्मिता वतः (यह यध्नित्त्र पादलक्ष्यः र्द्धल्या राष्ट्र लाद्यमञ्जयमञ्जयमञ्जयमञ्जू द्वार्द्धल्यः दे हेर् लियायः का लातियात्र यात्रात्रा कुर्ट्सिरामर्दे र केर्य र विकट्याइर ल्यूर कुरामा दे र इन्हेर्ट्स करेंग मधी मंभवार्थम मंभवार्थम यसाताहित सुताराह्य। द्वारवराद्यार्यात सुद्रवर्षी ः न्यूरायभारा समुद्राय देवा पेत्र महिलास्य अर्व अहरी रमराध्या महराता स्वरं के रेके महा महला तारी महत्वा रेकी 3201 शरामायरकार् ररायालयं वयालायहार जाकि सेयालयर्ग वयाला के सेयाररायालय लेया.जाय्यालेंद्र,रदाया.जा में अक्षे में यात्र देर्द्र, दादा क्या जी राजा रहा राजा मिल्लामा राजा कामक रहामा राजा सरावाल ही राजार्था स्राप्ता स्राप्ता स्राप्ता स्राप्ता स्राप्ता स्राप्ता स्राप्ता र्रायः तारा केंद्राभार्या । केंद्राभार्या । केंद्राभार्या मारायाः मारायाः विष्या किंद्रा हिंदा ता के विषय अपति श्चर्रमम् भ्रामितास्य । कृता यं कोर्नुयो स्ववलायेर्। दे त्वार्याय स्वत्यं ये ्रिल्ला कर रित्र तिया है या कि बर ति व के विकास के वितास के विकास पर्चित्त्यान्त्र व्यत्त्यहर्द्धराम्ता यक्ष्यात्रात्त्राम् यहिषाक्षेत्र विष्यां कर्त्यां कर्त्यं क्षेत्रां कर् यार्थाः यात्रे हो हैर हो। विश्वे विश र्वास्त्रात् महर्त्यामा नेत्रा अत्रा अन्तर वर्षात्याताता मरा स्रामाहाना । चर्राकुरकेरक्र ग्रामा के वरार स्थाय में वरार स्थाय में दिर विवास स्था में दिर के वर्ष राव लाई वर्ष रेहर । मेंत्रात्रात्रे, यूरारी, प्रयास्त्रात्यास्त्रात्यात्रात्यात्रात्यास्त्रात्यास्त्रात्यास्यात्रात्यास्या श्टरम् म् म् म् र्या द्रायद्रायायवल कुटा ह्वा ह्वा ह्वा ह्वा स्वारा में वा को हरा यह हा स्वरता वा

क्रिज्ञातातात्रवाचनताक्राकृष्णे कर्याच्याव्यावाक्ष्यकात्वा क्रियाक्षात्राच्या क्रियाक्षात्राच्या ब्रिट्रम्याश्चर्यात्र्यात्रम्या व्यवस्य हराक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्रम्यात्रम्याक्षेत्रम्याक्षेत्रम् देवामानु दूर त्यवावरा त्यां रामवावावतर मायर स्मायर समायर मायवा निवा कर केंद्र वार्ष ताया मुलायाक्षर। द्वालिक्ष्यक्ष्याक्षरात्र्याक्षेत्रक्षरात्रा स्वालक्ष्यात्रात्राक्ष्यात्रा अमरतर्वाथवरिरवरार्भा अद्यक्षिते वाहरेकवर्षेवर्थे या स्त्रहरथ्ये रे ला र स्वास्थात में नारा थाने मेर वर्षा ताना धार देर के महिला में नाम मारा में करे के कार में नाम के करे के नाम भ्रम्भार्मियाम् स्र्राम्बर्गा स्राम्बर्गा स्थारम् स्थारम् स्थारम् स्थारम् स्थारम् महन्। मुन्निश्नामारः दासा निर्देश मिन्निस्य । देशस्य मान्य । व्यानकावर हेर्न विद्यार्थायाच्या विद्यालयाच्या विद्यालयाच्याच्या विद्या विद्यार्थायाच्यात्वर विद्यार्थायाच्यात्वर विद्या ह्लान्डिनाह्लान्डिमाह्लान्डिमाध्यार्था हर्ष्यायते ह्लाल्येर संबेद देतुला रेटके अधा रक्रिरहेन क्षिनायम्बर्धिरायम् विविधन । अस्वारितित्तायम् विविधने स्त्याम मिरित्रहिनाले में दे वाज्यानी के के कि मिरित्र में के के मिरित्र में देश के में मिरित्र में देश के में विराधारम्बी मान्याचरायांचर। व्यक्षा व म्याप्युरार्श्व पर्दाहः सहराहि मर्गाया भी वाचेर चेरवर्गनाह्मारे वरेवारवार्ग कृतात्वेवाकेके रामाचेवात वर्गनववा व्यायापा क्षेत्राष्ट्रे ल्या अहार वर्षा लार करिमा माये हा कि मिया में में में रेश तर वर्षा है। मुलर्वे वडेर् पर्किकिकि पर्क्र हुर्हे। सूनि हुर्मेर सूरी 3 <del>वा</del>फ्रजा। भार्त्रप्रद्रायुर्वित्यार्गम् विवार्गम् विवार्गम् । विवास्त्राचित्र इन्मार्थमान है। तर्यात्र । वारा न्यस्य केल्य विदे न्यार्थमान प्रत्यात्र वार्षि या सर रेवा संदेश सार्था आहे । त्या पर माया पर माया अंदर हर स्वाया सर्वा रहेवसारी माया हरा। माद्रका ताव तार का श्रम में तर है में में में में में 18्राम हर्में स्री गृष्ठाताक्षात्राक्षरादेश अत्यायक्रातात्वेद्देश कुरायद्वाक्षेत्रका व्यवस्य वाकान्त्रमात्रावतत्त्र्याता द्वेनवित्रवित्रक्षान्यत्यावत्तरेवता दुर्द्दः (दुराव्दः) वकुद्रिः सार्व्यः ता त्रीकाकुर्यः त्ररः हित्र हित्रः प्रवणः के यावभाकः वारावाधेयमः वाषाः त्राधाः वाषाः वाषाः विवासः म् सर् कर देश के वाश्व के वाश्व के वाश्व के वाश्व के वाश्व के का के के वाश्व के वाश् गल्दी सार्ट्या खेलावी पर्या में के कार्य किया कर्ता किया है। दर्दर हर्ष अले लावी पहें खेर क्रिक साम विकास र्यक्ष्यः मार्वे १८ वर्षः द्वा १८ वारः वर्षः तद्यावायुः तद्वाः तद्वाः द्वाः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः म रिन्यम् र्यास्त्र क्रिक्टर्डरः। रवर्गरान्वेलक्के क्रियम्बर्ग र्यास्त्रेरायः रेवल्ड्र मार्थाया । द्रेयकारका यामवर्षे जा चर्णास्य केवा महिराया । वर्षेयका यामक वर्षे वि। रहरक्ते चरित्वकत्राक्षे भ्रम्भ वार में सर विर विम मालद स्वि। मेर हुता ए. में. ल. भ. में रं. त्या में रंग के में रंग के पर मेरी रिक्या कि या में या में में में में में में में में में

क्यायात्यात्रात्रात्रात् त्रामाराज्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रा व। यूण्रद्व न भीष्कि यह किल्लूरा कैटलाश्यर्थयात्रेस्य श्रेष्णा यूनि । मह हेर्यूशक्विकर न्त्रा क्षित्रारेताववरकुरे कथारास्याभेरा रास्ट्रिश स्ट्रिश स्ट्रिश विश्वे विश्वे क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र इ.स.हीर्भायादमा भव्रता वर्षेर्र। जारा जारा वायमाया वायमाया वर्षेर है अत्यारव रहता वर्षेर ख. अहर यहा म् रवसवाद्यां के अवस्य वास्त्र इरामक्रात्यराम् एक्षेत्रा क्रिका मीर के यह रहेन नहें में माना में नेयर नहें नहें त्या ताया करा है र नहें न के में में र दें र नहें न के में में क्यास्त्रविश्वरिद्धाः क्रायाद्विद्धार्याद्वा रद्यदेग्वर्ष्ट्रित्यास्त्रव्या विवा वी खुँर त्याँ वाकी रवार या राखा र दूर तहु अरगरी अरवार त्या र ने वास्य का स्वार का र्या र्यार हिर्दराय क्रेक्ट्र वर्ग वर्ग में क्रायर स्वाहर। स्वायवर रिवार वर्ष हेर में त्यावा ख्याच्यापर्धियाते वक्षाणा नदर्वायात्रीतपुरकेत्व ।ता प्रवेत्रात्तरवाक्षेत्रकेताक्षेत्र व्या शरेशनास्त्राम्हर् कुरारायिनास्त्रार्द्धार्द्द्रायाः होरा इत्तर क्षेत्रभावविषयाद्वायाक्ष्या दर्दर देवायदः कुन्दरं तथा एटमर्सर शरक्ष के प्रात्ते के एक लूटमर्स रेसे से सार्थ में सार्थ के पार्ट के सार्थ के पार्ट के सार्थ संचल्यास्त्रेच्रवना तद्वार्यात्रेद्राचेता वद्दे त्याचरवन्त्रवा द्वारात्रात्यात्रेद्रा देता व समावेदा विवासर्थाः पत्र देशी क्रिया हार है है। श्री क्षिया है। क्षिय है। क्ष क्षा बरकिर शुर द्वार दिन स्वर हैते. अहरता तार्था तार्था राज्या है देन हैं के ता है के ता है के तार के तार्थ है के तार के तार्थ है के तार के तार्थ है के तार के तार के तार्थ है के तार के तार्थ है के तार के तार्थ है के तार के तार के तार्थ है के तार के तार्थ है म्यायामा श्री मुरी र्वेयात्रस्य अवाय वर्षा की मुरी सिवयक्ष नासी मुरी रेपूर्यातक्वी से वा व्यापना सिवा मुक्ति-दिन्धिमाता न्यारास्त्रेत्रस्यकुतिःशह विभयवताक्षेत्रयात्रेत्रः तर्थतः रूपा यारद्रित्वित् शुर्द्रभरतकूरी एर्स न ने सुर में देन करी में केंद्र में यर लिया पासे ये किया है दर्भिया, हिरा श्रीर्श्वामिणात्वीय विश्वयाति प्राविद्र्येवाहरी सुम्बार्करम् तार्वित्रितार् वयाहरा रे उत्तर्ता सरमाहसामेरा र्यवस्य बेर्यरे सेंदर्रा र्या बेरे या मेंदर्य है। कुर्य विषर् नार्य विषय म्म्याम् भवतान्त्र क्रिक्तिरायाविष्यायार्द्या विभक्षेत्रक्षेत् लर:वर्ष्टिशमः वर्षः वर्ष्याः कूर्यत्यं अत्यत्रेरत्वं दरः पर्यो दरः भरः लवः यथः र्याः द्राः त्या चाल्या लाईया त्यां की में यो वित्राय देवा देवा स्त्रीत में में से या है दे में में में विस्त्राय स्तर हैं। ट्सीलक्टा वारमाराज्य कर्णाट्सा पर्यात्मा वामटालु करायम्। स्वाप्तात्मा णमायात्रमायो त्या तर्ममुमायते स्ट्रम् क्यार्विसेन्। रममाष्ट्रमेते तर्मार्केर्भेषायो क्या मृ.चयातावर् मृं.च्यायायर मृत्या व्याप्तायार म्याप्तायार म्याप्ताय म्याप्ताया म्याप्ताय म्याप्त्र म्याप्ताय म्यापत्ताय म्याप्ताय म्य 6 Talas 75021 कुरास्त्रियास्त्रियास्त्रामा लूरम् स्वक्तास्य र्या चराक्ति। ट.केल. त्रा चेर.सेर.प्रामणता त्रध्री र 

न् न्यात्मित्रे द्वात्ये वयायवन देर्द्र सेवाया सूच । योद्वावन वाद्ये सेवाया या विक्रात् मुक्त दास्यामी स्रित्यावरायम्। द्यत्मुक्तियात्रिव स्थायायम् ।देन्रीवयिः क्षित्र श्रीर दगर अक्षा दास्यकारे विश्व वहँ गर्ग याचे न महत्र माने के न वहँ में विराधित के स्वार्थित स्वर्थित स्वर्थित के स्वर्धित की स्वर्धित की स्वर्धित स्वर्य स्व तब्वाक् सेंभू ए.र्यू द्या नर संवा ना पर्रिता पर्रेर्या पर्रिया पर्ये हता पर्या पर्या केंग्रिया में या पर्ये दाती पर्या युः अदतः यम् वायुः अद्भार्यः स्वायाः स्वायाः यवि वा यदः द्र्यायायः यवि वे व्यवस्य याः यायुः क ब्रू र द्रात्में नित सु के भेवा तह्म ब्री र कु वार्य ता में ताया द्वा के वा ले वा ले वा ले वा तर हरें। क्रियायां वटाक्यायो अपार्यायायां यात्रायायायां विवास्त्रायायायायां विवास्त्रायायायायां विवास्त्रायाः क्रि.लूर.मुर्चभवावसालार.वर्ष्ट्या. हे. जैनेवायुवारेन.र्रा ज्वास्त्रीर. चामर्रियारी की प्रामक्ष्ये देश के रहा हार्यर देनहान्वर्या क्रिया में यह दार किया है तीय प्रमान के में माना यह है माना यह समस्त्र माना यह समस्त्र माना यह है माना यह समस्त्र माना यह समस्त् नसमायश्वरास्त्राता वृत्र (८८) श्रीरायाक्यायाव्यायुक्त राष्ट्री राष्ट्री राष्ट्र यावरायाले गार्चर म् अर्गेनेना , स्वायर्यम् द्याद्यमा ह्वास्येवद्या स्वरः वर्षे वर्षे यस्यस्ये स्वरः यस्ये। स्वरः स्वरः श्री रेश्वर विवादाया जार है विश्वर आयार व्यवहर वर्षण वर्षण वर्षण वर्ष श्री पर भेर वर्षा श्री ग की सहिद्देश हैं। हैं वायवायवायेर देश कायेर यमें देश था ' निवासी अंदेश के विद्या विद्या वार्क में सम्मादेव है व विवास वार्व र र्रेट्र (हरावेंद्र) क्रांचित्रक्षरायस्य साम्द्रम् साम्द्रम् स्राम्द्रम् स्राम्च कर्मा स्वाद्रम् मा गर्मिल से मावए ए ब्रे के फिनक्या सिन्यमा स्वीत्य के व्यु वि क्रिक्त माविका स्वित श्चे. य.पर्यु. स्वेयर्पार्याः भावपापर्या.पन्याश्चे स्वाभाहे या भूभारयायाया छेरार्यारम् रेर् व.०री. भ.म. देश. भी भीत्रकृत. पर्या वास्तु है से में रें रें वो सम्बेश सकूर्य त्रावेद सं राष्ट्र स्प्री मी विवाद विश्ववस्तुः ता । १३ द. मूर्य राम्यतीय विश्वविष्वता वक्षायते श्री मुं अकेद यशिवाददा

र्भरायते धीर्विवद्रस्य द्राद्रा दलत्वर्रम्भा गर्नेगाद्यरगरम्भला वलस्य वितर्भापति। वि। दल्लासम्बन्धिरहराता सेर्रे मेवमित्रमेर मर रेर्। सेर्रे सम्बनमेर मेर्रे र्गा.जा.जराजारा वर्ष्या के ला.जराज राजा राजा देवाया वि.चा.जा.च्यारा तर्रा केराजारी यो अपना वास्त्रेयः दःध्ययभाद्येदःश्वयभारद्ग । न्यराये गर्यायाये याता भागविभा वर्श्वयात्रे वासमिदःस्रीदः र्डक्रियावम्यात्वात्रम्यात्रम् मृत्यात्रम् स्वात्यात्रम् । व्यात्यात्रम् । व्यात्याः व्यात्याः वित्यात्रम् । व र्यमुकाक्षेत्रः व्यूरा दसरायामितः देवकियाम्याक श्रीश्रीरामिकारायके व्युद्धवते रयुद्धाया अवगार्वकित्रेव के विष्यु श्रीदारमा स्वार्थित विष्यु त्ने। क्रियानीवर्षाण्याल्येद्रियारी सम्पापन्यामान्त्रेयाना मदानी नदानमे नप्रक्रिया र. प्र. ध्रेयः लूरी लदः रवाल क्षेत्रः महीद्वि बालवा क्षेत्रः वायवा क्षेत्रः वायवा क्षेत्रा वायवा क्षेत्रा वायवा

र.पत्रप्राक्तिंशरेतपुर जाना वार्या । यू धीर वी बूजाता क्रिंग पर्द्य । मू रस्किरर

श्ररायम् स्वीर स्वीयन्त्रम् वित्यं श्रीर्यं वाते द्रात्रा क्रिक्ट स्वाति वह स्वीर प्राया pair. राट. ट्रज्ञायात्र्यात्रीत्राह्मा द्या द्या व्याद्भावाद मध्यार्य यात्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र के अत्र विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त विश्वा त्रिम्द्राच्याद्र। म्यान्द्रिः द्यानक्ष्यावक्षा त्रेत्रमावविद्यातात्त्रिम्द्रत्विता द्रिरादेशकर 3 श्रुद्धार्यो शर्हिं केर त्यार केर जा केर विर्वे हैं अर विश्वर जा विर के जा विष्य हैं। अक्टर्-रदरवर्गा स्प्रः मेंदर्भ्, य तेमर्न् रदर्। रसर्गरानियातात्मियातस्त्री वाक्ताः सेर्ये. रता. ग्री. वेवताया वर्षे । किर क्षेत्राम विकास राष्ट्र स्तर क्षेत्र । भाष ग्री त्रा स्त्र सार्वेद क्षेत्र । क्षेत्र र्यात्रमायः स्व केर्बिक्ता र सं यद्य या या या विष्य केर्य केर्य हिंद्र स्था वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र क्तर्रक्षराय्य्येवाद्धर् वमायका वर्ष्या र्वस्य श्रीरायमार्यया वर्ष्य्य राम्मर्यस्य वर्षे याच्यात्रिया मेल्यकिकिसर्यणसीयमा र्यायप्रस्याप्रियात्रियात्रियात्रियात्रियात्रिया ह्यातक्ष्यात्रक्रिया ध्रेम.पा.मे.पर्यात्रहरतस्त्रदः। मक्ष्यात्राम्द्रात्त्राम् यो स्त्रास्त्राम् प्राचा संचाक्षियात्वराक्ष्यास्त्र स्वत्यास्त्र । स्वत्यास्त्र स्वत्याः मिश्वास्त्र स्वत्याः विश्वास्त्र स्वत्याः स्व सर र र में माना कार प्रति वह हो। दिन हैं से से से मी माना माना के महा माना है आ महिना थे। र्मिता हे. ज्यात्रात्र ह्यायल वर्षेत्रा. यहेरा यहारा हा त्यात्राप्त हो। यहार वर्षेत्र हो। Sgrain लुवा इ.हैरंअ.धरणत.परुक्तिरी इ.च्.लव.पा.जवक्र.जुर.क्य.च्राकुर.धेर.घर्या 6 महेल या इस

,

793

80357

somewhot like र्र्ट्रमें विस्तर्यह नासुमाकी र्ट्रहे छातु पकेट स्वेन धीन। या क्षेत्र नाहिन क्षेत्र अटर मित्र. नामा रद्द्रायात्रवात् वाहेलायुवाह्या वर दुर्या वरदेवायातः स्वरं स्वरा यहत्याहेला यिक्यात्रेव मेर्। यर यति रे व्यक्षेत्रायया मेर् क्रव्याति व्यक्षिया वस्तव वर्गाता हर्। के पर्ताहेर्दरहेर्म्दर् म् उक्तरकारकारकार केला में मार्थिय निया में मार्थिय निया में मार्थिय निया में मार्थिय निया में मार्थिय क्री प्रमार्थिक क्रिया में प्रमार्थिक क्रिया क् र्वा.कै.वस्था वाज्यत्राहिक्क्यावास्यात्रा राज्यद्राहिकाञ्च विकाराणा हिर स्वा अप्वा में किया जा वा अराम के एने मार्टर की रहा में वा मार्टर मेर के बाजा में वा स्वयानि वरियायस्थातम् वर्षा विवालस्य द्यार्यायस्थात् द्यत्तार्थानुदर्शास्य द्या मार्के सुमारा वर्र देवाकी ता क्षेत्र मार्के द्वार मार्के देवा मार्के तह मार्के के मार्के के मार्के के मार्के व मुद्रियंद्राक्षाविवावुववता अल्लंद्राक्षिवकुद्रवद्रायांकेद्री विव्यत्त्रव्याद्रवस्त्रकुत्रकेत्रके पद्राह्मित्र राक्ष्या भाषा माह्या में के वा मास्या पर्वे के मान स्वाप्त के मान स्वाप्त के मान स्वाप्त के निर्माण के का मान स्वाप्त के मान स्वाप्त के मान स्वाप्त के मान स्वाप्त के म्भर्भार्यक्राम्यंद्रायावश्चर्या अम्राद्रभागरकाक्षीरायाया वाष्णुतव्ववार्ख्वासंते रास्त्रादे। (करर्स् संदर्भ प्रीयः ता स्रे वायः वरः । यद्यायते तर्म त्या स्वीयः त्या स्वायः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः । वर्षः महिभादे। वस्राद्याश्वदात्रे श्वदायाद्याया वर्दरायावरास्त्रवाया रहित्यदात् वर्षत्वदात्वे वर्दरास्त्रवे वर्दर्ये वर्दर्ये वर्दर्ये वर्दर्ये वर्त्रवे वर्दर्ये वर्दर्ये वर्वये वर्दर्ये वर का.वे. असर्थर्भरती योष्टातिवादाव्तर्भः शिराजकरी हो अपराक्षित्र के भूता भीरति । अस्तरा मुभराकु अर्थरवा कुलावाताक्ष्या मिलावाक्ष्य मिलावाका के प्रावायाका है मारकामी अधिरादर एक्टा कर हर है। रेट के ता ही वावका तारका के प्रकास हर सम्भात रहा कर कार्या क्षित्र अधिराम प्रदर्भ मा स्वित । रे. हिममा जेन स्ट्रा जार्रा अहार विकास कर्या में स्वा स्थानु वर्द्धत्त्व्यायावतुवा अधारितुषा तदे तद्ति विभवने वा मदायुवाया भद् देद दम् व विवासी विवासी दि कि विवासी व ्राता वर्रास्मात्वास्त्रस्यवायस्वायस्या सर्वास्यस्यार्विताः स्यार्थिताः स्थिता वर्षास्त्रस्यव्या वाराधित। र्यमञ्जार्वस्ताराष्ट्रमातो सेरा विर द्वायं के त्या राम्यदर् य ते द्वा पादवाते (उद्घवारा) वात्पता अत्येष्व तर्रत्वितः पवात्रभाक्षेत्रयात्रात्वे अत्यात्वे अत्यात्वा अत्यात्वे मिया रद के यारा र के सी पासी पाली वा वे वह क त्या यारा सहर यह देवा कर वि हे गरर र व्यवः यहः देशः क्वातायवाक्षेत्र्यातारगर। दःस्वायवाक्षेत्रः कः देशरा वाववः तास्र हः व्यवक्राताः रत्यात्रम्या इ.स.र्म. प्राणायमाराया वावरा वाका वार है। वेका वाका सराता वावरा वा 18 ब्राप क्यायाय अत्रापा का करा दे या स्माकी तीय कुता हो। दे वर्षा कर्षे वर्ष अला अस्याद्वास्त्र हैन्य लेट्री देशवाद्व के ग्रिश अर्थे से लेट्री यहरे. मर.जा.जा.रदाक्यानुरी ज्ञा.की.की.काक्र्या.हर.पर्या.ना हेट.की.का.लुव.बीट.रंत्रेशा रदःशुत्रयाक्चि वयत्रक्र्यत्रेती यदःवी. ध.स.स्.रं.ण। वर्रः भूव.क्व.क्व.क्व.क्व.क्व.प.पर्वी मवार्त्यर्ते केराक्ष्मान्त्रम्यावसायदा यदाद्वारानायाः प्रावेशक्षाक्षात्रे

65

र्ट्स्लिबायामावसुयाकोरकोरम्। रयतातर् छ्याक्रद्याध्यराभे छेर। देअहर्वद्रास्त्रें अवर्द्वास्यर् वाह्यावां के ले हर ही र सु इस्या । क्रीय है यूर् है। हैला बेराहिट द्यता वाह्यादर भोवाकुला वाववामकेर होरा देवाहु ब्रें लेवा यही ह्यादे सुर्वाहर प्रमा ११११ विद्या मुक्या हे निर्मा सम्बद्धा सम्वद्धा सम्बद्धा सम् पर्यो क्षिपतियो मुलाक्त देर। वेकाभावपालीला वावलाला मुकारणा स्वेकारणास्य मुकारणास्य मुकारणास्य । वार्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा का विश्व कराया वर्षे यात्र कराया वर्षे वर क्षेत्रचावताः प्रता विवायह्ना स्रेत्र याचरवता वेदे चारास्रवाकृता कार्रा वाराक्षेत्रार ग्रंभेराक्रिया देवालावनिः स्वावत्त्वातिः त्वाच क्रिया क्रिया म्यास्त्रात्ते स्वास्त्रात्ते स्वास्त्रात्ते स्वा ट्रिलिम स्र्यार्थ में मा मीकरार्थ में मा प्रकार में सा हिर्त पर के री में की कूरा दा माने सा रिला तै.लु ५.८६६५.स. बी. ५८. भी मं १८५ १ थी। और हिन्देशही श्रुष्टातानातानातीर मेरा अत्यातामातार मेरा मेराने रामेराने क्षित्रास्त्रवात्रवत्। त्रित्रकुत्रः तर्स्तिवः हेत् द्वतः द्वातः वा स्वविवातः वा त्रावतः वा स्वविवातः वा त्राव जरूरितरंत्व्य हित्रमाद्वायविक्ता सर्वहत्यद्वात्रम्भवा श्रीरतिवाअबूरविक्दिवी रं रादरादाराम्भाया केरक्षिवायाष्ट्राणाः यात्राक्षाक्षाक्षात्रायाया भावतालक ति कि क्रमाल हें जो रगरंभर तिमाम में मेलाइवी येते बेट सैविस तम् मेरी एड्सिल्लाहर के प्रमान है। विकास पर हिंदी के प्रमान रिक्स है। इस प्रमान रिक्स है। इस प्रमान रिक्स है। इस प्रमान धीना को स्वयं के स्वर्धा वर्षे दिन होता है। इस देनत वर्ष होता होवा हैवरा होवा वर्षा देन 3 Laugh 255 के प्रमादेव भेव। देवल र लावव हु ला के वेतिक लंदे देते है। हे व लाख से द धर र्गर्नर म्यामा मान्या मान्या मान्या में मान्या मान्या में मान्या मान्या में मान्या मान्या में मान्या यत्त्रक्षाःभर्तःभवाःया। सर्वत्सवाःयवाः विस्तवाः तद्याः रशः रशः सवः द्वाः सवः द्वाः सवः द्वाः सवः द्वाः सवः द्वा ववःक्राक्ष्यां श्राचा क्राक्ष्यां व्याक्ष्यां क्राक्ष्यां श्राच्या क्राव्यां क्रायां श्री दावता श्री दावता वर्षे र्भेतालका र वित्यादाशका या प्रायदासका शिलाव वावसायां सारा वावसायां सारा वावसायां सारा वावसायां सारा वावसायां स किर लयमा त्या है से हे के के ते के ति है के विश्व के विश्व के ति के विश्व क श्रद्धं च्रत्यत्यां श्रद्धायावत्रत्यः र विलामितारेरी मी रंभग लेंभ वर्षा वर्षा केंद्र में प्रदेश में तर से स्थान स्थान स्थान ्रको अस्ताचर १११८ दशका एह्रद्रमान्या श्रिका मिना प्रकाश विकास मिना विकास मिना विकास मिना विकास मिना विकास मिना विम्पा विमाल क्रियाविद्वित्वित्वे तर्वाक्षेत्र हेरा हिमाल विक्षात्वे में दिन हेरा हेरा विमाल क्र्र. में व.त. प्रियार द्वरा क्रिया वर वर वर वर प्रियार प्राप्त वर वर्ष के वर वर्ष के वर ताया के पानी श्ची.पर्वी.प्रविद्यात्मात्रकात्रेयः ।क्षे.कर.पर्यातावाद्यात्यात्यात्रेयः तिवावाद्री तिदक्षवात्रेयात्रेयः

य। यात्रावि दूरायाक्रीत्ववत्तुवा । शुःराबीट वाद्वारायो द्यायाराष्ट्रा श्रीरवास्यववा क्रि.स्टब्रहरणतार्वात्रक्षत्र हिर्द्धार्तवर्वात्रक्षत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वया स्वामान्य रात्यवारी हेरा मेर्नाययर हैया हैरा हिम्हेन्य केराकेराया क्रेट्सवमाभेद्रायाती वार्यकार्त्र दिमवास्त्रह्या स्वार्मित्रम् वा कर्षामा स्वार्थितमा स्वार्थितमा स्वार्थितमा भरम्भात्रं स्वामात्क्रमावाता ही देन्त्राशद्वाद्वादावतास्त्राद्वा त्राम्यात्रात्वाद्वाता म्.विर. अरे ते अरे रेवव अ. अरे । व्यर रेक्य अर्देष आहे अ. यो व्यत्य के विष्ण के विष्ण के विष्ण के विष्ण के विष्ण नेत्र, भरत्ये प्र.क्षेत्री छिदक्षणक्रमात्व्यः त्यूरः लयः क्री श्राः करवात्रमः कुपाः प्रत्यात्रमः मुन् मात. येन अ.क्रिक्तात्त. जा एह्या मान जेन मार्थन कुम एह्या न ने मुन पहिंगा द्वायिश्वितादम्री अद्भुः श्रेकालम् केटला मिन्न्याम् वयावालावर्द्धित्या र्वत्रम् रहे में महत्व वयाक्याम्याम् वावायति द्रा द्रम् स्वताया त्रिवायते द्या मार्याते स्वर क्रिक्याया क्रिक्ट्नारापुः सरक्राएववर्षः हार्थं यसतायक्र्याताः ए से सरर्। में से क्षेत्रक्रारतार्थः भूता दे में द्रविधायावर, वालया स्टान्स के कुर्यु में यह है में भूता वा के दर में लिया भहताक्षित्री चामकावद्रक्रमाक्ष्याक्षित्राक्ष्याक्ष्याक्ष्याचात्रात्रे अस्तात्रे स्वरं वास्त्र भागात्रे में वरः विभवात्रात्रुवार्यवात्रवार्थेन देशार्ययते त्रायात् के विवाय्ववाययते रे असी क्रिक्र विद्यानिक क्रिक्स देश देश देश कुलायां से रकेश वाग्या अध्येद ता मुंचति द्वरया मस्राक्तिराज्यमायायरत्यांना विष्यस्य विषय मित्रा केराय केरा केराय केरा केरा केरा केरा केरा विषय विषय रस्यान हार त्राचा निष्ट्र स्थान स्था इस्लाह्रंबर्स्ट्र्यां होता द्वालक्ष्यं स्वेर्र्य्वाता वर्र्यं हेर् क्षानासद्वास्त्रद्राद्रात्र्रा तेस्स्तियायात्र्रस्त्र्रा वलभायात्रन्त्रायाः वलभायात्रन्त्राः मदुर्वनायतियोवी से स्राम्भव्या व्यान्स्यायर्देनात्माय बुद्वा क्षेत्राव्याय स्थित् हेर्रेर् रेगार्देन विद्वा कर सुद्र सुद्र त्यविर ऑद्रेस रेर्। ह्युद्र स्वर्यम्बिर ऑद्रेस रेर्ग देके ब्रिट्र गर संस्र साथ व बुद्र हिंदे स्थिता देशका रेगार हा दी अर्जूर अवशाहिर अधिय वित्रा केंग्र केंग्र केंग्र केंग्र केंग्र केंग्र केंग्र केंग्र केंग्र गयाःस्रावनसुरामारर्द्रस्यम्। दयतःवर्द्रमाववःश्वेभारद्राम्स्रायःभेरा महम्यांनेः हो शुद्रानेनेते हत् फॉयहिचुत्तू। डिला गर्भरार्टर सुदाय पूर्वा हो। क्षेत्रारे सम्बद्धाया विद्यापार्याय तवात विवा वीतावी ने नेते वासुर देस सु व्याय लर्डिर्एर्य । एचएविवानीसः स्राह्मार्यस्ति अर्थास्य सामर् हिर्तर्य । एचए विवा नीमातहतः रदः तदे । तहीता चते ह्याँ रद्या तुरस्य दरामा मार्थे चति व्याया पूर्वा तामा अवविरा रेतुः भरः कृत्यरः गातातुः स्रेश्वरः ग्रूरः अरः क्षरः स्रेशः वः ये वा वीकास्य वर्षे नावर्गेगालमालमा रमराभराभर। प्रातिगालक्षेत्रात्रक्षेत्रात्रे सार्वासमा राजित्यत्तातात्तेत् वार्षेत्रत्रक्तित्तर्भात्तर्भार्त्वात्रम्भार्त्ववात्रम्भ्र

मी अर्थर दिर। वरा अर्थे ता माण देशवा श्रीर तरी देश विवासिव तर्रेश तरे र हर हिसा

**K**< 68. रार्ट रेका माने करा है मोन श्रीने भारे या केर सूर की रवाका मोन रे रेवा तर्र अस्ति मिलाव. ता मानिधार्याता मिरता हो होते वापना विदासिक र तिहर के क्या के में तिहर देव क्रियेशकारीका विश्वास्तान्ति के किया त्रुक्षिक क्रिये देरा ता द्रवक्ष शिरायद्वास्त्री Select गिक्स्ति हर् देर् में श्रीकाम श्री हर जा में ने का मा मा में देर में मा मी.एच. हा.का.कूच. ग्रेट्व प्रत्या इंट. कूच अचर जा महजा मुही द्वा प्रचीवाया ना वा ती प्रवेश सरामात्वीवाला राष्ट्राची काली पर्वेबासर रहत्यरी कुबा सुरी अक्षेत्रक कुष्ठा विदर्भना पर्वे द्विवयत् हो स्वित्विष्ठातात्वावावायायेता सारदेशाद्यांवयवा तर्यारक्षा वर्षात्वा वर्षात्वा रगर्यते निविद्यियारेत व्यार दरर र राम्याम्या नर माया या में द्राची मार्थि में द्रा माया यार्थर स्रीयाता केविए यतर श्रेये प्रिया पर्या एडे छिए क्षा स्था यह राम स्था से अप र श्रेर हरू यर वर्राता के विदेश्य के किया हैरा मालय अद्रेश्य प्रति । विदेश राहर के राहित भक्षाना अस्त द्वास्त्रेत्र किलालद्रत्वा हैला के वर्षेत्र एति रात्रे प्रकृति लाद्रत्वा स्वित्ते वर्षेत्र देत् भूमा सम्मा राजा में में के रहे के राजा विकास के मान के मा अक्षेत्र मिलाश्चिर्षेत्रम् विश्वरावर्त्ते क्षेत्रम् देशकात्री देशकाक्ष्यत् विकासदेश्वराक्षेत्र विकास बिरामानार केरानुरातर्या ।तर्वर केनारा है। तर्दर केरा तर्या । देश नामा सके अके वात्रव नेरा तर्या दर्शके स्वालामा महीसर्थ। विद्वेषके विद्वेषके वर्षे । दर केर के विद्वेषके विदेश र्विच्यम् हेर्व्यं विक्यम् त्रात्रात्र्य । र्यक्रम् स्थित् विवाला क्षेत्रात्रात्र्यः क्रिट्रम् स्था विस्ता मान्या विस्ता विस्ता क्षेत्रा क्षेत्र क र्रेट.श्राचनार्वात्रे तीयात्यात्रे वालम्भर्यात्यवात्र्यायात्र्यात्र्याः यूट. त्र्येद्याहें यूच 8 Shark ण.म.स.क्र्या यूर्त्त्वेत्व्याववक्र्या रामाभक्ष्यक्रियावर्म्या १वात्त्यामर्पात्यास्य श्रिक्षेत्र । 10to hice कूर्य। श्रिमायम्यात्र्यात्र्यात्र्यात्राद्रा सार्वात् सार्वातः सार भी.रशर.चानावाकिवारर.एरी केवाररअपु.माष्ट्रवातायाता वानापात्रपात्रेत्रात्राच्या हरा दलर या नेतासुरस्वर्रियारम्युरम्भराम्भेषाम् वर्षर्म्यस्य स्तर् करक्ता रिते र्रदेर तरुवा केर व्यव भवा भवा देर विवाद केर के विवाद केर विवाद क

गालामाहर्युत्ति। सुबलबल म्यास्यं यास्य यते स्वारिक्ष अभिन्य पातान्त्री कातातान्य पातान्त्र नेद्वाणी यावतान्त्री गर्द्या यद्क्य प्रवृत्त व्यापा स्वयान्त्र गुर्भास्यत्त्व्यं सिन्ना अत्वर्षाक्षेत्रं स्त्राम्य । :रवार्टात्यम् र्वारोधानाध्यक्षया। सट्यक्ष्या परे व्यवस्तु ह्वयम् विका । सार्वे ह्विट्राम मालिलक्री केरवननावरायप्रकृतमा क्षरायर। युगलामान प्रात्तित्वरा यारकार्यः में था की अकूर हे अ कूरी वार्त के यावार्य अववार्य हियाता वार्य र्यात्र वार्य वार्यः मितेथुला ह्रेट्यवंवाह्मकायां सुरायां वर्ष्यवंत्रवर्षात्रकार ते सुर्द्र (दा वर्षाय वर्द्र दहले र पहेंद्र) | Fate म्मानदार्भरायि क्षेत्रप्रमानम् । यात्र मान्यम् वा वा मान्यम् रा प्रस्ति वा वा मान्यम् रा प्रस्ति वा वा विद्या र्वाश्रद्भवाराम्बर्द्भवार्षम् स्वार्थम् स्वार्थन्य स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः वस्याम्युरायद्वाको तक्ष्यकार सुरावदेश वहदद्वा स्ट्रियमा देवताह्यस्यार्भतवद्वर देवते म्बर्भा चीरार्ट्र्याच्यानिमाश्चिमाता श्रीनात्र्रात्यात्त्रात्यात्यात्रात्यात्रात्यात्यात्रात्यात्त्रात्यात्या विश्वास्त्र । विश्वार हर मुक्तार हा के राजी सेर्यार विवार तथा से तथा है के से प्रेर शिवार वर 4 का मा सुरादगरायां मुखारकरावेदा सुराद्यायां के किया मुकारेदा सुराहे सुरादायां देश किया मेरा सुरादायां मेरा किया मेरा द्रायः व्यद्रम्यक्ष्वः सम्प्रकृता तक्ष्वासः यात्र स्थात्रः त्यात्रः त्यात्रः त्यात्रः त्यात्रः विद्रायः विद्राय क्रिकारमार में केरा में केरा दर स्ति हार्ग खुराला तीर केरी हर अदत हरा स्वान वारा स्रेर स्वार र क्रिस्तेर रोभराक्षातुमा क्या क्या क्या वास वास वास वास क्या वास की मेर क्रित्यवा हवा हो रेट विकार का र्त्यम्बर्धरमात्तर्भरत्यात्त्र्र। संस्थायव्यवेशाय्रम् हेरास्त्रा सर्द्यूयात्मेयायत्यात्व्या हिर हिर हिर लिया हर स्वालक्ष्ण। हर हर हिल हर स्वालक्ष्ण। तर वार वरकर से ला वर देश। श्चिमातव्याव्यायर्वे वारार्व्या वित्रात्तार्वित्र मार्म्य वारार्व्या भरार्व्य स्वर्धावत्र त्याव्य स्राक्षकार्यर श्रीटरमा म्ह्रीलारेदा व्यन्तवास्त्रुत्य व्यन्ति। इत्र क्रिकायावेदवनवासारेदा म् स्वाक्ष्रिक्षत्त्रातासः विरागक्रिक्षात्राक्ष्या रामकालाक्ष्राक्ष्या । र्यत्यक्षित्वितारम्बह्तवस्यर्गं त्रवाह्मिनानात्रम्वेन सरकारम्बर्गः १३ ३वनः ग्रॅर्यन्वयास्य मेर्स्यो ध्वर्रेग्याम्मर्थिण व्यः देशाधिव। देवतास्य रामराद्यायपुरा स्थता डिलाक्षेत्रदायी पार्यापात हैरामा स्वापा अपदार्थ अपदार्थ से वार्याय की वार्याय की वार्याय की वार्याय विद्रा श्री अभावरेष्या श्री वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्य वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र क्रिकायिकायह्याताश्चरताक्री भेशितामाय्यिकायेय १४८१ यायिकासायमार्थिता स् स्विदेर. क्रमा स्वर्त्यर्थ. क्रमाय्यम् विषय्यम् विषय्यम् क्रमायः क्रमायः क्रमायः क्रमायः क्रमायः क्रमायः क्रमायः दार्थ यह महिराता दिवात वर् भे केवा भेरा का कर महिरा हो केवा भी स्रिवासितं वर्षास्त्री होटाया हेरा या से सम्माद्यार पर त्या पहेरा व्या वर्षा स्वावर्धिः र्वे.च बेटा चानमार्ह्यक्ष्यंभू भुत्राह्यात्रात्र देनेच । बीटा हु, में माह्य हिमरे के वा

जिलायर्कायरः सूरक्तिकाक्षरी यावकातान्त्रदान्त्रवित्रं दूरायाववाल्यी ज्ञावतान्त्रारा

क्रानिक्षित्र क्रिया केर द्वाय द्वाय द्वाय क्षेत्र विकाल क क्षेत्रात्वतानुद्धियात्रकास्याम्येयवाद्या वद्वत्याम्य मान्यक्षेत्रात्यात्रम्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य रदःष्ट्रीय भारद्भेश्वेश्वेशा श्रीटाप्तव्यात् श्रिक्षिणात्र्राद्वाराष्ट्रभया द्वातव्यायदायादात्यवारादेश्वरः लुवा कुंबक कुंबर वरकर अला वरखूब । में हैं मेर रबूर अवल बेबे अला व बेर. । देश बेर कुर क्रया. प्यूपा. वर्षः क्रिया. क्रेरी देशः परासे देशः दर यहे या परासे बीवा नार्षः क्र्या प्यति वाह्या ना वृत्ते पारका वृत्। तर्रिक्वार्यकात्रका वर्रिर्ययवर्ष्यात्वर्यः । वेश्वरायक्ष्यः विक्रास्यः क्ष्यं विक्रास्यः क्ष्यं विक्रा र्म्यानाप्तात्त्रं वर्त्त्वरात्त्र भागत्त्रं रमका हिम्रास्य । त्रम्भायात्वरदेवाच्यम् क्रिस्या र्रम्भर्याकुष्म् अभ्यत्त्रयाभाषाभाषात्त्रात्त्र्याकुष्म् वराष्ट्राकुष्म् वर्षात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् द्ववाला असंब्राक्षत्रवातावलाजेकाम्यवताला हीवाकाद्वा से स्वाद्वा साम्याद्वा प्रदर्भ होस्य पहिंगानुदावान् रादद्दिल स्वार्द्वाच्या स्वार्था स्वार्थी स्यति करकेमसात्यवर्षता देशस्य स्विन्द्वीरव्यास्य स्वेत्रद्वाराम्यक्तरम् मेव की क्रिन्ध्वयाः सेविद्यः त्वात्रायाः क्रिस्त्यः संदूर्यः स्टान्द्र्यः क्षित्वयः द्वात् क्षित्वयः स्टान्यः विद्यतः विद स्वि हैं राष्ट्र रार्य वर्षे वर्षाताता से असा लटाइया पर्मा है से दिल हिलाईया देश देश हैं देशका रखक्यात. बर्जलात्मेत्रज्ञाता नैवान्वला मूल हर्दिर्याम के लाला स्वरित्र रात्र के राविस्थानर गिक्रामहिन्द्रे हैं। श्रामायायायायायायायायाया वादल्या यानीर से रेरवाया सुवलस्य सुरे सरस हुस गुव हु व वरा तरस मुरे वरक ने मुरेवास हु र्दा मितासिर्वासवायाम्यायाम्यायाम्या व्या विकास वर्षे व्यायम्यायाम्यायाम्यायाम्याया र्गराम् क्ष्यक्षित्रात्री चार्यात्रद्वलाचाम्यात्ववात्रवसात्रेरा हिवास्वराध्यक्षराधाववायर इसावलत्यः च्या दिसमदत्ता कर कुला रा तरे राद् त्या तयानेता द्वारा विश्वस्त्रीर के सक ता स्वात्रभारवद्यीतावद्रमामत्त्रक्षा श्रीदायायाश्चर र्ये अञ्चर व वात्र रेर् व व्याव त्यायहत्यीता ग्राक्तिमार्यद्रमा स्रदास्टास्टास्ट्रस्युगायते क्रास्ट्रमास्का स्रम्युगास्का स्रास्ट्रस्य स्रास्ट्रस्य रहेन द्रा स्वामिवविते एस। र्यरे रेर समावित्य वहवाहेरा क्षेत्रमाने सहर हिसारह्यात। वदरा न्त्रास्यास्त्राक्षेत्रेत्रात्स्त्र। द्वापर्वरात्र्रात्रेत्रात्त्रेत्रात्त्रेत्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र द्यार्वास्वान्यान्त्र मार्थेन स्त्र । साधार भार्मा वर्षेत्र हिर् हर स्राम्य स्थित । मुर्क्यार्के स्वराज्ञियारा कराया कराया मेर वर पहण्यर रायर वर्वा वर्वा पहले में वाराया की सामी केर्जिन्न स्मिन्न दर्जा लहार्या लहार्यात्र हिंदीहर्जा क्रियात्र क्रियात्र क्रियात्र क्रियात्र क्रियात्र क्रिया स्थिर का में वे राष्ट्र में का तर्रे व राष्ट्र ये आप या हु य शह में ये। कुरमा त किरमण देरमा ता ता र्थं.परितार्ताएयुर् गेर्डेग्रासिनी अरम्बेशनवेशनवुर्ध्यानुरायहेंग्रा रयामायक्तानामूर प्रभावत्र्य टर.क्रिंग्रेर्यशन्तुं, प्रमूद, त्र्त्यं वीया। पर् हिए कर क्रमाणक्षेत्र। हिन्नत्रं, प्रवेश्वरिक्षावक्त्रंद्र। व

दर.म्. शुर्द्धार्द्वयः वर्देदःला सङ्ग्रस्ट्रा कुर्वाह्या किता में कामा क्या श्रीहरी वर्देदः Son Zing तिराक्षेत्र नातु अञ्चलारे क्रवण के बे दराय वर्दर केंद्र रे बेटा या अभागा के किराय का विषामार्थ सुना दवर्ग 2259 र्त्रेयात्म्वयःदिश्वात्यरःसेटःबिरक्षदा भवत्य्वियाक्ष्याःम् मुद्रायाःस्वया इत्रक्ष्यःस्यःस्वाद्यः 3=3:33 4 Mite वकरा श्रेर रवा दूर की बीर अरोवा का सेका विवाद की विवाद का विवाद की दरिया विवाद का की विवाद की मिया त्रिक्षामा मुक्ता होता के के क्षार प्रदार हर सम्बद्धा स्वास के सम्बद्धा के स्वास मिया है । दे दा मुक्ता ह रूप्तेया र शर्मायकेरी मुजनाधुर र रर्दरम् एवं वापा प्रथम मिन्न विष्य रियर्ग म्या कर्या कर्या कर्या कर्या कर्या ्भग्रार्ट्स्यानी जारार्व्यक्ष्णा दम्बिलार्वर्व्याः वयात्रस्याया बद्द्याः मुल्या वेद्रम् हर। द्रभावनात केंन्यां यह वस्तरा देश वना द्रभावना केंग्राय वह वस्तरा देश वना केंद्र वह न्त्रा रद्रश्रम्भास्यवित्वेतावयवाता द्वक्रेयवाताः हुःत्यदः द्द्रवाता यदःद्वातः द्राव्यक्षक्रम् ण। श्री कर्षेत्राच्यास्त्रास्त्राच्येर् सरमञ्चराक्र्यामार्ग्यत्त्रात्राम्या क्किंद्र द्वालक्ष्या क्किंक्ट्र विद्यालर्द्य दिन्यक्ष्या क्षेत्र अर्थ क्षेत्र विद्याले द्वा विद्याले द श्रीराकीयान्यसम्बद्धाः हिन्द्वत्याने सुन् हेर्न्स्य । द्वारावस्य व्यक्तान् विद्या व् व.अ.श्रद्भात्र रिम्पुत्र विभागतयार्भिण,वराक्षेता मदार्थ्य सार्थार क्रियात्र क्रिया -7 रावा क्षेत्रभार्यक्रमा महर्ग । व्यवस्थान क्षेत्रहेत् संभाषात्यां मर्थ्य राष्ट्रक्षेत्र मात्रम्य राष्ट्रम्य राष्ट्रम र्यातक्षराहर्सेचयामद्री वचवत्रमायत्वसाविद्याः चरक्षर्विद्याः क्रिक्यंर्राविद्याः वर्षर्वेद्वता 85 7 2 यः अर्थेच लाय वर्त्यते मा के प्रवेश वहूं या या या वर्ष विष्य वहूं ये दे से दे के किया गा ता १ अला। उद्याचिरक्षात्म्यरक्षेत्रक्षा सार्वेशक्षा सार्वेशक्षायात्राचेर्येशक्ष्री व्यावसर्विष्ये स्र र स्या से तीया रूर र र पुर्देश पहिंगाधिर के पार र र के या या रूर प्रथे र र र र प्रवेश ता के स्वाया में स्वायके स्वी के साम प्रति देशक सम्बाय कार्य देश के तावनवाय वर्ष वर्ष शुर्रे में भेर में मार्थे रेरी की रंभ यादमाना वर ता मार्थे। में मार्थ विश्वकी की भाव मार्थे। रव.त.येथ.ब्र.चर्र के.न्री र.वलम.केवलावशमालय्वस्। यथव.त.ब्रेट.ल.ल्रीट.लल्री क्षेत्र, अष्ट, एववः र्यायात्रः द्यायाव। क्षेत्रः यदे क्षियाः र्यायाः प्रथाः त्यायाः विव व व व व व व व व व व व वनुदा । अँ अहे येद कूं। हिला वार्डररायर । शुद्रात्म राष्ट्रस्यति इतर इस.चर.। इसकात्रम्के.के.से.रह्म.के.बर्टाके.वरित्राचे.वर्टिवारेटा हेर.वचव.त.रह.इट. चार्या भारता में त्रा हिता है। या हिता के दार वा को दार वा को दार है। या की को दा भारता की वा प्रोत पर्या उपमध्यायारेशातायारे ही प्रांत्री हिराधिद्याला । क्रिका हु हुरे ही भी श्रामान प्रार अ.श.र्र) स्थला.ज.मुर.ज.मू.र्र.व.ली श्रीक्रिव.देव्चिव.ठ.र्यकालामाहर भरेव. यसरामार्ट्यमात्रकारा कार्या मार्ट्य । विरामाना केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या भावतः तर्मेर्यत्ततः व्रात्त्रमाक्षेक्ष्याम। स्रात्वताक्षेत्र्यते वर्ष्याष्ट्रमात्वतास्य स्रात्त्रात्वतास्य चावजालयात्रमा है। तैयायव्यत्येत्यत्र श्रेवः इत्या वैयावक्षताः १वः की सर्वात्याः वा

म्क्रिया माने क्या के माने र त्यववया अर्घर वर्ते भी या र र या की या हैया हैर। . यद्वाद्याः स्वायाः सहताः तोतेदा देःदराव याः नेवावरा स्वरावदेश द्वाप्तः द्वापाः विका श्रीरायते स्वराय वह मस्या पर्या सर्वे नाम कार्रास्य वह देश वहता रगर स्वरास्त्र रवते तर्या वश्या सरावर्त्रां कीया श्रीद्वर्ता वर्षेत्र सद्देव्या त्रेत्र अव स्वत्या वर्षेत्र त्या स्वाद्या स्वादक व्यवक व भूशन्तर्भुत्रीतार्द्रतात्र्व। वश्यावयायहरात्रीतर्त्त्वी विद्वात्मेर्ध्यात्रियात्रे वरात्रात्रे सरसिरकरायने वर्तितराविवानारार। याविस्याकितर्याने स्वास्यायाविवार् देवत्रा णड्यालटा वि.शुर्यारास्त्रं वासुरादवादी क्षवायते स्वराह्याता वा स्वराक्ष्यावास्त्रं वास्त्रं भूत्री पर्वश्रवित्वावश्रातिवाद्यात्तरात्तरः रवापाल्यक्तिरः लाच्यापः देवःक्षे पर्दश्रविद्वणात्त्रं श्रव्यः हैं गुर्भासद्वास तहेव से दे। वनात विवास वास वास नाम कुल या विके देल द्वा हुन। युवस के वहने णबुकाददायालक ।द्वयाव बुदाने क्षेत्रियावरा कुत्रते कास्य तास्ट्राये केर्ने तहेका हेवा के कि मिलात्या भवाका त्वराष्ट्रस्यम् वराष्ट्र। यथरावी द्रारास्य त्वर्राता द्वराता द्वरात्रात्र विष्यायायम्बद्धा विष्येर्वयायाम्यक्ष्याची स्कितिवात्वविर्द्धात्वेत्व्राच्या ८४.८४४.ती. सेवा.साठ्या.ता हिंरव.सैयाक्ष्र, रेज्याता क्रीया वार्टर कर्णा तार्वर प्रत्या हैं या अस्यवर - मुवार्श्वासव्यासेर्। तर्तेत्यं स्वरादस्यात्वर्तात्यां त्वास्वान्यां स्वास्वरायते स्वास्वर्धिताद्रः। स्वास्वर रस्मिन्दः सेचा मूर्त्री शहरायता द्वीरपाय सर्गर्म द्वा मुक्ति वार्य देख्या या देवसम्या प्रमाया में क्षः त्यामा ति.रहिरमः बीर की बाइवाया अहसाती। सारहेत्र श्रीर ता विवेशमार्या आहर। अहर म्ब्रिन्सते में भर्दा तत्र्यायत्वार्थरत्व्यायद्वायायहर्। द्वात्वते स्वर्द्वराय्ववव्या प्रदेशविद्विणायते वास्तर र्वासा अहूर। वारत्वरायक्र वाल्वार्यर वस्ता क्रिसायते क्री वस्ति वार् यर्रम्भहूरी पर्रातमायरेरमाना क्रम्मामा क्रम्मायामान्त्र्या यावह र्यामासहूरी कुल. ब्रिस्मिटालभ्रतिबेश्वा त्रेवत्रपुः क्र्रास्मिर्विक्त्र्र्र्राहा राष्ट्रास्त्र वेरास्त्रास्य वर्षाहरा वर्षाहरा क्रुवा वास्त्रात्वावरत्वरात्वा पात्वविवाववरात्येयतावर्हरत्वा रार्ट्र कुलूराद्यायात्रीरा स्मित् अ. एड्स. येत्. त्येत्र. व्यावित वे. अप. ह्यो. पा. पद्याया वा. पुरास ह्या के. विदी विवादित. ने वाम्यहा वणायमार्स्यान्त्रेरान्द्र। रद्यवाद्यात्रेराधाराकारात्त्रेत्र मालवास्त्रभक्तास्तराद्याः वास्रेश्वेदा केवलाल्याकरा सरारम रहेर के लगा है। तर हे वर्ष देश हैं दर्भा सेरा हिर्मार में र्त्ययःशुः पर्यास। अस्य स्थारा र सेताकृतः। त्रिक्यस्याता मुन्ति देवता तामार्थः। विक्रास्य। सूर जशकी रवा तए छट देर अहण वर सूर । यह्म ब्रिट सूर में भ छट का भना कुल दह मर् मर् मर् मर् । वाद्याय । वादयार प्रवाधि प्रवाधि प्रवाधि वर्षेत्राय पर्णया विद्वासार । विवास मिन्दीर्वारवर्रम्भूर्ययार्वेक । तथर्रद्वा वस्त्रम्भास्त्रम् व्यवस्त्रम् विद्वारम्वेक। - कि.क्.यु.यायीर.क्या. खंताकाहण.की जार.जार.रेंदरीयाथशातार.प्यो रे.क्.के.यु.यु.वीयायायविशे देश श श व ता अवरेश के वा है। तर्व व ना ति व ना

क्रिक्र नेवाकी रामकी वाडिवाहित्रीर देश तानी वाडील श्री वाडील के वाडील हैं। क्रिक्स मूर्वर्याता(देवाता)वर्षयात्रताते सैंवततात्वाईतासीवात्रतात्वी क्रिक्क्षात्वेत्री वंत्रत्र. म्यामात्रुतामवकासेदा स्राक्षेत्रक्तायसम्बद्धावा क्रान्यात्रामात्राम्यात्रास्त्री व्यासक्तिक्तिका विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र क्षेत्र द्वार प्रमाण देल्युका केशकादगारका केशा दाष्ट्रा हुन्या । राष्ट्रा हुन्या हुन्य कराभेदाश्रम्यते कुलायाल्या द्वाराकेलाह्माइ द्वाराल्या दारुरावर्षाकिते हेन्स खरायरावायाक्रेरावर। रदार्चेचालवक्राव्येहराइपालवा र्यामायराद्वीपावराद्वीरक्रा त्याद्भारात्मार्थितायम् भवन देवामायात्म् नाय्यायात्म् त्याप्त । विवादितात्मार्थिता (का कारामान किया के कारामान कारामान के कारामा कारामान के कारामान के कारामान के कारामान कारामान के कारामान कारा भूगायविषानविष्टिक्षियो अर्थिक्षेत्रक्षेट्रभव्यव्याः क्रिंत्रा क्षेत्रवर्श्यत्याः कृत्या । अत्यान्त्रव्याः क्षेत्रवर्श्यायः विष्ट्रिया विष्ट्रवर्श्यायः विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवर्याः विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवर्यः विष्ट्रवर्यः विष्ट्रवर्शे विष्वयः विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवरे विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवर्यः विष्ट्रवर् विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवरे विष्ट्रवर्शे विष्ट्रवरे विष्ट्रवरे विष्ट्रवरे विष्ट्रवरे विष्ट्रव क्षेत्रम्याक्षेत्रस्याक्षेत्रस्य क्षेत्रकार्या स्थान्य । स्थान्यस्य वित्रम्यास्य म्ब्रित्रहर्षामानाः द्यार्यायतित्वराष्ट्रम्यायात्। स्वत्यवर्गार्यतेत्वकस्भुरवण **अ** अहियु है। रेल्य अर्थ अर्थ स्वाधाः त्याचात्र द्रवा विवा प्र はよります。いなからいいできていているというというかられているというできなっていることによるの म् रम्याभराष्ट्रवाभुरः। स्याक्तान्त्राक्षेत्रात्राक्षेत्रात्राक्षेत्रात्राक्षेत्रात्राक्षेत्रात्राक्षेत्रात्रा हर ही वर्र व वव हो वर्र र सरायर के सर्वर हर है। मद्रद्रात्म्य कुरा,रंभया एट्र्राच्यमा ता कुया सुँजा कुंजा माना माना माने पत्र के सूरा देवरण सी वहें ये स्या विवादा,विवाचयात्राचयाः युः गुत्राया विवादा विवादा । क्षेत्राया देसादा अदिवादा अपहर्ये रूरभ्रेरभ्रत्वर स्वाया र्वार्या के केल । रामान्य के केल । रामान्य प्राया स्वाया स्वाया स्वाया मुक्ति िअइंटर् रियम्भिर्द्रभवा देशका कर स्रियम् वितास्त्री वाकास्ता तर्या स्तरे हिराता स्वता द्रिंद्रभग्दरायुरावम्बर्गायानासद्वायुवादुःगुवादुःगुवाक्रिंगसव्दर्भयाद्रर्भः क्षात्वातात्रक्षाः राज्यात्रक्षाः । राज्यात्रक्षाः । राज्यात्रक्षाः । तर् १९ । क्रि. केंद्रु व्यवभागक् अ. कियामम्यु भरत्यर प्राप्त केंग्र रर्द्य राजय प्रह्म। द्याप विश्वरात्तिवादात् दे दे द्वापाकी विष्टिंदिया मध्ये क्रिक्य भार्ति दे महिता कर्या दे द्भरायरायर् द्रिरायाष्ट्रभक्तायायायायात्रहेर्द्रद्रवायायात्र हरावयमायाक्ष्रवात्ययात्र इ.र्यात वर्रा देशमालक् अम्याय वर्षा क्षाया देशका के वालिर खेट दे अहूर देता । वर्षेट्र धी वर्षेद ररुक्षरवरमान्त्री 

र्राम्याधिराम्बामात्रारः गर्रम्यते क्रियामायायायायायायायाया । /बाउदा हिमायवमा राटाउहराया राज्यातमा सार्देदमा १ वर्ग्युर द्या पा अकरार्य वा वास् 2 वादाया िस्ट्राक्ष्याम् प्राप्त प्रमान्द्रम्यान्द्र। दण्डल विवासम् अविति विक्रियोष्ट्र त्यादरालद्। धीवाद्यक्रदाष्ट्रवर्थिवास्यादर् नाम्यायायायेक्रदायाव्यवस्यताव्यवस्य खिरमानत्त्रेरावर्वि कुणाला वार्ष्वाक्षलार्याः रावन्ते। श्रेरमेलाम् क्रम्भाग्यरान् रकार हैशा अवादभराधका तर्वरेष हैं हैं तथा राम राम राम विद्या में राम अंदर्सि निष्य अक्षर मार्ट्यार हैला हुट हुन में तर्यते मुक्का ता कामर ते मार्थ में ने बहे भूर त्या श्रम्भः त्या ड "अल्यसम्भर्यम् विकारी द्वराशः रहारोग्रसम्बद्धाः राष्ट्रातायुक्तातारे हे देवस्त्रीरद्रगर्यद्वेत्वस्त र्शवरदाक्षेत् तान्वरद्वा ए न स्वर्धात्यात्रा स्वर्धात्यात्रात्रा स्वर्धात्यात्रात्रा स्वर्षात्यात्रात्रा स्वर् 4 gz वर दिलाई लियक करात कर साथ ठका स्राय क्षा से ले के विस्तास्त्री रथता झारा द्वा हरा स्रे स्टिक्रिटा महाम्यास्त्रास्त्रास्त्रिक्ष्यं क्षेत्राम्या सर्वत्रम्म तयरमार्थे वर्षास्या 5部河 व्याप्रस्तित्याधीयः कर्यक्ष्या स्मार्क्ष्या स्मार्थिता सम्मार्थिता सम्मार्थिता सम्मार्थिता सम्मार्थिता समार्थिता 6वार्वरास्था वर्षेत्रयम्भवस्यात्रम् हर्मे इस्मा १००० विकास्य विदा १०० विकास न का का विकास के विता के विकास संभा न्याया हार्यकात्रात्या मार्थिक हिस्सामा सार्थकात हार्यकात हार हार्यकात हार्यकात हार्यकात हार्यकात हार्यकात हार्यकात हार्यकात सा के दे विका दे विका र विक्रिके मेरी के कि के विक्रिके स्परिता सर्दर्श तर्वित्र में स्वयम् इत्यक्तात्व राज्यात्व व्यवस्थित व्यवस्थित व्यवस्थित स्वयस्थित तहत्व के त्र के व्यवस्थाति विषय स्थान के विषय मार्गा में क्रिक्टरायक्षरम् सार्ग वार्षित्र मार्गित्र के के के निवास के का क्षेत्र के ता वार्षित्र के

प्टीनियान्त्रात् क्ष्रियां प्राप्तियात् व्याप्तियात् व्याप्तियात् व्याप्तियात् व्याप्तियात् व्याप्तियात् व्यापत् व्याप्तियात् व्यापत् व्यापत्

स्त्री के अस्यह्य द्वार अस्य अस्य भारता क्षेत्र हे त्या कर्य क्षेत्र हे स्वत्य कर्ण विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र

भर दर्गान वर्गात राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र मानस्य स्थान मार्थे हरा व्यापाल राज्य स्थाने स्थ

न्यं तं कृष्यश्रीदरमद्याद्यायवित न्यद्यात्वात्रम्थित्वात्वात्यात्रम्

मार्थिकाश्चित्रात् कि मुन्नाचरायक् क्ष्मित्र हिन्द्रात् । विकासित्र के मार्थिक स्थाप कि क्ष्रिक स्थाप कि क्ष्रिक ११ क्रांचा है स्पेरास्त्री भूषाया अद्युद्धा पर् से मंधरण स्रो त्यां अप्रात्मा वार्षा तीर हेर्रे अप्रातीर त्यां ता तीर हेर्र देश वा वार्षा वा व द्यों अवितासपुः किताक्रारे अक्ट्रयाक्ष्या वर्षाक्षाक्षा पर्वाता(६वना) क्री वृत्ये विद्यासा वर्षुद्ववासालराद्वरावहें अध्यान्ववा अप्तारास्त्वा अप्तारास्त्वा अर्वास्त्वा अर्वास्त्वा मिला सेवात्ता स्वायम् विवायम् विद्याति स्रेट्सर लामा सम्माहता वर्ण नामा दे लोगा वार्ण सम्माहता ठम्कीर्वेद्रायान्त्र रव्यक्षर्यस्त्रयाक्ष्यातात्व् रेर्द्रायदावस्य वाहेशातास्त्र । केट्रप्रधर्यते प्रमातात्वा तर्तेत्रव्यक्षम् भेष्यात् रहा स्वरम्भावते हेरास्यात् देववास्तरः भ्रम्भभारम्भरास्त्राम् चारास्यायाभारत्याम् स्वास्त्राम् स्वास्त्राम् स्वास्त्राम् स्वास्त्राम् गर्भाता राभर। रयामा सक्त स्वास्त्र स्वास्त्र देव द्वार स्वास्त्र रेव द्वार स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास् स्वायिक्षानीता द्वित्यति सुर्वे में सुक्ता सेर इस्मिन्ने केर विस्ति से विस्ति से विस्ति के वास्ति। मक्त्रमें से देन उस यसि धेर्झ वर्षेट्र एक वर्ष वर्ष मार्के दूर वर्ष अंतर से स्ट्रां के दर्गरक्षर द्या का द्रका क्रिया द्रवा के क्षित क्षेत्र क्षेत दस्रक्षर्वा सर्भक्षादर खद् दारा दर स्वा के ता तथा दर ख्या के अहर द्वा खुरार् स्मिन्द्राह्म हिते क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष के निक्ष में निक्ष कर केरा माना करें। या क्राकातिका त्रा त्रान्त्री विश्वितायम्बायहरारहिताता कराप्रदेशक्यामधेवातारवाया मक्र्यादगरायाः भ्रांतर् रक्षायाता व्रवादराश्वास्त्राक्षाद्धवादवाता स्वरादव्याः स्वावाः स्वेवताया महत्रदारि हैर नह अने ने ने मा अक्षा स्टूर में या अला नाइसाय वर में तो अक्षा स्टूर म्यान्यायायवसः तद्राण्या ११५१ १३१ १३१ अस्वाववस्त्रा क्रुकेत्रवः त्वायाः क्रोन्यर येरा . थ्या त्रिय्या र प्राया मा न या प्रस्ति स्वास प्राय प्राय स्वात हार में या के प्राय प्राय प्राय विषय परी ह्यारेशराचलिताइत्ता क्ष्या क्ष्या केष्ट्र भिष्टि भेष्ट्र प्रविश्व पा देरवाताश्रिक्ष द्वार्यंग्यू विरक्षितियम्भावत्ववित्तर् मंत्रित्रमात्रा अत्याम् हिल्ले देर क्रिक्स देशका द्यार क्रिक्स प्रमुक्त प्रमुक्त क्रिक्स होता है देश तहना है देशन निकार र र से हैं के दिन हैं स्यामान्य वर्षेत्रम् क्षामान्य क्षामान्य वर्षेत्र व्यवस्थाते । या क्षामान्य वर्षेत्र म्युरथार्स्सात्रात्र। व्यापिसर्स्यावताकात्यर्भेत् हत्त्वत्राताः वित्रात्रात्राताः कर्तिभारति हेर्स्या विराधा केर्या हिल्ला केर्या है विराधि है किर्या केर्या केर क्यान्त्ररी क्यान्त्रया तक इर लक्षा नेयान्द्र सामित्र विषाल्ती रापल्य हैर प्रविषयर विवादी द्वामावनाद्वमातकेतालो महिन्द्रीया नामेरकेतानारामाते तथा प्रात्यवस्य प्रात्

य र मराध्या कुरा अम्बर्धर तर्व य्वावावा वित्र भूमेर राज्य अद्धे वह असेरा रहेर केवर्यूर्यायानेविधाताः श्रीन्यंत्राकाष्ट्रवावेष्यंतः वित्तिहर्वतावास्यात्तात्ताः वर्तत्तिनेवानामान् लासदेशदा इसक्तान्तर निरानित पात्रा राज्य वाक्रित पुराष्ट्र प्यादा र इसस्टल मुगल्हर सम्बर्धनावनावनावन् । सम्यासहवानम् तार्वमात्राक्षमात्राक्षमात्रा इरिश्रिक्ताता के विकास के प्रकार के प्रकार के सिरिश्वरकी हर सुका ता कार्य स्वादक बाह्याल हुगाल द्रम्भ सद्दर्भ प्रदेश स्थ बाबमालदाद्र प्रदेश द्रमाद्र स्था केला सम्भ र्राष्ट्रभावक्षराचार्यः । हा व्यक्तिकार्यात्मात्रेद्र। द्राधवार्ष्यात्मात्रेद्राक्षात्रे रमणाकी र्रम्बीवाल विवावावर्यन्त्रायाय है राक्षेत्र राज्यार्य राज्यार्य राज्यात्र राज्यात्र विवास्त्र ्रवार्या नामा कर्षा विश्व मान्य केरते। र र र मान्य र वार वार वार हता हता। र र र विश्व मान्य प्रमान्य र्यदा न न अवावताला द्वर वन व धार्म का । विषेत्र हिंदू हिंदू

रेर्नित्र केर्नित्र केर्नित्र देश्रीरथ इस्मानस्य अम्पर्ट म्मानस्य मान्यस्य यत्रक्षेत्रः वृ (क्राम) तर्वे वायाव्या तर्वे वारि स्वयादेश : स्यात्वास्विद्धि वस्रमाध्य देसपर किलान्त्री वनातात व्रवाधित देव देव देव विकास कर्षा कर्षा देव विकास कर्षा विकास कर्षा विकास कर्षा विकास कर विकास र्वस्वर दर्द हैकरायरा देन देन देन दरम्य प्रतिक विद्या हैने एक स्वर्धिया या हमा वियम रहें राय प्राध्यम है। कुला के दिस विस्ति विदेश वित्रा विद्या त्या त्या के ते वत्या है। के ते वत्या शुः तरे लेक्स्य वादतः गिर्क्रा के मेर्स् ही श्री का प्राचित्र त्या मेरी का जाता म् लास्तर्रात्रमा अर्वामास्तिमावतात्व् क्षरत्वत्वा रे स्राप्तरम् क्षेत्रम् उराभर रहेरमानेयाहैयाय हैंसारा ने उस मार्थ है यस सर विद्या पर मार्थ हैं यह सम्मार है यह समार है यह सम्मार है यह समार है य अक्टर्रिक्षां राजदेश्यास्त्राचा वर्षाम् वाचा वर्षाम् वाचा वर्षा द्वाभेराध्या गुकरवादाय। भेरतायुरकी केंब क्षेत्र होर। रहुवाधरावस्थार वक्षर्वण यर्राश्चरक्षेत्रकार रहिल एक राज्या हो स्वावर्राक्षकार मध्येत। नारा हो के वारी करियों रावा मर्टर्रायहरूकेवानम्म द्रायारेश्चेत्रायम्। द्रियायहेश्चित्रायम्। हिरायहेश्चित्रविष्टुत् परिया काष्ट्रात्मानम् वावता ्यांकि सर स्वमायहिकारात्मा । मन्यावमाया तस्याता त्यातिक्द्रधर्या क्षेत्राच्या वरेषात्क्री दारासीयाचारकातापक्षिणाता यातीत्रात्रातित्वी वर्षेत्राता रर.रर्रेयादायुः पातासस्ताक्तां वाता (अवतः अ) सर क्षेत्रातविया स्तर् राम्क्रास्य प्रवेशक्षिरं ता रशवः अक्टरं वक्षु व्यूरः वः जवः क्षेत्रा परे त्रवें विणवग्रद्धी त्रिक्षा क्षे

न्यों देवादा वास्तर हवा भारतस्य करा तर् ते तर्का तर्वा से दासुसात व्वास्त्र वा ताता ही राया सूर म्बर्भाराक्षा रहेरवायावव्यावविवादकेतात्रा रवादरवादवविवाद्वातातात्रा विस्टारी भी विवेद क्षेत्राती रूटा अदिर द्वविव द्वविव द्वा देश तो दे। धीत श्वविद्वविव देश विवेश यथानात्र्वितित्रार्या द्वारा द्वारायरायर्वाययाक्षराता यटाकुरायरक्षेत्रवित्रार्या अस्तितः उद्देविष्यामात्रवाका दर्भन्दर्वर्वरेविष्याभरम् द्वर्गार्द्राकारक्वातान्वतः विद्रा wash. ्रवातारादेर वर्ष्याया एट्रामे त्रुवात्युवास्ति वर्षात्यक्षेत्र दार वर्षास्त्र देरे देरे देरे देरे वर्षा द्विल म्रेरहरत्वियाचाता त्वा द्रिया वला वला की वार्मर सर 18 का किया है। जिस्सी के किया है। प्रवासायव्याव्यवित्रवित्रवाता। त् अम्यायदेशास्त्रमः व्यर्त्त्रीयः युत्रवात्रव्यात्वाताः व्यर्द्याताः क्रिक्यारम्मर्द्रक्रिंद्रिया। तर्व स्वाप्यक्षेत्रक्षा महेलादेश्वेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र मारा अर्थाता विवास वर देशवर देशवा क्षेत्र वर्ष देशवा की वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष के वर्ष र्में म्रम्मित्रियते तीराक्रिक्षित देवराक्ष्या क्षित्रक्षिक क्षेत्रक्षेत्र क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्र क वास्त्रत्यातर्रात्र्त्त्रत्ये राजास्था वस्त्रत्या वर्षायामार्थेया केवातर्राष्ट्रारामायाक्ष्र विकेश्वर्तित माना के कार्या के के कार के किस के किस के किस के के किस के किस किस किस किस किस किस किस किस किस के देशहा डेरडम्लदभर मर्। सर्थारर लाइव रेले केर र लिया है वर खना वस्त्रम ही ही नापरे हेर कि मर्था मरबर्टा इ.स.च.१ व.स.च.१ में से वड्डा र रेलक् रेट्डी वर्डा राजा है। वर्डिंडा सेब्लक्या न्या करमा कर रेवा रेले हिंदा रेक्ट्रिंड प्रसेट पाने वे तार र प्रकृत के कमा है से रर्ले रर्द्य ब्रिक्टरश्चरायाद्रश्मारक्वा याधिवरावी शवरामहामानियानियान्त्रा सहिर्यात्रात्रा विद्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात् वृद्धार्यि सेटमार्यवर्षित्वायायायायायायायायाया । त्रा विकासम् । केरमार्थितायायायायायायायायायायायायायायायायायाय ग्रिंगार्द्र र्ट्यार् ग्रेंगा द्रिया राज्य गराय्य गराय्य मान्य के कर्त्य व्याप्य वास्त्र मान्य **. है** वर थानाविभाने घरवर संस्था तर का की विभाग के दास ते की हुआ । र्वेश्वर्षरावर्षात्र्यात्रे एक राजितात् वात्रात्यरं सहद्वेश वेर वता शुलरे भूररकतः からないのでいいろこれが出これっています

प्राप्तिक स्थानित स्थानित । प्राप्तिक । प्राप्तिक । भी द्वा स्थानित स्थानित । स्थानित स्थानित । स्थानित स्थानित । स्थानित स्थानित स्थानित । स्थानित स

युवासारेक्सलातात्र युरे कतिववता हिंद्रकार कार्य कार्य कार्य कार्य है वर्ष सुर्वास निवास रारम्यरी मुलेक हुमा तकुर केर । रार्य यह अध्वेता आ माध्यु रेतुरी तर यह दाता कीर यह मान र्रद्रापुत्रात्वुवासंदेद सेरापुत्राचेरावपूरावाह्यादेश तत्वासंचेरवावाकुरादेश देरत्यर त्यमार्थर्यद्वम्मारेर रेक्यर्विके त्यमार्भाता क्यरस्विकेले स्वीव्यास्था क्यारेया श्चित्रायाः अर्द्ध्वार्षः) बोक्कित्। अर्थते स्वादाक्षेत्राचास्वात्र्व्या । नस्यर्भते रामाञ्चेताः अकेतः वार्षुकारदेव । त्यार्पुत् (यमानेषु) है. सेवारमायान्त्रारदर् सानिराक्षरास्या सानी क्र्यातात्त्रीतात्त्रात्त्रा क्रमक्रम् व्यवस्थात्र्यात्त्व । स्वत्त्वर् भराक्ष्यातात्त्वता वया दम्यवत्वया ध्येष्ववेषवर्षा अयो स्याव वर्षेष्व द्यावायवा तर् क्षेत्रवासवा हराय क्रेनानानुभावरुन । अहरस्रिक्सिक्सिर्द्यारानाविद्यीतारु। क्रिनायिक्सिर्द्रशास्त्रिका सुनाय अर्ट्स्वर्त दे र्याक्षेत्रकृति एडिअ.त.क्रि.स.वक्ष.र.र.र्दर्त क्रांबिए.वैट.री.वास.कै.व.वडका तह्मह्यर्ष्ट्य मेरेहे मा त्वमंभर्धिरविभवस्य सुरे केथेलस्य वसुराव दुवसं सेर्भ द्यापायतिकाषायादयुरादर्भवल। द्वायति द्रभवाक्षिकाक्षेत्रक्षेत्र तरा तह्यायते वाहेरावन्ति विवायदेशयति वात्मायश्चर भवा क्षेत्रमेरे वार्षे द्रार्थित वात्म देशका देशका द्रार्थित के कि कुर्त्यत्वरहरक्तामा ग्रीसारे (दे) व्राप्त रवाला जाना वास्त्राहे हे वश्वराव रवास्ताना क्षेर क्या श्वेव नासे व के सालदी नार रेंके दर वेल नार वसर। दर में के त्वेल लगा समा त्वा रें वसाहीरंदगराद्यत्वर्त्त्रस्या द्राद्रसाद्या स्याद्रसाद्या केराना क्षात्रा वितानिया नि अवरम्या कि ने तर दिना वर्ड में स्वा किरावा केरावा केरावा केरावा स्वार केरावा स्वार केरावा केरावा केरावा केरावा देरस्यद्भिर्धायक्ष्यं मान्नेम्या क्षेत्रत्यारे वर्त्त्र वर्त्त्य । स्वार्था क्षेत्रत्या क्षेत्रत्य मान्ने सर्वक्षेत्र विकास करेता । १५६ दर्वा से रायत्वस क्षेत्र विकास स्थाप्त क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास क्षेत्र विकास नाति लामके मेंद्रायि ला तह अववा तका या वहुदाला सदावित का वहुदाना तह समा वह दाना विदेश कर् पहुंशाचिरक्षितातानकूर्तमा ३० मा अव तह्रवराष्ट् यताकरमेर रायात्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्रात्र स्थानम् तर्मात्राव स्थानम् न्यर्यद्रस्रद्रात्रं त्वायव्या देवन्यत्वर्त्रं देर्यान्यव्या स्राम्यद्रस्य वितर्भयात्वर् करा वर्षे त्यालक व्यक्षिताम् । भूकालक मेर्पिक सरक्षारा सरस्र काइमालक सामिते। म्मिन्स्यान्य निर्मानित् । निर्मानित् निर्मानित् । निर्मानित्ते निर्मानित्ते निर्मानित्ते । वर्ष्यानित्ति । वर्ष्यानितिति । वर्ष्यानितिति । वर्ष्यानितितिति । वर्ष्यानितिति । वर्ष्यानिति । वर्ष्यानितिति । वर्ष्यानिति । वर्यानिति । वर्ष्यानिति । वर्य र रास्ति विकास हो है। विकास है। द्रा भरा श्रीर रहि विवाह है है। यह है व्यवस्थित सिते से भर्याभाक्षेराद्वामहोत् क्रायक्षायाम्यकाराक्षा एक्षावद्वाक्षिराम्यके र्यालयाम् क्रिर्वेशः भरमार्या में होया तहुक मते सुर्व के या के हेर संक्या भरमाय महार तय मामके वात्य कर

र्रहर्षिभरस्य विभावमान्द्ररा शरायुमान्द्ररा । येरायुमान्द्रभान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्द्रभान्द्रभान्द्रभान्द्रभान

त्यका र स्वार्टिक कर हे के वर्षा त्यका व्यर द्वार ही र द्वार द्वार दे है ते वर स्वार है के वार्य स्ट्यू

र् गर्यादिस्वारार्धरत्रत्। युवाकेवार्वेवास्त्रेष्ट्रम् रवावावरः वीवास्त्रार्थः।

नेद्वद्यत्। 名的多

कार्रेट कुलका वारे र तर्हे रूटा रर व बतवाधित सुनि वे वहला क्षेर के अते तर ला तरे हे रेगू धेवा े ब्री मी वर्षका दराया वर्षे का वर्ष का वर्ष का वर्ष के साथ वर्ष के साथ वर्ष के साथ वर्ष के साथ कर के साथ क क्षा चार्यात्रेयमा पर्वेणावया देश प्राप्ते देश विकायारेश में पर्दाणा दर वराश वैद्यम स्वीता प्रमण्यात प्रमारी लहारेग्रेशास्त्रका क्षेत्रमानेहर्ग काक्ष्रहरी येथेशार्थर जाता है। ये मान्या कामानेहर्ग वर्गमानिहर्ग वर्गमानेहर्ग वर्गमानेहरू क्याम्यान्य म्यान्य विकार में क्रियार देशचार्य हेरअहीर। १३१०व उक्ष मध्यार वित्यते हुन्य हैर्पिक त्या म्मान्त्रवास्त्रात्त्र्रः यरवाह्त्। यरकार्त्रेविरे त्रायाय वराया हरा हिस्सी हार्याया १ वासभी स्वता १ नारायरे वर सर्दे वाइसदेक प्रवास विक्रोत । क्यां सहिर्देश हैं। कुलानालर. हरती, देल रहेड्डा सरक्षा उराया गर् पर्वेच क्रार्क र विस्था स्टेरिय हर् क्षित्र रत्त्व अभ्यत्व क्षित्र त्या रक्षेत्र स्व क्षेत्र स्व क्षेत्र स्व क्षेत्र स्व क्षेत्र स्व क्षेत्र स्व क इत्य वाक्ष का ज्या है ज्या स्व र्त्वाश्चिररम्यान्त्रित्वरात्वाच्याः यासुस्याभेद। न्यस्यास्यास्यान्त्रेयद्यायम् नेपद्याद्या क्रिक्टर.दे.एरल्यानाप्टरीप्र किरापर्य । मून्स्लार्टर प्रतिवे प्राप्त करें मार्थान नाम्पर्ये द्रारही बार र र प्राप्त र तथा करते एक एक र विकास मा मिंगहें भेरे हैं। श्रीश्रामाश्रामा कार्यामा कार्यामा के महें समावत वर्षे अअहरी भरेशवरीराद्यात्य केतियात्रह्रती प्रतिस्थात्रहेशेल गुरापक्षती केरारहरेगरी मिप्तक्षणावर्षर क्यावर्षित्यराज्यात्रात्रे हेट्टा इन्ता क्रान्य रहे महराक्षितातप्र, पविताविक्ष्यातमान्य दिल्या राजा या या सम्बद्धाता श्री रार्यामाने स्वामाने दिल मितर र्यूश्यूर क्षेत्रा वर्ते या अराशका या या अक्षरं राष्ट्र रंभक्ष्य भू पर्या है। वर्ष सर्वे या भू रूपा मृष्ट्रियाचारीमात्रारः पर्वेचे क्याचारीद्रावाका वर्षात्रा कालाकारीद्रावास्त्रीत् । विस्तर्भेत्रः मार्ड रेर्ने का प्रविधासर मार्ड मार्ड प्राचित विद्या नियम पर देशका मार्च मार्ड माने हरकर रश्रद्भवावेत्रवावेत्रवावेत्रवावेत्रवावेत्रवादेश हर्षा हेत्रवीत्रवाद्भागा त्रास्ट्राण्य र्थाए.र.व.८६.। प्रत्रीर.प्र.व.प्रकेवलारमरणा नक्ष्यायभाद्यात्रास्यकाल्या नार्व्यवावात्रे. विषायं वर्गायां अर्थायां गर वहर्त्तर्वे अर्क्याये वा राजार वर्ष्यायां वर्षायां वर्षा र्त्य अत्यवद्रशातात्ववृद्धार्थः अक्रियावातातात्वविद्याः त्रेयाववत्रक्षण्यः ॥ मास्या विनेक्द्रक्षा तहेन्यभभीर्वायायायाविक सहस्या स्वराद्वी वाह दर्द्रण राष्ट्रियायहरूरे। 

कित्रहराक्ष्य एटररस्यो र । रत्रवर्रस्य हिर हिर विवासिम् द्वापते सुराया वेत्यस्व वर्षव

इर रमस्यर हरेर अवर्रमध्याहमभयम्। त्युवास्ति श्रुर्थया विद्यार्थिय रहरत्रक्षिरावारहितरायर। पाइक्षाक्षेत्रपुर्वातरी रम्झेर्याच्यारक्षेत्रपूर २ तरेयुक्ते तम् इत्वर १ व्यापाद्ध द्वार इत्याद्धार हिराम के पाहर दिन प्रति । देवार के प्रति । देवार के प्रति । Whis Count के राज्य प्रति । विकास के प्रति रात्रा हुन। प्रविकासम्बद्धारावद्वारावद्वार विक्रम् विक्रम् विकास्त्राम् विक्रम् विकास विक्रम् ्रांवाह्या वेत्रत्र मनत्त्रत्र्यः स्त्रत्रा स्त्रत्राह्यायाः यर्थ्रत्यहत्त्रत्रत्रत् मन्त्रवातास्त्र १ मेर लक्ष्या हिमयें मार्थायो ्र नती तीया ह्या है आर्थार । रेर प्रमाश स्ट्रिस न् राहिस रमण्डीरामाध्यापरित्या । राराव्यास्यावसमावसमाम अराष्ट्रशालाक्ष्युर् गुरा रीर्द्यत्मेरे सः देशतिविधास्त्रकादप्रमेरं सारत्यु दिस्मिष्यत्याप्ति। भरवन्त्रक्षां भरद्रम् छल। दर तदवारा रात वर्षेत्रवारा हिंदा, रक्षान्य द्वारा द्वारा विवास रात्ये विवास रात्ये विवास क्षित राधेरक्षेत्राव्हें व र्वायावर्दे रम्हा के र्यं के तिया वाहु अवर्दे के विवस्ति व वणायद्राव्ह्रभावहर्व स्ववं द्विविव्युद्धार्था कुराविष्ट्राया 4. A.C.

B 25



वर्गा रिस्ताः इर. ग्रह्माः सर. मासिन्याः प्राप्ताः वर्गेत्रासः स्थानः स्थान र्रा र्वत्रक्षयस्य स्वास्यात् स्वास्या स्वास्यात् स्वास्यात् स्वास्यात् स्वास्याः स्थानवराम्यमा रहेयदेनान्त्र्यंत्रे रहेयत्। म्यानान्त्रियाः स्त्रात्त्रः द्वास्त्रात्र्यात्र्या दम्द्रितात्त्रात्यात्यात्यात् श्रीत्त्रात्र्ये वास्त्राहर्षात्या वर्षात्राहरू वर्षात्राहरू । त्या संस्थानद्भेतःस्वानित्ता क्षेत्र्यंत्रप्राक्षेत्रेचार्यान्ताना द्यरः लयास्त्रमामो अरहाराया वमत्येर द्रायास्य हाराया इमार्चमार्वर हेत. विसार्तामा द्यामाया संदूर्ण द्याराये द्यारा स्यापाया स्राप्ता म्मान्यस्त्रा बर्चरत्ता र्यस्त्रस्या र्यस्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात्त्रस्यात् स्त्रस्यात् त्रेयत्या के.यूर्यात्रस्य र्याच्यात्रस्य । एवस्य र्याच्यात्रस्य व्याच्यात्रस्य व्याच्यात्रस्य व्याच्यात्रस्य व ब्रम्बर्ध राज्या स्त्रात्त्र विराज्यात्र विराज्यात्र विराज्या विराज्यात्र विराज्यात्र विराज्यात्र विराज्यात्र श्रीया वयास्त्रायन्त्र्रेत्रायान्यरायक्ष्या सि. प्रथमायन्त्रेत्रेत्यायान्त्रे र्वेत्रअर्वेता वर्त्वरम्,एर्वेर्यवर्यता खेर्च्यर्वर वर्ष्या ग्रिया। नावनातिर्यक्रेंद्रायान्यात्रीत्या। सास्यास्यात्रेंवरात्रीया म्यद्भा तक्षेत्राधार्यक्षयात्रेत्रायात्रेत्रायात्रेत्रायात्रेत्रायत्यात्रेत्रायत्यात्रेत्रायत्यात्रेत्रायत्या ガナダル ダインコンダルはんだいがくかん ロンダンゴンガルオリタル स्यार्थ्या रार्यास्यस्यास्य विश्वार्या त्युमास्य स्यार्थ्यास्यास्यास्य स्रायम् त्री द्वामान्त्राभिया व्याप्ता व्याप्ता स्रायद्वा क्रायद्वा व्याप्ता स्रायद्वा गर्भावसार्वसार्वप्रयान्त्राम् । सि. १२ वर्षे राज्येत्राप्तर्भावस्य वार्षे म् विकारोबार्द्रसम्बेला देखास्त्रमान्तिमार्द्रस्य सहिता देखा स्याम्यास्य स्थान्य स् राष्ट्रसाम्भारत स्थानस्यास्यस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य त्यसंक्षित्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रा इस्रेन्ड्सेर् हेरा देशस्त्रिय लेंद्र होताहाता विस्मिता नेर्ह्य म्यास्त्रास्त्रा रेस्वत्य्यास्त्रेत्रं यो त्यान्यस्त्राः केवान्यस्यः दे

**حرد** भाषास्त्र हिर्गे हेर्ने स्त्रिया एट्रेयास्त्रिय स्त्रेय स्त्रेय स्त्रिय स्त्रिय स्त्रिय स्त्रिय स्त्रिय स्त्रिय इन्दरन्त्र निर्देशमान्य हिला न्या देशमान्य मेरित केरित्र देश मेरिते हिला निर्देशमान्य नावर्रे संस्थासम्बर्गाने मान्याने सावदीयात्यम् हें ते सावका नाव सं भी भी र रामरेश्री जयाद्वीर ग्रेयाररारी गरमार्श्वराद्धरी स्थ्रेम्या हिर्देश है। श्रेर्य はたない、ち、おはになかがん、あくみはいってはい、キャンのとはは、これには、 のないして、 はなれてなれ、こうとうか、おくらういっているとうとうには、はこれに対し स्यान्त्रहेर्द्वा । इत्याचाराचाराच्याराच्याराच्याराच्याराच्याराच्याराच्यार इसरालकार व्यापायकर्त्रस्तितित्यम् इसरा इसराम् विकास सम्यादी यस्त्रेत्रस्यात्रियात्रत्रियात्रत्रात् त्रह्तात्र्यत् नहन्त्रं रातरेहर्यातमम्बद्धरामेन्या हर्षार्ध्यात्रा दर्दरस्ट के सार्वेद्रास्त्रीता में तास्त्रीता में तास्त्रीता में तास्त्रीता में तास्त्रीता में तास्त्रीता में त्यान्यान्यान्यात्र्यात्रात्र्याः राम्यायाः म्यायाः म्यायाः म्यायाः स्त्रायः स्त्रायः स्टिश्चर्यान्तरम् स्टिशा सिन्द्र्यायात्वते देशेन्त्रम् । १४५. यहेत्राद्रीयव्। यव्यक्त्रायलद्द्रायलद्द्रायान्या साल्वायान्या E NI स्ता है.सुर्यकार्यस्य स्ता विद्यायस्यस्य हिंगान्ता । तस् क्षातिःल, यहे या र्यार्याः विद्यार्त्यात्यायां या ये र श्रेत्र प्रति । ये र विद् त्यर्थात्राप्तात्रात्यात्यात्या मृत्यात्यम् मृत्यात्यात्यात्याः मृत्याः र्ग जिल्ह यार्ट्र्यं मित्रा स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स्य स्ट्रान्स य्यान्तर्, व्यायायाता श्रीवार्त्रे संविद्धिवाया त्या त्यान्त्या वि.क्... रचंद्रधरंद्रकेराहरद्रं केराअन्तर्भयोत्रीत्रेराधकेता क्रेराधयाया. यद्यानीद्रात्त्रम् स्ट्रिस्त्र्यात्र्यास्त्रेत्र्यात्र्रा या। स्यान्त्रेत्र्यं स्ट्रिया। स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया म्राम्यान्यस्य म्राम्यस्य म्राम्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्य स्य स्थानस्य स्य स्य स्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्य स्य स्य स

कर्ती विष्टं स्त्रापड्रसा स्टेस्ट्रेसार्क्स स्टिस्स्यायस्यात प्रिया म्मलास्त्रेन्त्रते मान्य्रेत्या मान्याते साम्याते विष्यास्त्रेत्रे मान्येत्रास्त्रे विष्यास्तरम् न्यनान्यायसम्। स्टान्निमान्यन्यन्त्रात्यं यन्तर्मान्यासः म्,रर्र्यम्,र्यम् दुरसामात्रमात्रम्या योदयदेशसामाव्ययाम् मृत्यदेशसा यायर गाया रेंगा वर्षति वर्षदेशेषाते । यह गारे हो रद्रोके ता ल्रेस्रा ल्रेस्यालयात्रमायूर्वत्यायूर्यकेता क्रायाच्या यतित्या स्यानार्वाहेकातवित्यार्यात स्रीमाले वास्त्रात्रेत्रा नर्रास्त्रामिकीयात्रास्त्रेयरार्तेषर्। त्रमार्थर्त्यात्रहेर्योद्यतित्री षर्रे से मेर्स मारिक कर्ति से मारिक कर हो से मारिक मार यग्राप देदसासायहे असेतायायां मार्ये द्वर्यसा मेरिये महिमायमा देश्रेस्त्रियास्त्रेत्रास्याप्ता राज्यर्रात्र्यंत्र्यंत्रात्र्यः स्राम्येया क्षेत्रसमा सेर्द्रे सेंसा सेरासुसा लेशसम् १ रहे से से मित्रासामा मित्र रहे र संभवात्वात्र राजेरावर्षेत्। यो रामका यह राजा होराता विरा राह्या रामतः न्त्रः प्रमातहर्ष्ट्रक्षा। बीरमेर्नुतिकत्याया करमान्त्रस्य प्रमेर्त्वरः उद्देश्या रेर्न्यस्त्रेर्स्यांश्चेत्यां स्वतः इत्यार्षेर्रात्याः न्यार् शुपुर्वे के बार विकास के वितास के विकास नस्था राज्यस्यानुन्त्राया। वयानगर्षरायाम् राज्या र्यात यद्रद्रम्माध्यम्द्रकी देश्याष्ट्रियातर्देर्षाक्षेत्र विद्रम्माम् स्रूर्वश्येद्रश्रदेशकेषा वर्रास्त्रयाचररवात्रक्रेर्वरत्। विक्रास्ययाचाः श्रीरत्वराध्येरा वस्यराहेरानुसार्व्यास्याम्या स्वर्त्यस्याकरायारा र्। क्षेत्रस्तित्राच्याच्याचित्। क्षार्च्याचित्रं क्षेत्रस्ति हेच्याः यान्त्रत्यान्त्रा स्ट्रियान्त्रा स्ट्रियान्त्राक्षात्राक्ष्यात्र्यात्राक्ष्ये इंग्वेगा संयवदाद्वेरअएसस्याया संतित्यद्वातियातमत्येदा

यरपार्वर हेर्रा प्राप्ता से से से राष्ट्रिया सामात रेवया प्रिया रेस्ट्रिंसिस्ट्रा स्वयस्यस्य मेर्ट्रिस्ट्रेस्स्य से तर्रेस्स्य स्वर्धायः इस्या लाजार द्राराष्ट्र मेरे के के के मेरे के मेरे के के के किया है के के के किया है के किया है के किया है के के किया है के किया है कि इन्द्रेहें हें रे ए इन्द्र प्रथानेता वार र मुख्या में स्वर में से सार में सार में से सार ुर्द्धकार कार क्रांस्ट्रिय क्राय्य्य स्वाप्ता अक्षाय स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्व चर्रायंत्रासामार्यर्वे स्त्राच्याता इत्याराष्ट्रे त्युष्टार्यं राजी क्राक्रियः क्रिट्टर । व्ययन्त्रः के त्यस्य स्थात्या स्थात्य स्थात द्रेत्यातर्यमा त्राम्यार्थेत्यराध्येत्ररम् व्याना देरत्यत्यन्त्रे एक्यान्यान्ता व्यामास्त्रीत्यान्यानेब्राह्यान्ता स्रोतायान्यान्यान्ता .... लु.एर्ड्र.च.र कर्ड्ड्र.क्रेड्र.इर्ड्स.सम्बर्धाड्डर.ताचरा रस्यकेल्य्न्याड्ड.ता... त्या भी मार्च हो तया सत्रात्ये परे स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व यर्रास्त्र वात्यार्वे राष्ट्रात्या वस्यामय्यार्ये गार्ट्रस्यास्त्रात्राय्ये इस्त्रेस्त्रेत्यायरं स्वास्त्रेत हायायर प्रमान्या स्रम्य द्वापा चंगक्षरकरा विद्वार्यस्यर्कायान्त्राता । वर्षेत्रात्वसाद्यात्रात्त्रात्र्या त्रवराति एते.सर.सेर्जा.पर.संरेग्ना व्यापड्राक्षर.संपृत्ती.प्रवाकरी युत्राया च.म.र.सुर. मज्ञात्व्या यो सुरा । सवर साख्या सरो वस्त्रा वराया। र्यत्रका द्वार त्रार पुरते वार्ष प्रति स्वार प्रति स्वार प्रति । स्वार प्रति स्वार प्रति स्वार प्रति स्वार प्र युगरास्त्राच्यात्रा र्याच्यार्याः र्याच्याय्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः इस्तियास्य व्या वस्तित्यास्य वस्ति व इत्तर्दरा देन्द्रेश्वेश्वेर्यान्यान्यं क्षेत्र्यान्यं ज्ञाताः योत्तर्यं वित्रेशतः वित्र द्वर्रा दर्भराष्ट्राय्यार्थराष्ट्राय्येत्राय्या क्रायाः वर्षायाः वर्षा रेबललेरास्यात्र्यात्र्यात्रार्थाः। तरेलेल्स्यात्रेत्रयात्रेत्रयात्रेत्रयास्त्री होस्यास्त्रेत्र मुस्य में नेरा व्ययं नाम स्वार्य में राज्य रहेरा ने राज्य से विकास में राज्य से स्वार्थ एत्रा स्राप्तास्य क्षेत्राच्यात्राम्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या र्रात्र्यम्या होर्रहेश्वेष्ययायाहारा स्रेरहिरम्र्राक्यया श्रुमा स्रोदान्त्र स्राद्रीत्मराख्ये मन्त्री। यामामस्याख्यास्यास्य क्रिया १ स्यास्यास्यास्यत्यत्। या हेयान्। क्रिय्यन्येस्यास्य स्थात्वेत्रः एने शक्त श्री मालकेर प्रांचा नर एड्री र्रेट लीया मार्थ खान श्री में के नार वतीयस्त्रम्याराचेता अर्यद्रम्याराम्भ्रेत्वायम्। वहर्मार्यायाम्

न्त्रा एर्डेया.स्.एरी स्वीतरंखासेया.स्य.लंबा.स्या खावारसा.वीर.स्. कर्त्यातस्या रिसेर्ट्याणर्ष्याच्यात्यात्या अक्षेत्रसीरम्यायायार्थार स्याले स्रिताक् वर्षत्याक्ता के व्यास्तर मितान वासा द्वास्तर राज्या मञ्चारत्या कर्तामा क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा क्षेत्रमा इस्यान्यामाल्येर्यास्यास्यास्यास्यास्याः अवत्यास्यास्यास्याः अत्याः १३००० २.इ.स.च्यातालूचा ल.इ.स.स.स.म.इ.५५५ ड.स.च्या इ.स.स.च्या ज्ञानकर्यात द्वान्त्रद्वास्त्रत्यात्राच्याच्यात्राच्यात्र्यंत्रत्य संस् इसरा असमाहर के मार्चे त्यां में त्या में सुरासाम्यसार्वराष्ट्रात्येस्यायायायेन्। सक्तान्यम्यानान्यस्याय सासुरा राजरार्येरारसमात्रमात्रमा हिरामानुसार्क्ररारमेलास्यरार्वर श्रुराक्षात्रर्भाष्यामामान्यामामान्यामान्याम् क्षरश्चरतास्त्रा लिनुस्रवी सर्वेद्धा । ह्यु में मानासामा मानुरादेर राष्ट्रा कारायाम्त्रातास्त्र्रात्र्यात् द्रायात् द्रायात्र्यः व्याप्तात् व्याप्तात् इत्यमा अस्मायते व्यामे अहेत्यका मे । वायपाद रहेत्ये वायपी पूर्विसंगान्या गानुस्यासास्यम्यास्य हेर्द्छता गान्यास्यासहे र्यपुर्युर्यसम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्ब द्रेयन्त्रस्य प्रत्येत्रात्रात्र्या। देन्यार्यायात्रात्रस्य क्रियेत्या क्रियेत्या स्रित्या स्रिया स्रिया स्रिय त्रियायात्र्येत्रे त्रियायात्र्यात्रा स्राह्मास्य क्रियेस्य स्रियाया क्रे. लेना तरे ले सरान्य मातरे नदी रेने न से खे खेवा माना प्राणिया यक्षान्तर भागक्षेत्रकार्यवत्राक्ष्यक्षात्रवा इरक्षेत्रयः तास्त्रीत्त्रात्ते। वित्रवस्तास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रात्त्रास्त्रात्त्रास्त्रात्त्रास्त्रात्त्रास्त्रात्त्रास् मेखान अखाले द्रारी रेगसाने यस केंद्रिय समारे राया मेला। मेलिस सरत्रात्तेत्रात्रेर्त्रात्रेर्त्रात्रात्रात्रात्र्येत्रात्रेत्रात्रात्रेयात्रेत्रात्रात्रात्रेयात्रेत्रात्रात् द्वर्यर्थर दे. अ. पक्र्यं नेमूला निमायामान र वर्षेत्र स्थानामाना हिरा । श्रीरादगरक्ष्मेपन्यरेरियगरभेरियो। अक्षात्रीम्यक्रमायन्याया। क्षेत्रा द्वीयाचेराक्ष्मात्व्वार्भात्या वर्राभेत्रेर्याव्येष्ठराज्या देवः श्रद्धार्मित्र स्टास्ट्रिस्ट स्टास्ट्रिस्ट स्टास्ट्रिस्ट स्टास्ट्रिस्टर स्टास्ट्रिस्ट स्टास्ट्रिस्टर स्टास्ट्रिस्टर मार्थ्यन्ता विकार्याक्षेत्रावार्याक्ष्या निर्म्यन्तात्रात्रात्र्येत्रहर्

या अर्बे यथु अर्गा मुखा संस्था वित्या सुर्थ सुर्थ सुर्थ सुर्थ सामा सामा ना श्रेशनर्वेशामन्यरात्र्रेल्ट्रा यथ्यावसूर्वेरवर्वर्वे र्यंत्राह्य स्यान्त्रत्यान्यत्यान्याः स्यान्यान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः त्त्रेयन्यस्य स्वास्त्रा क्ष्येरस्योक्षस्रहेत्स्रिरायक्ष्रा क्ष्यस्तित् क्षेत्रकार्यः यास्त्रेतायादेशा स्रोत्रह्यायास्त्री १९८५ त्यात्रस्या १९८५ वर्षः स्रोत्रात्रास्याः म्यु वाका नेद्रा । उत्रेगास्त्रामायास्त्रेयदेनद्रम् । स्यास्यामायस्यास्यास्य स्वेत्रास्यादेदाः इत्याल्या स्रेरासायर्रे श्रित्यूर स्रोर्टाय स्रोर्टा प्रायासासायर प्रविद्यक्षेत्रासंत्रार ... रर्पर ने सेर्पर त्यारे त्याय रेजीया आयर्गर्भेर भिनेर्पर मेरा रेपर क्षित क्ष नच्याने प्राप्त ने वालयम्बर्धाने स्थातिया वालयम्बर्धाने स्थातिया। यालया स्थातिया क्षेत्र वर्ष या सक्षेत्रको त्युवासीत्रीराया वत्र नचरदेश संदूरहार्षे प्रेश्वर से प्रेरी इ.५६४.। रगरम्भंसं अत्यस्यायकाया। मुधिराल्याताया. एड्रबर्रे प्रदेशलेजासञ्चलार सुर्धिमार्चे गया। सर्वास्त्रीर लहे सामान .स्रा इस्क्रिस्ब्रेस्यरेयन्यययम् नगर्ता यहसार्यस्य द्वास्यात् रस्तरायक्त्रेर्यं बेर्यक्री लेगक्षेर्यात्र्यात्रक्तात्रेर्ये अस्त्रेष्या लएसरएर्गल्या हे तरासकतरे हे राज्य तरी सेर्ट्य ख्या स्यास्य रेंग्रेटा सेट्रियामाः भाषाने यक्षेत्रं प्रवास लाव स्यास्त्रं प्रवेश मेंति विस्त्रमास्मित्। स्रेरक्मार्यनास्त्रम्यात्। यद्यारव्यास्त्रमात्या त्तरा मान्यस्य रर्जे के राज्यस्य प्राप्त मान्य राज्यस्य के स्वाप्त स्वाप्त के स्वाप्त स्वापत स्वाप्त पर्तत्त्रमान्द्रवामदोद्रसेलाद्वावद्रा क्रेरव्यावतः सुरालासुर्। महस्रादे कु.लर्य.ज.जर्ज्य मुर्री व्याद्धेरश्रद्धः श्रीर्विरश्रेर्यात्त्रं र्एकेश्यत्रेष. रं वित्रर्भावता वित्राम्य द्रम्यास्त्रां स्त्रां मायर् यं यद्दे र त्या मायं र यं यद्दे र यो मायं यो स्त्रां से स्वाया स्त्रीता स्त्रां स カノナンチ、ゴイエノイン、ロイノダ、ションリスタン・カイン、カーン・スティー、 र्रायर्थन्य सर्वात्राच्यात्राच जन्मन्यत्यात्र हिर्मन्यत्यात् । विष्यत्यक्षेत्र । व्यापान ता.का.जा.जा. मि.इ.ज.इर.चंटु.चेर.व्या.लुबा क्यु.ज.इ.के.इ.इ.च.र. , बत्तुवा शक्तियः यहे वे सार्रामाय हर्षे साहर्ता सार्वे से सार्वे साहर्वा सार्वे स्थान

हिल्ला । मून्यप्रह्रित निर्द्धाःमः स्रोचए ए मूल्ये हेर्मे र सम्मान्या नेया से भावध्यास्त्रे मेर्नु । १९५६ हित्रेनुग्यु ए. स्वत्रात्त्रे स्वत्रे स्वत्रात्त्रे स्वत्रात्त्रे स्वत्रात्त्रे स् मानत्ये न्ता न्यमायायायायायायायायाचा न्या व्यापायाया मित्रावतर्गेत्रा वदाययाम्येत्रायाम् यावत्र्रायम् वद्याद्रात्र्यः र्वास्त्रस्त्रभागा वर्त्रस्याचार्यार्त्रस्य वर्त्तर् हिल यर मार्ट्र तियर पहेंद्रा. मायर पर के में रामे के में खेली हिंहे याचा के हरे एस्रेर्यक्षेत्र्या। एष्ट्रायर्र्य्र्यक्ष्याचारक्षेत्रा अल्यास्त्रेर् ररेल.छि.ग्रंस्यर्भर्त्रेरला ्यलकारर्याक्र.स्युक्षर्क्र्रेस्य विस् र्रप्रमामित्रिक्षाम्यास्य । मलसस्यम्यर्र्म्यत्ये मार्गर् शुर्गान्यर्भात्रेत्वर्भार् होत्रामार्भेता मार्ल्यमार्भाग्यत्यात्रेता १८५० प्या स्वार्त्येत्रात्यायात्र्वेता सर्पर्यात्रास्त्रेत्रात्रात्र्वात्रास्त्रे त्या श्रीत्त्र्र्त्यात्रात्याय्रेत्यंता जातरावातास्त्रात्स्त् स्यम्। र्षित्रं मान्यत्यास्त्रत्यात्र्र्यात्र्याः । यास्यत्यत्याः यात्र्यत्याः । दश्रव में अते सुर्वा कर्णा राज्य स्थेता दमातह माने ते रेत्र पर से दरा स्वति । प्रसम्भेद्रस्याः स्त्रीत्रा द्रम्भार्याः स्त्रम्भार्याः स्त्रम्भार्याः स्त्रम्भार्याः स्त्रम्भार्याः स्त्रम्भार्याः स्त्रम् नियात्त्रमास्त्रीत्त्रम् विद्यात्त्रम् । यद्यात्यत्त्रमा यद्यात्त्रम् । विद्यात्त्रम् । विद्यात्त्रम्यत्त्रम् । विद्यात्त्रम्यत्त्रम् । विद्यात्त्रम्यत्त्रम्यत्त्रम्यत्त्रम्यत्त्रम्यत्त्रम् सार्वार्याने से हे तर्ता ब्रियर ते सर्वा तर्वा स्था से रासे रायर । कुक्ताद्रा स्रेराएड्साकुवमार्थराज्या स्राप्तितेसार्थ्या स्राप्ति वगालेजात्यस्य देशे दे ब्रास्ट्री स्थाया स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप एकिरस्य सप्रेस्ता लेखे.प्राप्तेर्रस्यां प्रार्थिते हैं। हैयां स्याय वर्षे यह त्यं अर्थे स्था र्योष्ट्रिय हराय हिरार यर्त्रिया र्ये र्रेट्राईर देश हिरार्थ गल्ये अं केंद्रता संबुक्त संदुक्त स्थानिया स्ट्रिस्ट्य स्ट्र स्ट्रिस्ट्य स्ट्र स्ट्र स्ट्रिस्ट्य स्ट्रिस्ट्य स्ट्रिस्ट्य स्ट्रिस्ट्य स्ट्रिस्य स्ट्र स त्रसम्प्राचनरात्र्या भारत्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्य । स्टूला त्रेत्राना श्रीत्रका के व्यास्ति वर्त्या वर्त्या वर्त्या वर्त्या वर्षेत्रका वर्षेत्रका वर्त्या वर्षेत्रका वर्ष 

देशस्त्रिं त्यासार्य्य रहे सरायर। द्वाले स्थान स्थान स्थान क्ष्याः त्रान्य स्थान्य स्थान् मध्यकान रिक्ट्रेन्ट्रेन्ट्रिन्द्रम्यक्रिन्द्र सर्वाच्यातात्त्रेन्द्रम्यात्त्रात्त्रात्त्र र दे में या रे सिक्स में र स्वीर्ट्ये र स्वीर्ट्ये र या बेर र दे में प्रता र र में प्रता र से में प्रता में में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में प्रता में में प्रता में में प्रता में प्रता में प्रता में में प्रता में प्रता में प्रता में में में प्रता में में में में में में में में याने सरकारा स्थान स्यान स्थान क्वीतार्वमक्षेत्रीट्राट्र्ट्री रद्रक्षियेत्वपुर्क्याचित्राचित्राचित्राचित्राच्यात्राच्यात्राच्याः इर ताष्ट्रका शहर्मद्रा प्रत्यक्षेत्रत्यात्र्युक्तःश्राचन्नाः त्राच्याः यर्द्राच्याः द्रित्यक्षिः प्रद्राच्याः ल इक कर अस्त्रिता अरक्ष सं क्या अरक्ष सं क्या यह या तह या तह या है या से विकास से ते वा विदास कर विकास कर का से एट्मा स्र्वात्वाक्ष्णदेश्यदेशस्यायात्दर्भा रहार्म्यत्मात्रारम्यस्य मिल्या निर्मास्य स्वर्षास्य स्वर्षास्य स्वर्षाः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः क्षेत्रवात्त्रं म्यूनाताक्ष्र्रापनेन्द्रम्या म्द्राचात्राच्या म्द्राचाता क्रेंद्र- यस्यास्त्र- १ वेशान्त्र- १ न्य्यास्य स्थान्य । १ स्यास्य स्थान्य । द्वारा देवा वर्दर्या द्वारा द्वारा द्वारा द्वारा द्वारा द्वारा द्वारा केंद्र भी वर्ष प्रदेश केंद्र द्वारा द प्रिक्षेत्रत्या स्वायक्तरत्वा स्वायक्तरत्वा व्यान्त्रेत्राचा व्यान्त्रेत्रा क्रमास्त्रामः मर्म्मा इतिया स्वास्त्रम् मार्मा स्वास्त्रम् । स्वत्र द्रिरेत्द्रिश्चे वरेन क्ष्र्यतर्द्द्या द्वान्त्र्यं मक्ष्यात्य सर्देन्य देववा सेन्द्र्येला पर्यरक्षासीसी तार्यु सीद्रायद्र तर्रा हेस्यार्यके नगतां सम्भाग ग्राय रगुया अयात्रमयन्त्रेत्रभूयेयाक्त्यातात्त्र्या नस्र्वेवमयाम् द्रित ब्यानर र भूगा ब्रिट स्पेरसंदर्श विका यक्षेत्र पर्ट्र क्या स्पर प्रवेश स्पर यार्थरत्र्यक्षर्या रेख्रार्ट्यक्ष्रिया रेख्रार्ट्यक्ष्ये रेख्येख्या व्यवस्थान्त्रेरः क्राप्येतास्त्रेर्द्धा र.यत्र्यार्थयार्थस्य स्थाता सर्वयस्त्रास्त्रायः रकरः संस्वेसिया। दस्रक्षसंतेषिरायाः सार्वेदारेणा। वार्वेदारे वार्वेदारे वार्वेदारे

त्रवा। ।स्यस्य र्यास्त्रेत्राः। तस र क्रेस स्थित्य स्था स्था। र्विः परितर्वावाश्वमायाया व्यवस्या द्वामेरारे राष्ट्र स्वावारायां हेरा वानसः वेदा द्रमाबिश्वास्त्रेर्त्यार्द्रर्र्ता वर्त्रत्र्र्त्र्यात्रावस्यावस्यात्रस्य १०सालहर रत्रव युवाय तित्र केयरिक लावे युवाय स्वा हिक्तरे के माराव दे से राम्ये ब्राह्मस्तर् स्रात्मस्य त्यात्रात्मस्य त्यात् । द्वान्त्यस्य त्यात्रात्मात्रात्मस्य त्यात्रात्यात्रात्रात्यात् त्येयात्रात्रे से राम्र रामात्र अंदारदेवमा क्रिया तरे स्वर्था दर्भ वाले से व कुत्रस्ति देशयार गर्से जा के एवं या यूप्ती ये प्रया के स्था ये देश व कुता निर्धेत्रस्यित्रस्यात्राच्यात्राच्यात्रस्यात्रस्य स्तर्धेत्रस्य स्तर्भेत्रस्य स्तर्भेत्रस्य ः रस्यार्वर्श्वर्श्वास्यार्यायसायस्य स्वर्षित्रस्य स्वर्षा क्रांस्यव्यक्षेत्री श्रीक्षाकाताता स्थानाताताता द्यास्य हुसार्यास्य देर्र्ट्रिय्ट्रिय्येत्र्यास्त्रेत्रात्र्यात्रात्र्याः स्ट्रिय्येत्र्याः स्ट्रिय्येत्रात्राः स्ट्रिय्येत्रात्रा कुं करवया असेवासपुः सप्तिकं कं कं कुं कुर्याता सन्दर्भ सर्वेद्रस्यवस्त्रिव ब्रीयन्त्रवाता देवाया व्यास्त्रेरप्वारस्त्रेवार्य्येरप्यायेता यार्र्यायार् तियानिया स्टर्स्यातियान्त्र्रात्त्रेर्ध्यात्ता लेक्ष्येत्र्यान्त्र्यान्त्र्याः नः अयः ग्रहेशः संग्राम्। अयिद्रायः स्रोता । त्यात्रात्रः स्राम्यायः सर्गा मिलर्सेर्र्यस्यर्र्यस्यर्र्यस्यर् मास्या अमें प्यान्धेरास्यात्यम् स्रान्धेरात्रा स्थान्धेरात्रा स्थान् क्रिया दरवडरकालां प्रक्रिक्ते हेर्न सेर्वेयकार देनस् वास्या एक्ट्रिकरा क्रियाएड्सेस्ट्रेस्ट्रेस्याल्सेस्ट्रेस्ट्रिस्ट्रिस्याल्से म्रेस्सान्नद्रयानेद्रामान्द्रसा द्रयाद्रासामान्यानाः अन्दर्भेषाः स्ट्रान् महास्ट्रे यस्तित्र । वर्षायर्यस्य द्वार्यस्य द्वारस्य द्वार्यस्य द्वार्यस्य द्वार्यस्य द्वार्यस्य द्वार्यस्य द्वारस्य द्वार्यस्य द्वार्यस्य द्वार्यस्य द्वार्यस्य द्वार्यस्य द्वारस्य की दवर संवक्षेता वीरत्यम्स्ति कर्यक्षात्मेत्वेता तर्ये वस्त्राष्ट्रात कुर्याप्त्राच्यात्रात्र्या विस्तरक्ष्याक्ष्यंत्राता इक्ष्याच्चित्रावात्राक्ष्येवात्रा 

त्या इत्स्रकान्यन्त्रत्ये स्याप्ति । १०५ क्रांब्राया वात्रकाले ने क्या यात्रेक्ष्रेन्द्रक्ष्येयाचेन्या वर्ष्य्यातहत्र्रात्र्र्ये क्ष्यावराष्ट्रात्र मायान्त्रं विरस्ता रंसम्रम्भेतालम्बर्गरात्रार्गात्रा श्रीराहेश्वेत्रं स्त्रम् अन्य कर् संस्थान्त्रात्तान्त्रता सेत्रात्रेदरात्रयात्रयात्त्रयात्त्रयात्रयात्र्येत्रयायाः एकेकत्त्रती देखेर अष्ट्रिका कार्य के से देखेली स्राह्म रके कार्य कार्या का 221 रम्यान्यात्रात्रात्रम्यात्रे रम्यान्यात्रम्याः स्थान्याः स्थान्यायाः स्थान्यायाः स्थान्यायाः स्थान्यायाः स्थान उ तुन्धा इत्या क्रियाल्येन। इस्प्रस्त्रस्त्रम् स्थात्या स्थात्या स्थात्यात्या क्षेत्राक्ष्येक व्यादेश सा व्यक्षक्ष्य वक्ष्येक विवास विवास है. कृरणरक्षण्याच्यास्य द्वित्यं प्रत्यास्य । स्वास्य स्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य र्श्विक्त्र्यस्य । सामर्श्विक्र्यस्यर्गः। श्रीरास्यरावयात्रास्याः ्वरवक्तार विराधित स्ट्रिस्य स्ट्रिस्य स्ट्रिस्य विराधित स्था । विष्यक्षेत्र स्था । विष्यक्षेत्र स्था । विष्यक्षेत्र विष्यक्षेत्र । विष्यक्षेत्र विष्यक्षेत्र विष्यक्षेत्र विष्यक्षेत्र विष्यक्षेत्र विष्यक्षेत्र विष्यक्षेत्र विष्यक्षेत्र विष्यक्षेत्र विष्यविष्य । विषयक्षेत्र विषयक्षे महिम्यान्यरा रद्ररचारहेर्द्रद्वानेबाष्येया रम्भा वित्वेरिषदेश्चरद्वा रस्याम् । रस्यक्त्रमारहरमायादेरसा क्ष्मारवरमात्रस्य स्यास्त्रित्वास्त्रित्तर्भात्रस्य स्थात्रा सहस्यास्त्रास्त्रम्याद्वास्यात् । साम्या सिस्मा यकतः तर्रा पर्मा स्था स्थानसम्सा से त्र्या स्थान यात्राच्यात्रच्यात्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात रदाविषाताम्यात्वात्वात्वात्वात्वात्वा सोर्ट्यम् संस्वस्वत्यात्रस्त्रा स्ट्रियाः १०४ व्या स्याहेत्यात्वाता स्रान्ध्यात्रात्राहेत्यात्रात्रहेत्यक्षा हिन्द्यक्ष्यात्रस्रेत्रेत्राद्र्या द्र न्यत्रे देर् से त्रात्र्याक्षा सर्वे वरिस्को द्रार्भात्रा वरिस्या स्वार्भाहे वर्ष् लयाक्चित्रर्भा सुराष्ट्रियाद्यमार्ग्स्याक्ष्याद्र र्रेतार्यार्म्भार्भरर्यरस्या इरा अक्रूर्कार्यासारा है मायामात्मवा रामार्थितासारा क्रिया वर्षे में। व्यासिर्धिर्यात्या नेरवाल्याक्ष्यः स्ट्रिस्स्रेस्स्रिस् x 32' म् सिर्मात्र्रेत्वेनास्र्यस्य स्याम् राम्ये राम्य विष्यु स्राम्य विष्यु स्राम्य रंगारकामीत्यम्यात्यकार्ररा अत्यत्रक्षर्यात्यते सेर्प्या देर हिस्यायत्र्रीत्रेत्र्यत्र्या भ्रेत्रित्र्ये ग्रुत्र्याक्ष्यत्र्यत्र्यत्रात्र्यं विभागे लेसकारमञ्ज्ञासमा द्यांनातीतीरेनु सी नेपानिया। देवना यास्य दराष्ट्रार्थे

एके.स.स्वा रस्तर्रर्रे रे.स.र्पर्ये सेर्पर्यात्मार्था। लावास्यात्मार्थाः विश्वास्य स्यायात्री रेटानस्य सम्मानस्य स्यात्राम्य स्याप्ता हियान्त्रध्यात्रक्षत्र्रम् । क्षेत्रक्षेत्रकार्यक्षत्रक्षत्रम् । क्षेत्रक्षेत्रकार्यक्षत्रक्षत्रक्षत्रकार्यक्ष स्र्रेश्चि.य.यद्युतासक्रेर्ज्यूस्यर्भार्यस्यातराष्ट्रियायवित्रात्रात्र्याया १०७० अत्त एर्ट्र्स्स् भें में से महाजेर्ट्रिस र्या। खेसकाता सार वर्षेका क्रिसे में पूर्व याल्यर्न्द्र्र्याव्यान्त्र्याच्यान्त्रान्त्रात्यान्त्र्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रा यः वित्रास्त्रात्त्रात्त्रस्य व्यवस्य वित्रास्त्रस्य स्था ल्यू सर्वे स्वीत विकास विकास के स्वार है। जिस्ता स्वार स्वार त्यार र्यस्थान में अस्यासंस्थान स्थान स्राम्यान स्थान सुर्केत्र-शुर्कात्राप्ट्राच्यात्रात्रात्रा रेकायांक्या स्वास्त्र भेवाश्चर स्वास्त्रात्रा । श्रीचें स्वारच्यायायायायार्ग्रेर्र। योत्व्यायायार्र् देवायत्वेयाया। द्वारेत्वता केम्प्रस्तित्वा स्त्राप्तित्वा र्यास्त्राप्ते र्यास्त्राप्ते स्त्राप्ते स्त्रापते स्त्राप्ते स्त्राप्ते स्त्राप्ते स्त्राप्ते स्त्राप्ते स्त्रापते स्त्रापते स्त्रापते स्त्रापते स्त्रापते स्त्रापते स्त्रापते यात्रात्रात्रात्रात्रत्यया। याद्रायात्रीत्राक्षेत्र्यात्रेत्रात्र्याः रायदात्रद्वयात्रात्रा सर्भा ल्यास्त्रस्यस्यस्यस्यःस्त्रन्ताः स्रात्र्यास्त्रास्त्राः र्रा लिल्क्रियं रूर्मियाम् र्रा र्यायास्य यह स्वयं स्वर्धियाया र्रा ्र प्राप्ता है। सर्द्र सें दसर् स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं । लिलकें स्वरं वादरं विद्रां केंद्रा स्मार्था द्रावियाः स्मिर्यास्मित्रमास्त्रा तद्गात्मेयप्यास्य स्मित्रस्ति म्याने या में त्रे द्वार मेर् द्वार स्वाय स्वया माता माता मेर द्वार हो हो से दर्रा इ.स. १ इ.स. १ वर मु. माल त्या मार रा के सूत्र वर यह सूत्र वर रहे। स. यि से अभ्यात्र राजातिक रहेता । तः स्ट्रीसिस्या स्वायात्र स्त्रारता सातिका ही. वर्रेश्चर्याया। द्वेत्रम्यालेष्ट्रम्येत्स्याद्वेर्याद्वेर्या 7 m2451 वर्र्या १ र स्मूर्स्र एस्रारी म्लास्त्रेस्य स्थार्या मार्या हा ता। मेर्या स्त्रेन्त्रेन्त्रं रात्रेन्त्याया। सम्रून्त्रायाः सम्रून्त्रायाः सम्रून्त्रायाः रम्रर्न्यरवर्षर्वरावर्ष्ये हिसार्ता सिर्देश सिर्द्याता हिवार् हु. सामा। क्षेत्रमम् सेत्रानुयानियानुः । क्ष्यूर्रक्तिन् द्रित्रम् । स्राप्तित्रम् । स्राप्तित्रम् । स्राप्तित्रम् क्रियं ते दे दे हिंदे र व्या कर्न माना मिला है कि कि विदेश कर में माना कर के मिला है कि कि कि कि कि कि कि कि कि 

वन्।। ।वःत्रेत्रानारयःर्यात्रस्य व्यानात्र्यात्रस्य विकास्य विकास्य देशसर् र्यक्तान्यामाल्या भिरास्ट्रीयात्रमास्त्रीराता वसवानात्रसेट्स्या. क्री दरम्भासका क्रम्पति वर्षेत्रम् । इत्यादिस्य वर्षेत्रम् । इत्यादिस्य वर्षेत्रम् अदः (१९०१) स्यारवासर्वात्यस्। यद्यंत्रवित्रेत्रेत्रेत्र्येत्रवात्यवद्गा वित्राद्येवद्गाः रावष्टितः उर्जन्मत् नेश्वता वित्रं में रेश्वामी वित्रात्याचा वित्रात्याचा नवरात्या वर्ष वर्षा वर्ष का क्ष्मी अवस्तरत्तर्त्रम् अति क्रिक्षित्। । गुर्स्य कर्ला कर्ला कर्ला क्रिक्षित्। । विक्रम्य क्रिक्षित्। विक्रम्य क्रिक्षित्। विक्रम्य क्रिक्षित्। विक्रम्य क्रिक्षित्। विक्रम्य क्रिक्षित्। विक्रम्य क्रिक्षित्। । त्यान्तर्यनाः संस्थायायाः स्वाने वित्रात्त्रः । त्याने क्रित्रात्यायाः वित्रावायाः । क्रित्रवाया अवरं मुर्च अरं मुंदर्य अरं। एत्रें में नुस् ने ते में ने ते में निर्मा अर्थे। किया र्गालेकात्राक्षक्षत्रा केराव्यीत्याक्ष्याच्याय्याक्ष्ये। स्रोमास्यक्षायः अर्राह्मा विराजवरा। खेना अपर्याह्म या विराधा महिनासती अहस्या अद्देन अद्देहरी द्वार देश देश देश देश देश का ना का ना के का महिना का ना का ना का ना का ना का ना न्युद्धाः मून्याः अत्राद्धान्याः विवाद्द्वाः स्वाद्धाः यात्रात्याः अव्यव्यक्षित्यः विवाद्धाः विवाद्धाः विवाद्ध सर्दा स्मास्तिस्यास्तिस्यासा द्येदाकेस्देरस्यायानेदारसारादा रमाया सस्राध्याक्षेत्रयो सहिता। स्रोत्यामान्त्रियम् स्रोत्यामान्त्रियम् रेका गुक्ता व्यक्ता तर् को क्षेत्रा जोर र गेर कुगाका त्यन क्षेर्य शुर् रे में व्यक्त त्या वित्रस्तरा अभित्रहेत्रित्यकेत्वेत्राचीत्वेत्यक्षा हेया हेरहरहारे स्वर्ध रेहेल'याववायात्सराचे रेखेसपाताम्र एक्षे केते। या के यही या मेरा वहेर येर्वेल र्राड्रियात क्षेत्रेया। वयास्येत्रस्य कुर्यायायकुर्यास्त्रे राष्ट्रीयात्रस्य स्थापात्रः यार्ग्यात्र्याः द्वीस्तर्याद्वीरा य्राक्षास्त्रीय विष्याद्वीयम्यत्यात्रात्रास्तर्यः सायत्राम्य असल्यास्यामः गत्रम्भन्ते स्ट्राष्ट्रमाष्ट्रिलन्से स्ट्रास्य स्ट्रास्य स्ट्रास्य क्रांस्य सर्द्रेश श्रांस्य स्थान स्थान हो। स्थान हो। ल्यानेयास्त्रीत्यतित्या इंगाचिते मानेर द्वेमानी द्वारा मान्या ने द्वारा वित चित्रमा वर्षाहरेता वरेत्र्वावस्यते वर्षेत्र्वमा सर्देता वर्ष्यर्त्वाया कृत्वेवसा र्यत्यस्यत्या स्रिक्षानीयस्य स्याप्तान्य वर्षेत्राच्यात्रा यते यात्रया । तर्रम्या १ तर्रम्या १ यर् यहेर् यो यस्त्र मार्या स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान तरा रमरत्रमातुमास्रेतिवायवी झपमराक्षेत्राक्षामास्रेते। पर्देश्वाववायते महिर्मेन कार्यक्षेत्र कार्यक्षेत्र सामान संस्था । १०५०एता शक्त्रक्षकरके अनुसा लेखा से संति स्थाने से लिया से से साम्या के किया की नाते. मदया मुस्यास्त्रेस्यार्भ्यान्यात्। इतायभ्ययायास्त्रेत्र्रेत्र्द्रा

त्वक्रयकेत तर्रात्रोराष्ट्राता क्रियेता द्रारात्रात्रारक्षेत्रा अ स्रास्त्र राज्य स्ट्रा प्रत्य प्रत्य स्ट्रा रहेर से द्राउनसाम्रद्रा सेपास्य हर्रे में स्थान हर् वर्त्रा वर्ष्याचेराचरेन्द्रक्षेरार्यात्या वर्षाः व्यवाच्यासार्राद्याः ्रेराम्या सेवानंक्यरस्यात्रा व्यव्यस्यक्रिया स्थित्यक्र्यांकेयाया स्रीर न्त्रम् स्कित्यम् त्यम् द्यम् द्यम् द्यम् द्यम् द्रम् स्व 4 W(1) सहरगर्देश्ये तर्गा रचतः सेर्छे गण स्थर्यके वस्तरे दा सदस्या सेर 2 श्राच्य ३) तुलितात्विर्त्रमास्त्रीत्। र्त्रिस्सर्भरम् र्यष्ट्रस्ता द्वेश्वर्यात्मात्रमञ्जू एर्सास्तरम् गा दसर्भास्तर्भः म्यूर्से म्यूर्से स्थि स्थानेसा प्रायस्यासा 621331 यवरारम्भ्यास्यास्य राम् यार्गारा वर्षातारा होरामा हे त्वीया। १० व्यास्यास्य 74.2 ४ वेदववन ताले रात्र्रात्यर जाना रात्र्रे सा श्रिकारा मारे मेर वादमा ताल मारे मेर मेर वादमा के अपने वाल मारे मे न्यतः देनः यमाल्यः। यमालक्षेत्रः नः नद्यो केय नया प्यतः । नयमानि स्वान्तरातः नवनिन्न वर्षा मत्रेरेनामा चमायोव द्रोका दर्भेता सर्वेर हे हिन्द्रव न्ज्यात्रेर्ता व्याचीत्रेय्यात्रं म्याद्राक्षेत्रा न्जात्रन्त्रस्त्रीत्रात्रात्रेत्यते प्रकार देया। द्वाप्य स्टास्य व्याप्त स्टास्य व्याप्त स्टास्य ठ्या। क्रॅब्स्यावस्यां क्रियास्याया स्रित्स्ते क्रियाचार्यः स्ट्रिल्वाः Haira) द्वाना से विद्यास ने कार्येया ववद स्ट्रेस्य स्वर्ग स्वर्ग १९५ की १३वर मान हि । एर सिंह सिंही देर वया जेस स्ट्रा मार्ट्य ने मार्ट्य मार्ट्य मार्ट्य नगरान्तिःने। नहनायन्खानान्त्राचितानेनान्त्राचितान्ति। हिर्दर् भी नहें रद्वेष प्रमेरा वर्षेर्य मेर्ने व्याप मार्चे व्याप मेर्ने १८५ मान्या पानान्त्रं नियम् प्रमान्यं नियम् प्रमान्यं नियम् न स्रि.य स्क्राम संस्थान तर्वता। तर्वत्यसम् स्वाम स्वत्वित्रक्षास्य स्वत् 165 क्रियात्त्रात्रायक्रेराद्यात्रास्त्रा द्वायात्त्रेराष्ट्रायक्ष्यात्ताते द्वाया रदालाक्रेरादक्षा अदा निर्देश्चार्यस्य सदार्या स्ट्रिट्यूर स्वार क्रियार्य प्राचित्र रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रेस्ट्रिस्ट्रायाः याच्यास्ट्रास्ट् यार्वस्य स्टा व्याः क्याः क्यां स्थान्य स्थान्। विष्यः स्थाः व्यान्। स्थाः व्यान्। स्थाः व्यान्। स्थाः व्यान्। याराज्यक्षेत्रकी स्तर्हर्ष्यक्षेत्रक्ष्यस्य स्तर्दा स्यात्यर्व व्य

My ustain लगा। विरायने। येसेन्यायेनायानीयायेना वेंनानेयातेनातेन। न्द्रमार्थुत्रः त्रीता स्वित्स्र्रम् मुद्रिमार्ग्रीत्रात्र्यत्रम् मुद्रात्रः स्वितः संस्त्राक्षित्। यरिमार्कालत्रक्षालत्रक्षामान्द्रियात्रेतं वावस्तिर्द्रास्यास्यास् स्यान्द्रा विंशक्तर्वेशकारान्त्रेश्वर्वाता हेन्द्रश्चर्त्वा देन सरेन्यायम्भित्रायम्भित्रायम्याये स्वार्थित्रम् स्टिन्यायम् राज्ये स्वार्थित्रम् रक्षान्यात्वरारकेयाः महिरात्रकारा स्राचमका स्रीरक्षियाः स्रा क्षेत्रक्षेत्राक्ता अवद्भेताकुत्रेत्रक्षेत्रके क्रमम्बाहरूर्र्र्य्यम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् क्रीन्दर वरवास्त्रद्राविकायते रचे द्विर त्वेता स्त्रित्ते त्रं से गण तया हो र साया र्वेर-यर्भास्य-र्वेर्याक्षाः सारायक्यात्राक्षाः त्रेर्याः नयात्रास्त्रास्यः वित्रास्त्रः क्रे के दरकिर्यस्थ रेश राष्ट्रियास्य प्रकाल मानास्य रे के में जाल रे राज प्रकेर उसका नेराष्ट्रिया नेरार रेडिंग नेराय होता है। क्रेर्ट्यंत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्ष्यात्रक्षेत्रक्ष्याः द्वेषात्रक्ष्यात्रक्ष्याः वार्ट् याष्ट्रिया क्यांत्रेरावात्त्रम्यात्रा तयाच्यात्रात्रात्रात्रा सरकानधुर्यसम्भित्रहेर्। बर्द्रस्याक्ष्यं रेट्रावर्ष्यं वर्ष्यात्रात्रं भ्याह्य म्रहिरान्ता यरावधयमाम्भ्रित्ति श्रित्राच्या सर्त्यात्यात्र्रात् राज्यास्या मालासा भेरत्या भेरत्या मार्यम्यो मो मेरिका नर्गा असूर्या भेरत्ये रेशी मल्यः र् बुर्द्वः । दयः ने स्थान् में स्थारिवं रकः। से बर्द्वः एवं र्यार हिन्द्र ह में रूवन द्रस्ति। कार्यन्त्रियाक्षेत्रद्रम् ६.१ यात्रक्षेत्रस्त्रीयत्राक्षेत्रस् हिर्देश्चीर्रिस्स्र स्थान्त्रस्यात्री। क्रियाद्यं स्वाद्याद्यात्राद्यात्राक्ष्याः व्याप्तयः वृद्धवाया भक्तव्यु वित्रत्यतः अत्रिक्षाः द्वात्वेतः अत्यत्याः स्यान्याः

्रभेशत्रात्रा दरःस्वराख्यस्य रेज्यस्य स्वराख्यस्य स्वराख्यस्य स्वराख्यस्य स्वराख्यस्य स्वराख्यस्य स्वराख्यस्य र्यास्त्राज्यार गरास्त्रार्या गर्या । यो सम्मन्यात्रास्य स्त्रात्यते । । I have a'-सूरक्षितार्वेश्वेशक्त्रात्तेर्त्त्र्या क्रिक्टरस्यत्यात्रक्षात्त्रेयात्तेत्वात् स्या स्रोत्ह्रे एर्जेम.स्.श्रीकृत्य.बुद्रा ये.एर्ड्र.स्यादम्यात्रक्षेयत्त्रः । पर्वयस्त्र्रेटः 32011 त्रस्तर्रहेश्या देरसर्य्याक्षेत्रस्यात्। विस्वक्षेत्रत्वात्तात्वात्। र्द्धराम् नते नते राज्याता देखें का मार्थते मार्थिता महें वर्षा उस्यानं न्यु विक्तिरसर्। स्यार्थ्यानं स्राप्त्रे स्रोत्याने स्रोत्याने स्रोत्याने स्रोत्याने अए.लुर.ज.स्रीता लदःरम्लापद्मश्चीत्त्वलक्षाता क्रदाद्वासेद्रा. टर्रेगा.संस्ती प्रत्यास्तात्से.संस्वस्त्रम्तात्रार्द्रता स्त्याःसितःस्त्रहरः रेरो सर्वासःलोडेकाराका। चेर्वलेख्यात्वेषाक्ष्यात्वेराहें क्षेरात्यास महेते द्वराराया वसते महे लया होर रेव मोता दमरानमका मज्य स्थिते वद्वरुत्या तक्षार्यः सीत्यार्थर्त्यत्यार्थर्त्यार्थाः मास्रीक्षे त्येत्रात्म् रास्यायत्। श्चेरश्चार्याय गतः स्राधिता वर्यायाय वर्षे स्वार्थेत्रा देवी व्यत्न त्यासूति वर्ता क्रियःल्यूरः। त्यः जंग्यः क्रित्यं यायाया य् त्युरः। सीरः रयरः क्यायाः तः रे सिरः -भेरतार्था नालेगा। स्थापारेशिन्तारस्थायस्थित हैया हेराहरेश्चारितास्थापा र्रः अस्य प्ररातः र्वायाता स्यरात्मा यति स्ययः र्रम्या वेश्वासः स्रम् स्वारत् त्रमथार्या स्त्रेस्य स्वा स्वंस्य स्वार स्वंस्य स्वार मत्त्रया दर्त्रात्रमा अभिराक्षकाताचिर्द्रात्रात्रमा ह्या हेर्द्राक्षणविर्द्रात्रा हें, एहेरी चरेन से राजरा से ता के राजिया मार्ट्स विस्तित हैं के ता मार्ट्स वास पर हैं वास पर हैं के से चं स्थान्या। यमायात्रीलास्य त्यात्रात् व्याप्तात्रीक्षेत्रात्रात्रीक्षेत्रात्रात्रीक्षेत्रात्रात्रीक्षेत्रात्र स्थान्यात्रीत्। यन्यात्रात्र्य्ये र्यान्यस्य त्यात्रस्यात्रात्रात्रस्य यह ,6 ख्रुवा य अ. धूर्यं प्रमुद्धं स्वरं विक्रियोगा वर्रे रेटे श्रीरं यते, रचता स्क्रीय सिहरा . र्ग. के तु सि.स्वर्ग्यूर.मं नेता यश्त्रस्या स्वास्त्रा स्वास्त्रा स्वास्त्रा स्वास्त्रा स्वास्त्रा स्वास्त्रा स्यं स्यान्यस्य राजस्या रहेर् श्रीत्यिक्त स्यान्त्रा स्रस्यां स्यान्त्रा म्रेट्रमिन्यत्यात्री महिनास्यित्रेक्ट्रम्ययाता यात्रात्रात्रात्रा त्या र्र्न्स्यर्ग्नेत्यर्भेगर्रित्र्र्रा ह्र्य्यं हिर्द्ये विस्वर् रअगारार्विमान्यम् स्राम्ह्यास्यात्मा सर्वे त्याने परिकारम् स्राम् अर्दे यार्थेत्र यार्थ्या देख्ये त्त्रेता द्वास्य द्वास्य देश्चरेत् स्वतेत् द्वास्य देश रर्भित्रहेर्मा येत्रा स्वात्वर्षा स्वात्वर्या स्वात्वर्यात्वर्या स्वात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वयात्वर्यात्वयः स्वात्वयत्वयः स्वात्वयत्वयात्वय इस्रक्षक्तिक्षेत्रम्य त्वर्ता इस्रक्षक्षेत्रम्य क्षेत्रम्य प्रित्तम्य प्रक्षित्तम् इसकान्त्री,लूट्:विस्कालावा र्ने.विद्युरंन्यान्त्यवत्रद्देश्वणं वार्थनः सूर्वाद्धकाः जयक्तर्नित्याद्याः लाद्या स्वानिकात्यक्तरान्त्रं स्वानिका नदात्यक्तरः

त्या । इस्ययः द्वः द्वयः ब्रेटः क्रिंग्यः ह्यायः यात्यः भवः। श्रिम्यवर्ग वरायार्द्धस्यतिस्युत्वर्गवर्ग देत्रसञ्ज्ञात्रकेवश्चेवाताः ६ वटा व्यक्तरा अरवगर्ञेन्त्रीयवात्यायाचेत्रायाचेता सुर्रात्रेत्रास्तरार् तियाकार राज्यारेन्य्रे, याकेमारनेर कार्यक्षेत्र विरुष्यं ने में या परिरेट दे यतुमास्य स्वरासंदाद्वासारद्वासार्द्यासार्द्या स्वराधिवास्रेरसार्द्यारेत्याकारोषा यक्तित्रेर्त्रेत्तर्द्रदर्श याष्ट्रयाक्त्र्यक्त्रम्भेतर्द्रतर्द्रा रसक्रावितायोद एरं एरं ता। वावयस्येय छर्स्यरस्य स्थियते। वाष्युस्येयेय वेर पर्वासं प्रता याप्तर्मित्रे श्रेम्बर्स्र देश क्षेत्रवयाक स्वरं संद्रा । रायमार्दीतर्वेतितरेखेरासमा। मेराराखेरखमामात्रमायोत्या हुन्सेमाः विस्तर क्षेत्रसाह्न सहित्या चित्राया त्या वित्राया त्या वित्राया चित्राया चित्रायाच्या चित्रायाच्या चित्रायाच्या चित्रायाच्या चित्रायाच्या चित्रायाच्या चित्रायाच्या चित्रायाच चित्रायाच्याच चित्रायाच च चित्रायाच चित्र र्यतः व वरः व १वृष्ट्रं या हुर्। र्यः स्राध्या या द्रियः क्षेत्रं के व्यक्ति। या त स्रेत्राम्यात् के.स्रास्त्राच्यात्य्रेत्राचे त्रास्त्राच्याः हेत्यात्राच्याः हेत्यात्रे क्याताः में मुस्या महत्या महत्या में मुस्या को मुस्य में स्था में षर्मित्रिक्तिस्त्रीत्मन्त्रवन्ताः स्रेरम्भूवते वृत्रान्त्राः हेन्यवेर्दिस्स्राने । रूप्ताः सर्भरका र्रस्क कर्षा भारत्रिर्भ मार्ग्य हिर्द्य कर्म स्थापर स्थापर हिर्द्य तिर्मित्रं श्रीमानाक्षेत्र स्वान्या श्रीकृत्या संस्थेते में द्वेते में स्वान्या ने मान्या स्वान्या है। य कुर्स्वया १९वामा स्वते मद्रुत्युति यसे राम इसया निवाहिर सहिया या स्वतं महर "वस्याया यत्रं। इ.सर्गार्श्वर क्रिकेट्य्यं राष्ट्रिकारा भियायायायेर क्राया राज्ये वर्षे वर्षे मार्थियो स्थानाता स्थितस्ति इतिमा सित्रा त्रा त्रान्त्र साम् रास्त्रेय प्रमान स्थान रयसाक्ष्रियाचीरकीर्यरयाच्येर्ययतेस्यतेस्य ने निर्मारमान्यस्तिते वर्षात्रेरे र्श्याययर रश्रेरक्षे अकेरयर प्राप्त स्राप्त में सुरसाम स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त हस्रम्थल्यात्र्यात्रेयात्रेरम्भागिरश्चेर्यतेम्भ्रात्र्यम्भ्रात्रात्र्यम् सामित्र सम्बद्धाः स्तरात्र मान्यात्र स्तरा स्तरात्र स्तरात्र स्तरात्र स्तरात्र स्तरात्र स्तरात्र स्तरात्र स्तरा सुक्रायः इटः वर्ष्ट्यः से स्राक्ते स्वायास्य स्राया मार्थः सर्वयः नारः रदाधः य वृत्रः यह क्षेत्रका स्टब्स्य क्षेत्रकार्ये वाल्या दे क्षेत्रकार प्राचित्रका स्टब्स्य क्षेत्रकार स्टब्स्य का क्षेत्रकार स्टब्स्य क्य क्षेत्रकार स्टब्स्य का क्षेत्रकार स्टब्स्य क्षेत्रकार स्टब्स्य "सम्भित्रम्य के से प्रत्ये र से र से प्रकाहका है ते क्रें के न को अपने क्रिरे प्रत्या से 12 का र तर्वतिसासंसित्रकारीवर्वे स्वाप्तिसाराया मुक्ति स्वाप्तिस्ति । र्रा हा वास्त्रस्य स्मित्रं त्या त्या करते त्या क्षेत्रस्य स्मित्रं के स्मित्रस्य स्मित्रं स्मित्रस्य स्मित्रस् म्सायास्त्रक्रीर्यातः क्रियायर श्रीयाव्यक्षेत्रा स्थाय स्था

मया परवा-

name of cup

क्षात्र विद्या ता क्री.सु.सुर्क्तिर अंत्यार्त्र हि.र अंत्र र खिंग स्वर्के अरद्या पर्हे दे ता र खिया स्वर स्तुर्रस्त्रेर्द्र्येश्वर्यात् 2 done सर्द्रिरम्बस्य कर्म्य प्रतिक्ति में कर्म हिंद्र कर केया है। श्री हिते क्षत्र त्या की वेद दुरें दें दें या वदाय हो श्री केद हें या का प्राप्त कि देन शुर्र से ग्रे प्रत्य पर्य देश देखा दूर में याद्या या दा है इं रहे देय त्या याद्या है विकास कर रक्षाको रक्षा धुराक्षेत्रकार राज्य अराज्य कार्य स्था क्षेत्र हो। स्थार रक्षा इसका रेटियुद्दे व्यवाः स्याक्र तिस्ति, यालामा वर्र रे रे रे यालाम रे से याला है के याला है के याला है से रे से से से से से से या गर्र यलनार्त्रे याल्ये र स्ट्रेंसी यल्युस्त्रे यलनार्ना है। तात्रिता वि. तात्रात्र या. ह्ये. यद्रम्यक्रम्यरे अय्याद्रा अयालद्रायात्री केत्रात्रात्रा । यहार्या लेलायहर्षिकास् बुर्याहाताद्वात्रायेवेदविकावर्ष्ट्रिया बर लेस.कु.जेशक.ज.र.रे.एडूर्स्याक.एक्.रेश्व्रांकाराष्ट्रिकेट्यलेस.कु. २४८.1 रट्यू.चे.स्ट.स्.ल.र्यऱ्यूर्जा.एक्ट्र्यूर्या.युक्रेर्या.युक्रेर्या.युक्रेर्या.युक्रेर्या.युक्रेर्या.युक्र न्त्रेरलकुर्। स्वात्र रस्य र्वे स्वात्र रस्य विस्ति स्वात्र र यूटकाव्र र चर्रात्मग्रस्य मार्थन्यात्रात्तेत्यात्र राष्ट्रवात्मा र्यातात्रात्र्यात्रस्य स्त्रात्र्यात्रस्य म्द्रिया मित्र में देशी मान हिंदी में मान है से मान है है। त्रेयात्रत्री, लेक्षक्ष्यक्रत्रत्रेयत्रेत्रत्र्यक्षः । यद्याक्षः यद्रविकासः यावात्रक्षः । व्यव्यक्षः यद्विकासः यावात्रक्षः । व्यव्यक्षः यद्विकास्य विकासः । व्यव्यक्षिः विकासः । व्यव्यक्षिः विकासः । व्यव्यक्षिः विकासः । व्यव्यक्षिः विकासः । मला द्रायास्यास्यास्यास्य स्त्रास्य स्त्राभ्यत्त्र यास्यान्यस्य स्वर्धात्या स्वर्धात्याः स्वर्धात्याः स्वर्धात्याः स्वर्धात्याः स्वर्धात्याः स्वर् १०१मन्। दीनमहास्य गर्सदीअर्चन्त्रान्ता दीलमाइटाकीकालका नुस्देद दिस्रान्यत्यत्यत्यत्यत्र्यत्रेत्राच्यत्रत्यः पर्दरः रंभः भवेशवा श्रिकः तदिते स्यार्भाता रयात्यात्रावध्येत्रीरास्र्येतात्रात्रा व्यावस्य व्यात्रीस्रा सस्यस्ति कीयत्रेत्रसम्भा क्रियत्रेत्रसम्भात्रेत्। त्रास्त्रस्ति। क्रियत्रयात्रात्रेत्रस्ति। एस्या यहारी ता विदेश्य वहरा सिवा तह कि स्या मारोगसा स्राम् लेंबा अस त्रंत होर्के असे रा या स्थिति होते स लेवायाया तहा सेमाबुद्धारारर एम् मेर्ना क्रिया ये एर्नु संस्थानिकर

200

उठ्या । भ्रित्रदर्श्य द्वारा साम्रहायरे के साम्यास्य यते स्वीर्ने के देव त्य्याचे देश का या कर्त्य या ये ये ये ये ये या या या ये य श्रीत्रिता भूगाने अर्दरको अञ्चरामा अञ्चर्यम् स्वाया स्वितिता स्वाया स्वित्राया गर्भरद्रतेवरकी हर्द्रे राजेरा न्त्यक्ते तरवक्तित्वेवार्जेरा इक्त्यालेख श्री मार्टिश्वी श्रेमश्रीमारात्रेश्रीतात्रां केता रहरेरवे में वित्राया केता यत्। हीरेबारहायात्रितात्रियात्रहीं क्रियंप्रमासुरायां सार्वा रेंबबराया नवाकाता । असूर्येर्ट्स समरावेगलेंदा तरे विरवासायाः सराखें।या के वर्राक्षार्य के स्वर्राक्षार्य के स्वर्राक्षार मार्थित के या अहरा सन्तियो सहस्राचेयवाती स्राम्यिद्यानति स्रीत्रात्रात्रेयवा प्राम्य द्रा अताबर् ताक्रिक्त स्थाता द्राक्षेत्रास्य स्थाता द्राक्षेत्रास्य स्थाता स्था स्थाता स्था स्थाता स्थाता स्थाता स्थाता स्थाता स्थाता स्थाता स्थाता स्थाता सैकरा रर.वे.वि.म्.ब्रिक्ट्यारी रर.बे.क्र.याक्षेत्रकेत्रेत्रस्य र्याक्षेत्रस्य र्याक्षेत्रस्य र्याक्षेत्रस्य १ वस् क्वीविरातस्थितः रोह्रेयायेरावाह्येरात्येरा रामार्चे छ्रायरी द्वीत्यक्षेत्रः रुरेर्सार्हेरायाद्यारेरेरा खेरकेयहरायहे झेख्यरे। त्युवास्तारारेर यासीरवत्रमा रेख्नेस्लेर्गोक्रस्याणा क्यास्क्रीसक्रेद्रीयस्था स्यां हिंद क्रिक्ष्या हु. यह गा। पर तास कर ति ए हर राष्ट्री होर या कर ता. स्यानकी वहस्यान्यातास्य वर्षको वर्षकार्षकार्षकार्षकार् रेलरहारान्स्रक्रेररा डिर्निकरेर हेर्ने भियदे। सन्तर्यहर सम्मेर चरु-अविवास्त्रसम्बद्धियात्रः व्यद्भा नर्गन्तात्र विवास्त्रम्यात्र विवास्त्रम्य विवास्त्रम्य विवास्त्रम्य विवास द्रहें ने कर प्रमुद्रेय संदेतिया। या द्रस्ति स्थितिया द्रार्थित स्थान देश राज्या द्रार्थित स्थान द्रार्थित स्थान द्रार्थित स्थान स्थ सर्भेर्द्धरम्भरम्भरम् राज्या सम्य ल्याया वितान सम्य मान्या । मेंद्रवेदेशेर्द्रातात्मेंत्येयो यद्याद्यातात्हेदलेद्या म्याद्याद संस्थित प्रका कराम्या क्यास्य अपनि स्थित क्या क्या क्या हिरास है। स्था प्रकार क्या क्या के विकार का दक्षा देखेब्सेदसेदसमामार्श्वियाः व्यद्रा व्यद्रसेखारदेशो मार्थायाः

श्रेरक्रिर्टामान्त्रेर्तामान्त्रा श्रेरा श्रेर्यमान्यास्य स्तर्ते प्रेरक्मभाग्रेन्याना। द्रेर्द्रावस्य व्राच्या ल्यात्वर्यस्य तानव्या जासते खेरस्य मानात्रं मान्य सामा सान्तर को नामा करी-रेम्प्रारेवध्यमा स्र्रामारायस्य प्रयंत्राच्या रेयामारा मायपर्यास्त्रस्त्रस्त्रस्य स्तरा र्रम्स्य तार्यायस्त्रात्रस्ता सीत्रातः त्ययः दर्भित्रवेतः तर्वेत्रात्। स्तिहत्यत्रद्रद्रित्त्रावित्रतः। देशमति श्रेत यारे द्वित्रवत्यम्। हेर्नूत्रहर व्यापा त्येर वे हे प्रेर्त्त्य त्या र्जनरक्षेत्रचरायसायाः रेत्वयात्रयात्रीयाय्यस्या रेराक्ष्यस्य चाराश्चेन्।वेरः। स्रेम्त्यर्भ्यायति।वेस्त्रावेस्त्रावेसाम्यान्त्रान्यान्तर्देरःभेना रिस्ट्रेरेट्रिश्चरावर्तिस्यार्र्स्स्य राज्यूर्जी शिष्ट्रिर्चरम्स्री ल्लान्या हो हो से स्वाक्ष्य स्ति रेसा स्वाक्ष्य स्ति। र्वालकार सेराये इक्तराक्ष सेरायारेंद्र। लेगायंत्रराज्यायायाये देगातारेंद्र। देशाम्यवः स्रियात् स्याप्तात् व्याप्तात् स्रियात् स्याप्तात् स्यापत् स्याप्तात् स्याप्तात् स्यापत् स्याप्तात् स्यापत् स्यापत्य स्यापत् स्यापत् स्यापत् स्यापत्य स्यापत् स् र्ड्सार्यात्याम्यः है बर्डाने सिस्स्यून्यात्व्याः स्मार्यन्ते ने त्यार र्रियामार्जुः। त्रार्वेतामार्ड्यम्भागवरा यार्रियामारामा।विष्यामा द्रेर्यास्तर्भार्यद्रमार्यद्र्यास्त्रव्यात्ता रद्यास्यास्त्रेर्यद्र्याय्यास्त्रस्त्रा E 21.49 क्षेत्रास्त्रीवृद्धाःस्याकासास्रद्धाःस्तासायद्भा स्त्रेयास्त्रास्त्रास्त्रास्यास्यास्य रारे-सा। १० साम् । तहस्य होरास्त्रे राम्ये साम्ये दरा म्हरव्या साम्यास्य 3son of beggar. इर.१ ७र-मेर.बर्चरम्य.स्या.ब्रेल्ट्रा. एड्रमच्चर.स्र.स्य. ११८ म्या. याल्या.म.प्रा. ब्रेट्स्ये.ब्र्य.एच्यर्ड्ड्रे.च्यूर्य. यात्रा.क्र्यूर्य.स्य.स्य.स्य. स्यान्यत्राचात्राचात्राच्यात्रा स्राम्यान्यात्राम्यान्यात्राम्यान्यात्रा त्विष्या रत्रवध्याता स्त्रम्यायद्वस्त्रम्यार्त्रा स्त्रिंश्चयक्रत्रात्रा ख्याज्ञीरायात्विदायां यात्रिक्ता केषुष्ट्रीयातेद्वा केषुष्ट्रीया क्षेर्स्य्यात्री विक्रम्यायायात्रके यते देवा वर्षे तर्रमात्रा व्याप्तर्ये सत्या र्र्रास्त्रमण्यरेन्यर्जा वह्यार्थर्म्यात्र्रास्त्रा र्रा दर्भागमास्त्ररात्र्यं सर्वे सर्वे स्वार्षे स्वार्षे स्वार्षे मानियास्यानामाहर्द्धार्यात्रात्रा स्याजरात्रास्त्राच्यायाः स्या संयु श्रे श्रे र र प्रदेश के स्ता या अर मि खेर स्त्रि से प्राप्त है मे य सूर । श्रे का से युर्विष्युम्स्य वृत्यवत्या युर्वम्मा व्यव्यम्भार्यत्विष्याव्यस्य व्यव्यक्षे

क्का। १रस्य स्टरमार्थेर स्टरीविका। दूसासिरिस्तार ख्रीकाता भवेंगा अनुरद्गर्यरेने मध्येय व्याप्त द्याप्ती विकादसम्या विका केर्ये स्लर्सेगातात्वा। संगर्द्यर्भेद्वेत्रत्या संभित्रे दुरावुमा। रतप्त्रुं पुस्यार् स्रोमायाविका। श्रे मेरन्यर् मेर स्रिम्स्या र्बर्यर्र्द्रेर्द्रेर्यर्प्त्राच्याव्यवस्ता स्र्र्यर्तेष्याद्या स्रियर् र्रेस्स्य कर्ष्ये स्राम्य र्याती क्रियं स्थित क्रियं स्थाने स्थान यान्यस्य वदाः स्रोतायः भवता दयरः स्वात्राद्राद्रस्य स्वात्राप्ता स्वद्वाः स्र यालुप्राताक्रीयाता । त्यात् प्राय्याप्राय्येयाप्येय समेद्रायाप्याय्ये इस्पेर्यते लेले देवस्य म्यरम् स्यापित स्थाप्ता मार्थेन स्ति स्थाप अरअहरा श्रेर्विवश्चायम्बार्न्यार्न्यार्ना व्यक्तर्रात्रा र स्वास्यास्यवानी तर्ने एकाराने। न्ययं मियन्यते मृतदेत्वीत नावयः प्रायन्यस्य स्थान्यः। स्रेर्र्तियस्य रेवसम्यर्त्ते स्थान्यः। मुद्देर्ते स्थान्यः पर्वेद्रम्भातात्रेगा र,यकातिमार्चपुर्द्रायास्त्रूर्द्रार्द्धा र्वायातास्त्रुक्तराद्यार योगिना गार्नेकोस्स्यासम्बद्धा स्मान्ते वरावस्यासम्बद्धाः चल्युर्द्धियायायुर्वा कुलाया भवेता। द्वापबा व्यव द्वारा वास्युया नार हे वर्ष्ट्र पद्यक्तिरक्षेयक्तियक्तियक्ति। ख्रीस्विष्णात्याने वर्षणा तेत्रान्ते क्रान्द्रस्यक्ष्रस्यक्ष्या ख्रीमसहर्त्त्राव्यस्यद्यस्यत्येत्रवेते। दयतः खेः छाः स्याक्षास्त्रा गुरायन्ति स्युत्ति स्वान्त्रा द्रायर्षे सात्वयः द्रायन्त्रा वयान्त्रीय व्यासातव्या प्रवेश हेर्। इलाहिरातन्य दी लुरात्वेस हेरा उर्वे.पियाना प्रमाक्षा यायकार्स् रतिकान अनुस्ता। स्नुमह्यात्री स्तुरियात्री रारा १५% कुका स्वास्त्रद्रायस्य तायक्षामा स्वेदयाह्यास्य स्वास्त्रात्वास्य स्युःत्यस्युर्द्धस्य स्युर्द्धस्य स्युर्द्धस्य स्युर्द्धस्य । स्रुर्द्धर्द्धस्य क्रिकानिर्दिस्मादरा रेला यहित्रका य्याप्या प्रया केरासित करादराव अ क्रांगा मधनाधवाञ्चितास्यालरामन्त्रम्या म्रान्मन्त्रम्याः स्र च्यायात्रकार्वास्त्रभावास्त्रास्त्र स्ट्रिया स्ट्रियायात्रेयायास्त्रियायास्त्रेयायास्त्रेयायास्त्रेयायास्त्रेय सर्ए से सर्र राम् देश कार हे अस्त्राया । के देश हिर्म के कार है के किया । के के व सर्द्रिसर्द्रिक्रिक्ताम् कृष्ट्या स्वयायाम् र्यास्त्रे स्रोता विस्यक्षेष्रमान्यत्वद्भाविता संकायत्याम् । स्रेट्वेता रेवकवित्यांयः र्वेयुनिय्येता बलअयोत्रेष्ठे दुर्बे द्यार्वेयता स्वात्वार्वे तर्वेयोवाराः र्कुलर्वे प्रस्था १० वर्षि स्वर्षियं स्वर्षे स्वर्षियं स्वर्षे स्वरं स्व रेतियरलीय भारवररक्षर इसयक्षयक्षय उरे से देवा की वस्याय हो र हो देवा स

百里北北江 १९१० के से से से से के प्रायम के ता प्रक्रिया स्रेरसेरसेयर्थयर्थयस्य स्रियं स्थानेत्रात्री स्थाने स्थाने स्थाने हमें हु ले अपर प्रत्यास्य स्थान द्या खुर मेर स्थापत्र वार द्या खुर मेर स्थापत्र वार द्या स्थापत्र वार स्थापत्य स्थापत्र वार स्थापत्य स्थापत्र वार स्थापत्र क्रियं असी असी असी असी क्रियं के असी क्रियं तियं तियं तियं ति स्वार त्यूर देवात १ श्रम् अत्या तर्स्त्र । राष्ट्रयान्य याय्यात्र त्यान्य स्थाया स्थाय स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्य नुरास्त्रेत्र्यात्रास्यास्य स्वार्थियाः स्वार्थितः । त्यम् इस्यास्य स्वार्थियाः संस्ट्रास्त्र स्ट्रिक्स स्ट्रास्त्र स्ट्रिक्स स्ट्रास्त्र स्ट्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स्ट्रास्त्र स सन्निर्दर्भास्य स्थाति। धट्ट ए. पूर्तर्भेत्रः स्थ्रेत्रः स्थ्रेत्रः स्थ्रेत्रः स्थ्रेत्रः स्थ्रेत्रः स्थ्रेत्र स्.के.र्यार्ट्रा श्रेराविष्ट्या, एप्रत्रार्विष्ट्रा, यक्ष्रेर्या, विष्ट्रा हि.र्जुर्क्षक्षक्तर्र्द्रा है.स्वाइस्यार्स्चेय्ज्ञे द्वायायात्र्यात्र्या इ.स.यशुक्रक्य: एसूर्याक्षा अर्डे केवत्यः स्वतः सिक्त आर्वर । वर्षः मध्ये। उर्, ल ने किर ता जिस सा अर में आया ता या ता में बाब दूर हो हों हो र र ज में अस स्या <u>Second fart: - रित्रयायात्राच्यात्र्यात्र्यात्रात्र</u> स्वत्रात्रात्रात्र स्वत्र , स्यवया से अवस्ता द्रम्या र्राया र्राया र्याया राज्या या या स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्व २०७२,न किर्श्रुस्तर्रस्ता महर्ष्ये के मिल्ने के मिल्ने के मिल्ने के मिल्ने चल्यानुःस्रःस्र राद्राच उत्यन्तान्यः वर्षात्रात्रान्यान्याः तास्रात्रात्रास्यः यभामानुदाश्चीरादम्याद्याद्यास्यास्यात्वात्त्रात्यास्यात्यस्य सातिस्य सेयता। रंग विरास्त्रभाषां सम्बन्धाः वाता कर्ति द्वार्ति द्वारा राजा समायक्षेत्री दि 9 12/21 ल्या द्वास्य स्थात्या द्वास्य स्थास्य स्थाप्य प्राव स्मार्थमा ए तियात्रात्तात्त्रीयात्त एर्नेग्रा गर्ना के कुर्येक रक्ते र र र राजा सेरक , ब्र्रायक र क्रेर किर सिवा. लयान्त्रंत्रः वर्यायः स्थाने वर्षायः वर्षायः वर्षायः वर्षेत्रः वर्षायः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः माण्यास्त्रम् । ए विन्यास्यात्रम् स्तिन्त्रद्विस्ययात्रे स्रेर्द्रिकाणवायविस्तित्व ल्यु सर्व सर्व है। स्त्र श्री श्री श्री श्री श्री स्त्र स्त्र हिंद श्री त्या स्त्र स लर.सर्ट्र.चूर्य.इं.र्यर.स्.सर्ट्र. ४८:पर्ट्र.चू.च.च्.सर्ट्र.

क्रियार्थात्रे प्रत्यं विद्यम् विद्यम्

००१। । अर्मे अर्रेट्स्य हे स्याये सक्ता अछित् होतीया द्याद से यार्ट्यक्ट्रा काश्चरस्य रहास्य । स्रुस्य प्राप्त स्वर्धिया र्शित्रेन्छे त्राधिया अर्वाचिन्स्ये के करत्या क्षा क्षेत्र के के कर् उरा रेड्डियास तुत्र ने प्रेरे कि से सिंग अयार या के यह विश्व के राम विश्व के राम विश्व के राम विश्व प्रशासित्यम् नक्त्र मान्य प्रत्येत यान्य प्राप्त साम्य प्राप्त साम्य प्राप्त साम्य प्राप्त साम्य रहलेक् वा वह व्यद्र । अर्वा वह व रचेंत्र स्वें भ्यु वर् व्यद्र । कुरी ता कर रहरू मात्रव्यद्रा सीव्यद्रस्मत्स्रेर्स्यव्यस्त्रे देश देशस्त्रिस्यस्त्रे मायद्रम ब्रेन्द्रियास्यर्द्धरित्रेन्द्रात्र्यात्रेन्त्र मार्केन्द्र्यस्य स्ट्रिय्यस्य स्ट्रिय्यस्य स्थान्य विकास स्थान स्य लि पर्सा त्राहित विरेत्त्रम् । वेकाव्यर विवेश हुर नेर्यर विकास किराय बैंबाको महिरत्यवें। श्रदेशव्यायणस्य सराया त्रेंग एका तर्या अस्य प्राप्त स्था मलियावूचारीताचा विराधिताराताले हो। र्रक्षितायाचीताले में प्राचिता विराधिता विराधिता विराधिता विराधिता विराधिता रश्चार्यात्यातर्ते. १ कुल. अ.च. एक्स्सर्यः एर्ट्स्स्र्रेस्यर् स्वयक्षर्द्रः च रवस्यः स्यान्त्रे स्थान्या हिर्द्य सरकार स्रोत्या राज्या राज्या अन्महर्स्य हिवा रेल रेलेरेबर येले गर्र स्राहेता अल सेर सम मुस्भिक्त मार्ग्या होता। रदावालवा के स्ने क्षेत्र से माहिया। माहित माज्यानातात्रात्तात्त्रमात्त्रमात्त्रमात्त्रामात्यात्रामा स्रात्रामानामा के मार्ग्या स्राय्या स्राया स स्यस्यास्य स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षः । स्वर् रायराक्षेत्रः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः । लालुक्षा लाकाक्ष्यप्रदेशन्त्रवाक्ष्या भागवाक्ष्यक्ष्या वार्वक्ष्यक्ष्या वार्वक्ष्यक्ष्यक्ष्या वार्वक्ष्यक्ष्यक्ष इत्यरक्र होर्ने वेया हुर। संस्थाय प्रमान्य प्रमान

म्यान्त्रं यात्रः मेर्या यं यह यात्रं रात्रं य्रात्रं व्यान्त्रं व्यान्त्रं व्यान्त्रं का tree, इ.र्वायामानु तक्। त्येत्रीत्यारं त्येत्यातेत्या। रामातात्रामान्वयः ११००० १००० १००० व्यायामानु तक्। त्येत्रीत्यारं त्येत्यातेत्या। रामातात्रामान्वयः ११००० १००० व्यायामानु तक्षा तक्ष्यायारं त्येत्यात्रामान्ययः। एर्डे.चे.। जुरासे स.ज.स्रेजेर पर्डेका सैयास मधिय्येयायस सैयास स्याप्ता स्ट्रावि १ स्थाप्ता स्याप्त्ये स्ट्राह्मे यह स्थापा स्त्राह्मे स्थाप्ता स्थापा स्त्राह्मे स्थापा स्त्राह्मे स्थापा स्त्राह्मे स्थापा स्थापा स्त्राह्मे स्थापा स्यापा स्थापा स्य हिर्स्ययार्चराय्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् 20181 वर्ष्यात्र स्राम्यावस्य वाद्यात्मात्रक्ष्याः स्राम्याः स्रामः स्राम्याः स्रामः स्र - योकिसे प्रदार प्रियामा विषया रेत्र प्रिया केमा विक्र स्थिते . 3,93 न्स्रायांत्रा न्यात्रेत्रा न्यात्रेत्रात्यात्राक्ष्यक्षात्रा क्षात्रक्षेत्रक्ष्यत्यात्रात्रा स्रयतिः व्येवः र मार झे ता तुमाया रहा त्या यति हिता र गाय छेट तुमाया ता। इ.र्ट्रास्क्रिक के जेगरा देता दे पर्याय के रेग्रेय देग्राय के रेग्रेय के स्मित्रे न्वेनय्याय्राय्राम्याय्राम्याय्याम् विक्रित्रा क्षेत्राम्याय्याय्राम्याय् वः। यानामकाकारकारियारमायास्य । भीर्यस्य प्रायम् यासी स्तर्भित्यर्याय्यम्यायावरात्रेयता विषय्यार्थातीयतीव्यम्भूयाया वार्थे न्युर्स्स्य स्थित मुख्यात्या वास्त्रिती न्यूर्यात्रीत्य स्थिता व्यवसार द्विरक्, स्म्मास्यरस्यगर्। जस्यस्र त्येत्रस्यकेत् तर्गाः केत्। रस्यास्येत यली. क्षेत्र्या यक्षेत्रस्त्रीया। त्याप्तायात्रेत्रात्रेत्रात्र्याः व्याप्तायाक्षेत्रः क्रमायानस्य निर्देशन्त्रमानस्य निर्देशन्त्रमानस् यान्त्रता रे.म्यायाद्यारारारायावयायात्रीता ह्यास्यायान्याद्यार्थे あってきらい युस्याद्या क्षेर्यसाद्वास्यस्य स्थाद्याः म्यायिया स्यायाद्या स्र 5年前 स्यानस्यान्। स्राह्मात्यास्यामान्यायाञ्चला हुमार्थयथास्युद्धाः रेग्रेंग्रेंग्रेंग्रेंग्र संस्थात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यः। are, गरलवारी संग्रहराम्या स्थान स्था स्थान स्था 6गाय या में म् में भे भे भे भे स्या निया ने स्था में स्था में स्था में स्या में स्था मे स्कृत्य हु दे सिंग की प्रमान स्तिया यह स्योगाया यह स्योगा कर स्यो के यह SEC4) संयदिया विता देन देश सम्बद्धार्ग वास्ति त्रुसारस्या यह देश दे। इसल्यया श्री श्री जाता दुः या असं लिया द्राम् अर्वा श्रया श्रीया

2-921

२०११ । विद्यात्यार रेक्ट्रक रखरा बद्धियात् या संस्थाते विव्वविद्ये उसकी सहस्यान्यात्यात्रेक्ष्यकेष्ट्रिया नेक्ष्यप्त्यकेषु प्रवासेष्या तर्वेमानीयकी। नुष्ट्रमासुर्वे। वन्नेन्र्रत्यव्यक्ष्यात्र्युर्। वर्ष्युर्वास्त्राहेशायमुस् भाक्षेत्रदुर्योद्यामाररक्षेत्रया। देर्देन्यायक्षावेरेत्यरक्षेत्रेरा देवसाहरेत्य स्यक्षात्री द्यास्त्रम्भेद्रस्यास्तरी द्रम्मयेकित्रक्तिर्ट्याद्रमाद्रात्रा ज्यक्षक्रमान्द्र। क्षेत्राम्ब्रमान्द्र। क्षेत्राम्ब्रमान्द्रमान्त्रमान्त्रामान्द्रभागत्त्र। क्षेत्रमान्द्रभागत्त्र। प्रत्यान्त्रात्यास्यात्रात्याः विरादरास्यात्रात्रात्याः स्वात्याः स्वात्राः स्वात्याः वितायतः स्वात्याः बिष्ठायालया तक्तार्द्रत्त्र्वाक्ष्याद्वेत्रायालया अस्त्रीयालया अस्ति। न्या क्षरायाव्यवर्केरावाज्यस्या केरारोक्षेत्रवायेरावर्षायेना व्येत लयासामान्यस्ति स्त्रीत् रंगत्या स्यात्या स्त्रीस्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयाः स्त्रीयास्त्रीयः में स्यानिस्मिर्देशने महत्रास्त्रेशवरीयित्यात्रात्यम्यातिस्य द्वारत्यम् ति क्रिक् स्रास्त्रेरा द्यतःस्मकातरेलाक्षेकेत्यामाराका। इर्यतः म्यास्यामारा हिर याली हिर्ज्याय केर लाव र अवसा र देल्यून मन्त्रमा सार्वे एत्यामा स्वरं रहेते र fatham. किसालकाताल्यूरक्षकात्रात्रात्रात्रात्रा एड्रेन्ट्रिक्ट्रेन्ट्रिक्ट्रिक्ट्रेन्ट्रिक्ट्रा स्यारीक्षक्षा त्यावकार्तिक्षाविवासे अति। सेर्ये रक्षाक्षात्राभीवां वेर वर्ग साम्बर्दर्दरल्दरायमाताल्दरावकात्मलद्र। महिम्मन्त्राम् वर्गाद्ररा लखु-ब्रेन्स्नेन्स्यान्द्रिया रस्यस्यात्स्यन्स्यन्स्यन्स्यन्त्र् かんとというとは、みんだしたいのかにどかられていている。それに、あたが、当然… रस्रकार्त्रास्त्रीयन्तर्दर्या व्हार्ट्यक्तर व्हार्ट्य वास्त्रहरेत्या यहम्यन्तस्य वर्षः १ श्रेट वास्त्र सम्मयास्त्रीत्ता <u>वर्षित्त्रम् त्या</u>र्यस्यास्त्रीयत्त्रम् वर्षेत्रस्य वर्षस्य वर्षेत्रस्य वर्यस्य वर्यस्य वर्यस्य वर्यस्य वर्षेत्रस्य वर्षेत्रस्य वर्यस्य वर्यस्य वर्यस्य वर् रत्युर्भेर्द्रभाष्ट्रकेत्रक्षेत्रमायर्भेर्ते। इक्त्राम्यस्य स्ट्रिस्म्यक्ष्यं। स्क्र्र् र्रेज्युं त्यं कर्त्रहर्। रेक्कर्र्यर्भे रक्षे क्षेत्राक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र र्राष्ट्रीय कर्ता यहकारे के लया ताराय के सुर्वे । गेर्या मंत्राया यह सिर्हे ल्येन सम्वयाच्यान् श्रीत्वेया हेया हेया हेरान्य प्रायम्भित्यन्त हो. स्यस्यक्षात्रस्यक्षित्वस्य स्वत्यस्य विषय्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य । लर्यस्य या त्राया है त्या संदर्भ स्वार बर्य सम्माय है मान दि स्वार (रावश्रक्त संस्थातम् संस्थातम् स्थातम् ्रिकर्षेत्रमञ्चर्यराण्या। संत्रसम्बद्धरत्यराज्ञस्यर्षेत्रा र यले.सं. या.

20m

प्राप्ता क्षेत्रामास्त्रवा यातरेयारंसावेयसा इरायस्रस्ते वेयायास्त्रकार रेर्टरेर्ज्यानुगर्भ यात्रमार्जेर्ज्यामस्य हिरानेग्रायले हैं हुगानिर रूसराह कुर्न मान्य के महिलाइए में सर्ट रेलुरा में स्ट्रेस्ट्रेस में में स्ट्रेस ग्रेलीर बाल्यास्त्रात्रेयाका श्रेर्द्यानत्त्र्रियासे माने जना ह्राधायाः र्ध्यार्ट्रा यहराक्षाचराक्षास्त्राच्याच्याच्यात्राह्याः स्रात्यास्त्रस्तरसरा तर्भ्यायाद् स्यत्यारम्यायायायायायायाया यरेवाद्रमयाव्यायायायायाया कार्रेट देंग न्यत्यस्य विकास्य के व्यक्तिस्य स्थापित्र स्टेस्ट्रिक्ट स्टेन्स ने ने स्थापित स्थापित न्यरस्यान्यात्रया। यहमान्य्यात्रयात्रम्यस्य म्यून्यस्यावरम् । व्यान्यस्यस्य मत्याया रामरायाद्वीरा हिराचाद्वाराराचेराहेरी मेराराख्याद्वीराजीराहेरा। द्वर अंग ता यत्रता भूमायार्रेष्रः पर्वायारार्वेदेशायर्गा नेदा केदावार्वेद्रास्त्रास्त्रा रेन्स्यान्त्रीत्र्रत्यम्येमध्यमध्या। ब्राह्मेख्यान्त्रीत्रवात्रह्याद्रा रेन्द्र 8 राही स्तित्रमञ्चरता। त्यातिने के विषयि देरेरेया सरसे कित्या संस्थित ब्रायमात् मेते ते तरम्भराया येरधुमात्मस्य यहेतार स्रा तस्र स्रीरमेर रक्रेरलगराया। नमरायाणनयावहेलारेन्स्य। दयलेलेलर स्मरावेर याता। या केमार्या के राया सम्पर्य तर्वा हिरास्य में यो नावर वा नावर वा गा बाध्यक्षतेन्द्रेरतहर्भाषेपरेसस्य। सन्बालकात्मकेवेवेवेवाप्यकरः। बुरसरः स्मार्थे केर्यात्री। अस्ट्रियाल्य्ये स्मार्थित अस्ट्रियाल्या स्मार्थिता ष ज्ञेनरासी राधि से ने देर । देर ने वर्षे नात्या संग्राया से मेरे रेर रेर रेपा मलकारा नारार्गम्य वायां मार्चित मार्च मार्चित मार्च मार्चित मार्च मार्चित मार्चित मार्चित मार्चित मार्चित मार्चित मार्चित मार्चित मार्चित मार् तर्गा तरेन्यू वरीकंद्रभरे। ब्रेंद्रक्ट्रिय्य वर्षेनात्त्रीय। मुस्केट्र इयम्तेक्ष्यान्यको न्यून्य विरम्परेक्षे क्षेत्रा तन्यस्यान्यस्यते रमञ्जूकी वहेंसमर्छिनंदतेन्द्रम् र्रेस्या र्रस्यान्यरतान्वीकालेस्रोदन

त्रद्रा य्यमक्षियमान् यादस्रक्षककाताताता। क्रिक्ट्रियंददर्द्वमाद्यस्याते स्रोत्य देखानावस्थरेशतस्थातस्थिता रे सिस्ने नेद्र्यार्त्तिराद्वन्य रे देरेर २ छ। देखे ्रेस्तिः सर्द्रयादाता। विकारर्द्रमः यदार्द्रमः यद्भः हिंद्रायः देशः हिंद्रायः देशः विद्रायः विकार्षे यद्यस्त्रभ्रद्यकास्त्ररा यस्ट्स्यल्यास्य प्रत्याक्ष्यरा द्रस्यकास्त्रा द्रस्य वार्यरा यास्त्रीं । वर्षेत्रा क्रियंत्रा वर्षेत्रक्षा क्रियंत्रा राजास्त्र स्वार्थित एकाम्बकात्वीयस्त्री सक्षेत्राद्रमद्वेद्दर्दे हेन्द्रेश वर्षेत्रदेखाहे न्त्यात्यर् स्त्रित्त्रकृत्ते व कार्यक्ष स्ट्राह्म स्ट्रा रस्यक्षिर्ययस्य स्ट्रिंद्रस्य सस्य स्वाया स्थितः। विद्रस्य स्य स्वित्रहरः रवरत्य स्थात्यम् अत्राद्धमार्भेर्यात्या स्वियत्ते म्यायमात्यम् स्वाद्यम्यायम् র্ষার্জির্মের উইম্জ্রীমান্তর্মনি শ্রীনান উর্নির্জী মেলার্ড্ডের নি বি य्रस्त्रेर्त्रिकार्त्राक्तार्थित्रार्थायायप्रसास्त्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत् यत्रस्त्रेत्र्यात्रात्रात्रात्र्रात्र्याक्षेत्रात्र्यात्र्यात्र्यात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्र सर्वे राम्स्यो महीदेरम् हिर्मा नम्मिया हो दूरम् मुल्या मिर्मा के महिरा प्रतियात्र स्थित स्थित स्थित स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स सीलेयकिरेक्स्यासेक्षा रेन्यर्म्हरत्राचायावम्यरेस्सानेक्षा क्रमा अर्थिर श्राप्तरे स्वाद्गार तर्या दे तर्य प्रत्ये स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स ख्रुंस्वीयहें हैं। क्षां का का राहेर या में रेना ज्यापा संस्था त्यं मेरा ष्ट्राध्यसम्ब्रेन्स्यान्यान्तेर्त्यस्यित्रा वरम्ब्रेन्यर्ने व्यन्ते स्वर्ते र्मर्सम्बित्यकेत्याक्त्यितिया सःलगाचेत्रेस्यन्त्रम्यविया समायः यतिकासरीत्रेत्रमाहिका यावत्रमातिक्रमाञ्चान्यमानुस्यहिका हारिक्ष्णयार्द्ध्यार्द्ध्यार्द्ध्यार्था याद्ध्यार्द्ध्याव्यात्रा इत्राच्यास्त्राक्षेत्राहितावय क्रियंदा राद्रायस्याप्याप्या के योक्त्यकी सात्वा आसेते स्वार्थित म्यास्त्री सिवस्यस्यस्यस्यो स्राप्तरा त्यावारस्यम् क्ष्म असम्बागम्बागम्बाद्धः त्राव्यव्य 

110 अभित्म) र स्तर् ए त्रादर एट्र । वालवायद्वी केंद्र दर एट्र । स्राप्ट्याद्र साद केंद्र भी देश शिवा नरावर्ग अस्त्रितराक्षीताक्षेत्रक्षात्रुग प्रवस्त्रेत्वराक्षीता क्षेत्रि मि idolo दर मी खेर से र प्येत । इर अमी दर मो मोमा से ता प्येत । दम् त्या ति स्या स्राप्त दिस् the as र्यतः त्रकृत्यावतः न्यरः वे स्थात्या व्यवस्थितः अर्थात्यः स्थात्यः स्थार्यः स्थार्थः स्थार्यः स्थार्थः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्थः स्थार्यः स्थार्थः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्थः स्थार्यः स्थार्थः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्थः स्यार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थाः स्थार्यः स्थाः स्थाः स्थार्यः स्थाः स्थाः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थार्यः स्थार 2 7314 3 METERS स्यतिक्रिस्तर बेरा। विकातार्वकातितेष्य राज्यातरी अर्ए के विका 改成, 1 क्रेर्यां करा। यालया यात्र्यां सर्वायाय्यात्रारी व सम्माराख्यायिकावः 一个部门 यवस्वरा नार्यस्यावयासरिक्यर्गरक्ताररी कर्मावरिस्तारविस र श्रीविकाः Black क्रेर्नेरा त्रेम् वर्षेत्रम् वर्षेत्राचार्येत्राचार्ये । भानेर्मार्यायम् वर्षेत्र bambor. त्यातायावरात्रीत्रीर्य्यात्री द्वरक्षरकरात्रात्रात्रवर्वरा केल्वे 6 वर् त्याययावन्यरेष्ट्रस्याता अर्गवेयात्रस्यारकोस्याययेन इर १८ १९ १९ व्या में त्रा त्रिया सामा स्वास्त्र त्र्ये स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र इगरदा अवदेशम्यारमे वदेशस्यान्यात्या। देशम्यान्यान्यास्यान्यद्वित् स्रेरा सार्ट्यासार्द्र्यास्त्रिं स्वायायनस्य प्रास्त्रिंद्रास्त्रिद्राप्त असस्यक्षराक्षराता हरात्र्येस उर्दरा सार्यस्य र्रायर र्राया असस्य रिवोर यायान्त्री। दरायते हो राज्यते त्यांत्रां अरादेश साधिय रहा न्याते स्थित इ.च्रेर्। केल.स्ट्रियाएं व्रेयः लेयेष्ट्रे क्रेया अय्वायप्य याय्यायस्य केशे.यासि सामप्रभागरातार्ग्यामास्य स्ट्रार्ग्य र्यात्रात्र स्ट्राप्य स्ट्राप याल्यं दर्वे याः स्वरास्त्रात्या प्रतिद्रित्यं दर्भयः एस्यद्रे यास्यस्य दे यास्य स्वर् सद्याद्र्यार्त्यायान्त्रेदा। द्रायायाच्याच्याच्याच्याच्याच्याद्राच्या सःरवः अः। रेलद्वात्यः क्रियः द्वायः द्वायः स्रेर्। द्यरः तर्द्वस्यरतः वातः नुरान्त्रेर्द्रा नर्रार्काणकार्यकार्ध्यात्रेत्राच्या क्रिक्ट्र्याकावस्यत्रेरः मस्यायातहरा मग्नियाताल्यरमात्यराताल्या स्वायामस्य सास्रेससारात्रत्या केत्रातर्भम्यार्भम्यात्रस्य द्यात्यार्भः ग्रीमायाक्त्या मेंत्राया व्यवन दसवातमाता रे वेर त्येत्र सर्वार रे वेर । अर्बेन तकातः रेवेर्न्त्रतः अस्त्रिताः व्यवेश व्यवाखेषायाः वादार्यः रेवेर्यं वातावित्रायः।

220

बन्। र्दस्यू प्रकृतित्यम् या संभागाविकावदेत् वदेव प्योत्रा स्यात्मित्रतार्ध्वाध्येदान्त्रेदार्श तह सार्चेदाने वास्त्राहो ध्रायावाद (मर इसामार्था से प्रतिस्था। श्रिकार्म स्थापत्र स्थापत्र स्थापत्र त्रात्र स्थापत्र । त्रात्र स्थापत्र । द्यास्त्रेर्या सार्वतास्तायान्त्रेयाग्रह्याया रात्र्रेर्येयाग्रह्योस्तरा पर्यास्त्राच्याः स्वयाः स्वयाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः दसक्षर्द्रक्र्रङ्देश स्त्रेद्रकार्याकार्यद्रमात्ते ता क्रिक्सं नावसाता स्रदर्भ स्रोत्रे स्रम्भेत्रस्य स्रम्भेत्रे स्रम्भेत्रे राज्य स्रमेत्रे राज्य स्रमेत्रे राज्य स्रमेत्रे राज्य स् रेन्द्रीतंत्राव्यानेस्द्रनेखार्वेद्र। दयदार्वेद्रः नद्रयाद्रवद्रमुखंद्रेग अदतः श्रीतात्रात्राप्तराश्रीताङ्गारेता देद्वाचाव्याद्वायासञ्चारेता देद्वामावसः कालकास्त्राच हिना। हिन्द्रस्यक्षिण्यूनाचारा। सर्देश्योग्यर नार्य्याः कुर्यरा स्वायुनामेत एकात्रवाकेरा हिन्यर्त्ररम्यहेर्व्यम्परा स्यून्त्रेत्रक्षेत्रक्ष्यात्यक्षता द्रेत्रक्षक्ष्यत्रक्षत्यक्षत्र। क्षेत्रक्षत्यक्षात्यत्। मिरिकादसम् वरद्यं द्वायायस्य सिर्वे कार्याम् सिर्वे स्पर्दे त्यार् दे त्री वस्त्रा यार्था श्रिक्तं संस्थान्य होता प्रास्था स्थान्य प्रस्ति स्थान्य । इक्किन्द्रात्मित्रक्तार्थ्याराद्वारा अस्त्रेत्रक्ताराक्ष्यार्थात्। राज्यात्रात्ते। राज्यात्रात्ते। ल्युक्त्रियारमानुरः क्रालेकिन्द्रिक्षिक्षाता तहवासिद्वातिमात्र्यः. तर्वाको नेपा देवदेविजातमा क्षेत्रा देशेमा क्राया युव्यक्ष वास्त्र ने खेता त्या भेदा देर्दरक्षेक्षक्षक्षक्षक्ष्यद्वर्षक्षेत्रदेश क्षेत्रक्षक्षरात्वत्यदेवस्यक्षेत्र द्वर्यतिष् क्रस्यावेखायते। नायरसेवास्त्रेराकोर्क्यायर्तन्त्रास्त्रेराकोर्द्धायार्तने नामसारत्य्रस्त्रिकेक्ष्रियस्य स्वरक्षाया सायक्ष्रार्ये स्वरक्ष्रियस्य विकास यया भिक्षाह्या यक्तरस्यात्रका रय्री र्यात्रेत्राचा वर्तिन्द्रम्हर्त्यद्रा गत्राक्षेत्रः सस्ति यास्त्रित्याः सक्षेत्रायाः वर्ता याः द्वीताः तर् सर्वार्वे वरल्रा केर्यरस्यान वर्षर्य यह वर्ष्य यह वर्ष्य स्त्री दसर यान्यस्य सारा। यार्ग स्मान्यस्थित्यमा त्यार्ग स्थार्थः स्थार्थः वस्य १९। म्यालरलेर्द्रायस्त्रेर्। विस्तायिकारेत्यायारेवायास्त्रीर। द्वाण्य स्वरम्यानीतिःराधिन्। देवसःलेन्य्यान्। स्वरम्भेष्यानः यास्ट अश्रीसाल्ये। का संत्राय का संदेशका सामा के से संदेशका साम राज स्थान इरा छिर सार्ययालाला स्वीव रीया रखे. व्यास्त्री में यो स्मारी स्थान लयान्त्रं स्वाप्तं नेस्वर्रित्रं में स्वर्रित्रं में स्वर्रित्रं में स्वर्रित्रं में स्वर्रित्रं लम्भिर्। ड्रिक्सरलासाजकाक्षणकाना से कुर्युक्ति खेलाल्या ने ने कुर्युक्ति

792 वयम् र्यात्यात्रेर्यात्रेर्यात्रेरा व्यायेष्या अत्यायात्रात्यात्रे मेरेरा [철리] र्युर्यालय्यारद्यप्रया। सद्याद्वातात्वारद्वेत्रस्थात्वाता य्त्रस्थास्यः यद्रेत्रद्रद्वात्वात्वात्। सहस्रायद्याद्वेत्रद्वेत्रस्थात्वात्। यद्रद्रह् The second यु नेक्षान्य ने ये प्रत्ये का विषयित है तर् में में का का का के पूरे पर का अका. र्। अ.स.र्.रूर.र्र. र्रेयायायया। यरम्रतस्य स्किर्यस्य र् यालेन्नाते यति खेनाया को मुख्यानया वर्ते द्वा सम्मानेया सामाने समाती। सम ८.म्.स.इ.म.स्याद्वेराध्याल्येता यरास्यत्यस्यायह्यात्यात्यास्यात्यात् चत्रमास्यात्राहरूते। संस्ट्रास्य स्वयाहरा। स्वस्ट्रियात्राहरा। स्थाहरूतार्थरः। स्थाहरूतार्थरः। स्वयाहरूता लेका क्षेत्रे हुए या। ए वि १०० व्या देशाया या ते खेरा। संभूत अवस्था असा एक्ता भिरामकान्यम्यः द्वाराष्ट्रियास्त्रेत्रात्त्रेत्रातास्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् बूदरिताकुर्तायामा तार्रे नमराकुर्त न्या न्या मायाय रार्ट्या मायाया हुन-नामन्त्रियातह्रमाम्बर्गन्युक्ताम् रामानम्यान्यान्यास्यान्यान्या इम्द्रा युम्पाम्य म्यापियो द्वापान मेर सम्मान म्यापान । विर 大きるとかがいい、あいてはちらればといっているがとかいうかってはいれ मूस्यान हें हुर न प्रमा कुल कुर्याता ए यत्न हुर्। ए क्रियं न सहि यर रे. श्रें प्राप्तर कर्षाता। स्ट्रान्धर कर कर का ने सार स्वर स्वर के हैं करे करें म्बरावम् इत् स्त्रेय्यात् त्यानरहेरा ह्र्याः स्वायायायः स्वायम् स्क्रिया वेस्याः ह या या या अपर हो से से के देश हो से के साम से हो है। दे हो राष्ट्रे रहा है हो या यह साम हो हो या हो है। यर् ताए हैं रासम् ला के भा म्वार्कर अनुरे के बाल छिए मलमा तर सुन्दर करें देवा यह महमारे मार्थेदे। इन्हरी क्षेत्र मी भिया महिन्द्र में पारा मार्गे नाया यह में केट्र नार । तसर है का धर र का ताले सका तीया दर में वा केर खेता खेता या विव मुरमर्मम् भेर्यर्भित्रे हेरा हेया बेरस्या यह महम् हैया रूर्वर स्मेर्ग्य क्यमः ये.की.करी इत्याना वर्षाता ही राष्ट्रिल्य ये बुरायद्वा यास्या वर ही.यास्या स्था स्था लुनु य के र र पर र य के सूत्रा जया सी रेंग्ये बाला सर के बाहु में। बेर हिर ही तरे हिर श्रद्धान्त्र वित्रत्रेद्धा । भी श्राक्षाकात्रत्याक्ष्रद्रा अवाद्यरायाक्ष्र त्तरत्रेत्। हैं.लर्. मृष्ट्रं मध्यू मृत्यं मध्यू म्यार् स्थार्यस्य स्थित हिर्स सम्मे रूर्दर वद्रात्कार वद्रमिनेनेन्द्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र वद्रम् वर्षः

नर्रावेश। सर्महिरकाङ्ग्यान्स्यित्रा, वस्यायङ्ग्यरात्र्या

यारद्रभादेशाविक्या अद्ध्यक्षास्त्रिक्त्र्येत्रत्या क्रद्रद्रस्य भवेत

न्। इत्राद्यस्विते तः विवस्यस्योतः। द्यत्युरस्यर् त्राष्ट्रस्ट्रतावस्यस्ति।

क्ट्रा नालराजायाम यद्श्वरायाद्या नाम्तर्वनाम त्राया प्राया तया अभेतेरे स्वयक्ष्यकारमा उत्तर मेरेन कर वहुं मार्थे के वा स्केर के स्ट्रम्ड्रस्यूर्। सम्प्रम्रद्राचर्चार्चार्यार्थार्थार्थार्थार्थार्था तहत्रम्भात्रा हर्द्रतेतर्क्यस्यक्षिणेधिका वसमार्यस्यरेयरेवर् सुन्यता संस्थात्यवार्धिकार्यस्यास्त्रा सन्दर्धस्यमस्त्रास्त्रीता ब्रेन्स्अद्भा विरामकार्यानात्रम् स्वेन्द्र्या रेट्र्यावर्यात्रम् विरामकार्यानात्रम् सरदालकास्त्रस्त्रेजादस्त्राद्रस्त्रद्रवाद्रेतः तस्तर्द्रस्यातिस्त्यातस्यस्युत्। क्या मेरव्यासर्रिया इस्तमस्यरमो क्रान्यरमो क्रायह दे। इस्तर्रस्यरख्यहेन हिंग्ना व ल्येनस्त्रान् स्त्रत्वस्याक्रेयावस्त्राक्ष्यात्र्यस्त्रान्ताः स्तर्वस्याक्ष्र्यस्या र्नेबेर्न तक्ष्यं एसर्ज्य अयम्होत नामकर्त्रेत्या अस्त्रेन्या स्ट्रेन्स् च रत सेर्झ्स्स्स्य स्वयायायायार रेरा हेर्यर्ये येत्रियास्य क्षिप्रकार विवास दे। तद्यान् र स्वक्रियर स्ट्रेंट स्ट्रेंट्र स्ट्रेंट्र त्या के त्या है नार । १९ वर सन्तर्भार्यर देवार देवोस् । देवास्तरायर सार्वा स्रोत्यास्तर र स्वा देवारे में राज्य के कर मा अंदर राष्ट्रीर राष्ट्रीत के का कर कार मार्स मा का की मार्थ मा नह या है का महत्री हैकालाक्कार्यरा अतिरस्वती केंद्रिया केंद्र हेक्स सकी वहसायरे। रेक्ट्क्रायानकान्द्रिमानेब्राटेश कर्षकान्त्रेट्स्य्यंब्र्ट्राट्काकेट्रा यावादरका साम्यस्य स्वर्णात्म्याः क्षेत्राः क्ष्यम् प्रतिस्थित् स्वर्णाः स्वर्णाः स्वर्णः १८९६ वस्तार्वाकारोष्ट्रा सोस्ट्यायावयास्त्रात्वयके। देवस्येयपदित द्वीत्राहरा संहैकानमान्नितास्ता नुस्यानमान्त्रिकात्रहेमान्द्रा स्यान्यतिये वात्रा विकासित्री द्रायते वृहेद्रात्ने यात्री देश्यात्रायाः हिंच्यं वाया राष्ट्री सन्दर्भ नर्दे याने न्यान सम्मान हो। न्यान राष्ट्रिया न्यान राष्ट्री पर्राट्टा ल्युप्त्रचा के रहिया गुर्था पर्याप्त्रा हा प्राचित्र मा स्थापित हिंद हैया इसा स्टेंहियाक्तायेरेना देसेमजाहमारेयरायुगायास्रेरा व्यवसार न्यसम्बद्धिरीया देत्रयार्वेदरद्स्यार्थे राज्या न्यसेर होत्स्य वस्याध्यम्दरा क्रम्हेक्कार्यारम् योदी नर्यक्ष्रिययरित्रते वस्या सर्मसारीदर्भनेम् इयोता द्वार्यस्तिमार्डेयार्डेन्से। द्वार्यस्तिम्रोसी

सराना निरंशाः कार्यास्थार विद्यास्थार केरासरेखाने स्थार सार्थित क्रियाती इसर क्रांस्का होन्द्रमा करवा स्रावता होना कर देना कर दरा द्रार होने अ केटबा महस्यरम् स्यामितः स्रत्या एक्स्यात्वा राज्यात्वा स्राम्यम् स्थात्वा त्रारखेरक्यः ्रिम्कर। स्ट्रिक्टिया इस्कालक्ष्यात्यात्राम्यात्राम् देक्रेयतास्मान्त्राम् हर्द्या नर्यः सम्भेत्र्यं याद्रयवास्यः ख्रीकामहर्ययाव्यास्त्रहेत्याव्यास्त्राहेत्या ख्रीका अष्ट्रम् स्ट्रान्त्राच्यात् । द्रान्त्रम् स्ट्रान्त्रम् स्ट्रान्त्रम् स्ट्रान्त्रम् स्ट्रान्त्रम् । स्ट्रान्त्रम् स्ट्रान्त्यम् मुम्द्रमा तथ स्त्रे स्तर् हेता स्वर्धा माराना वया स्त्रे त्या स्वर्धा स्वरंधा स्वर्धा स्वरंधा स्वर्धा स्वरंधा स्वर्धा स्वरंधा स्वर्धा स्वरंधा दारामन्द्रितात्वराद्या क्षे-वर्षादेखाय्यायाम्या नायद्रत्त्वरावः रूपार्श्वराच्या अव्यक्षरहराजीत्याम् सरा श्रीरिस्ट्रियायाम् या पूर्वप्रियः सेप्राक्या। अछ्यस्य स्थित्यर्भा इस्याप्त्रा ल्याष्ट्रेन्द्रस्त्रात्त्रा वः मनाभावतित्त्रत्यात्यः। सायवयद्द्रस्याध्येत्रस् शुरा। हिरासेंगायले.हो.रशवातास्ता। र्यासे इर्याप हुरवसीसाईरा। सा स्यान्त्रस्या स्यानुस्यस्य हेत्यहेत्र्यः ज्यान्त्रात्यः स्यान्त्रात्रः । स्यान्त्रात्याः वस्तिया। कावमाराखाराद्रः केल्वरक्षाताक्षेरतद्वया वेद्याकेरविद्या के.यंकाप्रदेशकरका में रांचरी में.यंका। मंग्रेगमेल्येय में किर्धित में रेट्रे न्यत्मेत्रातम् वर्ष्त् व्यायत्। यावम्यव्यत् न्युर्यत्यत्यात्र्येत्यत्याः रसम्भयन्त्रम् रा. त्रम्यल्याम् ह्याम्यम् ह्रम्यसम्बद्धः त्रम् दर्भेरा। स्ट्रेलक्षामनमञ्जूनमञ्जूरा श्रुरमानिर्वरम् तर्याभी। तर्रः यहर्मार्वरहरूते। तहस्यक्ष्येयस्य सम्मित्रक्षेत्रक्षात्यस्य रालयाक्षास्त्रां राजावरायान्यरायान्यतिक्षेरमेवाताक्षासान्यति। होराहरेकान्यः क्षेत्रक्षात्रा क्षित्रक्षेत्रक्षेत्र क्षित्रक्षेत्रक्षेत्र क्षित्रक्षेत्रक्षेत्र लास्ट्रेर्स्सा शाल्यक्र्रं मार्थ्यक्रेर्यार्स्स्य सर्मा सर्म्यक्रियार् ११वाचारिता चित्रास्त्रेत्। श्रारंशसूर्व्यत्त्रेत्वात्रास्त्रेत्रा स्टलवाज्ञेत्रास्त्रेयत्रेत्रास्त्रेत्। हारेमें ध्यर यादि अमेर सोरा द्यत्य वन्य <del>महेर</del>मका ० म्या द्या स्थरित इर्ट्याक्षेत्र अक्ष्येत्र वसम्मद्रम् वसम्मद्रम् विकासस्य विकासस्य विकास ल्यसारवर्ग स्यायास्त्रक्तिकात्मा क्रीमेक्सालक्षकी महिरास्त्रास्या नस्यस्य स्यान्त्र स्यान्य स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान सुयायप्र या राजकरः याला है। देरा क्रियायार्य प्रायक्तायाया सार्थ सा ब्यायान्त्रवारात्रयाम्यायायाः तोर्। द्रम्हेन्यावेकान्तर्रियारात्मान् श्रेष्वान रिग्रतियाता । विग्रतिया स्वर्धिया स्वर्धिया स्वर्धिया विभवा मान्येत्र मान्येत्र मान्येत्र स्वर्धियाता विभवा हेर्त्र स

एक।। ।श्रद्भवत्त्रयाः स्त्राः दरः द्वाराद्भा स्त्राः स्त्राः स्त्राः द्वाराद्भा स् व्याप्तारम्यान्तिः। ब्रिक्मिम्यान्त्राम्यावयायान्त्रेः। क्रिक्ष्यात्त्र्रे कुमायाल्या हिंदश्रीयक्षक्षक्षायाला यमस्य स्थाने क.इर. ११४४ वर्षेराक भूत्रा र्यायक दे स्थात के स्थात हैं। त्तत्रभवतः हुन्। दुन्तुन्तान्त्रः । कुर्वन्तान्त्रः । कुर्वन्त्रः । कुर्वन्त्रः विक्रां कुर्वन्ताः वर्षान अधुक्रेत्रास्त्रम् स्वा मास्यातात्रात्रमानामात्रात्रा स्वात्रात्रा देवात्रा अक्टें क्रायदेश द्वर्यक्र केंद्र कार्यक्रिक्त त्या त्या क्राया क्राया क्राया क्राया क्राया क्राया क्राया चर्रा केरत्रक्ष्यं क्ष्यं स्वरम्भूक्षेत्रवारमा रहत्य्यम्पराह्यास्य । स्वर्ष्यम्पराह्याः यानेसामा जयात्रं पुर्स्य प्रदेश राज्यात्रं । क्रार्य क्राय क्राय क्राय क्राय क्रार्य क्राय क स्थलाहीस्यार्केराकेराकेर्द्राता स्ट्रिक्ट्रिकास्तिमीमार्केचारिया। रायारीद्रयाक्षेर् १ १ वे द्रिक् कर्यास्त्रक्तामाक्त्रा क्ष्रियाक्त्रक्षाक्ष्रक्षाक्ष्रक्षात्र प्रदेशक्षात्र प्रदेशक्षात्र प्रदेशक्षात्र प्रदेशकार्यः स्ता लद्रत्यं स्त्राचीया सं त्या है। त्या स्या स्त्राचीया स्त्रा सार्थार स्पूर्य संस्था कार्य कार्य स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स च्रामान्त्र, यर्ष्ट्रसेरातात्त्र्रातात्त्र्रातात्त्र सालामात्यात्रात्त्रे वर्ष्ट्रसात्रात्रे स्याम्या रेखावराम् रावर्षायाम् सम्मा म्यूर्ट्य कार्यास्या द्वस्थायः द क्रेर्टार्ट्सान्यस्यत्रत्रः द्वर्त्यत् वात्रत्रात्रः क्रेर्ट्रात्रः क्षेत्रत्रः क्षेत्रत्रः क्षेत्रत्रः क्षेत्रत्रः लर्बाक्षेर्र्त्यम् अर्गः रत्मेयक्ष्यायहेम्यास्य त्या स्रोद्द्रस्य द्वास्य र 当人にくれる セイカンラに、まないがくのからからからいかいというないという。 あるかんと स्याधिकत्त्रेभागा कृतामक् केंद्रवाम्यक्षा राज्यर्। स्यामक स्थानक स्थानक । करल्या च्रेर्तासवार्त्रेत्याद्वत्रत्या सेत्रातासवार्त्य विकत्या कर्ता स्रोद्राक्तम् कुर्केत्रका १०० व्यालहा का अमा किर्द्धात मुन्न मेरी किर्वाली प्रदेश मेरी सर्वास्तरर्रे के स्वीर्या द्वास्त्र तर होता । स्वत्यस्ति स्वास्त्र क्रिया कर्ण होत्या स्वास्त्र नियंत्रात्रुक्त मुद्देर भुद्दिर को प्रमिने ग्राह्म मिन्स मिन मिन के प्रमिन प्रमिन के प्रमिन के प्रमिन के प्रमिन एक्तिस्यायम्तर मेस्रिन्द्रियम् स्थाने निर्मात्या मेर्सिस्य सेट्यां केस् स्रास्त्रमावसास्यासारा क्रांच्यार्यसार् मार्म्यायात्रा से कार्यक्र

Second name to Hor 3 बेटा वा कुला निर्मान में मार् एटर असा ने में मारी या का मिर कुला र में में में में 大学を出ることが、またからことのとなるでは、大学がなる。あるとはあれば、してし में यात्राहिताहमाहितासालयकासा याद्रावर्की नेव्या विका न्याये संस्कृति यात्र क्षेत्र देश कार्यक्ष प्रकार क्षेत्र कार्यक्ष क्षेत्र विकार क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत् उर्द्रात्र्रात्यः यक्षेत्राक्ष्यर्यक्षेत्राकत्याद्यस्य स्रित्रेत्र म्या लहे नार्य हे सामाना में हुद्रा एक्ट्रिक्स्यूर्ट प्रसाद है रहे हुआ। एक्ट्र हरम्याय रेस्क्रिक्या त्रार्य केसाय संगठेस सम्भा रेमस्यायम यस्य के हुर्द्रा हिनेका सुक्रत्य क्रिया यस्य या। स्वरायक रात्या याक्षरा स्तर्राष्ट्री नार्वात्य प्रतास्त्रा क्या द्वावर भ्रष्ट्राच प्रतास्त्रीता यावत्यात्रीत् स्रोत्यमार्ख्यात्रम् मार्का। नायात्राक्षेत्रमारक्षरमार्त्रमार्ख्य नमन्त्रमान्त्रीर्द्धाः र्यः। द्रीसिन्द्वीक्षेत्रात्योद्दरा हरस्यकृतिसार्वेहिदा स्रेयसप्यत्येक्ष् सर्थे. हो देरा दास्त्वे यासायाले. हो स्वयंत्रा के यह न दे के ले से प्राप्त या के मुद्रा कुमालकात्वयाच्चरक्षणात्राक्षिता द्राट्यात्रवाक्षरकाद्रमाक्षेत्रवाद्रमाक्षेत्रवाद्रमाक्षेत्रवाद्रमाक्षे 4 क्या では、」をよっていままで、これというのとこれなるが、は、まないれるとれて、 युर्दित्रत्यक्रत्यका। यहत्तिः भुयान्यक्षेत्रः क्रीक्ष्यक्षेत्रस्य द्वत्यदेशस्य , बुराशकात्रे सूर्यस्त्र्यस्य स्रित्राच्यास्य स्रित्राच्यास्य स्रित्राच्यास्य स्रित्राच्यास्य य । विष्या स्वर्षा विष्या स्वर्षा अस्य । विषया स्वर्षा या । विषया । विषया । विषया । विषया । विषया । विषया । विषय यत्रम् द्वीरतिम् स्याप्तिम् स्याप्तिम् स्याप्तिम् स्याप्तिम् स्याप्तिम् स्याप्तिम् स्याप्तिम् स्याप्तिम् स्याप 631 あならいのからできていることのこれであるが、日本はあるというと となくなかなされまからなくていていましています。しているはいいないといいないない हर्यानियामान्यया रहेते रक्तात्र्रेर मेर्स मार्कात्र द्रार प्रश्चे हे होराया हरीन--7कर्भ ११ सहस्युक्ता सन्वावस्यास्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्य युर्य प्रसारकार म्यानिया म्यानिया म्यान्त्रिया स्थानिया स्थान्त्रिया स्याप्ति स्थान्त्रिया स्थान्तिय स्थान्त्रिया स्थान्त्रिया स्थान्तिय स्थान्तिय स्थान्तिय स्थान्तिय स्थान्तिय स्थानिय स्थान्तिय स्था सरम्बे कार देरत्य र से कार देसर्थ र हे कार हे स्ट्रिक सामान र र दे हो सामान मिना शुःस्यातान्त्रं द्वित्यायोः स्यातार्थाः स्याद्यात्राद्याः यवतः सिद्यान् सिद्धारेतान्त्राद्यार्थाः विद्यान्त्रा श्रेमस्य केर दोरानतरस्य स्यम् वित्यात् म्यार्ट्या स्वति मून्या स्वति मून्या स्विता याद्यरम्द्रात्राह्मायः द्वादम्द्रियाद्यम्याताः महित्याद्वम्यातः त्रियद्यात्र्यात्

।अड्डिया। देरत्रेत्रार्या द्रेमदेन्याय क्राया क्राया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क इस्ट्रस्ट्रस्क्रिक वेदा वव्या नेर्देश्या इत्रदेश्चित्रक्रिका सीक्ट्रस्के रात्रे कार्य नस्यास्य वर्षेत्रकेत्वात्रक्षेत्रत्त्र्य स्वत्यस्य स्वत्य स्वत्यत्य स्वत्य स्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य रीय तैयावेशिक्षे सम्बद्धार वेंदर दरहर स्ट्रास्य प्राचीता समस्या तरे केंद्री र्यमारस्र्यस्यस्यास्यात्वात्वत्यत्यत्रस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्य रस्के सिंग्य सहस्र द्रव्यक्षक वार्र स्ट्राय के राज्य के के के के का कर राज्य रहते भ्यासिकासीर्यावयाम्भरतासीरा अराद्याकार्याः यद्यातास्यातास्यातास्या होस्यारा दिस्यामस्यरम्स्य नियम् नियम् नियम् स्त्रात्रकार्याकेत्रात्रेत्राकेत्यतीक्षकीत्रिकेक्षेत्राके भवेकायाला देर्द्रायहार्यादश्र अक्ट्रिक्त करन्य करी क्रूरक रेड्डिंग्स स्ट्रिक्त स्ट्रिक्त के में स्ट्रिक्त के के दिन कर के ने दिन कर के यला दिस्स सिक्ता में बिर्दर महास से समार हिंद्रिया। देस सार्यात प्रदेश वासी मुर्देर्दरवारम्भं वयक्षे व्यक्षे व्यक्षिया र्रसा अवार्यायक्रीरम्ब्रीतियक्षेत्रहर्म्याक्री क्रेबायात्मारीयवयाः त्यसंस्त्रेत्र) हिंदम्यसंस्थानेसंस्वितानेस्द्रायात्रेद्रस्थानाराष्ट्रीयरिन्यसंस्थाना swhitein क्रेंबिकालक्षेत्रसम्बद्धः वागवस्युर्द्ध्येवस्युर्द्धरातिर्द्धाः देश्ह्रीदरस्याः स्यान्यत्यमा स्यान्या देशाया स्वापने स सम्यरम् द्वार्यरम् स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य । एक्स्प्रेस्ट्रेस्र यप्रस्थान दुर्हर्स्य में, वुर वस्रसन्ता। अध्यक्षेत्र मान में सने दे वर्षा ना तर्दा क्रिक्षेत्र स्रोदेशक्षेत्र स्रोद्धेयाक्षरा याध्यस्य याध्याप्य स्वार्थिय लायद्वारक्षिणविष्या क्रियाक्षेत्रेत्रेत्रक्ष्या स्रद्धार्यावस्य स्रम्बस्य स्थानिक विकास स्थानिक स्थानि सुक्री क्ष्यवर्ष्यरक्रर्स्य भीत्रका देर्प्रक्षित युर्ख्या कलक्ष र्स्ट्रेन्स्ति तरत्रपुर्याः। क्रास्महेत्यात्रेकात्रक्षात्र्यात्रेत्। स्ट्रेस्ट्रेन्द्वीत्यातः सुरिल्लुन। क्षेत्रसद्द्राद्राक्ष्यस्त्रेत्रास्त्रेत्राः स्यासस्य राग्नेत्रान्यस्य मुबिरम्यकामुब्रकालका का सम्म्यक्कान्य या म्याव्य सेर्ट्य करा मार्च्यक्षेत्रं र र्वक्षा केरी कले.क इक्षरक्षर अवरे । वेसेन रे केर्दि यर्भेद्वराष्ट्रेसरेक्षकी बेक्षरा विष्यम्या वावसूया द्रया त्यास्त्री वेकासती.

क्रिक्स्य स्थापि होरा। एका सेरामकी मिक्सिकीरा हो तका मेरिस्किकारा या लयनीत्रक्रमध्येकेन सार्देश रहमाश्चीरकेष्यम् तार्थेर्ता रक्षण इट्याह्या हुट.यक्षक्रक्रकाक्रात्यात्ते विस्त्रत्सेस्याक्षेत्रात्यात्तेत् स्ट्रेस्या यक्षर्यत्र म्यान्याद्याक्षाकार्यर्यस्त्रेत्रा सम्मन्यस्य न्यास्त्रम् इस्कर्रस्य प्राचित्रस्य प्रत्येत्र । यहास्य व्यवस्य हिर्मेर्रिंग व्यवस्य प्राचीत्रस्य प्रवास स्वात्यात्यात्वाता होत्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रेत्रस्यात्रीत् श्रीटात्रवास्यात्रीत्रस्यास्यात्रात्रस्यात्रात्रात्रात्रात्रा रहेरास्यात्रात्रस्यात्रस्यात्रस्याता सुद्गिरं हेर्ड्स्येया राने वर्षे म्यास्त्रियात्रम्याः अध्यात्रम्यायात् त्रिक्ष्यात् स्थान्यात् । त्रेक्ष्यात् स्थान्यात् । त्रेक्ष्यात् स्थान्य रमम्ब्रीयम्यक्ति रित्रेतिकोतिक्षेत्रम्यद्रम्थाद्रास्यकार्यद्रा हिक्यम् स्र यु.स्यर्भराष्ट्रा काम्याम्य्यं या मेयावास्याम्यास्यास्यः व्याप्तास्याः व्या 419.31 のかっかいかいかいからかんかっていまっていまるとうないとうないとなってなる。 क्षीत्राठ्याकायप्रकार क्षार्याच्या राज्याका स्थापन क्षेत्र क्षार्याच्या क्षेत्र क्षार्याच्या क्षेत्र क्षेत्र क स्रित्र क्षार तर्य क्षेत्र क्षेत्र प्रति क्षेत्र क デュー 大きながれるいだのようださいにおより りょうせくからないののあり दर्दिनम्बाक्यानात्वात्वात्वात्वात्रम् स्वाद्यात्रम् वात्यस्यात्व्यस्यात्वेत्वस्य 南大公司的大学之过数文·1 新女子的大学大学大学大学大学大学大学 ই'ব ह्यास्युवयात्रकार्म् राज्येत्विरक्षित्रमाख्यां क्रियायका अस्यार् はたい、かんとうというだけ、かんというなべきなるというないというないない सका राजे हुत्रा लूद्रा इंद्रिक होस्ट्रिय वेया कार्युटा प्रकार्य द्वारा करिये का व्याप्त は、ないればらば本子となってい、ままるようとはないないないのでは、ある मूराच्याना होरादर्वरा योगस्मार्कार्का विराधरवासेराजेता सुराक्कार्य प्रमार्थमार्से हेस्। डिसेमार्ल्यम् प्रमाप्ता एत्रमार्द्धमार्थस्य र्वाया स्रोतः । मण्याद्वाया क्रेट्रहेर् हेर येट्टर या व्यव्ये से स्राह्म स्र サンダナーナンロイノンスタイノ かかかいかいかいかいかいかいかからい

इ.से.युग्र.ह्यायक्षेत्रा.यना प्रक्रम्यायमा यात्राम्यूरक्षर द्वर द्वामायय

शुःचलका स्रुरः स्ट्रम् स्वरूप्रस्य रग्रेरः संभ्यान्य स्वरूप्त विद्रा वार्ष्यः स्वरूप्त स्वरूप्त

य. छ्रास्त्रेयास्य साल्या छ्रायास्य स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त

共争工、秦中心之后,西山大之生出如为,其知如,要少多少的之后也不是如此是是

वक्षा । नार्यस्यर्द्द्रस्यव्यव्यविद्यस्याः । तस्य वर्वराच्येताः कुरियाने सार्यर यहरा दर्यार विवार विवार के क्रिया के क्रिया के के क्रिया के स्वरम्भरम् जलस्यायलं संदूर्यम् मुस्याद्रम् स्वरम् मुन्तिके कार्यस्तुरे यर है। यालक यालू प्रत्या प्रदेश हैंदर का है। का के का याला। याल सार प्रत्य द्यां कर के इं या के रे की स्वेश के स्वर् के र र के दुस्य कास्तुराताश्चाराता हें स्थाना दुस्य कार्या स्थाना स्याना स्थाना स्याना स्थाना स् भड़ित्र। नर्मे अर्डेश्वरके बर्ज्य के बर्ज्य अर्थे समर अडियक के प्रकार । भड़िया दर्रालया ने के स्पूर्य ने दर्भ ने देश। का वस दि से मार्के महिता रेक्स्प्रमाणक्रमहोत्रस्या सर्वान्यार मार्ग्यामा क्रुप्रस्ति १९९। म् उत्भारतात्त्रम् द्राप्तात्त्रम् क्राप्तात्त्रम् क्राप्तात्ता स्ताप्तात्त्रम् भह्मरेहरमान्द्रदेश राज्यायाष्ट्ररयाण्यामा मेर्रहे। क्रिंट्रेश्चर्य स्ट्रिय स्ट्रिय विश्व देरलर श्रीरको रक्षा कर्रा छोरा श्रीरकार्य कर्षेत्र ते करे म्ने संक्षित्रमान संवद्भा मुकारवे याले के शुने में में मह में मह मारे में में म्यानदेरा मान्यामीत्वीत्यामार्थेदा १०म्ब्रिस्वीयमाराष्ट्रामाराष्ट्रा र्रेक्ष्यक्रिया वर्ष्ट्र्या वर्ष्ट्राया वर्ष्ट्राया वर्ष्ट्राया वर्ष्ट्राया वर्ष्ट्राया वर्ष्ट्राया वर्ष्ट्राया यान्यु ब्रेस क्री मार्च एत्रियो रमता श्रम ब्रेस ब्रेस मार्च र मेरियोस मार्च मार्च र दक्षेत्रमात्। कावस्यावरसाम् मुक्तिस्यरा स्रीटस्येर् बेर्म्सरस्या रहेता। मर्ग्याद्वित् मृत्याद्वित् स्ट्रिस्या द्वेर्यस्य नावस्थति नवस्य रातस्य रातस्य । यहत्रमा केर्या स्थार केर्या देखें हैं स्थार केर्या है स्थार है स्था स्थार है स्था है स्थार है क्रायायास्यायन्ता नयत्त्रेयास्यास्यास्यास्यास्यास्यास्या ल्युरायास्त्रित्यास्त्रेत वयास्त्रेस्यायस्यात्यात्या हिरस्यायस्या इकामक्ष्रम्भेर मक्स्रिक्षि विस्त्रमार्थेष्ट्र होरखेर भार देखें की स्वास्त्र क्रित्यक्रकुक्राप्रचेराक्षत्रात्मात्। स्। द्या स्त्रात्माद्रारा याष्ट्राहर्रा मास्रिक्षात्राह्य मालवाद्री विमालीमामाध्रमात्रीमहोद्दा रहरदेवेराममान महेद्रात्र्यम्या द्यान्यक्ष्मव्यान्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्य री वर्षेत्रेयवरक्षाव्यात्वेता वहस्त्रिर्वेत्वेत्रा वर्षः यावानास्यास्य स्वास्त्रीत्रास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास कर्म्यन्त्रद्वसम्बन्धान्त्रम् न्यन्त्रम् न्यन्त्रम् पहुत्रकास्तर ुद्धर्ष्ट्रेराक्रेरकास्यायासासासासामा इर्ह्यास्य मिनुस्कार् नारस्य राष्ट्रां राष्ट्रां वर्गा केर्रिका वर्गा केर्या स्थानित वर्गा स्थानित इप्रकारकप्रास्त्रिक्षकार्याचार हर्त्रेयायले.के.ह्या.यहेर्त्ये सुर

कुर्यान्य कि. यं में या के प्राप्त के प्राप् करी द्वारायाची कर के अपनित्तर के के रास्त्राय स्थित ता ति वित्तर होता かいかんななるならないできないがく せんしょうまなかいいとかかかいかいしか याय तुर्मित्राम् सार्थियाता । इरत्याम सी पर्यासिक स्वासिद्धा स्वास्त्र इर. मु. प्रदाल मार्केमा उड्ड मार्च कर्या कार्य कुर का यह । ये बादा कर मुस्ये. त्रक्षात्राक्षात्रा द्रियम् अस्त्रम् स्वाद्यायायाया द्रिया वायवीयी विस्तर् युर्यात्रात्र क्रिरालेयानाले के स्थार्यात्रेत्यात्र क्रियालेया क्रियाले क्रयाले क्रियाले क्रि सुर्द्रप्रस्थिते स्थान्याया याता। लेक्न्यप्रदेशक्रेरस्याः देल्युः। १वर्गायका शिक्त म्याने स्ट्रीस्ट्रिय में द्रियं मार्जु । हैं कार्रिस्ट्रियं मार्ज्य साम्प्रेस्ट्रियं रिक्षमात्व। क्र. स्रमा खुराया सेर्यो रयर्र्य क्राया स्ट्राया क्राया स्ट्राया स्ट्राय में भिष्यान्य सिर्वतः यापत्यत्यत्याम् वः यादः ल्यूद्रातः वालः सिः यः ता न्दर्गामासाइदर। द स. के. के.र यथार केर्य यद राष्ट्री। सेक्टरेश विक्र प्राय हिर्द्धाः राष्ट्रीय अक्षरास्त्रवद्धाः ताः स्वात्याः स्वात्यः स्वात्यः स्वात्यः स्व य अस्यान्यास्य । सामान्यत्रेत्रात्य । सामान्यत्रेत्रात्याः वित्रात्याः वित्रात्याः वित्रात्याः वित्रात्याः वित あれがい、はれから、まる、まる、またいとうでは、でんだい、とうれるいっていると स्रम्जामार्श्वरम्यार्श्वरम्यार्थित्रम्यार्थित्रम्यार्थित् च या असूर्या अर्डरे । व अर्ड्स की राज्य से कि स्थार के हैं के राज्य है या राज्य है वर ३ म्याया स्थाया स्थाया की तर स्थाया है या तर स्थाया है स्थाया है स्थाया है स्थाया है स्थाया है स्थाया है स्थाय स् क्रि.क्रयेज्ये है। १.में. ये.ज.प्त.क.प्रांट्र.प्रा.मू.र्टरी स्रिक्षा क्रे.प्रा.ज.या. इंद्रिक्स थी. है। इंद्रिक्स स्टिक्स स्टिक्स मान्य वा दा दा दा राम । मन्त्रित्रमानुद्रा म्यूर्युमायान्यामान्यात्रात्त्रमा स्रेतास्यात्स्याः न-रेया.ग्रंत्र.स. अक्ट्रव्या. क्यून्य क्यून्य स्त्रिया सान्त्र मास्या परि 10かなり あたか、美味のうえできないないころうできないないできな र्भेद्रमुद्रस्य म्यूर्या त्रस्या १ १ म्यूर्या मार्या मार्या प्राचित नाम्भरमायद्वा मोस्रदेवसाम्भरदेशस्याम्। स्रीस्रियम्भरम्भरम् 型、艺机等人

क्या भेट्र कुलक्षेत्र । क्रे.कुलक्ष्य क्रे.कुल्य व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष व्यक्ष र्यर्स्त्रमत्रित्राक्ष्या नेत्रम् क्ष्या नेत्रम् क्षया नेत्रम् क्ष्या नेत्रम् क्ष 29.51,020 ब्रम्स्यालाकाराव्या व्यस्यायावस्तर्रेष्ट्रास्याक्ष्या मुच्या वया। म्भूम्याता। करस्य म्यू प्रश्निक क्षेत्रा स्थिति क्षेत्रा स्थिति क्षेत्रा स्थिति क्षेत्रा स्थिति क्षेत्रा स्थिति 3252.201(0) は、くと、み、ちがいかい कारमाञ्चल की वनता होते हो। यह रात्र ही र की रहार में या वे करा होता है 学と、劉と、高大いのはたし、まためのかる、か、とうか、ことがよくといいとなり、となる स्रेर्स्यर्रित इरक्राय्याम्ब्रिक्तम् रावस् इमायोधीया विस्तरेया होत्र म्यायोधीया इम्याय में एतर्य संदेशकीर साम्याय रा म्यामक्यालकार्वावरावरका सामुक्तिक्षेत्रकामकारे। रेर्दरवर्ते १वर あくれがいさいてき、ころのでまたがいとうなら、またないかかいとうなる。 またいないないかいます これではないがらかいかい おもいなるこ नक्षेत्रहरू नह्याक्कार हिर्मा कार्यात्राक्षा यमा विक्रोत्या निर्मात्रा निर्माण विक्रो नहीं सक्ती र जुल कुर के के के के के के के के किया कार का मुक्ता में साथ के किया में साथ के किया में साथ के किया में साथ के किया के किया में साथ किया कारमास्त्रास्त्रका के केरते वरास्त हिस्सार स्रोक्षर तर्मा करा त्या स्ट्री मान्या कुरेन्द्रियका रेत्रक्षकार्यक्रमकार्यक्षेत्र स्ट्रम् यमरत्रत्रम्यस्य देशकाराध्या द्वीयरस्य स्याप्य स्थापित स्थापी द्वारी स्थापी देशकार् मक्षेत्रम् कुर्या र व्यवस्य स्यर्भिराक्षेर्राक्षेर्राक्षेत्रा हिर्द्यस्य सर्द्रिकः सर्वाद्यस्त्रीया रोक्षणकानुस्य क्षेत्रस्य हिरायामा कर्या कर्या हिरायो विकास्का वर्ष्ट्याम् रामप्र दे स्थितिका विवादक्षा त्र मानुस्या विवादक्षा मुक्त रक्षमक्षः सर्बेष्ट्रेराक्षेत्रप्रक्षमा। लक्ष्यं क्षेत्ररान् क्षेत्रेर्ट्रेर्ट्रेर । । समाग्री में मार्गय का दे डिराल्या। इस्ट्रिंग मार्थे व्यापा का पर्दे लागा हु के स्वयन श्चरक्षेत्र । म्यान्त अहर्यक्षेर हे । क्षेत्र क्षेत्र के विकार के विकार के विकार के विकार के विकार के विकार के रकाला कार्य इस्यार हे इत्या ही से बीव के देशा इस्याद वे वसाय है। मण्डा हा वें न वे स्याद होत सोसीसीस् यरेक्यात्रमाध्यासीयाची नात्रकीयसावराध्याकी रहती वस्तर्भाक्षकत्तेत्रस्यात्ता क्ष्य्रस्थ्याञ्चरदेवसङ्गा स्रोत्तर्वेदर्भसः त्या अस्य अस्त विद्वाहर हो करें सा क्षेत्र स्ति स्व स्ट हे के तस् । स्व साल करि । यत्यावयाता मिल्यू इंबल्यक्त्र्यंत्र्यं व्यक्ता ठ्रमा ब्रम् स्ट्रिया देस्या यदमारामाती के इक्कर में में कर मार्टि में प्रत्ये प्रति निर्मात्र निर्मा यहत्रक्रेम्यान्त्रेर्येष्ट्ररेर्यात्र्र्या क्ष्रियात्रेर्या क्ष्रियात्रेर दुस्के अथला असी यन प्रवासी हे की मिला हिंदी से अभी देश प्रत्य की मिला है।

121

इस्ट्रें इत्तर् द्रेर्डिरस्य सूरी स्थित्य क्रिक्ट्रेडिरी स्थित का का स्था स्था स्था नुस्र कार्युर कार्युरा केर्युर मार्थित केरा केरायू हो कार्य केर्युर केरायू मार्थित केरा र्तान्त्रेसर्भुष्ठास्त्रेम् वर्षाम् वर्षाम् स्वरंत्रस्त्रेरस्याम् कार्याः उर्देशकार्यकर्ष्या करकार्या करकार्यम् जात्रकार्यकार क्षे स्रात्ता संवद्भावत्याम्या स्रित्याक्षेत्र व्याप्ताम्याद्वत्यामा व्याप्ता स्मित्रिकार्या स्वर्षाताता सम्मान्यार त्या स्वर्थित्यता त्या स्वर्षाया देवता विद्या यस्याल्याः वा क्रिक्तित्यात्र विदेशका क्रिक्तिया क्रिक्तिया क्रिक्तिया क्रिक्तिया क्रिक्तिया क्रिक्तिया क्रिक्तिया याद्राती यत्रात्त्रियावद्रित्रायात्रात्र्यात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् याद्रातीत्त्रात्त्त्रात्त्त्रात्त्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् स्तेरा देशकर्ष्यां ने ये साम्यां का साम्यां के समाप्ता का त्रिक्त प्रति के स्ति। व かいかかいていかいないかい かららいま、なからかないないなべて ずんとからない ひと、彼な、私人がかりなって、は人とからなる、ちょうかいがれている。 となったがいて、からくかか、新書いるかまかい 単いたとからからますし・・ サンサインが、アンドル・アンドランド・アンドランド、アンドラー・アンドランド रकार्यका राम्यार्थकतम्मर्थकत् राम्यार्थः विकार्यन्त्रः सम्मार्थकार्यः। .. 日本をおいまで、からからからしかっていまることから、はいっかいがら はないしいないが、はまれます。 あるながれいかいかいかいが、 おっていからがない かれが、また、かんとないでいからから まかっとうしょんなんない ररायायद्वस्यो स्वरास्या श्रीत्रायाता । ब्रिस्ट्रिय त्या स्वरायाता स्व अरतर् のはかれています。といればいるないといいないとうないできているといっているという लर.प्र.स्त. कुर्यं दुरस्ट्यायक्षेत्रायाता क्षेत्रक्षात्राच्याताता विद्यालया या मिलाकाया मक्षेत्रकारीया मुर्द्रास्यानेकार्या रयारः .. ましていまし、していまり、あためとかかいなからないとうないからない यादाः स्ट्रिया या दूरमदायायां के त्रामा मार्था द्वार में मेरिकट सक्तिक्रेक्षण्या यहे महाराष्ट्रिका वर्य हमा वर्य हमा वर्य हैंग क्षेक्षक क्षेत्र होता वर्षे उरायरायम् । राष्ट्रम्यायाः स्थानस्याः स्थानस्य स्थानस्य राष्ट्रम्यायः दर्भ न्यस्त्रीयात्राहरूत्यार्थ्यस्यार्थ्यस्य वर्षस्यः द्वास्यात्रास्यात् स वरर्रियाकार्या रेस्स्यान्या रेस्स्यान्यास्य म्यान्यास्य स्थितास्य स्थाप्तास्य स्थापत्रास्य स्थापत्र स्यापत्र स्थापत्र स्थापत्य स्थापत्र स्थापत्य स्थापत्र स्थापत्य स्थापत्य स्थापत्य स्थापत्र स्थापत्य स्थापत्य स्यापत्र स्थापत्र स्थापत्य स् 

2 Feeth

ं 3 स्वास्था

उठ्या । रार्यक्षेत्रहरची हेंबातायाम् रायायाम् तारा तर्वा या विवासी गुरा भियारी ...ग्रमानिस्यपरास्त्र्यं ग्रम्त्रेया स्ट्रिस्यम स्ट्रिस्यम स्ट्रिस्यम ... स्यरमिट्रि यर्रायार्भम् म्याने माने का अति यर्थायाः स्मार्थायाः स्मार्थायाः स्मार्थायाः र्तिकृतिका के मार्वे सम्मार्का के कार्य के सम्मार्के के विष्यं के विषयं रायु रवया हुर् ये व र य दु य्याद दब्या हु क्या रेस के र या दि या में द ला द प्रे व किया ग वर्षात्रेमात्रेमा वर्षात्रीतात्रे तर्रात्रात्रात्रात्रे क्षेत्रात्रे वर्षात्रात्रे इ.प्रा.इ.प्र.इ.प्र.क्ष.प्र.दूर्व कार्याया यूर्य्य स्थार्रहा यद्वा क्री भीक्ष्यस्यास्त्रारा एक्रेस्ट्रेयला इंस्ट्रेस्ट्रियलास्युयद्यद्यस्त्रीत् थे.. सम्तर्येतीर्भरपेर्भर तयर की गृहस्य स्वेत्र स्वेत्र स्वीत्र ती स्व स्वाता स्वीत्र स्वीत्र स्व स्वीत्र स्व स्वाता सर्। र्युरस्थितारान्य्यायात्यायात्यायात्यात्यात्रात्या प्यर्यक्षात्रकात्रकार्यस्या रक्षेत्रकार्यस्य रामस्य कार्यस्य र्यास्य । १३ स्वा १००० व्या १०० व्या १० श्चिरमाम्येत्रेर्यत्यत्र्र्रम् अय्यष्ट्रम्या अद्रम्योत्यर्गात्र्यः हे स्यापर्ग नस्यतिस्रें सर्रात्मान्ति । द्वित्मीन्त्रे सत्य्यान्त्रसा अक्रेत्रार्थि दीभारे असे समा त्या कारा र्यात संति हो। परे त्या अस्ति । अस्ति ने रामक्रीकामा। स्रावर्रार्वेदर्वेदर्वेदर्वामान्याम्या जेमायवृद्विक्री म्बर्द्धा रकाक्षिर्दिरम्यर यात्रास्य स्ट्रीर स्रोत्यास्य र यसकार्भेराख्या रक्षामध्ये हेर्या यात्रास्य स्था स्थास्य स्था यक्षेत्रकर् स्थारित्या। देशतकर्द्यास्ति स्थार्ष्ट्रियः। दरत्यार्द्रायर मुद्भार में हैं होरा १० में सेर जंसायी रेया वेसाय सरी संस्था सी बरेगा पक्षित्रहें रेवहवासीता वर्रात्रकारे वर्षात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्यात्रकार्या म्यार के उरक्षेत्रवेत्रकारा समे राज्या द्रम्यकार्यस्य रेम्स्रेरम् भेष्टा वास्ता क्ष्रीयरकार द्विक्रियुक्षायरकाकाष्ठ्रराज्यसा रक्षिक्षराक्षरा इसा देवसार्थः रेयारारमधार्यरेरायसभा। केरासायमास्यासमार्थिकारा र वयकारीर्याम्सर्धियामकायायायाया योर्रेर्रेर्वियर्रेस्व्याक्रकायाये रस्टर्स्क मसूक्ताकृति खरावहीदकाहोरा। द्वारक्ष से देशकुर्वकाहीराचाः おかくるとうないないがようとうかいい、いまたかっかいとからいかい द्याकाम्त्रारा स्वारम्याकास्त्रास्त्रास्त्रात्तास्त्रात्ताः महीर्डे। युर्र्रारणर्थर्रम्याक्षेत्रकाक्षेत्रविक्षेत्र अद्वाद्यात्रकार् क्षान्यन्त वर्ष्यम् क्षान्यम् स्ट्रान्यम्यन्तः। वर्ष्यम् वर्ष्यम् स्ट्रान्येषा

13)

यर्दरायावश्वराद्वेश यार्चात स्ट्रियाद्यशास्त्रावद्याद्वात लेट्व के. कुर्युक्तर रामका देशका अर अप अप क्षाक्षेत्र के विद्या कर जिर से सुर मर्द्राय्त्रें। सरमायत्र व्यानित्रेत्रात्र त्या न्त्रियात्रा いこのならいばく のかまがらのないないないないがらし をずなんない यहे नेकारर वस्ति सर्वाता चीरा रे केंद्र की नक्षासरी यात्रा सुवन सर्रा इर्स्यास्य अर्थित्या स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स् स्या श्रीत्रेम्स्य स्याम्याम् राम्याम् राम्याम् राम्याम् राम्याम् स्याम् कुमा मुक्तम्मर्वस्याम्भाक्षमा सम्भारम् स्थारम् स्थितम् स्थारम् इर्डेर्टिस्य मार्का स्था इर्ट्स्पर्। वर्ष्ट्रिस्य देश्या वाका वर्षे ग्रेस्था हिर्देशक किया कर संस्थानी दे देनाता त्रिते वेसा सहिता है। देन च्याम्बर् त्यंत्रक्षेत्रमा व्यस्यायानुक्रित् यक्ष्याम् सुरा रेक्र प्राय स्माना साम्रा साम्याक्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् त्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् बंदाक्षर्भेत्राक्षर्भेत्रे में रूर्रार्भ मीसम् दीतालार्या में में होता महीता म्देश्या व्यतिस्था स्त्रात्या सिन्द्रा सीत्र्या स्वारा स्तर्या स्त्र व्या रेंदैवरक्त) देत्रक मदादर्वाच देवाकी कार्यपा दे देशका व्यवस्था क्रिकेश के देशका कर् केष्णाकारदा यत्रमद्भयाय्यायायाद्यीयाच्यापदेववन द्राद्रस्थ्रद्राका अल्लुल उद्यान क्रिक्ट्रेयाल्ये में माना त्या स्थान क्रिक्ट्रे मार्थित इर्म्स्रिट्याक्ष्या रचक्रर्र्म्म्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या मर्नेन सर्माय दरहरा रे स्थार के मार्थ विष्य मार्थ मार्थ स्थार है के रा सुना के जारा दुन्य खराया की सानदार होरा के साम प्राप्त देश दार का स्वार होरा रा 少年をあるいってはから大田で、またいでによるおれているべかのかれるとれるよ मुर्देश स्रित्र त्रा वर्षे वरा कर मुस्ति वा कर्र है ते रे क्रिय दे हिंद रक्षका इस्रेश्रेर के का निर्देश राय दे रक्ष मान् के राय के राय कर र सरभराक्षे.रं.लाक्षाय्यरं सूर्येत्याव्येत्यत् यह यह यास्याय दे वेत्रास्य स्त्रेस्त्रेस्त्रेस्य प्रत्ये व्या क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रि あ、山はめ、あ、くりと、大くなく、沙女」か、あかってか、このなか、からし、からて、 

। अनिमया ने स्वाक्षा द्वाक्षा देवा का का के वा राजे का । मञ्जूकारेन्त्रका देश्यर्त्तरक्षीत्रेष्ट्रकाराचा क्रांबरेनवित्रस्य देश्येत्रा सर्देश्वाय नेवद्वायययकाया। रग्भाव्यामस्यायविवयास्थेयवे यक्षत्रभेत्रस्य देव होरामीला वर्ष मे प्रकृत्य सेर्प्य सेर्प्य सेर्प्य सेर्प्य क्रुन्न अर्थर सम्दर्भन वर्षात्वका में क्रिक्ट में दर्भन दर्भन वर्षा र दर् तकार्रेस्तानिक क्षेत्र कार्येस्तिने कार्यास्तिन करात्रास्त्र स्थाने र्शस्य स्ट्रार्क्रिके केर्ने विकर्त्या रक्षा कराया साम्येत के केरा हरी से त्रिःसूत्राक्षत्रकतरामान्येकार्यस्त्रोता कास्ट्रकारम्याकेका रेपर्वहर मर प्रस्थान के मर्म राज्य त्या वा त्र के त्या का वा विकास के त्या के वा विकास के विकास के वा विकास के वक्ष्यादेन क्रियानसम्माद्वेस्त्वेतामात्यादेन रेप्तेर्यासस्यादे वैद्वया स्राष्ट्रियमाता रमगार्यम् तथायवस्या रस्त्रे तस्राप्यमा रेत्रमुद्रित करे दररमंद्रम् मणन्। छिद्रप्रकृतिमास्यक्ष्यास्यक्षात्रेत्रा स्थार्थ्य में वामकायेति वेरमाया। दमाये स्थितर ब्रुटा में दर्ग वरर त्रकारा केंद्र तर्बे का क्षेत्र के कर रंद द्वीया कर कर के के के के के के के के カマガ・スションス・カーガ・カル・ナット・ナット・ナター・ナダ・カカ・ガラカ・ガラカ・ガラカー・ स्रह्मास्त्रात्रा रचेत्रयां हित्रकां सी में में ने ने ने ने सामायां हित्र सामायां हित्र सामायां हित्र सी निर्म इस्रायकातमा क्रिक्ने रेर्ट्य क्रिक्ने रेर्ट्य क्रिक्ने रेर्ट्य क्रिक्स है उत्रक्षा रेक्ससरमर्यं मध्यक्षेत्र ध्रायाक्षेत्र स्थान्ये व्यासराराध्य अस्तर्रत रम्नल्यात्रवत्रवत्रविद्यत्रस्त्रियः रक्षेत्र स्क्रास्य स्वास्य स्वा म्यस्तित मत्यास्यात्याक्षेत्रस्यम्याः कार्ययाः कर्त्तास्याः वर्षतः स्त्रास्याः र्वडरा मज्यस्यर् ड्रस्यरा यदम्स्रिक्ता をかっますないと、はははないないないないないないないないできますがあって क्रीका द्वाराखन्यका क्रिसरकायरे क्रक्रेर्स्याकारे रार्त्र रममार्द्यस्यकार्त्यस्य स्थानस्य रहेर मास्य स्थानस्य स्थानस्य यास्यास्य स्थान्त्रास्य स्थान्य स्थान् श्रित्रेत्रत्यराक्ष्रहेत्रा यूर्यर्भे त्याराक्ष्रहेत्रा यूर्यर्भे त्याराक्ष्रहेत्रा द्यार के अधियासका मानवाकीत स्मार्का वर्षेत्रको अस्तरम् वर्ता व्याम द्रमान्या क्रेन्जुर् नावस्यतिरिक्समत्त्र्वाराव्या रेन्स्यात्त्रान्द्रार

izet

कल्या मही कामार इंका मिर्द्र महिन्द्र महिन्द्र महामान स्थान मान यात्याक्षेत्रप्रकार्याक्षेत्रप्रकार्या राद्यक्ष्येयाविकात्रा द्वायक्ष्येर यावप्रस्थरभरम्भूत्रं स्राह्म्याव्यात् मूर् स्त्रीया मित्रा राज्ये क्षा ग्रेटर के मार्के की कर राज्ये । राज्येक とあるかかいあっていかい あかがかれていかいかんしまたり स्यासित्यासे याताला अर्डाताता स्रिते का अस्ति। देश का असिरार त्यात्रार्भ्यात्रे देश्वात्यात्रा द्रायाद्यार्थ्यात्र केतात्रात्रात्र याण्यात्र वित्रात्र वि रणियोजकार्यात्रसमीयोगा वासीक्रम्साम्बर्धाः दर्ग सीकेत मर्म्स्यान्त्रेराहरात्रेरात्रेरात्रेता क्रीरावरोतात्रात्रात्रात्रेता स्वानरोका म्यार हिमारहमार्या न्याराचेरामार्थास्त्रेतिस्थितास्यारात् बालाका रर्का में मेररे लार र रयर का का मर्म मेर मेर परिया पर्या करे न्या के स्यान्या करिया दानया के कार्या के स्वरेश कीयान्ते के मेरी विकायरे के मित्र के ति मार्थित रामे देखा य संस्थित रहे करे वर्षे के का अधिका अधिका अधिका स्था । त्रमार्थ्यरेष्ट्रमात्मकात्मेरी राष्ट्रामीयर्थायात्मेर्यर्भार्यर्भा というからかだべかべく イカイスの一種ないできるいろう みっから किन्द्रस्यक्षराश्ची यस्यस्यक्तिस्य क्षित्रस्य स्याताली लिला कर्रा दरस्य देश स्यान कर्या स्थाराही उर्यक्तक्तक्तक्तक्तक्तक्ति । क्रिक्कक्तक्तक्तक्ति । यावत्र. अयक्तक्षक्तक्तिक्ति व्यक्तक्तिक्ति व्यक्तक्तिक्ति । व्यक्तक्तिक्तक्ति । व्यक्तक्तिक्तक्तिक्तक्ति मानेत्रामान्यरणात्मेत्रामा। यर्रान्यमान वान्तर्रात्माना मान्वत्र ある、かっかっていないなんない से.श्रुद्धाः क्षेत्रेकारा सर्वकार वृत्ता कर्ता रत्र वादास क्षेत्र वर्षेत्र का यात्राक्ते वर्ध स्ट्राम् अध्यात्री । त्याक र्वे के से स्ट्राम केर केर र् ने म्याप्ता कार्या कार्या कार्या द्राया द्राया कार्या म्याप्ता मार्था इ.क्षेत्रकृता १०८ हर्ष्ट्रयाका में का काला विकार देश कर या श्रीय प लूद्र्र संद्रभूद्रातिराजात्त्रेर्यात्र्र्र्र त्यात्र्र्र्र स्यापालरार्ययात्रिकेत्र्यमञ्जू マンガ・し、至くして、イングをあるから、う、」うなみ、スカン教、子が、ありかぞく यकार। केर्ध्यस्य रास्त्र्य महित्रत्रा श्रीरास्तरावर्रास्त्राताला स्व यलमार रामकार्यर्भे हिंदी में तर्यक्षावर लार हार हैर मही

/ यम्ब

ने में बहुत मार

3 # 1

लंद्राह्मारा संदर्भ श्रीट्राह्मार के सार्थ स्वर्धिया के शास्त्राक्ता व्यापायायायायायायायात्राक्येत्राक्यात्रा र्याच्यायायायायायाया र्यम्भक्षम् क्षिया। द्याः वेद्रम्भदेशकान्याम्भावकाः विदेशका निर्याप्तराधिकात्रात्ते विधानेर विधानेर विधानित्रात्रे निर्वे विधाने विधाने विधाने विधाने विधाने विधाने विधाने र्योत्। तरेनेरेन्द्रेरकावियान्यानेरावहेन्यक्रायस्य स्वीतिक्षितार् देरत्यूत かかが、少くないからないないというないないない。これできることできることできている。 उत्तरात्र्यं भ्रित्ये स्वास्त्र स्वास्त्रायात्रा हिर्द्र द्रिया स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास् देरेनाज् द्वार्यस्य सर्वाकारा यदास्त्रीय व्याद्वाचे द्वेर देश्ये वास्त्रस्य द्वि स्ट्र स्रेर्रर्भिक्षायाव्यात्रस्क्रिवस्यायात्रस् र स्थान स्थान स्थान ज्यासाम् कर्यक्षर्यक्षर्यकार्ट् हियात्क्रास्क्रेम्सान्यरास्य स्ट्रियात् स्येरमास्यान् द्रान्ता वावम्याद्यम्यान्यम्यान्यस्यान्यस्यान्यस्य रक्षक्रियाम् केर्या स्वास्त्रीया त्यासार्यस्य स्वास्त्रास्य सार्थिया स्यारमणकातमा द्वाना स्रेरे सरेत की स्थार स्वान से स्रेत एका ना 型上型、あられらいないによって、あれ、上局で、イン、かかいから、くなかをす... पर्ता चर्ताति स्था स्थार रेट्र रेट्ट्र रेट्र रेट्ट्र रेट्र रेट्ट्र रेट्र रेट्ट 其かからからからままでは、新華である。はからはからないあいますいか。子参いろれ なかがらなったとうといっていることにいることがあるというとうないとなる。それにいる र्यराक्ट्री राज्यकार देशक्रिक्र करिया है। का क्रिक्र में के क्रिक्र के क्रिक्र के क्रिक्र के क्रिक्र के क्रिक्र की भेक् या त्याया स्थाया । देरायर की स्थाय हो या दिवादा रही स्था विदे मार्सेर्यद्रभयोत्मयंत्रार्था यास्यंत्रं देश्चेर्यास्ये स्वर्थात्रं स्वर्थात्रं स्वर्थात्रं स्वर्थात्रं स्वर्था 4 Schot यमाराम्यामान्यामान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम् स्तुर्धिकामान्यत्याम् स्ट्रां स्तामानास्त्रात् । वा लर्स्स्ट्रिक स्थाने रमर्थे र विसा नर्स्ट्रिक वर्षे विसा स्यास्त्रीत्यास्त्रास्त्रीयास्त्रीत्रास्त्रास्त्रीत् रकात्व्यसायास्त्रीयात्रीयात्रीत्रात्रीत्रात्रीत्रात्रीत्र वर्रा देवलाक्यरस्यर्राहेत्र हेराहेरा देरर्भवात्र केवलका हराहा यलकास्त्रितारालकातास्त्रिताला त्येत विस्त्रितारम्यवतः विदेशातास्त्र र्रेस्स्रेस्स्रेस्स्रेयमात्यक्तस्यना यावस्यास्त्रस्यानात्त्रेरा ल्युन मिर्या वात्र मार्थिया प्राया क्रिया क्रिया

1 द्वा । युक्त । युक्त वर्ष के कार्य ने के कार्य के कार के कार्य क क्षिक्रमा अत्रक्षी विवसार्या हे स्वास्यक्षा स्वीतिक विवस्य स्वास्य । त्रास्य का नेता व रेंद्रम्य की देवा नेता के का का माने के बेंद्र के के देवा है था। जन्म मार्थित्याविमाद्या सार्द्री ब्रास्ट्रिक की की ब्रास्ट्रिक की की मास्मित्रास्त्र र रेक्स के नेर्ट र रेक्ट्रिय र स्ट्रिय के स्ट्रिय स्ट्रिय ³वाक्षेत्र राम्मेर्यमायाता। देसं इ.सि.इ.सि.इ.स्.इ.स्. हेर्य प्राचितायाती हेर्याया स्त्रेलकामा वर्ष्यरप्रदेश्ते स्टब्स्योधेकेकाकारका वर्ष्यस्त्रेलकार् चर्च्या चर्ता वर्षाक्षेत्ररेत्यावत्रयारायाकः व व सरमानद्रितः ब्रिंगालद्र। अयव्यक्षायद्वयक्ष्यक्षेत्र्येत्। देश्यादायक्षेत्र्येत्। 等色之情的面的一点是不是不是不是不可以不是我的一天不是 अभिक्षता स्थापन्त । यान्यायते क्षायते क्षायते स्थापन्त स्थापन्त । इस्र माराज्य में कर्ता अका अवदिस्य स्था का ते विद्या ता । को स्था है का की भू महत्वेत्र मास्रीकातम् कार्यान्यान् कार्यान्याः वित्राच्याः वित्राचयः वित्राच्याः वित्राचयः वित्राचय かれはないないないます。まてないが、なみながれまって、はまっていかないで、 ·美文型的 或是正位是型如小 少生如何大生如子的子的一直不知的一种如此也会到小 कुर्र में या का यू पूर्या दिका ने से देर हैं। दर हिर हैर देर का रामा। यह र हे में की को रामा 四日本大學大學大學大學大學大學大學大學大學大學大學大學大學 र्सुट्र.के.। रमयाहास्त्र, वं एत्रा एत्रा कटा कटा कर्त्रा स्ट्रास्त्र के ता का जेसा एकि おくというというがかかんとうないなって、ようないというとうとうとうないない उठ्डाक्त्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम्भाष्ट्रसम् なるからから マンとないはまたことになからいないなかないなられていてなかってん अयकार्र स्थार्य त्रा त्र में केवाका रार्ट केट सार्ट प्रायित सामित मानास्या केवा ६ वर्षतासुरः। सल्तुद्राम्द्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्याद्रयान्त्राद्रयान्त्रम्यान्त्रम् केरमुक्ति द्रायक्ष्या त्रुक्ष्मकात्रराष्ट्रम् स्थानमार् द्राया द्राया द्राया र्रुट्रियुक्तिः स्वर्यस्तितः अभयात्रः तयाः स्वर्यः स्वर्यः स्वर् स्ति स्ति कारकार सार्वा कार्य एडेंबाकार माता जिंदार्या करा देश मात्रा का कार्य कार किर केर कर कर हर र्यासमाम्भेत्रेरारा त्रक्षामीर्या देमकार्यसमासार्वरात देर्द्रात् वर्ष्ट्रा कार्यास्त्राम् स्वितास्यास्य द्वार्यास्य द्वार्यास्य स्वर्धास्य विकार्यास्य द्वार्यास्य

単いいいストスメンシュキ・ギンタ・イス・クルのからからは、できっていい。サイ・

एक्सा के बुबा रहा रह से राष्ट्र मारा माना माना माने राष्ट्र माने हो हो हो माने होते. र्रम्यास्त्रस्य विकासीयम्या नेर्या कर्या मन्त्रस्य म्या मन्त्रस्य कर् かか、はら、うかがか、あれて、ころのようとうしてかかったが、ないからかって मै.चट्रया.चेल.सर्यारायरायरा र्ड्या इंड्याडेयासेट्राडेयार्थायास् कुर्यका यक्षित्राचित्र त्याया त्याच्या यक्ष्याच्या त्याच्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या व्याच्या व्याच्या मूर्यार्थर्यरक्ष्यं अञ्चर। देर्द्राद्रकायाः वे तद्र्र्द्रिकायाः क्षेत्र मुभे,रा.डि.स.सूर्याताका पूर्याक्षाक्षाक्षा भ्रम्भाष्ट्रमा क्रांच्या क्रिया भूमेत्या मुक्ते साम में या प्रतास क्रिया है या अपन मा स्वास मा प्रतास स्वास हिंद्र । 我也去如此道上里是我各种人本不管不好不好不好了到,这么不知么是工工的不是可以 ないないくって、おっているのでは、これできないとう。 おっていまいるという क्रीत्रे प्रस्थानिया के रात्रा मार्थिय क्षा क्षा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्रिक्रम्भेस्त्रेत्रे क्रिक्राक्षाकारणक्रियेत्र क्राल्यक्ष्येत्रम् या चरता से मृद्धायाया इंदर्दरा मृद्धायाया से स्वार्थिय है एड्न ख्रे.र्ट्य अपूर्त र्डे इंक इंक क्षेत्र विकास र्ड्र विकास र्ड्र विकास रहा के स्वेर हरा है स्वर्डरी よくよれが、とうか、よく あれなんかのままかればないないない」 からませ यथ, यर्रास्त्रें प्रहेशायाम्या। दश्यामात्य्र प्राप्ते व्याप्त्रा त्र्याकुरा कार्यस्य स्थान्त्रेरा केलान्त्र स्थान्त्र विद्रा र्वेद्र हिंस् का सद्भी को बेद्र का देवा के स्थान के का क लपुरा जंकातात्र्यस्यत् विगर्यद्वाराद्ता निस्त्रिके छे रयर्थे नेर्र 出到的一直是一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个一个 与子女的一只是我们的我们的我们的我们的我们的我们的一种是一种一个 中國大多山海山村、海南南山田村山村山南北南京山村、山村、山村、山村、 तक्षान्त्र विराम्प विरामान्त्र नेत्रान्त्र नेत्र नित्र नेत्र नेत्य नेत्र नेत्य कार्यन्त्रम् विकास्य विकास योग्य योग्य विकास योग्य य

きょく しぶきし ヤサススかいあっちはないない かっかいしんだく とうご क्रियापारहरा। कार्यस्यारमान्यात्रा मा। वस्याक्षाम् रामाध्या ह्यादेशा करार अग्रेबदार दरमें हिमान होर हेर हेरा में मार्ग साम करिया カルションをなったなからかって大大小できたいから、一下の山は、イヤーとは、 シャンサイントートライ 大変をからがまれていたまたからかいからます からからなか (क्रमात) क्षित्रकार्माकीकार क्षित्रकार्मा क्षित्रकार क्षत्रकार क्षित्रकार क्षित्रकार क्षित्रकार क्षित्रकार क्षत्रकार का क्षत्रकार का क्षत्रकार क्षत्रकार का क्षत्रकार क्षत्रकार का क्षत्रकार का क्षत्रकार का क्षत त्रात्र्रेत्ररामणा क्रमाके क्रमाने व्यक्षित्र न्त्रत्ये क्रमाने व्यक्षित्र されるなべかってからかけないかいなとれるとうと महरमा रेत्याले मस्तरण रिमार्ट्या में स्थार्य में स्थार्या स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ स्थार्थ सीस्टेररम्स्टिररम्स्टेन्स्यर्थन्यात् द्वर्रम्यर्थन्यात्रस्य वर्षस्य इरम्यासने क्रमें द्रा वरकेया साम्यास्य द्रात्र । द्रा द्राय या क्रमें है नर्द्धार रसकारस्त्रिकार के विक्कुर्यर नर्दिक्षेत्र स्था कर्मित तरीर व्यर्भिने हेरिहिल्युव्यर्ग व्यवस्थान व्यवस्थान のからなが、まならいかれんかったとうとれたいろれからかれれるころのでまれ क्रिक्र केर्य इयकार अविकासिकारित्यके वार्षा महित्यकिति स्वित्यक्ति । सूर्यास्य प्राप्ता विक्रियात्रीय स्थाने स्थाने स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय いるとうだっていますがないましていいとうないできないできないないというとうかってい स्रकेष्य्रेर्रारी सीरहरास्क्रियास्य राज्यार्थे स्रक्रियार्थे स्रक्रियार्थे स्यूक्कक्ष्यक्षा वयामास्यर्राक्ष्यक्षा स्ट्राक्ष्यक्ष्य म्ब्रिंग तरेलेम्लर्मस्यम् द्विमा रेक्रेमनस्मम्बर्भस्यने सुक्री मूर्यान्यात्मारक,कार कराउददाक्षेत्र,क्षींककारक्षेत्रत यत्रक्षेत्रक्षेत्रत क्रियात्वर्या क्षेत्रक्र क्षेत्रक्ष वर्षा कर्षेत्रक कर्षा कर्ष्य क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक क्षेत्रक श्चीरा जलासी रहे रहस्केसरहेरासी इस्स्रिक्स रे विकासिक स्टिक विकासित वं स्रायायम्याव्यायम् रा द्रायम्यम् स्रायायम् केरायायम् ह्यान्द्रद्रम्यान्त्रेर्द्रम् मेर्द्रम् मान्द्रम् स्ट्रान्य स्ट्रान्य स्ट्रान्य स्ट्रान्य स्ट्रान्य स्ट्रान्य उम्बाक्षितिर्द्रत्रस्य देन के करित्या विकार वर्षर्य वात्र दक्षा रहे का स्वयासी र क्रिंद्रम्ये के कार में द्राया तर्रे हरा। त्रा क्रिंट्रे तह्रा द्रा स्वरा निकर्त क्रार्ड्स्क्रिल्ट्राज्या देन्याकाकात्रेत्राक्ता मुख्या मुख्या र्भार् हर्र्यर्शिकारमानुसार वर्ष्ट्रमानामान्त्रमानसार रस्यान्त्रमान्त्रमान

ं नेतर्राचित

युका

4 Eay

२.चर्यायाण्यात इ.का.प्रांड्रीयाच्यात क्षेत्राक्षात क्षेत्राक्षात क्षेत्राक्षात् । व्याप्ता ग्वस्त विकासीर्द्धाः स्वास्त्रस्तात्सा व्यास्त्रेत्रस्तात्सा स्ट्रसः श्रीरमं रहे ता स्था राज्य स्थार रहेर रहे ता राज्य स्थार स्थार हे । ता स्थार र 生のないからからまって、多からからないというとうというというとうとうとう いてき、から、後になっているというという、あるいできるというというとなっていることとと स्यासी तरी के जाते से यह देशा अस हिर तर् यह रे ते के शास के हित्या स्थाप できないで、あいまなななないのなるながあれて、から、これをあるとうかいますい かってきまる、これでは、おいかいないとうないというとうないとうというとうかいからから できょうとうないないというないできるからいますいていることできているとうなるとうかっている क्रांदरेक्ष्रमञ्जरमा क्रिक्ततेयक्षेत्रः क्रिक्तम्यक्रिकार्यस्य कालाकारादेशताथरात द्वारामास्त्रेतेत्वत्याकोरत्याकेत्यक्ता वस्यक्ति वात स्वारं नर्ता स्राह्म स्वारं निकार न्या स्वारं राज्य स्वारं राज्य स्वारं राज्य स्वारं राज्य स्वारं स्वरं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं लुमा द्रमत्मित्रेक्ष्यं मान्यान्त्रा व्याप्ते स्थान्यात् स्थान्ये क्ष्यात् स्थान्ये यदासाई वायहेका व स्वाद्येत रह्याय हार म न्यस रहेका गुरा विका あっているですべいというできているいとなべるがからいっちんとというとうと यलकारान्त्रेता इत्यस्य व्यक्तित्त्रेत्र्या केत्राम् क्रियाम् क्रियाम् あるいられているとうないとうとうできたいかがっているから इस्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र हेर्या सम्मान्यस्य स्थान्त्र देवयाक्षेत्रम् या क्षेत्रार्या है। या सक्ष करा सार से दार के तर में दर्श संस्थान सार से हैं के हैं। या स सेर्, संस्रारम्भास्त्रम् वाद्मकी करम्रार्के हे मेर्रे ल्यानामान पहार ब्रायम्यानमा दिन स्टिम्सिमाले वार्तेन स्ट रार्त्यहर्ष्यात्रेयात्र्यात्राकार्यया स्वाद्ध्या स्वाद्ध्यात्राक्ष्या राद्रस्य साद्ध्या इस्ह्रेन्यसम्बद्धा केर्यक्षामण्डे अस्तान्त्रमान्यक्षेत्रमान्त्रम् वर्षक्षेत्रम् मिकायार्थेमा। भुस्मासेरायार्थेमार्नेद्रमारदास्त्रस्त्रात् योद्रान्त्रनुःस्त्रात्येयायाः ग्वर्रातर्गा स्वार्थरमञ्जानमञ्जासम्बर्धरम् स्वर्गा स्वर्गर्भरम् यरायर्गा। नावस्यात्र्रात्स्यं कासमायस्येष्यात्या। द्वायास्यात्रेत्रा ह्येरदेश उत्तार यास्त्रीयाहरूरत्य्य्येत्राक्ष्येत्। रग्येत्रक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्य

२८। विरुद्धारा मार्केट्सिया रूप्यामध्या रमयार्त्यु राखेवासी राजा होव 古る一 द्रा क्रेयकार राज्यकार मुंकी कार्यका कार्यकार कार्य द्राया कार्य द्राया कार्य द्राया कार्य द्राया व्या लर की के के द्रित र सर रहे ले । द्रिय र हे र के सुर र र दे ते हैं स्मा हो र र र र दे ते त्यात्वक्षरायाः वत्सर्रात्येत् प्रदेश प्रदेश वत्स्यके वेद्यास्यके क्ट्रिस्थाता रर्दे क्रिट्रेरक कर्किंग मुर्ज्य क्रिक्य दिस्य विस्य विस्य क्रिक्ट्रे या य्यक्षित्र के विकारिया किया विकार कार्य विकार के स्वार देशा दूर かんととが、かんだい、おそれがに、 まかしていませいし をまいが あり... स्याया सास्यार्यार्यात्राचेत्राते के स्था क्रिया व्यक्ते म्यू स्टाया विक्रि न्यक्तर्स्यात्मेक्या त्युक्तर्वेतः एत्रस्र्रेत्येत् व्यय्त्रेत्राकः विक र्ब.र्र्स्ट्रेड्ट.क.प्रंहिकक्षी यसमान्त्रेस्या राष्ट्रिक्याताता अत्या म् नार्य ?? PARIS S बर्गुकार्ज्यस्यक्षेत्रः चक्रियस्यस्यस्यस्यस्यस्य कुलाला वर्षे क्षेत्र्र्यं क्षेत्र्यं कर्षे क्षेत्र कर्षे क्षेत्र क्षेत 6 नवरा) विन क्ष्म्यक्रमें में त्रिक्ता क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कर्भक्त्रम्यम् कर्णात्रं रहेत्यं कत्रक्ष्यं कत्रम्यम् रेहिल्युं हेर्नेर केर्युं क्षित क्षत्र सेतर्र क्ष वर्षित के लें। व्यय र संस्थित フタワ रीतिवारा र्वास्यार्येत्वरस्मिरिक्षास्ट्रेटरेत्यकार्यरा द्रार्यर्यस्यर्विकाः कुर्मुअन्तुन स्थुनाहर तर्रवसार् हुर्र्यसानुकार में मान्ये में रेट्ट्रियं सान्ये में ए जया का ए । या वदा मार्केस मारामा यह मा बुरा में इस महा बुरा मारामा विस्ता में स्वरमा उद्देशकर्षः देस्यंस्यत्यार्थेयः व्यवस्यत्याः द्वार्यात्याः र्रास्ट्रिक्न मुस्कित्त्री यावस्यार्श्वरतार्ख्यायस्य त्या क्रिक्षाया केर् कर्रस्तात्रहरेरा व्यापिका हरेर्डर्डर्वर के प्रकार केर्रियर केर् यत्यार्ते याष्ट्रां ज्या योदायः गुवा वेया देश द्राया याष्ट्रा याष्ट्राया वेया विद्या दर्यस्यस्य में स्ट्रियेश द्राय स्वयं स्वयं सामित्र स्वयं सामित्र वार् स्वरं इंदर्स्ट्रहेर निसा हिर्केर त्र्याक्षाक्षात्रे त्रात्र्यामा ब्रास्त्राक्षार्यत्रा अत्यायकारमारमार्यार्थः कर्षा हरू। हरू जानमान्याक्षेत्र द्राचीता हैया ने विस्ताति है स्वर्ता विस्ताति है स्वर्ता विस्ताति है से किस के स्वर्ता के से किस इमम् दर उंद केंद्र को क्रियां प्रक्षिया अध्या वार्य राष्ट्र के ब्रियां का रूमार्मामः स्वार्धर्मरामः विष्यावते स्वार्धरः व्यायावित्राहरः 

स्यावसम्बद्धाः स्रोप्रेट्रस्य देस्य स्ट्रास्य द्वा द्वास्य स्ट्रास्य स्ट्रास्य स्ट्रास्य यद्रा स्रोदरीमानीसामीधीमा स्वासादर दर हर होत्रसाधीमा सर् यसिराया विवाधिरामा ववा स्वाना दर्ग रामराम हरिकी सि सि विवासि हि वांनाः स्वरं स्वरं व्यवसायकारीयाः स्वरं वादाः स्वरं द्वीरा द्वीदाः स्वरं स्वरं र्रायदेश्चिकायान्त्राच्यान्त्राच्याच्याच्याच्याच्याच्यात् व्याप्त्राच्यात् व्याप्त्राच्यात् व्याप्त्राच्याः व्य य अला में में प्रवेश या से में हु हो शायही हैं में शाय कर में में में में में में में क्ये धास्त्रास्त्रकातान्त्रीत कारामातास्यातास्त्रात्ता शास्त्रात्ता शास्त्रात्ता मान्येत्रमार्थरमोद्या मरक्त्रिसार्थ्यायम्द्रम्या मर्गाः र्मात्मा राज्याय मराया वाता करा। वात्र माम्या मराय म्या स्था राज्या या वा विका दिव 到,对之,如此人民里,近,近,在生人的人。如此也,如是一次是一个人 सर् केया स्वाप्तर स्वापार का खेरा देवकार का तम् माला र र स्वर इ.यधुअसे जार एट. क्रमेश्यून्यरात्रार हेरायार हेर् सारेगानीय अस्तित्य स्तित्य स्त र्जानुभर्यास्य देश कर्नाने हरे से देन क्रीतिस्तिस्य ता सीर्यन्ता क्रिया स्तिस्य स्तित्या 4 Junisher लरश्रीतः संदूर्य देशकार्ययेत के क्षेत्रकार्यया है। व्यरम्भिक्ता होर्द्रद्राद्रम्या त्येत्रा तम्या स्थान माली खनारो ने देन रे के विस्तर रहें में के के रेटर के के दूरर का मिला क्षेत्रमुक्ता महरम्मूक्तालाकातात्रीहरा क्षेत्रकाम्मूक्त्रकाताका कोर्रे:। हर्रस्यावर्षेत्यक्रियाचा जरिर्तर्त्रायाचीत्राय स्रोदेन स्रोदार्ड्स्यान्यस्यान्यान दरीत्यायद्वद्यम्यास्यायदिन्द्रस्या ला. भारतेराता हो मेर्ड्या मेर्डियामा यज्याय होता रया है स्थि माम्बर्भारा इ.स.र.माकायाद्यानमार्थानमा वायाव्यास्तर् ते नार्क निर्मेत अवयः सामानिक ना निर्मा वसमायः विकास याकात्मारकार् । र्याका क्रियाकीर किया याका क्रिकार्य देश यक्तीर्याधीया दुराक्षेत्रस्यस्य साम्राम् यहेत्यास्य वहार यार्थिन क्रिक्स क्रेन्स्य क्रेन्स्य क्रेन्स्य क्रेन्स्य क्रिया व्याप्त क्रिया व्यापत क्रिया क्रिया व्यापत क्रिया व्यापत क्रिया क्राप्त क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्राप्त क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्र क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया लक्ष्यरत्यम्यं स्रोदेश वेष्वनादुनास्यते स्रद्भद्रत्य कर्षेनास्य श्चिर्तियोक्यत्यस्यतियस्य क्षयत्यत्यस्य विवायत्यस्य स्ट्रान्त्रस्य दे

इक्षा । बहुस्सान्यस्य स्वयः वस्तान्यसः। स्वरः क्षेत्रः द्वाः स्वरः रच्चर्यात्ररातरा सामक्ष्यस्य साम्यात्रस्य स्थातः द्रेर्यस्य सामा क्रर्वाह्मा न्द्रदेशक्रयक्षेत्रहेर्द्या। मानमस्यितिस्थरः हिमापर्हितरदर्भ केर्रक्रायक व्यक्तिस्य केर्या केर्रा ्रेश्यात्यवष्ट्रमा स्ट्रेश्वा वर्ष्ट्रवा स्ट्रिया। द्वीय द्रेश हर हूँ र हुवा त्वा व हरा र्र्ट्रिक स्थाले मा तर्गा म्यार्ट्स स्थात स्थार मार्थे हिंदे में मेर्यार में त्रा में स्यान्तराता। कार्यायक्षास्त्ररमाविकार् न्रार्त श्रीरात्रीस्रकात्रातात्रस्त्रीत्या ८स्। भूकरभ्रे दिस्कार देवा कर्,। रभ्रे संस्थल र कु, व भावता, देव. इराकारकोराकार्या इर्रहरूभा स्वर्रहरूभा स्वर्ष्या स्वर्ष्या स्वर्षा हिरा र्ण्यक्ष्या वर्ष्यास्त्री स्वर्ण्यक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्ष्याः स्वर्णक्षयः स्वरं स्वर्णक्षयः स्वरं स क्रार्ट्सि स्रद्धिक इस्मिन्द्र स्रोम रकारद्दिर हिन्द्रका क्रुक्टरमाध्याहरः इर्.यो.य.भवका मेरासूत्रा, हैर्य हैरा में कथा कर देवी राजवास मेरेरी रहा हुई मास्तित्रे भूत्राक्षा त्रम् स्राप्त्रे स्रम्यस्य स्यास्त्रास्य स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते ふっとがより ヨニができてきてきたっているとれていれるとれるないないない स्यास्त्रिक्त वराके वित्रमुद्दा वित्रमुद्दा वित्रमुद्दा वर्णास्त्रिक्त स्वर्णे स्वर्ण स्वर्णे स्वर्ण स्वर्णे स म्रेस्ट्रेस्ट्रें द हिंदा व्यद्भे भेवर वरहे बेग्रेट्रेर वर्षे युः क्रमा में बुर्देश्चर हिन्द्र अस्य द्वारा स्ट्रा स्ट्रा हिन्द्र स्ट्रा हिन्द्र स्ट्रा हिन्द्र स्ट्रा हिन्द्र वेबाररारवाता रमजारवर्षम् समेदवर्षः तत्यारकारेन वर्षराभपसूर्वाताम कुक्तकारा राम्याम् राम्याना कर्षा विकास कर्षा विकास करियम के デュアンスト メング、これがあって大きないかく あいかがからまるがかがない ある कुर्वरप्रावावरत्त्र अन्यम् म्ययम् संक्राक्त्रकेत्रम्। युराक र्वेष्ट्र्यम् संक्राक्त्रम् युराक्त्रकेत्रम्। है केवाह्वा वहने। रेनेत क्रम एगाठियाधीत्र माने के माने के रेगा दुर्द्वा अर्था के स्वास्त्र के स्वास मकावत्रम्हिरा पर्तम् संस्थितस्य कात्रिकी कार्यस्थान यत्रेत्रात्मकाद्येत् ब्राक्ष्येद्राती कुरात्मा मदकसा नायीत्रात्र्यं त्रात्मा वा केंकार धुर्खेष्ट्रक्रा इंडकार्ड्ड केंद्रक्र प्रथम केंद्रिय दें

क्रम्मन्त्रेद्धाः स्रे इ.अ.ज.च.एट्र.अ.ज.द्रा. क्रा.जा.जा.

क्षेत्राक्षेत्रदेशस्यवा स्वयक्षेत्रस्य वरोद्देरकाम्साता नामसानित्यप्रयोग उर्वेशक्तिया वरक्षरायात्यात्रद्वियात्यात्रस्यात् वरक्षेत्रस्यात् उद्यान द्र्याक्षात्रका विद्यान्त्रका यात्रेत्रात्रका याः 当から、かなるなどからはあい あがべているかいまだいないであって がれかっ स्यान्तिकराव्या अर्धितावलाङ्क्ष्यर्भात् रहिराक्षकेतितावहितः सहरा रेन्स संतर्भात्म स्तर्भ स्तर्य स्तर्य स्तर्भ स्तर्भ स्तर्भ स्तर्भ स्तर्य स्तर्य स्तर्य स्तर्य स्तर्य स ヨルヨウン・オリス・マクン・メハマ本シー スタ・ロッカンカン・カン・カン・カン・ र्यस्यात्वे मार्से प्रस्तात् पा न्याप्यात् मिकार्यं वर्षे स्वर्धे はなれる、ものできる。これをはないというはないしてもになっているというないできる。 न्त्रकार राष्ट्रास्त्रहेराक्षेत्रकार्यस्य वर्त्तर् वर्त्तर् कार्यार्यस्य कर भी नेत्र वा कर मूर्य देवकारा राजकर न्य करिए विकास हिर्मा रसका ナガル・サルトならからかはないないないかいかいないというかない उत्रक्षरदे। इत्रे बहुका हुर्य हुन इस्ट लहा द्रे द्रे स्वर व्यासित्यका लियाना रमस्रिक्कामण्याकरित र्यंत्रस्यक्षां स्टिकार म् न्याम् राज्यसायायत्यस्य राज्यात्यम् । -स्थित्र द्राहेस्य हेस्य स्थात स्थात स्थात राज्य स्थात स्था स्थात स कुलार्यक्रक्षक्षकार्यात्रम् मेन्द्रा म्यावन्त्रम् म्यावन्त्रम् चला होस्य सर्वेष सार्थित स्त्रीय स्वरंत्रा सार्थ्या के क्रीय मार्थित यार्थेसा रहुसा स्रामा द्याया द्याया हर्त्या स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य स् द्येत्रकारः। सालस्यासम् अस्ति ह्याप्तितः। द्रेत्रकाद्वेतः स्वित्रं 例れないがいとうとなれる あからいいしかいのかなららい もちかかっかっ कर्रे के अपूर्ण प्रवेद मेर के क्षेत्रका है लाद करिए। स्मेर्ट देख है कर है देख है रदर वसमादिर क्षेत्रलेरा देरवसमार द्वा द्वारी हमायादिर विभिन्ने いいがは、またいからは、からかいかい」がないかっていることでいることでいる。 कुरे में किसरसंबयका इंदर कर कर केर दिया देश में किया कर है. ます。となるとなるとなるというないできょう。 コントンことが、コスコンデストライン まれあるが生いるからかんとうとからからかられるかられているから 百年的知识,以明祖本等的新心才的社会。 去少如子、本与大学不成人的。 लक्षान्त्रात्रका त्रिक्तरम्द्रम्यक्षरमेन्द्रत्य्वर्ष्ट्रव्यास्य に、大きまる、はいないないないないますがあい、からのままさからあるかいあいましてい न्याका स्वत्यात् । बुक्के के के दे के क्ष्य र तरि द्वार क्षय के ना (क्रोवः यातिवा वश्ववः व

1236

भ्या ब्रुप्तर्भातक्षेत्र क्रुच-क्रकाकक्ष्यंत्रा क्राक्षाकातः कार्यान्द्रसम्प्रेका हिर्द्वमञ्जूरम्हरमात्राचानम् महिन्त्रम् महिन्त्रम् के.र इन्द्रका०सक्त्रक्रकात्राश्च्रक्षेत्रत कुरक्ष्रक्षेत्रकास्याक्षाक्षरत १०का रेनके यात्रास्याच्याकारयेत्रा क्रिके प्रत्या स्थातिया के (\$ a) 5 要如本文學是一本本文的一本文文文 文文文文的一文文文文、文文文文、文文文文、文文文文 इं जिस्ति देशकार्या दसकार्या दसकार्या क्रिकारा केरिया क्रिकारा विकास प्रश्नित नर्जीकेर सन्वहर्गारकात्रेर स्ट्राबतेर क्रायकार्यकारि マシナイ おかえかがらし かいまいい かいばい おくずのとからてきます रीत पर्वेच केश्वराष्ट्र में प्रतिक राष्ट्र या वा ब्र्य मा ला खेर करार या छा । यहाँ में रामा होते तथा वाह्र में में राहें यह के सामा रामा रें राहें राहर मी मर र्तरव भर्दरक्ष क्षेत्रक क्षेत्रक सम्बद्ध स्वत्र क्षेत्रक स्वत्र द्वार क्षेत्रक स्वत्र द्वार क्षेत्रक स्वत्र क्ष 2 to lose. यदान के के प्रकारता है के प्रया तर के प्रयास्त्र के दिन में देश के प्रयास के द्या अक्ष्मकरविद्यक्त व्यव्यक्ष्म रहायोदिकर्षे रहेरे रहेरे राम をおけるとうからなるななるとうだっていまっていまっていまっていると 275:05 तच्युत्यव। म्यत्वेद्वातिक्रोक्ते स्वरः । प्रदेशका अवेद्यक्षया यस्वर्ष्ट्रा व हेना स्पर् मक्ट्रिक राष्ट्रिक क्षेर्मा अञ्चलक्ष्य मार्के के नर कार वास्त्र में के कर्षा स्मानिकस्यराविक्षेत्रा रमकरेर व्यासक्षक्रिकाकी। 3नारीस भयकारमञ्जू क्रियामा क्रियेर्ट्रा । अभ्यामा क्रिये क्रिया क्रिये क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्र तक्ष्यराजा । ナコマスラー、いいろうのとかくかない オカノマスタンマンチをかかかべい かががに वर्ष्याय केरा त्यां हिर्देश क्रिया व्यवस्था यात्र वारा प्रतिकार के वार पर स्राधेरवस्कृत्यरी। कन्द्रवर्रक्ष्य्यात्राचलयायात्। सद्द्रव्रिस् マンス・からがれかっていることが、これがあいまとうかいます。 १वर्गार्थका क्रिक्रक नामर की। खिल क्रके का का ना नर हरे हैं। बेंद्रा क्रके क्रिक्र में वर्ष्यत्रेता केवलस्य हेर्ड स्याद्दि । क्रावत्वर त्र्याकुः म्यं र के स्थान महीर पर हिर शिकार कारा कर र र र में मारा है। या बारा あるとというというとうとうというなべい かいってからかん ब सन्तर देन रिक्सेडोर्ने बावका बेदः द्यति व राध्या व्यान के के हैं राज्या क्रीबर्धकाव देवकाव वेद्वका । यक्षत्रमेवका द्रक्ष्य क्रिंद्र के विक्रिक् इक्षक्रित्यवेद्रत अलद्रद्रत्याद्द्रेत्रा दियायद्रेत्रा स्ट्रिंद्रत स्ट्रिंद्र्य

,C1>,

इक्स्टर्स देशकालियात्रियात्रियात्रियात्रियात्र्यात्र्या साल्या अद्यान्य्येत्यात्रेयात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र देव विद्या देश व्याप्त वा दे के करे हो हो है र विद्या वित्य के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त है। बुर्र रेन्द्रस्थित्ररूअम्या मुक्कात्यरस्ट्रिस्ट्रेस्ट्रस्या स्ट्र कार्यकारक्षराहरूरा कर्षेक्षर् मुन्द्रकारम् ती. यहुकारी उर्वेकासीरहरू मुक्तियार्वम्यारः। सन्यार्वेद्वस्यस्यार्थात्याः स्वर्थाः देद्दि छिरः युक्त त्रें के स्वादेशन व स्यायार पर काला के खेरा र प्रदेश कर मिन यही। श्रेमस्य कूर्य क्रिक्ट्रिया में क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्र स्त्रिःस्तरात्मान्त्रीरम्बिका रेन्द्रित्र्यक्षान्यस्त्रेन्त्रा सरक्षेत्रं द्यायप्त छारदःश्चीतःत्रकार्यदः। दर्वतः यक्षकायहरवर्वः ने कार्यदा एके व्यक्त हिर्दर् यशमास्त्रव्या म्याम्भेन वर्षर्र्या । द्वानित्र्यामा अयामक्री इ.क.म. एड्रेट्री०स्र. । अम्मिक्री स्थापिया रेप्याप्तर पर्वेशक्षात्रं रामाव्यक्तियं राज्यात्रे विकास्त्रे । क्षेत्रिक्तात्रे विकास्त्रे । इ.चूर्रेयुक्तककार्यक्षेत्रेत्रा र.डि.र्य.ह्यायरकार्व्यत्रे कर्राने स्मेत्रस्य राज्य र स्या कर्रा विकार स्था र विकार स श्रीता हिरानदादमाकायाक्षिराकार रेप्ट्रिका०मामान्यसानिमा मुक्तारारी सरिकाय विकाल होतार दें मिर्दे हें स्थाय हा मिल्ली मार्था वर्षेत क्षे द्रिया अस्य वर्षेत्र एक्त्र क्षेत्र केत है या स्वर्ध कर वर्ष के वर्षेत्र इन्द्रेस्क्रस्याक्ष्यक्षाम् व्यक्षाक्ष्यक्षाम् व्यक्षाम् यःयाद्याराकात्र्रस्थात्रेत्रं क्रिया सात्रक्षेत्रस्थात्रस्थात्र्यः क्रिया सुकारा दूर तर्का राद्र सावया कर्या कर साम के ने द क्रियो मना 是如一里大學、子、為工學不知人 这里如為一大公子其是如一樣一之一 知 इ.क्रिम.इट्युम.च्रेर.य.क्रेर.एय.ह्य.य.एय.छ्र.र.य.ह.र.य.ह. इ. य. वर रे.केंट्र व. फ.कट्रक्स. र प्रमु. यशका वि. यशका क्या करा रेर. वेर. क्रिक्ष विस्त्र विद्या त्या दासुदा अदा से सह होर वा ता वनव या दर वा दया वा वित्र होता हो ते विद्या यायायाः त्याभावद्या चेरवयाच्च अमुवार्थद्रायहिनाया कुमायते द्राद्रा हुन्द्र्यभवादेते स्मरवरार् सिर्देश रेष्ट्रा हिला हिला दे हो ने से दे ते हिला है के हिला है ने प्रति कर के ने प्रति कर के ने प्रति कर के ने र्रेस्त्री केल्.वंर्र्र्या महिल्दा वाराया वाराया क्या वार्त्या क्या वार्त्या क्या वार्त्या क्या वार्त्या क्या वार्त्या

738 नियारमारकेत्या र व्यवद्वायायद्द्र म्याविभवहेंद्राया स्मान् केद्रामावययायहेवया सरिर. ८४. हीवर्याय. न्यालाकालामका सरप्रयाकी स्वामानालाक्या के.सेवाइ. ४ देश. प्यर्श्वित्यम्या म्यार्ट्यक्रिम्ररः वर्षेत्रवर्ष्यं म्यायाः सर्वर्ष्यम् स्राचातः स्रोतित्र मार्था मने महार्था मार्था है। मार्था का मार्था का मार्था मार्थी मार्था मार्थी म माद्वर की के देव साला दी व्यद्यत्वति के द्वारा स्वारा द्वारा स्वारा स्वारा के मुना के विकेषा सा मिन्सिक्षिक विकास है के प्राप्त के साम कि मान के तर है के कि मान के तर के द्वित्यद्केंद्रम देवयद्वाक्ष्मकुत्व हातदेशान्यक्ष्मक्ष्म तह्याष्ट्रियाक्षेत्र के वर्षात्वद् मित्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रास्त्रा रदररद्वात्रवात्। व वत्रवाद्वात्त्रवाद्वात्रवात् सं च ने राष्ट्रयाय महत्र महिन्यावरा म्यापर्क तार्त्य विद्रा विद्रा न्तर में वा राष्ट्रिय विद्या स्त かかくかいいことになるとうとなるとなるとはしていまれることできますることでは、あるとは स्वयावेद विश्वर्द्धवार्ष्ट्या स्रियद्वत्यावस्त्रस्य न्या । विष्युत्वा विश्वर्याः भारतिकार देशा स्थानिक क्षेत्र स्थानका क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षार्वकारत (पुरानसकेतर्गेत) वद्याद्य बन्दर्शिकारकार के वस्तर्वहरू विवाद न व्यवताक्रम देशास्त्रका विदेश स्रिर्दर्श स्रित्वता विदेश वि वित्रित्वास्य वित्रिभीद्वास्य याद्यः स्थान्यत्यार्थः स्थान्यत्यार्थः वित्रम्यत्यार्थः 国で大川ではままれのでくり、これないできるできるできました。 あのかいはままなのでとれる ् स्राप्तास्य सामाध्यास्य द्वाराधियाः स्राप्तास्य स्राप्तास्य सर्वास्य स्राप्तास्य लूरी -प्रायन्तुः जायाक्षरः प्रचीदार्यालय। यूचेक्टर्रातप्रकृष्ठवालाता याच्याक्षरात्म्यासूरः यामेर् भेन्त्वाम् कर्वाभवस्थारं पर्यः अर्वाकामुक्तमस्त्र व्वाया पर् प्राम्धेवापाव できているはいいには、いろいのかのはないのであるある。 देशकारक राद्रद १८८ का ११ विषयम् वर्षेष्ठ राष्ट्रमाष्ट्रवासम् स्वर् क पित्रात रदानिवास्तर के अस्ति की वाहरत्य । तस्तर वर्णमाक्त्रीं मार्थी स्थापर्या । राज्यात कार्या वरायर्वा 6 मा वर्ष्यालयाक्ष्माध्यम् त्यात्र । स्मित्र । सम्बद्धाः सम्बद्धा न्हा व लिंद्र के ते हुन । वर्षे वर्षा हिर्द्र वर्ष स्ति से से वर्ष । वर्षे वर्षा मित्री तित्वकार्यात्रा केर्यात्रा केर्यात्रा केर्यात्रामहण रेख्यायकार्य विद यातामहित्र वर्षेर वर्षेर महत्राचित विमानेत्रात विमानेत्रा वर्षायहमाने वर्षायहमाने। स्मित्राला हिर्देश तर हर विश्वीत विकाद समिति का स्थाप सुर्व के स्थाप सुर्व के स्थाप

अर. डिर. के. रहा र ए एड्रेंस. शरमायाद वर्षियाते किंद्र मुचियारेंग. प्रदेश क्षेत्र । अवारम स्रार्विभ्यत्विद्यात्वस्त्रात्वात्रम् नद्राद्वित्त्वत्यात्यः द्वायवग्वन्वे हते। विवर्दे र्दर स्ट्रेस के ला मार्था प्रदेश श्रीम के प्रायम स्ट्रिस के स्ट्रेस के स्ट्रेस के त्या के प्रायम के त्या मिटम्रेर्वाप्तरमार्ग्याप्ता सार्वाप्ता सार्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्व विवयावावस्थासावर्द्धाः विवस्थाः विवस्थाः विवस्थाः विवस्थाः विवस्थाः । द्रमावद्धाः अवद्द्याः स्थाः विवस्थाः । द्रमावद्धाः अवद्रवाः । विवस्थाः । द्रमावद्धाः अवद्रवाः । विवस्थाः । विवस्यः । विवस्थाः । म्मिर्यास्तर अस्तर्भवत विकास विकास विकास महत्त्व महत्त्र विकास कर्णा स्ट्रिंड वे राम्हर स्ट्रिंड मित्र मित्र वर् त्याय परि त्यार कर कर । जिल्ला का त्यार पर के के अधिरहमा ता से के धिर्देशकोकालियू एक्किलाल द्वा कर्षा कर कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर कर्षा करिया कर्षा कर्षा करिया कर्षा करिया नविन दिन्नतान्तर्यत्रम्भद्रम्कुनार्द् ए नाम्यत्रहर्त्यत्रम्भक्षेत्रम् व्यवस्त्रियः) वर्ष्ट्रम् मुक्राम्याम् म्यात्रः द्वाल्यम् भेद्रम्याद्व्यम् स्थाद्दा द्वत्याकी प्रत्याकार्व्यक्षात् मैं तहामा निर्देश मारा वर्षेत्र । राम्ये वर्षेत्र । राम्ये वर्षेत्र । स्थाने वर्षेत्र । स्थाने वर्षेत्र । स्यामित्र के पात्राय परिया में सिर्मे केरिकेर केरिकेर केरिके केरिया में माना में प्यायाश्ची रंजा के ल जरवकेश हरवा र रूर सरवर प्रवेशकारे ग्रा जिस्ता पर हर वालकारात्मा काला काला काराता करता वाला काराता कारा कृति असिलिलक्ष्मित्रीय त्रवी सिलिल्यक्षेत्र विकास के क्ष्ये के देश कर के किल्ये के त्रवासी ल्यादित या ते ते हे ति है समस्ति हैं। ही दे हे के के कि के मानिय के किया ति विकास ति विकास है यी. श्रेत्र क्षित्र क् र्यंतरविर्धात्या न्यर्श्वर्त्ययान्यर्त्रे । र्रात्यसम्बद्धाः विद्यास्त्री नेत्या वास्त्रम्य नेत्रमे नित्तिकात्रम् विद्वास्त्रम् विद्वास्त्रम् याविषाः व्याविषाः विष्याः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः विष्याः विषयः विष्याः विषयः विष चर्रमा वि.सर.कूप्र.श्रेम्.हरा ्यत्य्रत्यत्य्वयात्रीयव्यात्रीत्रक्याः श्रेष्याय्यत्यत्यत्यः स्त्रित्यः व्यक्षम् विष् मित्रकाराचारी अत्या ययाक्ष्यक्षा वर्षा वरव मेवला लजाकुरास्त्रे त्या वर्षे क्षेत्रक्ष्ये अवस्त्रित्वक्ष्ये अवस्त्रित्य वर्षेत्रक्षेत्र वर्षास्त्रास्त्रित् राराश्वाम् वाहिलामा महत्या (गहर)या विस्तराहिलामा विस्तराहिलामा विस्तराहिलामा विस्तराहिलामा गर्डर्ड्स.प्रमा में कार्या केराहर्रियर हुए केर में में चे कर जिस के अप र में म भेर्। रंजरेशतराश्चर्वेदलारद्धरातविता क्षेर्यारत्यावधितावालात्या रणावर्रिता

्स्रक्र्रायतेष्ट्र। र्वायतेषुरुवासुन्तान् । सर्वेश्रमक्ष्यक्षराव्यद्यात्रान्त्रान्त्रा ल्या दामधनाद्विता पालर् के विवादिता दामराववामें इति देनवा क्रियारम्बर्स्स्र रिस्ट्रियानेश्वर्त हिट पर्वेषा वेष्ट्रात्मा के विष्य विद्वर्त्ते यातराध्येत नार्ति करावराचाराव्या तः तरा तरात्रिकावराष्ट्रदा राधिक रवास्त्रे र श्रेव। केवालास्वायान्ता र मार्गाहर स्थायतिक्षेत्रस्य त्रातात्वा वारायद्वा वारायदा विवादिना व्यादा संस्री देवी त्रे शुर्ति दे रे रे वरा अरेप रे हा वहिला अस्तर के अस्तर के विकास के में विकास में विकास के विकास ्यर । इं मास्राक्तिक्र क्रिक्ष क्रिया क्रिया है । स्मिर्य प्राप्त क्रिया स्मिर्य विकास ्रमूर्रम्यर्वर्र्र्र्राय्ये वाड्याक्ष्यः रास्त्र्र्येद्रीरार्भमा वयर्ष्यात्ये द्रवाम्यर्षेट्र शुर्भित्रत्वरलामल र्भवन्तुर्विभराद्यभरत्रत्वत्य वा मल कृत्यर्वत्य रहत्या सुर् एर न न न न अर्थेश अर्था अपीय तर्मित्र र र र र स्था है। र अर्थ ता चा नेपा है। हार्थ 3 हेबाल हे. अर प्रतिवास तमा संबद्ध प्रविकाल हरन है। वर्ष में राष्ट्र में राष्ट्र में प्रतिवास के देव राष्ट्र में वर्षास्य द्वार महत् वरा देरहार विवास का का केर खंदा देव बुवादेवा श्वादिया प्र देश पर स्थिता के त्राचा के त्राचा के त्राचा है त्राच है त्राचा है त्राच रगमन उरम र हिराष्ट्रित विवासवायां राष्ट्रपास्त्र स्वति हारान्य हिरास्त्र विवास विवास धीन भीन वर्ष कुर्। व्ययान्यायक्षा क्षेत्र कार्यराम्यायाम्यायाः केर्यक्षिमात्रायाः क्षेरकेष्ट्ररूप मार्गम्द्रल न्याय के व्यव १ वर्षा १ वर्षा वर्ष्य वर्षा वर्ष्य वर्षा वरष्य वर्षा लेवा अम्लालहिन्। यम्लरपुत हुर्न्ता द्वार्यका द्वार्यकार्यकार्यकार्ये दूर् ने महितार पर्म स्व यर्भवीय वर्षाय्य वृत्र वात्रात्र राष्ट्रात्र राष्ट्रात्र्येत्र । विद्युत्यवा पदाचले वर्षावश्चा देरा हिन्द्रीया ११ हुता मेर्द्रा का पश्ची राकरा रहता रहातर को वार्या मेद्र मेद्रा । नर्द्रिया. पर्यात्ता । । । । । व्यापायिता स्वास्त्रिय वात्रास्त्रिय वात्रास्त्रिय वास्त्रास्त्रिय वास्त्रास्त्रिय वास्त्र ल्रालामी में में मार्यवराकेंद्रालका न काल्यायां महत्ता खरा नर में का खरा वार्यवया कार्यवरा के वार्यवया कार्यवरा तकरवत्या गर्म नाम ही अर्थन द्रम् केलिक्ट्र । हिरान्त्र में से भारता है स्रम्भ्यावस्याहर । रहराक्षेत्रस्यस्यम् म्हाप्रेयवस्य म्हाप्राचित्रम् र्ड्यार्ययाम्भराष्ट्रियातार्थं राट्याक्षेत्रात्मात्मात्मान्त्रान्त्रात् अर्वाद्वेतात्मात्मा म का बुंगा विधः वर्रे किरामुन्यरवा केरामुनास्या पर्ता । भागी क्या करा प्राचित्र स्था स्था स्था स्था । यदान्ति चन्त्रमुक्ष्णकरायदानी मुल्यायायार् द्रास्त्राद्राद्रद्राद्रात्येता अवसदेर उने गानि द्वारा त्या दे व्यवस्था स्था वर्ष देरा के स्था मह उने विकास के अपने के महिरा र्रस्त्रिर्लेश्यायाः विशायर वता श्रीता विवा भवा विष्येता वर्षेर तर्रे वतार या विश् हर्र्ये वता चलमा ६. होत्रत्यर. वहर. महरा लाका (प्रकेश) वर्षतः। वत्रया चित्रकृतः क्रिया सर्वरः क्रिया सर्वरः हेत्।

MAX

च्यक्तिक्वर् स्टिंग के क्रिंट् क्रमण सेट ट्रेंबेंड्ल क्षेत्र क्रिंग क्

च्यत्मे अर्थे के देता के वर्षेर रे. क्याय सिंद रे बक्ष असी क्रेंब तप ते सिंद रिम क्रु वात्र में त्राय हुए द्यवः यद्ये के हुँ दे के वाश्यक्षेत्र वार्त्य के देश के वार्त्य के वार्त्य के वार्त्य के वार्त्य वार्य वार्त्य वार्य वार्त्य वार्त्य वार्त्य वार्त्य वार्त्य वार्त्य वार्य वार्त्य वार्य वार्य वार्य वार्त्य वार्त्य वार्य वार्त्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्त्य व न्यतः नरमायायाय्रेरक्ष्यम् राज्याविक्षात्रम् क्ष्यान्य म्यान्या चला में वर्द्र में में में में में में में का न्वेस क्लम। विवर्श्व विवर्ष में में में के के में में में में में हैंगा निरासीन यते हाला यति क्षेत्र लावाता स्वता ते विर हु माववाकी दे त्यावविदे न्यवायां मिंहिता लाया क्रियर वाश्याक वरमार्थक मार्थिक वरमार्थक वर्षित क्रियर वर्षित मारामित क्रियर वर्षित वर्षित वर्षित वर्षित शुःला ह्यःरानमा से याता ह्यर्र्या सम्मान से शुः सर ने हुं ना बेर यो देश कर हैने से नम र्। अराबेराद्राक्षिमामाभवादराक्षेत्। या देवेल्ख्रालाक्ष्यातीन्त्रमा वहारामामावताता वा वा रवास्यराजासम्यरे तर्वास्यस्य र दास्यायवानी वन्त्रस्य देन स्य के क्यारारवे सिर्दे स्र म्बायाम्बाक्षर्थात् वाद्ययाद्वादे श्रेययाद्वायविष्यक्ष्यद्वायक्ष्यद्वायक्ष्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव द्या यवजावर्डिवादवः श्रीमकेवद्गमा विधाद्द यव्यातिम् मुत्यादि केर निर्धाय । मिर् में परंदर्श रचे , परंदर् स्याहिका बेट वर्ष देवा चर्चिया के का मरण स्यादिका के वा में पर्वा परंदर्श के विकास में ताय। ब्रिन्द्रद्रकाराः ग्राह्में भ्राम् रेन्द्रव्यकायावश्चात्य मुक्ता व्यव्यानित्रम् पा इतिशायपूर्ते योट्ट्केश्च शहरकाष्ट्रतात्त्र । वसर्यास्त्र कापूर्य कापूर्य कर्

र्जिटार्स्यायरेरे.प्यूर.वर्चिर.श्रेर्। यायावियात्री.र्यायात्रात्रात्त्रीता त्रीक्षेयावात्यवनात्रार्यार.

द्र। रदायासक्ष्रिकाक्ष्रकार्यस्त्रेवावसार्यदा वित्रवित्तिकार्याम् ही क्ष्र्चर हैं। क्ष्रिकालकालिवीला

विस्त्रविद्याया दारदारकारामा स्वाराष्ट्रमायां स्वत दे दर्वादमा नादारु तदुवा मुख्याचे। त्युराया स्वाराया स्वराया स्वाराया २८गराचार्य भेवाचीया छो अहर्य अहर्य त्या द्रांत्य त्या प्राप्त विकास के वितास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विका प्राची प्राच्ना प्राच्ना है वादा है वा उम्रेबार्ट्यक्रीक्णम्तरप्रियार्थ्य। र्ह्रक्यायाम्य प्राप्ति याच्या प्रेवश्चरायाम्य विविधारर्थ्य। विव प्रमाणकर । द्रास्त्र स्थानक । द्रास्त्र स्थानक । द्रास्त्र स्थानक । स्यानक । स्थानक क्तिर्धराह्मयापनायाद हेर्डिंद्र वद्रविभाग्याम् न्याद्र क्यादे क्यान द्र्येद्र वर्डिंद् मध्याकामा कामा भर्ताकेटर्ड है। देशक उर्देट्डार्टा में हार्ट्ड में होता में र्नुत्विमान्यराद्यदात्रकादर्द्यादराद्यात् मान्यां मुन्ते द्विमाधररम् यद्विरात्मादर्द्रात्याद्या क्रियार्थराई की श्रष्टात्राधरायां मेर मुल्दे सुरस्य का माणा हातिया पुर जम्र र्टमाणा देलार राष्ट्रिय यावता मार्था से साम्मार्थे विश्वर पावकेरी यरम्बित्यरम् राम्सी असम्भित्रद्वत्यम्य । सरमाहेश्यास्त्रम् वर्धः अस्यादिः वर्षास्यः ्रमेट्रब्राया वर्त्वेय । सर्द्रात्म्यर्रात्म्याविवादमार्द्र शहरेत्यत् । त्यास्यास्यास्र र्वारितर वश्रमान पर हिवाल सिंदी में कार्या के देश के हिर्मे वाल करें आपरेश द्राप्त पात्री बिरामार्से भूपुर्यातला हैर. र. ८.८८.८.इ.भूमार्या हैट.तीपासक्तार.सैंग्रांत्या शेंहैं साम्या. 65901 किलान्त्रं स्वा श्रिक्यान्त्रक्षियान्त्रक्षियान्त्रक्षिताः त्रद्व अवस्य कर्षाः । १६ वर्षाः स्वाप्ति वर्षाः भरेति. एरी एस्त्रिक्त नर्य अदर एरी क्षेत्र विक्रिक राम्य र एरी श्रेव स्तरिक्ति में विष्णां विक्राया युवास्या द्रदरत्वरुत्तर्त्रं में में स्था द्राया स्वाया स्वर्द्वा कासे द्राया स्वर्धा महासारा यालदर्भर द्रात्याका द्ववात हिर हेट हैल विवायक्षीत हिर वर्ष विवायक्षित लहारी हिलाकर (हम) पर्लर के प्राचारा विषय केराल वाला में विषय केरा में प्राचार हमें न्यू वर्ष वरवावस्था वरवावस्था क्रवाकिरासुरी अभाराविर्यालासार सवायी व्यवासिर्वेत्र मुश्डिरामर सुरी कैलावहिता. मुंद्रित के ने ने ने में तार की दी ही दे ता रह कूर अ मुक्त की की ले का कर्ट ता र पत अर्थ हो हो की का र अर सर ता सूर "बरेया वहार्यातहार्ये र र ११११ र वे अवस्थाति हो स्ट्रिंग के देश रेग विवस्थाति । क्रिक्सिताल्ड्स एर्विवान्त्वामवाक्तित्वर्थन्त् वार्ट्डियावाक्रेट्ड्राव्यक्ति र्थार् रहाश्चित्रात्वार्ता के हर् रहासकर श्चर से समा विकासकर निर्मात स्थार री मध्यात्रियमध्यात्राभामहवार श्रीहरत्रायसम्बद्धात्राहर्षहार हारा वर्षायश्चारेरायम श्.रवरः। रर.लेण.बी.वर्षः अहणर्वद्रभर। रेर्वत्यवा.र्वाग्रुद्रवाश्रुद्रवरः। येवा.रअर.बेर. ता.चार्ट्स.ची.दर्(चरर) दर्दर्दर्छर्.ता.कार्डरःद्रुव छिर्त्वरत्वत्त्रं विद्विर्त्वरता.चारा.चारा.चेवा.चेवा रे.ब्रूया (ब्रया) में छि.में में में से से राजना को राजने के कि पार्टी के पार्टी का है। में में में में में में म्रा व्यावरम् अत्याव विश्वत्या विश्वत्या विश्वत्या विश्वत्या विश्वत्या विश्वत्या विश्वत्या विश्वत्या विश्वत्या

wind

इ. श. इर करें के हुवा में के हुर। में मू (हैर मू) सार कूंच बेद जाव केरे वर में की क्या प्राप्त प्री विकारम्बर र्वाम्रारीयात्वाम् मादराम्बर स्थारम्बर स्थारम्बर स्याम्बर मेर्यो स्थानम् विकारम्बर म्यान थीत। दसाम्यामी व्वाप्यकुदादरकेवरदी कार्यामा मेरान्या किरमाने खुवक्सायरपानेपा खें चेर क्रियायकी चेर क्रिया हेल चेरवल की वर्ष क्रिया करें क्षिर कर या मिं खेर की अद्राय का वेल के सूर इट. राज र र्रीज (८३१)। र्रेट भवेश तर हे. जिया र्राय र हिरश्य विराधित तथा प्राचीके कर से कक्षर तर्देश । एड्डिश का नाए से देशिया पर्य लाम लाम नाए दर तथा शे किर हिर एड्डिस गिक्राक्षक सेर्द्धी का. श्रीकालकानुदालक सुदा कालल. लेब छेर व्याल म्राप्तिका व्यक्तित्यात्र्यात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् अ.शिक्शिक्षाक्षात्रका द्विपत्तिपाल्त्रिक्षिवणक्षिणक्षिया रदासेश्वराप्त्रीत्वराद्वि र्ताला कर भी हा एहं यह का दे न दे न दे र र र समय मास हिरे र भी भी मी से सार्य न र सहिता र एक मा देश श्रीकृत्यायाम् होता हारावहुकाक्षाकारे भवार्कावाकोरी वरुरावहिकासासादुरावा भित्रः हरेर्। वित्यु कर्षता तरमाय अवर्षिका द्वाया अविवर्षत्व अवविवर्णते विराद्वात्ववाहेव। क्रमान्यात्रेत् हिस्यात्रमा गुवर्गरमहेव। वाक्रेर्यमहेत्रात्रमान्त्रे वाक्रयहित्य रदः वर्ष्ट्रेन सहित्र हुन्ति है । वर्षे क्षेत्र प्रति । दुर्गि श्वित्र स्पना है वास्प देवद सहित्। वाधार्थः श्रुत्याकाकृत्याकात्त्व केला हा तरहर का दे देरा छा बुद्धे क्या श्रुद्धे प्रभादित यर्राक्ष्यर्यायास्य एष्ट्रा त्या र्यायास्त्र साहाद्वा साहाद्वा साहाद्वा साहाद्वा साहाद्वा साहाद्वा साहाद्वा सा स्वानार्द्या गर्भेद। क्वाक् गर्द्य एक । वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा द्वारा मुक्ती वर्ष्य ल्या (यव) इवहरल द्यारी है वह । त्यां कु ल्यादा त्यां विका । यव मेरा त्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा विका प्रह्मान्यमात्रये । प्रत्यान्त्रं के कार्या । व्यक्त ने के प्रत्य विद्यक्तिकीर परियो । तम्मानि तर् कियान देव कियेर। राजा पर प्राप्त कर महास्वेत पर देवर मेरवार म्रास्यार्थित् । हार्यार्थः द्रम्भियाय्यं अक्ष्यायाः त्री ह्रमः व अरस्याय्याय्यः सूरामान्त्र । कुरान्तरप्रत्यस्तिरास्तरास्त्रास्त्रास्त्रात्या श्रीरायणास्त्र म्मलाक्षित्रस्यमार् स्यालस्यर् यहिर्गातास्य । मान्यान मान्यान मान्यान मान्यान । क्रिंग्नर्रत्यस्याया मिं बर्बरहर हैर छेर भेरावता ती से किताया केर विदर्भर क्षेत्रस्त देवत्यतालकास्य वास्तादतादतार देवता देवतास्य विवास हिरमसं मैनाम् (देश्य) मैनाम् रामार्ट्या करायेर्ट्या होराया होराया सर्द्रात्या हैना हैना में चूर्यात्रसा ववानुद्रावस्त्री त्वाम स्रित्या स्रित्रहेत् स्रिता त्या स्रित्या स्रित्या स्रित्या ज्याया छेर् से व हर रहार लेंद्र अद्वास एक । वा छ हेर दे अदर व ववावता ही. गर्भे यह यह है। मुक्तिरायस बुरबुर तरे सूर बुरकारों। प्राच्या है। हैं। प्राच्या है विकास मार्थ है के स्वास्था है । प्राच्या है विकास मार्थ है विकास मार्य है विकास मार्थ है विकास मार्थ है विकास अरअविष्यम्भव्याय्यवेश सीलक्षेत्रायाः रेव्यत्यायाः रेव्यत्यायाः विष्याः

भ्राप्त्रम्त्रम्याम्याम्यात्मः हित्र्रद्रास्य मिर्य्यस्य मिर्यं स्थान्य मिर्यं स्थान्य मिर्यं स्थान्य ्रिकाम) स्वार्टराणवा रमराश्चितातातः दाम्बन्धर्टराम्बन्धा म्यामावा तर्राभिराग्टरामु ब्राम्बन्धार् प्रकारकार हुं १०६ वर्षा में अवरित्र वर्षा के वर वर्षा के ेंच्यालक्ष्रितहर्वातह्रवया। राजव्यस्य परिकारितासर। रेजव्यवस्य स्वासे मेर्ले गुर उन्ना द्वार अस्यात्र प्राप्त कर्ण कर्ण कर्ण हिरायहें विषय एतर पर त्या विषय कर कर विषय । विषय कर कर कर विषय । उद्देश वही वता स्टब्न हवलावर्षी बट्येरा स्टब्स ने स्टिन स्टि स्मिन्यारा र्यत्वस्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर् ब्रियाम् । ११११ । एन यमामध्यक्षम् मार्ग्याद्यस्यः वह्यम्यारम् र प्रदेशम्यारम् अर्वा तार्वर द्वा कीरा बदशाहा तार्वा है। तार्वा कार्य वह की देश हैं। विद्या तार्व कर वह रहिर बीर धर्म रहे के ववकाश्रेर्गर्याराम् रक्षः देरेह्यरेणसूर्यदेरर्गवस्यह्रि। वरश्रेष्ठवर्ग्स्सु। देरेर 4 करन 5 में अथ ? १ में अथ ? सदेला सुर्राष्ट्रिर देन लासहदर का सेव का बाव के हिसा दर्ग राम हैं हो देन राम हैं। देन राम हैं रेक्च अवाववादवाकारकार स्वारा करमाणायवात्रयात्रायवा ।याहेमनुक्रायेराके। 79岁之! रेश इंस्विर अर्पविष्यं स्ट्रिया वर्षा रयप्यायि अर्वे वर्षा विष्यं विषयि। भ्राप्तिक्षा तथार्ताम् मृष्य् मृष्य् मृष्याम् मृष्याम् मृष्याः स्थान्य मृष्याः स्थान्य स्थान्य म्यान्य स्थान्य । १ त्याः स्थान्य स्था विदर्भवति सेवस्य क्रिया शिवस्य देवत्य द्वार त्यार त्या स्वर्था विद्या स्वर्था विद्या । 9 Fai वनार:रे.छे.कर:श्रेवः यः दर:कदलं हेवा क्येंटलं यः दरः । १५:४१ में रहकी वींकदेवा व्यद्धवाया विवास हैं खर का कर महामहा है वा तथरमाय मान का के वर्ष के का कर महिरा है स्था है। हिरारायकर ग्राहार । देराक्षेर्र्याकर करामेन हर देवाया होया के मार्भेर देवार त्यार देवर र्यभाष्ट्रसम्भा ८८: यम्भी ८० मारेश सद्या हरा मरा। विस्ति विशे मारी स्वार्थि विश्वार्थ 1 35 क्षेत्र हर्भातार् र्वासाइवानिवाह केविर वर्गारके तर प्रमण्डिं सम्मान वर स्थाप वर दुर्ग सर्व मान वर दुर्ग सर्व प्रमान वर दुर्ग सर्व प्रमान वर दुर्ग सर् द्यात्रात्रात्वरत्वेवक्षर्यस्य वृत्रात्राद्वारा छिष्ट्रभावष्ट्रद्वाताष्ट्रभादवात्रार्र्युष्ट्वात्रमः वश्यान्त्रात्र्ये वर्वायम् अवसर्वत्र वर्षायान्त्रात्यम् वस्त्रात्यम् । बिर्मा किलात् महराक्षे क्यात् । हिस्मे स्थार क्रायेट र र वर्षा विर होर र

の事一人のアステスを持つないの事のとなるとは、いのなのの見となったは、大人といると मेंद्रम् भी कर के प्रतिकृति मुक्ताव रमार्थे वाववामावतरका त्रार्यं त्रात्र विकास के कार्य के कार्य के वास्त्र त्रात्र के स्वता के कार्य के कार कार्य के मूर्याय्येस्याक्त्रिया क्षेत्राक्षरायाय्या वर्र्यम् म्याय्यायाय्या स्वर्धिवरायाः से ब्रुवाकी र वक्यार रेडए कुंग होते कि वया है स्थिति । किवार तरा दे स्थिति । किवार तरा दे प्रविदान विरा र अववयो माध्याद्वः दे तिवाची द्रभवासी वर्षा वास्तव वास्तव वास्ति वास्ति हो । गाउँ महास्त्री हो। शुक्राताहरीया मेरा हाराया से ताम् रेर्। वसावत्म्रश्चरं विवारा वारान्तः वर्षे वस्त्रमः ग्रम्भः स्थापः स्थापः अर्थत् वर्षेत्र हेन हेन स्ति वरमहेन वरम हेन राष्ट्र के के त्रवता आहेते हेन स्वता वर्षे सम्अवितास्य म् राम्याः यात्रे विषयायवितायहित्यः देनेदराष्ट्रा व्यवित्रहत्यात्र्यायः रेव्यादाय विक्रास ्या दरायक्त द्वाराष्ट्र तर्म्याचे तर्म्याच नाम्युविष्ठरा नु'विअविभव्याद्रात्मः स्मानानुसर्थययाम्बर्धयानास्य वार्यस्ट्रियस्ति वार्यस्ट्रियस् श्चार्यस्थातर्थते नाम्यास्य प्राप्तान्य विदर्यस्थात् वर्षे वर्षे ना हैल। वर्षः वर्षे तर्वे तर्वे वर्षे वर्षे व ALL SAN L'ELE LES EN CONTROL DE SAN MARTEN CONTROL CAT BERN MARTEN CONTROL MARTEN स्तिम्युव (वयुव) हुदले तर् से में साम राजा राजा अर्देश वारि हो व्यर्भे के ते तर् यद्भीत्रस्य द्रार्थित वेद्रार्थः विष्य द्रार्थः द्राया द्रार्थः क्षेत्र त्राया द्राप्ता व्य नावसारी रेट्रा म्येन्य रंग । धिवामको ईथिव ह्वा यरदेवका प्राप्त । रव याष्ट्राणिया वस्ति यरामास्य क्षांत्र के कार्य रे बरायर सम्मास्य के व्यक्ता स्वित्र में मार्थ सम्मास्य क्री रेकेन यर्र तहें अति र्वायाः भटार्वारा रि लर्ते खर देवन रहेता के क्रिन्वरी श्रुवार्य्याता के साम्यापा है स्ट्राहरा तर्वर या वार के से के वार प्राया निवास . सिरिश्णार्श्यामित्र । रयताम्दर्गायाम् स्वाधित्व क्षेत्रा द्रार देशा द्रिपे स्वाधित्व अ.पर्या. ज्ञां प्रम्याक्षिया सेंदास्य वायेश क्षे ,यह संदर ०९५। दशवा क्रें अदा है अता, स्वर्षक्षा प्रवास देशर्यक रार्वा व वर्षित राष्ट्र व वर्षा राष्ट्र व वर्षा राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र अरम्याद्यरे यादेराह्या सुराद्य देशकाद्यं युवायते रपुरादेशया विका वाह्याक्षेत्रहार राष्ट्र वर्ष्य मेर पर्यक्षियाप्रायकी वक्षा स्वा श्रिका श्रुवा विश्व विश्य मेंद्रांता सुर्द्धवरातासावरातार्यात्र्याता र्वास्व व्यास्वरात्रात्र्या सी हरे तर्वार्द्धराम्याये द्वांया वानाह्याद्वेनायव्यायाद्वेनायाद्वेनायाद्वेनायाद्वेनायाद्वेनायाद्वे क्ष्यान्त्रीताक्ष्य। प्राथमान मृत्या राष्ट्र रवासा होसन द्वारा हो सन् र रवासा हो सन् र रवासा हो सन् र रवासा हो सन रवासा हो सह रवासा है सह रवासा हो सह रवासा है सह रवासा हो सह रवासा है सह

25. Kalu i Store from E सेट हेर सिटा सिटा सिटा का मारवास स्पृति है। क्र.यांववः ध्व.क्री.राजातेलाः क्रिव.क्रियांचर नायाः जनात्रेयाः वाहरी द्रभः त्रेतः त्राहर्श्वी.द्री.स.र. त्रावरः हित्या कार्या स्थान कार्या स्थान कार्या कार्या कार्या है है। हैं दे हिंद कुल वें ले 3.bad. या तरमात्तर स्थादे। दरमा का मा की मार यो पर हर हिला हरका सार में राह्ने का कार में सेवला स्ट्रिट्य स्ट्रिय क्षेत्र क्षे सेटाही देखनिकट्यी जमाकीरमिर्ध्यातायही एवकदाव बदादव के जवक जा में बद्रामा र्शिश्चित्रं के त्या के विश्वे क्षेत्रं के विश्वे के विश्वे क्षेत्रं के विश्वे क्षेत्रं के विश्वे क्षेत्रं के विश्वे के विश्वे क्षेत्रं के विश्वे क्षेत्रं के विश्वे क्षेत्रं के विश्वे के विश्वे के विश्वे क्षेत्रं के विश्वे के व 4 02/2 रदः वहवान्यान्य सद्दातव दल क्षेत्रकारा धरद्रवास स्व स्व मा स्व व स्व स्व क्षेत्रकार का व स्व स्व क्षेत्रकार का हैगान्त्र एक प्रत्य में स्थान कर्ष के स्थान कर्ति से स्थान कर है। अस्ति से स्थान कर के स्थान कर के स्थान कर के व्यविद्यास्त्रेर्रे व्याकाताकातिरावस रत्याचा दुरावर्ष्यक्रिक्षांवरावस । सुरा क्रें स्तर् क्षित्र विवास्त्र स्त्र क्षेत्र क् न्यात्रका द्वालक्ष्मिकावर वर्ष वर्ष वर्ष म्यात्रका क्षिण्या क्षित्रका क्षेत्रकर क्रमस्य वर्षे वर्षात्रात्रम् व वर्षात्रात्रम् वर्षात्रात्रम् वर्षात्रात्रम् व म्मला यद्याक्यात्वयायुव्यक्षयायात्वय विष्ठाम्याद्र्यायुवावद्यायाव्या र श्रुवायते विवेशक्षाता क भुत्व्वातिर हर हरकेव द्वा स्वरद्वराक्षातिर प्रमाणीया をきるい केरवरका महिन्दरवर्षा चलरद्रहरमावद्रमानात प्रवेशक्षितवा केला महत्त्र है। तर पहिला कुरावाद दे दे दे का का किया है अया है अया हिन कर मही कि सम्बर्धन. यात्रभाक्षेत्रकार्येवरदा दवाक्षेत्रची से कुर्वराति करण्यर देवरा के विश्वराद्धा ्युर्ख्य श्रेमक्रा श्रेमक्रा विषया प्रह्मा क्षा क्षिया विषया प्रतिक्रिया स्वर्दर त्या क्षिया विषय स्वर्धन हीरही तर्पति धरप्तरात् यरत्त्र्यात स्वर्यस्य रत्त्व तर्करात्तरा थरप्ति वाधा सिव्यातकीरावन् व्यादिकर्यान्त्रम् विवासिकारी पर्वास्त्रम् देशान्त्रित्यो विश्विद्भेषात्र्रेवामायाय्यून वर्ष्या वर्ष्यात्राचार्यात्र्र राम्याया वर्षा सर्वरायर्रायव्यापर्रं वर्षायापर्यं केल्यापर्यं केल्याप्रायम् वामाकारा व्याप्त व्याप्त द्वार द्वार द्वार द्वार द्वार व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त ्याना व्यास्त्राह्यः त्यभद्रः। व उटाद्यं के ध्येवसहर्ये कृतः वितार्वेव व यात में न वियात्रयत्यमा तहारक्षियात्रात्यातर् सुरहरः तर्दर्विभेर्यते ही तथारे दूर्य

नाल्यकी वनदम्भावकारवन्त्रीयेव मेरदगर्भ निवासम्भागः लक्ष्यायहेवला तर्रक्षे यावर योगायविया मेला राष्ट्री भावरश्चिता मेरिय हो या मुन्नराहेलराव हर रराभरेर मरायक्षित वाश्व । र राजविवायक्षित हर स्र. प्रचाम स्रिमा चालका वर्षेरातम् वर्षे राजवा क्षेत्र हर्षे वर्षेर हर्षे वर्षे राजवा वर्षे राजवा क्षेत्र वर्षे श्र सून् में रूव याव वा वा हुवा । दर भरेद क्वा गए स्वरं वह वा । संदर् सुद्र तह स्वरं ति हिं। वाणविवस्तराविवायिभाष्ट्रभाषतिक। सिर्ह्राट छेरावनवा वाह्रादार्थे। से निर्म र्भारकाल गाम देश द्राभार्द्र में त्राभार्द्र म मिन्स्योप्तियात्वर्वात्वर्वेभावाद्रः अक्टलद्वेन्यायात्वर्वात्वे वक्टर्यास्यात्वर्वे वर्षेत्रवर 39.01 क्षें विवाधित मान्य स्मित्यमध्ये। स्वाहर्ययाद्रम् स्वावयाद्रम् स्वावयाद्रम् व अर्थः स्ट्रिययाः द्वस्तिर् भ्रित्यया भावरास्त्रिक्षेरानेवाव। यान्यराद्धाः अष्टरामेव अस्टाम्य अस्टाम्या प्राचिताम्या स्र विर प्रदेश पुरायकी अवर स्र प्रदेश विर के वर्ष हैं र र अवस्था के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य व मुन्। क्षा सर सर सर स्ववता स्वय स्वयं मेर महामाना स्वयं स्वयं मेर मेर महामान स्वयं स्वयं मेर मेर मेर स्वयं मेर से र्राया नरमर्थर्वाया सर्मार्थर्थ स्थान्य 3 वस्युंगहर यातामा सर्वा सेया सेया से एकर वेट हिया तर वित्व माता है र है ते हैं र है व इस पार्टी के की नायां ने ता है दर्गा में देश हैं वह तर्विद तर्हें वरित हैं वर्षे अर्थार अर्थ हैं हैं वर्षे भ Son of mad bear. मार्चे रवेलक्षेत्रलारकर्वत्वे वक्षेर्वरक्षेत्रम्यायत्ति व्याप्ति हिम नमर्या में वनशाक्ष्यक्षयम् । विष्य प्राप्त वर्षेत्र प्राप्त वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत वस्यानक्षेत्रः काष्ट्रतक्षाद्भाद्भाव भाग गुर्द्धाः हुमानेम सुर्द्धाः वर्द्धात् वर्द्धात् वर्द्धात् वर्द्धात् व नक्रिमें कि क्षेत्र प्रतिक्र क्षेत्र क म्बलम्बः हर्ष्टिश्चे द्वार क्षेत्रते हते विवादिलामार एव अव टांचानरा पहिले श्रीकशक्षेत्रा करें रसाई लग्ने पर्धिया कि विवयन वस उपस्य वहाँ वर्षा राज्य वसाय नर निक्षा क्षेत्रया विद्रम्पाक्षिताक्ष्मिक वातमः कृताः संस्तात्वदत् वद्रात्मा तद्रात्मा वद्रद्रित् हवरानावदा में करें कुल कर के प्रायम् वाया विवाद विवा त्यातर्ग विवास्त्रवनातः संकार्ष्ट्रीयरंक्ष अहर्षे वर्षे अर्थावस्त्रियायन वर्षे अर्थिक येद्रस्ता गाउलक्षेत्रके हेर्ये हित्ये हित्ये हित्ये हित्ये हेर्ये हे भुन्यरदेशक्ष्यं प्रापं प्रापं प्राप्तिमा मिना क्रिका क्रिका मिना मिना मिना मिना मिना कर्यों पर हुद्रः श्री जानाद्रवात्रात्रे जैसाम्मान्त्रद्रात्रे । क्षेत्रक्षित्रत्रे व्यक्तार्भित्रः यात्रेत्रा

यार्थि स्वावकाइ प्राप्तिकर्तात् की म्रांपे साम् वा वव की म्यास वावतार्वादार

इरिट्रिय्ययारे। द्वायम् त्यातार्येययायते कार्यात्या केम् क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्रय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया

मावर वर्षेदाहर में लासेव रादे। स्थाने देवराल कहर महिन्द्रवा में देशरमाधन देवराता चरवार्त्रराज्या द्वारा वार्ष्ट्रमास्यास्यास्यास्यास्यास्यास्याः स्वार्ट्रम्बलाचाहर रवाक्बरः । आवरवाधावाद्यरवाचा विवेदायतेस्वला । वाक्यासाम्भारदेवा यदी द्रात्तिम्बित्रम्भाताद्ये स्टार्कनात्रहेमहुक्रायकेरी श्रीटादगरार्के मृत वर्षः मेथितियाराता हटाइटलंटा त्या । इस्तियारा हिंदा वार्या हिंदा । वार्या हिंदा वार्या हिंदा । वार्या हिंदा हिं रापरस्थिकेरकेरकेर्यन्ति वर्षायव्यवास्तरायः अद्यापक्रियर्वे अद्वास्तर सारा प्रदास्थातिक । विकारी विकास स्टार हर राज्या । राज्या वारभर्गर्या संबुर्धिया होया हीर विकेद्रिया वार्युट क्रिये हे कर्षिया हर मूर्य केरिये हे स्थापक श्चिरावर्षित्वर त्या सु द्वारावर देवसावातात्वर्षात्यर तर् द्वाराच्या पक्षायित्वाः द्वराष्ट्रवायायायायायात् करे हेरहरवहः व्युवायायाः वान्व देवराभावत्व्यक्ष्मानुत्रः हे कुलयत्व्यम् इत्यापत्त्व्यः अद्भावतान् व्यवस्त्रियः प्रतिवासः री. में में मू प्रवेह पारेत. र वयम मुक्त मूर देर रेग गर्ड मिर रेग मु उद्देश पायक पर परे मी मिलक्षेत्रह तर मित्मेवक्त हैवल मित्ति लेक्ष्य मित्र पट्टममानाक्षान्त्र,देशमा क्षेत्रं के प्रति हार हार तर दे हार में भारत मार सिमान्य हार हियान किलाराष्ट्रासिक क्रिक विद्याना क्रिक्ष विद्या क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष र्वर:भर्प्याधिताधितामाः मृत्या द्वारा मात्रा । तहुन क्षेत्रवायर पार प्राप्त मा अअमिपर्येष्ट्रत्वरत्वत्रम् । स्रेत्रक्ष्णात्रम् कर्त्रम् रत्रं विक्रम् वैषायामा क्षेत्रम्यामा द्वाराव्या व्यापकार्य क्रायामा । वार्या क्षेत्रम् मर में बार् केरा केर महिल्ला है । में मार राजार सर पहेंचा से अकर परी केर में हर मिणाय्मार्याद्माद्माद्माद्मा विक्रम्भ्यम् स्थित् । विक्रम्यद्भिक्षा स्य रहत्यीयायाः ज्राष्ट्रम् स्रीय रि.प.केणात्यास्यायात्रार्थित । व्याप्ति स्री द्वर इर बर रेफ्र प्र स्टा विर्द्धमा नर्ति खन्न में ल स्टा रूप Ju2 122021 क्तान्त्र भराम् भराम् भराम् में इत हर माणावम् एक रह रह र द्वाला प्रदेश रह समा वर्षा भूत्रेशतावकाताः अक्षेष्ठ्यात्राक्षात्राक्षात्रात्राच्यात्रात्राच्यात्रात्राचा र्वेश्यह्याता हिर्वेश्यात्रिक्षात्राहित्यात्रा ्याद्यर्थात्या याया क्रियामात्रामाह्यामाह्या स्थान्त्रा स्थान्या स्थान्या 

मार्गामा में देशकार्गियार्थियार्थिया देशकार्थिया हिरामान्य राजेकार्थिया स्यान्या महार्थित व्याप्या ति विकास निवास र्येव करामादर । त्यारवावार्यववायामादः । त्यांक राजमात्रः द्राप्तायाचेवा मरीबिरदुक्रराधरः १५ द्वर्यावस्य । ११ ११ द्वश्यार्वस्य विराशितरिष्टरः भागित्रहें प्रदेश एक हा विकास करें विकासिक तालार्त्तारा द्वारा द्वारा मार्गा नर के स्वाराम्या वरके सामा वरके सामा वरके सामा वरके सामा वरके सामा वरके सामा वयासी र्राप्ति वर्षेत्रेश्चे वर्षेत्रिंश वर्षेत्रे वर्षेत्रे वर्षेत्रे वर्षेत्रे वर्षेत्रे वर्षेत्रे राष्ट्रभाक्तिक मित्रहें हैं । यह वार्यानेवाया के नेर्या मित्रहें हैं के मित्रहें मित र कोर्ट ११ दरदरदेशकोषाम् मधावहुदात्ते । ह्येरापास्त १५ कोर्टिवर्षकारमण इतायतिक्यामवयाने नेता द्वायति । त्या वर्ति वर्ति । वर्षि वर्षि वर्षि । वर्षि वर्षे वर्षि वर्षे व क्रीययाद्वित्रम् महत्तात्वा क्रियाक क् ... र्रेट्रेन्येवार्यस्यार्वरत्याः रर्द्यावयवस्यवयात्ताः JARAI MUZIENT. ाः स्वाद्वास्त्रास्त्रीः वाद्यारः देरसदात्वाक् वरायायदा रवायायक्षेत्रिरः किलान्द्रेटल राष्ट्रे करण नामिलारहेता केट प्रान्ति नत्त्र देशायहर नेवायहरा या हो। पर्वाकृत्रे भारतात्व भारता हैन त्वेता केंक्वा केंद्र है। त्व राउद्दालयाद्रभगात. र् तर् राया। वा कुलार्तिनिक्रहुष्ट्रा व व लिस्ट्रेरा व व के अनिवस्ता 1255 राद्राम्यातातात्त्व विवर्षवायात्रिम् द्राम्य क्षेत्रायमात्रक्षां स्थान स्थाननः 6321 मुत्रामभाष्ट्रम्क्रीम्ट्याचित्राची माहत्ता में वाहरा के विद्या दिया । अ.स.मी स्वायम् स्वायम् वर्रवर्षक्रिक्ताराकरात व्यक्तिर्भवर्ष्यर्थात्यात्वार्थात्यात्वार्थात्यात्वार्थात्या मी दरायसारि विवास राम्य सूरक्ष्मसम्बद्धिरम्यावकार्याः वातर्थी मायवविवायवर्गा र्गा के मान कर के ता मान के का मान के का मान के का मान के मान १ त्यू। रिमहारिक्षकार्य या अद्दे ता प्रतिक या तहन्त्र व्याचन विकास वि विकास विका Myd'5 इत्रम्यात्रे स्ट्रिया द्वप्रकृत्मात्रकृतः स्ट्रायायात्रे त्यात्रे अयास्य 4美元到 12 young. स्रिक्त्राहरू । अप्रमार्थर्स् स्रिक्त्रात्र रहेरात्रे व्यवनातिस्या प्रदेश 13031 त्यद्भवास्त्रस्थात् प्रदेशम् वर्षात् नद्र नित्त्वद्रात् देशव्यत्त्वद्र्यात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् स्रित्रात् । तित्रात्रे रात् अस्ति अस्ति वित्रे वाक्ष्य तात् वर्ष्युरात् भ्रम्य वर्ष्युरात् भ्रम्य वर्ष्युरात् रदा शृक्षाके हुए प्रमित्दा के क्रियारमात्रात्म के किरावेशात्रात्म के प्रमाणिया स्थाप के प्रमाणिया स्थाप सामित रद्भारामकाराक्षात्राच्यात्राच्या देवलामुक्षाकुम्ह्वलाकुम्यम् दरद्यवत्रात्वादेव्हर्रद्

रेग्नेरिहरूर प्रस्तरकरा । अपे अहे सेर्द्री। र हेलसुखर' यात्रा. प्रेयाक्ष्या स्रेच किर्यूटमा त्रा व्यवाच्या व्यवाच्या व्यवाच्या व्यवस्थित स्या स्था र्भे (के) व्यामान्ये नेया द्र्यां कार्या के विकास मवक्षायं वार्यस्त्र स्विव लेवा भेरद्राधिक में के भेरा भेरा के नाम महार वहार परेंद्र के देश हैं के मान है । इस में में में में में में में में ने रवाहित्वपारीयसमाहरकं देता है। क्रियाती की महाराज्य द्वारा निया । निया के कार्या निया के कार्या चर्षे । के अस्ति । ते अस्ति । के अस्ति । के किन्य के किन प्रमान्य कार्यक्ष्य कार्यक्ष्य विकार्यक्ष्य विकार विकार क्ष्या विकार के वित मार्शियदे रर्दर्श्यम् प्रत्याप्तिक्षाम् विराम् क्षित्रम् विराम् अवाहितार प्राची के स्थान के कार्य के कार्य के त्रात के कार्य के कार्य के त्रात के कार्य के कार्य के कार्य के कार र्दा क्रिया वसामाविसानिसानिसान कुर्वलायरालां मान्या के में मुंद्र विद्याला क सिनियास्त्रेत्रकारमः यहित्सर्थितम् स्थानम् स्थानमः रवेत्रेत्रवारम् स्थानमः रवेत्रेत्रवारम् स्थानमः वैरिष्ट्र तर्मक्रिक्टिक्किके हेंगत विरायकरा महामार्थित है। नवार्ष्य मार्थ שלוש מישאשמוש ארבעשריגייבייני שמתאבשמים אבתשביניים בייים שומבאבשאים की राम प्रतिकार की अरक्षेत्र के कार्य कर ने किया कर की से किया में के देश कर की की की की किया के किया की की की र्टम्पर्टिकाल्य विस्मिक्ट्रिकाल्याम् द्राह्मात्रात्म द्राह्म म्यार्षेत्राच्याम्यक्षा श्रीरवाद्य वस्त्रवाद्य रेप्टर् । या प्रतिकृत श्रीराणावाया एक यातिमार्चन्य के मेरारित केन्ति हर्षात्र हमार्च हमार्च यात्री प्रथम मेर्डित हो। (र्वाप्री प्रवाहर मान्यात्र) मेर्डित प्रथम मेर्डित हो। विकास मान्यात्र सम्मान्यात्र सम्मान्यात् र्थाकिरमिरश्रुविवयस्ते मचक्रांत्रच स्थान्त किरमिन्धुं र्न्तितास्वात्र्ता विव 到聖人的日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本日本 मिरे मार्गायकार्य : १६० मार्थि किर्दर्शियाप्रमाधिया दर मार्थालिया मार्मित्य मेर् ल् व्यवतर्त्वर लत्काः व्यक्षत्र एहं त्रत्राह्मा । हिलाशव् प्रेणाल्यरः अवेदा नेवानियाने शिक्षणात्रात्र प्रदाने अतिका नेविक्या प्रवेद्द्र रात्र होता रात्राद्द्र रात्र व इया वैराय तेन सूर्याववर्षित्रायर बर्यात यो अराप्ति के वार्या है है तस्ता अश्चिम् अर्थेद् देद्। द्रविष्ट्रद्रिया चेत्र हा भारेद्र। के वदेते विष्टुम् द्रविद्रेत्।

हर अते त्या कुन्त्व वा अदेर तही स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध के वा के वा के कि विकास के के ति स्वर्ध त्रा र्या कर्त्र में मेर देन के प्रमिष्ट वर्ण मेर करा में हिला पर मेर के प्रमिष्ट करा मेर हैं तो मेर करा मेर हैं तो मेर करा मेर हैं तो मेर करा मेर के मेर करा मेर करा मेर के म 7到~~ र्वायक्रितकरान्त. परमानेद्यु होता पर्वायाम्यान्त्रियाः रेपूर् ज्रद्भारम् रत्नम्या गुजर्यहर्ते विवर्षेयान्त्रम्यान्त्रम्यः यहक्ताःद्राहर्ताः स्टाइटायहर विवादी मर्खायनात की कि शिक्षायी में बहुता में महिला ्यर्वायकाराम् र्रव्यम्येत्रवात्रात्रार्थाः र्रव्यम्यान्ताः र्रव्यम् かい、ヨエは、はは、はは、日日かのままののまますは、日本のでは、ないいいいかい 日本「とかいっての当れ、西山山本「山山のいい」」の大きは、西京山路中では さいからからなっています。 さいい はているからからはかっていましま द्यार्क्टर्स्य द्वारा मार्च रहेर द्वार अख्यारा वर्षेत्र वर्ष वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्ष देशकात्मात् वर्षा वर्षा । न्यति श्रुष्टि हिराहर भूम द्वर्षामा रहेरण उभवर अविवर्षित्रकार राज्य हैं। यर केर केर हैं। यर सम्बन्ध अविवर्ष वरहे राज्य क्रि. शिक्षकापद्धाद्द्रभाष्ट् म्बलपार्य रहे महत्त्वारेत रहर रहम नेदा में मिल्या में तर में रहा में में प्रति में में प्रति में में प्रति में लवाओं अर्रेश मेंद्रार्द्र मिल्ट्र मिल्ट्र मिल्ट्र मिल्ट्र मेंद्र ६०म्याः सर्वेतास्यान्त्वम् विस्तान्त्रम् विस्तान्त्रम् त्वान्यान्त्रम् रहिलयी द्वारा पहेंचे हैं स्तान हिंद ता निर्माह के मार्थ है राम मार्थ है राम मार्थ है राम मार्थ है राम मार्थ है रनदर्गत्रदा है के प्रयुक्त व व विष्यवस्था पर विष्युक्त स्था विष्युक्त स्था प्रयुक्त वर्णा मार्थ रहे वर्ण १ श्रीस्ट्रे दे रामस्य कर्मा वर्षेत्र रामस्य के क्षेत्र के क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र हिंद すかできているはいないないとうかいましましましましましましまっているとれるとなる 902 रामिक्टकोत्रामकुर छ नेर्यक्षार र महारा किर्मान के विकास देने या मन्द्रात्ते में देशाह वि में दे दे कि कि कि में दे के ति के केंग्रह्म क्षा अरि. प्रत्या प्रयो क्षा कर क्षण रहिर है प्रत्य प्रयो कि केंग्र में प्रति प्रवर् विभा भेर सेच रार्व राष्ट्ररहर्ष्ट्र में कर्न के पर ने पर रहे हैं। मान् विकारक्षेत्रके दर्श कर्रक्षेत्र मान्य राक्षेत्रका देवा क्षित्रेता वार्षित्र कोर्यर द्वार्यति न्यापाद्वे हे कुर्यास्त्रे स्थापाद्वे स्थापाद्वे के द्वारा के किया कर्या कर्या कर्या के विकास 10 agg Zi あいないとうながら、四くをとはい からさいが、あるくないなく、からないなっていというとう

म् अर्यात्र विश्वति क्षित्र क्षेत्र क् あののいかがいかり もとがとなったことというと まっているというにだかいい かんのうれてはないには、あらそのかまれななない。すべいないないというとうしていいがい (मर्थाताकरवाताकरवाताकरवाता न्यंदेश है व लिखा में महामूह में एक प्रदेश के विद्रक्ष्या अर्था अर्थ । व व व व विद्यार् क्षा मुद्रक्ष्य मुद्रक्ष । स्परानिकालक द्वास्था असेत्रता कार्याति के देवकारावासंद्व में अहरे हैं ते के विक्ताना व्याद हरार त्या केरकार के तर्वा कार्य केंद्र स्थापाय कार्यक विदेशिया महाराष्ट्र भेरिति । महामान्य महामान्य विदेशिया विदेशिया विदेशिया । वरहें अल्लेस उर्ण वर्षेत्रहा मुस्हानल १९०० हें दे हैं। देरवें न्येक्ष्यं रहित्ये की क्षेत्र के कर के व्यापता कर के अव दे रहते । 大はまる あいないとうないできていいからいかいかいかいかいが では、くれん म्यान के विषयित्र में किया में किया में किया है कि किया के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्य के मार्य के मार्य के मार्य क मक्ष्रभाष्ट्रमात्रात्मा अनुवादात्रात्मा अन्ते । द्वादार्यमात्रे । प्राप्ता प्रमुद् विकासिन है ने राष्ट्रा मार्थ पर विकास महास्त्राच मार्थ र नहार मार्थ र मार्थ रही उद्दर्श्यायात्राचार्त्रायम सुस्वायद्रात्यकात्राच्याया व्यापका गडाँस है भेर हैं। एंग मुखा पहार्थर कि मार्थित परिवास त्यक्षक्षेत्रवते सेर्द्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्ष - कर्णायक्री देश धर्मा वर्षे वर्ण के करा है ते सुंहित सुंहित सम् "नेद्रक्ष केवीलमालाता निरंगानकेवान प्रमायन मरा उर्वे प्रवाद्वीर स्वातान । ्वरत अवस्थात्म वता वृद्धात्म राज्यात् व्याप्ता व्याप्ता केटलायरमान्यान्द्वो वहायलावहें। क्षेत्रके त्रित्वा प्राप्त केटहेरे दिए द मुद्रभाष्ट्रमा राष्ट्राचारा मान्या केवरकेवित्यादी राष्ट्रमान स्वाचे साहर कुर्धकारी केंद्र देशका कामा कामा क्षेत्र केंद्र देश वस्ता स्थान है है. किता महर स्थितिक वी व रार् के तर्वा वारा विद्यहत ही वा ताहुवा राष्ट्र वा अव राष्ट्र के अ

いた時で NA E

र भ्रे

श्रात्वरा याव के श्रव हैं दव्या राजात । हैं है रायव्या सुवा राजा में वा वर्अवर करणधीयभरत्य के विष्ण हिरमे अध्यक्ष भाव भेरा देश्यापर वर्षेत्रकारण क्षेत्राच्या वस्त्रमानुवास्य स्वर्षायास्य स्वर्षायास्य देवर्राच्याय स्वर्षायते देवा त्वर्षायास्य रमम्योते त्यस वर्ते करामभादवर्ति । दी व सर ्याद्यामभूवा द्वाकीरवर्ते ह्व स्रात्र हराइ रेल सर्वेशकारात कार्यात्र स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थान ना नाम नारा में का प्रकार कर कार्य हार है है है है है के बार के मार्थ में में से देवार तात्रा प्रदेश र्ट्य में डर्डे त्र्य भार पालक हेन्ट्र सेश्व क्षेत्रके प्रदेश क्षेत्रके प्रदेश क्षेत्रके प्रदेश क्षेत्रके क्षेत्रके प्रदेश क्षेत्रके क्षेत्रक भूक्ष्या रहाक्षर श्रेश्रहतात्य प्रस्तितः त व्यामन्त्र ने वा मान्य ने वा मान्य हरा साम्रह विवस्ति दिवा हरा। सर् र्हेर रह र कर्र क्रिंट्र हिर्द् प्रक्रिके जार्ड हैं से स्वास्ता है। नवद्र के के से में के पाक्र के में है या विश्वकार राधीया, त्यामवात्रमें वर्षा भरद हुत्र में देव लक मुक्त वाक हुका मुक्त मुक्त में स्था के स्था के ेर्द्र दूर्य नवर्ष यक्षे व्यक्ष भेद एकर हिंद्रवरेषा खुकार् एट्युष्ट्यकाव कुल्युर्द्र हर्वेद ह्यूर्याता स्तिस्याहरायदम्भात्ता द्वार्याद्वार्या द्वार्याद्वार्यात्त्रा द्वार्याद्वार्याद्वार्याद्वार्याद्वार्याद्वार्या हिर्यान्यता, हे न्य विवस्तार्यत के रेयलर्केयर्रद्वा अहर अविवस्तक्षिक्षक्षक्षाक्षेत्र राम्यान्यत्येतम् । महत्त्वत्तम् अलकानवर्षेत्रम् यम्वात्त्वत् देत्रत्वामः स्टरास्य क्वला ह्रेंप हुरामाने हैराहेब हिंदारा है। देवरा मान्यसिन भर्दे । बर् ब्रियावीं さんとうない しょうしょうないきょうない これになっているできるといろいろ एक्ष हर सामान हे त्यार महार मेर्ड ह वराम एक्ष के क्रिक्स मेर्ड ह वराम एक्ष मेर्ग. वयाद्यर के स्थावर तार वारवी लाय के कार्य के केर की र में प्राप्त हैं सा でいる。というというというというというないないがられるといいいまできる वर्ष इर्ल हें १ वर्षे भागत रक्ष केंद्रकुष रिक्ष के लाग अवी बीर रेक्ष कर्रात रवास्त. सर अयात रेवाक्ष्यात हैवा दूरा मेरे अहर ता केला त्या तात ते हिंद किर मर श्री मेर हैवा मेरी सर्रहरका कर्यंत्र तक कर देवका समावाद हैं के व है भी कराये र उरहर्य कर प्राचित 大きてられば、ヨヤニーといれずないという。まで日のはないとてていば、までくれば日の राज्याक्षराय्यक्ष राहार्षेत्रवर्षेत्रवर्ष्यवार्ष्ययात् । यद्वर्षक्षात् । सम्पर्वार्षः वर्ष्या म्याप्तिक्षेत्रके त्या त्यार्थिक क्षा स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्ति व्याप्ति व रहेक स्थाप्ति व रहेक स्थापति व रहेक स्थापति व रहेक अलारलरुद्धार्यं सरदेलद्दीय मलंडील्य पन्तरः करिनेस हरायादिताराम्

म् वार्श्वातकेदलासर् में क्रांस्थ्वार्थ्या कर्ता के क्रियार्थ्य राज्य के वार्श्व के वार्श्व त्यार्थित न्या यहेग स्तर शर श्रेम वमायारे में क्या रेम महिल्या में व श्रेम प्रेम प्रेम प्रेम के विस्त्र प्रेम प्रेम प्रेम त्ता र्केग्राचित्रिक्तापर्ति केर वेत्राक्षण करिर्द्राच्या केराध्यक्षान्त्रेशक्ष यदः ेत्रातास्वात (मेंग) गर्रे रिका केस्व प्रमेश केर्य प्रमेश प्रमेश हेंग मेंग मेरे के देव मेंग मेंग केरेंग केरेंग हैंग मेंग केरेंग केरेंग हैंग मेंग केरेंग केरेंग हैंग मेंग केरेंग केरेंग हैंग मेंग केरेंग के उन्नाम द्वार राम्य राम्य म्या वाय न्या याद । यह मर्गर विमाल में मुख्य । विमाल में मुख्य । न्वेचलकुराक्च देव रंभरकूरा विचक्चेचारा पर लूर. मैंजर्भर मिने क्वें वर्ष हुं जन्मकुर्थ. ए.ज.इ.थ.च.तेश परंच्या वर्ष क म्यारे. मं भरम्था ब्रेट मं वर्ड वर् लारे में बेशका जा वर हिना त्रेक्षेयाय ते त्रवाया । इत्य स्थिता कृष्य विद्यात्या । इत्र रवेद्यात्याया स्त्र रवेद्यात्याया स्त्र रहे भेत्राभाद विष राष्ट्रदर्ग साम के र वर्षेट खिरामक एक्सर्ट. य तारा में कार्य में बेटरें अर्थ रम्भारतहरू संस्टा है वर्ष है व मेंद्र मंबारेवाकी तरवासर , खेर अवस्मित्रस्थार हार है। भी दान से देशमान त्वमाधित मियाम् रेयून से पुरम् व्याद कर्र र्यात भ्यातमा विवास करा विवास करा करा विवास ब्रिंदिश्चान्तर ुवेव खरा राद्रिय सहरूर, विश्व हिर्ग तिरामिश्वात में विषा त्यारीर. क्षित्रवर्धात्रक्षेत्र । वर्षरद्धीतनेत्राध्यायावर्ष्णवर्षेत्र क्षेत्रवर्षिवरात्रक्ष रिता किताम् भूरक्ष्य कुरा श्रीद्य रेताय प्रेया अभवता जित्य में असे ता किताम में स्वर्धन क्यानियादेशक्षेत्रं रत्यं इवरा सेवादक्षित्रं यात्रेयक्षेत्र वर्षक्षायिक्षेत्र क्री स्प्रकारहेत्यः विद्यारा द्वा रोअरास्त्रव्यक्ताता व्याव देवकेश्य सम्बद्धाया व्याव रा.चर्.कुन्नित्रीपारी,पात्रा,सै.इंड्रा, सी.द्या,प्रस्थिककूर्य, मृत्यंत्राप्तर, केला, स्थारंभराम्तरम् हूं, ये पा विवाल किराधित स्वार्वल देश हिर्देश प्रतासकार वार्ष्य दश्वास्त्रका देशका के नेतल है नेतल है नेतल र्णा क्षेत्रे वक्षात्र वसेरायते र्यवयं के त्वकार्य क्षित्व क्षात्र हते का वुरायत सेरार्य से निर्मेत्रकेशनम्बर्दा विव्देश्वरम् नरत क्षेत्रमः न्यायानमः विव्यक्षेत्रमः विद्रम् म्यास्ति विद्या र्टातास्त्रात्रे के मेर्गर्ट र्येन प्रविद्दर में स्टूर्ण हिंदे किये। वहुमहार नार ने महान गक्तावरम् किन्त्र्या मिन्ने वाराम वामने न्याय न्याय न्याय स्था प्राप्त द्वा स्थापन निवर्द्धः द्धवर्ष्याः सेवाः सेवाः संस्वरुशः को वर्ष्यायस्य स्यायस्य वर्षयः वर्षयः वर्षयः वर्षयः वर्षयः वर्षयः मुक्रिम वास्त्राध्यर। तवाव संबीद व क्षित्य रगम्य स्रेति एस्यम्ब हुद त्यव ध्यम् स्र

म्यानस्य हर स्रोकेन करण मद्यस्य हे स्रोद्यास्य स्रोद्यास्य हिर्द्यास्य हर्ष्या

र्मूम् निकामा स्वर् के विश्व क . २९०१ है।= देर्नेट के अते अर्भेट ता शुरुके हक के वादते के देर तर्के वात्र के कर कर कर कर कर वा ता भर क्षेत्रमा "नद्यहर्षाक्व सुर्यम्बरमा क्षेत्रने में मानिवास्य करात में में प्रकारिता नहीं, थे वर्णवेता चर् विज्ञेशस्त्रेशव द्यान्यहणातं व्यान्यान्यात् मावत्य वह्नेभेरश्चात्रात् प्राप्ता द्वार्थात् रर्थाभरववराष्ट्रियम्भात्रम्यः यर्षरावर्षक्ष्रं देशका विवाद्यात्राक्ष्राक्ष्रस्यावाम्रस् क्र भार आपार्य व परवा नुर्वेद क्रवा वार्य देवा मार स्टब्स में देव पा हैरा हिर्द्धा पर्वेद क्रवा केरा क्षिक्षक तक्ष्यक्षत्रकात व्यवकार्य द्वाति वर्ष्य क्ष्रिक्षक्ष्य द्वाति क्ष्रिक्षकात्रकात्रकात्रकात्रकात्रकात्र 3 व्यापा ्सवारयक्षेत्रक्षक के मुद्दे विस्मान्य विस्मान्य विस्थानित के मध्ये विस्मानित में वस्त्र वर्गारक्षा के के विकास मान कर्त की रचने विकास कर रमारके र की रमारक विकास कर रमारक कर रमार अविदिर्देश्यार् विद्यार्थ क्षेत्र विद्यार स्वाहर्य स्वाहर्य विद्यार स्वाहर्य स्वाहर्य स्वाहर्य स्वाहर्य स्वाहर मार्चर्यापक्रवारम्याप्रकारत्येचा उसक्ष्याचेत्रे वक्ष्यक्रिय वर्षाक्ष्यं प्रमाण्याची रामक्ष्याचेत्रे विक्र सेर्नेत्रम् (त्यर्भ ह्या प्राम हर्षारायामा यत्रक्षात्रायत्य स्टब्स् विमान् स्टिस् म्म्यूल रेड्यर्वारावम्य क्रिक्ट्रें केंद्र देरुक्रद्रथात्वमूक्त र्वेभक्षम् मुः निवेश्वरद्रम् वर्षे एवं वर्षे एवं वर्षे हिर्म क्षेत्रम् मुभक्ष विभागम्बाद्यामान्याचे मार्थे व स्थाद्याय व द्रान्य के स्वता का का मान्या मान्या के स्वता के स्वता के स्वता के स रे.व.बेट.खा म्मय वर्षिकार्या सेर्यात त्राप्तेय द्राप न्यासुना देन देन कार्यका सम्बन्धि सम्बन्धि । दर्जन सम्बन्धि सद्देन देन मुला बर। ななが、これをしていることではないし、これというできているとうではない かいているまのはれ ्रिहरसम्पत्त स्थित्रवहरात्यत्वावत्वव्यव्ये स्वाक्षेत्रविक्षेत्रव्यक्षात्रम् र.भ.र्ट्र.६नएवर्डेलाकी, भट्र.३मल प्रतराज्ञारंशवाव राष्ट्र व राश्चरति स्वार्टर अर. करायेक हिन्द्रिकेन देर एक् मलालावेक सार्वरमान्निक विकास केना से वासिक १ स्वर्धन्त्री दवःकवश्रहः १३ १६०२ महत्त्रिक्षत्रेत्रात्त्रं हिंशदरःभारत्यः कर्षः सहयः स्वत्याकारदेवत ल्यं स्मराह्य व्याचार्यात्रा क्रीकार्ड मेर् स्मा とかいるなのはかんにかられていましていましている。これには、これのは、ある、とかいかいとれる。 とからまない かいればのかといいないないないないできるかられているとうないとう म्यं क्रिंडिलान्यं व्यापितिक्षेत्रितिक्षेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रे देशम्यात्रात्रात्रे विष्यात्रेत्रात्रात्रे त्व्यान हरवार्यके अहरवर्ष्ट्र क्या देशका के वर्णाय दे कि विवेश के वर्णाय है। くなっかり 西にていいのからはていることには、は、これはないでくらかっていく

शार्भाक्षेत्र द्वावतक्षेत्रवद्वतक्षेतायद्वादः कातात्वात्तः वात्रात्तातः व्यक्षेत्रयत्वभवः तिरअधिकाष्ट्रमा शूर्यं वाष्ट्रयातास्त्रे दिलात् । वाष्ट्रयात् विद्वात् । या भारत्या मार्ग भारत्य विकाय हिराय हे अधिक सम्मात्य के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्य के मार्थ के म प्राथित हैं हैं के हैं हैं के है के हैं के ह लिए प्रहासी र देवरा प्रविस के व्यास्त्राक्षण दे हैं से प्रविस्त्रा का प्रदे हो ने से से क्षेत्रअ.क्षेत्रीयोजालक्ष्यमायदे। देराद्भादर क्षेत्र प्रच्याच्या भव्याक्षायपुर्भेदावया. पववातावरे क्रान्यार्थाराष्ट्री न्याये विकार्य न्याये राष्ट्रायम्याता क्रिस्यायात्रे व्यायेर् नि सर् ख.वटतेर। अवाविक्षेरामोववयायार्। वर्षात्रतेवकेववववायायात्र इसकेरे एदए नुस्वर द्वा वादव संदानिक हैं ना वर्ते वादव संदान की ना वित्र हैं । की दार की ना वित्र के की दार की ना वित्र की पर् देवनायाम्यराक्षं दरवय एह्नायाम्याम्य म्राम्य म्राम्य स् ब्राट्स्य व्याप्त वर्षा अभित्य में द्राया मार्थित वर्षा कार्य के वर्षेत्र के व म्हालकार्यमा व्यवक्ष्यतिक त्रात्ति अवक्षात्त्रम् वर्ष्यक्षित्यक्ष्यति राम्राध्यक्षिति । मिं बुदाधीया यात्रावस यात्रादरे हिं हो येद के के बहु के हिंद लायर है ने विद्राद्य है है है । लेका हुन्यति दहत्वरार्ताता होते त्यात हार्या करिया राष्ट्रा स्वाप्त स म्यात्वरात्रकात्वरात्रात्रकात्रकात्रकात्रम् क्रिक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष La. Asleri केंद्रभगविष्ट्रं शियाकेनेहर ही वाद्मवर्षा है एक्टायाकेने पाइने वस्तर हिंत 日 かかいかり कुलकुलल्युवा । प्रदाह्म उटायादिलका लाकर स्थर । या वस यह व व हर दर सा हर दर र ge. AU. O) म्ब्राम् ह्रायस्य ्यम्स यामान्त्राम्यान्त्राम्येत्राद्रः हेस्रियासक्यात्राद्यात्राहरः हर्भियास यः व योष्ट्रायदेवा चारदा यास्त्रप्त के क्या एवं चारदा हिट्या के क्या जब से चारदा হ্ৰনান্থৰা, रयतः कर्रा सुरक्षा त्वर्वरवावता हिरक्षे मुख्यात् व्वक्कितात्र्व स्तित्तात् वित्रात्राचेरः hard, strong. 653 मूर्यूर्म् मुला बर्धिरस्र्रावित्रयात्रवाचा हर्मम् स्वार्तिकार्वेत मित्र पर्धिर चेडलामुरे,लूरी एवडला झे झे चेडला प्रराजाता झिलाझी रथूलाइलाकी वर्षे वरीर से बाह्य के कार्र अर्थ मुं अद्वे केद्र मिराववया यालक्ष्र्यक्रियक्र्य्यक्षेत्रक्ष्या वर्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्या मार्थ्यक्ष्या अर.क. थवान्त्र श्रेवा ताव त्रवा अरदः व दव दक्ष मुराक्षेत्र क्षेत्र ह्या अक्षेत्र ह्या हित्र व दवव याल्ड्री अर्थेनश्चर्यते विद्यास्त्रायाल्ड्री हिर्श्यादेवा हे विद्याप्ति - अर्वेअडिवधिराम् राप्तिकार्याचा प्रतासन देवाह्यात्ता हा अदलवा अदार्थि अदलवा विवास त्यादर्गाटकार्म्या तार्वाच्या अस्त्रामठेनात्मक्वात्रामा में भागकर में द्वारामानार र्भ्राम्बर्गान्त्राम म्यार्श्वावर क्या वाकाव्या वाका क्या क्षेत्र क्षा क्ष्रा त्या क्ष्रा त्या

सर्वणार्ष्ट्राम् वित् स्ट्रास्थायात्र्रम् स्ट्रास्यायात्र्यात्रम् र्यालकारर्यालकिरारलाकरहरी परीकापरिवाकितास्त्रकेषात्रम् परीतर्वास्त्रम् न्यान्त्रात्वा हेवारा अदक्रिया त्या त्या त्या त्या त्या त्या व्या विवास के विवास के विवास के विवास के विवास के सर्भिति एवे भर्षात्य भरकर पर्द्याल संस्थित विद्याल । व उदाल के पर्देश ने मेर देखें र्रे रहेर व्यवना अक्रमा के किता मता एडिता में देव एक प्रकार के प्रमान के मता देव मता देव महिल्ली हरम्भातं वीस्र मात्रे मात्रे मात्रे प्राचित्र वित्र के मात्रे प्राचित्र के मात्रे प्राचित्र के मात्रे प्राचित्र गार्कायहर्द्ध हैं। इ.ए.जंडायायहरू 4746 ALG 5612 161 4 मुम्मिन्यत्या रं- देवतातातिरक्षातातिकाताताद्री तात्रारकोतामात्राताताद्री वावतातिक्षित्र एक या ताता रू. इ. व. दें . चुर किर के व. क्रिंग ना हु . में व. प्रांत है व. ट्रांक रूप में व. है न विशे ्रक्टा वाकार्य क्रिकेश्वर्ता के जिलान एर के लानपूर्य के के क्रा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र करा श्रेट क्षेत्र मा सर्दर्य के र्य १ रे. श्रुर्धक्याया वार्षेत्र केलार वेलक्षेत्र हिरायार वटा व क्षेत्र वर्ष प्रवर्गम्यवामालाषुरवतितु मकेराया महत्त्रा महत्त्रा महत्त्रा महत्त्रा प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र मर्रक्षिं हरा मृष्युक्षिक विराह्ण स्वार्य स्वार्य त्या कार्य मित्र क्षेत्र हे त्या वार्य रविद्वाहरित्त्रेत्राच्यात्र्यावाद्याचा द्वारा द्वारा प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता स्वतिवास्त्रेत्रे सुवसास्रका ることってきい。至いていからい、これがいるは、ないます」まではより、かいからない बिन्द्रिश्वरमार्द्धरामा द्वान्द्ररक्षरविद्राराष्ट्रभवता भेरव न दविवयामार्द्धातम् विराप्तरारं राज्यात्रमेत्रविकास्यात्रात्रात्र विराप्तराप्त्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रा がいいとうなるないできるというないないというないないできるというないないというない हरे अलूका नामद्राहित कर के महर्म केरा नक्षा केरा महर्ग हैं ते नाम के कि के अपना कि महर दे के त्वरादलक्षेत्रदासुअर्कतः व्याद्यर्येवक्षेवन्त्रह्म्ययम् धुववह्ययस्थेवहिक्ष विभावना देवप्रस्त्वा स्ट्वा प्रमेद्रिः प्रवेता प्रदेशः प्रवेता वासवाराध्यार्ट्येवार्ष्यः स्वत्रराम् सुर्थारद्या त्रमा द्राम्यार्थाम् म्यान्यार्यं तात्। रद्वाभेरावहत्रराव्यक्तिंक्षा वयक्षाक्षाक्षा व्यक्षिक्षकेषा इयम्यक्षिताकेष्ठे एड्रेड्एंद्रकी स्वाकेटल्यानद्र, विद्देशिलक्षियाव प्रवस्तित्रम् क्षेटल्या र्वारहुव्यर्क्षमञ्चर नेवरुर्द्धकाना अस्यात्स्य है। नेवरुर्द्धार्या वर्षे 

अहें देश अवर्त्ता रहेर हेर के महे रहर दर वस्ति वस्ति वह प्राम्य मेरे (१९११) केरक्रक्रिय हम अरक्षाने अरक्ष रमका रमका करणके देवत है वितर्भावित क्रियाम्बर्यायम् हिल्लह्याहेरामा स्वायाम् स्वायाम् स्वायाम् मेर्द्रक्ष) वदारोभ भाउवायायरे भ्रीद्र हीवायर्द्द्व। कुलामके वनारा विभाग वदवा धार्याया स्वास्त्र तापास्त्रमान्द्र सेवलिमक्स्मार्थित वर्णात्रमान्त्री संगामन्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्र नरेशताप्रयापर्द्रम इ.स. मारकिमान्यायानामान्यकरर्वेका क्याइरहर्द्रम् क्रिकेट रहे हैं। रद्या विकास अविदास के प्राथम के प्राथम के विषय के विकास के वितास के विकास क जिमानमार्थे निवालके निवालिया निवालक में प्रति होमानियान मिन्द्रा के मुंद्रा के मान्य क से अड़िवत्त्रश्र बेट र द विश्वराहिता च बेट . जा में र्टेट या में जा तप् से व मके र व्याप र वसर्धितन्त्र । द्वारहर्भेत्रत्मक्ष्याभेत्वरः क्रिकेत्रास्थार्थार्थः। भरत्वसार्थः मन्यक्षा वर्ष्यास्त्रेत्रवर्षवर्ष्यस्य । वर्ष्यस्य वर्ष्यस्य वर्ष्यस्य मास्त्री मिर्केशियां वित्राचेत्रामा अधिव विरायदेत्राधिवा मुख्यां देता यादनाम्योदे मिल्याक्षेत्रत्यक्षेत्र हेन्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्षेत्र हेन्यक्ष्यक्षेत्र एवव,सिर्टरात्र्यं वर्णक्रित्तालितं काविश्वयणात्रपुः स्थान्तरात्र्यं वर्षत्रेश्चर मान्त्रं ३ बार्ट्रत् वादायात्रा राष्ट्रवाद्यात् मारस्युतात्मारा मात्रा सुक्रेश्वात्तरामाराक्याम् देश त्वावायेरासुक्र महिल्यां है। या विकार विकार विकार के विकार के विकार है। विकार है। विकार है। मिलामिभरा देशवर्ष अस्तिवर्ष देशवर्ष देशवर्षिक नता गर्भिडाम्य्यम देशवर्षे मुक्तिवर्ष उस्त कर्षीरवरेश्वराष्ट्रात्मालक त्राह्यक्षात्रात्मा सारवत्रात्रात्रात्मात्रात् पादमा विवाहितिहर्षा क्रियहर्ग के मक्रानि । क्रियं क्रियं वर्षित वर देर स्ट्र वरहर्म्ब्रिक्सेम्वत्यम भविक्षेत्रवेषाक वर्षा वेषाक्षेत्र रहेर वर्ष एत का मुन्नु वर्ष रहा देव निकिध्यातिक । राष्ट्रायातिक क्रियातिक क्रियाति मुक्तालरमा इयाव बर्दामान्त्रां रमा भरता है। विकास प्रमानिक क्षा है। वर्दे करा कर डिक्सिकेयारे स्मित्रीरअरवितिक्यरिक्य राष्ट्रिकेक्यकिर्य नेमलाहरूर्विय स्वरविधिस्य राउटाईकीयम्बद्धाः मार्गानिकार्यः स्वर्धानिकार्यः स्वर्धानिकार्यः नथाम में ह्वा क्षेत्र हुते तत्वामारे सरकति कर्वति वाद्या कार्या वाद्या कर्या कर्या में न

यविर्ताको स्वाद्यकार विक्तार विकास विद्यालया । विकास विद्यालया । विकास विद्यालया विकास विद्यालया । वर्षर्भादेक्षर्थात् वर्षद्वर्ष्ट्रर्भवाक्ष्यकार्थात् मुक्तप्रव्याच्यात् मेलायाः वर्षस्यस्ति। स्वाया में कर्र देर परमा में मुलिर क्षेत्र कर्ष का कि मिल में जिस में कि में कि में मिल सहमार्टावनि यात्वितिष्ठात्रात्रेत्र देवरामाक्ष्यात्रेत्रात्वात्रे र्यम्बर्मिक्रम् । भारम्डिक्र व्यव्यान्ता । द्रम्पात्म क्राय्यक्तारावाच्या क्षेत्रेवरवक्ष्यरताच्यर क नारक व रायम्बर्धिक मत्वेशमवनवाव रेवास्यरमेत् न्य भेरत्रहर्षाम् अरुक्ता म्र रहरत्यमाश्वरत । व व विदेशे अर्थर सुव अपने विदेश भेरत्य सुव अपने विदेश के राय्य स्ट्रोत्रिहिट्ने र्यायम्ब्रिश्चियावर्वेवद्यामः हाक्ष्यां हेर्वर्गात्वरहायामः । रह्नाधिर्धरातुम्वरातुम् कर्ष्युद्धरायाचे १८००मात् अन्यम्भवेरावर्भावर्पतिक्रिया र्धातवहुर्वरेकरतात्वस्य वर्ष्वाणाम्यद्वास्त्रस्य क्षाच्यास्त्वास्य यस्त्रभेतर्वावर्भवात्रभाष्ट्रभाषात्रभाष्ट्रभाषात्रभाषात्रभाषात्रभाषात्रभाष्ट्रभाषात्रभाष्ट्रभाषात्रभ रिल्ये प्रहारिता नेत् विकारिया पर्या महिवाहेव विकार हिवाहे विकार के से के ुर्द्रात्येरे ्ह्रार्थ्यस्त्रम्यअद्येष द्रमण्डम्ब्रक्षर्वायअद्वेष हेर्येवः まれたいはないから かっぱいしんしんないしょう しゃいかはないのいからなれる विद्रार्भित्रहार्य केंस्ट्रे दूर हैं। र्यात्म्याम्य र्यात्रहार्य क्रिक्रिक्ष यार्ट्याप्रस्थात्राम् वात्र्यायारे लेवाताया देवात्राम् विकार्यात् विकार्याः महत्महा मेलायानवृद्वितान्तु यह्मानेन में वित्रम्ब्य देव में वित्रम्ब्य के में वरा क्रियाने स्थित्रियं रक्षेत्र भरत्यं वारत्यात् की कुर्ण दे अहर्तित्यं के हें का श्रास्त्र में से में में में में में में प्रक्षितिक्षेत्रः वर्षः मेर्यक्षा अक्ष्रिवर्षः । अर्ट्या प्रकार्षेत्रः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्ष क्रम्भूद्रक्ष्याम् क्ष्याम् क्ष्याम् क्ष्याम् विष्याः दे व्याप्तान्त्राम् विष्याः साम्या परमाने यान्त्रे या भक्ष्य भागात हिरा हिया भागात है में दे ते या है रेट्रे दे वे वे वे केर स्माप सा सर द्यंता नारं लागाद द्व बुक्ता ंदेश सर्वेद देववा केम सर्वेद श्री के विद्या के मार्थे कर्णास्त वहरत्यार्थरार्थरम्यर्थमाराज्यार् स्वयंत्रे परे तम्यास्य वहवा हराष्ट्रयावहीत्वाववरः हेत्रवार्ष्याता द्वार्केट्समा मद न्य र्यत्यम्त्वम्यम्यक्षेत्राह्यस्यस्तित्राह्यस्य वर्षात्यात्मात्रम्यं देत्रात्वराष्ट्रभावर्ष्यक्षेत्रात्रात्मात्मेत्रात्रात्रम्भर्देन्वयर् य हिरा हेर एक प्राप्त में हुल दिल, का ह ला चार ही अहम तहन । देश मर्द्य परका भाष्ट्र स्वता है नित なっていていまります。ない、なっていまいというないとうないとうないとうないとう。は、まただけいないとうない。

बिद्याद्री वेशविद्यव्यातातात्व्यात्रात्य द्यांत्रद्यातात्रात्यात्यात्र्यात्यात्र्यात्यात्

र धेका।

गिक्सिट देरही। हो सिस्टर रामक्सियारेरा Beut, A-19501.41 मित्रीताला,णालाइ, रेडेंचे ला चीर् मुले जेडे अपलाइ, र म्लासिडलास्टर त्यर ने से रेडे देशह मक्री मेर्। मेंग्रेनर अवलाग्या हेर्री कार्य कार्य कार्य एवं राज्य हार्य स्थान विया ह ظامر بالحال في الما يا بالمان المان الم त्याके विध्यात्र दिस्त्रेशमात्रका मार्ग्या त्यात्र त्यात्र विष्णेमार्थिक सामिया के सुन् र रिक्ट्रेन वेरामविषायात्र । रव यात्री के प्राप्त र र र र र र र र म्भवासिद्विवातासूदः कुंत्रकात्ते । त्राहिताता । त्रकृता हो गाकादिक । राजकिरहरः क्ष्यान्य ने सम्बान्य विकास के मार्थित के मा क्ष्या को दे दे वा भूति ता भारत वस देवसारी दर्भार दे मार द ्वार्यान्त्रास्त्रात्त्रेत्रात्त्रेत्र्यः दरद्वत्यत्रात्र्वेत्रात्त्रेत्रात्त्रेत्रात्त्रेत्रात्त्रेत्रात्त्रे . १९९८ मेर नेवल में कर अपदेशका - न्यम में बर्क तकर विदेश विश्वासी में हो देखा मिन्द्रन वहामारी भूमा विकास के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप है कि स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप न्यान्यक्षी व्यान्यान्ये व्यान्यान्ये स्वान्यान्या । स्वान्यान्यान्याः व्या भवार्यम्भवः भवार्षः भवा भवा । श्रीराद्यान्द्रवावम्तानः ववारदे स्टाइन् भविवादावताद म्रहेम्यान् मार्थेया प्राप्ता विकास मार्थेया विकास मार्थिया मार्थि हैं । हर्त्रेर्प्वदक्षेत्रभर्ति । द्रिप्रमान्यिक क्रिया मान्या हर्ति । वास्तर्थिक त्रुक्षर्यात्यके । हार्ष्य रेप्या राष्ट्राय कुर्मा एकाम्रेर काम्याविक वास्तर्थि क्षेंद्रम्य । वार्षात्राम् । विद्रम्य स्त्राम् वार्षात्र । विद्रम्य स्त्राम् वार्षात्र । विद्रम्य स्त्राम् विद्रम्य मिलार्केस्य स्राच्यायवार्गा मर्यास्य स्वरूप्तार्थात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्रा क्षेत्रवर्ष्टान्त्राम् इदिवर्वः क्षेत्रद्रत्त्वाम्बद्धाः वर्ष्ट्राम्बद्धाः वर्षः बीदातानीता,बिक्किमार्श्वका रदानेक् वराताक्षिणक्षित्रका केर्षाचानिक वर्षेत्रक्षा इरा ऽऽ यानकीता मेंत्रकातिक्रिया चरान्त्रकेत्या चरान्त्रकेत्रका विकासक्षित्रका विकासक्ष्रिया क्ट. व. मेशना. जा अधारह्म हर देरे र राम की त्या है। रवा प्रमेश कर देर अर्थर भी र्वानायानानानेशाता हरामराभेर। हो नेराक्षेक्षेत्र के व्याया तर्वा वायान्त्र में ते त्यार्य

2 मंदिन केटान

woran & wife.

रमारा में स्वास्त्र स्वास् न त्रान्ते द्वार्थित क्याद्रः न्यायम्याने द्वार्थित वर्षायाने द्वारेद्वात्रमायविष्यम्यम्य मर्यान्य प्रदार्वितार्ट्यातव्दत्युटार नर्वित्रुटा व राववार्यर विवावक्षिरावर प्या रमणात्मरक्षरातर्रहिलानमः स्वाध्यर्द्रित्यरः व्यापास्याः व्यापास्य म् वार्यकार मित्र मार्थे । या सम्मेत्र । रागा मेर मार्थित । विरास्त वस्त विविधित वर्षे विद्या वर्षे वर्षे वर्षे ह्यमसीस्टर्स ने दिस्तितामा श्रीद्राष्ट्रेत्रे कावर्ष ने दर्भ दृश्यास्त्रेत्रात्मरः まっまいかっち、とはままかのでで、ようかかいは、またらははは、あってきてくとり、気で नियम् मुलाह्याः इतः तर्रारेशायद्वारमः वान्याः हीर्याम्मेखाः मुलायाम् । न अ । भार प्रता चर्चराता चलवयादवानकुदाताचा । वो केन स्वयं वा त व्हराताथरा 五人をたっているがなる。 からいるというない、いいは、これは、からないないないないないない カンスターをは、というないはないない。こうこうは、こうというないとは、ころいとは、 वदेशपा है। इश्टर्यंगः 京大学/土足とうからまからいいいことのからいいいいましていているのでから、大小直角へ वरित्रम् तर्वाद्वा वर्षे と、いればいいいだけにはないとし、これはいいはいいないできません。まれまれば アインションは、アンストンは、アインは、アインは、アインをいるというというという。 श्रिष्ट्रां केंद्र रंग कर कार्या वर्षा वक्षेत्रविवाद्वर्षा महारहेता राष्ट्रकरात्रा वर्षेत्र । वर्षेत्रविक्षेत्र वर्षेत्रमार्थेका न्यामा मान्यामा कार्यामा विश्व स्थान स्था स्थान स्था स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्था स्थान स्थान स्थान स्थान ह्यानिवाल्याल्याहरी द्वारामान्त्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या ्या मित्रे अरुवारु के तर् होटा कर्मा क्षेत्र प्रदेश कार्यवायाकी तर्रा कार्यवाया कर्मा कार्यवाया कर्मा कार्यवाया 4日日本では日本に、「一年の多、安日にして、一年、本、大大大田の日の一年大年は、日本、新田の大大田では大田、 द्माताकेर नेर् तक्षाता । व नामा निया है । दे मेर से स्वादमाताके प्रादा कर करें またかっている。 まいまれるいいはいいままいい、そばるとののはないとの عاديد المراز ودر قدر هدالا برا العرف محروع فري الأعلام فرد العرف بوذ ما مرف بود ما مرف ب 

लूरत्र. बूच. प्रथा वर्रायव्हायवुरायुरायुरायुरायुरायुरायुरायुराया भ्राप्ते प्रथा व्याप्तरास्त्रीया यावणायद्व । क्रिया वार्टर.वनमाना झे. में झे वर र वेबाल कि में मुस्तरहुवा र अरमेर कर कि लाम कर विदेश साम क मेदामका व्यवादरेव । का प्रित्म एता सम्मक्ति मिरमारक स्प्रिति सूरामारी हेर्द्राका त 「おころれる」」は、とうないないのの、いないいいいは、はらればらいて、かかいからい महिला त्युर्वियाय्यात्वरम्याव्या तेल्यम् । वित्रम्याव्याः भारम्यायाः संस्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स् यथा तर्वेश्त्रेत्रित्वित हैर्त्याय त्राचिति हर्त्या विताद्वित्याच्या वितादि । बिट क्रियेश तर के ने किंद्र के के कि कि का का कि क्षिय करा के का क्षेत्र कर के कि क लायक व्यापनामा सेन्द्र्याणम् स्वापन्य पान्त । । वस्य वस्ता । वस्य वस्ता । वि हैर.वर्र प्रयोग्यूद्भाग हट्यात ते ग्राचि हैटवया देववा के स्वाच हर प्रवेट वीकावयर। र्रेप वट खेव されることには、これには、ままして、おきてのなんには、はいないないとう र ११) मुर्य वर्ष मार्थ विष्ठ देश पुर देर प्राय तह व्यक्ति स्वर्ण । वस्त्र या की विष्ठ विष्ठ स्वर्ण । लूर्त श्रम की रदावया के बी ने गया मान्य कर है से र बद या यो ीक्ष्मिक नेर् ही का शिक्षा का माने का माने का माने का माने ही ही का का का का की में के के के के के किया है के किया के किया के किया के किया है किया द्ववारमञ्जूदाललल्या । वारहेल्या । ने । वडवर विवास वर्ष रहरे। दर्द でいるいろうないというないないないないというないになっているというない。 यी द्राला हैं। ब्रेट्रांट्रे नेत्रां ने मेर्ट्रे नेत्रां ने मेर्ट्रे नेत्रां ने नेत्राहरा नेत्रा रार.विर. रे विश्वसार्य सूरवास्त्रात्री सरवसेर नहे र्यालार रे हारास्त्री क्षणाला के ्रक्ता भारत है। तर्वा वर्ष से माना वर्ष हैं माना वर्ष हैं माना है। मेर देश लाय वर्ष माने वर्ष में के के माने हैं म पालक्षियवयम्परमाहरा । विवयवाद्या विवयवाद्या निष्या निष्या के किया निष्या के किया निष्या के किया निष्या के किया न्ते वार्यवासेरावयायास्त्रा रात्ररत्वरद्वारायायेदवी क्षांवात्रवर्ष्ट्रात्राक्षेत्रका त्रात्रका स्र मिरपा स्याप्त प्रमा दे भावावा अमार हिंगायह वार । के वस्र अपरा लाम स्वाप द्वा मद्रव (व्येव) वाव्यव्यक्तित्व विकास क्षेत्रक विकास क्षेत्रक विकास क्षेत्रक विकास क्षेत्रक विकास क्षेत्रक विकास दुशा में इवलायवायते भयता है दिनियार में स्वलायी मान्य में माने के माने के भेर केला बारमार ए. तेल देवाराका वाश्वा किरत है। किरा है। र्वास्कित्र्रा व्यास्य कर्षा कर्षा विष्टुटायुटावकायर्वित्रवाकार्यकार्या १ र्वास्कित्रकायक्षा

्रया कर्षायामान्यक्रात्वरक्रात्वरक्रात्वरक्रात्वरक्रात्वर्थात्वर्यत्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्यत्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्थात्वर्यत्वर्थात्वर्यत्वर्यत्वर्थात्वर्यत्वर्यत्वर्यत्वर्यत्वर्थात्वर्यत्वरत्यत्वर्यत्वर्यत्वर्यत्यत्वर्यत्यत्वर्यत्वर्यत्यत्यत्वर्यत्वर्यत्वर्यत्वर्यत्यत्वयत्यत्व

न्यानिक वर्षेत्रादेश देशायां या वीत्राम्याच्या के विकास के वितास के विकास क

त्वार्विकार है। इललाइका कार्य के विकास में निरम्भन के नार विकास के विकास

X EV!

四天

मुभरके. लुनेशाज्या केरदर्यके वर्षेद्रभण्यातः पत्रात्मकिवादिवात् । र्राण्यवाद्यक्षित्रकीयमा व्यवस्थिति क्षेत्र क् चामका चामवरसर मर्देश्य अंद्रम वर्षा भारता सेवला है वर्षा है वर्षा हैरदे से से सरस्य वात्रात्र अध्याद्य वर्षा वर्षा दे देश्याद्य सुवाकी वात्र ने वर्षा कर्षा वर्षा तहिनाहेन प्रमायकीयार्या या वनन्यते श्री श्रावरीयाना की देहे विदाना का वार्षिय कार् महास्याम् महाम्यान् वित्रम्यात्रेया सेट क्षिणां भेष्यात्रेया व्याप्त मार्थे स्थापे स्यापे स्थापे स्थ पर्पर्शेशनुक्रेणवामर। देवानेमित्रुं भूमन्तरमा ।क्रांभाहे यो दूर् 1 asiz 311 न्तराय नदान्तदा । वार्ष्य वार्ष चरदेर.रेनएक्.को.केच.सेच्या.क्.सेट.उहुत्र.चलन्तृद्यंत्रेच्यात्त्रेच्यात्त्रेच्यात्त्रेच्यात्त् रर शुरिर भेर श्रेर यात्रा द्वातातातीताम्बद्धाः श्राप्यम् विषयात्रम् विषयात्रम् स् वयायावरद्वराध्यक्षराभेद्यते वार्त्वर्क्षवात्रियात्वर्षात्वर्षात्वात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वर् कुला ब्रेडिंड अरातर ही। महाक कि । प्रविधायहर ही। प्रविधायर है। की प्रविधा किया एवाका नाम । नहीता किवावहेन से पार्याच्या माल्या सहित साल्या पर विकास देखा करा एवं मार्ट्रमा मिरेश्वतिर्अर्थके अर्केट्र कामह्र विनेश्वास्त्रात्त नर्किट्रिक्श नार्ध्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् यान्य की एवं राष्ट्रायाम् मायवाता वद्यं राजवा नाराव्ड्याम् इर्ट्य दर्दद्वामेलवा है.मे. इत्यावर अर्वता देतएका अवाद्याका ने वर्षर के विवादा वर्ष के विवादा वर्ष के विवादा वर्ष के विवादा वर्ष के विवादा उरी के गरिता हैंग हैरहेर। देवभर ताब भव हैंग। रेवा वहरव नव यह मही भवह सव क् मुक्ताता ह्यानुद्रम्ताक् विक्रान्त्र मिन्द्रान्त्र त्यान्त्र त्यान्त्र विक्रम् र्याप्त्रम्तिः। देताल क्रियर्ग्यः एस्ट्रिंग्यं विद्यान्त्रः तर्वान्त्रम् तर्वान्त्रः तर्वान्त्रम् विवान्तः। तर्वान्त्रम् विवान्त्रः। तर्वान्त्रम् विवान्तः। र्वे देशकार्यन कर्ट सर्गरा में ता में ता करा ने में ता मे रवः भूगभन्दः दुलः हे । की स्वः भूगभनः देवगात्रम। देववः लक्षरे ख्याद्वातावाद। यदावः क क्टावसायहताता परा विकारता परायात्रमात्याता विवास सामायात्र मिता त्वक्यामाहसारद्वर्त्तेत्र हिं शुर्रे राष्ट्र त्ये राष्ट्र रेट रास्य द्वाळ्यायासामाहण्याम मावराग्यन्तर्गार् देस तर्वार तर्द्वाय नेरम महंदे तर्वायर र मार्चर अक्षत्रमात्रम् भेरा द्रा हिर्यव सुकार में विस्त 6 \$ 32/ सरतहर्ति । वर्षेत्र । वर्षेत्र स्ताव देवर्षा त्राव देवर्षा वर्षा स्वाव स्वाव देवर्षा वर्षा स्वाव म्रायर ने र मार्था र वया हैया दर है मार न न का मार वह र में है सामा के पा र्भा केना क्या द्रभर र व र प्राप्त रेरा र दुर रेति के के ला के प्रमासे रसर मिकामक रेरा की मायविर्वर यं त्रस्थायम् । द्रस्थेतं क्रीवात्रुराम कुःयवं मृक् वरव्यात्वात् । द्रयः द्वीः वर्षात्वाः वस्रित्रभूरारः कुर्द्ववसार्क्षात्रात्र वालवावालवसारेश वालतः हैं। श्रेववातर्तर्र रूर्

विष्ठवा । इर द्वारामार्थिता । यह द्वारामार्थिवार्थिता वर्षा द्वारा वेतारा वर्षा वर्षा रेरी वेबात्यर एडिसेबा लई नमा बिवायल वास सार्वेद बिद्रार होते विवाय देवा रहात. व्यक्तीत्व वरवाताव्यावातामानेत्रेहरम् वर्षाव्यस्तितान्त्रात्ता हाताहाता वर्षात् पर्षत्रित्रक्षेत्र । विश्वत्रित्यात्त्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त त्रं त्रायाः भूता प्रदासिवादत्रतात्राः दारद्रम्या वर्षणाः स्वर्षाः व्यापाः वर्षाः वर्षाः छो:नेर्धारायाकी नर्वा कुराहरान्ये दिवानात्वरियानात्वरियानात्वरियानात्वरियानात्वरियानात्वरियानात्वरियानात्वरिया यहसामेराधिमा देरीरालवृद्धारम्मराम्भिरम्भिर्रेत्रा मक्तावित मुरावासारविद्यामा च्यारा हर अग्राथित है गरा व्यवश्थित । व्यवश्थित । वर्षा क्षेत्रकार में व्यापार श्रीर ताखरतमाठेमाक्या हरास्ट्रिय सर्विया वार्ष्य याति हमा मर्याम्याद्वात्रात् । अवर्षेत्रमान्यः वर्षेत्रमान्यः वर्षेत्रमान्यः विकार्ष्यः वर्षेत्रमान्यः वर्षेत्रम्यः वर्षेत्रमान्यः वर्षेत्रमान्यः वर्षेत्रमान्यः वर्षेत्रमान्यः वर्षेत्रम्यः वर्षेत्रम्यः वर्षेत्रम्यः वर्षेत्रमः वर्षेत्रमः वर् 高いるからかり 「そいます、そのか、だ、ち、いかいなってなっていることがいいって、いまとういれてるこ वद्यात्र्यात्र्रात्र्विषात्म। द्याच्यास्य विष्यात्रयात्रयात्रात्र्यक्षेत्रायः विषयाः देत्रत्यात्र्यः एकदम्स्यान्यान्य विकार देन्नस्यर्थिकप्रदेशक्रियात्म्य स्वीदात्मात्म्य हिरादेर विकार्ण वर्र्र्र्र्यं वर्ष्या मार्था वर्ष्यं वर्ष्यं वर्ष्या वर्ष्या वर्ष्या कर्ष्या वर्ष्या कर्ष्या न्यावसाम्कावद्व। दयतायोदम्यवावसाम्कावता वद्वत्यस्वातिक्तं मुख्यायायाया त्य। शुर्रअग्रे किंग केंग्रिं रे व्यापितावया में (म् यापा) वर्षेत्रत्य। सरत्ते रे विर्वे विदेश द्वीत्रम्थुद्रा अहत्या वा विभागवरावरशयार्थं के शिक्षे विद्यास्यारह्या तय। किंद्रक्रीनुस्वस्थ्वस्य वस्त्रम् क्रिया के राष्ट्रक्रिया मार्थिक क्रिया मार्थिक क्रिय मार्थिक क्रिया मार्थिक क्रिय मार्थिक च्रद्वित । यह द्वारा १ ६ . क्रियेश्वार्याला व वत्र अर्द के व मुराद्य मानम् क्रियं क्रियं र्मित्राचार् वर्षात् । । । रेस्टरमानावरे वर्षमणात्या करा । यात्रावरे वर्षमणात्या र्राट्स्यायावियास्यक्तार्थात्रार्थात्रार्थात्र्यात्रार्थात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या वशक्रिकार्क मुंगडुन्ड्र दरार्थायाय विद्याय । इरार्वायय विद्याय । त्विष्टारे विष्ट्रिक्ष विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्ष विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्ष विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्ष विष्ट्रिक्ष विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्ष विष्ट्रिक्ष विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्स विष्ट्रिक्स विष्ट्य णारेद्र देर्म्म त्रामा राज्या कारवाता तथार देवल के क्षेट्र अपूर्व में दर्भ के किंद्र के क्षेट्र विकास रमनामानीते नुरार् तकर्म तथा नुराद्ववायाया । वर्षित् के हा (१) ववया या देना हैया। क म्राक्षिक्षात्त्र स्वाधिक्ष व्यवस्था । भ्राक्षिक्ष स्वाधिक व्यवस्था । भ्राक्षिक स्वाधिक स्वाधि अरंवरेशकाराधःयी परंतीन शिरकार्या मुक्तां वार्य र वार्य र वार्य तार्य र वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार वार्य वा अपितः मुत्रक्के, थावानात्त्रयाः वर्षक्रकात्त्रात्त्रः द्वत्तरक्षत्त्रः वर्षेद्रः वर्षेद्रः

7166. र्जुल लहरवल। वरहे ले लहर हर संस्था सामाने सामहे के लहर है। सह तिस्क्री र्यक्षा व्रिक्टिर में अरति ये तर के प्रक्रिय मिर्मे मिरमे मिर्मे विभवविष्य नात्मेसार्अस्यता, प्रदेश्चरविष्यिःसारहिंसार्द्रिः दर्ददद्स्याप्रवेष हिटलामक्तार्भक्ताराधियात्त्राया तात्रार्भियात्व्यात्वर्भिक् व्रास्त्रियात्रात्र्यात्र्या देर, युरमातावर्षणयां क्लेवल, युवातावर्राद्युत्वात्वरसम्बद्धात्वता, क्रेक्सेस्सूद् व्यवायात्रेत समान्यत् समान्यत् वर्षान्वरायम्बास्यत् राम्यान्यत् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् वर्षात् 3/अ.त. इ.ज.थुअ.के.जा सार्षेत्रव्यारात्याः मृत्येत्याः यशवत्रत्यिकः पर्वत्रवित्याः । त.स्.वि.व. देशवास्त्र वर्धेतर्थे, किटलाचर्द्रालाली वर्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्रा ्रियावर्त्रात्रात्रात्रात्रात् स्राम्याक्षरक्षियायात्यक्षर्यः स्थ्यात्यास्यास्यात्रात्रात्याः 445 त्रमाध्यक्षात्रात्राचेत् दर्मात्राव्यात्रम् । व्याध्यक्षात्रम् । व्याध्यक्षात्रम् । व्याध्यक्षयः रात्स्रात्रात् । वार्ष्यात्रहरात् रात्तात् । द्राणाव्यात् स्राह्म्यात् स्राह्म 6 वह्ने वबरक्षार् नार्याकारहः दक्षाया के तेन नार्याया की दक्ष के सव की अवास्त्र तरेर की उर्वेदम् में द्राया द्राया द्राया द्राया वार्या वार्या वार्या में द्रमें क्या पर्देश में प्रवासिया विद्राया 730531 इस्टार्डिया महिता वितर्ता । वितर्ता । मेरातक्वाराय नेरद्वाराय हिन्द्र हर्। हरा वितर्भारक्षा एकवादम के त्रिम् में बर वर्षात्वी दिला हुता सहस्र के केर वर्षाता में कर वर्षाता है व राम्यान्याः वार्षे र्यमाः भरामरे राष्ट्राः । ना मा ना ना ना ना निर्म्यान् विर्म्यान् विर्म्यान् ではないない。 これできるのはないのは、またいではいない。 からからない चार्ड्र्स्नाद्याद्यात्रात्ताः त्यात् द्वात्यात्रा द्वात्यात्रात्यात्राद्यात्रात्यात्रात्या कर्यात्र राज्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्र दालल वर्तानमान्त्र मुक्षायकदारह्याता क्रान्ट्र की मेर्वायसम्बद्धां दर्भन् द्वाने द्वाने द्वाने द्वाने कर्षा मार्थः कर्षा मुद्देश मुद्देश हैं। द्रात्मराष्ट्री सराक्षा इरामा स्मार है। इराहा स्पर पर का अर वहां से बाववाता स्वार आम की अर ह 1,50,351 123,54128, QC. 212, 290, 60, 200, 21,127, 2,0,0,000 100, -च.क्रे.ह.क्रेबाल देव्या दाएट हिंदा व रे. खुल नलके । नल देवा अर्थ कर दे स्था क्रेबेल

क्रद्रहर्वेद्र। श्रीदायास्यात्यास्यात्यास्यात्यास्यात्याः र्त्या करा निवास निवास निवास के निवास निवा त्री वक्षात्र स्राप्त वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा हरा हरा हरा हरा हरा है। त्राक्ष्या है तर्रे हैं। क्षे. भीच पासाग्रह सामारेटी काणुद पासा पाता रेटी नार केर वेतानावत सूरामण्य विभाग्यात्रेत्ताम्। त्य विभाग्यायायायायात्रक्षात्रम् विभाग्यायायायात्रम् はこれが、これは、これには、まいましましましているというというないない。 भरालवलारे। निर्मारामा वार्षा विक्रियविक्रिक्तिर्म मुखरे मुखरे मानवला छातुरी म्त्रायाचीयवीरा देवराश्चिम्यास्यास्यास्याः स्या प्रापदार्थावाद्वात्वाद्वात्वात्वाते। एप प्रमान्यामकारे नेपालक द्वाल स्वाहर नेवा निवालका निवाल में स्वाहर हिंग देश का दाक्रीराज्यात्वार्परापराचरते दाक्षराह्मकाम् दाना कारावति श्रीरराज्यात्वर् दाइस्य। ्रिकार्द्रात्मित्र विकालक स्थानित स्था म्रानः तमक्ष्यवर्षायात्रवर्षात्रमः स्वत्यात्रम् स्वत्यात्रम् त्याक्षणाद्वाव्याद्वारात्याः । अद्याक्षर्याताः (वात्रात्यावाष्ट्रेते व्याक्षरः । वर्षर्थितरावित्या राज्या मान्या वायास्त्रात् स्ट्राह्म्याता वर्षात्र्याता प्रकाल। विकास्त्र में मान्या विषा के त्र प्रतात के में में त्र के के में के के में के कि के की का कर के में कि य्यात्र्यत्र सरा वराजावार् स्वतं द्वार राष्ट्रियार मान्याया । १ रेटर ही महिल्ला अहीरी। ता शुश्चारदेव ह्या सेता त्रार्केत न स्विता न स्विता न स्विता न स्वता न स्वता न स्वता न स्वता न स्वता न स्वता न मिल्यूम् किया विवासित स्त्राम्य । प्राप्तिता । प्राप्तित या । ११८१ । दिलायावृत्याव्यतः या गुर्वा स्वयास्य व्याप्तः क्या स्वार्ता स्ट्रियाये क्रिय है। रिम्पार्य के वर्ष के नर मान कर माने कर कर है। नित्रिक्षणाया विकास के वितास के विकास क TRI BRAIT SONE PARNET - LEE SE MENTE PORT TE TE LE REACH र् द्रार्ट्टिर्रम्पामा दर्भाग्य स्राप्ति व्यवह श्रेष्ट्र व्यवह श्रेष्ट्रम् मुक्ति । अर्थात्रा हिम्स १८०० । व्यक्ति । वर्षा मार्थे हैं । रमणामानी मिर्देशमान्त्रं मिलेट्र्राट्यार्थमानी मिर्देशम्या देशमान्यामानी सिक्रारेश्वरदेशस्वरविश्वर्थन्तु स्वर्धेन विर्वेश विर्वेशनिक्र देशकर द्वित दिल्य वर्षे विर्वेश भार्षी अहिंदुर्द्धी छै। इत्रहित्यकार 当られる。人 कालालक्ष्यं देशका द्वार मंद्राहिटलक्ष्या म्यान द्वाराक्ष्या क्षेत्र

इक्ट्रेस्ट्रिय केट शरद्र भगवर्गके दे दलका द्वार कु ने बाल किर प्री वर्षे रें बाद वा विकास हैंरहैतरः विवाहतार प्राप्तापदा विवेशवर्थनेवामा क्षेत्रात्रिक्षात्र विवाहता रित्रहर्ति के कर्य हर ही हो करिया के सित्रह के निया है कर कर कर कर कर है। रद्दरवदमेव दलक इर देकेर रहराकेदा के कहराहा हु उस से यह सामा ना कर प्रदेश होते. क्रियाय में बर्वे हे ने ने द देवर येश वर्वरमें करडे के सार में हे हे हिर्दे हैं उर्देश हैं वर्षि . ले केंत्र मृत्य केंत्र हम केंद्र हर ये केंद्र मृत्य कें 2NTBB! महत्यत्यहर्षात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम् मत्रेकेटवर्यं म्यान्य कर्महर्षेत्र व्यार्थे के मान्य है वर्वेद्रां कुत्र्वे पंतापा प्राप्त विकार वर्षा के के वर्ष वर्ष के मेर्द्र कर के मेर्द्र करवा में वर्ष के में कर्ल्यात्म के मेर्स व नार र र र र विद्यम्पन्य के के वलमा दम्यलम् की वर्ष त्यम् वर्षे वर्षे रेषे वर्षे र केष्ट्रद्यार अस्य क्षेत्र रस्ट्रम् वर्षे म् वर्षे क्षेत्र स्ट्रिक् マナインション ころのならできないないない しこれにはないいろいんに であるいできない विकार कर रे ते ते ते विका विकार के मार्थिक के करें में के के मार्थिक के मार्थ र्काल्यान्य वरात्रः वरावत्र वर्षित रहता कह्मा हिंदू अराता वरे की दा का वर्षे रहता रहेर रहा में लाइका होरहे करेर इरका केर हैं का में स्वर में स्वर मा त्वर हो का हैका। केर में रच रच रच रच प्रकार देर्धियां हैं हैं। या राजप्यर रें के प्राप्त के प्रकार के स्मार्थित कार त्रा त्रा कार्य । केर्याचनका का ता अवाम्य मार्थित कार देव मार्थित विकास कार कार का मार्थित कार का म् र क्रिया कामवा र्य तक न न तर त्ये वा व्यक्त तक्ष्म मा विकास वर्ग विकास क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म क्ष्म रमण्यास्त्रेत्रं त्याराहरूत्रेयायवस्योद्याद्याचीयस्य देशवर्षेत्रस्य हत्य ग्राह्मप्राह्मप्रश्चित्रस्य गित्युन है हो है। का श्री हा जा जार जार जार हैरी स्थाजा का जा जार रेडिंग

अस्ति केष्ट्रद्र कुल्ट्र किर गर्म का क्ष्म क्षा क्ष्म कुल्या कुल

प्रमात्रीरामानाप्रदानः श्रेष्ट्र स्रक्षियम् विवक्षिमा स्राप्त्रमा स्राप्त्रमा स्राप्त्रमा स्राप्त्रमा स्राप्त्रमा यार्चान्यार र्श्यास्य महिला क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय क्रिय क्रिया इं र ११ के स्टिश्हिरज्ञे स्टिश्हिर मेर ने ना यायाय प्रथमाय के समाम मार्थित है। ११ के स्रात्रिह्र्यः। माण्याय्रेष्वरायारीयाञ्चान्त्रवार्तः मानुस्र वर्ष्यः यात्रेस्र दृष्टियः ह्रेट्रा ध्येत्रपु कत्यारे द्वराश्वरा रेवशाल्वर्षाम्कायम्। हिराम्हाचेम केमरेपरियर मेर्। र्यम यानासून वाल वालादर्यार विभाग वस नए देश विषय एरेर किया हो समारामा केर यहा केर केर केरे केरे केरे ेर्यावनाहरके हर है। इस दरवराव के अर्च के तथा की स्वास्तर राज के ना ने का ना स्रेब्राडिररेर। प्रवेश्रेत्रतातिश्रेक्षत्त्र्येश्रेत्वर्थता स्रेब्र्येत्वर्थता स्रेब्र्येत्वर्थता र्भका मेर्दरम्बर्द्य केर्य हिराम वर्षा वर्षा वर्षा पर्देश कर्या हैर पर स्वर्थ यांभर्य ह्वांभरिकाहुआ उत्पर्वतामवयाम्भरेतीत्वा दे त्राष्ट्रदाकामेरी पूर्वादेद वरवयाः वर्षेत्रायर्वे। क्रेकार्यवरवयायाव्यक्षाः व्यव्यक्षरायावे वर्षाः वर्दिक्षे वर्षात्र । ये से गर्डिक व्यवस्थित वर्षात्र । नवत्रवर्षात्र वर्षात्र । देशदेशात्र मधावायायरी वस्पन वर्गान वर्गान स्थान । इसमेल व मुं त्राहेर हिर हेर वर्गेर द्राध्य रिर हुर स्पर् छा बरे तार्श्वर है। दें ब्रुर्व कुन्नी सें अ या तके वह ता सर्वा सर्वा रेशकेर विरम्भर वारेवा वाकारवरे व्यवस्थ हराया रयवाचारे व्यवस्था एक व्यवस्थान यर वाह्रम्यद्र। द्रवा द्रिते के क्या की अविश त्या अवद्र में आया कुर विस्ता देरद्र्य ता वि दरायदारीर वाधार वर्षा किरा प्रदेशदेवमान्त्रेर में वहमासुर में एक रेट्ट रेकी वित्रहर म् वर्षेत्र स्यास्त्र पार्ष्या प्राक्षिण स्र मा स्वास्त्र स्वर्ति द्रित्र स्वर्ता स्वर्ति । श्राश्चार्यात्राच्यात्र्यात्राच्यात्रा वार्ष्ठवावाथाः शे क्रुंताभक्ष्याः दे रेश्य्यायाते वार्ष्ट्रवर्षे वाराभक्षिताः विवास विवास वार्षायाः हिर्मर व्रेम्सरेनर राजा योवहारवहो रमय क्षेत्र मेर्ने हिराय प्रिंग के विश्व प्रेम र वालेव्य यद्वातहताद्वादेश क्रवायुद्वरावायुद्वा क्रिक्रायक्तरा स्वायुद्वरावायुद्वा गर्भार्यः। त्यस्यमा क्रिंद्र्य यहार्सुर्वः विदेशीय द्रिः त्याप्तः हर। स्थार्भार्यः प्रमानिकः क्यारा बारुवाकिरजावर्षयं यससूत्र वयद। क्रिक्षेण केंद्रवा,रेवाण लुका क्रिक्रेराकीर तयः ग्वाके केत राउद्देश कर केरे यही त्यार्थ वायार्थ वाया केया केरा केरे के विकाद के

क्रिंगुव। विरारवादामुवसावावायम्याम् वास्ताना क्रीक्रार्यसायामानवस्थाया वास्तिरः

न्रिक्षित्रात्रह्याः श्रीटः क्रुयाः क्रियाद्राः स्थान्याः स्थान्याः द्वाः स्थान्याः विकासः वार्यस्याद्याः क्षे

म्रो नाम्यत्वविधासार्थाः वृति रदात्स्राहर्दा स्वाहर्द्ये केन्द्रम् त्याः स्रो न्यां हेर्रथायां प्रावहित्रया

रसंभिता यगर होते देवामा होते वादेशकेवासेन यादरा स्वान्यदरा स्वान्यदरा स्वान्यत्व केवादरा याते हैन म्याहर की क्षेत्र मानवर्षा यत कर सहर देरे ये व्याद में की दे के खेता वे वा तर के ही र पर की की का की की कुट्द्रालुक र्यत्भेट्यक्रा यतः भी विवाधीय। दे देर कुर्याते भवाभागा भी हिर के कुर्र त्ये बहुर कि कार्या। र्यतः छो तरुवा करें गर्या विवाध सर्दे । दं कर देवा ता स्वय न सही सहिं वा त्रवा वा विकास सरी। रत्य उद्वेद्रशावद्वद्रातां अत्यत्त्रेत्। यद्भेत्र येत्राक्षेत्र वर्त्ताक्षेत्र व्याप्त्रकात्त्रवात्त्र विवास्त रे चूर दार्चियायाया थि के प्रस्ति के से बार्टर वर वया अरेट ख़िया प्रदेश विदेश प्रस्ति वर्ष स्ति। वर्षिर क्रसंबरताया बुकारी रेप्टिस वर्वाविवावता हर। द्यारी देव के व्यवसाय ना। रेप्टि में तर्व विवान सर्ह किंग क्षेत्र के वस्ता होट की स्वर्ण योवा रवासर्थ तार पर सि अत्यास धीवा क्षेत्रा स्वराधित हेर अवोर रोल हेत्र देवद ह्या के तहर वर् हेरा हेक्रा हा सहर तर्हेरा हेक्रा स्वर तर्हेरा हो से हेर मेराताश्चर हुन। यहमां हिन्स कर का यहम । केमाल क्षेत्रयेर का मेरा करका हिन्द्र न इंट.सुड्रा १९०१ वर प्रट्रेटर में रचन लव वर्षता व वर्षे वर्ष वर्षा वाला । विकास्ट के दर्श्य वर्ष्यकर तथा र वर्ष तथा से द्वार्षिण ता हिर्मा सार्वभाषा स्टिन । सर्था या वित्र वह ठक्षवेश वसर र्रे रमम में विर के इसस धव के बरु कार्याट र र वर्ष वा वा पर्य सुरमदावर्त् दवदासुरायम्स तहवारम्यवया वहर्यायात्मर्थियवयात् राद्वादीवराक्षात्रक्ष सरक्र-प्रक्री से पा स्विता या किवाअता है। वर्षी सर्वेद्र सर्वेद्र के वर्षाता केर स्वर्त केवःयायम्बर्धरवम्वाशःस्। १२२:५व्यायम्भः मुम्रशास्यः वर्षर्भरः वर्षात्वुर्वशास्त्रः मक्षेत्रः। र्यत्रः मिंबुद्वी वस्त्राः यर्दस्य मेर्या स्ट्रुत्रह्या सुद्यति म्र्या स्ट्रिय 3 marnet राति के सत्य किया हुदः। देशवाहीर देशवावर द्रायाह्मरस्य यति हेर को त्रास्त्राक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक भ्रास्थाला । भूक्षियाहे मुहत्त्वा के सुक्षा श्रास्था स्था रेटा कालायां वालायां वास्त्रात्रेशारम्याया वन्द्वाह्वायायायविष्ट्वरादेश श्रुत्या श्रुत्वरायायम् वर्ष्यद्व वार्णवा वर कूट्रेस्स्स्रिट्राम् द्वावम् तात्वीयस्यस्यस्यस्यस्यस्य स्यादेवस्य व्यवस्यम् । णुष्तामाना विद्रमेद्रवयालेव। याववासेद्रवयात्रीलयेक्। रवासाय्यात्वर्वरावयात्री केरः म्बालभवविद्यान्त्रक्षात्र्य वास्त्र राष्ट्रक क्षित्र मान्य वित्र मान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य विद्यान्य नीदार्ज्याम् मिटायिक्षाम् विद्यात्रमा विद्यान्यात्रमा महाराम्यात्रमा मार्विदार्भिद्यात्रम्यात्रम् रहत्यास्त्रमाण्यर्थायाः यहावविभातर। स्वाह्माकार्त्यातरी सङ्ग्रायायायः (यादेवाभावति) वाकास्वास्त्रस्य केमलहिमानेता कविति र्यस्याहिस्टार् कैर्यते भिरवित्रास्त्राम्याहे। 4 हे गला सूर क्षेत्रकार त्राया हा है तर्र विद्या है का राज्य विद्या है विद्य वास्वार क्षेत्रहर दुः भी ध्वया १२ ते १२ ते १२ ते १२ ते १२ ते १ ते वास है। वास्वार वास्वार वास्वार वास्वार वास्व 

र्वायानाम् त्रावेशायान् रहिशादेर। वाल्यास्वायद्वालाकी वाल्यासारारे। हास्रायक्ष्यास्वर्धा वाद्वाया र यरद्रम् सामा विकास व्यद । देरह अविदेश में मुलावर्ष । इंडिस्ट्रीट्रार पार वह । विकाद दृष्ट्य अवस्रात्र्रात्यन्त्रात्यन्त्रात्र्यः द्यत्याः द्यत्याः व्यत्याः व्यत्याः व्यव्यायाः व्यव्यव्याः व्यव्यव्याः इत्याक्ष्याताक्षर्वतात्रात्वत्वत्वत्वत् द्वक्षिक्षेव्यर्वात्रा द्वत्यत्यात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र द्वाक्ति, विकायाम् त्यूरी त्यावतह्वक्तिक्तिक्ति क्षित्यम् भेग्ने निक्षा वर्षा मूंबें हुं ये हुरवा यहलाय यं महंद महाये दा र केंद्र पती दालाय तर् देश यद। मलेर हुं से देश विकास म्जारकुरणातः याववासेदावयावादयान्तरस्व। देवायदान्तरम्वायन्तरम् स्राम्भा स्राम्य वित्यात के वास्त्राम्य के वास्त्राम्य के वास्त्राम्य वित्यात के वास्त्राम्य वित्यात व स्यास्त्र होता यह में याता हिंगारी यात्र ही देश पर्दे। देश पर्दे, रवर दे परेश में याता है अवस् श्रीमानु रावितारमारावारी स्थित कार्यारमारावित हुमान में मुराविताय मानावारी त्यु अर्यक्षेत्र पर्मवति हे वाला अहरा अयुविर विद्राय परि । दव्य अहरा क्रिय परि एति हे वाला १० विद्राय रक्षिता विद्यान त्राम्य विद्यान स्थान स्था रियारायाचेरवारायाचेर। देवकेवाचेरावाराया मारायारी रहे श्रीवे तरहे ता था ते वे ता ता विक्ट हो के दे ता के वे वा ता कर वे व दर्भ रहे वी ता की रहे था लूर्। शुक्रमं हैं वेयवाततिवयाता द्वान मुक्रमं हैं दें हैं। यापरयाजा प्रा. श.च. दत्तपायद् वर इंच एवंटा कर व चर्रर पर क्षित्रके व त्राचे व क्षित हैं । वेस प्रा. वेस के विषेत्र व व विषेत्र व व विषेत्र व विषे बारीरयाजा। पूत्र, स्त्रांच.रहाए.क.इ.वेर. हेत्र. हेत्र. वेताक्वांच वर्रदर परी कुष्टेक कि. कार्यकात भिश्वास हिन्द्र हैं। या श्वास कार्य - मुंब किता व. मुवा अ. केश अहूर। अरेबल देत राज्य केर अरे र युरा अहूर। व. मेर्य या प्रमाणिक बी.सं. अ. त्रा. क्या. रूपा वरवा रह्य में अपाय अपाय अपा आर रवा हाए क्यार द अस सर्विया द्रश्याचा अर्वेत्विवाशक्षेत्रवाद्यात्य वात्रात्विवाश्यक्षेत्रवाद्यात्य वात्रक्षेत्रविवाद्यात्यात्यात्यात् व्या चलियं स्री अववातारकातर्वाता । वारकाशास्य क्रियक्षम् । के त्र हिवस्ति रहे मक्रे अरहा । पर सदरमायम् वतः स्राम्यवाविया ्या व्याद्वा व्याप्ता व्याद्वा । वर्षेत्रवर्षेत्ररद्ववव्य । दश्यः यानुभाकी कर्म मुक्ति १८ मु पर्वति । त्यु स्वास्त्र विक्ता विक्ति । - को र अंता ता के त्या के ता का ता का ता का त य. व. मि.केल. विद्यासिक क्षिया की देश मार का मार मार में मार में विद्या विद्या के विद्या के विद्या के विद्या मार का कि विद्या के विद्या रेंद्रेंदेंदेंदेंदित के देवता मुक्त मान्य के मान्य के के के कि के किया मान्य के किया म

172 र्यत्वा अभूगार्युः वाक्षेत्रा अविद्यवयात्त् कतावाद्य प्रतायाय्य प्रतायाय्य प्रतायाय्य प्रतायाय्य भूति 19257121 ररायात्राधवाक्रेरकुला द्वरीयव्रत्यावक्रेरावावला किंद्रस्वावयात्व्यात्वत्रावाक्ष्यों देले. · 2 nagraj एक्न्यलेशकार्यात्रात्र रहताता र द्राराता र द्राराता र द्रारात रहीता हैर के ही से प्रवेट अरवार क्षेत्र के 3 520,241 ; अक्षितायर। छ हस्के एएएएर है या कुर यहिन्ना स्थित नियर के रहारा अर्व मुख्य पर मरमरक्षेत्रवराष्ट्रस्य स्थान्त्रे व्यक्तवर्द्रवर्ष्ट्रम्यान्त्रात्त्रात्तः रक्षववरुद्धेवर्ष्ट्रद्वान्त्री भेनेत्व्व मेशास्त्र राहित द्वारा द्वारा द्वारा मुवाइम्या सहभार्ष्ट्र मे निर्देशका देवरका राहित स्थानिक स्थानिक विश्व के त्या स्थानिक करत्वतर। युष्त्रदेखेयम्दर्द्वाद्भाक्षेत्र । द्रेनम्हर्द्धवाद्भावता विरश्चित्रहित्तक्ष्या 4201 रमार्यविके वार्षभाग व्यक्ति एस १६० । १००० विकारिय में १०० विकारिय में १०० र्वत्रकारका विकास विकास विकास के कि स्थान विकास के ति विकास के ति के ति का विकास के ति के ति का विकास के ति के ति का विकास के रमामुखा वृक्ष के व्यक्षमदेक्ष्यक्षर्रद्र। मेनाम्हर्म्हक्ष्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रियान्त्रिया ल्याकि स्राप्ति त्या के के कि विश्व विष्य विश्व श्रीट्रिं क्रिक्ट्रिय वर्रिय वर्षे में के क्रिक्ट्र के विकार कर्मा करिया विकार कर्मा क्रिक्ट्र वर्षे कर्मा वर्षे सूरत्राचला इतरप्रवेशतपुर्वाकेला र्यातालाविक रेटा वयप्रधेत्रकेलिक मिरावेट्र त्युव्यद्वायाचित्राची त्यार्थ्यवस्य। इत्याद्वरक्ष्यव्याद्वर्वत्यत्यः अविति द्वायः स्याप्ति सुद ता र्रामान्यात्राक्षकास्य रदः न्यराय वृद्धात् स्वाक्ष्या त्रव्याद्रमा विकाला विकाला स्वाक्ष्या विकाला विकाल वाश्वाक्ष्येर हिवाल दर्दे । राज के के इर देश के अर मा श्वा वा वा वा साम विश्व किया है। र्गममुर्भिभक्त सक्तर्र वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाम्य वर्षाय वयामः पर्काणकरतःश्चरद्वान्त्रमः स्ट्रिक्नम् एत्वान्त्रमाणात्रकान्याः मानाः स्थान एर्वलाक्ष्या द्वलाचार्या देवला विराधित है । देवला विराधित है । देवला विराधित है । वरा मुक्तिवसम्बद्धार्थः स्ट्यायाः स्ट्रायाः स् 7 Kny Estay द्वाः क्षेत्रवत्। हर ह्या वात्रवा तक्षा दृष्टे द्यारा वोदान्व । विषा ह्या वात्रवा । विषा ह्या वात्रवा । Delle hor horise. द्रें स्वर्यति । यहरही स्वराधन्या का जादार विराज । स्वर्धि स्वर्थ विराज । यहरे विरा では、一日にからは、これにいるのでいるというないでは、これには、これのできる。

म्रियायार्थ्यवाक्षेत्रवाक्षेत्रवाक्षेत्रवा क्रियाद्वार्थक म्रियाया क्रियाया क्रियाया क्रियाया क्रियाया क्रियाया

म्बद्धरहेगाक्षायम्भवायाया श्रीरयभवासमाधिकारियामस्य स्थानित

Thrust in

वियातियात्रात्त्र्रीयात्रात्त्रक्ष्यात्रादे केयात्रेता विद्रतेत्वस्त्याक्षिवप्रताहित वृत्रा धर म् यह की रामा ने हिला लेड हिम हिंद के मिन है है का मिन है। है का लेड है के कि है कि के कि कि के कि के कि के कि सर. ह्यायक्रीत्राया सेत्रयाके ट्राइट्रा यस्याके यह विश्व के वाया ताया के वाया यह द्या या था तर दिवा मूरक्राडमावरायी हरहेगा हिता गार्गी विश्वावर हराहेगा हो सामायर राजवा हिन व. र ति श्रीपर्यपद्भार कुराउद्देशकार्ष्ट्रप्रदेशकार्ष्ट्री रहिंग्यावक्षेत्रपट्टाति रहे स्थिभर्वर्धरभवशाक्षयं वेयवाता नायाविश्वर्धर्वभर्म् यत्ररस् स्याद्धाता वेयास्यक्र मुन्द्र न्या वाराम् वाराम् वाराम् वाराम् वाराम् वाराम् वाराम्या वाराम् वाराम्य वाराम्य वाराम्य वाराम्य वाराम्य से ग्रम्भा भाषात्राम् अहास प्रमेश व्याप्त व्याप्त व्याप्त रवता व्याप्त या वाया य र्श्वाद्यात्रेशवा श्रेमाति हेराना । में में मेरावाद्यात्रेयात्र क्षेत्रात्रेय केश्य में मेरावाद्य ल्यानी श्रीरवायतिर्विरवीरमा प्रवास्त्रकारामान्त्री से र राज्या हर्षश्चर वर वर्ष्यस्त्राधिर मत्युन्नात् राज्या प्रमान प्रमान क्ष्मित्र के विश्व कर मात्म क्ष्मित्र कर कार्य कार र्तमासिकवास्य व्यातानाता दिश्सिकायरेशवान्ताता प्रांत केमस्याद्रायात्ता राजा रेशकाया अक्रियास्तात्मात्मात्म वार्षेत्रास्यात्म वार्षेत्रास्यात्मात्मात् स्टर्श्वेष्ट्रवाहारम् स्टर्श्वेष्ट्रवाहारम् इराक्षिताम् । देवलप्रवर्ष्ट्वयम्बण्यू सम्यवन्तराक्षाम् । । सङ्ग्राम्बर्धरावने क्रम। रमयारस्यानायरं क्रदामक्रमः व्यवस्यारम् वारमायारम् वारमायारम् वारमायारम् मन्दर मिश्राप्त्रे वासमाद्वारा एक्वामाद्वार क्यारेकारक एक्वा देर एक् हिर स्वाम मेर्ग हरा है इर रे वर्रेट्कुब्रद्धार्यात्त्र्रिक्तावाध्या वर्षेयात्रीत्राणक्षेत्रच्यात्रायत्या वस्त्रायात्रेट्रद्रवर्षे १६,१४८ क् विर्यरात्ररकियानी वर्षम् रहेता, यरहारीया यहारायत्त्रवा वहाराया ग्रे. श्रेरक्र्यस्य विस्त्रात्य विस्ति देश राज्य कर्ण कर्ण कर्ण के के विस्ति कर्ण कर्ण कर्ण कर्ण कर्ण कर्ण कर् からないかれるというからないないはいかい しないまいないない かまいき シェスターを対しまし जुमार्थेते। प्रतिहर्ति । । सार्विरस्थिविरहर्तिवायाक्ता स्विद्वेवश्वाद्वात्ता । । स्व एक्स्मास्यास्यास्यास्यास्यास्याद्याः त्यास्रियेदावरावक्याः विदाक्षास्याक्षाः सद्वास्या र्वाया अवक्रित्म देन्द्रिक्षा व्यवक्षाक्षेत्रक्षा व्यवक्षाक्षेत्रक्षेत्रम् व्यवस्थान । क्रांभा है रहे । हैं। इस क्षेत्रका ले के रहे अर्य विकार के के का क्षेत्रका के के कि कि कि कि कि कि कि कि कि

クセご 174 ्राध्यरत्याद्वयाचे वे तार्मेर वयमावर्षरत्य देवमार् कार्य देवी तर् केरियर्था क्रिश्रह सेर्डी का धिरणाना परामया पानु रहेर दे में दे के के का मान में ने 15213 ? ्यान्य विकालिकारामा मुन्यति द्वापातसुका में कार्या स्थित स्थापात कार्या वे वावण्यायका स्वव वाक्यायर्वावतवद्र इस्तेक्वरायायस्य । हर नगा एक स्रितंक्वरा रिव्यक्ति मुद्रानेत्रा राष्ट्रा राष्ट्रा देवसहीत्रा र ने स्व हिंदि स्व विकास यकास्याम् विद्यार्थाः क्राया प्राया प्राया द्वी द्वाय सामक्षाः । वृद् र र विद्या विद्या विद्या प्राया । रिकास्य त्याविवादविषयुत् राजानाव वा तार विवाद्यावाद्यम् सीत्रात् - मकारामारी करवर मुस्यहर्मणय परा यहा यह यह रहार प्राप्त रेवह है सम्प्रमा स्थान्य स्थान् क्षाया क्षेत्र स्व हर्तिक स्वार्थित । व राष्ट्रिय । व प्राप्ति प्राप्ति । व प्राप्ति प्राप्ति । 3वश्चन। े । राष्ट्र प्रमुद्धर्यमा पर्वे त्यकाञ्चावरः यो ब कु व ब के विषक्षित्र व मारस्य रूप रूप स्त्रात्ता क्रिया स्ट्रिया स्ट्रिय स्ट्र ने निर्देश में मिला हैन हैं ने केरा भर्ष केरा है के निर्देश हैं के निर्देश है के निर्देश हैं के निर्ध हैं के निर्देश हैं के निर्ध हैं के निर्ध हैं के निर्ध हैं के निर्देश हैं के निर्ध हैं के くままままっているというというできているというない。 それにいるというない こうしょう 一年一年の日の日本による भ्यक्ष्मक्ष्मा ब्रिक्स के के मार्यक के के पर पर्या के के नियम के के कि कर कर के कि के मार्थ के नियम के नियम के वयम्भासम्बद्धाः द्वराष्ट्रवद्वद्वर्यास्य वयः हर्द्धारस्य द्वर्वार्थर्वा र्ष्ट्राया श्वालोत्र में अक्षेत्र मुक्तर्वर्ष रहा स्टार्ट सहार्य मार्ग्य स्टार्टिस स्ट क्ष्याक्षर्य त्यापार्य त्यापार्य हो स्ट्रिय हे स्ट्रिय हे स्ट्रिय हे स्ट्रिय हो स्ट्रिय हो स्ट्रिय हो स्ट्रिय हे स्ट्रिय हो स्ट्रिय किंद्वा हरेर रंग कर्ण मान्य सम्मार वार्टराय हराय हराय महरा है संवाय। स्याकेर् स्वामितिक्व राष्ट्र तर्वा रेवलकीकेवाल रेर स्वा रेवल रेवल रेवल रेवल स्वामित स्वार्ट वरक्षाः सद्यः महिनाः वर्षे । र कृरः सर्धः सद्यः महिनाः वर्षे महिनाः महिनाः महिनाः वर्षाः महिनाः वर्षे । या भेर देन स्था स्ट्रा प्रकार मा के प्रति में के प्रकार मिल के प्रकार में प्र

्या है सेर देंद्या केंग वेर वेर केंद्र अदत में भेदत पर पर केंद्र केंप्य कर केंद्र केंद क्लानवित्रहेर मेर्टर्य ग्रंकवर देवत्या बहुबानकर व्याक्षर विवासकर विवासकर ्रध्यार्थे प्रहर्मक देर कोर्र कर् लुना ब्रिचिव हुर एक्टर वलना स्र मंत्र वर्द्द लाहर में बाला तथा केंत्र जनक कर पर के श्रूषण निवस कर के कि रदान्या त्रेण श्र. से. स्वायल वार्यक्षा हिन्द्र विरायहरहत्र श्रायक्षा क्षा है। क्षेत्र क्षा विष्य क्षा विष्य क क्.इ.क.च्याच्यावाद्वीयावा तंत्रत्रप्रस्याता है। १० व्याद्वायाद्वायाव्यावाया अस्ति। देर्भ्यम् क्ष्रियाप्तर्थति । स्वाद्याप्ति । वर्षेत्र स्वाद्यापति । वर्षेत्र स्वाद्य स्वाद्यापति । वर्षेत्र स्वाद्य इर्ह्यात्रक्ष्रिराम्बर्धाराद्यात् । र्षेत्रम्भरक्यात्रेराक्षात्रात्रात्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा र्देवाक्तः कार्यक्षाक्रम् । वर्षवनवार्थरः क्रायक्षयाचे महिला मृत्यम् देवे वारक्षाच्यक्ष श्राम्याहार्में हैं। क्षे भ्री श्राप्त हातातातातारेरी लाजातात्वर देशका द्रेराला मंत्र के ताचतर्य स्थिवर्ग सत्त्ववर्गात्र्यते में कर्ममक्री रदायवाय में स्वाप्ता में एक स्वर्धिवर्गम रा गरेनाथर्थे अस्तर्थे स्वायास्य द्वारा स्वायास्य स्यायास्य स्वायास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वायास्य स्वयास्य स्वायास्य स्वायास्य स् सम्मेलवा में स्निवद्याहरा हरा हवाहवारत्यक्षेत्र । इंग्रेंश्रेर्यक्षेत्र सुद्धा । प्रदर्शक्रिया - विश्वर्षिक्षेत्राक्षारकपरिवादक्षाः स्त्रितः विश्वर्षः विश्वर्षः विश्वर्षः \_विष्ठिम्साध्याद्वी कुंद्रेन १८ इस्टाम्स अभावकुट्रेन क्षेत्र हित्रहें १५ स्थाप के प्राप्त स्थतः यहुलारमः अविष्टुराखाताता वह्माश्चरकुलायते मुलहें अधिमाधिताताता । भी विष्टुराधाना विष् हुन्त । दुव्याश्वरद्युराया मार्गा मार्गामार्गा वार्गामार्गामार्गामार्गामा श्री चूर्ताचुलाव:इअ:याश्रभावर्य विविध्ययात्रमात:इवेला कूर्रवेश:इलावर:सुअअव् तरहिला वेला भ्याप्तात्री र इस मार्चला दर्गित्यामा स्वापित प्राप्ता मार्थित स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता द्भवा रेश्रुवारम् राज्यार्विताता । जन्म सम्यानम् राज्यात्रे रमायात्रे । रमायात्रे ग्रेन्ट्राव्ह्राक्ट्राक्षणायमी वेश्वरावहर्द्धार स्टाइता श्रद्धार स्टाइता श्रद्धार स्टाइता विद्या र याच्चानी में केवला । रि.ट्रि.एरि.सर.कारहर) वाली प्रविधार्त्रेय ह्या सरकार सरकेर एक असम म्स्रिर्फ्यरेश्वर्था राज्यत्व अन्तरेशकार्था । स्वाद्यरात्रह्वाद्वरात्रहें विष्ट्रा वत्रस् यवि रार्तिन द्वित है। वह श्री राज्य प्राचन देश में इस मरी अवका में देश लाक वता के वासे वा के व अव:इ.स्या क्रिका: हें रिष्यपाया में से हें रिष्यपाया में से हैं हैं हैं हैं के कि कि के कि कि कि के कि कि कि कि

176 य्वत्र्वतास्य वास्य विष्या क्षेत्र र्मित्य कार्य विष्य वास्य में व्यवतास्य विष्य वास्य में व्यवतास्य विष्य वास्य क्षेत्र क्षेत 1/25/ 2 ( ) यम् (गर्मः अस्त्राह्यः व्यात्याः स्ट्रियः व्यात्यः स्ट्रियः स्ट्य शुर्मे इत्यायक्ष्ययारद्वा शुक्रारया मदार बीबाबार हो। दे सि एह्याबा रापु विश्वारी द्रार्वेद प्रवश्चाक्रयः यात्रे वसद्वभसारेद। क्षारंद्वी रेश्वस्थास्य वस्रीत। वह्वास्त्री श्वर्ष्टि स्वर्धः क्षार्थाः क्यार्थः कृता भरण्यवतामायर्थाम् विष्वाचार। विर्वेशावर्त्रास्त्रास्त्रारव्याम् वास्त्राः वेस्वयन्त्रा 2ववी र्वटर्यक्ष्युद्ध्या ब्रिक्टरात्ट्री र जनमभवतावणवावाय्यं सूरी सूरवर्ष्ट्रर्था मुम्माने 3-र्=अन एर.सुएमलमहर.ज्राह्म क्राया क्र वि.स.च. व्यान्यात्र व्यान्य व्याव्य व्याव्यव्य व्याव्य व्याव्य व्याव्य व्याव्य व्याव्य व्याव्य व्याव्य लेर.सर.अब्.ब्रूब.नर्नाराष्ट्र.सुव.संब्र्यंतरमीव.धंबियासहस्राप्ते राष्ट्रिकाक्तिये देशह.पववातानेर. र्जाद्रभी द्वार्का प्रदेशकार वेल अर्थ द्वीरहे स्टाल वा क्षित्रहित्रही भी श्रीवाराव प्रवास्ता लेक्ष्यात्रे स्थाने स्थाने वर्षे केर्या केरा केर्या केरा केर्या केर्य देवलारावालम् इत्या नातरेशार्वस्त्रात्यात् द्वातरात्रेयते ह्वत्यत्तर्ते राहरार्द्यस्त्रात्वाता रिट्यायावन यास्त्रेत्या अरक्ष्यं क्षेत्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रका स्वाप्त्यमा स्वाप्त्यम् व्याप्त्यम् श्चिम् श्वाहरवरवर त्या स्वास्त्राक्षित्रीयार्थयात्रेता अहे स्वास्त्रक्षायाते। दसरायाप्त परित्रकर्भेव। मरकरमण्यायारी राष्ट्रयाया सामान मेर्या मेर्याया सामान प्राप्त सामान र्स्भारेशास्यास्यातरी सेवास्तर्भरार्यारस्यानेमा अरात्मक्रायतास्यारमाम्बी करस्या क्रिकार्श्वता सेता सेने त्या त्या क्षेत्र प्रति है निरम्पति हैं निरम्पति हैं निरम्पति हैं निरम्पति हैं यहै। श्रमा वदा एरे। हिंदेन म्या रहे दर्द एद्दे मा एक म्यान एत्रें में एवं प्रकार हो। यह मार्थि दर्द प्रकार हो। मूल्या मुन्न स्टालाम् स्टालाहरू स्टालाहरू स्टालाहरू मार्था मार्था मार्था मार्था मार्था मार्था मार्था मार्थ स्था लादम्ह्रीयके इस्कुमेर्द्रादित्राद्रां राध्यक्षा कत्र कत्रद्रक्षित्रं के सम्भूद्रता था सूर्यम्बर राष्ट्रपाय केर्या क्षेत्रपाय केर्या क्षेत्रपाय केर्या केर तकलागम्भागम्हरते रा मनवार्षं र्यार्यं यामार्थाया सुक्रमावयाया सुक्रमावयाया सुक्रमावयायाया स्वभाग्यायायायाया कृषास्व ययाता है। दर्गाराभेरा ह्वायं येर ख्यायायाया ह्वा है दर्गावर प्रक्रिंद्र, देव अत्यद् । ब्रेंद्रश्चाश्च, क्या वर्षत देव वर्ष देव वर्ष देव स्त्रें रे वर्ष क्रिय विश्व पर देव से देव से देव से प्रकार के प्रकार

यधः वित्रात्रा प्रत्यात्रेर द्राम्भवात् वाद्र्यात्वात् । द्रमण्यवारात्यात् वर्षेत्र द्राप्त्यक्षेत्र द्राप्त्य यथेएवर. यक्तिर। द्वया.श्रेयदर्द्यारात्राचारात्राः कार्यमान्द्राः विदायां केवान्द्राद्री यावीयवेश क्रियां प्रदेश ्बिटअला कुक्टरल्ल्द्रत्रर्थालाचर्त्रेया पत्तरकुट्ड्यिक्ट्राच्छलाड्डाला विक्लावरक्राच्याक्रा कं मानवार्धिर्धार्वात्वार्थात्वार्धारा द्राराधानार्धारात्वार्थात्वात्रां वेरा सेरास्ट्रातकरकुमा धार्यात्वायाया अला वा वा का अंदा के ता का दे के स्ट्रिंग के से वा के दार तक्षिरकेव निष्यास्य दरात्मा वर्षेत्र वार्षेत्र वार्षेत्र विद्यात स्थाने वार्षेत्र द्यात स्थाने वार्षेत्र विद्यात स्थाने वार्षेत्र विद्यात स्थाने वार्षेत्र विद्यात स्थाने व्यव्यास्त्रेश्येत्रेत्रेत्रात्रहेत्। अहारात्रहेत्र हेव तो द्वाता द्यत्य रसत्य द्यत् हेर्सावयाते द्वाता क्रोनेद्भनेद्द्यम्यं कथावतः द्वताक्रेयद्दत्यः तर्का । वह्यत्रीद्रवेदकेम् कृतायदः स्रेत्रायद्रायद्रमार्याद्रकार्याद्रमार्याद्रकार्याद्रमार्थाद्रमार्याद्रमार्याद्रमार्थाद्रमार्थाद्रमार्थाद्रमार्थाद्रमार्थाद्रमार्याद्रमार्याद्रमार्थाद्रमार्थाद्रमार्याद्रमार्याद्रमार्याद्रमार्याद्रमार्याद्रमार्थाद्रमार्याद्रमार् यर् अति या तुरामा अस्ति । सुरा रे परिश्वीर भे यक्षर्यरतामा अस्ति द्वाप्त्या रे परिश्वा युर्यूर्डिलाय्राम्यूर्या वर्षात्रवेरा वर्षेत्रावष्याः जर्मे अवराष्ट्रियाः वर्षेत्रात्रेयाः वर्षेत्रात्रेयाः वर्षेत्रात्रेयाः वर्षेत्रात्रेयाः वर्षेत्रात्रेयाः वर्षेत्रात्रेयाः वर्षेत्रात्रे साम्या द्वाराम वास्त्राचा मारामायहरम्भयति विषयायहरे। द्वास्त्रायकायहरे विष् अर्कुटला द्रां राष्ट्राचारदेवलदेवाधेव। क्रम्भेष्ठेरमन्यम्सम्स्मान्धे। रेप्टरावम्राभावादेवलम्सू हैश। वरम् सन्दर्भ व में रेरेट त्यारा मार्येय महाया है या राम्येय वर्ष रहे में। इ.र्ट. ७ वालाव पर्वतार्वाल हैला व.र.व. भरे व एहे. है। इ.र्ट. ७ वालाव पर्वता र्वाल हैला रेड्ड भे खाडि हैया है। रेड्ड वियायाय तर्व यार्य या ही या है। यह वार्य प्राप्त है। यह वार्य प्राप्त है। यह वार्य र्भर्यंन्याम्क्री मेलाया विक्यार्का लात्र्रह्यायाः ।।उत्राचर्वरः विक्यायाः ।।उत्राचरः विक्यायाः विक्यायाः एकर.वैड.वया सेर.बशुवा.बेट्युवा.वर्केरता.केरव्यूवताएकेषा.जव्यहर.व्याता वसव. याम्ब्रावसासूरातावरावर। म्रेंपारक्वायावर्मका विकारम्यात्रम् "अवलद्रा दयतः तन्ने नापतः । दे देराता वना या वेदाक केराया विकास कर्या व वस्त्रायते वेदान मृत्युर्यात्र राजा वर्षः स्मायुवयावेनाद्यायद्यावकेषुवयदिन्यवादेनाष्ट्रद्ववयते। बुकार्क्चे गयाता प्रात्या संस्थात स्थात स्था स्थात स्था स्थात स्था देशरा मू निरंदा कार्या चेराधुर वार्ट्य सेरावता । प्राप्ते सेराष्ट्रका तार्ट्य वर्णा वर्णाता भा न्रेटर्वर.बा क्षेत्रेर.टी.जर्डरव्यवग्रहर.ची.जर् क्षेराचरकाया।

म्रास्तिक्षात्रात्रः स्वास्त्राच्याः स्वास्त्रात्रः स्वास्त्रात्रः स्वास्त्रः स्वास्त्य

अव्व।

द्वराह्म द्वर्रा द्वर्गर ग्वायर्था साधारवाम् विरिवरयाम् मह्र केम्प्रवाहिमामाध्या तायादवाक्रिकाकात्वरत्तायाताः दक्ष्यर्भितं क्रियाना विकासविविधाना वयात्व्राताः भुमार्याता भीरावयात्रात्वयात्रात्वे प्रामुद्रात्यात्रा भूमा व्यामुद्रात्यात्रा भूमा व्याम्या भूमा त्रवायं वर्रक्ति र्यत हिर रे। वायम्यते वर्ष्या तुमर्वे वर्षे व से व व से हम् देवताता दत्रः यास्याची स्वास्याचे। वहवा परामास्य विद्यात्या ह्या । दावता हिंदा वाद्वा वाद्वा वाद्वा वाद्वा वाद्वा वाद्व मंह्रिका हिर्देश हेर् में प्राप्त र के मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मिर्ट में में य लग्न (लग्न) या यहिवाल्य को दी सीर सीर यदि दूरा केरिया द्वार प्राप्त प्राप्त विकास दार विकास दार विकास सद्यास्त्रात्यं त्यायाता वार्यारे स्वर्धिक स्रित्र वार्या है (दे। तथ्या वार्या स् मेरा कल्यारार्थयार वासर्भारता विकास विकास कर्या स्वाधिक विकास वास्त्रास्य वास्त्रास्य वास्त्रास्य वास्त्रास्य र्वायाभेर। अर्हारा गुर की चिवार्वायाया हुत्यायती विवयतात्रेव व्यट्ह मेरा वर्षा में गुर वीभर स्वाता ह्या यह कार्याता कर्ष्ट्रेर्रा सर्या यात्रिक्ते ह्या या से स्टिल्क ता वक्ते ह र तररेयातारक्षे कर्याता इसल्यास्य स्वात्यास्य स्वात्यारेता स्वात्रातीत्रस्य स्वात्रित्रम्थे र सुरायुक्त स्वरास्त्र वार्यु वर्षे देनिर विभिन्न विषयुका काराया द्रवायुक्त कर्या विषयुक्त विषयुक्त विषयुक्त व म्राम्यात्रेश श्री श्री भेरवर में एवं के किया में राव में में के किया है। किया में राव में के किया में राव में गुर-द्वायाययम्भ्य । ययाभद्यः अहतः मुक्तर राक्षाः । इत्रापतः द्याप्यः वया। प्राम्भारक मार्थ स्थायर अधिक क्रिया के स्थायर अधिक स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्य स्कर्मा अरामा क्या हर विवक्ति स्वरास्था सामा विद्या स्वरास्था सामा स्वरास्था स्वरास्य ॥३०।३४६८:अद्वाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षाक्षा यायात्रात्यात्रक्षात्ववात्रवा । नर्षम्यात्रात्रकारहरा विवाह्वास्वयायाः देवनः देरी रत्रतामकामात्री अर्यहर्ष्ट्रायक श्रुप्त स्वर्था किं अहि सुर्दे हैं। हो श्रु. श कितान्त्रकुरावता केरवाभन्यास्यास्यास्यास्यास्याः भारत्याः व्यास्यास्याः व्यास्यास्याः यारापायापरेवका अक्याममञ्जामरसर्स्याचीयाद्वापर्रमात् व्यापर्मप्रमान

「かいいいはないないないない。それようにないないはないないできたいとう

र्यर्यतिवर्त्यम्यविद्रं यो सिद्रं तोत्। र्रत्यर्विवरुत्ययम्यम् विवरुत्ययम् विवरुत्यम् व

सुरम्भवायिवेतुः सेवार्वरात्ये। रम्भवाविवादुः शेव्युः स्वय्यु स्टार्व्यायस्याध्ये। री.कार केर के जा न स्वाय के जा न के जा न स्वाय के जा केर के जा न स्वाय में जा न जी भी में का.प. मंद्र यो श्री का श्री हैंद्र न पुरयो पाया प्रिया मायरेय । में से पा पाये यो श्री दशायी दशायी स्वर्रक्ष्यामेश्वात्वेतात्र्वे व्याम्यक्षास्य स्वरमास्य मार्थ होवेत्तरात्वे वस्याय स्वर्धाः क्रमायमार्थिक्तामायाया व्यापने विकास विकास कर्ण विकास क्रमाया के से द्रा वा हमा म्युः वर बायम्रान्ता र दर र र मायम्याता समायम्याती र के त्याना व्यवस्थानी या लेबालान्त्र रेन्यदालकु लेकालाव्यक्षिकालाका रमस्य वास्त्रास्त्र ने के मुन्ने स्ति के साम के ता द्यतायति केरावातम् अवस्थित्या न्याक्रास्यात् । स्वाद्यात् । स्वाद्यात्यात् । स्वाद्यात्यात्यात् । स्वाद्यात् । स्वाद्यात् । स्वाद्यात्य मिलाक्षेत्राहारी महत्यमान्यात्र व्यालाक्ष्यात् द्वार्येत महिल्ला मिलाक्षेत्र में में त्यान सेटामाकारा व्यक्ताकार्यक विश्व विश्व विश्व प्राप्त पर्यात्वा विश्व हर्व विश्व कर्ति । विश्व कर्ति विश्व कर्ति व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व क्षेत्र स्था पर्यात्वा विश्व हर्व विश्व कर्ति विश्व कर्ति विश्व कर्ति विश्व कर् スターを対からは、レナバシャーチーびたいないとからないできていていて、イイン、イカントのなりではなくし、 में नार्यात्वात् वात्राव्यात् वात्राव्यात् वात्राव्यात् वात्राव्यात् वात्राव्यात् व्याप्तात् विकास वित न्यान । ।।। १ क्रियार्ग्यने निर्ध्वे वर्षास्य हरा हिर्द्ध मेरा द्वेस वर्षा अ, उर. में शता, में उर १ र र मेर अंध्या का का में बार द्वर वर अर अर ए वृत्र कर के कर में वास्तानिवयानेत्याना । १५ ११ प्राप्ता केपाई प्राप्ता कर्मात्या केपाय वास्ता में देव प्रम्य अद्विकार् हिंग, सेर्स्सर क्षेत्र कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कराय हे या ह्या एक ए वह देश ्यानेया महित्युर रेटरे ने रहेणय भरा नमह मला हैया व हरा व हरा तथा वमकर मेर धर है रहे वह वी अल अम्बर्भरत्ववात्याता नियात्या अप्राप्ति में स्वार्भमार्वभाव्यास्यात्वा स्वा

र्यक्षिट्टरस्य (मार्पार्व) र १००० वर्षम्य अर्थरत्या माध्यम् मार्थे अर्थम्यम् ।

म्बरी अद्भाषह्मत्यायह्मत्यायात्वर् पहिन्द्रिक्षायात्वर् महास्त्रात्वर्

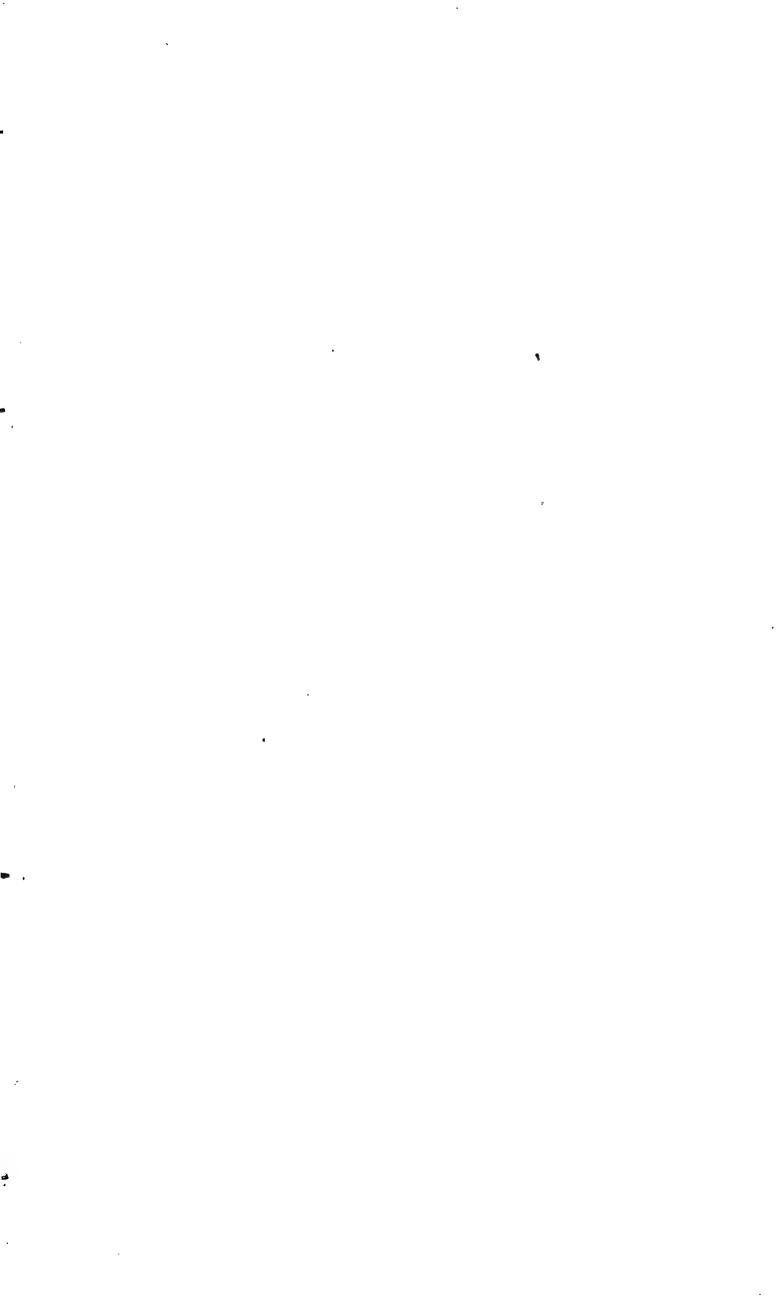
सर्भक्षायरमाम्भी गाल्युवास्त्र । सन्यक्षायरमाम्भी वाल्युवास्त्र । सन्यक्षायरमाम्भी वाल्युवास्त्र । स्व

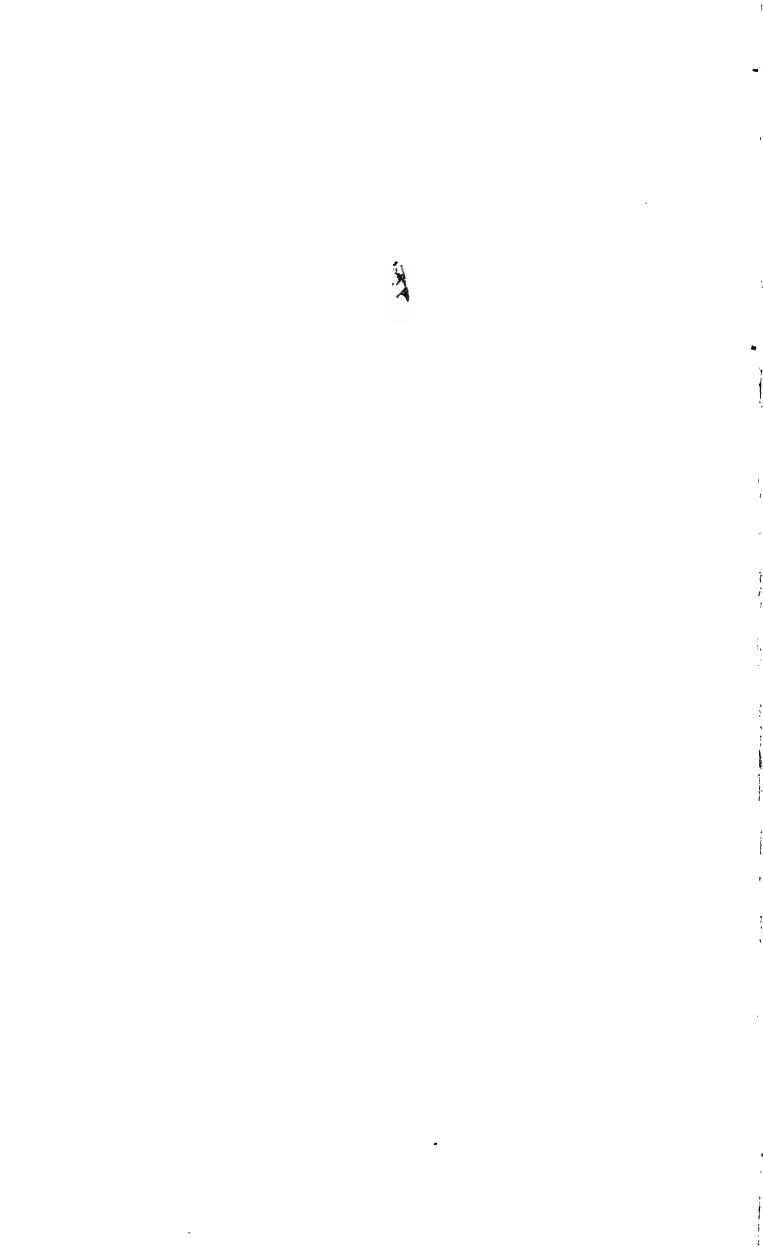
द्यर्द्यतात्त्रिरःवाण्यर्याद्यः अद्यशात्रमास्यः यद्यशास्यः यद्यशास्यः यद्यश्यद्यद्यद्यद्यः स्त्रमात्रम् वर्षाः

नुकी केव लग्देशवा दे विष्ट्री दे किस्ती दे किस्ती दे किया । इ.स. विश्वास विश्व न्यानिद्रालद् नुन्धा भिवात्तर्तम्य पर्वात्तर्भव पर्वात्तर्भाव । स्थान्तराल्याम् न्यात्रा यान्यास्याद्रयास्य स्वाद्यास्य विकार्षेत्र विकार्षेत्रयास्य विकार्षेत्रयास्य विकार्षेत्रयास्य येष्ठिया श्रीता वाच्या वाच्या वाच्या त्या माने वाच्या माने वाच्या यर सर्दर्यर। वाल्यंर वार्यक्ता राज्या वाल्यर अत्यार वाल्यर अत्यार वाल्यर वाल्य वर्षेत्र व्यान्त्र्या अरेते हर रे मे मतापूरी अरत केर हिर वर व आत केरा व मुंचते 男というないないないないないできます。 たらいいはまないできまんない 一川のないないない क्षेत्र विराधरत स्वात्य विराध प्रमान विराध करा करा है वात्र वेदवार के स्व र्यवरका सेरहेले द्वारा राज्य वा गाया । समका महर र्या सु ते स्वाका के स्वाया प्राय प्राय स्व मार्डिट्डम्बेट्री चरत्र्याल्याच् नहरायाक्षीत्राय स्रीत्राय कर्ता मारायात्रा मारायात्रा विर स्या देशका मार्था मर्गा है। विर क्षेत्र स्रियायक्षित्राचार्त्राचार्त्यात् वर्षेत्राचार्त्याः वर्षेत्राचार्त्राच्याः वर्षेत्राच्याः वर्षेत्राच्याः र वर्ष्ट्रक्ष्यमः वर्ष्यायराक्ष्यायराक्ष्यायराज्याययः । अक्टर्ट्यस्र्वितेश्वर्ययाभक्षा क्रम्या वर्ष्यम्यतः दश्यावार्ष्य्वययः स्ट्री वर्ष्याः वर्षः वर्षः रमकेनरथतम् द्वाक्ताको वरववात्यरात्यात्वातहेत्यहेंदा यातहेत्याद्वात्वात् सहस्य की अरावक्षांदर दरदाद्वानवेला नक्षा अपाक्षित्वी राष्ट्रकी स्वाक रहें हर्षदावहर त्या व्यक्ताक्षरास्थ्रेकेवाधरायां वेर विर्वेशया रिवर्ष्याया । विर्वेशया में विर्वेशया में हामवावाबुद्राभी नेयायमा देयाहोमा भयम । विद्युत्र में यद्या विद्युत्य में काम अधिकराववस्वमार्थात्रेया । अवविवयार्थायम् अवहर्यात्रे स्थात्रे स्थात्रे स्थात्रे रसुरक्षेर क्रीययिद्सरायादम्बा रयत्वर्व रंग्यरते दरायातम्बा कॅर्वेद्शीत्यायावरः यति केर्यत्रावधन्य दरारतिष्ति वार्यायात्र कर्मा विद्यार्थित त्म अवस्थान्यद्यारा पति । म राष्ट्रा म राष्ट्रा म राष्ट्रा म निष्मु में निष्मु म स्थित । देश्वेन नरम्पद्यस्य । याधीत। श्रीराश्चामानाराधार्यात्रामा राष्ट्राचेत्रामा राष्ट्राचेत्राचित्रकेत्राची तवसायाव्यात्रात्रात्रात्रा अरद्याता र्यत्वहूण स्रव्हेन रार्यद्वरायहरा नवतः क्रियात्रायहरा स्रवास्त्र र्। किरानीमानाम्पारं पत्रात्तात्रात्राः में वरामानामानामान्त्राः

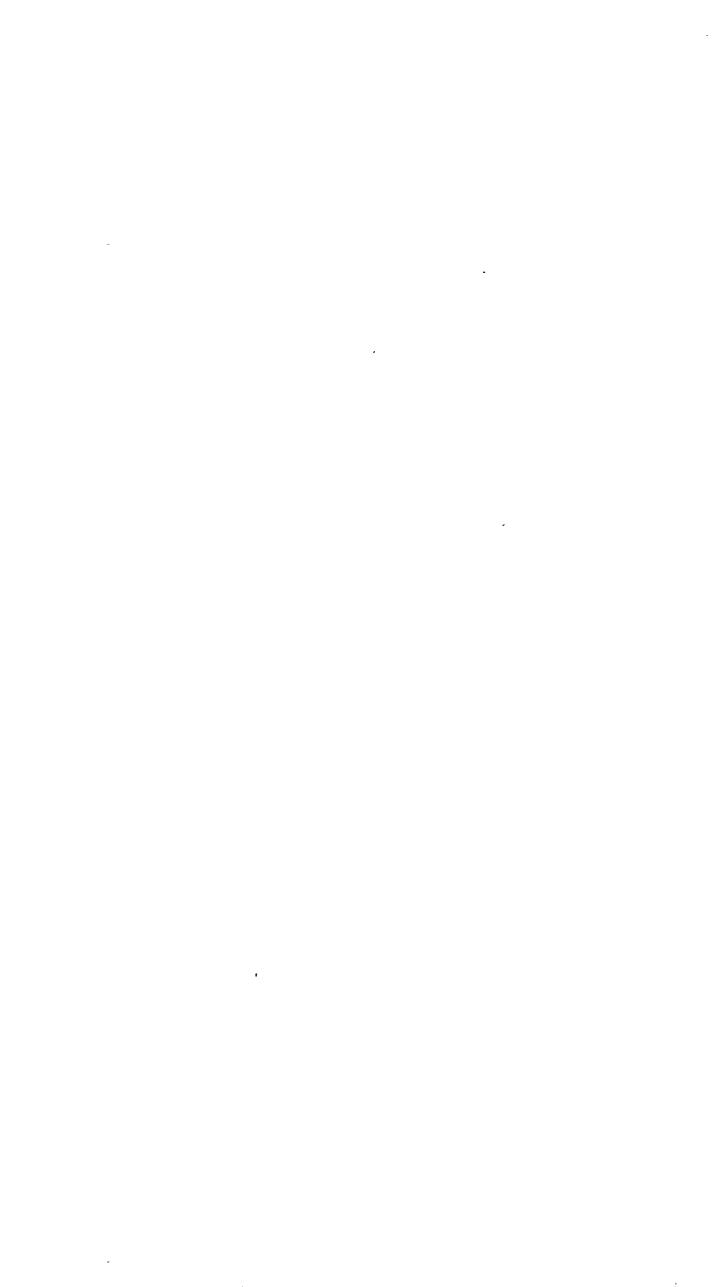
< निर्मित्रेश्विभाविकाविका केव्रास्ट्रास् विस्था : विस्थान स्थाप्य निर्मा विस्थान स्थाप्य विस्थान स्थाप्य विस्थान स्थाप्य स्थाप् साम्यक्षाम् व्यवस्था द्यरद्वातान्ता प्रवेदन्तात्ता । यदन्त्रम् यदन्ति । यदन्ति व्यवस्थान र्वातरीयान्त्रवाति । वर्षणा देन्द्राकात्त्रं मेरणान्त्र वर्षेत्रम् स्थापता विष्यास्थायस्थायवर्गार्। हेन्रेन्ड्रस्यून्गरायह्या हिर्म्हे गरा वार्यस्थिति विद्यस्य प्रार्थित स्वार्थित द्वार्थिववातिया स्वर्धित विद्यार्थित 2 202 न्त्रायाधिक विश्वक विष्यक विश्वक विश्वक विश्वक विश्वक विश्वक विश्वक विश्वक विश्वक विश् मन्त्रमानावितित्तात्ता । अद्रत्मेन मन्यति स्वरायदास्त्र । मानु प्रमुवास्तरा स्यो रे.हर् हे. परं र अक्ट क्रियर कर्ष कर्र के हे क्रम्या है सर्था व्यक्त यह तो अवहरूत वारद्भेश्यते ह्वासायविवा । इत्यद्वाभेद्यते क्यायावविवा । विद्रद्रदे ब्रिया दक्षिणक्ष्यकर द्वार वायक । ब्रूट्टरक्षणअवंग्रह्म । दक्षक्रवाद्वरवयाम महिमात है। नमप्रकरियांगाचरहरू वार १०० मिन्नम्बस्यस्य महिमार्थना ्वा (पर्य ।। १०० । हेर्न हैस्याय के ने स्थाप के ने स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप वालिस्यात्। वार्ताः क्रिया तकरवर्ष्यम् क्रियात्। अर्वाके अर्वाके अर्वाका प्रमुला द्रेट्या द्रेटरवारे स्यापना । इया सम्ति स्यापना व प्तर्षे हैंदा रेराक्र में ब्रावेश ने अस ता ता ने वा चेरा हेरात के ता ता ने विस् \*、この、コチャ・メンド、うらか、まかの、イベナニンでは、はいかとかくの、これ、「はいか」というます。 क्याहित्यहेतः त्युवावराष्ट्रद्योपवस्याद्वरात्रहेकायदेवत्रभ्यायाः वाह्यत्। त्य स्वा (विकायित तर्भे कार्त्या पर्या पर्या । रे रेस्तीरप्यत वस्तावस्ता वस्ता क्षित्रस्रिक्ताः द्वान्यात्रम् त्वान्येराक्षेत्रकेर विवस्तान्त्रेतास्त्रम् स्वान्यास्त्रम् में सरस्य सम्यायाम्य तरहेतायाम् । र गराह्यायास्य स्वार्थायाः वस्यात्रीराराक्षेत्रकत्यात्रां विद्यात्रां विद्यात्रां विद्यात्रां विद्यात्रां विद्यात्रां विद्यात्रां विद्यात् लेवारा-नरवार्त्ववारा देवित्रकार प्रतिकार्ति स्वाप्तिकार कर्मा देवा विकास देवित विकास देवा विकास देव क्षात्राक्षात्र विवाह मेर्न्य करान देति हु है। के मेर देते के का कि के द्वित विवास में किए प्रशिक्षात ता में ता के से के प्रति हैं के प्रति के प्रति की मार्थ में प्रति की मार्थ में भी मार्थ में भी मार्थ म्यार्थित्व क्षेत्र क म्याम् वते वीरविते स्यापित् स्यापित् स्यापित् स्याप्ति स्वर्णे स्याप्ति स्यापति स्याप्ति स्यापति स्याप とうして、祖母という、はいいないないとのできるというないできているというないろ

えて、これると、そのと、これが、それと、のあるかれるとは、まれたとうないと、とうないとく





हर्स् रत्युरत्युक्तः 🎹



र्द्रा सुक्र राज्य वर्ष द्वेद के प्रश्वा हा तहें का राते हैं ता है से प्रश्वा हे से प्रश्वा है से प्रश्वा है स म्मार्यस्थार्थे स्वर्थे अद्भित्राहर्षे स्वर्थे अवस्थित । कावस्थात्र विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्य विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्यात् शियर जिरस्टर र

छों यह देन हैं। जै। इह यह देर हरे या जाया यह देर देश या द्रायातान्त्र द्रायात्र द्रिद्धात्रकात्रेत्र व्यवस्थात्र व्यवस्थात्रकात्रात्रेत्र व्यवस्थात्र द्रायात्र द्रायात्र व्यवस्थात्र विष्यस्थात्र विषयस्थात्र विष्यस्थात्र विषयस्थात्र विषयस्थात्र विषयस्य स्थात्र विषयस्थात्र विषयस्य स्यवस्य स्थात्र विषयस्य स्थात्र विषयस्य स्थात्र विषयस्य स्थात्र विषयस्य स्थात्र विषयस्य स्थात्र स्थात्र स्थात्र स्यवस्य स्थात्र स्यात्र स्यवस्य स्थात्र स्यात्र स्यात्र स्यात्य स्यात्र स्यात्य स् नाइर मानिता होते हैं ते व मानितिवार राज्या के लाम व कार्य कर हो हो है। जिस्मिति किला के का कर्वा हिंदग्र केंग्रेस केंग्रेस केंग्रेस कार्य केंग्रेस केंग्रिस केंग्रेस म्यालवर्दा हर्द्वद्वति हर्द्वः वहार्द्वव्यति । वहार्द्वः क्षेत्रवात् क्षेत्रवा वहार्वे ला दिंडकद्वरावर्विद्धा विविध्वति विविध्वति विविध्वति । अद्राविध्वद्वित । अद्राविध्वद्वति । अद्राविधविष्वति । अद्राविधविष्यति । अद्राविधविष्यति । अद्राविष्यति । अद्राविष्यति । अद्राविष्यति । अद्राविष्यति । अद्राविष्यति । अद्राविष वर्त्यत्ति । दर्मित्रं केट्रका अस्ति हर्षा द्वारा । कार्य के त्वारा के त्वार अवराधकार्थः । व्याप्त क्षेत्राच्या । व्याप्त क्षेत्र क्षेत हिन्द्रा सुवाधिक विकार हिन्द्र प्राप्त स्वाद्ध स्वाद् र्शिकेटला त्वव हिंथीवार्थिकार्यिकार्थिकार्यिकार् वर वाय्याची वीसारक्ष्माता। हिं त्यारे सहर स्परा राकरें केंद्र कर रहा रहा है रह स्थारे विक्रिया रिल्याम्वलवेतालकाराक्षाकाराक्षाका । इत्राह्यस्य स्वते । देल्याक्षा वृत्यस्य शिवक्यायते हुन त्या विषये कुष्ये कुष्या विषये विषये विषये विषये । विषये विषये विषये विषये विषये । क्षेत्रयं न्यायट के खेदलायाता देशीवायर में ना खेदल के तरकी मुने दर सहरका नि अ. अअ.येशक्तरात्रा चल्यांद्रीच्ट्रतिवालका.व्रेट्.युट्रया मुक्या तियावया विपाद्य शवीते देता. लुअश्चिम्यारं पहेंयो। श्वीयर्वा दहास्यात से से प्रायम या यह पर प्राय में विव महिना (हिना ) अरेर) र दंश नुन स पर्धि र दुर्म र संक्रिय है। र्भाश्च्यमञ्ज्ञान्य केतारा भवातिमा त्यूर्यक्ष मूर्वर दे लवस सूर्व दे दे विवास स्था हमसद्भित्यसद्देश्याद्यापेनानीयस्थ्याद्याः वस्तियः वस्तियः ग्रीयः नेत्र्यान्यः १३अक्ष्यास्य स्वित्रेत्रेत्र्याया इत्येत्रेत्र्याया इत्यावत्यास्य

184 रमियाररर्र्डि सुनयम्भेयत्यमक्त्रिं स्तर्यर्ज्ञास्य सुन्तर् विसर्देद्रवरक्षणः मूनार्त्राणः यात्रके वस्तर्वेद्रवद्गात्रमाना स्वर्त्ता स्वर्ता स्वर्त्ते स्वर्ता स्वर्ते स्व चर्द्स्यवेता केमस्त्रक्र्याण्याचेकाक्षेत्रक्ष्याक्ष्याचेत्वयाहित्वयास्त्र्यास्त्र इर्तिकर्त्त्रेय्तर्दरकरावि,रत्त्रालह्यविमानायर्ष्ट्राच्याविता नर्स्ट्रेष्ट्रनमाय्याविर्वेत यान्याति वार्यस्थ्यास्थर् वरी भूवास्थितास्तरम् ध्राया रेहेमार्वेर वृत्ये सूरास्य वरी वहिवासा येमा निजरे, जरकेर अकूर संग्रेशक लेस माईर नमा यात्र भाग जिस माईर के मा ज्रूर्यर्थेयं क्रांस्ता एक्र्स्स्यामा अरब्र्यात्मा क्रियं स्था क्रियं प्राप्ति व्यूति । 41.92 ) इभन्देवज्ञातरत्वेयवमातिरक्रम्भवरतेत्र्राचनात्त्रमा वर्तत्त्र्यक्रम्भा 2035:41 चत्रेत्वं चेत्रेक्षेत्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वारत्येत्र स्वायत्या कृष्यचेत्रे स्वायस्य स्यायस्य स्वायस्य स्वायस्य स्वायस्य स्वायस्य स्वायस्य स्वायस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वयस्य स्वय बीय बोय बारत स्यायन वान वार्षे वेरन्यम्याय में ते एत्त्र कृता मारी भर के विवर्त कुल में लेखाः मनगर्रमेह स्रहेत्र रेप्त्या देप्त कार् क्रिया स्प्रमान क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया वेक्स्रिक्षेय्येयर्तिक्ष्याचेत्वर्यस्वर्वस्यक्षेत्। स्वत्यक्ष्यस्यिकेवस्यवर्तस्यात्र्यस्यवेत्वर् इगयतेयमेरभूता देवायार्करर्येतसं त्यात्रक्षर्यात्रस्य विष्यात्र विष्यात्र विषया यान्वेनात्मस्यात्रम्यस्य स्वायन्त्रसम्स्यास्यस्य स्वास्यस्य त्रम्यस्य देरात् ह्यास्यस्य स्वा क्रियाचे विद्यां क्षेत्रक्त्र्यं विद्यायाचर त्याचे कार्यात्र क्षेत्र कार्या क्षेत्र कार्य क्षेत्र कार्या क्षेत्र कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्य चरत्रमार्श्वरमाञ्चरक्रहेन्स्ररार्श्वरतेषात्रमार्द्रमान्यतेष्वराष्ट्रमान्यतेषात्रमान्यतेषात्रमान्यतेषा DEN भूमाना रम्मभूभिने कम्मभूभे प्राप्तमार्थना सने स्विनिम् भूभहलरी अपकेलत्रक्षीरामधुन्नत्यमञ्चनन्त्रमात्रुत्रविक्षित्रकेल्यकेल्यकेल्यकेल्या क्राविरवहवार्व्यक्षायायार्वरम् वर्ष्याप्त्रम् पर्याप्त्रम् वर्ष्याप्त्रम् वर्षेव्यक्ष्रम् क्रेंद्राचसर्बक्रद्रवक्रद्रविक्रियक्ष्रव्याम्यान योत्। देशवद्याचे व्यस्तिद्रवेद्रवेद्रवेद्रवेद्रवेद्रवेद्रवेद् सीर्युः ज्ञानस्याये अस्य मार्युना विज्ञानातर प्रोत्य केर पेर्युन्यसमञ्ज्ञान केरिती वालिया प्रामाओ सः भ्रेंद्रके रवा यत्रवाभ्रोद स्वाव स्थापेद्रवीत स्वाव स्वाव त्राक्षेपेद्र। केंद्र स्वेदवीय स्वाव के स्वव विव द्वे के देने देन वा वार्षे में श्रुव हिर्दी समये वार्षे वार्षे के ते प्राप्त के वार्षे वार्ये वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे यंस्मार्ट्र प्राप्तात्मार्थार प्रस्मायम् मार्थः यात्र यात्र यात्र विष्ट्र स्तर यात्र विष्ट्र विष्ट्र विष्ट्र व きか多く क्रेन्ज्रिसी कार्या एर्ड्निरएर्गा बेरा देतसर वरक्रर्गता सेरा स्थानिर नु को स्पेर बेरा देर होते ये ते बाल का सुर हा द्वेत दर ता का प्राप्त विद्या हर हो व केर सुर क ल्याद्विमानत्यवरम् र्यार्यणात्यापर्वर्त्तत्यात्र्यात्रेत्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्रात्यात्रात्या 6501 बल्दलिकीत्त्री क्रालक्षरलक्ष्येत्रवन्ता अवस्त्रीत्वकत्त्रीत्वसक्ष्यत्त्रीत्वाम्या श्री गर्गाके ब्रिटियास्त्र (यत्यासा नामाये व्याप्ति मानेताय तर्वसा तर्त्वता वेदान्य होते " श्रीमहिन्यां सेर्न्यम् स्पेर्नियम् स्पेर्नियम् स्थापान्य स्थापान्यस् द्रियापान्यस् देन्यान्यस् देन्यान्यस् । दरलुकुर्येदा अलदेस्यदेवालेगाने। इदरेदस्यवेदेकेंद्धलाला अञ्चक्षणकीसावद्येदिर।

ノくご

्रदर्दर्दे सम्भाना सेरवे संग्रमासेरसुर में ते मेगना स्रम्भरसात्रायान्याप्याप्यासेरा वाहेगः चेतिसे लम्बस्यलयेता दहीदस्यायमत्त्र्यस्यस्यस्य स्थाता क्रवस्य वाल्यस्य नाल्यम् म्रेरा मरमाध्यावरेखेरमवस्राता बरखेरमतिह्वास्यते कारस्रा स्यापि सु.ज.तर् झेरेसुरा श्रीर बरक्यें र्याज त्ये वासका बर विवसा वा वा वार सावसः माने र तिर ति वे श्रीया विवासक्षेत्रप्रतियानग्रीयनस्यामा स्वापन्यत्यानन्त्रात्वात्रप्रत्यात्रात्या मुर्मिश्वरार एडीशाल एडिश्यासस्य बेरसा रहिर सुमान रेडिश के प्राप्त में ने विश्व हैं विश्व कुर्यसं कुलग्रमा धुर्दरी एलस्म अर्ड्जिए एलक्स देन। से व. से दूर रागम रेट लिंग. ला क्रें अर्थक्रित्राम् लेलर्द्र्या क्रिंट अर्थः वारातवयात्रास्यासम्भा देशर्वात्र्वे क्रेंट्र विद्राद्धः वर्षे त्तिप्रक्री रुक्त्वारपुर्द्धाःकीत्तिपर्किरी रुक्त्वारपुर्ध्वात्रुक्तिकिता रुक्त्वारपुर् महर्सेर्द्भर्भरत्र्रा अञ्चनिरमी अर्द्भरक्षरत्याधेर्। असे त्र्यो गर्दे ते सभा हीरने अप वर्राप्रावर्ष्या केंत्रव्याने से व्याप्ताने वर्षेत्र विषया व्याप्ताने वर्षेत्र विषय केंद्र विषये विषय वर्षेत्र क्रता वर्र हरे की खरम मेरा हीरक संबेर वस्तर समामेरा दसन त्वा मेरा बेर ने रेपवेर वयसेरा नेहेगसुलह्यहारसेरहेवरी ह्यूवर्ववयवेर्यरववेग्यसम्हरा स्वत्यर् स्पत्रेत्रस्यापा द्यमाविक्तिर्योष्येत्वात्यस्यातेमाक्त्रात्यस्या वेत्वात्येरविक्त वर्ष्यार्थ्या नेवर्षा नेवर्षायार्थेरसेरक्ष्यक्षणवर्षा नेवर्षावर्षेरम्परक्षणक्षणवर्षा अहेरहेर्य केमार्देरते मक्रेमात्यासी विष्ट्मा दक्षते स्रातासकरा देरादेश स्रमादर स्यमार्के रासकरा व्हिन्यदेश अरव्दर्श्वनयक्रियाक्षाव्हिन्यदेश सवव्यविद्यक्षित्रात्रिया लेकिएकरवरिवसक्त्राप्ताक्त्राप्ता क्रिट्यार्ट्रहर्लेलल्याय्यायस्त्रा वृक्षणः अष्ट्रवाश्वेमा अरवामध्ये सेरेलविक्तेर्रा हिर्द्यवाक्ष्र्रालवेस्त्येर्। स्वा दरनाबेकानाक्षेत्रात्माञ्चलक्षेत्रा मकत्वाबवेद्धेरयाक्षेत्राद्यावेदा वेददरव्युमानाक्ष्य तमम्बार्कमा भ्रीतम्त्रास्यक्षियदिन्त्रा महत्त्रकृष्टिसम्भेन्यक्षा श्रीद्रवित्ता कुप्रदर्भकर। जैरादर्भे कुयालक मैलकुया सराइयम्भ्या प्रदर्भ कर्म्या. रुमासीरास्यासास्यास्य स्रम्देरस्थित्यमास्यादेवानमान्यानेसा नेकेरस्यात्यात्रीःसीरामाने सेट्यियाने उद्या क्रिक्ट्रसर्वासम्बद्धारमहिक्रमाध्येता सेट्रसाध्ययकाहि तेमाध्येता सम्बेयम्बरुस् नाम्यान्त्रियाः भेता विरदर केर्जी जयार्यायारी स्वरक्षेत्रे यो र मेल्यायाया देरत्वेज्ञयस्यस्येवदेखेरा महस्यस्यस्यस्य स्वार्यदेष्ट्रध्येवा देखेवस्यत्यहिस्येद्रधेस्येवा जाक्षेत्रात्त्रात्त्रीयार्द्रम् त्रित्वा वात्रवातात्त्रक्रम् वात्रवातात्वे व्याप्तात्वे वात्रवातात्व यु कार्य भारत अपूर्य है। दर दर ता किस्ति की माल पर मार्थिया का का के प्राप्त माल की की पर पर की दी। देदार्भराष्ट्री, परविक्रान्त्र महिलेया सरदेश मुद्धियात्र रिक्षात्र में दरकराष्ट्री, एस माने, एसे प्राप्ती = केरा सरद्वारी स्टाइ विवास्ता -देरवारी बद्धारी केरवा वरेता केरे मान वर्ष muddy,

यत्रम्या स्टान्यत् हे.क्र्यावित्राण महत्त्रत्रे महत्रविषाण्य भीत्राचा द्वर्त्यायाः इध्वास्वयमा स्राम् रावयाच्याचेराहर्षेता देवदेणकुणक्षेत्रवार्ष्ट्रम् केयावेर लुरकाहरे हेर्न तरी सारे प्रमास्या । के सह कि हेर से से तर समाय संगय ही सुरक्ति वर वार्य क्षेत्रवर्त्रान्त्रात्त्रात्त्रवया वर्षात्राद्वर्त्वराच्यात्यात्त्रकार्यात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् कु, वर नरतिया अन्तुर्र अर्दर क्षेत्र वस्त्र किर किर द्वुव की असि या है कि जा कुष्टे प्र किर वसव स्था वैयानस्याद्यक्षित्रम्यात्मात्मवर्षेत्रस्य वक्षेत्रस्य वक्षेत्रदेश्वावयद्देर्ययभ्यम्या देरावदेरस्य इंस्ट्रेन्स् के मान्याकी स्मान्यायात्रात्वाकार्यात्रात्वाकार्यात्रात्वाकार्यात्रात्वात्रात्वात्रात्वात्रात्वात् धुरायवना त्येय मुक्त श्रीराम् र वरम्परम् । तर् स्मरम् । वर्षे वर्षे स्मर् हिं। क्रीस्थान वर्षे लम्द्री अलल्लास्य मेर्राम्य म्यान्य म्यान्य म्यान्य म्यान्य म्यान्य स्र एक्रोबाकार्रिका। विकालप्रक्षित्राधिरमात्री विक्ट्रिक्क्रिकालक्ष्माविकार्रिया विक्रेक्षेत्राल्यरमार् मुर्द्र। मेर्यक्ष्यस्यस्यस्यस्य व्यावस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्य क्रुंतियात्रा एह्पार्ध्यक्षित्रकार्,श्राक्षर्या कथर्राभ्रात्यात्रकार्या श्रीरक्ष्यायानार्ष्ट्रम् य मिन्युत्य ब्रीयात्या वर्त्रकी करकरते स्वा रहरम्य श्रीताय करे हैं है लबरे बरा चर्ट्र गरुअभिन्दर अक्ष्ममी। क्रूर्रियमिश्वात्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र नर्दिशास्त्रान्तराम्यास्त्रा द्वाराष्ट्रमात्र्या स्वार्थियाः वस्त्रार्थेरस्येन्त्रेयाः स्वार्थियाः विवार्थियाः या.प्रचा.संका.र्जेट.क्रर.ज्ञ.रक्षा विचाया.च्रिकाका.क्रक्रिका.क्र.प्रचाया रत्रेट.र्जिटालीका.सक्षता. क्रिंद्रा भ्राक्ते भ्राक्ते भ्रात्वे भ्रात्य क्रिकक्र क्रियं क्रिक्त क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्यामा विकायतः विविद्धः साहारा द्वेमं से देवमा हो का की तीमा के की विकाय हो ती श्री का ती ती की ती ती का ती ती Hind this word an क्षह्रदेश्यात्रास्त्रा त्रार्थ्यात्राह्रात्राक्ष्यात्रेत्राक्षात्रेत्रात्रात्रात्रात्रेत्रात्रात्रेत्रात्रात्र Thepage ज्ञान्यात्रमात्रमात्रेया स्वायम्बायास्यम्भयास्यम्भयात्रम् वा व्याप्तमात्रम् व्याप्तमात्रम् व्याप्तमात्रम् 212 hot बरेव क्र कर कर करेव एर्का भेरी १९ छेर से रेवा विष्टु भेरी के नार्वेर छ्र कर कर कर कर कर है। स्यामिति। वाकि तारित्राचिता ताके मानुरायका कार्यात्या ते वेति कार्यात्या विक्रामान्या क्रियार्थियक्षरास्त्रक्षेत्र क्रियाच्यार्थियक्षेत्रक्षित्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्ष इर.ज.इरमा जरेराजररे.कष्ट्रव.एप्रेरक्रेरा वक्षतिमारी.यु.प्रक्री वायुवारेर.वायुवारत. ण.कुमाप्रदेशकुर्। किर्द्राह्मराम्भाष्ट्रमाण्याकुणाचीमा क्रियाचित्राम्भाष्ट्रयाम्भाष्ट्रमा रम्रावक्षा भाववाविरवक्षाम्भराविवारत्रा रे.ण.म्यायालेमकायर्र्यका क्रांभित्र वाहेरा रीत्रायुर्ग देलावहवामालेरामर्द्र्यमा १००० दिया १००० द्वामाले । वर्ष र्मेर्नेन्यानकरमा करते व्ययन वात्राच्या व्ययन व्यवन वात्राच्या व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था । व्यवस्था व्यवस्था

35/14

र्भन

he 1.

あと引

पहरत्यात्यात्या वीत्र्यात्रात्यात्रीत्यात्रीया त्यावस्वात्रेयात्रात्यात्रेयात्रात्यात्रेयात्रात्यात्रेयात्रात् चिंद्रचारकाला है.संकाक्काक्रीहाला हिस्ताक्काक्रका है स्वाद्रका है स्वाद्रका है से का है से का का का का का का का विकासीया देन्त्रकार्या विवाय हाय विकाश सार द्वीया देन्द्रिय विकास की सीद्रद्राय ते ही या स्था देश कु.जब्र्ड्र.वलजानपु.कब्र्ड्र.क्र्र.का.। किक.क्र्यु.कु.कु.क्रि.कक्र्या.ट्रे.। ट्रेंब.कुर्ये.क्र्यू.विद्र.क. इरा रेलर्जुर्रात्राकार्यात्रेम्क्रा सर्वेद्रात्रात्र्राचेत्रात्र्यात्र्रा क्रेयात्रात्रात्रा कूर्रा दंलर.मु.लुर.लम.युवा.केर.। बाल्या.मु.सु.सु.स्.ता वर्रेर.मु.स्तर्या.मुर.लून म्रामरकित्रुविरामधीया क्रास्यव्यानातुः जयान्व्याक्षिरा बाजाकर्र्यान्त्र्यं ग्रास्या चावकार्रेशस्तुः प्रचीत्रुवा श्रु. त्रुवाराक्रुर कु. मेक्ष्रामा क्रु. त्रका क्रु. तर्वा क्रिका नभाक्तिमान्य क्षित्रकात्रा रत्रत्वस्थात्रत्रे क्षित्वस्था क्षेत्राचेत्रकात्रत्ते क्षेत्राचेत्र कुणाक्षेत्रधीतु क्षेत्रविकातमा किणात् कृषेत्र विवायाणा ह्रत्र दर्वे अ में सहित्वि विवार महिला बाधकार्, बर्ब व बडाकी र् बर्ब के के का क्षेत्र का प्रकार वाली की हा की र ब माना करता. येरे.एरेवा,इरक,र्ज्यार्वेर,वासरायक्ता किराधुवार्ट्यार्ट्र,क्रि.म्र.म्राज्यात्रमानीत्वात्रात्रमा वर्षरमःमार्थर्द्रश्चरः। शुर्वे श्रेत्रे श्रेत्राम्य मार्थे राये द्वार्थर्वे स्थाने स्थाने स्थाने विवास राये र श्रिमानहिर्दाता वहवा ना त्या वारा हेद्देव्या वावर क्रेट्रिस्य के क्रिक्ट के क्रिक के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक के क्रिक्ट के क्रिक के क्रिक्ट के क्रिक के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक के क बार्बरः। देरःभ्रविद्धार्भ्यक्षेत्रेस्यक्षेत्ररम्भ्रवर्तिः स्वर्त्वरम्भ्यक्षेत्रस्य देराक्षेत्रे । वर्ष्यक्ष्य भुवाधाररास्त्राराध्यास्यामा। त्वास्रेक्षणवासार्राणाः अत्यानान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् तिभार्त्रेमात्रास्त्राः द्विद्यीक्ष्रांत्रमा इराया दायक्षणायत् त्यास्तरात्रास्त्र द्वायस्य पत्तेत् द्विर क्रीश्रक्त के देश्य के देश के देश के ते हैं के ते हैं के ति के ति क्रि.श्रे. रवा.स. त्व्रा. त्व्रा. त्व्रा. त्व्रा. त्या. े अक्टर्निक्र १ मिल्ले कार तिवाद्या क्रिक्षेत्राक्ट्रिक्र केर्य केर्निक्र केर्निक्र केर्निक्र केर्निक्र केर्निक रहूर्यक्षित्रक्षित्र्याम् क्षेत्रेराक्ष्यामा देशक्ष्यत्रेमाम् मान्यात्रहेरा मान्या ८४.७वा.६.वर्बर.बुर.बुर.बुर.बुर.बुर्ववास.नपु.चर.रूर.वरर.रव.वरस्य.बुर.कु.ण.बु.खु.पर्ट.पूर्वास्यासी । १क्रि.भट्टे.द्री. हुं। हुं. श्रीता कारा कारा कारा हाता है। हि की कारा कारा हिन्दी है। हिन्दी हैं। यान्यर्भेष्यक्षेत्राक्षेत्राच्या नार्क्यक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र अरार् सेंबेरियामे में सेरियमार स्रीत्रारमार स्रीत्रारमें के के के स्वार्थ के स्थान के स्रीत्रा स्थान के किया के स्वीर स्थान के स् व्रात्त्राचेता राजवितिव्रात्त्राचीते हेत्रात्त्राचेत्रा दिर्गाराया के त्या मास्या क्ष्या हिर्मेरा त्या त्या तहत्त्र देव रम् दि एवता भरतर्थात्रे के का मूर्य हो देन्द्र विकार पर्दे ता क्या विवासिका वया दी सार्थ विवासिका क्रिंगाणी अववितरीका हीत्रक्षेत्राक्ष्याका होत्रकाका सेत्रिका हार्ने हो। वर सूर तरी का गणर न्या मह्या के मान्या १ मान्या १ व्याप्त के मान्या के मान्या के मान्या के प्राप्त के मान्या के प्राप्त के प्राप

185

15351 र्म मेल 4वम्बा

राय अभया के हुन संस्था सु स्वया ला। दयार हु बर दयार बुका में व्यवना पर्स्टर से पालूर हर्रम्यर्राक्षेत्र । या वर्षे हे. ह्रेचाय केस्। रर असः सुधन्तर ए हं या कर्याया सुने धर के त्रा खें यो यो सा र लुय.नम.वेबात्रकार्यक्रियास्य देवत्यत्वर्त्त्रम् द्रायास्य द्रियास्य विद्यास्य विद्यास् वनमा अर्द्रमें मुन्तिनमक्षणद्वीया अर्थ्यराज्यात्मा मिन्द्रमा में हिन्द्रसा क्याल पर्यात वडरत्यक्ता हुर्वियायाया वसूरा स्वत्यत्याया विद्योत्। भीत्रायरात्रारहेत्वा वत्रद्द्ववित्रात्र्यं क्षेत्रम् व्यायरात्रेद्द्रम् वित्रा न्य एति प्रकारका द्वा के हिल्ला के मार्ड द्वारिक है राद्य स्था स्था के स्था है । यह स्था से स्था से स्था से स सेन्स्टें चर्यते नार्वे चन्त्रा वद्ते वेद्या राज्या नाया होत्या मा व्यास्त्रा हित्यो मायवार्थिता ना अवका रियोक्षा विद्यास्त्र में से स्वार्थित में से स्वार्थित विद्या का स्वार्थित विद्या का स्वार्थित स्व इत्याक्त्रेर्द्र्याक्ष्याक्ष्याक्ष्य विश्वा त्रक्ष्य क्षेत्रक्ष्य क्षेत्रक्ष्य क्षेत्रक्ष्य क्षेत्रक्ष्य क्षेत्र राध्यक्षेत्रद्रहत्त्रम् प्रारम्भाग वेपराववेद्येग्या वाद्ये वेया वाद्ये ववी वायम् वार्था वाद्ये वि त्रकार्यका दे ये तर्राक्षण देवित स्थान के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के का के कि का के कि के का के कि के कि एववः इ. ग्रंदा क्वारा द्वारा द्वारा कर्य व्यापात करा करा व्याप्त करा करा विकास हो। यह वार्ष की करा र्वेग गरेरे मेरे होते के स्ट्रिक मेरे होते होते होते हैं के हिला महिला म य वी राक्षेत्र स्वाक्षेत्रा य वास्त्र वास्त्र का सी सर्वी केरे रेष्ट्र के। स्वाक्षेत्र येरे र वार्म वास्त्र य ति सी है वर्ष होरे में तर है ने के हिल्ली हैं के में हैं हैं में हैं के लेखा दे हैं में के लेखा है के लेखा है के लेखा है। र्वेद्याय क्षात्र होत्या क्षात्र क् सरकत्तेत्रीया देशकेत्राची क्षांका केत्रका विक्रा क्षा केत्रका विक्रा केत्रका क हरना स्रम्यम्भनदेवदेव्या न्यम्येक्याक्रमेक्येक्यान्येक्यान्याक्येक्यान्यक्ष्या अवकारे में बुद्दावसे तरिया रेकात्या कर्तिव ब्राया कर्ति व्याया कर्ति त्याया स्वकारे पर्दे । क्तुं वस्त्रात्यम् त्या देशा देशाद्वादायकात् में दिना विक्ता हो स्वायादा के स्वायादा के स्वायादा के स्वायाद्वा देशक्षरक्षेत्रकादेश खेंहराक्षरकार्ये हेराक्षरकार्ये के हराक्षरकार्ये विकास के विकास के विकास के विकास के विकास स्यान्त्रा वास्तारणक्रात्माक्राक्षाद्वात्या । स्रीत्रेश्वांस्त्री वासात्वात्रात् स्राह्मा परेंग । श्व.रंब.रंग्याम्क्री,रंगरंतिगान्। रंग एड्यू मंग्रेनरणमञ्जार्यार्याये । क्या ग्रेनेन्यायीर्दर कार्यका श्रुवित्त्वत्यक्षात्रम्यकान्त्रम्याच्यात्याच्यात्राच्याच्यात्रम्यक्षा क्षेत्रम्यत्या उनेक.द्रान्द्री वनद्रक्ष्यक्र्र्न्त्रेत्रेत्रेत्र्र्त्र द्रियद्री देवक्षरत्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष स्व द्वारकारण भीता । वेया हेर विरायो वहार यो वहाता के वाह सार ते त्यार स्वर्थ। 

मक्तिन्यार्थितकी विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त भूरत्य भिन्नी,भार्त्रता वर्षत्र द्रमान्ना वर्ष्य प्रति मान्य मान्य विकास निवास कर्त्र वर्ष्य वर्षेत्र भूति वर् るからはからとんととというとうないといいるかからしからからなっていまままないというない अस्तित्य के अस्ति हैं हैं हैं हैं कि कि के कि के कि के कि कि के कि कि में कि कि में कि कि में कि में कि में कि श्लीर व्यक्तिता व्यक्ति । या विदेश विद्याला मुद्रियाला स्थान क्षित्र विद्या स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान श्रीतेरा क्षेत्राव्यरक्ष्यक्ष्रिक्रा श्रीक्ष्यत्र्याच्याक्ष्यक्ष्यत्याक्ष्यः यान्यस्थित द्रव्यत्त्रेण । अक्ट्रेन्नवीयः व्यक्तिः विस्ता त्रेनियते प्रिक्तिः द्राव्यतेना । व्यक्त्याप्रयः सब्देनवास्ता भुक्त्यस्यात्तेनतर्त्वया । मध्नेतिततिकम्कल्यत्ते। गुरुप्तद्यः इवव्य न्मर्माह्यातिर्यात्राच्यात्राच्या क्रेरविष्णिरक्षेत्रण्यात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्यात्रात्या अर्. जर्र केंबा भुर. बालर कुव. बाल. ए बेंबा जुण तार्रा देवम केंगा हा ले लावारी विर. क्षीरवरियम्भात्रात्रेश्याचरा स्थारवाव्यार्थात्यात्रेत्याचरा तर्वाव्यतास्त्रीत्र्यस्य स्तर। सरत्त्वाचार्त्रेश्चातावालया रत्तरस्त्रेश्चात्राचात्र्याचात्र्याच्यात्रच्यात्राच्यात्रचयात्रचयात्यात्रचयात्रच्यात्रचयात्रचयात्रचयात्रचयात्रचयात्रचयात्रचयात्रचयात्रचयात्य द्मावस नेता रहेशवर्षा में सामाना व्यवस्था मान्या मान्या स्थान व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था वत्रर्वक्षणक्षेत्रक्षणक्षेत्रक्षणक्षा देत्रभव्यभूत्रिक्षण्यम्। सुर्द्धाःद्वान्यत्याः नवसा सरसीयितमालरररे हेर्। यर विश्वासम्बद्धान स्वासी हेरा हेर्ने स के। क्रांदेश्यान राध्या हरस्य दिरहर्गर विरोधिय परे हेता ने पर तकेर विभागोंने श्रीया बर्वन मे नामके द्रयान विकास एउमा होरा श्रीता श्री स्वरमाने द्रा सिने. यद्भारति नेया अन्या वद्दर्यथय ही।याद्रयाके। देवायर प्येर यते देत्र मा वेदा द्राहरू कर.कु.कर्त्तपुरा कु.केर.कर्त्वमार्थक्रतात्रा पुर्किर.करणवंभात्र कुर्ततार्दरा प्रेशतवःश्रु. पर्राह्मराम्भ्रीत्वसमा पर्वत्याहित त्यात्रेच एर्याचेया पर्वत्य स्वीयात्रास्य स्वीयात्रास्य अणिरेयरश्यक्यक्षेत्रमा केंकिएन्स्य निर्मात्रमा केंकिएन्स्य निर्मात्रमा नवरदवाने प्रतिकाले किलाने किलाने नाभवाकित्रे विकालदेन विदा देनेद खरानी क्षाप्ता क्षेत्र पति विद्या के विषय कि विद्या कि विद्या कि विद्या कि विदास ल क्षेत्रा वरा ग्रेटा त्वा कर क्षेत्र के के के क्षेत्र के कि का क्षेत्र के कि के कि के कि के कि के कि के कि के ज.त्र.वर्गा दर्रार्डिरकैकिक १० त्यर मधुमा वत्रात्त. मजूमा वृद्धेरे त्ये व विद्यवस्य विविद्यायकरा सेर्वेचस्याचार्चररावलेवरेरा नार्वेद्रस्यक्षात्रीवकरा वर्षेद्रसद्यकः न्तः विविद्ये विष्णवर्षे विष्णवर्ये विष्णवर्षे विष्णवर्ये विष्णवर्ये विष्णवर्ये विष्णवर्ये विष्णवर्ये विष्णवर्ये विष्णवर्ये विष्णवर्ये विष्णवर्

176 रूवन्यर्राक्षेत्राक्षा देशन्यर्रेट्स्ववृत्त्रवात्राच्या किलाहार्युवेश्वर्थात्रात्त्रवात्रे स्रेवन्येत्रेश्वरू द्यायक्रर्यया अवःवर्यायहर्वाद्याया वर्ष्याया वर्ष्याया वर्ष्यायाया वर्ष्यायायाया । स्थिता / खुरा नामणा नपुर्व कर्ता किलान् विदेशी भावरकती देनमाकिलानु ए निलानी में किरवे विदेश विदेश विदेश विदेश यदी वर्वाकवार्त्वार्था अंकेर्रात्र्वा विभारतेसात्री तहेत्त्र्या विवरवासेर विते सेर्र्याचे अर्म्भेत्रेयाम्यानम्यानाता वेत्रदेत्रिय्यार्भरदेश देश देश देशक्षाम्भेत्रम् श्रुवामायात्वरा केम नेर लिरे ल रें नहीं मुरे पूर मुला की मिह में हु है। इस के में के ने में रे निग्रं पर भी का सुर भर रणेयातः दिवाराक्षीर्यास्याताताद्रस्तितदेश्वर्यस्यातात्त्रीत्रीत्रात्रास्यात्त्रीत्रीत्रात्रास्यात्त्रीत्रीय विशेषाः द्वीता हिवास विवयमाना द्वीतो व्येर कर देव वत्र द्वीत्रण त्वीता वहिर द्वीस व्येर्द्र्य द्वास त्राञ्च वेरयास्य वरेत्रापरपुरा देत्रियो स्थापकारता हेत्रियो स्थापकारता हेत्या स्थापकारता हैत्या स्थापकारता स्थापकारता हैत्या स्थापकारता हैत्या स्थापकारता हैत्या स्थापकारता स्थापकारता हैत्या स्थापकारता स्थापकारता स्थापकारता हैत्य स्थापकारता हैत्या स्थापकारता हैत्या स्थापकारता हैत्या स्थापकारता हैत्य स्थापका स्तियनियात्रात्रां स्कान्तरम् विस्थातमा त्वास्त्रां स्वास्त्रात्रां स्वास्त्रात्रात्रां स्वास्त्रात्रात्रात्रा क्रि.म्री ब्रियक्षेत्रम्यक्ष्याच्याक्ष्याक्षात्रम्यद्रियम्भ्यत्त्रम्यक्ष्याक्षेत्रम्यक्ष्यव्यक्ष्य नाजमार्यम् भेर्द्रात्रेश्वर्त्त्रेश्वर्त्त्र्येश्वर्त्त्र्यात्रेश्वर्त्त्र्यं साम्यात्रेत्त्र्रेत्त्र्ये वेत्र देर हिंद केर वृत्य की हों ता की तो बाका पा कुर का का किया केर प्रिक्त प्रकार कर का सूर्र स्त्रिक्ताविक्षामान्यात्रिक्तात्र्वेषामान्यत्वेष्ठिति क्राणयेभाष्ट्रराद्रास्यात्रम् स्त्रामान्यात् स्त्रामान्य एड्रेल की लुकाला देर सुन्ये ये अली अर स्वयम भेर सुर्ये से ते रहे ते सा सुर्ये का स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर् श्चित्रस्योक्षेणववस्याक्षरा द्राह्मस्येणकृत्येत्रस्यक्षेत्रकेश्चरा देरसूर्वस्य रेल्या त्रेश्म स्थित स्थानिक क्षेत्र स्थानिक क्षेत्र स्थान गलन्भावस्थान्त्रसारिक्षः विरक्षरात्र्य । श्रिर्येद्वी अक्षेत्रात्रमात्रतात्रात्रमात्रेत्रात्र्यात्रमात्रमात्र श्चर्यात्त्रेत्रेयात्यात्र्यात्यात्र्याः यात्र्याः देरेर्ध्यात्रेयात्र्यास्यात्रेयात्रा यर्थ्यस्यतेर्ध्यात्रेयात्रात्र्या मार्ची क्ष्रम् देश्वर्मात् क्ष्रम् देश्वरम् नामा स्वाप्ति क्ष्रमान्त्र । स्वाप्ति क्ष्रमान्त्र स्वाप्ति क्ष्रमान्त्र । स्वाप्ति क्ष्रमान्त्र स्वाप्ति क्ष्रमान्त्र । स्वाप्ति क्ष्रमान्त्र स्वाप्ति क्ष्रमान्त्र स्वाप्ति क्ष्रमान्त्र । स्वाप्ति क्ष्रमान्त्र स्वाप्ति क्ष्रमान्ति क्ष्रमान्त्र स्वाप्ति क्ष्रमान्त्र स्वाप्ति क्ष्रमान्त्र स्वाप्ति क्ष्रमान्त्र स्वाप्ति क्ष्रमान्त्र स्वाप्ति क्ष्रमान्ति ज्मवा देर्दरामुद्रेशक्त्रियाव्या म्यान्यद्वरहर्षेत्रक्ता स्वान्यद्वर्त्त्रक्ता केयरात्व्यद्वर्त्त्व 70द्य नार्व.की के नारी नार्वनम्नामान्द्रान्त्रा मक्ष्यामान्त्राम् नार्यनम् नार्यनान्त्राम् नार्यन्त्राम् ०५२:सर्ना र्युरके तर्दर्य मार्चेरा रेशे ने रेशे न्यूरति मार्थेय न्यू स्थानिय निर्मे न्यू स्थानिय निर्मे ने

या विमा केरा मेर्दर वना र हिर्क्रण यो मेहें अक्षेत्रकार्ता पर्मार्द्रस्यारक्राक्ता स्ट्राक्षा स्ट्राक्षात्रा स्ट्राक्षात्रा स्ट्राक्षात्रा स्ट्राक्षात्रा ह्य क्रिक्र कुररी चेल पुरस्य लग सेरकेलुवा जैगमवग कुतु कुर्यस्य दिया ज्यक्र विभा क्षत्र अविष्यास्त्रस्य स्तित्यास्य स्तित्यास्य स्तित्यास्य स्तित्य स्तित्य स्तित्य स्तित्य स्तित्य स्तित्य स्ति कुन्मक्याक्रे हिंवायाक्ष्या विरवर्तितयर के एक्षिया विर्वतर्तित स्वास्त्र विर्वतित श्रुक् दिया अर्। द करर्यु कर्त्य में वर्ष का श्रीया रक्षेत्र में वर्ष के वर्ष में वर नस्रिक्यमालह्या व्यस्त्रस्या दुरह् तदी ताह्या स्वार्या । यहिर वुकायते तास्त्री यहिर वेत या भवतःहेव वस्तान ता तह तह वा की ते वसे ले के ते वसे ले के ता का वसे का कर में देखें के के संअभित्ये के मान्य विष्य के मान्य मान्य विष्य के मान्य विषय के मान्य विषय के मान्य विषय के मान्य विषय के मान्य र्धर्यस्योर्कतेन्त्रात्क्या केस्यार्यस्यात्रस्य हेमा दर्शस्य द्वार्यस्य स्वमा वसम्यद्द्वात्वस्वद्देश्वर्त्वस्य विष्ट्रा विष्ट्रा विष्ट्रा विष्ट्रात्वा विष्ट्रात्वा द्वात्स्वास्य हेत्रात्वेतः तत्रीमात्रमाभेदा दलदमानिक्षेत्रेत्रा ल्यामेश्रीमात्रीमात्रीत्रा प्रवासम्भेदाः म्यान्य कार्या । त्रिम्य के विद्यान के त्रिम्य के त्रि स्रावेरा देखराष्ट्ररभाष्ठे श्री त्यभावेरायु सामवभागीद्राह क्रियभायावमा विस्तरमी बाधुबातिवामहरकाकाकाष्ट्राधारम् विषयाच्यात्रीतात्तात्रितिकावर्रीत्स्रमिकाक्षरात्रात्रीत्स्रमिकाक्षरात्रात्रात्र मुण संप्रतेरामुभावत्रमा विवद्ये मिन्नु स्थाने विवद्या सुर्वे मिन्नु मिन्नु मिन्नु मिन्नु मिन्नु मिन्नु मिन्नु र्खेग्यस्येरे हर्त्या स्ट्रिंग्यं में विक्ता स्ट्रिंग्यं के स्ट्रिंग्यं के स्ट्रिंग्यं स्ट्रिंग्यं के स्ट्रिंग् बारीकार्यश्राम् कार्यक्षेत्रविवासाम्याच्यात्रेम् इत्यान्यान्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या चीवजवानुराजवान्ता सालका कालका क्षेत्रवा चीवित्रहेवका कार्यात्रामहोता सर्व. वस्त्रित्में के का काहूरे। वरें सुवायहुव के मुक्ति केंद्र विदेश दित केंद्र के का का का नर्यादराएक्,रैयास्त्रास्यास्यास्या स्ट्रियम्एएएस्यात्रेत्यः यद्वास्याद्वात्रेत् क्षा अभियान्त्रिक्षा क्षेत्रक्षेत्र विष्या विष्या विष्या क्षेत्र क्षेत भित्रवाक्ष्या वर्षका वरत्यर विकास मित्रविक्ता क्रावर सम्बागतिका मित्रका एका है वर्ष वर्षका वस्तान्त्र्वारा में त्या त्या देश त्या देश त्या विषय । या वस्ता में विषय वस्ति । वस्ति वस् इरा पर्रत्येपुः इकालर्यना अमर्थित्। र्मात्युरा द्रमत्युरा द्रात्युरात्रात्वात्यात्रात्या रेकात्यातः रीमवार्रे स्वाया रिवर विकास कर्ता मार्र मार्र मार्र मार्र मार्ग के मार्थ मार्य अंतु म्बक्क् ख्रान्या निरावर्द्रिक्षणकाता वारक्षिक्रम्रा नेकारवारा वी त्या स्वास्त्र क्रांत्र । एकर हे देन के के लिए हैं के किया है के किया है के किया है के के के किया है किय

2192

पार्थरा उत्तरकायत्यात्रकारात्रका स्रितित्रेत्र्यहेश्यत्या सुर्ग्रेग्ययाद्वर भूति क्षेत्रेया महाक्षेत्र महामा महिता क्षेत्र वा का विश्व वा का विश्व का व यात्रेयात्रेय्यते वक्षेत्राध्यम् वक्षेत्राक्ष्यात्रेया व्यवात्रस्य क्राम्य स्वाम्य विष्य या मुर्देश क्षेत्र म्या स्वात्र स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स् मेरिया महारेट्री विश्व हेर्स मेरिया हिस्से मेरिया हैरिया ह अर्वलक्षेत्र्य ।देश्यरके स्यार्थकार्त्ये हीरत्यम्यतेश्वरणायेवास्यत्वे। किलाचे स्यारायम्यालक्षा हरूराल्युर्मेर्य्यामार्थः वस्यार्थः स्यामार्थः स्यापार्थः स्यामार्थः स्यामार्यः स्यामार्थः स्यामार्यः स्यामार्थः स्यामार्यः स्यामार्थः स्यामार्थः स्यामार्यः स्यापार्यः स्यामार्यः स्यापार्यः स् सिस्त्रार् वर्गक्ति । वर्षा रवमस्यवस्यादराविकारादरावकारा वर्षा वर्षा वर्षा से देवन हेरा वास्त्रस्त्रहाहते व्यास्त्रहेत्यामा सीयस्त्रस्त्रस्ति वेत्रस्तर्ते । द्वास्त्रस्य भाग्येत्रयते धरमदमान्। रहिम्सम्रिक्तमार्वराण्ड्राचा क्रियाच्यात्रमात्रमात्रमार्थरमाया म्दर्भर्थरम्द्रा अभीत्कीव ीवत्रववयम्प्यस्य तहत्त्त्राच्याचेत्रम् स्वित्रेत्र्यस्य स्व यदेता देरक्रियायं केत्रया केत्रया स्त्रीर स्थानी स्थान हिस्य बर्ज्य केर्य सम्मरक्षेत्ररा द्रस्किण क्रुक्त क्रुक ए क्रुव्यू राज्य द्रार द्रार द्रार प्राप्त र ए इ.रेब्र्याचारीरवकार्के एर्. १५६४ विदेशका. तालियात्रीरात्रकेत्रेत्रवेति अवसञ्जान्यात्रीर्भात्रविवासी सेत्वलसीर्मेतेवान्वत्रा नहस्रक्रमदरद्यात्रवाराष्ट्रयाय्याः भेतव्याद्यायस्त्रिः वरवविश्वमा तद्वस्यवव्यद्भित्ते. करा विक्रार्थकीयकर्तर्वात्रात्रात्रेया । अञ्चलक्ष्येयदेणात्राह्येन्यस्त्रेया देवभवाभवर्रद्रात्मत्वर्देर क्रिया कामकार्याम् केवर्यवस्था येत्रम् दरम्भरकाम् र व्यवस्थान्य वार्म्यन्ति ने र विदर् पीर्याभवी चान्त्रवं वात्त्रेमा कुर्व केंत्रेरमायमा चीर रे.मेर सेववर्य पर्याण वेश सेपुरमाय रचता भरत्रा याश्वरदेविद्रतास्यासवा सद्वज्ञासञ्चवक्रासदेवकेववसा यात्रिकासरक्षेत्रया प्यावनावे. व्यानायभव । वात्तभा ब्रेरक्षे वाक्तात्रभा रूप पर्स्ति एवत्र क्षेत्र विश्व व्यवस्ति र्वा स्थाने वात्त्र र्वा सम्पत् पहाँ अता द्यार के त्या के वा द्यार त्या के का के क क्रिका स्वाइंटर्येवर्मा विवयमाराष्ट्राया वाववत्तराष्ट्राया से केत्रिका के क्रियंत्रे के वाला पत्रेरक्र्यास्यास्य वर्षा क्रक्रासर्या स्वित्सर्या में विषय वर्षा में रेरे विस्त की वास्त क्रिया वर्षे यित्या क्षक्तिकाला द्यत्येद्व्येय्येय्येक्ष्यं नागराष्ट्रमार्थेयास्यास्य देवरक्षिता समस्यानामकरूपिया बनावक्षसम्बन्धियामेर्या अनार्वामा कर्रमस्यास्यास्थिता व्यवदेश्राम्यतेहेत्रविष्यवार् भ्रेत्यारस्त्यार्द्रियार्थ्यात्रवार्यार क्रियंदुए प्रियर्श्वका क्रिकायायायार विकास है। क्रिक्स हैं से क्रिक्श की क्रिक्स वर्ष्म्यवान्त्रियाः क्रियरात्याय्वय्वय्येत्रास्यायः विद्वास्याय्यः विद्वास्याय्यः

1 2020)

योवसामित्या केवरेरद्युरामकसारोदा सूर्यस्तरामत्रियात्रे रेत्रस्त तेत्राकुताचित्रसा र् देर्रा र्रास्यवस्थितिकाणा ध्राम्यास्यित्रात्रा वार्गरावितिकेरर्र्यवा मी चार्यरस्वर्धवान्त्रक्षिरवसी देशन्यक्षणत्त्रक्षवाक्ष्मेरा देश्यर्त्वतप्वर्रित्ववान्यस्था प्तायमर्देश्वभीत्रम् प्रद्रात् भरतररस्यक्चित्रभी अन्तरस्य क्षेत्रस्य भरत्यम् महास्त्रमा स्ति नेत्र्यस्य वस्त्रा भिनेद्भेते स्त्रीरद्गान्त्रस्य क्रियम् स्तर्भन्त्रस्य स्त्रान्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रान्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रान्त्रस्य स्त्रस्य स्त्र र्भत्युर्भित्रभ्रत्येश्वर्ष्म्यः स्वित्रम्भर्भेत्रभ्रत्यः भ्रत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत विद्रावित्वास्यास्यात्रेक्षेत्रियर्भत्यत्यद्र्रद्वात्यास्य द्वात्राद्र्यत्वीहाराक्षेत्रस्यात्रविक्षेत्रस् णुरे.क्श्रेसेन्या क्रिण.मु.धूरे.बर्तेनेप्रत्रकेर्त्रेत्यम.मुक्य.त.तर.एटण.धुरत्न ए.चर्रेरेष्ट्रम. इत्ताववक्तर्सर्द्रस्ववाची वस्य वक्षय्यक्रित्यक्तर्मा हेत्तर् त्यक्षय्यक्षयर् स्वर्धित स्वर्धित त्रीतःक्षिता अवार्षणःकुर्दरक्त्रिरःस्त्रीतःस्वातःक्षणः इत्तितःव्यक्षा इत्तितःव्यक्षितः विकार्षे व्यवः विकार्षे रद्रश्रद्रभाषा अर्बेष् विक्रियंत्रविक्षात्रभा द्रवास्वास्य भीत्यं मान्य विकास हा त्रवा कुर्भात्रेर्द्रभावेद्य वेतिक नामवद्दात्रीर द्यान द्यापवद्दात्रीया त्रश्चीरक्षेत्रश्ची विकारमारापक्षेत्रत्यात्री द्वसी यावरे वसरेरिर होता तरे द्यारि वहिने किया वास के मार्थ व्यायवयावरीवित्वेरणा देववबद्यतिते क्षेत्रकारणात्रयाया स्वीवेराक्ष्यस्थरः साद्रतःभरम् मेना द्रभगाव्यं चे चरेत्यः । त्र्याः त्याया प्रभाव स्था द्रभाव स्थाव स्थाव स्थाव स्थाव स्थाव स्थाव न्त्रिसेला म्यक्रवार्वेशक्रेर्यकेल्य्रास्त्रामा देरक्रिसंभ्राणकेविक्रवेत्दी हिर अन्त्रभक्तिक्षा निष्या द्वार्या द्वार्या निष्या द्वार्या स्वरात्रकार्या स्वरात्रकार्या स्वरात्रकार्या महिना य तर्या स्ट्रिंदर महाराज विले विद्रासेरा के त्युवा तूर या वार्षे देता द्वर सरदि के र्ग्याक्षरः नृत्तर्य । स्थितिन पु. यहरेर् त्येयायमा स्थारी जिम्मे जार्षराय सम्पर्गय स्थार ला कुलम्बक्षेल्यावयाम्पुल्लमा वर्र्यवयायपम्पुल्लरम् मार्यम्भार्या स्रोर्यम् । उत्तर् त्रिमक्षान्त्राम् क्षेत्रम् मान्त्रम् विष्यक्षेत्रम् विष्यक्षेत्रम् विष्यक्षेत्रम् विष्यक्षेत्रम् कुरिसर्र. र्राण अर्र. संत्रुमतिमालिया परत्रेत्त्र्यत्र्येश पर्द्रत्त्त्रा मञ्ज्यास्त्रम् प्रेण न स.एत्रेरमुका ग्रेम केंग्रम मेंग्रम मेंग्रम हेम्म हेस्स मेंग्रम हेस्स है। हरस्य में के केर्ने में स्पिर्कर्तरकी श्वरक क्री क्हिरेस राज्य राज्य देना देवे यथ सामात्र करेंद्र भाग कर्तर भागहरू मिन्न देस्तिकी अन्वभक्षणकाति से अन्याम्यान्य निर्देशका । भरमन्त्रेत्री स वर्षेत्रा वीवर्यत्मक्ष्याम् वार्क्षः वेराण्यम् द्रांपर्मित्यम् वेर्क्षेत्रः केर्या देववाके कर्या मुध्येता सिंग्रेलयस्त्रियंत्रात्रस्यात्रस्यात्रस्या रेत्रथयात्रस्त्रेतिद्वस्ते। सुर्वस्त्रात्रस्त्रा स्रेर. एर्ट्रेन ब्रिज्य पर्येय । किरमेण जुणुः भरप बर्ज ब्रुज्रेरा शुः मृत्य वर्ट्जा मा

7% C 196 स्य मिलर् अवस्थित में सम्या वर्ष दिल्य महत्त्रमात्त्रेता दिरस्टे हें स्त्री ति हेर तर्व के स्वा सार्वाडुवकार्यवड्मा वर्रिसार्याम् गृत्वात्रेत्रावात् । क्वाक्रणात्रीर्द्धात्रात्रा दर्शित्यम्मिर्येद्वामारी द्वाके क्रिक्सान त्व्यक्षेत्रा निम्मेर्किकार्ये मार्चेद्वारे क्रिक्रे पर्वायक्रेंबिक्षक्रेमा पह्यामिर्नुत्रिक्षम्भेतमा वर्षित्रे मे त्यावयम्बन्धा में नामव्य इत्रात्रात्रेलुक्ता द्वत्र्वेचकत्रव्यत्यत्वत्यत्यात्रमात्रा विद्वविद्वेचनात्रद्वत्येन्त्रमा ड हैंगलामा है।यह राम् विसम्ति हारे हार मास्य मास्य के सम्मान कराये हैं स्थान मास्य कार्य है। यह राम्य के सम्मान के समान के सम्मान के समान के स वक्ता देवकद्वात्रात्रम्यकार्याचात्रमा देमरायमात्रात्रम्भवस्यरप्रदेशक्रियर्यरप्रदेशक्ष ल्यान्यान्ति त्या विवास्य के वस्त्रात्ते देते त्रेयाक्ष्रिय क्षेत्र व्याप्ति विवास्य क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां वस्वमार्थर विविश्वार वार्या देविश हरती भर्ते किन में मानव निर्दे विवास कुरा क्षेत्र प्रस्थान द्वश्रक्ष्याक्षक्षरा क्रीत्रक्ष जना वर्षरकानपु विकासक्षेत्र क्षेत्रक्षरात्रेत्वते तिरस्स्रमात्राक्षर् ल्रान्या केण सूर्तस्थानायान्यत्र धंके एवाएन एर्वान्तर वी तर्मात्र त्वार्य विकास्य म्यामा म्यान्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्रम् स्वत्रम् स्वत्रम् स्वत्रम् स्वत्यान्यः ॥ बर्दिश्चारकारीतियात्वराचरीतियात्रप्रदेश्यया भवक्षणाच्यास्य कीरविक्षरम्यायात्रास्य चर भी में दिनामाता एर्ट क्रियर्स । एतिर में मित्र व्यास्त्र मित्र में से मित्र में से मित्र में से मित्र में मित्र में स्मित्रसभे विकास का विकास का विकास का त्या व श्चारेशी लेबरमात्रवेरा देवा श्वाश्चरणकेर केर्परेतरा क्षीत्रहरूर वक्षरश्चानेता स्वास्टर्सेश वर्भे शुरेरा केरस्तेते शु. त्येदाका त्या गर्भा की कीरश्या सेरा स्वाप्ता स्वाप्तर की विरहेर णा भरार हुन सैनामार्जा युक्त कुन्छ हुना किल बून त्याकर ठन्य अंतेन मून देश लर र मूस्याला कारा शृक्षिण। का नायु प्रत्या में रायो का नायुं हो के रवर गर्दर रिर प्रेवी द्वे प्रवास मार्या स्थित के नायुं चर्चारम्। अर्वेमार्ट्याकुत्मावक्षेत्रान्। पर्ण्यम्भारत्ये क्यावराता द्वियरेगार्थाः अर्थास् एड्, वंश्यामा मायात्रात्रां कार्यर योगाय्येता की सवासर देवियामार क्या एवं किरत्तिर विभ मिलवर्स्ता वडर वंद्रमेंदर्म् वेश्वर वर्षा वर्षा वरत्याव माला हिरवरत्तुवाव मेंदर्भरत्य दिया । य. तेव १० पुरर्ते आ त्यात द्या १ वास तु की दे रह कु ता व प्रस्ति । वक्षेत्र १ वास व व व व व व व व व व व रद्रमें बार्डिक ता कर्व के जूरी रह में बार्व कर में बार्टि के हो। के रव बिर्टिक वा विवास करें चरारवर्द्रीय नेवस देवामाली इ.ज.वबरारव एवामा देमारी इवाहित सेणा भूकारी परी क्रिंडिक् एक्रे.द्री भुत्राचा विवास मृत्ये मूक्ष केका वायव वाव में ये का भक्ष र मूर्या का वाय विवास र्युः क्रेरत्यः देशकात्रकात्रेया श्रेण शे या वे जी ते या वे जी ते ते या ते ते या ते ते ते या ते ते यो वे ते ते

JAN DI

2 27

क्रैरक्र्यंत्राधुपर्दर पत्रात्मा यापरर्यात्र वर्णाणक्ष्येत्रक्षात्रात् वीर्द्रयरामकार्यावात्रित्रक्रि का क्रूरमेर हिंशरिणवरदावशक्ता शुक्ता किला किलारे शुक्त परंदेश दिस्दावदा हुने हुने का नावर बु.बारका.न.पु.के.बैंबाकारका विवास्त्र.बुकारी.बैकाबिकार्डिरा एर्ट्र,कर्रेश्व.कूर्र.यूर्र,कूरी रवाबारर हबी बालिक रू. लूरा रे केरकरर बाधिकारी कुरा वावबर किरक तथा किरा रवा मा द्युव्यान्तिः श्रेषाः श्रुवा विद्वतिवयात् विद्वत्यात् विद्वत्यात् विवयात् विवयात् विवयात् विवयात् विवयत् विवयत् मन्ना रेबाने के किये कुण कुण कुण वर्षे रेन ए कुर रेन ए ब्रु. ब्रुबा के र से अ हो है. श्रीतिभावेद। एकोबाभक्तित्वावाकानुत्रेदी रेवाभारेदासीकावध्वाद्रभार्यदेश रामर्था चर्चे बार्के का क्षेत्रे का क्षेत्रे का अपने क्षेत्र क्षेत्र का विराक्त्री क्षेत्र के वा दरके देश दा वा देश का ें दर्शेश इत्रहेरात्र शतरे विता तो दर्शि। दर्शित नित्र विता स्वित नित्र के स्वित वित्र के वित लक्ष्मित्रकुष्टिणकुरला व्यापश्चित्वर्त्रक्षित्रस्य वासूत्रा वासूत्र वासूत्र वासूत्र अक्षणत्यार्षिरक्षेत्रार्गतर्रा वास्त्रा यास्या यास्यार्थ्य मेर्द्रिक्ष हिर्वर्र्द्र विक्षिण. दमत्तरहास्य वार्ष्वत् तर्रहास्र दर्द्या हिए वार्ष्व् स्थाप्तराव्देव । क्रम्सिकार्यावर्गाः एह्बाअन्त्रेर्वक्रिया अभ्यक्ष्यं विष्यं नार्क्ष्यं विक्रियं क्षेत्रं क्षेत् चति सी नास्र अपर्दा ात के से दालुका हे त्वा में यह का दे तद्ते कुल र्सू त ति विद्व कर करी। र्अड्डर पर्यावता केला देवर्व विक्रिक्ष विक्रिक्ष विक्रिक्ष विक्र के विक्र क ब्रियक्ता क्रीव्याहिरवाक्षीत्रे विक्रिक्षा क्रीक्षिर्यस्य द्या क्षेत्रकाता दे के व्यवस्था पर्देश कु अ. कश्व कश्वर एर एप हिंगा स्वामा भ्रारात लाग्ने क्रारा एड की र कुन होता है भूव त्रकामान्यम् मान्यान्य क्षेत्रकामान्यम् कष्टि याती त्रिया मुंद्रम्य मुक्त केया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क भूत्म्स्राम्। विद्यान्त्राम्। विद्यान्त्राम्। विद्यान्त्राम्। विद्यान्त्राम्। विद्यान्त्राम्। विद्यान्त्राम्। वेशक्ष वर्तात्रश्चीर्रायम्भान्ति विषयम्भार्त्रात्र्रास्त्रात्र्रात्र्रात्र्र्यात्रा र्क्तिश्रिश्रिक वर्षा कर्षा के दिल के वर्ष कर्ति वर्ष कर्ति वर्ष कर्ति का वर्ष कर क क्षणा श्रीदक्षणार्श्येवदिक्षणात्रभावमातिरात्रीकार्जिता श्रित्र भी केषात्र्य कुष्या ग्रीकार्था वृत्रास्त्रद्वति देतस्वयकात्रिवत्रत्रेत्र्यात्वेत्रात्वतात्रद्वा क्रिणात्र्रत्यात्र्यत्त्रेत्रात्र्यात्रात्र् अहर्तनातु. जारे की अश्रेभ न प्रा III (मेलीक्टर का श्रीर रिम की किर ती जारे कि अर श्रेर अतिक अर्र राम राद्यक्रिका किरमिण रूपु. मेर्रेर्द्रा प्रमिण भवन क्रिक्रिका मेर्ने प्रकार विकास क्रिक्रिका मिर्प्स प्रमित्र मेर् पर्कर्रक्त श्रामान्त्रं द्रा हिरलेण देशद्रेत में मानुरा मार्ग्ने मान्द्र श्रिया में श्रीत में मान्द्र में मान्द्र क्रद्रिश्चणक्ररा म्अक्ट्रविश्चीमहरावा मह्द्रस्यात्वी मन्दर्यायानीस्याद्वी हर्दर क्रवीमार्था भरत्युं में भूत्राक्ष्यका कर्षमा कर्षा कर्षा कर्षा कर्षा कर्ता है से भरा

196 भुरत्यमार्करत्तिणरं स्वयम्त्रीरा किरामात्र्रहेता नात्रमार्याचारमात्रात्रात्रात्रमार्थात्रमार्थात्रमार्थात्रमार् न्त्रदर्शकात्राम्द्रद्रशाह्नेशकात्मभाषात्रीत्रा कारविदर्धयात्रीयात्रात्रीत्रद्री हर्षिद्रमुक्तिव्यात्रीयाः कतरी केंजुन ब्रांचा कर में जार है। केरमर्ने जा में में के के के के के के के के के हिरशुर्वेश्वर्य्वे व्यामिर्तरात्या देवविवयमहिरय्यर्थित्यम् स्याम् रात्यर्द्रे व्रिट्यर्ये की विकास त्मरमान्तुः व्यविणात्मयाव्या वरवेरस्वेवत्यर्थितार्थिया पहेपर्दर्पूर्वे वर्षिवावया क्रेकार सर्यार एक्ट्रें वक्षाया विषय कर्त्य हैं विवास के किया है ते का का विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय रद्यान् वास्त्रेन्त्रा वास्त्रेद्रा वास्त्रेद्रा वाद्र्य रत्या स्वरं से स्वरं स्वरं वाद्रा वाया वाद्रा द्वा विवस्त प्रयात्मात्रात्र्रात्म्यात्म्या स्यात्वात्व्यात्य्यात्यात्यात्यात्यात्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात् पर्राजिर भर्मा क्षेत्र क्षेत्र भी क्षेत्र क्ष ककुरुष्टिकमातारद्दी द्वामार्कर्त्वरक्ष्यानिकत्वर्वा भव्यतिकत्वा मान्नद्रितालिक्ष्यास्त्रेत्रे श्रीमान्नविका उर्बोर्ये अभ्यान्य वर्ष कर्ता इमन्दर्भीर हु ए के मिन्न क्रिया क्रिया वर्षेत्र के वर्षेत्र वर्षेत्र क्रिया मार्ट्स मार्ट्स मार्ट्स मार्टी मार्टी किरमीका पर्यक्ष त्या मार्टिस मार कत्रमाना क्षेत्रेवस्य मन्त्रम्य वेता व्दर्भव क्षरेचात्रं याचेवा श्वर्भव श्वराविभव्येत्वी १भावतान्त्रेते स्वय्यते मुक्तिभाषते है। गर्भवदरामुक्त जाता देश्यदा देशास्त्र में स्वरंग अवस्थान हो। में में इब्रम्यायायाया वर्षमात्रम्यायास्यात्री सरवीत्रीयास्या हरवीया विरवीता श्रेष्ट्रमा 23 युक्तियावन मृत्रद्वात क्रिया स्वत्राक्षण प्रवास्त्र विस्त्रात्य विस्त्रात्य विस्त्रात्य विस्त्रात्य विस्त्रात्य नैस्पन्ते. क्षिभन्नित्रे भे विषेत्र मार्गित्र के तर्रा हुर्य कि विषय मार्थित क्षित्र भारति के विषय के विषय क्षरम्यात्वम्द्रत्याद्रस्यान्या मेणायायात्रस्यात्रम्या र्वेवलान्यातः त्यरंत्रीयमार्त्त्र्वत्येन्त्र्वलान्दाः सुराष्ट्रेत्येव्येत्रालेन्द्रत्ते । द्वासीः श्रत्यास्य व अर्रेष्मातः त्यात्रात्रेत्रेत्रत्ते व्यात्रेत्रत्वत्याः स्वत्येत्रत्ये व्यात्रेत्रत्याः व्यात्रात्र्यस्य स्वत्याः स्वत्याः न्या स्वास्त्र व्यान्य र्वोत्या क्रियार्थ स्वास्त्र स्वास्त्र विश्व क्षेत्र होते विश्व क्षेत्र स्वास्त्र स रुभायरलूरा अक्यामाणुःभ्राच्चरामान्नेमा तर्मामान्नेमा अर्देशवान्यत्रीम मैणा अगानरक्षेत्रियरदर्दात्र्रा राजद्वाश्चलान्त्रेराघार्यात्र्यात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र्वात्र 241 वर्स्रेट्रा द्वाक्रवामावास्त्रवेद्र्यव्यवा । स्वावयमद्रेत्रेद्र क्रास्ट्राक्रिया देलद्रत्याकरीः 4.45 वस्तिक्ति। स्रमाहित्या स्रमाहित्रे द्वार्ता देव ज्ञास्ति क्षाव्या वेतर्वा देतर्वार स्पर्वे क्र राणग्या देण स्वाब्यायराज्य स्वयः देवभःग्रान्त्य स्वयः वेवभःग्रान्त्य स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः 708 ; 

बिक्तकारी ल्यूर्करकाकारकार्त्ये हिंदा क्र्यंत्रक्षीय मध्ये देशीर देशा देशिकेण गुणुकारण द्यात्वी उर्देश कुम्नानिस्मायुरातीर वर्षेत्रामणा कुर्वारि वायरवमा मुन्निर वर क्रिया वार के वर. शुरक्षेत्रक्षाक्रणाच्याद्वर्द्धर्द्धर्द्धर्द्धराष्ट्रयाच्यात्रम् वर्षात्रक्षययाः देन विद्यव्यः वर्षाव्यक्षर्वातः र्यास्यार्थर्यात्र्यम् क्रियम् विद्वायार्थ्यः विद्वायार्थ्यः व्याप्ति व्यापति व्याप्ति व्यापति व्या त्रुं केर्ज्ये स्वेत्रकेर बीका की का सी तरी किर श्रेरका ना के छो। सी का का का का की सी का ति. ण. भूर. ण. भूरदेविता की. कर महत्र महत्र महत्य मित्र मित् अड़िया अर्अड़िय्अ छ त्राधिया नेर्छ वार्षिया सेर्वे के अहिया देवसर एक अव कि.जा क्रकुर्विश्वराष्ट्रिंश क्रिके क विभागक्षणत्त्वरक्षेत्रद्रा अरक्षेत्रसाणक्षेत्राचेरावर्ग ।वर्षेत्रवास्थाणक्षेत्रदात्म हेवार्थे त्याचे हि वया तत्र्रा तत्र्रा हेव चे के वर्षे के दिन देन देन स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स क्रिन्दरपक्रमात्रकार्यदेश विभव्यवात्रकारा प्रतिकृति हित्र विभव्य क्रिक्स क्रीरवाकररेक्षिया विभवत्ताराम् राम्यान्त्रीर त्यवेत्रीरा भारत्या भारत् क्षव.त.एड्स.दुष्टानुद्री र्द्रूट.के.ह्य.लुव.रिटर्ज्र.दूका त्यद्रव्यक्ष.केंद्रूच.कू.रद्रा करूपा. रिमर्किर स्रोक देन तर् महीसा को रिची यह शहरे यो सुनिह स्थान मार्किर के प्राप्त मार्थित स्थान स्थान न्रत्रविण्यान्त्रम् स्ट्रिंसा क्रिक्त्रंग्रेग्रियार् रहार्यु राजविता दिरस्थित हिपाल होत्या व्यापाल स्ट्रियां वा रमग्रे, स्रिं स्रिं क्रिंग तार्म्य । सर् र म्रिंग क्रिंग क उक्दणरं अर.रेजूर्य. कुर्य कुरा कुरा कुरा का असर कि यानी विवादर कुरा कि पार्वेदयार शैर्वासर्वा में स्थापिक दे। किर किर केर के या सम्बाधकरवा ब्रिक का सम्बाद कर्रा एकेर. विराहिर्ग्तरम्प्ता एसर्सम्याविकारीमस्तर्राक्षमा स्वर्भासुर्याचेत्रोत्राविद्या रः दरक्षात्रवेषात्रेत्रकारण ब्रोकारणास्येवायार्क्षेत्रकार्यात्रा व्यक्षित्रकार्क्याक्ष्यात्रवा तम्त्रामा विसेर्या के को स्वक्ष्या स्वापन सेरिय वर्षेत्र वर्षेत्र के वर्षेत्र के वर्षेत्र वर्षेत्र के वर्षेत्र वैन्द्रेरस्थर्थियो राष्ट्रियास्य क्रियास्य क्रियास्य स्थानिया स्थानियाः स्थानियाः स्थानियाः स्थानियाः स्थानिया ज्युत्ति । अन्तर्देश अन्तर्वेदा अन्तर्वेद्वायाय विद्यास्य अद्द्वाया स्वार्ये वित्र विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य वित्र विद्यास्य विद्यास क्रिक्र भीर तमार्थका सार्वेदवा संचाक्र मान्य नमार्थिय स्वाद् में वित्य स्वाद से वित्य से प्राप्त से वित्य से प वरीलें स्वायम् इत्येदला ये स्वायक्ष के ने ना भुगने। राद्या स्विय प्रायम्य स्वयं स्व त्वक्रात्र्व्यास्य स्वात्रात्र्या स्वात्रात्रात्रात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्र्यस्य स्वात्रात्रस्य स्वात्रस्य स्वात् पक्रणा क्षेत्रावनक्षरावर्श्वरक्ष्या खें भ्रव मेर्पक्ष ग्रामें क्षेत्र के के ने मेर्प के के मेर्प के मेर के मेर्प के मेर के मेर्प के मेर के मेर्प के मेर्प के मेर्प के मेर्प के मेर के मेर्प के मेर के मेर्प के मेर के मे तिर शिरमान्त्रा देरत्यमान्त्रा भुवक्त्यमत्रत्यम्यत्त्रमा वृद्धणत्रत्यामा नेरमान्त्रमा वृद्धणत्रत्यामान्त्रमा नु एक द्या मार्के प्रमुक्त मार्के मार्थिय कराय कराय कराय कराय मार्थिय कराये के स्थाप कराय कराये कर के दिन क्रीनराभर्गा तर्मा देवालेरातिवामायावक्रमात्रीयाराता। स्मिन्निया से से देवाय देवा से क्रिक्र

197

अरक्र वहर वेश्वीर रमना सर्मित्ये क्रिया स्वाप्त के मान्य के ता है क्रिया सर्मित्र के स्वाप्त के स्वाप्त के स्व क्रियाण विक्रमाने यह हैरा वर्ण हे स्थार प्राप्त क्षित्र के वर्ण हेर स्थान क्षित्र के वर्ण हैरा क्षित्र के वर्ण कुर्दिस्यातर्दर्भाताकुकिया. जुवस्याका भुद्रस्दर्दियायेका न्तरद्वरद्देयास्त्राकुक्त्वणास्यविश्वरित् नर्यास्तर्भात्रा देत्ररस्त्रस्य स्त्रास्त्राच्या केर्त्रस्त्राचीत्रास्त्रेर्याच्या देशस्त्रास्त्रास्त्रा क्रम्भार्षेत्र हिर्मेर किर्युक्तिक विष्युव क्ष्या विषय क्षिया विषय क्षिया हिन्दी रवे.की.वरत्तर अ.वर्ये यका त.बीर.वी.रशका त्येर.रर.की.ली.बीर.वर.स्वाका विवा जा के यो मर्थ वकरवार हे रवार वस्तु वाक्षेत्र के विकति वाह्यार एक त्या क्षेत्र वार हर के रक्षे वा के विक toreach. स्रराजारहरत्व्यात्रे व्यत्रात्रात्र्ये ए स्रिस्रर्रे दिवारराज्येवायाव्यात्रे स्त्रे स्त्रियात्रात्रात्रात्रा र्का में ज्ञान के त्या स्रेन्य्रेत्यवीत्रवीत्र्वेत्रेत्रेत्रेत्र्यास्यर्द्वत्यत्यास्याम्यास्यान्त्रा न्याक्षेत्र्यस्थितः ज्युक्तर्वर्द्रता कुर्ण्याचारत्वा नर्त्वा चेत्वा विकायम् तिर् हेर्त्वे हेर्त्य की वायण्य वादवारी चरमाना तर्र भर्म स्थार स्थार है स्थार स्था स्थार स्था स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्था स्था स्था स्था स्था स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार स्थार वाली क्रेंद्राचननात्र्यात्रेत्ते विशेषात्रेत्र वयाये केवाये केवाये के त्या स्थित् के वाय भरवर र्रित्येय । बर्धियायात्रात्रार्थात्रार्थिरत्येरत्र्यात्रेरा निः अवत्यर्यात्र्येयात्रेयात्रे ग्रम् रहेर्भात्रमात्र्री सम्मित्रमा माने के मेर्ग मिने के मेर्ग मिने मेर्ग मिने मेर्ग मिने मेर्ग मिने मिने मिने मुद्धा संसूर्तमंत्रवेत्रातुष्वयाताय्द्रा देवकराणायवक्षिणा कारद्रमङ्ग्रामेणवा क्र बरब्गिन नर्ने लदल हे मनेदा दर्दर है मने अवा मवया हे हे महेंद्र तयर यदेरा स्वायः केंड.का गयमा के से रिमेर्ना द्राले रिमार के रिकेयर कहेता स्रवाय गयन के से स्वीवादा अपुरस्त सिव्यान्तर्वित स्वास्त्रिया स्वास्त्रिया स्वास्त्रास्त्रा दर स्वास्त्रिया स्वास्त्रास्त्रा द्वास्त्रा । वस्त्रां विकाल हो । व्यानिया व्यानिया व्यानिया के विकार क श्राराधेवक्ताणां हिंदा अध्याने वसाने हैं। नेवना वेका वेका वेका हिंदा हेना वेता वेता पर 355. 21. ATI न् केंग्रन ति ग्रम ता रहर हा स्राम्म प्राप्त वयम ता श्री रहत व में ति व व स्राप्त के स्राप्त के स्राप्त के स्र व्यक्तिका क्रिलान्द्रित्वात्रकान्द्रा त्यान्त्रत्वाविष्ठित्रत्वात्रात्रत्यात्रात्र्यात्रात्रात्र्यात्रात्र्या Pay मुरा रर.र्जेमतर.ब्रुम.वच्छ्रवाम.ज.र्ज्जिरी भेवत्ववावर.ब्रु.मर्पणक्रवःक्रिरी र्विम.क्रु.बाधर.स्रेस्क्रेर्क् र्देश वीर्धेकार्या 6 2 4 3 क्रिका हु ए.स. १० इ. १८ मार्थित । श्रे क्रिक्टी हिंदा विदमा मारीया। दे मारीया वाप्त प्राप्त क्या क्या कुंगु, जन्म अर ग्रेट्रा रर्रर र कुंग्र अतर कुंग्र अतर व्यास्तर वया ग्रेट्र कुंग्र भी में स्वास कि 77= UN र्यातक्रीर्म्य क्रिर्णास्य विक्रास्य विक्रास्य विक्राण क्षेत्रा क्रीर्या क्रीय क्रीर्या क्रीर्या क्री चीरदेशम्बाका स्तिमाना करदेशस्त्रा मुद्दास्त्रिका न्यदिरेशमान्यदेशस्त्रिक रै.अष्ट्ररमा वर्ष्ट्रे.जग्र वर्षेत्रकारम्या रिमग्र रिमग्र रिमग्र क्रिंग महिमान्त्रेय रिस्प्याम्

लक्ष्यकात्र्य दिल्लाक्षरकात् अवायातात्य विक्रिक्षात्य्यक्रिता द्वा देश देश. स्रक्षेत्रीरे स्रम्भाया कृष्ये स्रम्भाक्षेत्रा स्रम्भावत् स्रम्भाव इस. वहरा हुत्। कून्रेन् कारवाकी वृच्यातिका क्रांत्रा व्यालका कार्य मातिका क्रांत्रा केर्यात्वा कु। चरः तर् कर्रा कर्रा वावका वृत् किर्या वावका वृत् कर्रा वावका विकास कर्रा कर्रा कर्रा कर्रा कर्रा विकास कर किणान्त्रा नार्ष्यक्रीयान भीयात्तर १५ में द्रास्त्रीर तस्त्रा अक्षित पर्तर हैं नार्याण कर हैं। क्षेत्राय वर्त्वत्रस्वभार्त्र। केणअक्र्याद्ताम्भार्त्यात्राम्भवभार्त्याम्भवभार्त्या र्यम् ता. ब्राह्मरे स्थान पु. जर वर्षेत्र क्षेत्र स्थार्था भार्ब की मेर्ड की मेर्ड राया मार्ग्य की मेर्ड हे.३×१९१२५२१ होर्रअगार्ट्यर अवशासहर्रे स्वेत्रभन्ने एक्षाया तस्य तर्रे एवर्र्ये अस्ति। नेदिकाणका अन्तर्यक्षा क्षेत्रण क्षेत्रण क्षेत्रण क्षेत्रण क्षेत्रण क्षेत्रण क्षेत्रण क्षेत्रण क्षेत्रण क्षेत्र बर्वेगरेंदधिग्रा रवा. विष्ठामा म्व. विष्ठामा म्व. विष्ठामा मित्रामें वर्षः में वर्षः में वर्षः में वर्षः में वर्षः क्रेवक्षरमारात्मः केर्णाहरा वह्रमञ्चरक्रियेवलात्त्रा रार्वरप्रियेवला यव। सिर्ध्वात्रमावर्तः व्यात्वेद्रयव। वार्यदर्शक्रमः क्रमायः द्रायः स्थात्रमः विकास्तित्वे वर्षः वाषाः योव.पा.डिवा त्यार बुकाए बूचाक्त्री वयूरी ता पीर रे.बैराव.पर्र किर डिरा कर क्रिणकी श्राचावकाता र्रेर्र्रिवयान्त्रात्रे रहेया स्वामान्त्रियान्त्रा द्राप्ट अविण मूर्त्युर जा हुरे किर शुधु वसूर दर्श रव्या असे से हि है जा करत क्रुग्रेस्ताक्रिकास्त्रेक्षास्त्रेक्षास्त्रेक्षास्त्रेक्षास्त्रक्षात्रक् एकमः बुरा देशवः बुर्द्धारः स्परः स्वरंद्धावाक्ष्यमा सः देरः एर्देणः एवम् यात्रद्ध्यमा रः रद्रम्द्रिक्षायाः क्रिया क्रियाः क्रियाः स्थात्याः स्थात्रा स्थात्याः स्थात्रात्रात्यात्रात्रे स्थात्या चाववकावक्षितरत्रद्रात्येक्षेत्रा कार्क्षक्षेत्रक्षात्रात्वात्रक्षेत्रक्षेत्रविद् वसीणःभुत्तेवा वनावतः ह्यारमरापद्वाम् भार्त्येतः मान्यविकास्त्रियः वर्षेत्रमा वर्षेत्रमा वर्षेत्रमा वर्षेत्रमा ला.वि.नर्वे.पर्वेरक्षेत्र.पा.पर्वेरमा वागुर.वार्यू.पर्वरत्ववित्रत्वर्त्त्वर्त्ता रक्षेमत्वित्वमः ल्रास्त्रित्या वार्थर की हें हे के रवा ल्या केर विस्त्र शहर ता स्वार का विस्त्र । क्षेत्रात्रा श्रेर.संग्रंज्ञात्यग्रं राजाश्रमा गुन्ग्यम् यस्यात्रमा स्वाप्तात्रमा स्वाप्तात्रमा वर्ष मैंग्सर्से हैं भरी देवमाती लाई लूरी रेरकूच पर एकूच व्हररे हैं ला जा मैंगर्सर रं.च्छेबा.श्रुर.लूरे.। दुवरिशाचलवा.डिर.क्रिंबा क्रिय.पर्जे.क्रिंक्ट्रश्रकरी ड्रेय.स्रेर. दर्भवमात्र होता महें चत्रदेश वित्वका के वर्भेदी मात्र के वर्भेदी चरकेत सुर्वत्तुः सुर्वात्त्रात्त्र्या । युका अभिर्वात्त्र्या देत्यात्त्रात्यात्त्र्यम् सुर्देहेरे वादवाराद्रेवास्यर्पाराक्षेर्दराक्षें सावातीया वाद्रात्त्रीया से विश्वातीया वाद्रा र्तिर देशचा मृश्नः क्रियर प्रमास क्रिया भारत क्रिया क्रियं प्रमास क्रियं बर्ट किर बीम मार्जे वम स्थान के महत्र के निर्मा के वि के र किर मिर मिर मार्जा

200 200

क्ष्रमहिन्द्रा है। जिंद द्वाकाराकार्यरकाराक्ष्रात्रा स्थाताताराक्षरात्राक्षेत्रदेशमा स्थ लर.अड़िबंजावकाइन.रचरकीं अरअष्ट्रेशक्षेत्रवेशकी अरअष्ट्रेतन.इन.विक्री अष्ट्रे. रीया याप्तरी केंब्र ये पर या दूर्य देने देने या ते यह महत्या । द्या अवी सः अवी यह यह यह यह म् से ब्राह्म के स्वास्त्र के म् से अधार्ति प्रधार्थे रेन प्रमु एक् रेन के अधिया हिना मेर ने रा के रावका मेर है ने भावन लुवा अरश्मकिक की, रूमकिलेवा किरवरी मैंक, वक्षर वर्ष्ट्रतिर मूं बाक, लुवा किर्नु, र्वत्यकः वीरद्रपर्द्रद्रश्यवाद्वसा अवा गर्देश्यस्य स्ट्रिंस्यस्य ते ता स्वतः विकाले ते स्वति विवास ३ झेरक्षराज्यात्मेन क्रिवंदरस्याः लूरवंदर्शयाः प्रमानिया सि.हेर्यम्भीयानात्त्रीय विदेशताः भूय दिनतात्त्रीः हिरतिकर्भावाक्त्र व्यारा रर्जिर्ड्स श्रीरक्ति स्त्रीय अभिन्न अभिन्न अभिन्न अभिन्न श्रीर श्री विद्या हिर् कवा रसरत्वना चेते अम्मी केथवहत्या द्वीय वारेर वर्षे भेरत्र द्वी देखेव नार्युक्र वर्षात्रेक्ष त्रकार्णरा श्रीरादग्रामा क्षेत्राका कार्ये हिंदी के मरक्षियां नाया क्रिक्रिय बिक्षियाभाववित्रं विवाद्र्यायाभा वालत्यत्रात्वातारावे त्वे ति दे हिर्हे ते विकार सा रेश बेरकेर तारे क्षेत्र त्रेर स्वरंभवस्थान्य क्ष्याय क्षयाय स्वरंभव स्वरंभ तरे हेर तरे श्रेवर क्किन् हैं होर लें र भेरे भर हैं हैं हो ल हे ल की ररत्या है स्वर्त अपर्या है अर्थ स्वर्ध हैं वे के लेवास्तर्श्वभाष्ट्रस्त्रमा वितरेष्ट्ररायुगार्हिरस्त्रस्यायुग्यरायुग्यरायुग्यरायुग्यराये तुस्यत्यत्वत्वार्शेस्त्वाद्वाद्वार्श्यस्य ह्यार्श्यस्य व्यवि वरिष्ट्रमञ्जरस्यो क्षेत्रा नियु नियु नियु

स्थित श्राह्मणायां भीरायां के देश कायां यां भीरायां यां से देश का स्थान हैं। मरीमान्त्रामर शेंत्ये में त्या कर्या मत्या से रामान्या में प्रियो स्वीता देनेर त्या सामानी माने प्राप्ति । मह्री शुर्वे भरद्व तयद्यक्षेत्रत्य क्राचे त्या स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्व के व्यक्ति । सदतः वर्षास्त्र द्याः स्वाक्ति किर्मा । विद्यक्त वर्षे वर्षे देशे देशे वर्षे विवा सिंत येते सर्वे स्रे लेते । यस्केवा । यो से वार्वे वारो रहर हिर वेवा शिर स्युत्ति व्या अक्षेत्रके नरास्त्रेया । अक्षरामस्य क्षेत्रकारा हिरादमयास्य प्रतिस्था विस्था नर्भराण क्या नपुत्री श्रीस्प्रर्रेतिक्रापर्भराक्या रनपत्रीर्विक्षेश्रिकापवर्रातिक यास्त्रा धराते युः हिर्देशे प्रदेश र्या वाहमप्रेत्य के हेर्स् प्रका वर्षेत्रे प्रका णरामे देवा देवामेराश्चीरर्र्य्यापुःश्वरमा की यर्र्यद्रभाषा यहे वर्ष्यस्मा हुरा बेराया गणा 

ल्ब.यश्र.त.ल.के.र्वेर.ला किरामह्भ.र्यमध्यात्रीयात्री अत्रा वर्रा पर्रेर.भूभभागायम्बरी

क्रित्रित्र्यायाया अधियाया तर्वेद्यायी तर्वेद्यायी तर्वेद्यायी तर्वेद्यायी अथाय वर्षेद्र्ये अत्यायी तर्वेद्यायी

भीवाया तिरा ग्रीयाभीयावया मूर्य दे अया हुं या पर्दर सीया ता लावी भूरे ता पहूं शिरायर

3AAN'& resp. for to

यविल्या वर्षेवलाम् यति स्वास्त्राच्या द्राया से या से या से या से या से ति से त्या स्वास्त्रा द्राया से या से स न्तीर्यत्येराधेरा केलाकुर्येद्वान्त्रकार्या क्रेयालयाकुराद्वालया वर्षाणः में मेर्र हिंकिण लूरी याधवालर सूर्र ते वर्षा प्रमा प्रमा रमत लूर विकासिका सेर.फेर.पर्वाशका फिर.लेज.ब्र.र.बर्बेत्र.ज.लुवा लूट.जपुत्र.व.द्र.केर.लुव.१देक. र्वेत्रर्रात्यम्यो व्याप्या द्वेत्रःकृताःगुव्दिर्वातःतह्येत्रात्येत्वेता व्यायाविद्येत्रः बरसुवयः यतिसंसदतः धेता देरीरसी स्वरद्गात मेर्ड्सिनेदी हिर्गिके द्रावत्रत्य गास्त्र भुषी भएकरम्बष्यायक्षेत्रम्भुषा भास्य मुग्नयक्षित्रम्भामुषा हिर्दर्दरद्दर्भागुन। म्त्री क्रीमक्ष्यप्रम्भूत्रा देश हत्यामास्त्रित्यम्य मेर् तम्यास्य स्त्रित्ये तम्य ब्रिंश श्रेश विदेश तपुर्व श्रिक कार्य कार्य कार्य कार्य वा विदः में सामे का स्रिंग कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य यश वि. ले. वर कार क्या श्रेर अरए दे वर की भारत के वर अरे वर के वर वर की वर अरर्दर्ष्ट्रेव तहरा क्रियर तहेला लाहर्द्रिकी अरतः तहे मुंगर तह के अरदे में में मी किराहर ता तर्ज्या तरा में तर वर्षा में या किराव हुर ने तर तर्जित देश देश वर्षा हुर हुर वर्षा के विकास लु. मू.सं. तर वर भास विवाय क्रिया मही मार्थ भारति वामा क्रिया मुत्र मुत्र मुत्र मुत्र मुत्र मुत्र प्राप्त मुत्र र्जियाका वार्ष्य वर्ष्य के वर्ष र्यात्रस्थत्रस्र द्रायां के लक्षेत्र की से एड्र वित्रस्य के राज्य वित्राय से अस्त्रिक्ष्यक्ष्यत्त्र्यस्त्रीरद्याम्स्यत्त्र्यस्त्रित्तेरा गर्दरम्ते वेर्याने क्रियाम्यम्य द्रभिद्रमरस्द्रम् नायवातोते। गेर्नद्रहे द्रसात्त्वा ।द्रम् र्यस्य भेवा वीसस्य स्रम् के करारीक पर्वासना वार्टर प्रीत पर्टामा स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र प्रास्त्र विका प्रास्त्र स्वास क्षित्रात्रात्र विद्यात्र विद्यात्य विद्यात्य विद्यात्य विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र विद्यात्र वीवबर्धासी होता दमत्रुर्दिश्वाकार प्रित्रेश किलार्च ते स्वीवस्त्रेर प्रवादिव परिवास वर्षेत्रस्य अर्था वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षात्र वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर् रमप्ताम् में सुर्द्यार्ये वास्त्रमा सेर्येयोक्तेर्याते में राविष्ट केर्या केर्या वास्त्रमा ह्या श्री. ए द्रस्त्रियस्थर स्त्रे हुमा सरवः प्यूर्स्स्य मान् सूचा वार्ष्य । सर्वे प्राप्त स्त्रे र जाण स्री वा लास्य वि लिंद सी वाल स्री वास्ताल स्रिवा । रेस वासुरस य ते स्रवस देव । वेर स्रा र्भारस्थायवरिक्ट्रिर्शंद्रासावाद्येवर्श्वरस्थाय्या स्थान्त्रं रहे । स्थान श्चित्राचार्याचीत्रा क्षात्याचीत्रा क्षात्याचाराच्याचेत्राच्याच्याचेत्राच्याच्याचेत्राच्याच्याचेत्राच्याच्याचे भड़िया वर भड़ियं वर मुनिक् क हिया भर भड़ियं भ में स्वी क हिया मिहेयं मिहेयं मिहेयं मिहेयं मिहेयं मिहेयं मिहेयं

202

43 W

ं सरम्य

रशरे संस्वातर्था देवसार्वे वर्रर्यु स्वान्य स् मिर्त्यकारातर्धिता सरद्वीर्यरेद्देवद्याता दत्रेक्ट्रियक्तात्त्वत्वातात्र्द्वायायेद् वि वरभित्रवारवात्वातर्रेकरकत्रा वदेरभेरस्वित्रुलेष्णेयरावा वासवेरवेर्द्रव्यूक्ष ते या विश्वाभेर्यते सुन्ती। सिंह भेरत विराणविया रिसेसेत वार भेरते अवसा भेरत्यायर स्राह्में अपने महाते या निर्देश निर्देश मास्त्र के स्राह्में अपने महिना के स्राह्में अपने में में हत्य्र सारचेते तररेला वा वेरकत बेर वर्ष वाधेर में के भेरवर सुबें लाजें वा तहला नम्भास्त्रित्या भ्राम्यात्रे भ्राम्य विष्या । यवा चगत्रतेत्रस्यस्यर्केत्यता क्षेरचरेत्रीकेतत्त्रेत्यववा सुर्धेत्रस्य वेविण्येंगा विरमयर्ग्वयव्यव्यव्यव्यक्षराभेरभया केर्यिते वर्षे छेर्यक्षेत्री नेरेवलेवर् सर्गे के त्वेव द्व अते क्षेत्र क्षेत्र के दुर्भा ने में य ति न हुन है यह देश हैं । देश स्थान त्ये प्यान ते पर्देश । या स्थार ध्येवक्रीवास्त्रययस्त्रया नर्दात्येवस्त्रया विक्राविक्षेत्र निर्मावन्त्रयास्य निर्माणक्षेत्रः निर्माणक्षेत्रः न चॅतें इक केंद्र त्र्रीय त्र्रीय होता के अंतर होता के अत्रादेश होता के अत्रादेश होता अवस्था के द्र क्रेश्ना विदर्भारवारायतीयर्दिस्यारेत्रे वलीव होता द्वाप्य देवा स्वर्मे हैं राव्याने र बुवा क्री नारेंदर्यामानात्रमाने ने त्यूरास्या मेंद्राप्रयापया विच्यत्स्ये भे स्वास्त्रेत्रा पनालेवः गरोर र्श्वेश्वरातीहेसु प्यर्थाया स्रेरेर द्वाचेर द्वाचार प्रत्या सर राजी स्रोत्यक लासी तरीसरा वर्विकीरायस्त्रिक्ष्यायाञ्चरत्रकीत्रे वासायते की विवादेर्यक्षेत्रेरावाल् स्नेर्र्यायद्वावना दर्गत्यस्यामितिष्वस्यायकास्या मानस्यित्वत्यस्येतित्वास्यत्वास्यत्वास्य विवासा स्ट्रिस्तिक्यदेवः अहरी स्टारहरूर्या भेष्रात्र के मेर्नेर्या के मेर्नेर्या स्वाप्त केर्या अवस्था केर्या अवस्था केर्या अवस्था केर् न्येत्रम् सुन्नदर्भवललहराक्षेत्र स्राप्त्र विदेश्येत्र लेक्ष्येत्र केत्र केत्र केत्र स्वर त्राप्त्र स्वर त्रा बोलाय। किरमाशुरूयायमालासन्तरेत्र। कुंब्रुरानसत्यावयालासेरचरभास्तर। विराल्येखियमः र्वारभःयाहःभे यद्वीर्याते। रयतः क्रेर्योरे स्ट्रीर्यं राभरवाया स्ट्रायक्रे सक्ष्यान्यस्यादः हिर्योराचि। गर्ने व्यक्ति मेर्य मेर्य के के त्राय व्यवस्था द्यव मेर्य भीता व्यवस्था के व्यवस्था विकाद मार्य के विकास के वित यान्यम्यता , वें से १० हेवाराष्ट्रसायम्बर सेंदा सर्वेत्सावरे वेंवाने सारहेवस्थरिया क्रुंभकुलातह्रवामास्यर्दास्यक्तियत्। व्रिसीतह्रवामाञ्चमणुरातह्रवामास्यम्यर्दा राष्ट्रवासातेवर्द्द ण वहरवसमेंदा अर्जादर युः युसाय हीरता हिरा दकी क्रासुदाय दें वोदेरा हिराय के सा भग्नेराम् भूर्द्रमें अनेरता अर्गे सेर्ने देशरायात्त्व । सिनाय्कुराधेरावात्त्रकी अन्त्रमा स्वस्ता ल्रिस्तर्भ के देभवाक्र ल्रिस्तर्भ सेवा विदेश्वस्तर्भ अवीय मेरा वार्वेशक्रिक्रिक्र गर्हरेली प्रेरा एका नापरद्याप अभयम्य का का निवा सेना निर्वा में विश्व द्वर सेर् ले प्रेरा दम्भरेत्रेरक्षेभरेत्रभर्ता त्यायम्भवत्र्रा म्यायम्भवत्रा वार्यवस्यावत्र्रामित्रम् र्यरम्भेशा वनसंक्षेत्रम्भेत्रम्भेत्रात्वेतः तम् मुद्दा सर्वे वस्ति वस्ति वस्ति वस्ति वस्ति वस्ति वस्ति वस्ति व एसकर्भा हिर एक्षेत्र किल्या बाबि कर्रेर किर्देश संस्था में बिस् में सार साय क्रिकेश मार्थ स्था

35.

हिरमास्त्रितस्य वर्षात्रा यारेण हेत्र युरस्य प्रमाने में विकास के सावेर वर सारतः तीवा स्ट्रिय सार्वे णवी वावयाश्रेती क्षेत्रवां सर्देशा सेत्या सामा वां व्यक्तित्त्वरा पर वी वां सामा सेत्रा सक्ता स्त्री र्नः चर्त्राणः की स्रेस्ट्रेन्न अध्यास्यर्भः विग्रान्या वित्रं ह्योरः मे क्यातः स्विः की यहतः रे यहतः अवः व.िम्मुक्तिरेश्री द.मुरविणाविग्रविरित्तपक्तियी याविष्मुव्युत्तरप्रदेशपर्यामुवा यावुत्स्यामः गुनातार बोर्यात्र व्यराप्तातार विषय केर देवा केर बिल होते तार बोर मेर से वायर से से वायर होते वायर से से वायर से वायर से से वायर पर्विणर्राली क्रिरेररररवाग्रेमच्नु। वि.क्रे.बाहे.बाहे.ब.ज्यात्यात्यात्या ।भवएरएहेवाह्रीवास्त्रेर स्। श्रेग्राभरतः राजेल्यां तर्तत्व । भरातः भरतः स्रेग्रास्ति। स्वत्रेर्त्या भरत्ति। लर्र्या सुर्या स्वेर्रास्य देर्रा देर्रा क्षेत्र कार्य स्वाराण स्वारा स् रें बार्निकर्धार मुपुष्ट्रप्रध्यात्रेरी वृत्रर्थ्धारम्, पर्वेकः एवान्त्रा एक्रान्त्रेरः कृतिक्र पडियोक्षा हिर्। देनेदेन्सी तयर वर्षा त्येद्रमेदा क्षेत्रस्त्र म्यान्यान्य मार्थे क्रीया देनेदर लगाया । पत्रेवर्र्यामान्त्रिया राज्यतुर्वमान्त्रमान्त्रात्त्री वृत्याचत्रमान्यत्या वहवर्षत्मान्त्र २०६६०ती मार्विभेरत्री वेभाग्रेबायास्यातिवास्यायमात्रिर्यम्द्रियामान्द्रवामान्द्रवामान्द्रवामान्द्रवामान्द्रवामान्द्रवा क्री कार्य्य निमान क्षेत्रका क्षेत्र क्रिक्र भुःस् भुन्या दूर् क्रि. ला. हुर्ये व वुव ए ब्रिर्यामा रनए वर्र वार्ये लार तम क्रियामा राम रियानर रतिया है. म. है. की भाजरण याग्री अपना माना याग्री में की रेगर रेहें व्या हैर रे एक्या। रिअर्करमाष्ट्रमाहामहामान्त्रियान्त्रीय नेत्र द्वा मार्यर दे हे प्रवशास्त्र मार्थर हेर इ.ह्मार्मप्यदर्श्यावय्यासीरप्रत्यक्ष्यायस्यायस्यायस्या १ वे.व्यू चीर मिथ्ये के प्राच्या मान्या मान्या मान्या प्राचित्र कर महिल्ये के स्वाप्त के महिला कि प्राचित्र के तकारायाक्षरायाक्षरेत्ररसूरतासीतर्वोत्यर्थस्याक्षर्वात्वेत्वत्वराक्षरायाक्षरायाक्षरायाक्षरायाक्षरायाक्षरायाक्षर मालाल्य दिस्मालगात्वारातव्यात्वारातव्यात्वारात्वाराय्यात्रात्याः स्ट्रास्मालग् ब्रा दिनरवर ता ब्रीरावा अस्वास मारीरमात भेरत वें वा वारी सामिया वासे रही हैं है है रमायारे। हेराकेर हो क्वर का श्रेक यथा श्रेक यथा वर से करे होर हो है किया है से कार हो से से से से से से से से ण्यान्यान्यान्यान्त्रत्यान्त्रत्यान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रय तास्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र चरम्यत्स्यातातात्वर्तामः व्याप्ति रत्यात्यक्षेत्रयाः वक्षव्यात्रस्याः स्रोत्रयाः स्रोत्रयाः स्रोत्रयाः स्रोत्रय त्रिभारचा चार्तुभार्भर ( वर्षेय रेश वर्षेत्र श्राचेरा । इत्र रेलेच भारत रिम्मे से ब्रोच भारत हिंह देव भारत विवारमाने विक्त मिन्ति चित्रकारि हैं दे किला ये से दाय ही स्वाह सुर्वेर । विश्वर वीत्र स्था दे ही त्येर या द्या स्वाह विश्वर है। यहरा ही मालिया सम्माहेसा। सेर्य केला यरे वर्षे कामुला तहेर्द्र अहर् कराया नुतेस तिर्वे हा हिन्ते वहा ब्रेर वस्या क्री सेर वार्के दे तका वर हर के स्थाय क्रेर या तर एते हिंग क्रिय हो वार के प्राप्त हो वा हो वा हो व इक् स्रेर्त्रेगाला हेवा क्षेत्र सर्देर वावका मति खुरावर देते वार्वे व्यक्ष हिर्दे सुमायर देविताय

20C 204 वर्केर्रेनेबानाना देश्यरप्रमाजित्वास्त्रेत्रहिवामित्रेर्ता वर्षास्वाववानुस्राप्तातान्त्रीय वीन खेव करे। दर मेर द्यार कर्रा दुंश मेरे कतिवास वतिवस खुवास । करारे कर्रे रेवस स्पर्भ स्था मिं बर्को बर्द वेण यथ मिं बर से विरंदेर तर्वेश है रा एक रा सक्त द्वार प्रति पर रा दें में भीर AN देरदे क्रिंचा यहार के यह में के दूर दर यह विषय महिला के क्षा के मार के प्राप्त के प्राप्त के देरदे के कार के दन ५. ५५६ दिल दे, १ वर्ष ५ की किर्विद क्या मुद्रमा भरता द्रमा एक रक्षे के र देर स्वामा माना कर सर्दर्भस्य विश्व स्थान्य स्थान्य विश्व स्थान्य स्थान <sup>2</sup> পর্ব (মার্মন্ত) श्राधिकात्र रदार्का मूर्य अरम्पर्दि वित्री मेरिस अरदार श्री द्वादवेदिन वर्ग श्रुवाय का विवास वर्ग रहा वर्भश्चाश्चरश्चरतिरत्वेरत्वेरास्ता अवस्ति हो । हो शुं श्वाक्षात्रात्रेरा अप्याकेर पार्शेनेरमध्ये। स्मिमिमिस्यस्या धयकेवर्क्रस्ययप्तर्भेस्या वार्गेनकेवस्यस्य गेरखा त्युक्तेव्यतुंग्रस्क्रेंन्यंसा दमम्यंते स्यूद्रस्ता वाजन्यस्या दमेरियायात्रान्यस्याते। भीता दस्रेसायुरिती वस्त्रासी त्य्वाराष्ट्वा । स्रोटायरे त्येति देव दे तस्तरमे प्राप्त श्वा देर्जिरवससंदा अविरामते स्वरम्भत्यस्य स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र स्वर्षेत्र र् देशक्ष्यातह त्यक्ष्या श्रीरक्षेत्रं श्रीरक्षेत्रं त्या क्षेत्रं त्या हित्यक्षेत्रं स्थित् । द्यायुव्य कुरि:युवा कुरि:युवा क्षेत्रमुस्रक्षित्रेयांत्रस्यात्री स्वत्यरम्यस्यस्यस्य वार्तरर्त्त्व । बेस्यस्त्यस्यस्य मुक्षात्री बादवाकुर्देअभू पर्वाभुत्रदर्व । पिश्राद्राभुद्वापापद्वास्ट्रावित्तरी द्वाप्त्र्वेश अवतःभे तर्वाके स्वाचेरा ने रेरे हिर्दाव्या कीर भेरे में वार्रे र वार्रे र वार्रे र वार्रे र वार्रे र वार्रे र वार्रे क्रीमाओरासु एसमातुर हिरा हुर। दब्रांभाश्याक्षर वागुवानेकारेर। दासेका युर्वे वार्वे वार्वे वार्थे वार्थे वार्थे व्या वर्णावर्त्र विद्यात्या विद्याले पर्या । देश्येत्र क्ष्यं क्ष्ये अभिन्न देश्ये क्ष्ये क्ष्ये क्ष्ये द्या अयले सेरवसक्ताणे पर्या । देशेत्य श्रवसक्ता क्रा कर्त्व र देशेत्र देश विगीन्ता। र्निरेक्साविर व्हार के व्हार के वहरत्या करिये हरे के रियम के मान्याने श्रीवव युव व्यह्न रहें के स्वरेश वेंगियर गरेर्वित त्ववस्य स्वरेश देरेर व्यवस्य वास्य स्वर्थ वास्य स्वर्थ वास्य स्वर्थ Mapy (Pr र्गित्रिक्षके वर्ष्ट्री वार अर्थन स्तर्भन्तर प्रत्या एसर पर्वेश स्वाम प्रयोधी तार सर रेश से मुक्कि इस्स्रेयसर २ स वहर १ देश देश में भी से द्वा या विका या विका के साम देश महिता साम सिन्द करक्रेर लेर नर्। चरम वस्र्रिके केर मानर श्विष्ण पर केरे वा वे वा तर हिर से स्रिक् स्रित्व स्रित्व स्रित्व स्र भूतेरा असमग्रीनरमार्म् हीनस्वसारा द्राह्यसारस्यान्यान्यासारसे। छात्रस्वार्वारस्य कतारवा सर्वे लेकार ब्रिज्विय विवयमा सर्दर दे अने अस्वा अर्दे के के किर्मेदान 

सर्वेरच्यार ए है ए करा इक्कामण राष्ट्री सेर विमाना से कर्या की राष्ट्रीर ए मारा करिया

बाल्या की स्नेदान्याता क्ष्याचा करिये के स्थाप लादा वावणका विवादी रात विषय पाता ता ता ता के व

वक्रद्रशी वर्षियायायायायाया समायक्षेत्रभर म्यामार की अर्चेता । स्राप्तिदेश्यायम्

हैना.सी रिकार्या इत्या तारी करात्रा मेरात्रा केर्या तारा कार्य तारा रवा के दिर हिर रेपर मारा प्रमित्र के

(ARKMO \$5.4.75)

अरुवा । श्री वाश्वास्त्र (र्वेश्वास्त्र क्षेत्र क् भर्र गर्मस्त्री क्षसर्द्यस्त्रभर्द्रस्य वर्द्दस्य वर्द्दस्य वर्द्दस्य वर्षेत्र ब्रेट्स्स्रेर्स्स्रस्य वर्ष्य दरवार्यया। द्या वर्ष हिर्मेश्व स्युर्ग दरवार्य स्थार्य दर्भ दर्भ एक्रराम्बर्गार्रम् दरम्बर्गमा क्रराम्तुलया क्रेम्य्रम् मार्थिया मा देर्तर्णक्ष्येत्रत्क्र्यास्तरेर। गहेर्क्षयेत्रत्वेद्रत्यतेन । द्वातरे त्यरे तर्रदेने अवेदना र्दर्र्याणत्व्यद्वसी द्वसर्र्यम्भेते स्वार्थर्यात्रेते संस्थे मस्ति मस्ति स्वार्थर्ये सहित्रे सि क्षस्यादस्य विदेशवस्त्रेत्। सारास्य यास्य विदेशस्य स्त्रिया देदस्य यात्र विकासी विदेश सी सीत्यद्र मी दस्या त्यापाया त्याचिते द्रयराष्ट्र हेर् र्यो मार्ग्य दिर्यं यात्र हेर् का धीता प्रमा अभवत् ब्रेस्मायार्ग्य विद्या क्रिक्षा क्रिक्षा क्रिक्षा क्रिक्षा विद्या क्रम्यान्त्रमा देवसायराज्यात्वरत्वेतिमा नरारति वरात्वर् वरेत्या केरामा विवि स्तिस्त्रुत्यहेर्ष्यदा हर्याय्रारणवित्र्रक्ष्याया हैसा व्येरवाय्रे सरायात्रे वतिर्या निवतिस्त्रित्वर्रित्यर्। हिर्पकेष्वतित्र्रस्त्रुत्या हैमा त्राभयति देता त्र्वां वर्त्या स्रार्यक्षयां तर्द्वाप्येयां तर्द्वाप्येयां हर्त्या हिर्म्य व्यावित्रास्यायाय हेला हा यहेंती होर त्या के वर्त द्या इरमा वर्षा योग तहें तहें हो हर ने में भाग ति सुकर वहां वहां याञ्चिमा देतमा बदाया तर्वे यरिद्रमा हर्रसे स्ट्रास्ट्र र त्र्वे हेरा हेना स्ट्राहेत्र क्रिया चित्रा हर रोधिसस्य असुस्य वा देन ने ह धेरासुरेन सकेदा देके कुल में ते ब्रेन साम होना वृत्राचित्रसम्भाक्ताका में मार्थित्रे के वित्रमान्या मार्थित का वित्र स्वरास्त्र वित्र चर सर्देररे वर वें मही हेया एक वाय यह हो या वेर वि कर दर्देर दे धर ता से दर रावेरा क्तराज्या व्याद्र र दे ब्रीका विराया ए वेरिक वर दें र देवा वर वर विवी प्रया या देवा कर विराय विराय चत्रस्यस्य एसरे मृत्यर्रास्य तर्वा वर्षे वर्षे में भेव के नामे वर्षे स्थान सम्योगात्य वस्तेर्यमाक्तार्यत्रिवामात्रप्रदर्गर्भवायक्रमार्थेष्यर्वापर्व ह्मरायम ह्माविद्रप्रद दश्चेश्वयुषा तद्वा धरावादी मार्शेददर्शेदवाद्यादी मार्शे स्वादिना त्या है ते वी मार्से । देश्यद्वक्षित्वयावर देविदेश वानेविद्धां वानेविद्धां वानेविद्धाः वान्यत्वित्राची वानेविद्धाः वानेविद्धा ज्दुलाल्यासाल्यस्य त्रात्रस्या द्रम्यू सर्दे ता देरवार कृत्रस्य वारादेर हर्द्र वायाल पासर्भ धरगर्थे केरा स्रद्रियस्य स्रित्यस्य स्रित्यस्य स्रित्यस्य वार्षेत्रस्य वार्षेत्रस्य वार्षेत्रस्य स्रित्यस्य स्रिकेन म् संस्थित प्रतियान्। पर्वर अवस्तर म्हारा बार्ष्यत्र वार्ष्यत्र स्वा कियर्षा दर:सावत्वेतिसेवाना वारहेर सुद्धस्य पहिवास से धेर्र अवास वास्तरि से रेजेरता थे वे गमरस्रायक्षेत्र संस्थित स्वाम गर्भेत्र श्रे से देवेत्वा ते वे वास्त्र स्वास्त्र संस्थित से वास्त्र वास्त्र सं त्रितेवादत्र सेद्राता विद्रात्रीत्र वार्षे विद्रा द्र्या प्रत्याद्र विद्रा स्थिते द्र्या प्रत्ये स्थाप्त विद्रा अवस्थाता सर्वरस्थातकर्यकालस्रीत अरद्वेस्यास्त्वीसर्दिन् स्थातेत्र्यास्त्रस्थात्

12 = 591

क्रिया देरिक्रदेर्द्रवेषावाचायात्रात्राची रसेपावदायाव्याद्रात्राह्मेयाविवादा स्रामास्यात्वात्राव्यव्य य्याल्या देरसदेर्यं अवसर्वरल्या द्रिक्वं अवस्थितं स्त्रेर्या श्रेर्यार श्रेत्रेर विश्वा Folmoon द्यारवासकार्द्रर क्यानार करा करवा वश्वी स्वकार हिर्म क्या केक मूल स्वर्थ विकास येदा वेथानमुद्वराधी श्रुद्वर सुद्राही देर श्रास्त्र में द्वार से स्थान स्थान सुव्या स्थान क्रेयवाव्यात्र्यात्र्र्त्त्याये प्रत्येवाय्यात्त्र्य । ह्रोद्यायद्र्द्रिद्यायेद्र्यायायाः इ.रर.१ तुर.पर्वे.म्.एवर.जम.कर.ब्र्.क्रर.ज.पर्वे १५८२.सेर.ब्रेस्.र.म.वेर.जरा क्रे.ल्.जरवर्षेत्र क्ष्रावसावतः सुर्वात्वाये वासेवः इत्रित्ता स्वायस्य त्यास्य स्वायः वास्य स्वायः वास्य स्वायः वक्षाक्रय तस्य क्षेत्र क्षेत्र का त्या करका ते त्या क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष क्रियार्थस्यर्थित्यर्थित्रहेस्यात् हेस्यात् मेत्रस्यात्र्यात्र्यात्रस्य विष्ट्रस्य स्वर्धित्ययात्रस्य विष्ट्र अर्थेन हु तहोताची हुल में केत्में सर्थेन अनेरदेर देशिसतरें भी तह समु थेन अपना भार देर्देश्वराधरात्र्र्वस्यवयायात्रिक्र्यस्य चतित्र्यस्य चतित्र्यस्य स्वत्रिक्तरस्य वित्रावित्राया धि सर्वेति क्रीयुवर्भ सर्वे स्मेद्रत्य वे स्मृत्त्र दे दे तदेश हे ते सुष्ण स्मार्यद्व स्मृत्य विद्रह्दवगः र् भाषात्रकेदर वीद्यरदरक्षेत्रस्य सम्होर वी वसूत्रय त्यारी विदेर सेद भेद न सा सहस्य परिवर्ष भिष्यस्तिरियातिर्वात्यस्य तस्य वत्यदेस भेरा देशेतरदुरिये छेट्से से सम्बद्धा कृत्ये रे स्मर्योद्यकीरा क्रस्य यात्राय येती सुत्राद्य तिया तयात्र्यत्य देत्रे श्रुवाय केर श्रुवाय विशेष मुवियातिरिक्ताध्यात्या देव्यत्विया देव्यत्यतिरित्यात्रित्त्यात्रित्यात्रित्या अदर वद्द वद्दे तिर्वसं याववरा सेवाय की या सेवाय ल्या वासे ता तदेव की स्ता कर सुवापूर दे धरकै सीसर यञ्चरा देवकुल येंब्रिसेन्ब्र नक्केंद्रिया द्वार न्द्र द्वेश्वर केर हीरे बीद्यना अर्द्रश्रेक्तार्श्वत्स्रदेराव्वतावतार्भेश्रेश्रेश्रेश्वत्रवेश्वदेरवक्तारत्वात्रात्रां देतिव्यव्या यमत्त्रीर्श्वेस्त्रुवार्ष्ट्राय्यं क्षेत्र्या ये सुर्वा क्षेत्र्यं भीत्राय्ये क्षेत्र्या क्षेत्रं स्थानित स्थान वसा वेदर्गर थें तेश क्षेत्रेल एक्स र वेदे सूर्य मत्य केरे राम तिया लवस यक्षेत्रसा सूर्यकः मनिवहे द्रदरमञ्जरणद्रस्यत्युद्रस्यत्युद्रस्यते द्रद्रस्य अर्थे लालुद्रस्युत्रद्रद्यतः दर्यस्य वधी मुलेव मन्द्रमेन बेरेल दर्भ लेवा वरा खें बाल किया के कि का द्यर खें मारे वे के दिन के म् वार्यः ज्यान्यः वेशः र सर्वेवा रजातस्त्रेते रसुरपरक्विमम्मुहेवा सर्वरेभरेतिक्ता त्रूरण्या रेर्य्यूरेषक्तेर् यहवर्षयाच्याक्ष्मितानित्। देश्यरत्यात्रवास्त्रीत्रक्षेत्रवेश निकश्रक्षेत्रविश्वावात्र्रत्येगः रब्बागरेदा दर्दरदेशकेसता गतमन्त्रेत्रे गर्देद्वास्त्र क्षेत्रेत्र स्वास्त्र क्षेत्र स्वास्त्र क्षेत्र स्वास्त्र श्रेयदेश्चेर प्रवृद्धात्यस्था अग्यायस्यर्गे हारेरामि द्रेष्ट्रीरवीयय्य्यत्यस्थेरा स्वी यमार यक्त वात्रवास्त्री द्राप्ति वस्ति विश्वेत विश्वेत के विश्वेत का विश्वेत के वि दिरमदेशलेरपकिश्वरादेश अलग्नेत्यभूरेपह्यल्या वलिलेश्र्मिश्वर्मिरा अल्यक्रिर्दिर ग्रेभर.मे.जा पर्वेशमेपुर्वतर्जेशमूर्वात्त्रारा रभगापवृद्धायभ्यात्मात्राम्याता प्रदर्यास्याता स्वर्रयास्य

इ.ए.ब्रट्यप्रयोग्ना जिलातम् एवर्राकार्त्राकुर्यक्रियं क्रियोक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या इ.सेव.त.एक्व्यवालव्यातक्व्या चलक्षरेक्राकेर्त्यक्ष्रार्वे चल्यरेत्या दर्भवश्चिमवन्ता सद्तर्वेर नुषात्तेवश्चिमवन्दा द्वासेदरके द्युवागस्यदा द्यविषायात्तेर सुन्गस्मा न्या सेर्गावमहत्मस्त्र्रम् तुर्व स्त्राद्यार्याद्यार्येते स्वात्या वेदवेवालय्यस्य र्टर्रित्मूर्। बर्ज्य भ्रम्ब्र्ट्र्ला रमग्ने एर्मा प्रमान्य म्बर्धिय रहेगा श्रीरम्य रम्बर्ण मृत्याम् केथ्यरा वर्देरशुग्रसम्बन्धस्य असेरा कुरातहेत्रकृष्णेवतातहेत्रस्रदेरा देशेवकेष्णेरवेषः वसार्थेदा वार्षे वोत्राको वुद्कता वे त्याया वे वे त्यार्थक्षत्र के त्रीते त्याया का विषय विषय अ.इ.डी.वेंग्रेश.त.र्भ.तर्र करत्येत्र अ.इ.र्रे त कर्म राज्य प्रत्य प्राचित्र के अ.व.क. त्या श्रीर वावर हे हे विक्र रहर्भ लेंडी ह्यें महर वरी में निर्मा कर तहें। स्थान कर तहें। न्यसाम्यस्य तसास्य होरावे अत्राद्या हिला वे विराम स्वादस्य हिला से दे। अहे वर्षुवार्थितिवर्षेत्र मर्वे वर्षावर्षेत्र वर्षेत्र मर्पे द्रमा मरक्षेत्र स्वरी से वर्षा द्वर द्रीय सु भे वालप्य सार्या सेर्वे अर्वे अर्वे द्वाद्वसेर के दसा स्वेत्र से वास्वाय क्रियं क्रेक्स्त्राचिता स्रेतिसि स्रायो ग्रायम स्रेग्सा स्रेतिसि स्रेतिस ग्राय करते की या ग्रायत देश हो त र्श्वेतरो स्तिकृत में सक्त स्रेर स्था एर वस्त्र वास्ति से वास्त वार तहर है हा तरे हाल ल्यर चल्यान मालया नेमय स्थाय स्थाय स्थाय देश में देश में देश में माल्या स्थाय स्था स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स तमा सुरेत्यम् द्वेत्द्वेत्त्वमाते। सावत्रेत्व्यक्षियं त्व्यत्या सर्वे वायहेर्यक्षित्र वेव वावाया यतदेयदेयवेयता दूरण्यातस्तर्युगयेदेश दर्दरदेशकेयता वेत्रुद्रश्चरकृत्यते वृदा किलान् त्वापरेकर्ततपक्रेर्य स्ट्यूर्लिवंगक्री हं भूग ग्रीमा प्रवेश मूर्केरिक में त्देत्रगस्या विंदुरक्रियेत्ये यती सेत्वता वेर्द्रस्य व्रद्धा वेरस्य स्था वेरस्य स्था शर्ररावृद्धः म्र्स्र. व्रव्याचा वास्रर म्याचार्यक्षेत्रा वार्यव्यक्षेत्रा विरायम् वर्षा विरायम् वर्षात्रात्तः खयात्रद्र। यद्रदेर्द्रमूद्रमासंप्रदेश सन्त्रम् मेललक्षेत्रमात्द्री यत्तिकेद्रभ्यकुत्रह्रस्यल स्ट्रा इस्रा क्षेत्रक्षेत्रात्रक्षेत्रदास्त्रवानवान्त्र वदार्ग्यक्षेत्रका स्त्रिकार् ्टकृत्के त्या विस्त्त्वदेश्यापेते त्यासर्भाश्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्य देत्वसर्थः किल मुखा वायका कर यार मुखा अर निया कर श्रीय से वाय विराश हो हिर किया भीक्रानी सेर्म क्रियेश क्रियाला है या मार्थिय कर केर केर केर केर मार्थिय कर केर केर केर केर केर केर केर केर केर श्रुभ्यक्षेर्द्रसम्भा द्रमायमद्रमायते विद्यस्य विद्यस्य । द्रीयद्रस्य विद्यस्य । लेवा सास्त्रकृत्यक्षित्रक्षित्रक्षा योग्रेग्स्याग्रेयद्रस्यात्याव्यद्रशेषा क्रि वर्तवाक्षिवत्यसीविद्देशा द्रार्देशक्रद्रसीस्द्रमा द्रार्वेशक्रसीस्द्रमा देशवास्त्रसीस् स्तर्भ देश अन्यास्ररम् व्यास्या द्वा अर्हती वर्ष तय देश के वे वसका द्वेत्रेश्चर्यका सर्वे केसक्र मस्त्राका अद्भावस्था स्ट्रिक्स प्रकार स्वाम विद्रो स्ट्रिक् इ.उल्यं उड्ड्स.क.सूच रिज्ञें अस.इ.के.क.त्र.लुमा ए.अ.इ.यं.श्वा.क्रेर्के.लुपा लरे. १ देववे.क्य

्रिट्यास्ता रक्षात्रभारते स्वरायकार्या अर्रायकार्यात्रकार्यात्राया विद्यासार्वित्वेद्रेद्रद्र क्रिया मार्थः ज्ञानामार्था वे परम्युत्यत्त्व अपियाः तरम्यूरप्रमायुत्य सर्वे वृत्यम् दे तर्वस्य स्वाप्ते राज्यस्य स्व क्रारा अहाकितान् वितानान्त्री देपर्यात्रविवाविताव्यमा द्रमान्द्रयाचीतात्रह्रमान्दरी सह. यमें के सुर्व मद्रा देवक कुल मेलेरके ते होता के रहें में मेले के विद्युत्य के से के किया के राम के से किया के र 28991 स्रुवाला दरद्यर मृत्रुक्तिवास वद्वायदा देलद्वाका लेबद्वाका स्ति। हिस्यर सर्वेदलेब स्रामेरी दंदभ्रुक्तित्त्र्तितीतिवित्री दंद्वा हिंदध्रिरायभरभवाष्ट्री चराय्वास्त्रियाक्षेत्रवित्रा द्रिकिल जुरु वैराम तर खेराया कुमाराम्य मानक पानु ए बिराम ता वर्त्त के मान्निरंगर. 3 सेवादा, एड्रिंगभावण्यमावत्रभाद्यमाञ्चाद्वाभावार्यः सुर्विद्वद्दिमभायभक्ताय्रेशः एद्रयस्त र्दिष्या भ्रम्भाता स्थाप वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र में सेत्र में सेत्र में सेत्र में सेत्र में सेत्र यति दरव्यक्तियार्थे के वार्थे वार्थे तार्थे वार्थे तार्थे वार्थे के वार्थे के वार्थे के वार्थे के विद्या के वार्थे क यामरीमा स्वरास्त्र हुर। द्यमासी यामके रासक्षेत्र तार ते में सामा तो से सुरा कुलाई विद्वा क्रेबर्स्भक्षेत्रग्रमा देशकार्या के त्याच्या के व्यवस्था के व्यवस् स्वस्रेरास्त्रम्भावरस्रेरा वरीकर्त्रस्यायरमाभार्रस्यामस्यात्रस्या देरास्त्रमावरक्रिरा रिलालगार्त्र भारतमा कृताककरितिम्द्रा प्रत्यापमात्त्रेत्र्रास्यापमात्त्रेत्रास्याद्रामाह्याम्द्रास्य र्गर्यरेन त्रुम । भरक्ष्य स्थाय में क्विमार भावत्र्य तिलात्र भावता यात्र राहेन स्थान के इ.१. लरभरता मेशा इता रेते म्याता स्ताता माता या वाय वाय वाय क्या के कर देगरमान्यम् वर्षरायरे प्रमुक्षरायर्था क्रियह देति हैं। । भे स्वाधार्थाय वर्ष रात्यादेरी काजाकाजात्वरात्रात्रात्रात्रात्रेरी द्यायात्रात्रेत्रात्र्यात्रात्र सुवय्देश्यात्रात्रे वरता क्षित्रेत्रेचभक्षित्रभाष्टितेर्व्या रेक्षित्रविदेशेवरेत्रविदेशेवर्ता वनाववरात्वावार्ष्टित्रेत्रवा यवा देन्द्रकेंभन्ते वेविभाषा होता यवसह यह यह विषय भवता भवता देवा स्थाप या एक् वर्ने नर स्था र्यामामान ए एक् रिके क्रिया में के स्था महित के क्रिया है। ब्रियामा भवाकतःत्वा लालक्षेत्रत्ये म्या म्या नाम नाम करा के मारा में के मारा में मारा में मारा में मारा में मारा में मारा में मारा कर्रर से बस हैं ये न कर। राज है कर्रर विवास न करा वासेर वार्षे कर्र राह्य हैं दिवा हैं वि यवीर्रासेर व्यव वेर्त्येयम्दर्य स्ट्रियम्दर्य सद्या वाद्या वात्यवदर्दर्यस्य स्ट्रिस् वसावत्वरः अंभाया वैरमवर्षता क्षेत्रीवर्षत्र्वेत्र्यमात्रमा द्वरक्षणंत्र्युत्र्यमात्रात्र्वेत्र विरापराक्षेत्रावसा Tongs. स्वित्रत्या एड्लाकी वर्षे वर्षे नित्र वर्ते हैं। दुरसे वाध्यास विकित्त वा स्वाध्य प्रदेश द्वार थें। वस्याया वार्णवयातह वर्षेत्रप्रमेवस्या नेयसीस्यत्वेर्स्वययवा स्वाययप्र क्री के इस्या वार्त्य मार पहुर्व हेर प्रकार से भवते मार्ग में प्रमार के वी मार्ग देवी स्वापन Tong of Coral. वासेर सं सेर में तसरा वार्णेब म तहिंब हेर वासेर स्रायन्त्रसमा वासेर सी सुर्दि सर्वी वे द्वा द्यालअवितितु क्र. भरतकरा चल्यान एहर हर हर समान्यसा एविता की वक्र क्रामेर है. दरा देर्रद्रकेलवित्र्वेग्याल्व्या बर्द्वियाच्त्रियास्त्रियास्तर्दा ग्रम्भेर्यद्वियोद्यास्य

यते भेरा द्रावें कर बी अर विश्व विश्व विश्व विश्व के बी सत्य विश्व कर बी सत्य ।

वसक्रों सुम्स्येत्रेत्रत्र हैसहरवर्को वरसूर स्वामात्राध्यस्य त्रक्षिय्रेस्य पहुंबामा सिराहासका प्रदेश वर्षा स्वाम सिराय स्वाम सिरा पहुंबा वास सिराय स्वाम सिरा पहुंबा विमास सिरा परि रेरी क्रियमवलिरहरयीमधूर्यक्रिय रेपिरतकसम्मिन्नेस्मित्सम्पिरेसीन्स्सेर् हैवंस्। विरक्षितंस् जबुर्दरवय्या है विभित्य कार्यात्री क्रायायवार ज्याया परवास्यवा द्रात्वभन्नयम् क्रिंचत्वेरस्यक्रेर्क्यवायम्य केया केया स्थापन्न केया केया क्रिंच्या दरम्बस्य हिंद्यित्ये भेयुद्वास्य होता देतरा हाद्रवसुदस्य रेस्वरा त्वामे सुब्यावर अजीवरी शुर्हे पहुल्य भूत्रेत्र हा इर्जित्वी अंद्रक्षीया प्रमित्र मान्य रहे वाल कर्ति का कर्ति का कर्ति का कर् द्गर्भेर्भेर्स्स्स्स्यस्वायायात्वात्वात् येसस्यत्वस्त्रेर्भर्भ्ये स्वायवास्य स्वायवेत्रस्त्रे म्रद्भार विवासा देवसंद्रम्यास्त्र्वास्त्रास्त्रोदेस्या सङ्गात्वेतिववर वर्ष्ट्रास्त्रा देवसार्धः वस्र व्याप्तारा रातवदा वेसार वस्ता की सारे तर स्वाप्ता समाने वाद दे स्वाप्ता स्वाप्त है। स्वाप्ता स्वाप्ता स्व रीसक्षेद्रतिवा नरवासुन्नसाचे यन्त्रेद्र ेताता हिद्रमुखा त्यात्मस्रो सुद्रा त्यात्मस्रद्र वास्त्र तास्त्रं तियंस्ता तात्मा यत्रं वर्त्रसाम्य स्वामायररे स्राहर हिंद्वे व्याप्तर किए। स्त्रिन्द्रम्ययर्देनिरसिरस्र द्येवमा देनपूर्यदेशकाया देनपूर्यक्ष सरस्वर स्त्रेत्रेत्रवेर बुला लाजें वार्षे सायस्य वेर बुलाकुला से दे दूर स्तर वसा कृत्य थे ते व थे सु के क्या के स्वार्थ के स \* चेर्श्याभेवासंधर तेवायाधी त्याच्च्रात्स्ता व्यस्<del>य वर्श्वेत वेर्श्यात</del>ः सदरदेर त्य मान्यारेते त्युर्वसूत्र रोमा हार्रियार्य हा नात्यर सामान्य रत्य रेत्य र्वा विता सर नेरा देल व सेत चे वेर्द्यापापर्वेसर्वे भेर्द्रवास्थिर्द्यापर्ये वर्दरस्रेवस् स्ट्रेर्वावस्य परित्यामा वर्दर्या भे द्भार्भ्या व्यविष्या । विस्वास्या यस स्रेन्ये ये प्राया ही विराया स्रोदे दे श्रुण वस हित त्तरवस्त्र हराये देर्दा कृता चेते जीवायमाल्य वृत्ता वार्वे कृता चेता चेता वार्या स्वाय स्वाय स्वाय हिर्नेर्जिर वर्षेर वर्ष प्रज्ञा कर दर्भेषय विवस्य एक द्रार्भेर कर मधिव स्विव स्वाप्त हुर वर्षेर यक्षीरवीस्रासर्देश देनस्वरयद्भाष्ट्रीसात्यवीद्वादेररे हो जिए स्रासी धीत्रवर्वा से अंभावस्थास्यार्द्रवायसार्याद्र्यद्रद्रद्रस्यस्य विद्राक्षेत्रस्य नेराद्यत्यत्त्र्युं से से स्वा स्थान्य राश्चा सीर्यं कीया स्थान स्थान द्रिया स्थान स् रियम्बर्गिया हर्ना स्ट्राम्या रिस्तियात्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वरहर शहूनामा द्वर क्षत्रम हिन्दु कुर्वेद रक्षामा देश हिर से देश से देश भेर यह स्वरहर के देश हैं श्चेत्रकेरा त्रम्भायद्रभद्रत्त्यद्भ स्वामावद्रत्याष्ट्रप्रदूर्भ वार्षेव्याय्यायक्ष्यम् नेया लेंगवसालर ले नर्द्वीरदस्रो अद्विस्कृतक्ष्यक्ष्यसम्भा हीर प्रति देरे हिर वी दगर भें याभव विस्कृतवार्वि के स्थाने व न तर् हेर केर हो त्य हो पर व स्थार पत वर्ष द्वायस्य त्वातः द्वावा व्यवसाद्य संसे द्वाय द्वाय द्वाय द्वाय द्वाय द्वाय व्यव शुर्भक्षेत्रास्य रत्त्यभ्रत्रत्स्यभ्रत्यभ्रमभ्रमभक्ष्यस्य स्वर्धन्त्रम् द्वर्भन्त्रम् द्वर्भन्त्रम् यार्द्धश्रकेत्रित्वत्या न्यतिमहिन्द्राक्षत्राक्षत्रेत्राक्षत्राक्षत्राक्षत्राक्षत्राक्षत्राक्षत्राक्षत्राक्षत्र

विक्रहिश्यार एके मेर्यर तथा। द्वा स्टिरेक्टर्को राष्ट्रिया विवया वा हिवास विक्रा साथ स्त्र केरा ह्यं.शपु.पियातश्चित्रं कूर्यं केंद्र। क्यायत्म्ययाता पर्ताता यात्रात्रक्षिक कर्या कुर्ता है। सेंत्रा न यायमान्त्रः क्षेर्याया महिवास्यार्थर वर्षात्रेर श्रुस्या वित्रे मेर्यारह द्वार वाष्ट्रा हिर्द्र दर्दावरीय में सुदेदाय विद्यादिया द्रमत्वित्रे तद्रामायका सेवर्देत्र येवस्टिके वसारितक्री तपु सेवसार्वेतर्य में तार वर्षेत्रत्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत् द्वणकार्द्यः वसार्वेद्रः इसार्व्यामार्द्रः हुमः वस्त्रः हुमः वहेद्रः स्व अत्याद्वः स्व वहित्रः स्व विद्याः स्व र्रास्त्रास्यस्य अद्वार्तिस्य मुद्दाद्वरस्य स्था वार्यवा वितिक्षा स्थित्वर्य भेद्रविष्य विदेशवाय पं. ७३,५०। एकुण द्या व्रिस्ट वराज ब्रिस नमा किर एक्ट बिक कुम स्ट्रिक्यम तम स्त्रित जानवः स्यम्बर्टरा र्युम्बर्क्र्रस्यर्यात्व स्मात्वास्यस्यस्यात्वात्यात्वात्रस्यात्वात्रस्यात्वात्रस्यात्वात् इरएड्रिगमान्द्रस्य होरा हिर्वेरविषाद्रमरक्षर्रे श्रेव्येरक्षण मुद्रद्र्राणरस्र्रक्षर म्पार्यर्भेत्रुक्रारत्वेर्त्त्रेरा कृषायांकेत्रयां योगायायायात्राव्यतः तक्षेता राज्याहिर्द्रारवासुर यतिर्यत्रेर्त्यवेशत्तर्तत्वेर विद्यात्त्रित्तर् क्षेत्रवेर्त्रत्र्त्तेत्वात्रक्ष्यं क्षेत्र वर्तित्यामहिंग्यास् श्वर वीहेश्यार ग्रद्शायद्वा । द्वाता में श्वरवर्षी । वर्ष्या यह त्या थे る वरद्वसार्थायेवसार्थे स्रूद्धेर्याचीरायरेपातुसहरद्वीकातत् केरत्वा यदा कृतारेति बुवसः ल्य चार्यक्षेत्र राज्य व्याचित्र क्षेत्र क् यान्यस्थित्रे राम्यादव्युत्रय्याच्याय्ये भारतेता हुलाने स्थायावान हेना भेवा विकास केरित्यु व त्ररामेरिक्या अर्थरवर्त्या वर्ष्य विरावसाकी तरेवि केरा केरा क्षेत्र मेरिस्सिर सिर्केश कुमा स्वाद दारा में त्यापादर काम स्वाद र कर्त्रा स्वाद के ने माने के स्वाद का स्वाद र माने के स्वाद र माने के स योर्देवना वरदेर यह भरेर दे देवे स्टूर्यू र ने स्टूर्यू देवे के स्टूर्य के साम का स्टूर्य से हैं से से देव के द 52/3/ शिक्षेर्र्यार्थेवा गरेराव्या मेर्द्राव्या मेर्ने हिर्देश्वा सेर्जे का श्रेमिर्टि केय्रे केय्रे अर्वे लाजेवा त हिर यो सुरदरमा की दूरके व को कृषावस हिरद्य का विदिद्य अर सेद की र सेवि यो के वास स्वत्स्तर अत्येवकृते व्येवक्ता श्री मुद्दार्यर पर त्यर स्वर स्वर स्वर के विकास के विकास के स्वर के विकास के स्वर के स्वर त्येरकालान्द्ररा कातालालान्यान्यान्त्रान्त्रा कात्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम् 669 यर हे विचेर अर अड़िवक केवग मेर सतरे रूपरे अरमेरा मेरे प्राणक्ता कर कार कार है। स्रीर ने ब्राह्म में बाधवास नेरा सूत्रा ने ब्राह्म स्थान त्री क्रूर्रररर्भ्याम्भाना हिरासम्बर्गान्यास्त्रभावता विक्रामार्थ्यभागाने लर् श्रेश्वत्रामित्रात्रेरात्रेरात्रेरात्रेरात्रे स्वापनादर केत्रस्यास्यास्य देवे अर्थन्त्र देवे अर्थन्त्र चर्याकारा सामाना कर्षा करा करा करा करा करा करा है। वाहर सामाना करा करा है। करा करा करा करा करा करा करा करा करा

न्द्रक्तिक्षित्रम् विद्रम् त्या द्राद्यम् या त्यामायस्य ते द्यास्य स्वत्यामाय त्यामायस्य त्यामायस्य त्यामायस्य क दिशाम महिल्ली हैं ए स्वाय के किया है। दिन हैं दिन हैं दिन हैं दिन हैं हैं दिन हैं के कि कि कि कि गित्राक्षेत्रभूको होत्। में कुण धेरे प्यार्थ्य में ग्राश्वार्थे वा ग्राश्वार्थे वा में किया ये स्थान स्थान स्थान द्वास्थित्वास केर्द्व नहें भेदा द्देश के अर्थन्द्र करणा स्वरे होद्द्य वा स्वर्क्त रही न्याद्वाय वा स् अ.च्रि.प्नी.कि करेरद्रवेरवणवपुत्रीव.ए.एच्याका क्रुप्रेरे.विवस्र्रेरक्षेत्रवित्र प्रत्येरत्र्ये त्र द्यत्वा यत् सर तक्ष्मणक्षेत्र कृष्णम्य वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र रमार्ह्यात्रुत्रीरायाक्वीयात्रुत्रा रख्यायात्र्यायात्रहरतात्रुव रिस्तायात्रीयात्रात्रात्र्या मार्श्वमा दसर्यान यतुः स्रामा क्रियान का का मार्थिस त्यामा विकारियान पर्देर् वहें अप्तर् वार्शमा देश ब्रुव्ह्रस्थ हिन्दात्रा द्वेवस्थ के स्वेव के द्वेव ता पर्वा सीता बी वधु पु मरेवे मानी एहुया बदर्व इत् मध्यमानी मान पर्ता वधुर हैसा मंद्री निव् विकार की अर्थेदा दे क्षेत्रेद हिंब हैं का विकास की अर्थेद रिष्य सुवया की से अविका श्रद्धाः द्वार्या केता केता का वारास्य विवाय क्रिक्त हर्मा स्वाय के विवाय क म् वितिस्य का वित्र के से हिरा देरित् स्र हिरो हो रेस से कि की किया के से बेर के देश देश स्वास र्भेट रे हीर्द्रम्य मुद्देश श्रीम कुरसाद्या मर्थेट रे एट्ट से हार्च ने मार्थ हार्य महित्या भीव नेत्र श्रीद्येत यात्रीमा यात्र्यस्य यात्र द्याद्याद्यादर से हते सेद्र त्येत्र वेता दर हा भीद्रेयाता हमविष्ट्राध्याद्येवध्येवै। मृत्यु एम्प्यादेरयादीस्थ्याध्येवप्याद्यक्रमाध्येवप्यावमाध्ये ।देसवः म्लेवपु श्चरत्रेर्य्वासर्शाः धेतः वेरा कृताये वास्त्रस्या देवरको देवे वार्रः त्येव यर्वेव खर् मेर्भमा होरद्यमाइक्षः स्राय्यवतः सत्तेद्रत्वित् वास्त्र्यद्वायेद्र्याद्वायेद्रम् वाद्र्याह्याद्वा र्व्वास्त्रर्भेरस्यर्थ्यास्त्राचीस्त्रिक्षात्रवा वासुरम्यते यमरेम् वृत्त्यास्त्रेवस्त्रत्रे त्याते वास्त्रवास गरभर से द्यार रहीत सुरादर ता गर्ने ग्रामक होता तहेंद्य प्या होर हो तह वसूर हैया कृत्यम् तेश्वर्रत्ते त्रास्त्रस्य स्रास्त्रस्य स्राप्त्रस्य स्राप्त्रस्य स्राप्त्रस्य वास्त्रस्य वास्त्रस्य स् संवयमान्यास्यास्य स्वास्यादरवास्य यदे वर्षिवास्य स्वाहर्मा स्वास्य वास्य वास्य वास्य अवरावेक्षाविक्राम्यावाम्यावेत्रा देहिलकिव्यिक्षेत्रात्रवयामानमद्रात्तवयात्रीरामाद्राक्ष रेल्येर्जिया दरमेर्त्वरव्रियरियर्वत्व्वत्वर्थात्या वर्ष्ट्रे केरिर्व्या क्या व्यवत्यावीत्राप्रत्याव्यावर्थित्रम् व्यवप्रत्यात्रेयात्रेयात्रे सेवयात्रेयात्रेयात्राची ... द्भुवायमार्नेद्रस्तिद्युत्पद्येस्माकेर्भेद्र्यतिर्द्धेवस्य विवस्त्रुप्तस्यम्बर्द्यस्य विविधस्य देर यस अरवरवरा अवस्य सुन्युः ध्वाति वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे स्थार में क्वा श्रीर वर्षः बाल्य्येये शुक्रीयवर्द् र रवेबाया नामा दिकार्वे देवता सरकार्या विश्व विश्व महत्त्र विश्व हता । भरतक्ष्मक्रूरकेटहान् से तास्त्रित्रकार्याक स्रोतिक के त्रिक क्षेत्रकार्याक स्रोतिक स्रोतिक स्रोतिक स्रोतिक स्र देन सुदिक्षेत्र वृद्यमा हीरद्य तयद्द्व देन देन स्ति दूर्द तद्या कृत ये प्याप्त स्वरास्त्र करा याने यु रेरेस्ट्रिं द्रभर त्ये यु की करर त्य श्रुवी देर की दूर देर त्ये तरेंद हो सर्वे मा वासुरस्य स्था से

る式例

2 मुक

3 4 7 7 3

408m)=

अत्रयत्वर्रिक्षे अभ्यत्भेरत्भवेर् स्ते व्राप्त स्त्रे के त्रा से के के विद्या होता हिता होती दूर दे ये व व्राप कार्रयार्ज्यान्त्रेयात्र्यात्राच्यात्राच्या द्वामा द्वामान्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या त्रश्रीका आधारिक के वर्ष तर्ति ही सेरालर हिरा वाया लात्या विता में सेरावव ही हैराल के दिर केर्द्रा अवस्थाद्रसुर्गे हेमवद्गवस्वस्तुर तहेन्य यान्तु केर्यद्वयावद्गान्य स्थाने द्राके अवन् चर.एर्च.मध्याप्राथात्राक्रीर सेवस.र्र.क्यात्रुध्सेचर.क्याक्ष्यंत्रस्यात्रा क्यात्राकर ज्यमन्त्रा विर्द्धः द्यारायवह सरात्वा नेम्यू स्वाम्य स्वर्ष स्वाम्य अहत्य स्वर् म्रमायतिस्ताक्षिमात्रेमार्द्रमार्द्रमार्द्रमात्त्रमात्त्रमात्त्रमात्त्रमात्त्रमात्त्रमात्त्रमात्त्रमात्त्रमात् वसक्तायसमा व्यादसमा व्यादस्य देशकात्वयः के व त्रात्यासमा विवाद्याय ह्यरक्षेत्रे त्यम्दर्द्द्र्यपतिमारमे अरम्भा देव्यते श्रीरद्वित्य में द्र्द्रियो स्वर्थन विश्व हिर्म हेरा द्यत्वद्रमालवस्य स्थायमा विश्व मे निम्सुनिस्द्वस्य मेर्द्रकर् वर्रादेशेदायम्यवेद्यानीता व्राष्ट्रदेण्यम् श्राद्येत्रविम्हात्स्य श्रेयापाद्या स्राये पर्डम्यारी होरके हेर्जर बर्ड होर होर होर होर होर का वा ने स्थान होता हा ली वा पर होर ने वा दर देश होन वस अर्द्भेन रादरहाने भेरा दे विह्रावीम द्वान त्वाम त्ये व व व परि के के निका वर्रकुल बीस्यूवासयरे स्मासूर्कर वाहर्स असे खे विवादवर रे हिरा इस्त्वि रामा केवरे हिरा सुवर्रव्याय विकामितेयर व्याया श्रेषा हिर्देश महित्वेच अन्यातरे ब्रुवयाधीया दग्राके त्युक्त वासव केर्द्रके या स्वाय क्षुवा वित्रावण स्था द्वा स्रक्षेत्राक्षेर्ध्वात वृवादी स्वयात्य्यरक्षतात्वयभागक्षेत्रभगत्वित्रात्राक्ष्यात्राक्ष्यात्राक्ष्यात्राक्ष्या र्रेश पर्त्र गरा है। के में में पर्ति के से गर्म और प्रेर है से में से में से में से में से में में में में में सेर्वेटे तर्वेस तर्वेद हि ते तो राम्सवर्वेद्गरहसे वहरा वेदगर खु श्रु देरे देरी वार्यव्यय र्वेद्यरह्ये वहा विद्यरक्षेणभूरेरेरी स्वायवायम हिस्रेरवेद्या श्वायकेव्यायेरकेष्येर स्यायायाय्वक्रिक्षेरत्त्रेत्वा वक्ष्वसारम्बर्धराद्याक्षरहुवा रेप्रक्रवत्त्वातास्या वाहेरः क्रे बाह्य का दें दें कर कर बाद्या कर केंग्रिया करायी वाहें के कार्यों के कर है। देश में लेंग रबाबिका एवरा कुरविकासाम्य पात्ररस्का मुरी अज्ञावरा मुरिवार्श्वास्त्र प्रवास्त्र विकास अर अभावाद पर्या अने किया त्राप्त अव्या प्राप्त किया वार्त केरत्य व स्वास्त्र भावता स्वास्त्र भावता स्वास्त्र भ रुक्षा श्वा तर्ता । इत्या द्वेत के अर्थे त्या के वा वा कर है द्वा त्या त्या के वा ति त्य वा विकास एक्रम्बिक पर्वा शिवार बाइर की भी का पालेरी एत्यास वहा देवा वा ईवा देवी खेव या अवत्यस्य व्याप्त्र विद्यालस्य विद्यालस्य वित्रहेलः ताः मेत्र विक्राव्यक्तस्य विद्यान्ते स्रदर्द्या भिभार्भेरवस्र त्युरा देभ्या हित्याद्य र में हिंदी वयावत से भिसावनार विरक्त्वा। चरश्रद्रद्रश्रुश्राध्याद्वश्रक्त । स्यावितकेत्यत्रः त्रेद्रश्रेक्त । द्रार्यते स्थाया वित्र क्रिमा दिनार चेति देशासदेश्व स्वाद्य क्रिमा विश्व चित्र चित्

प्याचित्रवहरमा रत्याचत्र भर्तस्य स्वाचित्रस्य स्वाचित्रस्य मान्त्रस्य स्वाचित्रस्य स्वाचित्रस्य स्वाचित्रस्य स नरसर्वा अपर्रेत की सार बीस सार किर्देश बीद कर के महिला की कि महिला की कि महिला सार का बी कि कि से वास वर स्रीता व्हरद्यमाई सत्हें ब्रायस्य ार्द्रत्ति तर्से प्राप्ते वरित्रा वर्षे क्राय देखना यर दर तरस वस हत्रवना से व स्वार से देखें विका देश विका विका विका के विका के विका के विका के विका के विका प्रमुख्येय्येय्न्त्वः स्विन्यते वित्वते वित्वते वित्वते क्षेत्रे क्षेत्रे क्षेत्रे क्षेत्रे क्षेत्रे क्षेत्रे क स्रोते प्रसम्भवाक्षेत्र स्वर्थे प्रस्ते प्रका तस्य प्रमार किर श्रेकारे करें वे मैर्यं रे मुख्या है है विविधिया भेर विधाय सेर विधाय केर के के कि स्था केर के के कि साम केर के के कि साम केर के के कि साम केर के कि साम कि साम के कि साम के कि साम कि साम के कि साम के कि साम के कि साम चरुत्राक्षेत्रेत्राक्ष्य्याच्या व्यायमार्बेर्यद्राद्यात्यवा व्यायमा त्व्या वेदावेदावमा होरायद्वेभाग्रेभावक्ष्मप्याम् मेवेवाहेभामार्वे मान्यावेवाहेभान्याव्या वेद्या कृत्ययेक्षेद्रवत्रकृत्वम्यस्वयमा द्रद्रण्यक्षेत्रक्तरेकै त्यक्ष्यक्षेत्र द्र्रद्रवे व्यद्येवेत्र दमतः वर्रेर, दुरवा द्रुवार सर्वे ब्रायवा स्मार हुर्वार विकास श्रेरके। यनव्या श्रुरमा द्यारके विश्वरवक्षप्रदर्श्यके हत्यवाध्यक्षरञ्चर र्वित्रेभवुर्यसा पृरस्भेवसङ्गार्श्वभक्तः विरक्षित्वस्तर्येव वस्तर्ये वस्त्रे वस्त्रे वस्त्रे भरभरवन्नवस्यस्व्यवस्रित् होरद्भवत्रस्यस्येहात्स्यक्ष्यक्ष्यस्य नभाशे,रूश,नर्भार्त्रीर्द्धवारे,वैद्वार्यक्षात्मित्रा,व्याः क्षेत्राक्ष्यं म्याः न्याः न्याः म्याः श्रीस्याः प्र रर्दिक्षाक्ष्रिमान्त्री वर्षावे वर्षा वर्षा कर्ति वर्षा वर्षा कर्ति कर्त्रीत कर्त्र प्रमार्थित वर्षा वर्षा वर्षा देख्यायरदरायरसवस्य सुत्देख्यस्यास्य क्रांभिष्टे देते हैं। ११में स्वाधाना शलरेरा खाललानेरालकोरेरा त्यापराहेबनावया शर्मर्यो होवा सरमहेबना म्रे.च.म.म्रेमा म्राह्मा मारामहित्यामे प्राह्मा में मारामा में में वार्ष कर्षेत्र कर्षेत्र कर्षेत्र कर्षेत्र क क्तंत्रक्षात्रविरञ्जान्त्री कार्त्यात्रेर्ध्यात्रस्त्रीरार्द्रा स्वाचार्त्यात्रेरानुस्त्रेत्रीता द्यताचा वण क्रियंश्रक्षरारेके। में क्रेरिकेंबाला करेंग रमेराई जिल्ला के बाव में रेने में रेनेराई है क्रिज्या देशकालीवा द्युरळेद्विकेद्वार्थि। होद्वा व्यवस्थातदेवात्वेयार्था क्षेत्रस्थ ररःप्रेर्व्यातर्रेर्धिरा श्रीरःविद्यस्थानाः भे श्रीसः कृता तर्येवः वसः तर्यवः तत्रेवः कार्ल्यः ता वर्वास्तिः स्रेत्राद्वरातित्रास्ति वर्षातर्दिक्षा द्वावनायदेश्वीद्रिद्वार्यस्ति स्था तद्वायक्षेत्रा अञ्चारमिराम्र्राद्रात्रार्द्राकरा मुच्या वैध्यार विद्यात्रात्या भरकेवा । तर्वा वस्त्रा स्राह्म अ.म्.किरतिराधिशाधिशा स्तिरिवरिकम्प्रिक्रियाम् स्तित्वा स्तित्वा स्तित्वा स्तित्वा स्तित्वा न्तरभरम् मुझे रिश्वा पर्दे क्र्येये क्रियार्थ क्रियेर्थ क्रियार्थ क्रियेर्थ क्रियार्थ क्रियार्थ क्रियार्थ क्रियार्थ क्रियार्थ क्रियार्थ क्रियार्थ क्रियार्थ क्रियार्थ क्रिये दमपःस्रद्राक्षास्त्रेव यह तो स्पेवा स्वेव स्वेत्स्रिक्षा से ता से विकास मही के या नि र्यास्त्रा अक्रुनिमानते र्वेद्यान्य क्रिया स्थानिक स्थ यती के यहे वस्था ता व्या देने या वाय के द्वार या ते के वाय के द्वार के वाय के देने हिरा के देने हैं दर्भ

1 291

222521

30gr.

54591

क्षे.यवेत्र

हिरा श्रीर में रिस्य वर्रिय पर्वे विश्वासी हिर्दिश में नरिया मुल्ये कर कर्ण ख्री आवरक र्देश होता दिरद होरम भे वर्ष में किल क्रिंग क्रार क्रिंग होता काह क्रिंग क्रिंग होर में देश द्रभार्याद्राक्षित्राश्चरमात्राः किरभ्राश्चमात्री राषमावित्रकिरमूर्वेत्मार क्र्यावमानार क्रिया क्र्याक्ष विग रुभवाता तरि हार्स्य स्था क्रियारिये ही ।।रेशे हाराना शामारेदा आताता ण लेर्द्रेर्वेये। ह्यु लेव यहें वर्वेते विहेर लेवा हें वार्वेते विहेर के लेवहा म्रायकी सेर्य चिराताला देवकार्रवर्द्धवास्वावसा चिर्ठेते दर्देशक्षेत्रावा दर्द्ध्यात्रेयाता दर्द्ध्यात्रेयात्राक्ष्यात्रात्रकर्दा मार्ववा वे वेर बिता क्षेत्री से वार्य वे तक तर्य राज्य के के विता कि वार्य वार वार्य व नेरतेगाप्यशक्तियां वार्ववि तहिरत्वत्यत्यत्ये येवा येत्रह्रूर्यतहिर्देश्वरायेवा वेरा भ्रामित्रकेर्मे मेर्र केर्ने मेर्र विकाल केर्ने नुरा लेश इंडर्यर कुर्वे रूप कुंश हुरी संस्रित्म बर्श कुरा कुर्य ए. जिरमाह, जनार मधा कु क्रिया रम्याविद्धार्यर रमेरक्ष्रियमायाता । क्रियं क्रियं क्ष्यं क्ष्यं विद्या प्रदेश रहित्य स्था श्राणक्षीत्रकारानेता क्रियात क्रियात क्रियात हो तहिता क्रिकें क्रिकें क्रिकें क्रिकें क्रिकें क्रिकें क्रिकें म्, ७. ट्रेंग एकेर एकेरररा अस्व कुँव कुंग म्, वर् गर्म गरी क्रियेर क्र का क्री मार्थ वा मार्थ । रख्यातरकर्त्वारविर वी भे हिंबारी। एकमलेंग्रंभी लेंग्याकेरूपा स्वाव ह्या वार्थी ही त्यावासर दे। देण लेंदर्या लेंद्र वाही राजा विद्दे के के देन ते के देन वाही ता वाह के तक की वाही वाही के वाही के वाही के र्द्ध के वार विवासित ने वा के अधिकेर के वा विवासित ने वा देश के राम ति से देश वाह देश तक अविवःणभः श्वरः ववः ववः तकेरा वारः सेर्वे वतः र्वारे विवे ता। तिर्वा वावः वेरः पति तह वास्त्रः श्रवाभादेशका विश्व के से दी ध्रवदेश विद्या देश दूर में स्ट्रेस स्ट्रिक धरे दर भूता दे । विवा भन्नराह्मा हराग्रामा करावरावराह्मा क्रिया हिर्शिर्णर्भात्मा द्राराक्षेत्र केवा क्रिया हिर्शिर्भात्मा मिलकी ख्यासन्तरी चालवालार्काम क्षेत्रणा चानवरने यते मुक्तिस्ति विश्वामेर स्वार् यय भेषा गण्यार यत्रिक्ष्याय स्वार स्वार स्वार स्वार हरे श्रेयापर या रहेर श्रेयापर या रहेर से नेदा रेक केर्य ते हीर नुक्या रमत रेका कीरत करेरे या बिदा वहिन मरेका बना केरी कु यान्त्र नेता रेके लिया बेट्से जार्या श्रिक्त या प्राप्त या केत्र व्याप्त स्ति व्याप्त स्ति हो स्ति हो या विवाद बराता वि.का.तुर छितुर्धातार ती बार्षवक्तर वरत्र के छुता का क्रांतुर की रहे छैते पर्याः हिरमे स्वीत्या राखर परित विवादित करिया में विवादित स्वीत परित स्वीत स लुवा कुभ बुर हुर र श्वाम नम बुर रमण वर्र सुरा कर रामरण सूव भर्र र वासर हिर यते अञ्चर्ति दर् स्र स्र विश्व विश्व के स्र के स्र के स्य के स्य के स्य के स्र विश्व के स्र विश्व के स्य के स् व्युर्य विर्यत्याक्षे वयस्य वयस्य वयस्य विरायकी विरायकी मुन्न विरायकी मित्रा विरायकी मित्र विरायकी म इ. त्यु. ब्रीमा रहन्त्र. क्षेत्रमा रह एक्षेर. बेणा मध्या विचा त्या एक्ष्र सेणा क्षेत्र मार ए विचा

हास्या का क्षित्रात क्षित्र क्षित् यक्षक्रद्रीत स्रिदेश्कणम्द्रियात्रुम्तरेश्चित्र स्रित्र्यत्रेशस्त्र स्रित्रेद्रम् स्रित्रेद्रम् स्रित्रेद्रम् विमालप्रक्रमा यस्य वर्षेत्र देन्यर्क्षमा द्वार्षित लिया ते स्वर्धित विस्तर्भ के स्वर्धित विस्तर्भ के स्वर्धित संभीद्रवाध्यर्पर्स्याष्ट्रीर्वरपुर्भरक्षेत्रा वालुः भेत्र्य्याद्राः विवा विवाधिकावाविकावाविकावाविकार्याः वि. त्रीत्रदर्शिणाता पर्क्वाक्षरं में विकासर नियम् कर मान्य क्षेत्रं मान्य क्षेत्रं स्वतं क्षेत्रं स्वतं क्षेत्रं स्व स्रोदा अवसादेत्रसीण वृत्यारीद्यात वर्षा वास्त्रा क्रायदेत त्वेता तर्द्वर व्याप दे से व्या वशास्त्रीर् रमपन्द्रश्वस्थात्रीर्द्रमान्त्रीद्रमान्त्रयास्त्राम्यान्त्रमान्त्रयास्त्राच्याः भक्रियायमा यमन् स्राची रेपरा में यो रेपरा में क्रिमारद्रिया यस्रिया के द्रामारदा वेयदा वी वो वारा यस सास्त्रे द्राय सामित्र वी दे ने सामित्र यस सुन क्षेत्र्राभीते देहिमार्कात्वर विकास कार्यात्य कार्यात्य कार्यात्य कि में देर देव विकास कार्यात्य विकास कार्यात्य मुर्भर बधर वसर स्था समर देवा भार रिवास मारा स्वास मारा महागर सार मिर्वा की देवर या बीतामा नार भरतका मास्य अपने या बुरायमा में तर्वे आक्रिया में तरे हों नेर विता दे त्या यरदर लद्यक्षेत्रद्रिय वर्ष्यद्वर्ष विष्या विष्या हिर्गा है । वर्ष क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वर्षा क्षेत् स्र अधेर भर से अर्थे अर्थे अर्थे अर्थर हैर यस से अर्थ के लिर लिर तर्र तर्र हैं ये यें रूप ये रे के विश्व विश्व पर्तेषुकाश्वरक्षेत्रवक्षाश्चरात्रभी पर्वश्चरात्रक्षा रमप्तालका ग्रविता श्ची ग्वर्टर वार य प्राया नका मुंद्रा अवरा दत्ता तार्रा देर वेर वेषा यात्रे का ही तव यात्र विका हैर वेर देवका सरमारवक्तरवन्त्रवा वा केया त्रिरभी वह मारके राज्य विकास के मार्थर यथा। द्रमतक्ष्यामास्यस्य विष्युभे विष्युक्षेत्रे देत्र द्रमत्य युद्धिकास्य विष्या स्रायमा में में वाद्रा तस्याद्रायना वाले विष्याते होते स्राय में विष्या स्राय में द्वातःत्रभार्यमतः वर्द्राक्षीर्यः वज्ञवास्वाक्षेत्रः भाकाक्षेत्रः वर्द्धद्रा त्य्वभाते सार्यकः न निष्या निर्मातिक के मित्र मि [यातीर:विदायते पक्केर्जिरखारवाकी पर्वेवा कितारवारप्येवाकी अया अअपने अविकेरधेर अववन्। द्भारह्रिकामार्स्या रिकार्, य्यानाराह्मार्स्यास्त्रिक्तान्त्राम्बर्गात्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रा क्रिमामद्रभारते पर्दे पर्दे में में द्रेति तीर क्रिके ये वते तिराम द्रेति सुरामें तर्पर्वे मार्थि द्रेति ं यक सम्या छित्रकरा। रमण चर्रम् स्थालम् मास्ये सार्थित मास्ये सार्थित स्थाले सार्थित स्थाले सार्थित कुः भेवसुंग देते यम विर्वाविकायका विकार्विके मादरा मार्के स्वेद् नकार्वे राज्य या विर विषर्भातमा दमरादर्रावाधवर्षम्यरम् विषर्द्यात्रेरद्यात्वेरद्रे मामास्मानमा किर्णाम्येर ल्रार्ट्स केरा किल्ल्य मस्राच्या देवसाहेर्द्र सर्त्वेयरेयते हित्यस्य केर्ल्या होत्येर त्या केर् भेरा अव्हरभ्यम् क्रेविये एके र बुर्यर्य रहे से अवमवय्य कर त्या सर्वा वा के वक्षेत्र यह र शुरा र्विरत्भवाश्वी के वसे स्था नया र्विर्यंत्र श्री स्था श्री स्था र्युर श्री र श्री वायो व्यविवायो 10001

22/201

2301.21

4 244

500 AUI

6 AEOU

रेकुल स्

एर्रे भे त्ये अवभा हाभी त्रामा क्रिय क्रिय केरा देवा देवा हो पर वस हो रस्त्र में स्था स्था करा स्थर शुरा द्वावायार्रा वीराम वाश्वाक्ष्रकृतकृत्वे ति किरादे किया वासे वासे ता विदा दम बार्द्रमान्त्री वरत्वका वामुर की बाली विवादे ने बीरमा देश में मार्ट्रमान देश मानुर वर्त के वास वर्द्रमान वर क्रिला लाव इरवसा विराधिमा गर्नर स्था खिराता, पर्रावेश क्रिला के वस्त्र क्रिया किरावाली. अ. इर्यक्रिंग होया । क्रांतरम्याम् स्यायस्यान्त्रेमा देयाया त्यायहीयद्वास्यान्त्रियायानी द्व्रास्य रात्रां वायातात्व्रां समारीत्रेया तद्या वारवद्वायात्रा स्वेर चेराव्या होत् वृत्या व्याप क्षेत्र चेरा व्रशिताक्रिमानीमाना ध्रुरम्भानित्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त् विरदासि होराय देवात्व वर्षात्र मार्थेदामाध्येवार्यः देदात्वाव महरत्त्व प्रस्तु नस्युवसात्वर पर्यात्वात हाय्यद स्रिता त्विकर,एक्ष्णत्वार,देत्र्यक्षीतिवासमात्राक्ष्यंत्रात्रात्यंत्रात्रात्त्रात्त्राय्त्राय्त्राय्त्रात्त्रा जुन क्रित्र क्रिया अर्थ क्रिया क्रिय त्यरक्षरम्बी। द्वाकितिकत्र्रम्ब्रिक्केनेत् स्वत्वारासे स्वरं हिर्मिक्षेत्र। त्व्यरयर्गि क्रियाम्यात्राचीला विवायद्वत्याद्वत्याम्यात्र्वाचीता सर्वायस्योत्तरस्य विवायस्य विवायस्य जिंद्य के या दी मा के मार मार बावा का रार हा है मा के विका विकार है मार है मार है ना है। यद्रत्यक्षा देवसाववाद्वयावक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्षेत्रक्ष्यक्षेत्रस्य देवस्य व्यवस्थितः केल बेर केर खर्रिवाष्ट्रया सूर्यर खर्य वर्र क्षा हीता केरा होर यह लाहर स्राह्म कर स्था केर क्रियरेयतेर्द्धाययमा देलरह्तययेर्द्यात्रेष्वाय्येष्यवस्य स्वर्वेष्यक्रियम्भीयात्रेष्य र्दरातहतात्र्रस्यात् हिलेरायेक्या क्रियोरीत्यस्त्रिक्वा हिरकेवाक्रे विक्षा हिरक्ता क्रियक्ता क्रियक्ता क्रियक् रमगक्रेवक्रीसर्तत्या तर्वेसमा द्वाप्ततर् येवसवीरस्रस्याते सेव्ररोस्तर्रस्य तर्वेदर्यं । क्रर्वसर्तरत्तेर्वसा कुलर्वेदेश्यायुर्धेवस्त्रीरक्षेत्रस्त्रेर्वस्त्रेर्वस्त्रेर्वस्त्रे वर दिर्शिक्ष तर्वेर अधिर श्रेर श्रेर श्रेर श्रेर अधिवा हो मार्चु यर क्षेत्र य ते सर ये यम होर । सुर्वे त्या सु या हिरे.की.मी.बे.मी.प्रजामेण वर्षा पर्रे क्रियान हिर्दर या के माना का भी या के वा में वा में वा में वा में द्वां भी द्वार्योस वनाताके वस भार पहिला दव ला केस ते भीवरे वहार स्वाप्त के विदेश हुन के बुर्द्यस हीक्स्मार्थिद्रद्रभेरास्विदेव्ययमा ययक्रस्ययायेवस्तरी स्मिन्तिरस्यव्यवस्थावस्य यसा साई न्सुत तर्पाय पासहें के विदेशके विदेश रूपा र्रायम में ते हो के वा कवर्वर्यों मा रे भेरवस के के भेर बेरा दुररणर मेरि हो के न लुक्के भेर न मुरस्य सा दुर की हो भेग के सार देश हैं जनाम् अञ्चरा देशराको श्वासके द्रावर्देशके अके त्या वार्येशया विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास यसार्थितर दिशस्य या वत्या भन् शुलहेत् श्री भेंद्रिये या तिहार देर से देवसा त्या द्वीत स्वर् चित्रस्य यस। क्रिया में साम त्या स्व व व साम हो व साम हो व साम क्रिया कर में वस वि पर से केर से स र्यानान्त्री यत्त्रे वक्कर्श्वी ब्रम् प्रति वत्त्र वत्या विद्रा त्रेत्र के व्याप्त प्रति विद्रा विद् कीलासमार् के.सेवंबंधालरत्मचाःक्रराचिक्यांतरम नहीं देशम्र केवाच्यांतर हिला विदार रायार

न्त्रिक्षेत्रा मार बेसवस्य क्षेत्र मार विश्व क्षेत्र प्रति क्षेत्र क् ज्यासीरदभगायदीलायवयंग्राच्यायासीत्रीत्रास्त्रात्र्यास्त्रीत्रात्र्यास्त्रात्र्यात्र् विषेत्रात्रे श्वामा हो द्रिके विष्ये देरिके स्टूर की द्वा की स्वामी की की विषय के विष्ये विषय के विषय देक्ट सरक्ष मसुर प्रेर पर्ट सरेक्ट महेमार स्थाप दमकी सलस्य मुन्द संस्थित महित्य हैर दगर श्री सेर्प् श्रेवा तार्वर वासुभ दर विश्वयद्व सक्व किर होर प्राया वर्षे वाके सदर। वर्ष् मिल्यामा अर्थे स्तायक्रमात्रा तरे स्रास्त्रसारमा क्षेत्रक निर्देश । त्राक्षायक तरिका अन्तर्रा ध्यालाला त्यारे द्वाया द्वाया है वर्षे रामावया वेरारमार हु। यर यहिव यर वेरावा स्री भरभाष्ट्रेत्रस्म हे रवशस्त्री देर्दर्वरिति व वहिता सहिता सावदी वहरासीया पश्चार सेवा सेर्वासातकरात्र कामार्थारेता से हेवात्वयास्य स्वानिता राद्यार देवार के सेर्यास्य नतुश्वित्रदर्शिक्या मार्त्यदेरिकाम्रह्रिया रत्रद्विकाम्यविक्तिः न्या वस्त्रकेत्वेत्वः इत्वेत्व मुनाभादगता क्रिकेशनेतामासे यथेदा त्वक्राव्यात्वामा द्वाता द्वायादेतामासे यस्तरा द्वरातमः स्वासित्रेयार्तियरावयमः स्वासित्रयात्रेत्यात्रात्रेयाः सेन्द्रियत्यस्य वगासन्त्र द्वासूलामार्थुः तास्त्र स्था दार्श्वास्त्र भाषात्र भाषात्र स्थित स्था मार्ग्यस्य र सुम्मेना द्याले द्युवाववर्ष्ट्येन याचा द्याद्यद्वा गी करियेद्ता वहेदसः भीर्जेस्ययान्य विविद्ये तिव्या धिव स्वारा राष्ट्रियारा राष्ट्रियारा स्वित्यारा स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्व सुंबद्भा रेग्ने विद्यास यह व सुर एर्ट्या सुरेरस सामा नामा येर सुला निर्मायसाली म्बित्र अहे सार के पर्रमें दे प्रया रमें दे के या सुरा में दि यह या या में या वेद की यह रहित्य पर म्ला त्यार्टर मुनास् वासेर ए रमेरी से रेग सुर्र सूत्र इत्यारवा स तस्य विवा योत्राह्में अक्षेत्रद्वसमा साध्यक्षात्त्र ह्या व्यथ्यस्य । तरे त्ये स्वत्रद्वाक्षस्य स्वति हेर् यभा दिरातिकार्यम्भारमा मर्बेट्या रेस्ट्रिस्सिस्सिक्रा करन्त्री अवस्थित व्यवस्था रेदा अयव यहाँ में तो मोत्र नेदा साम के रायहाँ में लें मोत्र पद्रा दहर दूस के वर्षेद्र के ब्रद्दर्श्वरवानिहरूत्वनामा स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्रे स्वान्त्र श्चीरदगरहे से बे के दे के दे के दे के तर्थ है दे के तर्थ दे तर्थ है। या अवस्य गर्भे व स्वाद स्वाद प्रदेश तथा रीर वार्षे वार्र रेना के तर वार्षे । विवार ने भार भार भार के रा रर रहा सुर कार्य वर रा से रा मुंभाषान्त्रा नेराह्ने वर्षा परी स्वापद कराव हीय मह्री केया नेराहर हर हर सहर महर्या हर साहर साहर साहर साहर साहर विक्रियामार्याभित्रामित्राम्मार्याम्भाराम्भाराय्याम् विक्रियाम्भाराय्याम् श्रीरम् द्वान कीम अर्थर दे रक्षिया में मेर् के व कीमा वास्त्रम्भा दे देर हिर दशका हा भी रही हैं के व्यर त्त्रामा श्रेद्धः श्रेप्तर ए ब्रीमा त्यामा व्हर्द्द्वा से भ्रेत्वे वास्य स्वर्ति देसा स्याद्द्रा देसा व्याप्त स्थानी मर्दिर्तत्व्याओध्याते देवस्यायायायायायायायात्राचेतेत्रा देअअत्याभेतीयद्भर्त्त्रीम यहूं अत्यादिका व्यविद्यातका दिनपर्वेष्ट्र अभिदेश दिनप्तातका प्रियंत्रा क्षेत्रकी व्यवित्त

अम्बर तर्क्ता

क्रियानक अक्रीति विवसाया प्रीति देवामाव विति असिए स्रोत का वित के व्याप ता स्राप्त म्रा वित्र वित्र वित्रामा रक्षित रेट्टी में वर्ष राज्य मार्थे के स्त्र में मार्थ में मार्थ मार्थ में विन्त्रभर्यति वेदिन बेद्विता पहे ही दर्स भरहे कुल येती द्वन मनेदि है जे सामेद्रा साहक्र श्चिरवले मरणरसेर्। सुयरे सुस्यर्ग सुस्रा मस्य यरे हे तर्ते द्राता गरेका सुस्रित्ने दरात्याची दियाचेत् त्याव द्यात्रात्यात्र हते अवक्रियाक्षेत्र विक्रिया क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क् विया यारादमें यादे दे दे तो अपा हार के द्राया ही स्ट्राय देशी हारायाद्वी से वाम से स्पेदा के रु. पर्ये किरेररर सुवा केंपारकार केंद्र सरिकार विवास । विश्वरावर किरेका वि. एकरी की वस स्वर वर्ष बर्या सेर् स्वारम्य मह्य हेर्य हेर्य सेर्य हेर्य सेर्य सेर्य केर्य हेर्य हेर्य सेर्य सेर्य स्वत हिर्य हेर्य सेर्य हेर्य सेर्य हेर्य सेर्य हेर्य सेर्य हेर्य यकक्रमामे हर् हर्म भेदर भेर्द ही र दगराय र यह देश दयर तर है में भी दयर तर है में में में में में में में में म क्षवाया के मुक्त विकास विकास के त्रा के विकास के त्रा के त्रा के त्रा के त्रा के त्रा के त्रा के विकास के त्रा यसानक्षित्रास्त्र महिमानिता विरासमिति तरामाना हिर्द्यता वर्रि रेडिन के हिमा रेडिन दे हीररतर्परत्यवार्व्यक्षा यथावरे हेर्येद्यदे हेर्या विस्पर के के देखे स्थान क्रिर्दरी स्टिड्ड्रिस्टेरे लगाद द्रेर्यायका वार द्रेन्य विद्रालसद्यमाव केला वाकी वहें वार्षे र्वरक्षरख्यावन्त्रीया रद्दिरे अधेरिरेस्य मास्येदा ह्यीरक्त मित्रे दे सामान्य देण या के से पास्य र स्यानी यान्य वर्षा विराद्य त्वर्रा म्यान्य वाय व्यय विरादेश केरा वेरा वेरा हिरा सुर स्थान स्था सीराय विराय यर्द्रद्वर्थाता छा वुभावासुर्य सूर्या वेदियरवारा हो हो यासुं क्रम्यका रहररवा वेविषय द्वर्थ से विवेश क्रिकार त्रिकारी कार्ये वार्य कर है। से स्थान के स्थान है। से स्थान क्षिय है। से द

भाग्नामात्र क्षेत्र मित्र क्षेत्र मित्र क्षेत्र मित्र क्षेत्र क्षेत्र

3aganai

2 3577

कर्राक्षित्रकृतिकृतिकृतिकृति द्वार्ट्स हिराष्ट्रकार्क्षण क्षेत्रकृति क्षेत्रकृति कार्यक्ष क्षेत्रकृति क्षेत्रक का स्वर जुर ए क्षेत्रका कार्यकृति कार्यक कार्यकार क्षेत्रक क्ष

परी र्वाधरतार्वर मार्डर तस्य क्रिया वा व्यव ता वा व्यव ता वा विकास वा विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास

एक्टररीकर्तारायाच्युर्यं क्षेत्रात्रे असिशा देशस्त्रेशाता वर्षेत्र द्रियाता रक्षा स्थानित क्षेत्र स्थानित स्थानित र्मामामारी वि.धु. कुणत्रावाला वर्षरी ज्या भु किलाय से में में कुल के में में रामा अकारका वा किरी जया वार्शिक्षेत्राता का कर रेडिया का अंदर्शिया का अंदर्शिया कार रेश्वा कर रेश्वा कार रेश्वा का रे र्थेन हिर्दि के यक्त व होर वी मा देन र वित्र वितर वे निर्दे र यन के र ही के व के से मेर हर होर होर हर हर हर मैंणत्यर की. संग्रभारे, मुं मार्थर प्रक्रिं मैंया भर्त्र या प्रेय या हुन कि मार्थ प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र किर मुक्तिप्रधर्वे प्रिट्र दर्भ द्र्याकर्य द्रम् राया हुने द्रम् मुक्ति हुने द्र्या मुक्ति द्रा मिने द्रा मिने इत्या के त्रिवा हिंद्रदर्शनारक मेंद्रमा हिंगा करा होता है। यह स्वा कर कर कर के विकास के विकास कर कर के ख्रीर ब्राज्याताल त्रेरायके देश त्याया त्रेरायके देशका क्रायक क्रिक्त कर्मनाया त्रेया क्राक्र तर्जु हैं के दे ज़बा रर वर्केर द्राया कर तु हैं र का ज़बा की ज्या ने ने द्राया है र वर्ष का करी. वबात्तु स्वारमर एउट्टामह्री देवमाय्यद्री बामा ह्री क्षेत्र क्षित्म हर्मि क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षे त्यका वर्षा दरास्त्रवारह्र्यम र वृक्षात्रवा क्रीमास्त्र ही सार्त्व स्वया वाहरे वि द्वीता तथा द्यत सेर्पे वेद्रास्य वर्षे वहरे वेदा अदद्वेस से से देव हारे विदास के ही द्वी सकद्रा विस मे हुरम तर्वे के जेवा नृत्वे र एकुरव र के वक्षे अपने वर की द्वारे जेवा में रिरो वर की भूतित्व। स्क्रिपुत्ररात्री केर्यर ह्वा लीवा देरा परेश्लर रम्यान वेत लूर देशा श्रीता वीत्राल 2 क्रीभाराक्रियायदा अविविवास्य वाववायव्यम्क्रीयावेदा देभाओक्षम् ही सद्ग्रेमक्षेत्रके वर्षा ल्या मस्मार्श्व ता एड्स्स मार्श्व मार्थ हिर्द्यूर यहीत् में सर्द्र तो देश दे दे से माना एकेल एर्द्रियादी एम् वर्ष्यप्रश्चा विदेशयोगस्य विष्यत्वेषायक्रम् हेर लेप्द्री स्वादस्य स्वा श्री हिन तहिन तर्दिन त्याया करत्य अवया यह वाली द्या के मार्थ के मार्य के मार्थ के मा ब्रिलक्षिवर्त्रात्रे में कर्त्यात्र्या राम्याद्वेष्याद्रेश्यात्रे विद्रात्रे व्याचा विद्रात्मे अद्रात्मे याद्रा अवतः अर्थिद्रद्रम् भेर्याल मेरा देश्वेययत् हेर्या अर्थाः सुभ्यत्वेदा दर्शे श्रायस्य एत्रायदेवह मार्था भर् प्रभावत्र देव्या परम्यमात्रिया क्रिया में भर में मान्यमा देशस्त्र र भु अपितिमार्म्भा पहुने। कुमरक्तर्यमञ्जूरेकाक्ष्यक्रमान्त्रं भरत्यस्त्रोक्त्यक्षेयिका पार्श्वामा देशक्रां वर्षेक्षेत्रकारम् वर्षक्रियकेषातात्रकामतेष्रमा स्वाके उवक्रिवामा क्यात की बाका विवाद वहना निकेस्त्र वरितर के विद्रा हिर हिरकी की तार में विद्रा एक्स् केर्स वर्षकर्ति वर्षकर्ति होता क्षेत्र हेर्स क्षेत्र होते हेर्स हेर्स हेर्स हेर्स क्षेत्र हिर्म क्षेत्र म्र्रितयरकातमा श्रीत श्रवश्चिति है ता विविश्रेर तहेत्र तम् वित्ते हैं त्वाव श्रीर वाव हिर्मा । क्रामेश्यातमा रेशस्या कुत्रेशर्, देशमद्रस्यरामा मद्रस्रेररे पणरमा राश यावन रियर्पाहर्राहरात्रा श्रीराक्षेत्रवराक्षर्य क्षेत्रात्रा मान्या क्षेत्रात्रा देवराक स्वराय रतराय. बालकान्तर संपर्देत्तका बहुर्यामाववक्षेत्रेव अविदा दिवत्रका ही दिदस्त सिर्धार प्राप्त प्राप्त

मल्त्र हीय वर्षेत्र यस वृत्त त्रवार तिवाय या यय द्वर्य की तर्षेत्र स्वित्र स्वाय प्रवित्र विवेत्र विवेत्र विवेत्र नयन्त्रमान्त्रीयान्यान्य दतः यद्द्रप्रदेशः तत्यद्भाद्दरः द्वामान्त्रमान्त्रदेशः स्तरः तत्त्वास्य स्वादेर्द्रभे या विकाला अवस्वित क्रिक्सिया विकास स्वास्त्र महिना विकाल है। विकाल है। स्रवार्तर व्यव गररा र्वास्य वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा हुवा क्रिय हो वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा र्वास्य देवा स अग्रामार्तिक्रम्भायका यम्बानमा क्राम्स्योत्रेत्यक्राक्रम्भेष्ट्रिक्ष्रियम् द्वारी स्वरूरे द्ववायमा द्वाहर्यी क्रेंब द्यार स्वीरे स्वरूप स्वरूप याता यर हीर स्वहरी रिका क्रिया राम मेर्निर्द्राया वेदा विवास दिया मेरिक्वा मार्थ हेर्गाया है। इस विवास दिन्निर वेदा वेदा वेदा वेदा वेदा चैत्रित्र्ये में वृद्धित तक्ष्रिया मन्त्रा वृत्त्रे तर्वा विक्षित्र राज्य विषय सम्बद्धिय विक्षित्र मान्त्र च्रिया हिल खेरे त्यार त्यर त्यार स्थान द्यार में देश मा विराधिक विराधिक के स्थान के ति स्थान के ति स्थान के ति यमर स्मेनी परक्ष मक । व्यान स् वर्षे वर्षे र वर्षे र वर्षे र वर्षे इंड्रेन्स्या अरात्यर्पातायान्य विषया होत्या विषया होत्या विषया होत्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषय रदर रहें अपने अवा नियंशे वक्ष्यं ही दर्ग मवा हें हे हो त्वा अवी वक्ष्य है हो वे वे वक्ष्य के विकास के विकास के से त्रुम्बेर्स्याय त्रेम्यमा द्यत्ये त्रुम्बे थे सुर्ये त्या बुर्द्यत्यत्ये से सुर्यं नेत्र लक्टर किर जेंग्रेष्ट, अराक्ट्रा स अक्टरर्ज अवस्थित या विकाल के जेंग्रे से से से सामा राजार एक र र्तिता त्रेनामा दित्तिती ग्रेमरचन्नास्त पहित्याना दिर्श्य वर्माश्रम्भात्रामा वर्षान्त्री म्य के के मिलर नाएशाला शुरिक रनिरभाता पर्यायनातामा चेवारवार माना भी कार कि व्यर् मिल्या क्रिका मालसा पर्ति क्रिया कर्र क्रिया है। हेर यह काहिर वरे वर्ष सम्प्री क्रिकी एह क्रिय क्रिकेल,जा क्षिरअधकारच्येव नार्जरदार हे रव्याभ्ये श्रीरत्यामत्राच्यार क्षार्व्या किर्देवाश्याहरका कार्रीह्य कार.रश्रूकार्तरद्रतयरकाका हिर्देश्रिरायवकात्रान्याताका रकार्त्त्राच्याकात्रात्राक्षेत्र न्हें समायके। तमास्या वर्ष्या वर्ष्या वर्षा के वर्षा वर्षा वर्षा के वर्षा वर्षा वर्षा स्रोतिक वर्षा हिर्द्रि वर्षा इवाले गर्भा देश में मुस्येर हैंर परेरा हर में र्या में स्वार्थित वार्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर् यम्देश हिंद्रदरम्यवीरायेती यात स्रिम्ह्राह्रम्यित्रिर्द्रा ह्याक्रिम्यायायायाया द्यातः द्यातः देश यथा सव अदतः दर सुदेद् अदुदा त्ये यः केव अस्विकी वि त्ये द्वी दर दर्षेद्र अते के ३ अर.भ्र.दः रे.चर्षेत्रमा रवासेर.मेर.केम.का.इत्रमा कारत.य्यात्रेव एक्ष.त.इव.की.रवी रवी.पर्वेवामात्मा टि.का. शुर्वाचा क्रम्प्राची कर्रेरर्र्जे कार्रर्र्जिक कार्रेर श्रीत्वा दक एहरका विष्ट्रिक लियेक एड्रे क्रिय लुवी क्रेर र्वामाधित देश इंस्वेर स्वर्ति राज्यातात्मक्ष्याय ना व्यक्षिमा वर्षित्र राज्या वा वर्षे राज्या ्रवेपार्दर वयकाक ए.क. न्या यू रेका चुर रेंद्रेर कथा हैक. इव मू र्यंत्र पर्वेद नय व्रिट्र प्राची रेका वी स्रिट्र

चूरी रमयःमभः दुभः तर् क्रियः क्रियः हुभः वयः क्रियेश्वश्च इर अंशकः मभः देतं र विवाधः मः रित्मु दुस्कुम् अर्थ स्वर्ष्ट्रक्षात्ता संसूर्य रेट्रम् रर्भावत के के मेर् र्याम प्रायम का स्वर्ष ना । ्रद्रिरक्षरभक्षः ए में वस्र वर्षे वस्र वर्षे वास्ता रहेर पर वर्षे वर्षे र एक्षरमा यस हो में हिर के यस हो स्मानर केरादमान्य का का सुन्ते हेरा देश वहा केरा सुन्ते त्या के सह से के कि मार्के हैं। पाक्रामिरकार्योदेश स्वातामार्थे पात्पाता द्वाप्यम् क्षेत्रचात्रवाहेत्यम् यात्रकात्रवाहेता दरपाचाहेते २ वहने। स्वर्यक्रिया वनवाराते भेवास्त्रस्यक्रे याहेवा यावार वते वनाके सर्गिय वाहेवा रहर हो। चर्तितात्रातित्वेचा इरिक्तु भी। स्माइमानेत्रु सित्रम् मेनव्यत्मात्रा मून मेन मेन मानेत्रा भीत्रा भारता प बैंगानपुर्धी बाबक्षेत्र. पार्व वैव पर्वेयदर के बवस एते दिव विवास माना हरामक माना है। एवंद रप्रत्यत्रत्त्त्व्यास्य त्या रहित् त्र गाया सहित् त्र गाया सहित् हा त्या हि सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सा वयवार्त्रात्रेयक्षात्राद्वर्य्या दमराक्षेत्रकारायात्र्यात्रात्र्येत्रेत्रेत्रेत्रेत्रेत्रेत्रे म.धुर्दे. च्याच रिनए कोर. मर्र र ए. वर्दे व्याचा ता लेदा ता माने व्याच माने हुन वा को रेजिति श्रीदेतका अपकृता वा देला ते वर्ता ते देत्र का ग्रीका सामु स्थान स्थान का अंति है। द्रतात के अकुराक मा कराया तक करा देलार हुन कर कर मा के का पर्व मार्च वास्त्र मा माने श्रीयाध्येत्रवा इर्माम्यूर्यम् वर्मान्यार्थम् वर्मान्यार्थम् वर्षाः प्रतिकार्याः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः रमतायाधिक वित्याय में वित्या है के दिन है ने प्रताय है दिन ता वित्याय में वित्याय में वित्याय में वित्याय में मिर्फ्रिंग्सम्देर्। हुर्रकाशकेर्त्याकेर्त्याकेर्त्याकेर्ता द्रिम्ते केंस्यानेराता वाद्राता वीर्यकतावर्ते सुरेक्तकु ए म्रे. करा इत्यर कु मा पर्रा मा भी मा मा में में हित में में हिता में मा क्रित्र तर्दे तर्द्र क्रिक्ष दर्ववर्यक्षाम् अत्यात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्रात्रा क्षेत्रक्षेत्राच्या क्षेत्रक्षेत्राच्यात्राक्षेत्राच्यात्र बन्नेका विभागामानेतामा मेर्बिक् मानेका कर्रास्यामा है क्षेत्रामा आ त्याय विस्था स्थेत र्मार्थरा रहारा सम्बन्धिक संग्री रहा रहा ग्रीमिरक्रण की मावर ले क्या देवर प्रिम्से देरा दश्यासे चेर क्रिंग ता शे चेर तेना के म चेर केर तुर त्युर क्रिंग होन इस धीर दुर दुर व लेंगा यीररावरा मिराद्या मी भी वित्वतियायाया सा भूरा में सेरा में सेरा मार्ग अर्द्या में सेरा में वित्व 4 री में कुण इव पुर कर्रातमः र वव तम कर्र युत्र का बेंग नव जूब रि शव पर्वे वा प्रमा भी मा न्तर्यात्रभा बीमसे आतर्भायद्वदिक्यायमा हिरामीर्याक्षेत्रमामानासु सर्यभविदा हीरामी रे अभिन्नात्र विकास में से दे हैं र से र परे या रहेर र र है न से र में र से के किया में र में र में र में र में श्रुक्त मुद्दा में ता हो यह माया पर्योद्धा किया में में में मात्री मात्र त्येकाम्पा दुरदगर दि प्रेश्चीमास्यद्वभेदेगाद्यायिकास्य दिनेतेरासुन्वेदा दूर दूर - देव मुरेतारा भारे रका द्रारा में रहए में रख्ते रख्ते रख्ते रख्ते होता है। यह हिस रिया के मार्थे

122 रहेर्डिल मुन्तु में बर्ग के कार के वाका के देव वाका के देव के के के के के किया के देव के किया के देव के किया के र्जुवात्रय. यर प्रकाता चित्र. सुर्ग श्री श्री श्री श्री तार के ने ने ने के ने ्रक्रियानी देन केल मूल शक्ष भारे इंग हं कथ हैं के या ने अस या गाई राविक र से देरदर में यस है हो या पूर्व , 3 करिलार, मिलर् कि, एतेल. केष अस्कार् क्रिया कित व क्रास्त्र के क्रिया के करिला के अपने क्रिया के करिला है। चतुर्गतिया, त्रीत क्रिम् क्रिम् कर्षण नक में बार क्रिम् क्रिम् क्रिम् क्रिम् वर्ष नक विश्व विश् र् अर्वे विषय के विषय कु.मूजरम.विभारर्ग्य कुरिक्ट काराकामा पर्येगा हिरामितररा वर्षा एकपार्ममा विमाली 12 E. CB ज्यावद्राय। ( UE 1 21) की वासुआ अपरेना करपेन केरा की वर्तेन ही साध्याद्वादेश कुल पे केर के व्यर र र विवास्वाध्या To thrust र्र.भार्चरत्यर्थनार वर्षे द्रियावर्श्यविवाचा देशार्चरत्यरस्य पर्देश्चर्यभार्थविवातास्वेर्वेद्रम्री। देते अर ब्रेर श्रुक्ष श्रुक्षेत्रव्य अपदर पर के हैं त्य वाध य वस्तानर हुक् व श्री र ख्रुप छेट सु वृद्य या ही र र्याम् द्रेत या इस अभारते अध्या हिंदू में देश के देश में देश में देश में देश में देश में देश कर के हिंदू हैं के भारत दर की दाल कुठ्यात्रमाद्रमात्राचारमाद्रमात्री अरदिराजात्तर्यक्षेत्रः इति वरदेता हरकी द्रीमा के के कि यते महत्र (30) रामेर के अपना कुल में भेरतव कीम प्येरदे खुल केर मते के मामें माने कर महर्प यते ही रहाना सामा में अक्षेत्र मान्य यम स्वाद्य विद्यारे एत्या द्वा में में के के ने ने प्रायम के प कु. भ्रामात्रमान्यात्रमात्र्रामा १ व्यामान्ये द्यारम्बिमाना व्यामान्येदान्यात्रमात्रास्त्रात्रमात्रमात्रमान्या 8 EF M. 31 नभूर्तताव्याङ्ग्या वृत्र वित्रेद्रेत्ये देत्या या मूर्य आधुर्या क्रियंत्र कि विश्व वर्ष्य ता विया हवा वृत्र वि क्रिक्ट्रिंग सूर्वेश क्षेत्रका के पात्र व व प्रदेश तथा दे द्राके विषय प्राधित है है। किर्देश हरणायम्यान्या से तारक्षेत्र विकाल्यरा त्यात्रमा महित्या विकासीया से मिल्या में त्यात्रमा विवास विकास वितास विकास व 10 gr. 3 ग्राहेर अपात्र होर केर केर के यह पर ही क्षेत्र अपात्र ग्राधिक केर महिन आहेर स्पूर्य स्वर्य के स्वर्थ क्रांभक्षेर्रे रेरेरेरे भरावनास्त्रेर्वेर विरा असर्स्स्मरकरत्कुन महारहा हारे नहीं थे के विराहर् [K.7] इत्यक्षात्यर। वेर्वण वयम हुन्ये के मध्य की मेर्द्र का व्राप्तिवयं वर्षे 122:55 नुसाया रुभुर्'यार्टर' न्द्रवक्रद्रभन्त्रिः सर् क्रिंग् क्रिंग् क्रिंग क्र ब्रिट्र. रम प्रमा बर्रे हुन् नधु बर्टरस्टे विरा रस्मार्यम् रममञ्जूरमा दूरम् विराध कर्मात्ता तर्ने की खालरे हम खरमा मन मरता हिं में हैं हैं हैं। हिं से का का कर तार तार का की राता १५ दुस:वॅर् मान्ता स्मालाला मेराला मेरा हैरा होर केरा हो साम्याया यी के वा मारा होने होर स्था देन्दिन्यतः अतिकत्ति वास्ति। दर्दर दरियाने स्वा वर्द्दर त्यान्य वर्षा त्या वर्षा त्या वर्षा वर्षा दर्षा ला. व्रट्युरावा क्रुन्था चर्ना कारवरावरा दमराक्राक्षाक्ष्मणात्राक्षाच्या वारार्प्युच्या लुवा कर्यक्षेत्रक्षक्षक्षक्ष्यंदर्वे इत्त्रक्षा इर्देश वर्षक्षा कर्द्र हिंदी वर्ष्ट्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षे देवका चिरामक्षेद्रमारे रमत्युःस्मस्यास्यास्याः त्वेवा द्वावाना विद्याचा त्वमानुरस्य द्वारा त्वरमा

222

वकारात्य मेर्या प्रदेश कर्ता वह ता वह वा का विकास के विकास के मेरिक दे मेरिक दे मेरिक दे मेरिक मेरिक मेरिक मेरिक सर.प.स्र.से.स्र्राच्याद्दर्श क्रव.प्र.व.व.व.व.व.प्रयाद्दर्श वस्त्रवस्त्राच्याद्वेत्राचत्रुरस्य या.वेस्रा र. म्यामिक्रेयसम्बान्यायायाया वर्षेत्रत्यस्य स्वात्यत्यत्यत्यत्यस्य देर्द्रदेयत्याय्याक्रमः विधाया क्रिट्र इंगालुरला करहें मार केंद्रा निया केंद्री निया केंद्री निया केंद्री क्रिक्स का 20 में मैंगानपुष्टिं मेर नेता वह महिरक्षा त्राक्षितात्री भागका में द्यान त्राक्ष्य कर्ष कर्ष है मारा में बेरा भरे स्राया था ह नगर विवस्तास्य है लेरानेता इतिहारिए की किन के लाई में भगपूर्ण विमानिकारिकारिकारी हरिलाक्रीरवरानिकालूरी क्रीड्रवस्ताकेकार्का नेकार श्रम्भारात्वरवर्षे काप्रमाहित्यहेर्त्या त्रमाच्यात्रित्यात्रमात्त्रिकास्यात्त्र सिर्म्य की लियाता क्रिक्ट के द्रा विकास महिराधेर केरतिया के ति हा हा महिराधेर मुरी खर्याना राष्ट्र या यो अला प्रत्या स्था स्था स्था स्था हो हो हो । त्या स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स यमश्रीवरवरत्त्रे स्थाम हो के महित्रेरक्षी । भ्रम ह स्थापके त्या त्येरत्ये क्य.सुर.त.मू.त.सुरी क्ष.माड्डव.बाडुगम्बच.म्याड्डरपत्र.कुमाडुरी श्रेर.सी.गती.र्मुल्य.स मानेवा रेन्द्रेर न्या से हेन्य से होता से साने समाने से से साम के से स हिर्दरदेश वनार्भेद्भगत्वेचिरलद्या धुलकाविलह्याचार्भवदेदे राव्यालक्ष्य द्राक्षातात्रहेला द्रम् वावकारा ते से वाक्ष्याकराता है के वासे वाता है है हो। इर हाराता तर्वे दें रेकेरी बेरके के देवर के इंट्रकेल है। देव के विक्र के के के के कि के कि के कि के भागीयम्बाता स्टास्ट्रेस्स्यारेत्यात्वादी वरकुरायुंग्यायातात्वित् हिंदी बीकेद १ स्वाणवा दर्भारिक विद्या में राज्या होत्या वर है है हो या स्वार्थ है राज्या निर्देश के स्वार्थ के स्वर्ध के स्वार्थ के यते। तमामकिमानम मनेश्वस्त्रस्यंत्रसामा होद्याद्यस्येद्वर्षद्वर्णत्ये। त्यास्यद्वर्णत् स्त्र महिन्द्रीत देश में एक्ट्रीर मिता तह समित के स्वापन मिता के के कि के मिता महिन स्वापन के स किलायी रामा क्षा बुदा हों का जाता बुदा होया। इंत्यम क्षा कुद्दा का काईर क्षा ई लादा पर्वेहैं का विया १८:उर:देन्स्य:देन्द्रेरवग । वि:स्वर्गात्य:क्र्यात्यात्य:क्रिं द्रिः केरचते झे के खेर्ग स्थानमा स्वन्यन्यन्यन्यन्यन्त नेनेर के त्या वेत्र तेना व्यव १३० वाव। रीरामार्ड्डका की पार्वा कराता लेट शर्वा विवास ता मिर स्रीया मालवा द्वारा हैन हो द्वार में त्वार

श्चिम्बाक्ष्यात्वा श्रुप्पद्यम्बव्यायात्वेयात्यात्वी ग्वयाक्षेत्वम्येतेत्तित्वाव्ययाप्येता वर्षाया त्र्युः एहे वाव बारा होता वा वर्षे वार्ष के वार्ष होता है। वर वे वि वर के वि वर के विवस की वा परे के वार्ष के पक्षेर हेर हेरा देरर हिर्मे केर्युक्षा हर हो विवास हो विवास केरा भी विकास हेर केर खेल विरोध एमर्थानमा र्यएक्रेरेक्षे परमेव वैर्ने क्रेंव्य भाव न मुंक्र र्या केर्राया के प्रमानिर्यं दमत्वद्रिक्षास्त्रेयकत्त्रयाम्यद्रमत्त्रस्ति केविवविक्ष्या विद्रस्ति विस्ति विद्रस्ति विद्रस्ति विद्रस्ति विद्र डिटीएर्ड ब्राक्टिल द्रिर्देश क्रिंच एत्रेराने का की क्रिक्ट हुवा हिरान स्था की व्रिट्ट प्रकार का पार्टि परिंद लेंद्रलेंद्र होद्राय ते स्रवार्व से देव द्वत्व वेंद्रद्व्या प्रवादी द्व्या असे द्वा हो राजा से स्वार्थ स्वर्थ विदेशी इ.चि.स्रेन व सर्वेद देश नामा हमारहेर वहर वमर वस के वस र हें वस्तर रे मर्के वा मार्ग हैं सर्वेद केर्नरहे अर्बेब्रिंदर्बे एक्रर्व्यात्वृत्यायमार्भदेश्रद्धियांदर्वे अर्थेद्रियाः स्त्रिक्ष्याः किरा क्रियात्यात्ये अलास्य वितिलंत्र्य क्रियाया मुक्त्य भिवत्र अवस्यो क्रिये पर्वे विश्वासी अधि भूरे रंभरत्वतम् भरत् मुद्धारम् तात्रेर्धाः तरे स्राम्भवाका क्राम्हारम् । त्यक्षिर्क्षके मेर्रा कात्याता त्येरता के द्रान्यका तेवा क्षेत्रके सार्विद्या के व्यवस्था स्वयपि किए। कु. रू. कु. यायवा द्याता कुर्जाव वुद्धा वुदावश्राका में गार कु. शिव कु. कु कि वश्या कु. एयं पा प्रका दर्श्वेव विवेच वृत्वामा रदरद्वे सम्मान्या द्वरायुक्तक्षीरद्वाराम्यक्ष्या क्षुत्रेदक्षाम् मायते नाममा ब्रियमा द्वामक् र्वेश्वमामुप्तामायकरा परा कान्यवामा एक्ष्यं रवेद्रम् स्था क्रियमा त्रुरसून के वर्ग स्पेरिसेंवया श्रीरनी नर्ता पेरम सेंदिरमें द्वादादार समाना से सवनार्थं ही यद् यीवा भेर तर्वेदवाहेद्वत्व्याकृताकेमा तह्यात्रीमहत्यं दिवादी वनत्रेवत्या दिवादा क्रिकी लर्रा देवत्रा क्रवरवरक्ष्यर पहुंचात्रका रिक्ष में हरा में के क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका म्त्रियावयमा द्रायामा सूची सुर्गारा क्रिकाम क्राया में याववाव में द्रवहरा द्रायामा से रामे मीति अपूर्वायावर्षेर योरअस्ट्रीर पर्याया सत्तार्या रूपान्ती हिल्या अविराद्याय निराधकारी वर् हार दयतावर्दिक यदेख्नाय क्रिंद्र्याया सद्यमात्र्वास्य स्रुप्ते हिर्द्वे स्रुद्रातावर्ष्यास्य ्रावाहनार्थिकार्थित दक्षान्त्री न्याने निर्मात्रा कर्ता त्या निर्मात्रा द्विराध्यात्रा द्विराध्यात्रा विराध्या 

भर्षम्य क्ष्येल त्रिंग पर म्या देरकर्टा रा याव्र का स्वा द्रा प्राय क्रिंग प्रमान क्ष्येल विकास म्या विकास क्ष्येल विकास म्या विकास क्ष्येल क्ष्येल विकास क्ष्येल क्य

के अहम अहर रें ये रें कि कर यू कि । विश्व मान विश्व का रें मार कुर की र वर्त है ये के का पा कि कर रें की का पा कि कर रें के का प्र के कि का कि का रें है मान की की का की की की रहे की का का का कि का का की कि का का की की राम की रें कि का का का कि का का की की राम की रें कि का का का कि का की राम की से की राम की र

देभार्ने बुर्निश विर्याभारा हुरभार्त्तर बुर्गा स्थान बुर्ने अर्थन विर्वार र्या विर्वार र्या व्यान विर्वार विर् मिती इर्नुमार्गारमान्याम् स्राम्यान्ते से कार्ये के विवास त्यों राजाकार के त्ये के स्वास्त्र स्थान ्रीद्रवस्तात्वा द्रमत्रवाधित्रम् तस्यस्यक्र्यस्य देश श्रीस्त्रम् मेर्रा श्रीस्त्रम् स्तित्रम् विष्वस्य गर्भः तस्याजव्यी वद्याये ना कुर्यकुर्त्य व स्वति के अवत्रे के द्वावर्ष के स्वावर्ष अल्लाका ता स्वत्यादेवर नी त्यस्य मेरे के मार्शे ट्रियेव में त्य्वा मियारे। विराद्या के त्या मार्थित के त्या मेरिये के त्या ने त्या के त्या ने क्रिलाको वानेवाराता विहिन्द्र्रवर्गितिका लेदी ब्रिक्ट्रिके विद्रतह अर्दे। वार्यर सेर्चित भवाक्याक्षेरवस्य वयद्। तस्य भेर्नेरक्ष यदेश सम्बद्ध विस्मरक्षेत्र ते स्वार्केर भैर्य विवर्तेरम् रे र्याक्सीयामात्वयाचेरम्भीरा देवलान्वरम्भरकत्र्य । विर्यरस्य मार्गिन म्त्री श्वाक्रित्वे वर्शन्य मान्त्रा विवालित वर्शन्य स्त्रेर देशे प्रदेश के के स्त्रेर वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत याचेरा हीरक्षेभावर्ष्येभक्षरा भक्षेवर्ष्यभागार्भरणाभेवा निरक्षेवर्राचे सर्विराख्या भेवर द्राराख्य न्स्याकेते पर्वात्रात्रात्रा विवात्रात्रपत्वेती वे विकाया विवात्र विवात्र विवात्र विवात्र विवात्र विवात्र विवात भे क्षेत्रे भेवर्वे वेदा के रे एर र्भे प्रवादित्व । दिनम् भे ती स्वाद्भवी परक्षा । वेदि भे कुराग्रीर् पर्राध्याने अक्षा पहासीर में अपकृष्ण योत्री के पर्रार्वे अध्यादिका में देश की अपदिक्रिंग यते स्थापेदा वरत्ये दत्त्र वर्षे के वर्षे के वर्षे के वर्षे के वर्षे देन के वर्षे के वर वर्षे के वर्षे के वर्षे त्रकारम् । द्वेरमेर्युक्राहर्विक्षक्र । इस मक्षेत्रवाविक्षक्रिया है एक प्रदेश विकास । विकास मिर्टिक । विकास मिरिक विकास करें यहमान्त्रात्रात्या क्षेत्र क्षेत्रात्मायहम् वत्रात्मात्रात्या व्यवस्थितः स्वात्मात्याः विकारमान्याः दस्येनेनेर्भे अरी अर्द्राया तर्ह्यक्रम् सुरस्य वृत्ये रेस्पे त्रा म्यास्य स्थाने व्यास्य स्थाने विष्टा व्यास्य क्षित्रवाक्षात्रवाक्ष्यः स्वानिक्षात्रे द्रेष्ठतेत्रप्रकृतिकार्ते वाद्यात्रक्ष्यः स्वानिक्ष्यः स्वानिक्ष्यः स्व वरमीर्वर्यर्वा वर्गद्वरक्रिमत्रेश वर्गद्वरक्ष्या विभागस्य मान्या वर्षा वर्या वर्षा व स्वामभेगकी विषयम्बद्या तहाँ सीर हर विरोधनियातर तो के के प्रदेश स्वामित विभागा र्भवा द्वातात्म्यस्भवत्म्वाद्भर्याद्भर्याद्भर्याः बाल्धिः त्वाद्भव्यव्याद्भरत्देवाः तात्मा सद्योः विवास्यक्षेत् एक्षेत्र वार् स्वराव भू क्षेत्र स्वर्त के स्वर्त के स्वर्त के स्वर्त के स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर्त स्वर् इश्रिश्य क्रि.र्वेस्से.र्र्या त्या क्रि.कं.व्या विश्व कर्वे वित्र क्रि.प्राप्ता क्रि.र्याप्त क्रि.व्याप्त विवाल भारता विभान्नेर मेर सर्वा यामे मात्यर साम भारते स्थाने र र हिया मेर हिमा र र हिमा से स श्रीभावेता सरातरेवसाविषाणायवसायसासरदेष्यरातकणायसारम्भेरस्याववा वेत्रिव्हरः नेरने अवरूरेरखणक्त्रव्यास्त्रवाक्षात्रम् विकावकः त्रूर्यक्षेत्रम् सुर्रावक्षायान्यास्य हिर्श्वेत्र्यास्यास्य वित्रेत्य सन्द्रमा स्यास्य वित्र हिर्म के ताले मक्रिय देश

हर मेर लब्ब मेर

• -

सुक्दान्यश्रमाद्रमाधाराने पहुरमाद्वरक्षमाद्वराच्याक्षेत्रमान्यक्षेत्रमान्यक्षामा विवादर में विणार्टराम्यान्यान्त्रम् हिंग्युराम्यान्त्रम् विष्यान्त्रम् विषयान्त्रम् विष्यान्त्रम् विष्यान्त्यम् विष्यान्त्रम् विष्यान्य इंस.एट्ट.च देर.च भाषाचानुः अरुट. बुट.लचा देर.ट्र.मान्छे लाचक्षेराह्य तिवालानवा या हेवारहिवाँ हैसार्टा गर्दाक्षर्वन्यस्य द्यार्याः व्यद्धयायान्यस्य विद्यात्रे व्यक्ष्यात्रः। स्रद्या विद्यात्र्यात्रः विद्यात्रा भुनाबाधनात्मत्रकु माराभुद्राम् प्रमिता देवियोग्ना मुद्रमामा। यन्ध्राम् मुन्ताप्त्रम् स्राप्ता भेर न्त्राम्या रूट हैं अर्थट क्रिंग के वा पार्थ प्रकार वा श्री के वा पार्थ क्रियं के विद्य अपार्थ पर विद्या कर सेर. लेश रेयु वर रतए जेरे बड़े अकु में ता भर के बात राम में बहुर । के पर रेव के रेव. लर. च्याहिड वा त्यादे चा ता ता चुर्क विदा देवता विद्राहर वद्गात्व वद्गात्व व्यास्त्र विकाल के व्यास्त्र विवास मानदासम्बद्धतान्त्रभावता द्वायवद्ग्ष्टिन्यारावतिक्रीत्रायदावदेन्। नेम्ख्याक्रीक्रादा चाल्ने ने त्या क्षेत्र विद्या में द्रात्म ने मार्ग्य क्षेत्र क क्रियार्य त्या है। विद्याति क्षियात्रेय। दिद्य अभागकत्यात्र स्याप्त । क्षिया विद्या विद्या विद्या विद्या विद्य द्भार्यत्वद्राद्भाराताः भराष्ट्रे भरभाग्यात्राच्यात्राच्याः यस्य विषया र्यतः वर्राद्भायात्रः शर् वराद्वयाद्याच्याच्याच्या देशक्रिर्व्यावे व्याचारात्यात्रात्याचा त्रत्ते विवा वर्षाया वर्षे चलवा पा इत्रवयातार के भरी पायर में दालावया लूट सेवया कर्रद सेवह मेर वर्ष में या बिगानिया हैरा। सरम्बार्ट्स से बेलदान्या से बड़शाड़ित तहे करान्या सेर. रमात्रवर्रात्यर्प्त्र्याः स्ट्राचाक्रम् द्वीदार्गम्बूद्वीः रमतःबर्द्रान्नः वास्त्रष्ट्वात्रात्विताः त्रम् व्यर्द्धश्रास्त्रं तात्वितः श्रीवावाद्यात्मे रेवियुवात्व्यः क्षेत्रद्यात्या राक्षेत्रत्याः क्षेत्रः स्र अव के मार्टर हैं के बिदा तपु केंवा पांचा पर्व ला। वि प्रविधाकिताकी भी परिटर्न हैं में में के प्रति के विका राम हिला देश्री द्वाववरा कु शर इमा स्रमायदास तायव से तर अवक्रियं तर है। ही मिलता ■ विलय् वस्त्रेव्यक्ष्य । स्रेरवर्र्द्रराटा भरा भरा में स्था के व्यास्त्रेव्यक्षित्र । विश्वास्त्रेय स्थिति । ■ विलय् वस्त्रेव्यक्ष्ये विषयि । स्रेरवर्द्रद्राटा भरा भरा क्रिक्से विषयि । विश्वास्त्रेय विषयि । क्वार्मभवाद्यम्भासाहर्। र्वास्त्रम् वेरवायस्याद्वर्धर्भवात्माक्षेर्ध्या क्षेरक्ष्मभागेद्रेर कुर्त्र र्मात्वाहरा केता मुन्द्रम्भाग्यर के त्या मान्यर के त्या मान्यर मान्यर मान्यर मान्यर मान्यर मान्यर मान्यर याद्यत्यहे नानेत वसूरा देर:श्रेरायम्भन्दरं म्बानाक्ररं देरा वर्षेत्र वर्षेत्र देरायम्भन्दरं म्बान्यः वर्षेत्र धुरुकु एक ए. मुभु में राम हम वालय वसर वसर वसर मार मिर में के वा वा वार में है. क्रिक्टर अर (वसर) हर राजवा देवामा कररेप हुन। स्राम्बर हित्रर । वामर द्वासर व वार् अ. छ. ४वेशालयातिया तार् वाह्रान्यर वया में वा वहाता हरी देवा वर वर हेता है से स्वर्धिया है से स्वर्धिया वर्ष लमा बीर की बर दी, व किया जार की रे के किया है की किया की है है है है है है है है है

उम्मक्ष्या बिलारेटा ट्रेच्युर्स्यात देवित्रान्त्राचित्राचत्राचित्राचित्राचित्राचत्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्रा रत्याता मार्थातम् । द्यानामारायमात्रेत्वकः वाक्षाद्वाता अहर्यक्षित्रादाम्यायायायायायायाः प्रवास तर हुना रे. चूर मुंबा शुर विमा (शुर्वभगः) न्ये विवास आ रा. वृद्ध विमा अर विचा वर्षित दिवी । शक्ष पार्वार्यवाद्ये प्रवास्तरका न वराष्ट्रियायस्त्रीयात्रेरः सुराक्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षे भूभाक्षिणविष्यर्थः मूदात्राष्ट्रम् द्रम्याद्धरः र्भाष्ट्रम् द्रम्याद्धरः द्रम्याद्धः द्रम्याद्धः 3,5 क्यातिर्धाम्त्रीत्तर्भित्तर्भित्तर्भित्तर्भित्त्वत्त्रात्त्र्भित्त्त्रित्त्त्र्भित्ताम्त्रित्तास्त्रात्त्र्त्त 4 मिला बोह्या क्षेत्र एक लाईरी अंग्वराक्षिण होरी यावन आये अंग्वर आर. शु. मंद्र श्रे अंग्र प्राचित स्थान रें शुरसरायातकर करे राया वरारे रहामान रिक्षा प्रवेर प्राया के स्वार करें के सार प्रवेश -वर्षित्वरान्तातार तार्वर क्षात्र वर्षे वर्षा देवर्षे मया वर्षे हराये वर्षे वर्षे तार्षेत्र स्थित क्षेत्रमें के विद्या के विद्या के त्र के विद्या क्रिसे रे. क्रियरे या था और किराश त्रेश पामा सेर टे. एटेंडा ने हा हाकर मूर्य मार्श्वेशका पर्वेत ताए दिस्ती 531924 अम्बर्ध हुन प्रमान प्रमान कर्ति क्षेत्र कार्य क्षेत्र कार्य हुन कार्य कार्य हुन कार्य कार्य कार्य हुन कार्य कार्य हुन कार्य क र्ने वर्षे में के त्या के ता के वा कर देन से देन तर हैं व व ति व के कर के व हैं र ने देन तर के व के व के व १ नाम कि विवसायक्षेत्र दिन्ति विवस क्षेत्रप्रमायक्षेत्र विदेश क्षेत्र देश विवस्य प्रमायक्षेत्र विवस्य विवस् (morkes) बाब्र के. क. कार मार नाया क्रिया के वार मार्थ वार मार्थ वार मार्थ कार मार्थ यर् जनर्या है. सहण (पहण) वल समन गर वि वेर विरा में गरि होर देगर स्थे में मी सी सी मा भे ने य पर्वेट.ण.चवरासिटरा.स्। १९०० मान्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् नेत् जात्युत्यसं तातीर नेत्या त्वातवावामायते तत्वावासास्त्रीत्रातसे देत्। केवार्ष्यु (मिर)क्षमणु सैर (१६९) जूर भु परंप (बरण) है। बूर सुबारा के नावण वर्षे हिंव प्रवस्ते भी वावण र स्प्रीलियते क्रिरेशकित्स्रात्रिक्टिरे रिस्ट्यश्चित्र्ये व्याप्तित्रेरे रहे क्रेया क्रिक्टिरे विश्वायम् ध्रीर में र.दी जिलासिर में हेबा बीर जर्दी कुलहेबा से बाज बर में र. व से र.ही ही र ही र हो अर में व र दिरी र्मार्म्यानुवार्म्स् मुव्यस्थरेर। ह्रद्यार्मार्मित्रिक्ते। सम्बन् स्थान्यान्स्यो स्वास्थरे चिरातितुः वृत्तित्रक्या भारता अक्षात्रियत् भेयाक्ष्यां कृष्टियत्। वर्षियाः क्षित्रस्यावस्यास्यतः

चलेश र्वेचल वधुर वेच सम्मुक्त कार में राय की स्मिन के के के का की में राय के कार हैं है

क्रिंग्रा क्रिंग्र्र्य असामिता है। वित्रा भेरा मेर्ग्या (स्वयम) योषेता भ्रम्या पर्देश व प्रदःम्युःदरःकें वरी द्यायदरःकुरःकुरःकुर्मकुमा कुर्या यायाः वृदाः यायाः वृदाः यादाः विदःकिरः। भूवःर्ययाः मार्थार्। र्यत्यास्य अकेर। पर्यासी राज्यास्य स्वासी स्वार्थित स्वर्थित स्वार्थित स्वार भर्त्वायदायात्रक्षेत्रं (भक्राक्षेत्रं)कृष्ट् द्यायावस्यात्रीट्रात्यात्रसाहिद्। सापक्स्यासूर् मेंस्रिर्ताणी र्जिट.सेवाबाता.जे.ब्र्बाकीर.वड्डा जपारेशवा केंट्ररेटवर्बरेटि.लुका रेशए.ड्रेश्-रेराबट.से.ज्रारी ग्लर्डर्या केला क्रां हुल केर्या होत्र द्वा केर्य केला केरा है हैं केर्य के क्षेत्र के का का विद्रा शुट्रयम् तल्याचित्रत्त्रयेत्ये हिट्रयम् अम्यविष्यं विष्यं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं म् अवतः अपद्याश्चीर वो अर्छित। र्थतः बर्रितामार्थका वर्षेत्र द्वारी वर्षा रेमवा देमवा कर्ति वर्षा वर्षेत्र वर् ड्याची हित्याचा में बदाल्येरी रामेश्वर्याय बदायमायरेय निर्द्धार्यार विषया के प्रकर् र्:रु:रे:वर्:थर:यमानेमा हूटके:त्राम्यक्टिर्वारु:तर्व ।देवलवाह्यर्रम्यकातेम् देवा क्रीर.देशाल्य इव.दी देवासेवासेवे.सुण.सुण.रहा देवपणुहर्दनप.वू. बूब.सिर.रहा सुह.सेवासेवे. ब्बाक्षिराच्छला रतिराबूरापुर्दराख्याचला हिरा। पहलाग्रीराप्राद्धवासी विवलानी विवृत्ति म्बा (ब्रग) मित्यश्रम् दरमध्य द्विरधिर.पाइषा रत्नेश्चरत्यर.पाल्यरा श्वर्रमा क्ष्रं इसका माना में दरमते में का का तहिया। वा में वाके वा में ता का माने का में देव हैं त वडरायूकाला बार्डरूव कुरे अमेशाल देव विकासिय मुक्तमकु रवे वा सारी साववार्षिट र्दर द्वरावस्त्रम्त्रीरं विकासनातानेसम्ब्रेणन्विन । क्षेत्र्यद्वसम्बर्धरेन स्त्रम् युव्याति महुव्यं (सहव्यं)क्रवारा व्यावस्था वयवास्थार्य प्रत्यास्थार्य व्याप्ति वर्षायते त्यापार्वे उद्यापस्या नुवार्ग रहानुवार्थरामात्राम् निहारम् विरायम् मान्यान्या कालवार्या में हिन्दर हिंद के कालवार्या नामद्रामः(त्यन)है। के स्टर्यमार्थं मद्राक्षिक्ष के स्वर्मा के स्वर्मा के स्वर्मा देरान्द्रस्ववर्राश्चलका का वा अरमाय। श्रेस्त्रे वा का का का वा वा के लेता देराम हे वा का का देरा कर विवाध्यर्यते वाह्या व्युक्त वा तिवा तत्वा युराक्ष विवा विवाधिया । त्वा क्षरा त्या व्यू व व्यू राया वा वारा विद रदाता को दूर रहा ता ता वर्ष मी पर दि बिद का खेर ता देश तह वहूं व सपु ने मा ता कि मा प्र पर ती ता मेरी रित्यास्ति द्रा दुः दुः दुः दुः द्वा अया स्टाय्या स्टाय सामा स्टित्य मार्थित स्टाय स रूप. श्रेत्र.रात्र. ल्या. (यात्य) केशया स्वयायुद्दाह्य करा श्रेयाया केव्यु दद्वया सिद्यपु से वा प्रेत. ीताञ्चराध्यावरभावरभावरभावरभावर्थन्त्रम् व्याचनाराद्या(व्या) देः त्याया । तावर्थात्याकी ताकराद्याती !अबो.केब्राश्वया, दे.बुका.सूटा सू.सूरा, द्वालकूबाजाबाटा(राजाकपरा) । द्वालाकुरा केटालीजा अबावखुवा सूर्यात्रे र्श्वया द्रावेश रास्त्रित्या भवाहे अवव कुलक्र्रित देर्वाह्मक्रियं वर्ष्य व्या भूत्रास्ट्रास्त्रभक्ष्याक्षिया क्ष्यं स्टाइवायक्ष्याक्ष्याक्ष्या स्ट्रास्ट्रायह्यायक्षय (युन विवास्त्र मुन्य अपारे दिर वर्त्वरा देशकेरहरा विवाय वर्ष मान्य वर्ष हरा स्थान नुवा र.हे.(हेथ)वर.लड.ल.में ववाववर.तत्यप.इम.ब्रूश.क्रम्वप सेवला रेए.वेव.ब्र.सम्रदेश.

परिलय्रति देश्रेर के बेरामब्र वारा में प्राक्ति पर दे वा व्यापाल्य रातपृत्ती के क्षेत्र कर पर पर प्राप्त भुन्दै द्वरक्षिरतकः विद्वन्त्वरधीद्वत्त्रेश्वरक्षित्रका केलात्रकः रेतराज्ञ वश्वरेश्वरात्त्र हूत्रे हिर स्मार्थिक भूति श्रीया वर्षिट (बरमाया) देवारमा वर्ष्य देत्र इसा वर्षिट । जिर वर्षेत्र हैंद्र वर्ष वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र हैंद्र वर्ष वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र हैंद्र वर्ष वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत् 2 श्रेराव। वेशक्षक्षक्षकाता स्वामक्षक्षकात्राक्षक्षक्षकात्र्वक्षकात्रवात्राक्षकात्रवात्राक्षकात्राक्षकात्रा कृत्या वेशक्षित क्रिट्ट प्रकृष्ण विदायर्था पाता क्षाया द्वार प्रकृत स्वत्या विद्या विद्या । द्वार क्षाया विद्य शुक्तिर्यात्र्याः वर्षाः स्रेत्रवरे स्थास्र्रेरव्यवा वर्षाः वर्षाः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व राष्ट्रां की भीवर्रक्षित्र वामातवाद्वा ।राष्ट्र अर्द्रत्यक्षातान्त्व ।वर्ष्यं त्रावाद्यक्षा अवविराहणवरवर्त्र (गहर)वलवहरा देला बेराविराम् विराह्म स्वाववायाम् स्वाववायाम् कुरायित्र क्रियं व्याप्त विस्तित्ये भूष्रपाता शुर्वा मृत्रे अवे. मृत्र अवे. मृत्ये भावेत विद्वास ता सेत् 15 WE अर्बाश्चरेत द्राक्षिट्य प्राचित्र विद्राय में में मान्य प्राचित्र के मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य रसर्र्नेगर्भरेश्याद्रभावाद्रम्यात्र्रम्यात्र्वेषाक्ष्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम् वस्तिकार्षात् के लद्द्रवर्षात्रीया प्रतिविद्यारहे भूव दक्ष भव के द्वाल अवव पर् देरे हर्षात्रवर्षा वर रं वर्षाक्ष्यं किर्देगप्रक्र का देवा में वर्षे वरे वर्षे वर् विवायरकी सर्मेरी वावनाक्वववि अध्यवपायर्थात्यं मित्र हरान्या क्रांचाव वा क्यांचर क्यांचर पववता कुरार्वार प्राकृतिके अक्ति राजिया हरी रयत वहुर वाव वा व्याप है यह के वे वा विशेष के ताअत्वाचानुरः। तर बोते अदुवादु क्षेतु के वरादूर लेट से अलाक्ष्मववा मतिर्थे ए देते क्षेत्रस्व 7203/2/5/ अविना नि अश्रक्षरात्रे बेटाम जर्म अर्प पर्वा किता मुं स्टिश के मावण पर्देश महिर वर्ष केर कर् お日本から र्टित्रमुच्रिय्युक्रम्भर्तर्भ्यत्त्रम् के मित्रम्भरस्यम् के रात्रिम् स्वर्धित्रे स्वर्धित्रम् 9 151/13/ भुणावाणुन। भुम्बन्द्विस्तादर्दरत्यर्र। रामात्रियार्वायस्त्र्वत्यास्व सेवयाद्वरात्र। स्ट्रा 10 Marite fired के किर्ने अर में कर किर कर के कि कार के किर के किर के किर के किर के किर के अर अर अर किर के कि परे.वधुर्ताप.मे बायाङ्गायिदयाताया । व्र.वेर्ट्याय्वयाः पर्माक्षाः प्रद्या र्.वर्ट्यमान्त्रः दर्भावता द्रंदे सम्माध्येयत्रेद्रं पर व्यवताम् में गताने ग. दत्र हे सद्भारायां वस्त्रेद्रं पर व त श्चर्या हैर। वदमार्दायाद्वाताता वर्षेत्र (वर्षाया) क्रांब्रिया क्षेत्र विषा क्रेरा विदार होते में शुःशुःर्वायम् वावी द्वेरः दुःवेव। धरःविधाः त्यायायाय भारती देवतः मृत्या वयतावता हिर्गारी खुंब. हे अह्याता देदार्यात हेब्दा परंत्या अकि केंद्र बाग्र माबीव परी अकि सर बाती पार्वी व परी याच्यान मिर विरम्निर दुर पर १ व सैंपानमा भारता पिर ही क्र वर याता वर्वे या मुप्र मेर रेववता

मुद्र। श्रेशनयुन्यानायुन्दस्य दिर्दे स्वाशनायास्य दिद्रभाषाम्यास्य प्रदेशम्य अक्ष्यं तपुष्टाभावितं वर्षान्त्रता द्वाक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्ष्यक्षात्राच्यात्रव्यक्ष्यक्षात्रात्राचा नश्रीम् की स्वति वर्ति । इस्तार्त्य क्षेत्रार्त्यकी स्वराष्ट्र वालाका वर्ति स्वराद्या हार्ट्य वे वा मर्गात्री गर्भात्रहर्द्धः है। श्री श्रीमाश्राक्षात्रहार्श्वराम् वाद्वर्वत्वराष्ट्राधः पत्राक्षणातवारे हिला ह्रेरा वार्ट्र खावर हेला के द्वे हिला हुर। के वलर हुव त्व हर क्रह्मला मेरा हे हिला हुँया देते हे देता देवा यत है प्राप्त है वा हुँया व्यवस्था यह रहे हर देवा यो वा स्वाव है इति हैर। देररगरवर्त्वानेश्वलहरलहैशा हैर। देतरगरवर क्षुन्यलम् देरम्हेशहम हैन। प्रवास में ते के प्रकार के ते के का का माने के ते के के किया के के ते के किया के किया के का किया के किया के कि म् याना (केंक्र) वायाताया श्रे क्रीया हिंदा वाय्याया वाय्याया क्री केंद्र विवाता वे हिला हिंद्र। स्री हे वा स्री दिव वर्ष्ट्रिश्चेश्चेर्र अहरा श्रेत्रे अहरा श्रेत्रे के लच्या प्रेरित हिला हुर। वर्गा वासला तर्र र ला अभर वावभावीत्रीतास्त्रा अर्चन्त्रेमार्थाले व्याप्तिक्षास्त्रा वावभावाद्यात्राम्यते स्वास्त्रेमा य. व. याया ह. याया मा ताया हुए। हुए। हूर। रवेल या श्री श्री अर यो पाये हुए। हूर। क्या अप्या अपवा प्रक्रिक्सिम् भूगुरुष्ट्र कुराक्रिम्। कैपान्य रेट्स करान्त्र स्थान्य पर्व तिवारा ने क्षिपार्श्व । देवसातुः कृति वा इसावाद्या स्पर्ध के ति स्था वा व वर्गरास्त्रिकुराकुर। अम्बास्यायह्मकुर्रस्यरादेनिकुर्याकुर्र वात्यकुर्यायवेशयह्मायव्यर वृद्धित. ब्रेरा वर वैद्यवीभातपुर्नेशमाकुन पर्वेश वृद्धित हैरा केर पत्राचा वर्षेत राद्यवा वर्षेत्र हिमार्श्वेर। शहरतस्याद्यक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्ष ब्राचार या पड्टा वा शर वे हिता हिर। विशहर में वर्त करें वा में भाग वे हिता हिर। रह है भाग वा वे विश्व विश्व सर वेट देश अहिए। हैंर। केल अस्ताय काष्ट्र पड़िंब कि अवेडिए। केरा अक्ट हे व प्रधिस व पट्टी मुल्रद्भिता म्राह्म म्राह्म व्यापना विकास कर्ण विकास मार्थित कर्ण विकास मार्थित मार्थित विकास मार्थित विकास मार्थित र्त्यमान्त्रित्वाक्षस्यान्त्रर्द्विभव्द्विभव्द्विभव्द्विर् र्यास्यस्र रवात्रः दर्यक्षः स्वेत्राक्ष्यः स्वेत्रा अज्ञाय नेवाने के नामना रगरवना मन्यासमा मन्या मन्यासमा मन्या देवी देवरा रामर रवार में पहेंच के हो रामर वारामा अर्थेव. मृषुकिताध्रेयं ग्रीयाक्रीमानाम्पार्यः । न्यरामाना याद्यः प्रकृरा देनग्रामानः । वसमानद्रायदेन्यतः नर्नानात्वेदाः लूटः= । वाष्ट्राह्मःद्यारद्युवास्तरःग्रेताः लाष्ट्रवृः= । श्रीटर्भारः वाद्याः द्यावाद्वृत्धिरशः मु= | र्दिर. ब्राय: म्बाइमाला अवः म् रिश्वः श्रेटकार । ब्रायेहरर् र्वः माल्यर रिवा मित्रा में वु=। धेवाक्त्रद्भरद्भर्यायमान्त्रम् र्भ नेरंतु = रेक्ट्रहिंदशुश्वेश भागव बेद्धु = नरात विक्रिया पर लूरे वे निरम हिरम हिरम हिरम हिरम हिरम हिरम हिरम र्शुलगासर्देगा.श्रम्थाः चात्रमा.स्राक्तियर्ग्यस्यमा.पा.श्रः । प्राचना.श्रमाम्यस्य प्राचुः विश्व मिया प्रवास्तुः प्रदाने वार्षे वार्षे वार्षे वार्षे दे विश्व मिया वे वे विश्व वि इ.र्युः शर्बेव.रायुः वरःवता सेर.केव.रायुः श्रीट.वेर.प्रकृतः न सेर.रे केर.वरास्ता

चराक्रियाक्ष्य मेशनाश्रक्त बाद्य बाद्य द्वात्त विदाले वाहि। दिद्यर प्रवास्त्र सेट विदाले क्रिये प्रह्रिट संत्य रमर्यमभभाश्चिरायावर्ता राष्ट्रेश्चाववर्षामात्वर्तात्रामा सर्दरमावस्थाञ्चाताविवर्द्ववर् राभन्ताविषाक्रियाल्या चेत्राल्या चेत्राविष्ठेयात् क्रियात् म्याप्ति मेर्द्रा क्रियात्रा व्यविष्याक्रिया क्रियंत्रेश्चेश अस्रद्भेत्रायते अस्ति वीता क्रियं भ्राये विकास वर हे वर्षे व्यादा वर हे वर्षे व्यादा वर वर वर व नरंदर किट शुर्वेशशास्त्रकाका कि. मुर्ची. जाताकाक्ष्यां पुटा शुर्दे र. जाताक्षेत्रण (शुर्वा हेर जाव का भवत)। तार विश्वरक्षेश्वरक्षेत्रायाः अवश्वराक्षिक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राच्याः वर्षेत्राक्षेत्रायः वर्षेत्राक्षेत्रायः वर्षे वारुवासार्वाय वीवार्वेदा। द्याराख्यार्थिवासायाः व्यासार्ग्या। स्वीवान्वेदाराख्यां स्वेदास्वार्वेदास्वार्वेदा (अम्) र वर्षेत्रायमान्त्रितामा हिद्यायकाम्ब्रामायक्रामायक्रियाच्यात्रेत्रायम्बर्धाः प्रमान्त्रेत्रायम्बर्धाः प्रमान र्ह्तद्रभ्यम् अट.रे.क्यान्त्रपुर्ट्ट.रे.द्रप्रवेश्वम् क्रिक्नेरसेवश्ये क्रिट.त.क्षेत्र्र हिट.सपु.बिश.तपु.वी Xages सूर्याष्ट्र तीरस्ता भारत विकासम्बद्धार स्वास्त्र स्वास् भू अर्थ्य क्रिश्मावए वर्षे अर्थि क्रिश्मावए वर्षे अर्थि क्रिश्मा क्रिश्मा क्रिश्मा क्रिश्मा क्रिश्माव क्र स्वास्वानुस्तिर्यतिस्यतिस्यान्ति। द्वायतेक्ष्यात्वर्यस्य स्वार्वानिक्षात्रान्तिस् लीटाक्रियाम् वित्र प्रदेर वर पार्टर । यह देवें पार्य सम्मिता में पार्ट के वार्टिया में देव प्रकास मित्र वित्र के वार्टिया में वित्र र्सि.एकरमास्वर्षक्षिणज्ञित वर्गक्ष्यणवस्व यात्रीस्ति वर्षे पर्य परिषद रे. शुक्र परिषद रे. शुक्र परिषद रे. शुक् रश्चेलमा श्रीटारमास्त्रियास्त्र भाषा क्रमक्रमायद्र वहराने वार्य प्रमानाद्र द्राना वार्य प्रमानाद्र द्राना वार्य न्यव्यात्री स्वातः यह वा त्याद्वा व्यात्र वा व्यात्वा तक्षात्य । श्वीदः यह द्वाः हे के देना मात्र्व । र.र्जिट.अ.वे.ज्. से.ज्यु.सेंचे अ.वाश्वा.वे.वाश्वार्यातप्र.सेटा रे.वतविवात्त्र.अवायावाया ब्रूट्रियम्ब्रियास्त्रः हे, सेरालूरी सीशुः पक्षित्रपाय्युः टर्द्रियः ला क्षेत्रं मना स्रीयः मन्त्रामायाः केवी या तर्श के द्वारा ता त्वीया के द्वारा के द्वारा त्या ता त्या वा ता त्या ते द्वारा ते त्या ता त्या ता त्या ता त स्रात्म वटाम्यन्त्रवास्त्रवास्त्रवारात्त्रवा । यदास्याःवाद्यः साम्याविषेते । क्षेत्राः सम्वतः वद्रदार्द्रहरः। 3万岁 अहर्तरारि किट्रेखिंग केररेरी गरेश पर्रा किल्य ग्रेबिंग केर लिया ग्रेबिंग के में ते लिया में में में के के में अक्शिकि ता कितान्त्र विश्वात मुनीरितातिश्वाता शुकार हुट अम्मे वयवता वासिट विषयित है भूकर बिद्या मेम् वावर म्याया अहरी कु. कुंगु तर्या त्याया त्याया द्या वादा वादा वादा वाद्या वाद्या वाद्या वाद्य अहूर। र्हरशक्ष्यमुद्रक्राचालशक्ता क्रीर में बाबर जन्मर के नेरा क्रिय के वाला में भी

चील रेचार्यवातिरत्त्वराद्यंत्रप्रंची प्रिक्षिरंहिश्यालयक्रेरं मेला सम्देशवायक्षेरं मेरलहेरं हर

चर्षः(चर्षः) किलाम् द्वश्यं अवविष्यशयति सम्प्रदेशस्य स्वरात्वस्य विष्यः) र लेव वि वपुर्माकुर्यात द्वामानुरम्भेटा विद्यं हेर खेला खूब मुक्म के माने प्राम्ये माने विद्या के माने विद्या के माने व क्यास्त्र १ वर्गा की ही हिराता सीर में वर्गा स्वाया स्वाया रहा वर्ग वर्ष में वर्ग की एक वर्ग में वर रिवर्ग मी देशकर ख्रवरा धराष्ट्री देशविक्तार्यते मलदर्श यादश्च मवद वर देद श्रव या स्थान स्थान स्थान स्थान मैंग्राडिमार्टर। रद्युतिमासूबान्ववधानातायो देवातात्वविधारात्वसारे वद्द्रके वद्द्रिता क्षेत्र क्रमा केन्निया तर हैं तह मार्थियों पर्दे क्रिया क्रिया क्रिया है स्वित्त हैं स्वित्त हैं से क्रिया है से क्रिय है से क्रिया है से क्रिया है से क्रिय है से क्रिया है से क्रिया महिंव: इर.हर. । क्रिया सेपारेश हिंदा में या मेंपार क्रिया मेंपार केर हिंदा में या प्राप्त केर हैं। इम्स्रेर्थर्त्यत्रे ववास्य वर्षे त्यक्षाया विद्वारा दिस्ता वर्षे प्रत्या विद्वारा दिन्ते व्याप्त वर्षे स्वाप्त मेवद्र. दे. इर्. ड या दा अवक्षेत्र दावया हो दा वा के वा को वा को वा को वा निर्मा कर कुं मुद्र-वास्त्राद्र-वर्सर् हैवडाका हैद वं वाववाह होदल। दे शव ही दरवा वाल दे रहे हैं । शव वाल दे ग्राम्य द्वित्ररेर ता. सर्थ के सर्र राज्य शाह भरा के वरा केर र द विवास विवास मिर सिर सिर व बेर.वया.कूर्। बूर.बूर.रह. कर.एवर.अट.अ.ट.व.म.अ.सण.च व.र्स.ए. पर.व.काट.प्रेक. एरेकी हिंद. रवर्षात्म्याः रात्राचा याद्रात्म्या व हर्रारह्में वर्षा विकाय में वर्षा प्रविद्रभाषाद्वराष्ट्रेर.बिद्रथे। क्रियां की.दर.विर्याता.सूर्याता.क्रियां क्रियां क्रियां क्रियां क्रियां क्रियां मुस्राल्यास्यान्त्रस्यक्रित्तस्यक्रत्यात्रम् । राह्याल्यके र्याने वलमासम्भूरा हिराप्तार्थात्यात्यात्रम् हरके वल कुलस्त्रियुवर्षवा द्वारक्षाक्षणकुण्दा दलस्वाद्वारायायात्तराचेराच्या क्रे.बाक्षरपाद्धर क्रिर.क्षेर.वर्र.वर.विवाशस्य वर्ष्ट्रवर्ष्ट्रियम तत्रव्यक्षियातात्वावर श्रद्भारमर-जूरतर्य विश्वहर्रररक्षीय वेर्पविश्वर्रर्थ । विश्वहर्षेत्रर क्षेत्र विश्व विश्ववर्ष कुलद्याम्यो श्रीट्स्यमभक्ति, मूर्ट्रेर्ट्रेर्ट्रेय्यक्रम्य कुट्यम्बर्गियः वर्षात्रम्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स नामर में प्रतिकार्य्य अज्ञर देशकार जर रेड्ड अर के वर के ल के वर प्राप्त पर्व प्रतिकार प्रतिकार ने डिला, थे बर्रान्धुव्र. प्रि.कृत्र, दे. बर्ट्रेट्सुल वेंवा जावत ही वर्रात्र व वा जुरा व विश्वास्त्र के विश्वास्त क्षेत्रम् स्पृत्यत् वर् द्रितहरा वर्षा क्षेत्राक्षम् वर्षाद्वरः दे लदः क्ष्यात्रे क्षेत्रकर् के वहरादे वर्षे व हारहात्म्यान्ता वावकान्नतः स्वराम्यान्त्रः स्वराम्यान्त्रः स्वराम्यान्त्रः वाक्ष्याद्वान्तः स्वराम्या स्रिचीर्वावेशम्बर्म्यायायक्यामक्याम्बर्म्याम्बर्मा स्वाम्यासः राष्ट्रवायायम् स् वस्त्रे सेवराद्री कितात् अद्भवन्ति द्यूरमाध्यर भेर्डिसाचात्रर क्षेत्र में मा परवर्षेत्र विमानी. व्या किताम्रियरकरस्याके जलर्गाम्यम् म्रीयायम्की अवत्यायस्य स्टिन्दरक्षेत्रे मेर कियाय भीवा रिब्राट्या श्रीटार्थरायद्रिः इस्रायाता वास्तरमाया देः देटा द्वार्क्कः वाह्यः स्टराक्षेत्रास्तराक्षेत्रास्तरा मेट्र.पाअश्चिता, पहण्या हेवा शाता वा हेवा शासिक करा। रेट्या सेवार तपुषर सेल्या सेल्या है मिलाक्षाक्षात्राक्षात्र्याक्षात्रात्रात्रः रवतः वर्दरः व्यवनातात्र्याः यतः दरः राक्ष्याः क्षेतः वरः शु इशक्षात्रका एहरा पा आक्षक्ष क्रियार्टरा विकासी हेवार हो पर होता होता देवा वा हेवा का स्वार है.

वि. तु. भेर ति. सेर ववसा सार्ट विया । दे. में से या मवा व अर शुर र अर अपूर वि के ता इरा देल्खूल-भः अरं विवालकेद् अविवालुकालावर्ग्या वर्रदेर मुंबुद्ध केवा देव दु स्वादि स्वादेर यार्) वाववास्ति शिक्ति तास्त्रास्त्र तारम्याद्र वाद्रम्यादे प्यराक्षे सेवाद्रावस्त्र केतास्त स्वराक्षिणाम् भारतक्षिताका वितः विद्रम्या दे त्तरित्रया वा एकद्रमाह्नि दे त्रित्रद्रवा वा देवा विद्रमा वितः र्षुत्रित्राम् व माशास्त्र। मेट्टापुत्रहरात्रित्रे देशका सम्बन्धिया स्थाप्ति वारास्था मारा वेशानगूर,जूरो क्रांगार्ग्यंत्रां क्षेत्रार्थः प्रक्षिमप्राम् क्रांन्ये विष्यां विषयः विष्यां क्री. वोवदः वः राया गरिन्द्र । वर्ष मेंव (वर्ष) विक्रिय (वर्ष) गरा विवर्ष भारत में देर का मितर में राजा प्र. ? (सर्थ: ३) बाह्रद्रक्व । द्रह्रद्रवापर्याक्षिम् क्षाम् क्षाम् अत्याम् अत्याम् द्रह्रद्र चेराद्यत्व द्रह् र्रट्य अधि अधि अधि । र्रक्षिय क्ष्य । र्रक्षिय क्षय अधि हेर्द्र अदि विवास अधि हेर्द्र अदि विवास अधि क्षय । नध्यार्थियात्रेयात्रे। मानवयात्रेदवमामाकूद्वा राक्त्रिति क्षियात्रेद्वतात्रेद्र। विश्वास्त्रेद्वा क्ष्यामर्थकुरमातमा के.के.स्रम्ब्र्य्च्यामिकाक्षितामामवनामारः। य. एहए.दे.स्र्रंच्याम्म् (अरेर) धर व में मुना मिना हिंदा प्राप्त हिंदा केर दिन हैं ने किर देश की मिना मिना केर हैं मिना केर किर हैं कि किर हैं मिना किर हैं कि किर है कि किर हैं कि कि कि किर हैं कि किर हैं कि किर हैं कि किर हैं कि कि किर हैं कि क नपुर्वता के के ला पहर में बद्दा भारत देवा मुख्या माता कि बद के के देश मार्ट र माता में के कर (४०२) व. च थेता. क्रे पा. में अर्थे देश रे हे पा. क्रे या वे वे दे रे दर पाअ दे खेवा. हरे । वाववाहिए अर्थ दे खर श्र्वाद्धरक्षित्रक्षेत्रक्षाद्भावत्रविष्ठदुष्त्रम् रार्भारत्यात्रक्षात्रक्षात्रक्षा रिक्टरान्त्रिं पहरत्रेश्चे वेद्वर्षित्रे वेत्रयाच्चेत्रवा केत्रयाच्चेत्रवा केत्रवा केत्रया केत्र यीला सवता (जनता) भट्टा त्रिमा (अम) रे. शेंचा हुं रा अमूट हैंट इंस. रे. हुंचे रे अप संग्रह हैंट. इंस. रे रे. हुंचे रे अप संग्रह हैंट. इंस. रे थ्टा यथना मृतुः स्वामाना राज्या पर्यापा (वर्षाया) तामा साम्द्रा में वास्त्राम् स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्य स्वास्त्र म् मार्म्याकरत्त्र्यः मार्यक्षेत्रः क्ष्यान्यान्यात्रमा वर्ष्यात्रम् वर्षात्र्याः वर्षात्रम् वर्षात्रम् मिनारामिताकी सेर्यासकी रविष्यात्ता । वि.विरस्ति मेर्याप्ता प्रमानिक स्त्राप्ता विवासि मेर्या यो मा श्रद्ध मा भवा हिमा वता हिंदिर दे तरी हेरको दायर में द्रदा हुवा (श्रवा) वी ता हम्य हो मही दर गु. तरे वता श्रद्भारमा सरकेत्र वर्षेत्र अराद्मार वर्षेत्र के निर्मा र्द्ध्यं नेर रवा हु दुव य। रिरायः ग्रूरं मुद्राय्य । श्रीटः क्षेत्रासूरं / व्रह्मा वर्षः (व्यक्ति) स्व वर्षः व्यत् कावायः दे द्रह्म। वर्षः स्यास्यायस्थितस्य कार्यस्य कार्यस्य व्यास्य व्यास्य व्यास्य व्यास्य व्यास्य ॥वर्षक्षिक्ष्याक्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्यावर्ष्या चीर:धाराष्ट्राच्यःदेशःभवे॥ ्रेश्वर्ड्याय्क्षःस्वितार्दरःम्यायद्दरःम्यायाद्दरःम्यायाद्दरःस्यायदेवरः। स्वत्यव्यायद्दरःस्यायद्वरःस्यः। स्वतः रेश्वर्ड्याय्क्षःस्वतायद्दरःम्यायाददःम्यायाददःस्यायदेवरःस्यायद्वरःस्यायद्वरःस्यायद्वरःस्यायद्वरःस्य र्जिट्टरभयाद्युः से स्थर दें । ब्रें बेट शुः दे ब्रिश्न के प्यववयात हो र भावयवया की रे वया से र वट दे र

क्रीर देश शे हे बोड़िल में देव अरर स्टूर रहेट रहे व असी या अरा हैर में रे र हैता व सरस है कि

1 burn

क्षेत्रात्तरा। क्षिट्शु: रेश का क्रिया वर्षेत्र रेश क्षेत्र हैं वर्ष क्षेत्र क्षेत्र हैं वर्ष क्षेत्र क्षेत्र हैं वर्ष क्षेत्र क्षेत्र हैं वर्ष क्षेत्र क्षेत् थ्या एड्रिश्य-भूट.सेर.एर्स्न.अ.बेश.तर.द्रंक्ष्य.पिया र्र.व्राहित.क्रिंग.इ.प.क्रुंब.वे.बे.वे.वे.वा.पा.से यो की पर्ति विकार के वा बाहु वा की वा के पहुंचा पा वे का हुन हुन हुन हुन रामान वा की देश हुन हुन में विका वर्षार्श्वातात्वात्रम्भद्रः। मूर्त्यत्रद्वास्युत्वरम् लर्भा के के के के के कि के के कि के के कि के के कि के के के के के के कि के के कि के के कि के कि के कि के कि के म् ता भुक्टापबिदास्य प्राप्त्राम् विद्र हेन्द्र प्राप्त्य भीता विद्राप्त विद्र । तथा भीता विद्र । माले क्वलक्षेत्रे वलगरेल हरला हरा स्थाने क्षेत्र क्षेत के.अ.बाड्या.ब्री.सा.एट्या.ह। व्या.ब्रा.बाड्या.ब्रा.बाड्या.ब्रा.बाड्या.ब्रा.ब.एक्या दे.र्टर.क्या.ब्रा.क्ट.पा वावता. ३ द्वेरा.ब्राट्ट इत्यर न्यू के सर्टी चन्द्रिय महर्ता के खर पहुंचा है से महर्त प्राप्त पर प्राप्त कर कर कर के लिए द्याक्तिश्रुद्धतारी के हुए एक्ट्राहेश सिवध्वाराहरती श्रुभर एक्ट्राही अर्थ हैं देशवी भूत्रम्याभूतः भवतत्रयात्रापूर्य तहतः वानुवास्थरातः तुसंक्ष्याताः भूता हिटायसंक्षता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीत ल बाबरी कररेब्याश्र के अद्भार का में लविया में हिंदी का में लविया में हिंदी लवा लवा हुया कर १००० रार्। त्यारवारः व्यान्त्रः स्वायवितास्य। सर्रिरः वाहर वाहरः वाहर्षात्रमा कि वर्षाः प्रहेर। त्यारवारः रक्षिः वाहरः म्बन्ने न स्ट्रिय क्रिंदर न व्यापर मिन के कि कार्य कर के कि कार्य के कि के मिमलार्दालकार्ग्यस्थिका हर। देलातकारार्धारकार्वारकारम् । अक्वारात्मिन विवासिकार् इर। अङ्गातमात्मक्षात्वर अर्ग यर्पमानम् विषयात्रक्षात्रे वार्ष्ट्र लुवा भुभवनाक्रिक्तर् ब्रार्डिंग कुर्यर्श्वरा कुर्यर्श्वर्था रक्तिर्थे रेक्टिंग हैंग होरा क्रायक्ष कर नर। क्रद्रियमज्ञी.वी.मुतापर्वेहिता निर्देशमण कात्म्वयूर (क्राय्ट्रक्षर)पर्वेहिता र्निट.क्यु.अर.दे.दर्ब्याक्युग्रहेर्। कुल.बी.द्रं मेर.बिट्याता। वि.बेट.बु.एह्यालानेट पर्यातप्रतियातारत्वरतात्वे प्रदूर्य कुलाइम्शुवेशातप्र सेवर्यर्या स्पाक्ष्येते वर्षेत्र १० मुक्तावर्षेत्र कुमाध्यमाताम् विभाग्यमात्र्रेयात्रहेयाः सर्विरंज्यार्द्ध्यमाय्याता विदेश्वयात्रात्रार माय्यस्यः रेरेट वे नार स्वाधित नाइ अहिन हर ने स्वर के स्वाधित स्वाधित के स्वर हर ने स्वर हर ने स्वर हर ने स्वर हर ने स्वर गर्दाय। क्रि. क्रियाव सेसा स्था क्रिया देता के लुभा चरारें आ पर सामा व्यास स्था व्यास स्था होर व. 15 एक्र क्ष्या रक्षयारम्यः श्रे अर्रद्भवरम्भणः क्षार् दश्यम्भिरम् स्वास्त्रभावता वर्णात्यारम्भवतः एवसारायाया तह्यावीर सरके वक्तायारे। क्षीत्र वर व्यक्तायाया वीर प्राप्त द्यतः वर्द्रः क्रान्त्रे र्वः दृष्ठे व्यद् क्रावशः वर्षः ही द्यवः व्यद् क्राव्यवा द्यतः ता । 

र्म थेव

Zarz.

ः श्रेश्निर्म्या रेथायर अकर।। देश वेर अवश्रिर या द्वेश श्रेश हिर **वेश**र । रक्षितार्,रहेबाताअबूट्रहटा रेताए वर्टर्वेश्वभाष्ट्रिक्ट्रिश्वेश्वर्थात्रे भावरेर.(राष्ट्रिक्ट्राक्ट्री ८वराग्रेर्वेच्या रासिएलयाड्डिरकट्ट्रवाड्याचा युवाचा युवाची रास्तेरत्ये वाद्याक्त मिल्यायामहर्द्रार्थाये केरा स्वायम्वत्रमारी कित्वारे दे देरदेर के कित्विवर्यत. पर्राम्याया स्थानिक स् है। यस्त्रा के त्वमा दमद्वा अभवतिर्ययकारः। मुर्मिट्दर्यात्या स्वमा दयरात्या श्चेरवरे। वसवयारवर्षे। युराया इतिहर्ड्रो र्यत्वाववर्षह्रेत्रव्यव्यवित विवः भ्रमः दूरः राज्ये वहवाया। याच्यः वार्यः विवाद्यः के विवादः के विवादः के विवादः के विवादः के विवादः के विवादः विराया रोर में देवी खेला यी विराया के शेट रेट अप वडमा से सं राया के प्रविद अद विदेश के प्रवित के रद्भामा वन्त्रयाम्यास्य स्वास्य देवाता देवातास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य जूराजूरा भाषचा है। रूता भाषा क्रेंबातरेंदा की सेरारीरिया ताक्विताता के बिर्म क्रांका पर्देंबा दायुक्त र्ना व्रिंबरकारालरक्वित्रिक्षिणाया। रगए,वर्रित्रेज्ञाअक्टवमा व्रिंबरक्षाअविष्ठः वर्गाति तवित्रादर तमाद्या द्वित अक्षेत्र वर्गानित भी नवंत्र द्वा मान्य वात्र अवन्य वात्र अवन्य वात्र अवन्य वात्र अर्भात्रा रिनए वर्ष वर्ष वर्ष सम्मित्ते हिर वर्ष मित्र भ्राम्य सम्मित्ते हिर वर्ष मित्र भ्राम्य सम्मित्ते वर्ष । विद्या सम्मित्ते वर्ष । विद्या समित्र सम्मित्ते । कर्मे प्राची त्राच कर के हिंद देत ए वर्ट में अंश के प्रेट दें एड्रेश वाम अंश कर वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष क्रिट्ट अश्राम् ब्रिट क्रीया क्री दिवेश ग्राप्तेट प्राया वी मक्री है। खेबारा दे देश वी वा श्री आहे व रहा। नवायात्रयात्राद्वात्रयास्यात्रवात्रद्वात्रद्वात्र्येदायाक्षेत्रयाक्षेत्रव्यात्रेत्रे वसर्रे थे प्रविभक्षियं गम्रेर्टा ता सेमहत्य में ने त्रथा में ग्रंथ के में ने त्रथा है में निर्मा के में निर्मा उभनिएरयएस्ट.रदा रम्हित्रर्यस्य विस्तित्यस्य विस्ति विस्ति स्तर्भावन्त्रस्य र्भायवात्रात्रेयुप्तावस्र्रे स्वायार्द्रा स्वायार्द्राया वनवायाववराक्ष्यास्व उम्हामान्यात्रात्रा वारात्र्रे वारात्र्यं में त्या क्राम्या क्राम्या वाराम्ये ध्याकियान्नः प्रमामाना रेमप्रापार्टः। स्रेम्बर्। वस्त्रात्माकास्त्रान्नः न्युं से पानिया राम्मेर्न्यन् (स्व) द्वर्षेत्रमाण्यरम् त्वर्षेत्रम् केर्न्यस्य क्षेत्रम् कूरापर्स् । रिस्कुकुर्सा अभार, रहा विश्वाकु एस् क्षाका सूर् भिवाक सूर्य हिंदा कू वे अंश भिदा बर्गेद र्शाम्याम्याम्याम्याम् । त्याम्याम्याम् । त्याम्याम्याम्याम्याम्याम्याम्या करायु बर्ह्याम्यावावा केवाविरायर स्थार देशकार्य रामा देशकार्य स्थान रा.मेश श. विशक्ति विदः मण के पार्च अस्तर देवें अभग नरे छ द. ह.कर न्यारेशन स्वाता. ता प्रात्मा मेर केपूर्ट र बराइका मारी दरकार केपा में भर देवर्द विद्या द्यार में कार्

क्ति, या अद्दर्भ केंद्र केंद्र या वर्गा किंद्र या देश या प्राप्त हैं देश वर्ग मार्थित हैं हैं वा वर्ग मार्थित हैं हैं वा वर्ग मार्थित हैं हैं वा वर्ग मार्थित हैं वा वर्ग युनातस्या (स्वार्क) प्रेट्डिंग हेर. ट्राइडिंग रेडिंग रसवा एर्ट्या खवा जे. जाता से देवता परेवी रं दे देवा क्रेम्प पक्षरं क्रिं रहार् वावशा रेम्ब्रा एकार प्रक्षयं में सम्भार में देवशाविवद्वा पर्या श्चरायदक्ष्रक्ष्याया क्षेक्ष्रक्षरमात्रम्यद्वाता वर्द्रव्यात्रक्ष्याता माधरातासूर। प्रतिधिषु वरारी ह्या कुरा हुं । वकुरवारारी प्रतिभाव हिराला क्षेत्रा किया प्रतिप्र रेक्ष गर्दर दुः सीलार शास्त्रा नाम गर्ने दुः गर्दर विदेश दि हैं के हिन्दे दि से देश हैं दि से देश हैं हैं मिल्लिक्या स्थानिया हिम्सित्या देवता स्थानिया देवता स्थानिया स्या स्थानिया विभातासरम्बर्विर देवायासी विवर्ध विशाक्षियातकर वर्षेर द्वेया प्रतिवीर देवद वर हिंयाया वर्षि व। वि: दवाक्षेत्रं स्टाममा क्रिया केलायुर विवास सम्बन्धिया है ते सरक्षिया श्रद्भविताक्षेत्राक्षेत्रात्त्रवित्रक्षितः द्वितक्ष्याः द्वित्रक्षित्रविद्यवाक्षेत्रवाक्षेत्रवाक्षेत्रवाक्षेत्र कर्गानित्रास्ताना अभागाद्द्राहरा देहा दे हे कि हमेर अर तर रामित कुण महितायो गीली. बद्रम् लाउटिजावपुः सेवायकार्त्राद्रात्राचिद्रदेश्यातार्त्रात्रात्रिकार्त्रात्र्वेश्वात्रात्र्वेश्वात्रात्र्वेश मिनाश्वरशा दिद्दिशवात्वात्वद्वद्वतिते देत्रद्वात्रभात्वात्वत्वत्तित् वावार्यद्वविवाहेदः क्रामा क्रियातराटराचपु स्विचा दे.र्स्यू विटाविट्या केटार्स्यू हटा केट्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया लारा) दर्जीर्यारावादे विविध्वासाम्बद्धियासहर क्रियात्रहर क्रियात्रहर दरावस्था है स्व स्त्रिय सेराद्या बाजामशक्रियार्शियारेट्रहर.लूट्रान्त्रा श्रीटान.येश्वरामिशक्रांट्रहर्ट्यपत्रे.यूज्यान्त्रा चिर्यात में चे अरेच अदारा देव क्षाव महिरा देव पर महिरा ये । वर्षेत्र। हर हर संस्रेर्स ध्येर्दर्र ध्येर्दर्र स्थान्त्र स्थानित्र स्थान्त्र स्थान्त् स्वास्ति वर्दः वारायमा सदरापद्वता स्वा वस्ता विवास क्षेत्र । सक्षेत्र स्वा स्वा स्वा विवास विवास विवास विवास व त्रिवा.एक्ष्व। अर्टरःलूर.प्रेमशाव.र्ट्ड्यंग.एंचाद्वेय ।रंगए.वर्रंर.प्रेमशामञ्च्यः स्वामान्त्रेराप्रे देर। सेवयारेर। डिर.के.र.र. वर्षी क्व.सर. हीतावासेर. हेरा हिसा हर अवसावा याता रही वर्ष र्विट.यो अर्थःसि.ये.तीया.एक्व.राग्यु.श्रमाश्रदे.तर.अकूट्यायेशो श्रीट.यादार.राध्याय्वे. य्यावितः अभित्ये स्रेर्याय तर्रे र्रिट. रे. या श्री अक्षिक क्षित्र रे. प्रक्षिता स्राम्या स्र वश्चित्र वश्चान्त्र देवशानी एक्षा ए क्षेत्र प्राच दा विवान्तर वशः हे १व क्षेत्र वह देश ही वा त्यात परित्यभावर श्रीर मु के तकर विश्व विश्व विश्व के देर विश्व के देर क्षेत्र दूर क्षेत्र विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व में खेश अवस्था के हें में के कि के में के कि के कि के कि के के कि के कि के कि म्यूर्यं स्वाराम्ब्रम् स्वार्थः स्वारा द्राया द्राया स्थार्थः स्वाराम् वाराम्याः स्वाराम् विद्रायाः स्वाराम्या

क्रिक्षक मेर्द्रमें। ह्या । श्रुष्टायहारी हाराक्ष्य देश कारातारीहाराक्ष्य मेर्द्रमा । क्षेत्रकिथं विषय हे.र्र्यम् ही वहेश्रयात्रक्षात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्यात्रक्ष्या सक्र मित्र केर्या सम्बद्ध मित्र देश देश देश मात्र कर्त के देश के देश के देश के देश के मित्र के के देश के के देश ल.क्टाअक्टरकुक्तल। हैदलालअक्लर्सिंग्यं । सेचलेअवचलअधुक्तिं वर्यूदेल। पर् प्रविधाराता के मैर्यालेर। रेकाए खरीया किसक्ति विष्या प्रदेश्या कराया थे से आसे री वर्षात्राक्षात्रात्रात्रविद्वत्त्रव्याता तरेत्वात्रव्यात्रव्यात्रव्यात्रेत् क्षेत्रक्ष्यात्रत्त्रम् तर्त्यामा तहेवतरे हैं अवेद। के तर् रेर व लका वनात मुंब मुमला वदाव हर केद्य के वा निर्मा है रहे मिनायि त्राचार करमा वार्य वार्य । क्षाने क्षर्य वार्य त्राचार वार्य स्थान वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य र्यंत्रः द्वरान्त्रः वरिः वर्षायाः य रदः। य असे र्यारे यु प्या विशेषा में से रे रे रे रोस्यायाय से र र से ह हिर से से र हिर हे अहे अर्ड अर्ड कार जा मह विह ही हर में में में में प्रेर्य मा そくかからいいまいい あらりままりまるのはいれく くっているようはあっけ くっていいので अर्द्धरात्रा नामरानान्त्राक्तिकार्के मुनाव्याद्वा के क्याम् क्यान क्या के ते व्याप्त दे तर्वियाधार्थिक वाण्य वर्त्य वर्षा वर्षे ता कर्मा कर्मा मान्य मान ते वर्षे मान वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे अद्भार्त्या के स्वर्त्ते ता स्वर्त्त्र द्वार्षायात्र स्वर् दे तर् वर्षायात्र स्वर् [किंग्निर्श्यकात्री लद्ये पा] शुक्रवादे वया यालवा प्राण्यूरी दे परे पार्थ है । द्रान्तिर है। वर्ष्याताता रेश्रुवाश्चित्वां वात्रां वात्रां दवाश्वाय्वायवायात्ता सामाना वादवायात्रः मिलायाम्या मेर्यं देवताम्याया मेर्यं देवताम्यार्थाययाः । सर्देशका भित्रं दे बीटारमाराष्ट्रमारामाराराज्याताताता नामारा हे.सव.बी.मा.बिटारीटारी ज्रांदर में र बिटाकी ग्रां रेर्ट्स्म्स्रिट्यार् क्व रेया विका व बर्यर हुने सार्थ में ब्रिट्स्ट्र ये के देशक्त्र) क्रियाक्चियाक्चित्रहेरियाक्षेत्र वार्याचरवा (वरवा) वाष्ट्रमा स्वित्याक्षेत्। श्रीवन क्रियाक्षेत्रहेट र्जुंगरा भग्नें में द्रायहर महरा ने रोग मिव श्रेया दे हर श्रे में दे के वा वा या का हर।। द्रमा ब्रेम्बर्स् वर्ति दर्गा तरमा श्रेट देवित्या ता सा से दा अव दे भेवता वर से त रदः एक्षा रिमर्थ श्रेमक्षेत्र । अ. इ. दे. दुरव विश्वाती वात्र सेर कु.क ल. हीर (रहर) कर लेबी.

क्रिंग्री अट.इरेरट वामीकारेटरे,रेबाचीप्यव अविवास.क्रिश्रद्वारा.व.प्रच.इस.ध्याक्यां. भुगुर्यमान्यमा (यम) । दुर्दद्वमान्य विष्यमान्य विद्यास्य विद्यास्य शुड़रागर दे किटा हार जाया वा वह पर दिन वा ना कर हो हो हो हो है। देव वा में बा कर हो है। अब्दर्शटाम् बट्टान् वायत्रे मेट हेर्ड्या कार्या होता कर्णा हिया है हेर्ड्या कर्णा कर्णा है। हेर्ड्या कर्णा कर्णा ग्रास्यात्मवाहिन्द्र। रार्श्यात्रकालवाहिक्त्रेर्प्रदेश्यात्मका कियान्त्रक्त्रेर्प्रदेश्यात्मित्रका मर्था मुसक्त है प्रकाल र केंद्रश्च तर र प्रकृत (पर्वेश) मुस्कित व्राप्त के मार्टर विव ब्रि. लुक्तं न्याना विद्या कुरेया कुरेया ब्रुरेया ब्रुरे पहियो पहियो प्रकार के मार्क दरा है। दरा है। किरे किरे क्रियाक्षिताहरः। श्रीराम् अर्दरमार्द्रियास्य निम्म क्रियाक्ष्य विद्या इ. में ट. चुल डिर. ट. हो अ. वाजव हे. पूरे दर वड या रार प्रय (धूका पा (र्वा पा) हाआए बार काष्ट्र अन्याद्र स्था मित्र क्षेत्र あるめまから、あいていることにないないないないというないというないないないない。 वास्त्रा अविधान में ख्याचे दारिया अक्र हता केंद्र वा काद्र मिंद्र मिंद्र वा काद्र मिंद्र म्रें रत्ये का के कि देवा अक्षर प्रवेश दें प्रकाश्टर के मात्रा अक्षर दें भारत के किये मान्त्रा मिनिशा विद्या तेया किया के सामिता के मानिक किया के स्वापता में स्वापता अबूत्र (प्रब्र) रेटा टिवा प्रदशक्ता काम देश देश ता वा विराद र कि शुन्द्रित्रा तामा विश्व द्राया अदावा सुद्रा भारति स्त्रा सिद्रा विश्व द्राया विश्व द्राया मुन्नामा द्विवारा अत्या द्वार द्वार द्वार द्वार द्वार प्रमान विश्व व्यार स्वार द्वार म्। रिनः क्रिन्भुम् अत्वर्भाष्ट्रमात्रमात्रमात्रमात्रमात्रमात्रमात्रम् क्रियायात्रम् क्रियायात्रम् क्रियाया रद्रातक्तारम्य के शायक्या के बावाक्या ताके रदार्क्य वा के रे वाक्या विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व कर, बर करेंचा । केंचा थे, जा जा प्रवास पर दे, पर प्रवास मा के हि. केंद्र । कीर प्राप्त प्रवास करा थे पर थेवर्थके लूद्र। में लूपाकरार्ट केंद्र हैरतालर इर विश्वास्तर दूवना द्वार र दुर्धके वर्षा स्या हरामते तर्भेमा करामरा नामा के में करामरा नामा करा हर करा माने प्राप्त करा करा करा हर करा माने करा करा करा सेर. अर. शर. शर. दे. तुवशान्त्र : एक्टर. मेर. टा. यो श्वार विर. तुवर दे. मेर. यो शर. राष्ट्र यो दे. माणकर . कार. ये श्वार प्राप्त कार है. विश्व वेश शासि विधु सर सूर ता केर विशा क्षा व्रथा प्रथा प्रथा प्रथा में स्था क्षा शासि । लर्बर्वित्वति विदः। वर्षे , किट.रेशय.प्रेशत.कुपटत्रजाद्रमंत्रित.र्ज.सेवात्। रक्ते.इर.सर.प्रेशव.केवावकपाक्रिय.हु.प. त्व। गलकारिए रेजवारत्व.वाश्ररातारत्व.कुशामहूर। र. १८ १८ है र विश्व कार्याते वा 度くっていまいないないないある。女子: 当子: g. でかいない ロスローの はまっている!

999 239

से लार आईव वाय में र यर पर काईव वर अईव वर में विक् आईव वर अईव वर अईव वर में विक आईव वर अईव वर में विक कर काईव सन्दर्भवानेशनेदा स्वायहत्त्रिया स्वायहत्त्र व्याद्भात्त्र हेन्य स्वायहत्त्र । स्वायहत्त्र व्याद्भावहत्त्र प्लावता पर्वा वराजायाविवारी अस्त्रमाराजारी इत्रार्वार्रा श्री श्री स्थान मेर्वराजारी र्द्रावमा नह नेता वारेने मुक्ता पिर हार्ने मुक्ति हेर्ने ही केत हारा का का प्राप्त का की वार्त. कुर्याक्षेत्रतप्रत्राम् केंग्रा विष्ठमी नूरी क्षेत्ररहात्र त्यात्रा हत्ता र पराम्रा केंग्रा विष्णी तथा निर्मा कुलालवा कुर्ने (ब्रायक्यालानरा किरवातराविद्यालाकुलालवा विस्तेरेत्वेत्त्वात्त्राक्षराविद्य स्वराता श्राम्यास्त्र ताम्य द्वारा में वारा भी कार्य स्वरात क्षेत्र क मक्तरमरावरक्षः वालातः ववशा इक्षेत्रकात्वाता विकारम् । मान्यतारम् विवारम् त्रे में त्रु अर्थे व्यटक्तर हिमतर्य। नाया ततुका देश र द्याया दराया दराया हर केने तथ्या राम्प्या. श्री. पर्मा कुईर जाया. है. जूर किंदिकदा) केला ता बालवा अर अर्थ विद्याता र लट्रवार्वियात्रयेवस्य श्रीर्ययवर्ष्यात्रम् वर्ष्यक्र वार्ट्रक्षेत्र से से हेर्लायात्रविवार्थित 3 मुकारकारकार्यात्वात्वात्वात्वाक्ष्यक्षा कर्रद्येत्रेत्रातामध्यक्षकाक्ष्री द्रवारवारवात्रा. स्री देशकार के विकास में अध्यात स्राधिक स्थाप के स्थाप में स्था याः अश्चात्वयक्ष्यव्याः । र.रेएकर.सर.सर.सरद्रां भर श्चिर्यस्य । यो हे पास्ता क्रि.रे.व्रेर्रे प्रकरा (ड्रेब्स्व) मंद्रवारिया ते क्षा द्रवार्थिया द्र द्वेरमिनायकेवराकाः र्याक्रियात्र्रेत्वे कराव्याः भूका राष्ट्रिक्षावराताः भूका राष्ट्रिक्षावराताः अवि 433 म्क्रियारा राज्य दार्गाता अहार मिर्गा अत्रे राज्य के देवा प्राथ प्राथ मिटलातपुरिक्तिर्। यक्तिरिवाम् रेशम्बर्द्वस्तर् ने क्र यह वस्त्रस्तर देश है। रख्या दिलाग्रीरे.ध.एकुट्यूकी र.हे.चर्यन्वयात्र्यात्र्यात्र्याय्यात्र व्याप्तित्रात्र्यात्र वर्रतेवयाय्याक्त्री र्सरम्भवर्षकरार्देवरी के.परजन्नकाषकायवल्या देवपश्चामारदेवाचाराष्ट्र र्या ह्या श्वारा वीय ता तवर ता अर् वार्म्य अर्थेय अर्थेय नावर विद्र्ये । भर्मेट ख्रिया है च बर्दर हिया किर तिया तिर निया किर निया किरा तिया किया तिया तिया किया है । दिया हो नेर किया केरा विकार केर में नि ) दुलार्थ दे ले र खिर लाय वास्त्रका. २८.व्य.वीता.बीता.ब्रेय.व.क्षेत्र रद्भा.क्षर.कि.की.ट्य.ब्रेश.व्रट. तापा.का.ब्राह्माया.वि. या.क्र.व्य. चयवर्र यात्र्यायाम् म् इत्र द्राया हितायक्ता के स्थाप्ताय हरा वाहर विकास । देवस <u>5</u> श्रेय श्रमात्री वव देशक्षित्राम्यक्षायरविकार्याद्वेद्वार्थायात्रु वर्शरास्त्र महारेदाल्यात्रमात्रु वस्त्रयस्त्राचयहर्। हिर्वास्त्रम्भरात्रेराख्र्र। क्रियद्वत्रेर्ध्यावादर्भात्राख्र्र। क्रियंत्रायाद्वरः

是一种的原理。 1911年,1911年,1911年,1911年,1911年,1911年,1911年,1911年,1911年,1911年,1911年,1911年,1911年,1911年,1911年,1911年,1911年,1911年,1

मनाकोलाकः अन्तराद्यान्त्रात्त्राद्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् चर्सर.य.इक्ष्यंश वृद्धात्क्रिश्यक्षेर्यके छिएके बर्दरा धर्द्धात्वा व्यवस्थित है। देव ग. श्वामाक्वितातरा किरोत्रकाः व्राट्ट श्वास्ट्र क्रियमात्रमा भारता श्वास्ट्र श्वास्ट्र श्वास्ट्र (HINER) क्रियात्र श्वास्ट्र श्वास्ट् न्तर्सिट्यूटक्षेत्रक्षेत्रत्यक्षेत्रयके स्ट्यवालयि स्टिया स्वराश्चित्राक्षर् तेत्रारद्व विस्थान्याची द्विराता चिर्याचार मिन्य मिन्य मेन) यह वयमार्थेत्रात्र्रात्रात्र्यास्य में विवास (वक्षा) वायर्वायी कावर्वात्र मार्या में स्ववेष्य क्रियात्र श्रीयः तर्रात्यर् तर्गा चार्ट्रस्यात्राचियात्र प्रिट्टाय्य प्रति हेत्य प्रति विद्यात्र स्वास्त्र विद्यात्र स्वास्त्र विद्यात्र स्वास्त्र विद्यात्र स्वास्त्र स्वास्त् हिर्मेश्वा प्रवाधानम्बद्धवाया हिर्मेशकर्र्मेश्वेवः स्वेवः स्वेवः स्वेवः स्वेवः स्वेवः स्वेवः स्वेवः स्वेवः स्व एत्य । ८४१ वाषट्या श्रेष श्री इ.से र. दे. श्रे अप्रेव. ११ . हे वाषा ह्यं इपाष्ट्र वा हिंगा लूट वा परण ब्रेस्टिक्सिस्रिक्से स्रित्यु वर्षेत्र तायगद्र राष्ट्र वर्षित्य वर्षा स्रित्य स्रित्य प्राप्ति वर्षे रवारायक्रवाराताःवावेवःश्चितः हेर्द्धः यहिरादः वार्यवावार्यम् महत्रेदः देः त्यवाहरः सूदः रमग्रम्भराक्तिय्रद्रद्वित। याम्यन्यन्यस्यायम्यस्यास्यम्यन्यस्यात्रात्रस्यात्रस्य बिलानेना वेकारा ३८,८ व्यापन २८, त्रापन १५ वर्षः क्रायक्ति मानावरा।। देतिबुदाहीर संद कुर्न किया या से . बेर क्रिरेटिश शेर विश्व अश्वास्त्र । व्यदेश क्रिया अस्य से क्रिये अस्य दर स्था से स्थित है न्द्रवाश्ववाद्रभरास्। हिरादेष्ठभाददाक्रिराद्रदाव स्वाक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्र वर्डिंद्रक्षेत्रज्ञेद्र्ये अप्रतास्य में देशक के मान्य के वर्ष के वर्ष के राहे बात्रक्त के काला हिंद के तिया के रक्षेत्रा के रदार दर तहेता वित्य सिवा की वाहें राक्ष की देवर में तिव होता. ्रुं व्यय्रेश मेर्। देवरवड्णायां वावर अवाकर्य हरा श्रीर रवा केर कर्या (दर) रयतःवर्रदेर्देरवात्रवासावरःतह्यसादेशःभेव। दःसुददेशःश्वदक्षेत्रदः यदे दवःस्वाराश्चितावरः ्यंस्यां अर्थे अर्थे अर्थे स्वरं मार्थे तर्भावर्था त्या वर्षा वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे मुर्गुन। देश ग्रद्ध । व्यक्षिर प्रदूर दरद्र तहें वर्ष । वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष । देश्वेन । देश्वेन । मुग्नवस्थर्यस्य रेग्या रेगाया स्वारा स्रीत से वर्षि वर्षि स्वारा रेतिसरः ह्यीर र्यत्य वहुर रे र्वा इससे केंग्य निर हुता ये राजासरसा ये केंद्र रायते जर वर्षेत्र केरक्टार्र ह्या बेर जा केर का केर जा केर केर विवास केर हिंद विवास केर हैं म्यान्त्र म्यान्त्र म्यान्य म्यान्य म्यान्त्र म्यान्य म्याय्य क्रियान्त्र राजात्त्र में अवना पर्वेष्ठेष रिहर मायेश सेवाश है मान में राजें यो में यो में यो में यो में यो में रूट. श्रुं का अ-पूर्वा विभवत्र रह. रताए बर्डर, रे. रेवा. क्षेत्रश्री काव.कुर्व. श्रुटश्राय. रेग्रेस. त्रुर्श

प्रत्यमेत्रः शुः आपक्षरं पक्षरः नुद्र। व्यवस्था अवदूरः कुः प्रविद्याप्रविद्यान्द्र। द्यारः स्त्रवासः स्वरं में दिला के की पहेंचे दहा देशरावश्वा श्री हरता रे से रायहेंचे वा अरक्षेत्र के के ले के प्राप्त किया पर्वरानिश्क्रियाः पर्दास्त्रात्र्व । अवभाष्ट्रवास्त्र्रस्य भी भीर्वान्त्रम् स्रियाः श्रदेशरेको में देशका अदेव । द्यास्वाशका हो। महाराष्ट्रमा कर वहेव। सा च्येत्रा अखाराकावरा। दे पर्यास्थासम्बद्धाः हिराब्र्यायस्यः राष्ट्रेराष्ट्राब्राक्षेताः वाह्रास्थासम्बद्धाः वाह्रास्थाः इत्या सरामहरमा देवहरत्यास्य म्राह्मा हरकारहेत्या मिर्द्राम् द्वेदकारहेत्या वर्मेत्रा अराष्ट्रित्वार्यत्वरूर्यायवर्ष्या क्षेत्र क्षेत्रा वर्षेत्र वरे हुमाई हुम् हेर्। दावी राम्द्रम् तत्त्वात्त्रात्त्रात्त्रहेद। श्रीद्रद्रभावर्द्द्रम् श्राम्यात्रात्रम् मान्यात्रम् श्राम्यक्त्रम् श्री र्ग. (८) न्या था (८) म्या था मार्ग मेरे खिला र्यरे अंति तथरे अंति एक मार्थ प्रमुख्य स्था तथ्य विकास उर्. में शुरवीय परीय । र.१९ . में ल पर वसेय. रे। हैं, परीय में अध्या हेर पड़िर मूर। रें अन्मा नुराक्टर भें ब्रेन द्वास्ताके। भें में बीटाता में टर बेर र हो अहित विस्ताविन र्स्यायरिवास्ट्रास्ट्री स्वेवकर बुद्वाया व्यवस्थाय। वावय्यय स्थायंद्र महें वा स्वयः सेर् उपमार्य के हो देंग डिंग कर हा है अह हो है । कि का कि का कि के खिए, बाह्यका, च्रां पक्रित्रे देन्द्रः देना अभाषा का खाना हुर (बहर) है व्हर् द्यार्य संक तर्यः शैवत् किर्वश्रक्षराम् काह्रर विद्यान्तरमा (रमस्य) जवान्तरं प्रवासियाः व्या सेवार्ट्रत्वयः म मिर् (क) विकिताता नैयायरेश्चाम्यरेथं योग्यायर्थं योग्याय्याक्षेत्र। स्ट्रेंट्रिंभशाय्येश योग्याक्षेत्र) दमामः सम्बद्धः क्रीरास्पुरः तदेवः ददः। नाममः तः हः ददः दद्यः तः करः। वा वितः द्यवः ताः स्रदायदेश्याहर् वार्यम् इतिकर्वरायरार्ष्ट्रियासहर् हर्ष हर्षाञ्चरायुगाया वार्यम अन्यास्त्र सेवाक्ष्यं भेवाक्ष्यं भेवाक्ष्यं रिवास्त्र रहणात्रा रहणात्रायाः सेवाक्ष्यं सेवाक्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्ष्यं सेवाक्य यास्या देर दिक् सैंगकर यदर जनार्ड मातर्ड मातर्ड मातर्ड मातरा अहारितर्या से मार्थिमा प्रमा प्रमा स्था(यग) पर्वर स्त्री विव स्वा के व्यक्त के वर्षेत्र से देवा में हिल्ली में वर्षेत्र के वर रर रमर अवाता अवात है। वक्ष विवास के निवरा व र वी र वी स्वार व र वी मार का eaर्रेशसी रंगणः देशात्वाट्टेरी कार्रियः कार्रात्यः हैरं वर्डेरः॥ १ दि या श्री सरवा या रा मिं बिरर्श केता राष्ट्र वार्यर रे हिर वर्र का केति वर रहर में हरी के केत के विवर्गित वर्गित केत 78 स यर्रक्ष्यक्ष्यात् अर्यायायात्रिययाय्यक्ष्यां स्वायत्रियद्वारा स्वायत्रियद्वारा या विशानिदार दिवाओ वरि ८८ वर्ग के वर्ग रास्त्वकी मार्थर देन मार्मिया प्राप्त किया है। प्र.बर.बंदव.ल.र्मव.ल्बागक्चि.रंग.केंग.देग.देग.देग.कंट्रदर। इस.लेप.केर.

शुर्यार कि.ची-जूबाश बिब्रेर देवा बीश बिश कि.ष जा हिर शुष्या पर ने प्रवास कि. बाहेर स.

क्रियाधारत्यस्त्रे देवसार्थात्म्याम्यवनात्मार्थेन्यव्यात्मार्थेन्यात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रे

बारीर.ज.ज्यादर, थयाच्याद्वर बारेशदे.ले र होबाजु कुणारी होता दे हो। दे तथा वर्र वेश भारता च्या

म् सिटाता ए त्याना की द्याना समाम १८ ए एस १८ मा स्था न्या ने र ए ए या विद्या निया निया निया निया निया निया निया न। कारविधः भुः भूतः मुत्रात्वार्ये वार्त्यात् मतीः मर्चा भूताः महाराष्ट्रवाराः म्यान्याः महाराष्ट्रवाराः मि र्याः देरा अर्डेर सर्या यहेर सारा कार्या दे ल्या है विश्व के ता हुए अर्थर देवी ता एखर आया है या शहरा है बैश देश्वर्वे भर्ति त्रार्थि । भेरति के वर्षि के वर्षि । भेरति वर्षे वर् रम्बवायम्बाराक्ति त्रवातात्वात्तिकारा द्रेत्रेरात्त्रेत्रं वर्त्ते वर्षेत्रं यः भाष्ट्रं विताल्द्रः वासीत्। द्रेस्ट्रेन्द्र्यात्रायः वाष्ट्रायः वितान्त्रायः वेद्रायः वितान्त्रायः वितान्त्र ट्र.चर्र.रभरंक्र.भ, कारंरभरंक्वान्ववान्त्वां करं।वरं।विवाशन्वरः भवाः केर्याः विवारद्वायः प्रदेवः र्जूर्क् स्रुवर्ग बीया वार्या हुर लूर तार् । हिर वा हेर अल्ला प्रचार विवा था विवा कि द कि द ए प्रका विर अलू ह \* क्रेट.त. ५२. धुना र शासी ता वाल होता से र. दे अरवहः या अरे हव केटाहरी या रेवा शासी पर प्राप्त कर होते । ब्रिन: विवा लूरी डेन्ट्र-इर. कु. मेंदा शावरें व वर्ग आश्चरें व मं यो प्रेन था प्रेन व व प्रेन व अपें में वा अधिका गरं वर्डेटा। सेवाजरं रे.प्र. प्रद्रां रहर रहा शासी शासी हिया के वर्षा मार् रहा राम हिंगा • ब्रा क्षेत्रवर्ष्ट्रामचा. श्रिसंदुरः) प्रत्यरः कैयाशात्राप्रः कथा अ. मेर्. वुराचार्त्राका एकेरां ब्री. पर् गास्त्रास्त्राहर्त्याः द्वातः व्यात्रास्त्राः व्यात्रास्त्राः सुन्तरकार्ये। नुर्। स्म.पी.पा.म्.पा.पुरम्द्वामा श्री.पार.सक्द्रव्ये.पी.चेष्येत्त्.केमम रेचारतर.क्ष्यापारदेर, रतिहाएक्रें मानए ग्रीहा ने हिंदा माने हिंदा माने विकास है। यह माने विकास है। यह महिंद रवाद्याकुत्रत्ते मेंतासी मेंद्र मिता कर्मिया अस्तित्व कर्णा दे मेंदरमेंद्रवर्ध देवी जा क्र विर्ट र्यंत्रं में बिहारका ध्रेत्रं कुर के विष्ट के विष्ट के कि कि विष्ट के कि विष्ट के विष्ट उच्चार्याता ह्यार्ट्यान्यम् विर्देश हिन्द्री हिन्द्री विक्रियां विष्यान्यां के लक्षां विष्यान्त्रीया र्ता भववुर्धात्रकेत्सिक्षाता क्रिक्किरत्वत्रिक्षात्री भागवत्रक्षित्रक्षित् करा रेब्र्सरेशक्रेरेविर इर्रिव्यालारा शहरर्थारताय दे र्राट्ट्रेस्स वार्था सेव्या श्चित्रास्याः स्ट्रा रब्रामाराद्यालवाद्वालवाद्वात्मवाया। व्रिच्टर्रायस्यर् व्रायाः स्ट्री च्यानितः देर.भर्वे म्रें वायाला लूरी रशाववावरेव स्वितः नार् बार्ट्रे साम्द्री साम्बर्धिताला वर्द्राता सैनेशश्रेत्रे स्वाचित्र्व । भे से से से त्वाचारद्वा । स्वादेशम हे तह वा बाबादरीय । एर्चेबा.हे.अश्रे.होत्र.बोबापरेया । एकेदवहारी.बोलीबा.क्वायापरेया । बी.सीरवरह णचालविषायतिर्था विद्रकेत्रवायात्रात्यम् विद्रकेत्रवायात्यात्यात्रात्यात् त्रम् त्रम् विद्रात्यात् 大くして、身、(とはら) 東大山、馬にいる着土」 あらりらいまり、およくむ、い」 いちくがい、というは、エス मैला रक्षेत्रकेष्ट्रश्चरवर्षात्राहरूम् अक्ष्म राज्यात्राहरू वार्षात्राहरूम वहनामेव. यथ्वद्भागतात्रक्षा के.सूत्रके.चर्डिताम.ताष्ट्रमा ट्रेग्या.हापुरिदाणास्त्रम् व.तामा.ता , कूला रग्ने तीलाश (ब्राय क्रिश्य प्राय क्रिया) भाषात्रेयात प्रेया विष्ण जन्मेया ।रग्ने देगे. चर्दर,म्यूर्द्यी अंत्रा सेलावपुःस.जद्भे क्रिया वाष्ट्रंद्रात्वा प्रदेशता पहें

252 × 243

देश नेर देश क्षेर वरेश का देस्कारे वह दावा। व तथ्य २ हुट इक्सेंक्ट्रें तस्य राष्ट्रें या अर्केट हेवा ॥ र्य. प्रदर्भाश के व्यक्त की स्थारिक रिकारिक रि र्सिक्क क्याल सैवताल प्रवर्श्वर कुमा किरला में दूमारी मार्ट्र मार्च वा सुवा से बा का स्मारी उक्षामराका सेर्श्वा (३) पार्चेट्रमर पार्ट्र विटा श्रिमित हिं की मार्ट में मार्ट में मार्ट में मार्ट्र मार्ट्र मार्ट्र मार्ट्र मार्ट्र मार्ट्र मार्ट्ड मार्ट्र मार्ट्र मार्ट्र मार्ट्र मार्ट्र मार्ट्ड मार्ट मार्ट मार्ट मार्ट्ड मार्ट् तैयश्चि कुर्याता यामया ग्रेशश्चर्या (भर्य) र्वे रेवर् वकर्त्यर ता विया श्वाय श्वाय रेवर् याद्रेर.श.रदा या. ४९८ तथु रिक्षिय पात्र इसका रे. श्रेर. एट. यह साम मार्थ रे या स्वादे क्षा क्रमाणया कटाक्रमा (क्रवमा) वर्षेद्रद्रा शद्येश वार्ष्य वार्ष्य क्रमा क्रमा क्रमा क्रमा क्रमा करा वार्ष्य हिनस्राद्धवाद्धवाद्धवाद्धवाद्धराने क्रिया वर्णा श्रिकार् नरहाव स्वत्र देश स्वीर वी क्रियान र प्रान्ति। वाववःशवःक्षवयाः सेवायःक्ष्रेहः वाववः इतः हेवः वावदः स्रदः यः त्वा (जवा) हः हरः १८:1 क् विवक्ति वर्षेट्रिया श्रीट क्रिया अपि विट त्या। के पर तिविता रह क्रिया वर्ण हैं दे विवक्ति। विर्दे रे वर बैदात पर के वर्ग पर्या भी विष्ठ दे के वर्ष कर (क) रद प्रकर वर्ष प्राथन ह्याश्वरः। द्रार्थरदेश क्षेय्रश्चिर्द्धः देखिन्द्राया श्वरः रद्धाया राया वारावा वारावा सम् क्षतार्विक्षाया क्रायात्रर्वरम्भरस्य में द्रायार्वा यह सम्मार्विक्षात्रा क्र्यान्त्रिः खरासुरा क्रियाया वेरामुखराक्षराया करे ताल दासूर देशका द्राया कि स्वर देशे क्षेत्र्य बिर यह रे. (परे.) ध्रिया सिका पु. हरे हैं कर भया श्री रहें यह प्रवेश महिता देश यह के व्याद्य अभा 3स्टिल र्यमपश्चित्रं क्रांत्रं स्र देंद्र। ने विद्यायवर्गामाययम् विद्रहित् सर् विभारमम् स्वासक्ति। 4 में देव विद्याभाभव्दा रेशुलह मुक्त वरमा वरमा का मिल देशी मुर (रहर) युराम. सामार का प्रायुक्त का विद्य तिया सम्मान्त्र (त्यूक्) यति का द्राया स्थान 5 planne म्यामामाम्याम् स्त्रीया म्यान्यामास्या मायमामा साम्यामा सामान्यामा सामान्यामा सामान्यामा सामान्यामा सामान्यामा कीर वर सूर्य ता शिरा प्रमाति वर्ष अता देवा अता है देवा अता है देवा अता है देवा अता है देवा के ता है के ता के त य्येष्ठाराताक्रिक्षक्षेत्रतातात्रव्यव्यत्ते द्याक्षेत्रात्र्येवर्तुदः। तक्षात्रवर्त्वेशस्य र.से.(र.से.) डिट.क्र.प. रूरी सूर.ग्र.र.युकातूर.पर्वेलक्रिंध.वार्.पर.व.लह.प्रवासी विज्ञ. देशन्ति रूटन्ति वार्टा खर्थेर लगार्थकान्त्राच हरके है। रहेख्य वार्वा केर्डिं सुरव कुरान्या भ्रम्यान्यम्बराक्रियार् से (१५) इष्ट्रवस्ति भरायात् मुलायात् र्यात्यात्वा वास्टल रेशिवर में वाय रटार्म का की में में राहित रहें ते की राह में ने रहें में में में में में में में में में विभयन्त्र यात्र साम्य याष्ट्रयंत्र त्युटा स्ट्रिंड्र (इ.हेर्ट) त्यव त्युटा यात्रा विभया विभया ३८.

पर्या माराष्ट्र थे. पा थाश्च रद्देव रिय तरस्य देवम क्षियार्ट या बाद सेव राखियार देवारी

इरेड्ट. गुरा पर रेर (रेर) सेवरा इट त. इश्रम की प्रें बेर श्रम केर शर हार शायर कि विशेष दे.बैज.वरम्प्राःहरःष्ट्रश्रांशःवरःरवादवर् जिमाश्राभागः वरं वरः (वर्गः) विवाधरः क्रिरः वरः वि त्रपृधित्यात्वारवराः में क्वायासम् वर्षः दरप्ताः क्षेत्रं तर्पः देद्वयास्त्रवर्गात्यास् क्राइर। म्.वटायारा वाइर (वाइर)वर्षेर्द्धर क्रिर्या वाया हुर स्वास मूटा दश किया या बालर्हिर वाषर म्रेर स्वार्थर र्रा द्वारावे क्रिंग रास्ता र उट राष्ट्र प्रान्त स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्व श्चात्रम् । में द्राया में द्राया में द्राया में का प्रवास के त्राया में के द्राया मे के द्राया में के द्राया में के द्राया में के द्राया में के द्राय में के द्राया मे में के द्राया मे यग्रद्रश्चार्यर। जूर्च्वविःमध्यत्रिः मुद्राया ८.८६८वीला द्वेगार्थे वास्त्री कार्यह्वामारह्वामा क्टिन्ट. ट्रेंडेब्री के देवा वरम करमा (परमायरमा) रे.स्ट्री मर अभा अस्मा असमेरी मर क्रामा वरा अवविक्राम्प्रेर। रेभव तक्ष्यक्ष्म् क्ष्रीकाराययमा देशकासुर देशे सद्धे म्यूवर रम्याम् वास्त्रभागात्रमार प्राप्तम् म्यान् वित्रं अत्या प्रवेश वित्रं वित्रं वित्रं वित्रं वित्रं वित्रं वित्र पर् देशभाश्चायार्थिते.व्यावकार् हे इरक्षेश्च वया क्षेत्रभा भाक्ष्म सेराम कार्म कर्ता पर्या रुक्तिं न्रेरक्ष्यक्ष्यात्रक्ष्यात्र्र्यं केर अवरार्यम् क्षेरक्षा तर्वेद्रवस्त्रम् क्षेत्रक्षा वर्षेत्रक्ष हर्रीट्यविश्मान्याक्ष्वयाद्रेश्वयद्वयाव बेट यन स्थान्य क्षा कर्षेत्रक श्री स्थान्य स्था वस वा य वट य बाभर्रदरत्यकेरतप्रवारेशास्त्रवारेशास्त्रवार्त्त्रवार्त्त्रवार्त्त्रवार्त्त्रवार्त्त्रवार्त्त्रवार्त्त्रवार्त्त न्यानेर नता वरस्यान के राष्ट्री मेर हे वा यथे मेर हे वा यथे मेर स्वा य रहे वा पर स्व में पर रहा पर विकास के वा इंतर्य्याना हार बाता करा है या वर्षा कर के देश तायक के नह प्राप्त के या तर कि दाना है या कर है ये क्रिनाचनर रवार्ट निम्मास्त्र मार्थित रेड्न क्रिन्स स्टार्थ स्वास्त्र विष्या रेवस स्टार्थ । विस्तासिन वाल्याचेश्रभारत्यक्तित्रहान्त्र्यात्र्वत्रमात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या १.(१.)श्रा वक्के.श्रमंत्रक्या सवास्वारितह्या विद्यारा वचरा प्रवेश क्रिर दंश क्रिर बीट रिकेटर क्रि कुणावाद्रमास्रद्रादर्यन्वर्याववत्रम्द्रायः स्राहरान्त्रः पर्वेशक्ष्यम। रक्ष्यामह्द्रम्यम्यम् । इत्यामह्त्यामह्त्यामह्त्रम् । म्याम राभक्षे ने पर्या मिता मिता वर्के वर्षा भारता मार्थ मार्थ । पर्रें में (वर्रेश्व) म्रायम्ब्रायम् अर्थन्य भाष्ट्र में क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं श्रें हैंग सिता सर प्रम्र हिं किए। एड्स मिर्म सिता विकास प्रमा विकास प्रमा मिरा क्रियः क्रिंतः ब्रुट्टा श्वं के वो विकाहुन से क्षां क्षेत्र खेरा कर खेर त्या सामा ब्रामा के वा चाली.पर्वेश क्रिंश्य.शुर्वता अरी द्राश्चारा आता वेश अक्ष्य र ईक्ता क्षेत्र क्ष्य आ शुर्व ता अरी सिय्-देशयामा-येथामाकृष अर-दिशावविगःश्राध्येता स्थान्यिकामाकृष्य

ग्रह्र क्षेत्रियाश्रीय तास्त्र राम्म हर्मायायायायः वा एका र साक्ष्याः श्रीवः श्रीवः स्थितायो ८। लारावश्या क्षेट्रता ग्रेगायक व राव्याचान्त्रमास्त्रार अवत्रास्त्री के हित्ता वाद्यास्त्री नार किवाता अराम्याताक्षितात्तर्द्वायात्त्ररी इ.म.च्या वात्रवात्त्रेयात्रे दे.वेरात्त्रवी दे.वंशावायत्रे रदाक्षिक्षीं परियो । पर्याभावत्र राज्ञदियां की वया आ(भा) दे। आया प्रिया प्रवेश राष्ट्र किया व यह रहहा। प्ते. रेबा. शुर्पट्र. वर्गा. पीबा अर्टर.) वैदत्व. ब्राजा आत्रे. पीबा. (पिबाम) खी। शु. (शुबा) अर्घट शहर, रे र्राजी के अमिल्टी किट ब्रिट ब्रिट क्रिक्ट अप्रक्रममाला अपूर् (मूर्) के. भर तप. प्रवास है. श्रेमपु लर.केव.वंशा प्रांकृत.ज.चर्सर.वंश.श्रद्र। न्वेचश्रद्धश्राज.कुण.कंदश.कुरी या.चंत्रा. क्रिंश्रा अश्रुवात हैं। अत्रुवंश्रे अग्रूर्यात हैं। विवाय विवाय विवाय के वि दे.जायकद्यायदूर वियो शुर्वाध्यायक्षेरायदूर वृह । दे.हय. श्रु. ला.व मूर यर् र्डर्र्येश्वर्थिश्वर्थिता क्षात्र्या । उत्तार्थित्य वित्रात्ये वित र्भन्य क्षा भूभग.धूर.से. (जा.अ. अव्यवतात्र) रह.ता.(त्र) प्रतिर.व.वहता क्षेत्रे वहर मै.चारेरम्.प्र.अष्ट्र.पा.वेला हैंड.ध्रीड्यध्रेत.कु.ल.व.(क्र) द्री ट्यार्तपु.सर्थात्रा.क्रा. यसम्। लूट.प्रमासः यद् किर.लुवे। यट् यपुः प्रश्नम् वसम् हिंद्वे। शुक्रम् यथुन श्रिमहर् रम्द्रम् वर्षेत्रका पहिर्मित्र पहिर्वास वाचार हेर (हेर)स्ता (वक्षा) वर्ष (वक्षा) वर्ष (वक्षा) वर्ष (वक्षा) नामित्रक्षित्राता म् (स्थार) मेर्राद्रभाषामयमा ग्राहाला तर्य । यह अत्यामित मेर्गहा मेर रसे उत्तरमार्भार त्या त्राराण परेया के अरे रहा तर मैवला इर याक्षा हिया के त्राम्त्रमा के. बार्ड अ. अर्थेश. अर्थे व. कुंगा वह्मी इ. प्रद्रम्थे के जात रहा विह. स. बार्वे व. ब्रे. व. वे व रमासुका से अभारे का पर हिला जिंदामु वर्दे से बा करेंद्र के सिंदर । शुर देगर देवार वर्दे र के देव के विद्या में यरं अध्ययं अवत्य प्रत्रेश हिंदा अत्र हें शक्त हैं वे द्रा हैं प्रत्ये द्रा हैं प्रत्ये स्था है । एवामामित्रामान्यां परे. हेला रहमान्त्राक्त क्रियमान्य क्रियमाना स्ट्रेग पर्वासिक्त क्रियमा चन्ना वात्तवनेवा त्रवातात् भवर हैं र प्रकृषेत्र विकर वेर रेगर गर प्रवास हता हिरहिर 一個的で展 चराजायरसार्बेर हेरे र वेषेया मुक्तारर केयार नेर रह ए में का कर आवर में बात ए जा सेवा. थुं में मेर्सिणाता भुर्नित्यम् यात्रिर्दे नेया रवारामा (वर्ष) मंभन्दिवा र्जिट: शार्मा शाया में अधार पार था. नर वरें में आ (परें में आ) अधारा (रे में स) के आ के अप है तथा र्रिट.धा.प्रशास्त्रेत्रादेशः विश्वशाला वर्षः इवाक्तिः श्रिश्वः स्राधिः श्रिशः द्वाः स्राधः स्राधः वर्षः यूत्रः कराश्वेशक्षा हुरा हुरा हराष्ट्र रद्यी प्राण्ये तथा कि है अअर्थिद या ता लुग वर्षे अहिंद ने ण मेंबाक्केशर. रेट. एत्सेल. रे. वट. रट. इर. वए जब.रट. व. इर.हेब. राष. जबाद्द्रेय. श. वरेट. श. इर्.ट.

्यारमाश्चावा प्रमायद्वरम् अरावद्वरम् वास्त्रवासा हिराववारात्मक्ष्वर् स्रवास्त्रात्र् व वि.श. वि.श. वि.स.स्यास वुला वारीद्र वुद्र देवा में का प्रेवा बीद विर् देर देरला है। एई से र शिदला लागी

गर्छात्यक्रियुत्रक्षा छोड़ नर्केनलयास्य देहे म्बाक्षिकारत्यां रदः। कूर हिर हिर क्षेत्र क्षे ्र्या. १६१) म्रेया. मर्थः यात्व. बार्ट्र अहर्रास्या युद्दः रेवालाक्तिः भावतः तर्वेदरः। क्वीवरः द्वास्यः सुरः उक्तरासद्दायते प्राथकि देवासकि आवर एक् मड्स केरवित केर्ये वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे र्दर्द्धार्यकाव। द्वरारा मुक्त मुक्त मुक्त (रम्क) वरद्या र्व्यक्ष मुक्त । देश क्रायवरवराक्षाक्षाक्षाक्षात्राच्या के केन्द्रवाचित्र सामा के केन्द्रवाचित्र सामा केन्द्रवाचित्र । -1281. लुवार्श्वार्ते। वर्रिट्टर् केवनाश्चित्रवारा ला. मेरा वावता लुका वर्षे राहर् पार पार प्रवासा अरत्वार छिरद्या । देवल वासवर्र छिन्तात्व । दिर्धर मुक्किल मुक्कि। देवना ग्ला राज्य नार्रा राष्ट्रका ने सामी वास्त्रा है द्वार साम्या कर यह सामित का की नार वर्ग र ने रा स्वास्तार्थः र्वास्त्रार्गः वी.र अपक्षित्वित्ता क्रि. क्षेत्रः कष्णे क्षेत्रः कष्णे क्षेत्रः कष्णे न्यादेवनारीयारी प्राचीया गुर्द्रिति निर्मात्राया म्याद्वराम्या म्याद्वराम्या न्यायार्थान्यया न्यार्थरात्रिः सिवायने। मान्या स्वार्थिया (क्र) से र्यायना युरस्व संविद्धा वश्रायात्वा विश्वक्रियात्वा अर्वेश्वर्वेश (य्रा) क्षेण्यरवस्या अर्पेर्वेश्वर्वेश वर्षाया मक्रवर्षा श्रुक्तिः त्रायाके श्रम्वरा चर्चा स्रेर्चित्रा स्रिर्धिया स्रिर्धिया स्रिर्धिया स्रिर्धिया सद्दा) मुगलयति में अक्षाता थार् इवाता या हैता यति के वा वसमेता वा द्वावा है तर हर ग्रेंन्द्री वह्मश्चरक्रियायां केरवन्द्रा केरवहन्द्रया वर्षात्वर्थ वर्षा वर्षात्वरा इरक्षाक्षाक्षात्रा त्यारा तयारावेतायाच्याक्षाक्षात्राता द्राम्नवंत्राद्धारा द्राम् वरकर स्व करा शर्म करा की का करा कर या के का कर हो है । के के का करा का का न्हुमालामधीर। भेपत्युव्हाय देवा (हेंबा) त्यकोर। भेर्यरत्यसाय दहेव देवता कोर नर्षेत्राचारात्र । सार्वाद्वाद्वात्रात्र प्रकारका विद्यात्र । विद्यात्र ने क्ष्य कर् सम्प्रास्त्र में निष्ठा के निष्ठा में निष्ठा ः ग्रम्भास्त्रम् स्ट्रम् म्यास्या नराया माराया विद्या (मिल्या) व म्यास्य स्ट्रम् स्ट्रम् स्ट्रम् स्ट्रम् नमारक्षान्त्रान्त्रे देशकरात्रान्त्रान्त्राक्ष्यक्षेत्रात्राक्ष्यक्षेत्रात्रान्त्रात्रान्त्रात्रात्रात्रात्रा गःश्रवास्त्रावसःस्र्रा छ। देरः (देरः) से रःववति वस्राध्येव स्रिर्।

इंकाश्चारे स्मरश्चरमा या। अरवन्तर त्विभाक्चिररेतिक नामय र प्रह्म कारक र मिरवर्

वशास्ति। एत्रवशवत्रः(वशवत्रः) प्रदासाक्ति। वशवायाः अक्षेरवस्तिवाक् क्षेत्रमा अम्यवार त्व्या श्रीर अवाका प्राप्त दरके तर्र माना या वत्या तो अने विकास विकास है। वारी पार्व स्मार्थ । क्षां ग्राट वर्षामा मुन्दर के सुर (मुक्ते वरे सुर) हा राहरतावर्षमा र उद्यापमा स्ति ते ते यर, कुव, यं बुध, ख, बेंद्रवंद्या। केंद्रवेद्या-कुश, रंव, भावए, ४ व्रेष, कुवा । दक्ष्य, अहर क्रेषा। राम वर्षेत्र, व्रम. व्रम. ब्राह्मद, ब्रह्मद, क्ष्य, क्षर, क्ष्य, श्राह्मद, क्षेष्य। वा. बिर्याला हे. प्रवा परुर प्रवास के राज्य राज्य हो । वर्ष का के द्वा की दर्भ वा के प्रवास के प ८.८८.८.८.अ.५४.४। श्रि.च.चेडुवा.धा.श्रिषाजीयजदा क्र.लाड्या.केंद्र.क.अधु.चेषुपा.तेब्रेड्या क्रमायायायायायायात्रीम्याम् क्रिक्किरास्त्याय्वरवाचना (वरा) सेश्वर्गम्य (क्रम्)केर्यतेरदात्रम् त्यास्तर्यास्त्रम्यद्व वर्षायवर्ष्य्रीत्रक्ष्यास्त्र क्ष्यर्वर्ष्यस्य वर्ष्यस्य वर्षस्य वर्ष्यस्य वर्षस्य वर्यस्य वर्षस्य वर्षस्य वर्षस्य वर्षस्य वर्षस्य वर्षस्य वर्षस्य वर्यस्य वर्यस्य वर्यस्य वर्षस् क्रियास्य स्वति हेर् मार्थ रहा देवाल का महिरकी सामेरा हु है। सहत्वा स्वाद्वा स्वाद्व चलाक्षेत्र क्रुसर्धिराद्यारा एवकाले लाला क्षेर् देशा क्षेष्ट्र च्राम्यं लाम करा देशकर. एस्अधिद्रायीद्रायात्राचा (रअवः) कर्तियात्रविद्यायात्रवात्रात्री राष्ट्रव्यात्ये अत्रवात्व्यक्ष लुवी क्रियं क्षियं शास्त्रः रे ब्रि. इ. र. क्षे अब्दर च्रा पा क्षेत्रः ला अवता क्षेत्रं का प्रदेश के रे यह वयार्। ८. देक्ष्म. एवडमार्थारत्येत झे. वस्त्रार. ता. हो । अर. व अष्टा अभागर्थार व खिलाला प्रदासर्व इरकेट सेराव है। खालका वसवा अवूलिका सामा सेरा शहर देगार. रत्यः बर्दर हे स्र अस्ति । अरत्युगा अस्ति वा अस्ति । स्ट हे ते स्ट हे ते स्ट हे ते अतु स्व हे ति वा एक्.कर.भु.कं.पर्वेग.ए.पर्र । मु.क्षरंश्रमण्याक्त्यवार (वृर्)रेपरेग र.वलन.कंट.प.वलनामु. सूर। एह्बाड़ेनबारणअध्वाखेरवाहेशाल। सीरि.हरएह्बावस्थानाला शर्यारी. र्योवशायक्ष्मं यहतितारेश मितारि केटतर प्रयोक्ष्यादिताय तथा संदर्भ स्था हर पा है। हिट्युर.ला.सूर.पहन हिट्युर.ला.सूर.पहरादक्रिर.का मर्थेशम.मर्गर.ताल्र्र्यमम्मरी क्रि.जयव्याम्.लुप्र. क्रिक्टर । शुर्नेत् वर्षा वर्षा वर्षा क्षेत्र । वर्षा क्षेत्र वर्षा वर्ष र्वाभिराधारी के विवादियां देरी देरिया के अर्था वहुटा बहुटा) बादा का त्या की त्या राका कराये दर्यारी विद्ववाभ्रम्य वार्ष्या कर्ति वार्ष्य वार्ष्य कर्ति विद्रम्य कर्ति विद्रम्य कर्ति वार्ष्य विद्रम्य विद्य ट. रंट.भर.व वं ए. क्या. हो. रंट मार्थे मार्थे हे. प्रते हे क्या का क्या का क्या का क्या का क्या का क्या का क्या लेथी रेवर्व इर्डी घट देगरे । लेसर्व वर्ष स्वरं रेप भीवा से तर्दि वर की वा तुर्वात्वक्ष्यते । को एकर वस्या वस देश देश तो धेव। विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा

ल्.र) बर्धिक (पर्वेशक) हिर्वक्या व्यव्या लागी रेन्नम हिर्मिक स्त्रिक त्या मि

र्थं वत्रदक्षा वत्रदाधीव वे ते ते त्रा वत्र देव दराया स्वाव । वत्र द्रा द्या व क्षर्राटरासाल्या न्युवान्युवासराधराकाहरकात्रेर्वा क्रवाचारात्रोसवार्यं त्याप्तर्वा न्वराम्बरामरावराद्वाम्बर्। हर्ष्युराचरेवते वर्षायस्वामह्द। सरावरि स्वर सब्द्रिं ते. तर्वे । कूस्त्व वर स्मान्त्र र स्मान्त्र र त्ये वर्ष वर्ष वर्ष स्मान्त्र । स्मान्य र त्ये वर्ष वर्ष वर्ष स्मान्य । लारेरा देविश्वास्तररम्यवाद्या र्योभ्यहरासरी प्राथित इत्यादी क्या श्रेत्रक्ता वर्षेत्रक्ता क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया केर्य्यर्थर्था द्वान्त्र हे मान्द्र केरा व वर्ष ता व क्षेत्र केरा व वर्ष के के के वर्ष केरा व 250.21 ११ उरिया के युरु हुँ॥ है। द न्त्रत्वराष्ट्रं हे अपर तर्वेश क्षेत्रत्वेश्वर्थ अपर वेश्वरा स्वायर पर्वास) इटन्यालयाक्तिसा देवारावित्याम देवारावित्याम हेवाराव्याक्तिस् रूभ्रर्टि कि.र्चाए (ठंगए) रे.एरैंग चिर्द्या स्वार्मित के प्राप्त क क्रमकुरा. करा श्रीटारमार. रहाए वर्राक्करें हें। क्रेर या मंत्रां वर्षे वर्षे अपने भारती ल्यरायान्त्र) विवादमानात्म्याह्मदावद्यंत्वात्म्र्यंत्र्येत्रे इर्स्स्यम्यवद्यर्थिवक्षाद्। द्याःक्षेत्रियः त्यर्ते स्वर्क्ष व्यान्यस्य द्याः स्वर्धियः स्वर्यः स्वर्धियः स्वर्यः स्वर्धियः स्वर्यः स्वर्धियः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्धियः स्वर्धियः स्वर्यः स् अभाग्ने द्राया व्यानियाद्रायादे। क्षेत्रायायायायादे। वेयावस्थर म्रान्ट्रिट्रं (बहुट्र) वर्षा खर् रे. लट्र ख्रिं व क्रिया म्बाहरर् ज्या खरमात्वाखर्र राजा है। यर म्बायावावाच्या वरा त्या बारीआता हीर अपानकेश प्रवेदरा है। के पर्ट्य में प्रकाशकेश मार्थ में में में ुं आर्रेज्ञक्षक्ष्यं दर्द्वतात्वे वर्षः तं द्वरात्राक्ष्याः विष्ट्याद्वर्द्दरः हेट(बहुट)वगातक्री अग्निम्यवसम्बन्धाले व्याया दे अटाव्यायम्बन् र्नुर क्षेत्र व बार व राधा का क्षेत्र ही कि ए कर व दुवा (अ दुवा अ) द्वारा के ने दे र यास्त्राम्य विश्व के विश्व किर्य किर्य किर्य किराय किया है। तार स्थाय किराय के स्थाय किराय के इ.थे.केप.ग्राहिम। श्रित्वासर्वेद क्रि.प्र.पारक्रेट (ब्रे.)। रगर.मधावारसर्द 249

याभारणकर। याति से अवरवारवारे स्ट्रिकी अहूरी दे एक्ट्रश्रद से बार्चीट की हिला भित्यमा यदमारमार कर पार्टिमा कर्षात्य पार्टर रे खेले । वस् (वास) केवेवया । इ. हिर श्रुभा हुं । र . जार में या र अर श्रुर श्रूर श् के हिल्लिक किया है वार्या हैवान विहिट ने प्रतिहर्म मामहरी देशक रवा है ना श्चिर-युमामहरी प्रमण दीया मृद्द दिन रेप्ट ता क्या प्रमासी महत्या समा रिटा) किताराक्षरं (भक्ररं) अध्यापरं परंता भव्यपहित्र महित्येश व विद्रा (परिवात) का ना र हो। श्रीरार्गर रताय वर्रा श्री र विवाद र विवा प्रमानिक देती त्रात्मा का मित्र में अन्तर में अन्य निका में स्वर में देव के विकास में श्चर्राम्याम् कर्या स्ट्रिंस्थायमर्थित्यक्षात्यम् । श्चरक्षेत्वर्ष्यक्षर् एवं द्वार्य द्वार्य देविश स्वरायहरू कार्यवारा प्रायश्या राज्या स्वरास्था र्वेद्वान्त्रिया स्टिश्विद्वार्था के त्विद्वान्त्रिया हिर्वेद्वान्त्रिया के विद्वान्त्रिया के विद्वान्तिया के विद्वानिया क ल्यात्री भाकित्वरेशनालूद्रकेरणान्त्री द्रश्र्भारतत्रप्रतियातात्ववद्री प्रमा वार्षेय्राताकात्रेर्र् देवरात्रेया एडवाक्चराकार्त्रेर्वात्रेर्वात्रेर्वा (पालक) कुछेद। देश हुए हुए हुए देश। सर्वास्त्रेर्द्रसाधिके दे रेट रद्य ह्या न्रेर्ट्र व व राज्य स्त्रेर्ट्य है। द्या वर्ड्ड्र विरा स्टार्यतः वन्नाक्ष्रीयातातः दाष्ट्रे (द्वते) अद्वायात्वर दे त्यावायद् सुद् मकवारवाश्वराधीयरवरिवर्वि(वर्वि) येर रेपरामवायेर धर ने ले वा त्यंवायाता हराश्रीर र कोर राजरा श्रीया हिर राष्ट्र की बी घर दुवके व दे तावर्व वा धर हुद मेरा त्रक्टर्र्यास्टर्ड इस्मालायनातः म्रान्यति दर् हेर् के मल्याकार्यर्थं वियावरार्ग्रदः ब्रेर.मे. यायावरारम्ब्रायम्यावस्यात्रर्द्धताय्य । श्रीटःश्चर.रे. यवयात्रादरा द्यत्यदुर्म्मणक्षेयव्येत्वर्म्द्रियार् तर्वात्राम्यव्या र्थर्द्र्रे थाटा अम्बद्धतातरे हर अर्थित माववाया अकेर हेव यादरमाता हैव क्यूचर,वरा,रेजवा, कुंचे,(रवाए,कूंच्यू) कुंचात्, वुयाक्तर, अस्ट्र। केंधात्यु, रेंदर्शेष्ट्रन,त. न्म. मियादरा एक तार्भमारे में स्था कार्म द्वारा कार्म द्व

प्रविदा तृदः सद्येव कार्या मुख्या क्षाया मुख्या कर स्वास मुख्या तका त्रुवाधिरद्वत्यावर्ष्यावर्ष्याक्ष्याक्ष्याक्षयाः हे नहेनाक्ष्यायां केवयां त्यन्या स्तरवार्यातविषया नया तत्राता गुरी हिंदा एक प्राप्त ही हे विषया प्रेया वेपा लंदा। कुर्रर रेक्ट्र के के का इंग्स का का जाता के जिर है के के के के विवन्त्र्यंत्रभारादः। अदेशायक्षाक्षित्येत्रतादे। क्याववदःइति सेवादाप्तित्र क्षेत्रः या अष्ठः द्वार्यात्रात्रः वर्षः यदवायादी विद्वाताः विद्वाताः विद्वाताः विद्वाताः विद्वाताः विद्वाताः किया न्युंसी एडएडे लड्डीड बुरायरी अक्टर में वावन न्यु से सर्वेर र्भाराकेतर्विया वर्षेत्राच केत्र र्या केत्र र्या हेत्र स्कार्य के विवय स्ट्रा क्षेत्र विवय स्ट्रा तरी है भक्ते लिया मुक्तियों नावदा हैं दाराष्ट्रिया वरि व हुर रुव बुवाय देव राय हैं विभागभाष्टिवार्यभाष्ट्री स्थायः यास्त्रान्त्रवार्द्धराष्ट्रियः स्थाप्त्रवार्धित्रवार्षः स्थाप्त्रवार् सर नधुः सुरा कुरा राष्ट्र न महार न महार में राष्ट्र में महार में ने प्रमान में ने प्रमान में ने प्रमान में ने (जन)(रस्र इस विवास्ट्रा) दे देरे इदि (इ) वे क्वेड जारा में रे कि देन जिर वर्ग स्व. यः एटए द्रं ये द्राया अद्याक्ष व्यवस्था विष्य मान्य विद्य स्याप विषय अद्या । या अवस्था विद्य स्याप । या अवस्था अद्य अद्याप । या अवस्था अद्याप अवस्था अद्याप । या अवस्था अद्याप अद्याप अद्याप अद्याप । या अवस्था अद्याप अद्य क्रियाम्या पर्त्याम्याम् । भित्रमान्त्र्यम् क्रियाम्याम् । प्राच्याम्याम् । प्राच्याम् । प्राच्याम्यम् । प्राच्याम् । प्राच्याम्यम् । प्राच्याम् । प्राच्याम् । प्राच्याम् । प्राच्याम् । प्राच्य पार्वर्वतः के लद्द प्रकृता सूचरा केर विद्या सूद राज्य केर देश विद्यु केर या देर्दरकी काइकादे त्यवत्यका व्यापालका । दर्दर श्रष्ट स्वयं वि (वि) वेवति अर्थे स्र (वस्र र.) पर (वपर.) हिर.त्रा दिस्र रह में प्र द्रा त्या है र व्यवस्था विश्व सम् (वन्त्र) ह्ववन देवलहर् के ही र द्वा के तथा सावल हे अहे। वहन व्हेत्र दर मेन अमेन मारी हैं है देवीया अद हैं में हैं दूर में या अदमा अमे में में हैं अवश्याक्त सार्वः कि.चवताः अरातत्र्यं व्यात्र्याः यो व्यात्रात्राः विष्याः देशः याद्याः स्थाः विष्याः विष्याः व रेजरा.च्र.र.केलात्या. वालरला मालेरी क्रान्ट्र अथा पर्टर नाष्ट्रवा सुजाक र है। (है) मिलद्दि, एर्ग्स, विभा शुक्रेयाशहर्। प्रकृत्रतेश्वरादेशवर्ति वर्षराक्षेत्र वर्षा रमन्त्रम् राम्ये राम्ये राम्या दे त्या तमार्टर व मुख्या स्वात है कारी मारा दिवाश्चित्र वर्षा वा किया सक्त सक्ता मेंद्र महात्री मेंद्र प्राचा मान्त्र हरें। श्वीद देश वा स्या राजा हैता की सर वर्ग सर ता में राजा में राज (म्र) मामान्य त्र तर्क्य ति विद्यार हर्मिया क्रायसमान द्रित्यो ति

त्त प्रायद्र मुं ब्रें कर्त वा वा शाया के अने हर इस अन्त सार्य प्रदेश की वार्य र अन्त क् (क्) सल्या प्रदेवर्या । सेयानर मिर्क् व श्व कि में कितारम न्यर नाय। के वास्वारित्र्वाक्षेत्रकाक्षेत्रव्यात्वर्वस्ट्रिट्स्र्र् म्रायाक सेवायाक ता.पट.चलुत्र.देवसूर वायदवर्षकर देरा दलाय वर्रेट, देव मेर्स. रद्यों हे. यालव. ब्रा. केव. यर्ट्र एव वाल. है था. ता पक्ता रेश र देर व र केवा अर्थ. योतिमाक्ति,याद्रक्षितात् इत्यात्तात्तात्वात्त्रम् सर्द्रियक्टमात्ता श्रीद्रमास्म्यात्त्रमा गुर्यर सम्म बिट. रे. प्रराहर रे. प्राहर रे. ये वा ता वा ता वा दे वा की त्या की ने अवा (शवा) तार ता है। र् प्रवत्त्या श्रीटार्टाट प्रदेश वार्षादेर हें वेतावता भरार्ट्र हिर श्रे वेश प्राथ वार्षेर पर हिता हैता । ब्रम्भस्यविद्य भिने रि. तियायायायायायायाया भिने नेमार्या भिने विद्यायाय त्यास्या प्रवासेवयाक् अवयाकरयाक्ष्येवयात। कार्यालयर्थ्य हर् देशम्ब्रास्ट्रिय पार्थाय वर्दर्दर्वा द्वारा देश तवेतावता हिराम द्वारा मान्य वर्षा देश तवा वर्षा (व्या) थ मिर्का शिरामा स्थापक कर (लटा) हैया तरेदव हर वर वन्त्रा रादर। दमता वाहेषा इसाराश्वास्या हार्रवा वा इसर्वा में से संस्थित करा है सर्वे में के सामित करा है सर्वे में के दावे वराय-नव्ययिष्ट्राहुक्यात्र्यात्रायात्र्याः नायतःत्वर्तेर्व्यम्यान्यावा यार्वर् द्रारान्य क्रिका होवाव। क्रिकारा के त्राचित्र क्रिकारा क् न जायह युद्रक्ता ।जीह बर.बर.पर् देशस्य का संतामकाक्रें वायमा है। र र्या र स्त्री वर माहें व वर है। र ति है। वर माहें व वर माहें वर है। र वयाश्चा दे देर रचके राष्ट्र मात्र हें के हरे दर र र र अम्मेराना हर श्रेर हेंगे. म् मार्ग्रेन्या वस्त्रेत्यम् हा तह्यावर वस्त्राचा वस्तात्यम् रह्या मार्थिता मेर् उन्नाह्म नापन स्पर्ति मेर हाथन। सहिन्द्र हा की सामा के मेर के रुअह्व यालग्रमान्यर्थात्राचा हराह्या रामान्या केमान्य देमान हराह्य रामान्य केलान यालयास्यास्याद्वातस्याद्वात्र्याः ह्रेन्ट्या याज्यस्य स्याद्या राष्ट्रात्याः व्यापादाया राषाः क्रिक्संबर्भिरः मुद्दं कर्रे विका विका अल्या कर्या वर्षा दे दे दे दे विका दे प्रस्ति दे दे दे विका विका विका व देशस्त्री पर्वरात्रेश्वरात्र्यत्रात्र्यत्रात्रात्री रतप्त्रिक्षित्र्यात्र्यात्रा प्रदेशःदेशःश्वरात्र्यत्रात्रा सरमक्रेशियारी सेवाम तर्मा रेर्मा कर्मी विद्या कर्मा सेवाम कर्मा सर्वा वावन्यम्भित्यः वर्षाः वर्षाः वर्षाः दे। दर्विश्वायाः वर्षे द्वा वावन्य वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः 6 pair 更为し 居とれるのでの、品口量と、い(夏を、め) 対土 ( 多くり) 生く見くくし く、その、か 

यडरा विक्टर राजमार्था व्यव त्यापन है सिर विश्व मार्थ है तरिया मार्थ के परिवा पार्थ है मेरवारकी

वरिष्यामान्यानार्थे। अञ्चलाश्चीदिकीकोदिकेतात्रेया रेप्टरकी अदिनादुर (अदुर) वादाता हिरहर वर्श्वे अदूर वर्षा वेर रेन्द्र के हिर वर्षि वर्ष स्टर्ग वी वरम्बर रहिवान केर राजाय। क्रिंद्रमध्यार्थ्यस्य तार्याच्याः विकार्याः म्राय्याः म्राय्याः त्वक्ष) ह्रिं श्रीद्विषाकार पर तिर्विष्ट । क्षेत्र विष्ट्र । क्षेत्र क्षेत्र विष्ट्र । क्षेत्र क्षेत्र विष्ट्र (वक्ष) विश्विद्यकार राज्य क्षेत्र विष्ट्र विष् चनम् मान्यान वरम्बेन्यम् मान्यान वरम्बेन्यम् । वरम्बेन्यम् । वरम्बेन्यम् । वरम्बेन्यम् । वरम्बेन्यम् । वरम्बेन्यम् । परी कुंबाचान्द्रसम्पन्नाम् मुक्का देरायराष्ट्रीरदेशम्द्रमाद्रमादवर्दः ब्रेश के.सैवादयम इवाला राह्र रहार था. रूरी र्यार क्यारी कराने राहरी क्याराह्र यक्षेत्र सामकी व्यान इंड सुर रूर हो भू अ में स्व रा (हेवस) रेरी ववारर पुवाय अमें हेवस रेरी वरस रूर से देखें ्वसः श्वरद्दार्भमः याना तर्षाः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्भः स्वरंभः स्वर्भः स्वरंभः नविन (महिन) १५६ व हर। व-नगरत्य गर्ड ता क्रमें के मान्या क्रमें के ग्रीय के ग्रीय राजा नि उक्क मानुद्रकी (किया) के रहा देश द्रा के (इवार्या) यह बीट के का मेरा ही टर्स का र्षटामायातात्रे युत्वाष्ट्रमायात्रे द्वार्य द्वाराम्यकार्येटामायवयायात्र्याः वहत मुद्रक्षितान्द्रम् र्यानुद्रम् अकुर्यायाः सूर्या कुर्यवग्या वर्ष्यतः तासायास्यायाः धिवा मुन्यार्थर द्वरवाया के की वाहेबा करा व ववा तो वाहेदी के दिया ही द्वरा में अवावेश ग्रेग्रियम्भरम्भरम्भः भेवो हरः देवम् मर्यं मर्यं प्रायाक्रवार्यः। स्रायम् वः सुर्यं सर् र्नेर्द्र, पर्र. प्रा. त्रार. । क्र. च्रं र क्षियाता शुः च्रं . येव। पावा ता त्रार त्रा क्षेत्रा शुः (क्षेत्र) पर्। यावेश सेवारा स्वता क्रीर् झेलेव। र्य ताय बर कत्वा या र्या स्वर या स्वर या स्वर या स्वर या स्वर या स्वर या मुक्षेत्र। द्रानुद्रः तिः ताको त्यमं के तर्मायमा सुका व्याक्षेत्रः विश्वा हिर्मर केर में विश्व नार्मित्रे अवास्तवासरपर्द्यासर्द्या राम्रेटा रेम्रेटाक्षेत्रं वाववा है। सुवा सैराभान्त्रताकी में ती पर् । अना नायपुर रहिर राज्या का पर्व पर्य में र के राष्ट्र राभिक्षी स्रियामहर्। सेट.बी.श्र.दर.(द्र्या.यी.दे। या.वलवार्त्र्यातार एकालाइर (ह्रेर.करवेल) ॥देश:इर:दुर:इ:की:दे.एसर क्षेत्राल्यद्याया। एकतार्भर्त्यार्भात्राची वर्ष्यात्र्यात्राची वर्ष्यात्र्यात्रा न्यवामतासेवी सेवरा दार्ट (केवतारह) । प्राम् में रहेबाचा (क) में बाहरी सेविए थी. व

यर रें हर राता सुरा देर करावायरा किए बॉरा कुवारिश की दुवार पा तबराव कुवा (वहन) वरा में प्रतिवास (देश) दश्र हैर है लाता कि. हा. ही. देश हैं वरा हिए रट हो रहेता है ही ही. अर्थेत्र (क्रें)याद्यं अर्थर व्यर् व्यर व्यव व्यव द्राया द्राया द्राया व्यव व्या विश्व व्या विश्व व्या विश्व व रवारकुरायायायारारहारहारहा (हारहारहार्थ) वास्त्र) वराष्ट्रवारदा स्वताराही स्रेट चर्रेरालका में चारीकारहाएडर्राब्र्रेट हैं के केंब्र (ब्रह्म) त्रातक हराहाता केंब्र आर्र सिवाश. इ.चट्ट्रविग्रहर सेचलरूपक्वतमयाहारा देवादा वर्षा वर्षा सेचलरूसमाद्रेरामार लार्याम् मान्या विस्त्रमा स्वास्त्रमा स्वास्त्रमा द्वारा द्वारा रावमा (अभरत्वास्त्रमा )। स्वासाय स्टारा द्वारा यथायवर। द्वाराहरे कि छिर्य या जारे ना की स्वयरि रस्य या वी रहिवारा यथा सकेंवा यु. अर्डात अस्त्रित्र हरा हिर्याक्षर अर्द्र रहिष्ट्र तथा कार्य बार्य अर्द्र याया कार् सिर्यायर सेट.ह्.) तैवाय इंद्रेष् स्था (१४) शर्तर अक्ट दें या ती सेंग (वर्ष) वस हिर वर मिंबिद्यी, जेंबेश कुंब लचा मिंच्द्रूट रजा में दर अद् कूर रे में खेंचारा की (इंगरे) वर्षेग्री भर्दे (क्षेर्य) देशकेर में एतिला ह्या अप्रतास्त्र क्षेत्र क्ष स्रेमःवरःदरस्यानदुराम् विकृतात्वरानेदरदेशकान्दरः अदवनिके के अदायमः मुख्यावरात्वाहिरः (पहेट) महाराष्ट्रका थरा दरम्मा तकमार देश क्षेत्र वर्ष स्वाधिक करा के बेट करा के बेट हर हिर क्षेराचरेशाच्या स्रेराचरेशाक्ताक्रा सवामत्रभवत्र द्वारामा वार्वभागा में ह्वा वर्गासिद्दुद्र। देवाध्यासिद्धद्रग्रह्णाद्रियात्रास्यात् सेवश्राद्धरद्भायद्वे क्षित्राह्म स्वर स्वर स्वर देवातर रेगातवार्य केवाया से विष् वाड्या रमवाड्या ता छा।वार्ष शहर रूक्टर्ट्रह्मा के स्थान के स्था के स्थान के या वर्षिय श्रेट. वी र डिवारा, श्रेट. वाश्वी. पा, जावार हा र ए जा वी ने वा था. या वर प वी पार्शित वसर् (वसर्र) वर्षाहरार्थयाता तास्वाप्यात्र स्थातार्र रहकायसर्थाताते हो। लाद्याव (अवः) स्ट्रां ववः मरा के मरा की स्ट्रां या के मरा के माने का के माने का के माने का के माने का के माने के पविद्रात्में अंशर्याद्रयात्माद्रा सुःसर्दर् क्रियाष्ट्रेश क्रिया वार्शिक्ष रक्ष यक र्यत्वति सुवायात्यरति विवा चेर मुख्या ता ख्या मुद्द के महा की के दे था कूर। के.क्ष्यरप्रदे में कि.के.क. में ता प्रकृत मार्थ में राव के वा के वा के वा के राव के राव के राव के राव के रद्ववार्यते सुद्देशहाधादक वेवायहादुर (वर) मुस्यायक महाक्री था की न्यवा क्षेत्रवर देक्ष म् देशक्ति वेर वार्य स्ट्रिय के विकास का स्ट्रिय के विकास का स्ट्रिय के स्ट्र यद्श्यायत्त्रम् द्रियं म्या विद्या म्या प्रदर्भ त्रा विद्या प्रत्या प्रदर्भ विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या र्.लार.क्षर.क्षेत्रक्षेत्रप्ति केलान्त्रवाश्वरतः रे.स्रामक्षेत्र.प्त्रा.प्रि.रेनए.वर्रेर.रेवाताक्षाम्परः

्रेश्चित्रात्म्यर्थन्त्रम्त्रम्त्र्रात्र्वाः मुंखार्द्यः बुद्याः बित्राव्याः भूताः वासुद्याः वासुद्याः वास्त्र यान्त्रामा भागान्त्र १ १ द्राति वायव मुत्राय वाया वर्षे वर्षे वर्षे प्रदेश विद्युति रभवास्त्रस्थान्त्रस्थान्त्रस्य अद्भान्त्रस्थान्त्रस्थान्त्रस्यात्त्रभाष्ट्रभाष्य दासा रे विदारी भार की नासुरय अग्र रे अभारत की ता सामा रामा रेना र त्रा दी तर्मा मार्गराश्चिमार्चित्राच्यादेराताचार्यरात्मा द्वाराच्यात्रेताच्यात्मात्यरा त्यां अर्थे देश की त्यार्थेय यमत्त्वम् निर्वेश्वर्थिय अर्थे देश वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे अर्मनानी अर्मात्यमाष्ट्रमंद्वर प्रायुर्धिअर्वे व्याप्तान क्रिया स्थापिता वित्राया स्थाप न्ययायर्यद्वर्व्यार्ध्ययेवर्षात्र्यः व्याप्त्यात्र्यात्वर्वे स्वर्वे स्वर्वे स्वर्वे स्वर्वे श्चिम्दर्यान्त्रयान्त्रीलाक्षे नार्वनातान्त्रत्यात्व म्रद्यतिक्षेट द्रद्रपतात्र म्रह्माद्रव र्रार, छार, हिं जैस. किर, दे, रहर, दर्सर हो, किंग्रिश राज्य रह हिंशों शुक्री के श्री हैं वा सार विश्व ने अर्थें अ. प्रचा. में होत्या (रेंडली वपर) अधए अप्र हे. हेर अशियं में प्रचार में या वाया पर्यादिर स्वावारि येवा अर्थ सूव (वहॅंव) धर्ट के व्यव वेदर ते के वहँ वारा व विवाद विवाद इस् इन्द्रम्माराष्ट्ररंववर्ग्यक्ष्यां यहित्रहित्तरं दुन्द्रम्माराष्ट्रम्माराष्ट्रम् ट्रे.इम.बिण.वर्जा है.ये.च। द्रे.यूट.बो.केट.आ.ण.वर्जेशव, आ.सम.बे.सी.य.(अभरण)क्य. इस.देविधेश्वरात्री । किंद्रशु. चेत्रयाज्ञहास्त्रम.देश्चियांच्यश्वरात्रदेशाःच्याः प्रवेण इ विवक्तिः रहा क्षेत्रः कार्त्रवादरः। केंद्रवर्दर्श्यवाद्दरः दे केंद्रवर्गात्रवात्रावादाः विवाव सम्वतः रवारेता के दरकी मुकायरिस त्यं मुद्दार प्रायदित हु के दिले कि दे हैं रे विकास के यह भी है। तकेट स्वावु अ वु द्वा दे देट की कावरा कर देववा की दे किया कुवा तहुवा । दारी द्वा के दे भटादवातः वे व्यवाध्यावायुरताय। वे मः वचतः स्ररः वते हुटः तरे ख्यारे थटः वेद्ध्यम् अवर्या विविधि वर्रार् 'तर्वा द्वीयारा ध्येत्रया नारको राववारयवात्राया दरा द्वार नदर में देवाला (देवाल) ववला ता आव रा दायुरा यादरा केवा न सवा मुखा मुंखा वडरार्थतार्द्रेखदाताः वित्वास्यादेशतः स्वात्रात्र्याः तक्ष्रित्वस्त्रात्र्याः देवाद्रवान्त्रवाः पर् केंद्र प्रेंट्रा पर हें हिराय ध्राक्च में जर राम प्राप्त की ताया है है है में अराव में अहरानेरा अर्वन्तर्द्व्यूर्वेट्यर्वार्विक्रिके वित्राम्यर्भिक्ष ्यभक्त्रात्म। प्रदाश्याभव्दर्भट्द्रान्द्रम् स्थान् द्रेन्ट्र अट्येट द्रवाधारायुक बुगान्नियानम् म् भेषास्यायम् वर्षेत्रायान्याप्त्रात्र्रम् वर्षायाः म्यारास्यात्रात्र्रम् वाह्रभाराम् त्रक्रातम् नामाना ध्रमानी देशम् वास्त्रमान्यान्य में में प्रमान वास्त्रमान्य वास्त्रमान्य

रुभवा

हीट र्यमातकरवर्मम् दृष्ट्यर्थितयर युर्दर म्यूष्यप्रवास्तरानिमा विद्रां यव र्कुवारु सम्प्रमा तार्वर रयुराव ही राज्यमार् केवा त्या वार्व वार्व सामा अद्वास हर्या इट लक्षा श्रेव लाय दर दिर व बेट है ता दें हकर लाद ता श्रेंद दिव ए वर्र राय देश यह वर् देश्यर व अपन्त के प्रवाद के व दवा हा सि दें प्रक्रिय राज्य प्रकेट देश्य मार्केल पर के मंत्री हैं. BEN'N) हे क्यान्त्र हरी । स्थाह विदर्भाया रगर्य से लाई। सि से पहुंचाराज्यर या गर्य हो। वार्च से रेव देव देव से मिर र्देष्टामा ।ववास्त्रास्त्रकेव में संही ।क्षेत्रसंधिरक्षेत्रस्यायः तदेवसा ।वारावेदरः वनः हम् नाह्या । भागता मान्या मान्या भागता मान्या भागता मान्या भागता । उद्श्य श्रीर प्रें श्रीर प्रें श्रीर प्रें किंद्र श्रीर प्रें श्रीर प्रें विद्या देश । क्रवान्याः हित्याराअहर। । भरेर्राहरा हिमाहिमाहरे । हे तहस् हीर देर कित्रुष्ट्र यरातु। रिअरपुर्वा होत्रा अर्थेह रेशाकी । वुद र्याया ताहेर युवारा ताहेर युवारा ताही थातात्रक्षाम्यर्भे स्वाधित्रियात्वम् यादा विद्वस्य विद्वस्य । विद्वस्य विद्वस्य । हैं न न ते हिर तकता में मार्य हरी । मारया है न मार्य माया महर राम है। र मा अहर्राद्वर रश्वरहेर्द्र । । स्वापक्षण र तर् हावानी तर ते व्यर । विवासमहरू स्थे के हिन हिन हिन ति विषय । की त्यर तक अरवाव। किवक अर के का मेर त्या मेर के का क्रमास्त्र । क्षेत्र हिरास्त्र क्षेत्र क्षेत् श्. कं. खंक्यात्त्रीम (श्रे cream) परे य तथा । जाताश्च परित्यं अवा जात्तर हर पर्ये पानरास्टर्सित मिल्यान् । विक्षान्य स्ति विक्षान्य क्षात्र । विद्राम्य विकार्य विकार्य रवर मर्भर रदः। । वे वि र र वामन ह त्वीभर्ग रामका र । रमन के वे मन रामका हर क्रिंग्रहः विकास्याने विकार त्रीयाने । विकार विकार विकास ब्रा वर्वर्या यर्वर्या यह वर्षा हर वर्षे ने राव करिया हर वर वर वर्षे त्या चारुवा:वार्च्चारवा:वार्वाता:हराः दि:वार्था:दर्म् स्वाता:वाह्याताःवा विर्वेताःदरः विश्वीका कर्या हैश। रि.हिर.हिर.धुर.कुर कुर वरे (के) वार्था वार्थ प्रद. सवधातिकथे प्रहिला विकासम्बद्धाः देवरक्षा अहल दर्के में अक्षा विका विका

श्चित्रक्षेत्र । वर्ष्य केवराहिया । किरायक्षायकि रे के वाह्या हित्र विश्वक्षेत्र । देव राष्ट्रिय त्रास्त्रवर्त्वाहिया । वारे अत्वयं आत्राच्येत्रं त्रां प्रधानात्रं द्वी ह्या क्रियं द्वीत्रं विद्या 15 किट. अधुनियाताता अम्बन्नतः धरुष्याम् अव मन मन मन्त्रेमः वन्त्रे व मन या.क. म्. भागर्या प्राथटा र्वायरवार्त्या म्यार वार विश्वरवार्थित वार विश्वर में प्राथन तर्विवाः तथाकी हेरा देवर स्राचित्रयमित वाह्याचेवा वाहर रवो वार्वेद सर्वेद वास्टर व छा अवार्यवर्दक्वयाम् स्रुव। । १ असम्बना स्तरा दुर्धवायते क्षेत्रा व सरहे तद्ती दें सु पराराश्ची न्या में वर्ण सेवरा, कुचा क्ष्मिता है. पर्त द्वा का अपने वि परमें वा 'अं अकूबा. १६. । वर्ष या आपने अंदेवला दाए खी. ५६. किं र. खेटा आ दे श्रायाधारी भेते विषयाद्वात्रक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्रक्षेत्र क्षेत्र विषयाद्वात् प्रथा प्रक्र क्ष वासाइ ता रित्रामा इं चर्षेत्रे व्यापाताता विर्वास्त्रा वारदेवसास्त्रियाँ इंसर्डरश ।वरवाददायम् देवास्त्रभातत्व सम्बन्धाः ।वरामहाराजाः व व व व व योक्तराम् क्षेत्रम् स्नि. खिलार्यम् । याक्ष्यम् स्त्रियात्यम् स्त्रियाः स्त्रम् कर्क्स अकर दर । विवाद अम के कु तव मत्व मन्द्र। विवाद अक्त के विवाद अम विवाद अम्म के विवाद अम्म के विवाद अम्म व तक्षेत्रक्षेत्रक्ष्यं में अश्चित्रक्षेत्र । रेज्याच अव रदक्ष्यः व इषः तक्ष्यः । द्वारः वर्षः सरुवाया धीवार् नासुरः। अवस्थारे नाइवार्वाधीव व नासुरः। । वे धीवासे व साक्षी वी नःकतःश्रूरः(श्रूरः) वाहरायात्रात्रः देन्द्रः वाहरायात्रः देन्द्रः वाहरायाः वाहरायाः वाहरायाः वाहरायाः (स्थामयं तर् । हर्(बहर) के वक्क रामित वर्ष तर् । वस सं स्वाधावरा हिरमेरः पर् । वि. भूवालिया क्षानिया । दारा दिल्ला स्थान माने करा । वित्येरमारेवा अभ्याद्वरामा । के व्यद्धामाया नर मान । हीट में हे वर्षने मेरी । हिंद में स्यम् हेयरवर्गरी कियायत्वराययवात्राद्रम्हर, एके इ हिर्दे प्रकृतिवायत्र हेय द्रार्था (एड्अटर्स्क्रिश्टि के.एब्रेर्स्स्का । अवंगर्स्क्रिश्टर्स्क्रिस्टर्स् ्राधाराक्ष्यास्त्रीरायायारायारम्। विम्नाम्यविक्षास्यास्यायायास्त्रुर्। द्रम्मुर् क्रियाता (अक्रमता) समित्राची विद्याला देवता में त्राह्माला देवता विद्याला देवता व भः इर.च. बोबालक्षान्दा किर्द्र देवासूर द्वासूर व्यक्तिकार विद्र देताय वर्दे केट. रामधेन। किरामहारमार कथ्या किरामहारम्भार क्षिया । र्वेश हरा स्वर्

रवायायार्यभारेर। विद्रात्यक्षार्थको से सुर्वेश्वर (८०) विद्रादण यदि। विद्रा

10000 · 10000

नेश रि.श.म.र. १८ १८ र मेर्टि मार्थ किरम्रेय वहरात्रात्र छिरश्चरव उत्तरिक् तरहरमा अत्य विद्या प्रमास्य विद्या म्रि.रम्याह्नद्रलेशाएकप्रक्षात्रप्रदेश वि.एम्प्रवाह्मप्रम्याह्मप्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक लग्द्रभग्यन्त्रायन्। लावर्पद्रपद्रपद्रपद्रप्तायर। स्विर्द्रपद्रप्तायर। र् अवत्तर्वात्रम् वाष्ट्रभावात्रम् द्वाञ्चरात्र्र । वाष्ट्रस् इवा श्रे स्रायाञ्चरा यदा । विवा केंद्र देव (कर्रवाश्वराधिर्भ) त्रुप्ता कीर् केंद्र । देवरे त्रुके मत्रविश्वराष्ट्र वास्ट्रिय म् यनात्यते स्वाष्ट्रस्वा वर्द्ववार्यते खुलारुकी वाकुवाराया । ब्रीट स्नार्यते रतिताता के ता सर्वा दियादाया हिंदाया तकता सेवसा ती । श्रिक्वा मा सर्वा वस्त्र मा महत्र्याता रातरे अड्डिंग्या के देवारा थेवा वा बुट यबट बेर यके वसूर रेर् । तर्रे अखे बना थर्स इंसहरान्ता अस्किन्त केला सेवर्यवरा विराध केला है। देश त्वा ता (देश) तर् स्र तहुं तहुं अयात । अहता या स्न विवादेशायात्य । के के तरे के रवत वयराश्वयावायाया । यातिर्यतिवाहमात्रवाहमात्रवाहमात्रवाहा श्री वारुवाश स्था स्वर स्वर । वार्ट (वार्ट) वर्ग वाकी वार्ट वर्द के ता विकार वामा विकार वामा विकार वामा विकार विकार वामा विकार र्वारि ख्रिक्षक्र वार्द्र । की दव यरि वाह्यभर्ग रहें वर्ष । द्रो प्रदेश मा हार्या निस्ता निस्ता निर्दा करा सुरा कर (१० कर) के । के तर रायक वावर हरावनेशर् ्या म्वाकारहर्या अदार वारावा । वा म्या वाम्यावा हरा हा वर्षा रमे गर्मा दुरा होने के ले लंदा तर् । नमा ख्या या दमा दला हर ही दा के लहा हित वराभार्वे, कार्या. में हुन। । मा. पर्ट्रा क्षा भया वराया वराय हर एकर । । रम. रर्गा रगम्भे लेटार्श्वरायात्रा त्रभवातकम्बराधराधरायादान्यस्तरायात् । अत्तर्वा चाएमारवक्षा देखरामाख्यमध्ये हिस्यीर हिमासार हरा साम्प्रा हिस्ये यां क्रार्थातर तर् पर्वा इनिम्क्रायन व्याप्त वातर तर् मन् वाम्याय वात्र वातर वात्र वातर वात्र वातर वात्र वातर प्रयाम्याञ्चला . द्रला चन्द्रश्चर द्वर द्वर द्वर त्या । वाववा आराष्ट्रारः बीटामरेग्न हैर रातार्यवतवटरा है के लिखें (वहरा) ने मार्थ हैर रक्षा ति के हिर्दे हीं दाविशासितरे तासद्वा मादी व्यर तर् थार है। हि। हेर् ही र नि तावा है। वार सम्मान अर्वनभूर:ब्रेर। व्यर:वन्नरा:बाहुआ:लव:पर्वया क्रूरंअ:ब्रेट:या:अर:स्थाः

कुड़र श्रीर रेष जा में मर्त किर के के र मेर लेव अव सेर में वार के ता है। सेर के वा क्रियायाँ वरादि क्रि.श्रवे बडावा विशेषा वर्गा वर चर्ये.वं(वयःक्षवं)) । अटेवंअखितशभवंद्रश्लाद्वं,श्लाद्वं,श्लाद्वंद्रद्राधः च्रष्टेशत्वोद्वरःश्ला स्व। वर्षाद्वान्त्रमः हिद्धिरः अरेशः श्वित्वाद्वाद्वात्याः सूर्य कालाः प्रात्याः श्वरम् स्वामा क्ट्र-वाप्टर-यू-प्रट्राता । याना विकास द्वीय निविद्या राष्ट्रा । वाप्टर या प्रवास । विकास प्रवास द्वीय निविद्य प्रवास । विकास प्रवास विकास विकास । विकास प्रवास विकास विकास विकास । विकास प्रवास विकास वितास विकास वितास विकास 'यदम्मिनां । गर्वर्रर्रातिर हा स्वाधरहेर हु। । र्यवस्यक्र ता केवा नथाय से तार अभियानिया। विविधः में सक्षेत्राधामः त्यानीवः एरं वास्त्या । क्षेत्रः याश्या रहातिकः राजारः में त्यारे र.धुर्धाराप्रकास्युराष्ट्रीयरा । अर्रद्रम्भिकार्य्यायव्यक्तराम् । चार्यायक्याया इंग्रिया । प्रत्यहे विक्रयम्या अवसा । श्रिम्माया गुराया श्रित्रे । श्रुपार स्यारकाराः श्रीयाः स्रियः स्रोत्रास्यास्यास्याक्षां । इर् स्रीटः नाक्ष्यः का स्रीरः का क्षिरः का स्वाक्षाः स्व मिक्यान्त्रास्य । । इर् स्रोटः का क्ष्यां वर्षे स्वाद्यः स्वादः स्वतः स्वादः स्वदः स्वादः प्राचित्रके विराधाराप्राचित्रके विराधित्राधार्थित्यके विराध यानाम् केपान्त्री रिवानासेवश्वाताप्ति। वर्ष्यासेवर्षान्त्री वर्ष्यास्यास्य लर.ज.व्या.पर्र.भृत्रेत्र, वियामाक्षेत्रम्यम् वर्ष्यास्य । पर्यास्य वर्षः द्वः स्रिं। हिर्धिरम्बिरम्बर्धायार्क्त्रा रिवर्रक्तिरस्यावक्ष्यार्क्षा रिवस्वस्र क्रिस्स (हेटसहरा)क्या हिंदिहर ग्राज्याद्राराश्वदी दिसरामयाश्वीरश्वी भाक्षती अंग्रेड्रा किए.स.फर्वेजक्.रहार,क्येश वि.क.ए.स.च्या किए.क.क.क.प्रा. किए.क.क.प्रा. क्रेवशरद्भारद्भारतः वी (७२३) द्रेव माईर । शुंभा विवासर्भाय दीमा । वेशामाय प्रमू तामार्थः (अग्रभः) दुः स्वरा विद्राद्धां अद्राद्धां द्या द्या की कार्या । ख्राद्धाः करि त्या सामा कार्याः (अधका)कृत्याकृर। वातारद्धिः सैन्या (स्यान्त्रेता ) यसिमा । रअव से मूप प्राप्तायास्त्र) इवश्हरी रिद्यार्टर मेरा (पर्वेश) दारा वित्र अवसा श्वीटारट साम्या किया सामिता (सम्)य त्र वर्षे अद्भावा अविश्व वर्षा हेर्। वर्षेट्र विश्व देर र्शु विश्व राया । त्र अवतः वर्षे 'जूर सेंद्र.कुड. एक्वरा । अताया पारा हुया हिंद हैं र किर करा । अताया कुरा ता की की रोका स्मा अ त्युरा देवारा (व कुरवारा) चारत राद्र। वातक अवदेव आ (वार्व के प्रेक्ट) में ता त्क्रवात्रत्वेत्रत्वाता (परुवादिक्ता) वादाया व्यदा । क्षेत्रवा यहार हिन हा वातवावा द्वाया।

चित्राक्तिक्या । त्यापर्वा चटक्षियाचित्रक्षेत्रक्षाया हर्द्रदर्भाषा

वारामार्थित वारामार मिलार वाराम्बर्धित स्थान वारामार के माना कर माना कर माना कर माना कर माना कर माना कर माना कर

दे क्यात्राह मेर्द्धा के दे त्या माने का त्याया स्रामेर्टिया स्रामेरिया स् इ.इ.अवतः पर्चे रमराभूष्टक्षां वर्षाः वारीआश्रीद्रा त तर्वता अतर्था क्रिया विषय विषय । वर्ष स्वास्त्राध्यार्थिकार्यायायात्वाराद्वाया । तर्वितिवदेवावववायम्भवत् ।देवतावासवादरः कि.के. ५३८ । श्री. भें अ. राष्ट्र के. राष्ट्र के. प्राची । रचातर कार्य के प्राची पार्व पार सर्वा के सार्या प्रभाव वर का वर्षे त्वर । वर्षे वर्षे त्यर मात्र । वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे प्रामिश्वाच्यावर्षा । क्ष्यूर्विश्वाक्ष्रिक्षिक्ष्याक्ष्यक्ष्या । व्यद्वाक्ष्यक्ष्या मां अक्र है। जिस् नग् तमा में दारेंग पड़ेंग की पड़ेंग की वार अवहीं अअ विश्व (देव) त्यां के के तर । विश्व रिया राति (भेग्रम) के विष । के बाद रिते र मुवा (भवन) मार्वि छेन्। तिराय प्रमास्य के त्या के हैं। शरविद्या रियं वेद्रा देवराश्वराश्वर वासरी हेरा विद्रा रेव्या सेवरा ता कारा ती र्भव। श्रेड्रा त्वराव (पर्वावव) श्रेड्रा धर्व व्यव (प्रवाव) राज्य विद्र्य थां स्वता (बहुता) म् स्रायात्रम् मान्यात्रम् । द्रायात्रम् मान्यात्रम् । द्रायात्रम् । द्रायात्रम् । द्रायात्रम् । यात्री विशायकामरत्वर्गर्थामर्। विरायासर्वरास्त्रवरा विरायनास्यास्त्र विश्वत्र । जिला सूर्य तथा तरेवता कुण का वाहेशा थी । निमः ही र देश मुका महि मुरक्ताराहित्युकाराकातायाया । यहार्म् कराराम्यायमुक्तिम् व्यव

्राष्ट्रस्त्रीरः सर्वाया हेर र्वाया हेर। हे वाहियातरु सम्भानी पर विश्वार्या वर्षिरक्रिरक्रिरविषा । यर्षिरविष्य प्रवासिय प्रवासिय प्रवासिय । व्रोधिय । ्यूर (सूर्त) मे । अक्के राम प्रमुक्त राम्हिल विद्या प्रमुख प्रमेश विद्या पर्य प्रमुख भे तकवाना द्वारा द्वारा के विष्य विद्वारा विद्वा पदी रिवर्श्यायर वहवाया (परुवक्ये) से देवा से दी वाइया वाद वेद सुवा (हवा) यर वाद विद् र्य विकार्वेद्रियामाध्येववात्रायित्ववात्रायित्तहत्। त्यारे ह्याया (यर) बुद्धाया । र्वेश्चर्यक्तामहत्वाविवाराः तावद्गा । देलदे हिर्वास्वाद्ववाराताव हुरा । वक्स अवसारकुराहर स्वर्वा श्राम । स्वारक्षा । स्वर्वा त्रें स्वर्वा । स्वर्वा विकारक । स्वर्वा व सेवमायवेतावर् हेकरावाया। विवायक्यापर सरपर सेमायावा। मह्म (इम) तकेर देश रार्स ता तहर में की तहार यह मार्थ महमारे माना मिना देश रे मार्थ । र्वे अर्थे त्यव तर्वता कर्षेत्र वर्षेत्र । बिरायह प्राथ या सम्बाध सामा क्षेत्र सामा बर् रब्रा ज्यारीशाचरीकारकायरेवात एडिटवायराकार्डर सार्वा प्रवासकारकी छर्त्ररासितम्बावाकाकेक्रिया।।यार्गम्यार्गम्यात्रार्भातरी।र्रे विक्रम्याध्यर बर्बर्चिर्चित्रसम्ब्रिकाता । अहताहेबल्चाहेकानी । वचरान्यं वारेशनायारेशन्त्री हिला निरंशाद्र होत्यापर हिंदा का हिंदा श्रीर शर्भ पर है लासहरी निरंभ के स्थाप है। विद्या के स्था के स्थाप है। विद्या के स्था के स्थाप है। विद्या के स्था अदः (वर्षेत्रवः) क्रेंद्रवः एवं केरे. ज.ज । चयाक्राक्राक्राहर वास्वास्त्रवा अतार्वा आक्रा मिर्स् के रिया वर्ग विवासर वर्ग सिराम कवम यो नर् । श्रेल्स से कि विवास के विवास (र्क्त्रम्यते नास्म त्राया वर्षा वरव क्रिनेकेक क्रिया । क्रिकेक क्रिया क्रिकेक क्रिकेक क्रिकेक क्रिया क्रिकेक क्रिक क्रिकेक क्रिकेक क्रिकेक क्रिकेक क्रिकेक क्रिकेक क्रिकेक क्रिकेक (बाराबार् कुर्या निमा ।। बाधवा लाडा के सवा दात्र आकार्य का लाडा का सहा देशा मित्याक्ष्याः में ब्रिक्टिक्षियायाः चर्वः द्याः अद्वायाः शविष्टेर् वृत्वः वृत्वः वा वा दात्व वा दुः ( लेक्सा सम्) आ स्वित्यति थत्र प्रवास्त्र में त्राम्य श्री तार बाद्या र बाद्या देश हैं या त्राम्य स्था ता हिरावव प्रवास स्था ता हिरावा (ब्रामा ) अम्बारोभ मान्द्र स्त्रुवार्थे कार्यम् स्वार्थे द्वारा प्रति । त्राप्ता स्वर्धे वार्षि । त्राप्ता स्वर्धे वार्षि । वर्षेत्रा (वर्षेत्रा) हार्षेत्रा त्यात्रात्राच्या वर्षेत्र इत्य हे सिंह हिर हिर पर क्रिय हिर मिर इ छोदः हेर्नेस्स् । जो। इ नरहें हेर्नेस्स केशकत त्या है। श्रिकर्वादगर अंते हें यहराम्बर्श रहा । हैं र्वकेश रेवाल हैं (के) अवतार में हैं। केर कर कर हैं हैं हैं ने रे रहा।

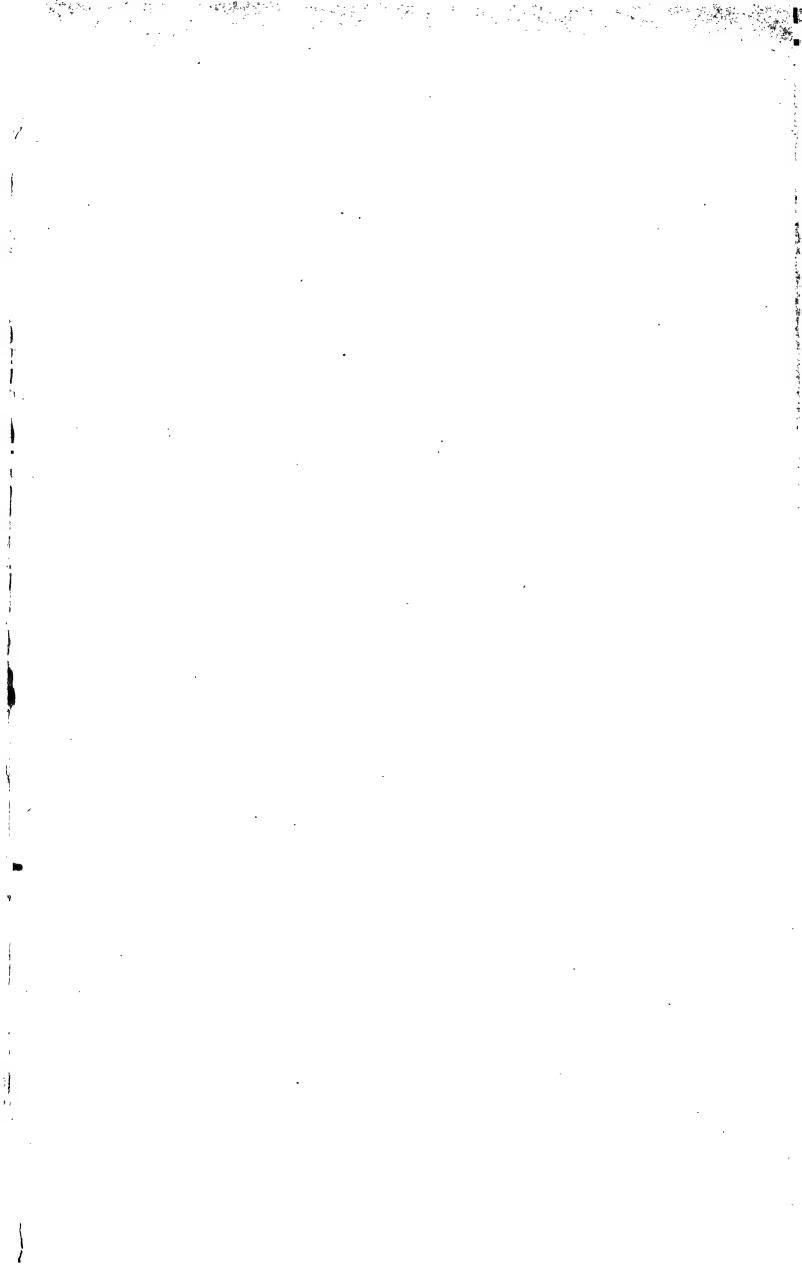
/20201

वृदासुर् रेवा राष्ट्रे आवतः तर्वा भी । द्या स्वाते स्वित्यद्दरः था ता तो दहः। । वृद्धाया के रेवाता मायतः र में किट्रार्ध्याः माद्याक्षेत्रः मान्यसा दिन्द्रभष्टः प्रमादद्वीवद्यविवाविवाविवान रमर्गम्या । अर्दश्यम्भानम् वर्षे श्वरक्षियव। मार्दराउवाया वे थेवाथदा । विद मिन्द्रग्रमसम्बद्धाः कुर कार्य र स्व व कार्य स्व द्वार दर्श तर्ते । क्रिका खाला केरा कार्य स्व हरा वाम्भद्रेयम् हरेवला स्ट्रिंस में ने लाहे। यह वल संदर्श हर स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा र्ति हैं है अपित्र से ही दिया वर्षा वाहर हैं भेवा दिव दें ता शुद्र या हैंद विद्या वहरें। विद्या वहरें। विद्या वहरें। गर्गे शास्त्रक्षेत्रराथयो । अग्रास्त्रर्था क्रिक्सम्बर्धा तकत्यविष्ठा विश्वाधिव। विद्रास्त्रयाः open. र्मा किर्मा था विद्वासा । द्वारे व सम्मानिया व सम्मानिया व सम्मानिया । व ब्रास्त्रीयवार्ष्ट्रास्टालयास्त्री। प्रदाक्तिस्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रा श्रव्याक्ष्या नार्ट्र वा एकता । द्वाबक्ट वाट्याव सदाय भारत । क्याक्र श्रामा विका लयाम् । खुलकुरामे स्वरायामा । विभयान युराद्में वार्षेता त्यामें हिर्के हिर्द्धरायम्ब्रीकि। विम् एड्रिंग अस्म किर्के अस्म किर्के सम्म (ब्या)श्राप्रधातात्रा । शु.चालवाकु तापाहिया माभकुर्या विदा । किर्ततर हिर पाक्र सम्बेव र। । यहवायान्य र हेरायात्रर हेर अ.क्टरा । इतिया केरा वार्याया वर्ष वर्ष हेरा हेरा र्देशकारे अर्थाराया । हिर् हीर्के कुंत वर गुरायार्टा । दालूदायारे दे ताव तहताया यार्था । भार्याक्रियां (व्ह्र्यां) शियां केंद्रक्रियाता एदी । भारत प्रत्या क्षेत्री वीदा दार्दर। । भार ग म्यान्यर द्वाविन तेष्ट्वर । विर्ध्य देश अध्याक्ष अधिर देन त्यात्र में विर्ध्य देश दार अद्भय थिन नेर ने । हिर्थाय महिन्ति कर्म पर्य । विवाद राम महिन्दी । है अर्नुरह्म् मेवस्था । इ.ग्रेर्ह्मिय्यस्थायकात्र । वाद्यावाद्रावाद्यायक्षेत्र चर्य । एक्ष्यां द्राया के वार्ष के वार के वार्ष यं महिला । के तहारक्षेत्रामहिनायर्युवर्षेत्र । त्रिवयं वेर्युवर्ष्यास्त्रेर्यः । हीर मिस्त्रे -यास्यः (श्वर) वात्वेता । तत्यः वाये रायवेतायादेवायवेता । श्वर्त्वेदायाद्वेत्रायाद्वेत्रयाद्वेत्ययाद्वेत्रयाद्वेत्रयाद्वेत्रयाद्वेत्रयाद्वेत्रयाद्वेत्रयाद्वेत्रयाद्वेत्रयाद्वेत्रयाद्वेत्रयाद्वेत्रयाद्वेत्रयाद्वेत्ययाद्वेत्ययाद्वेत्रयाद्वेत्रयाद्वेत्ययाद्वेत्रयाद्वेत्रयाद्वेत्ययाद्वेत्ययाद्वेत्ययाद्वेत्ययाद्वेत्ययाद्वेत्ययाद्वेत्ययाद्वेत्ययाद्वेत्ययाद्वेत्ययाद्वेत्ययाद्वेत्यययाद्वेत्यययाद्वेत्ययायाद्वेत्ययाद्वेत्यययाद्वेत्यययाद्वेत्यययाद्वेत्यययायाद्वेत्यययाद्वेत्ययायाद्वेत्यया वार्गर्थियम्ब्राम्पर्यवारीत्यम्भविश । पश्चर्यवेर्थय्येर्थक्षेयाम्बर्धायवेषा । देह्र वार्थातावव क्रिन क्रिया विचरत्यं भी ति विचरत्यं भी विचरत्यं विच्या विचरत्यं विच्या विच्या विच्या विच्या विच्या एवदारदक्ष्यास्य महाराज्य (रमहत्त्र) । सेर्डियम्प्रम् किर्डियम्प्रम् क्षिणायाददा विराष्ट्रान्द्रवाक्षिक्षणायाददा क्षिवाक्षिकाकार्याद्र क्षेत्र दिन्द्रे मध्नद्रम्था। वाम्यक्राद्व द्वाविष्ट्रम्यात। विद्रम्भायवत्त्वसः क्रिन्द्र 

में वरानेया | १८.४८ हैं अहे नम् वरा । १५.४ वर्षे वर्षे के मत्वावादा | प्रवादेश हैं वर्षे हैं वर्षे

श्रेरः अध्वर्थः मैं वर्षः स्रेरः दुः तद्र विकारक्षाः स्रेराक्षेत्रः स्रेराक्षाः स्रेर्थः स्रेराक्षाः स्रेर्थः स्र

大日美利

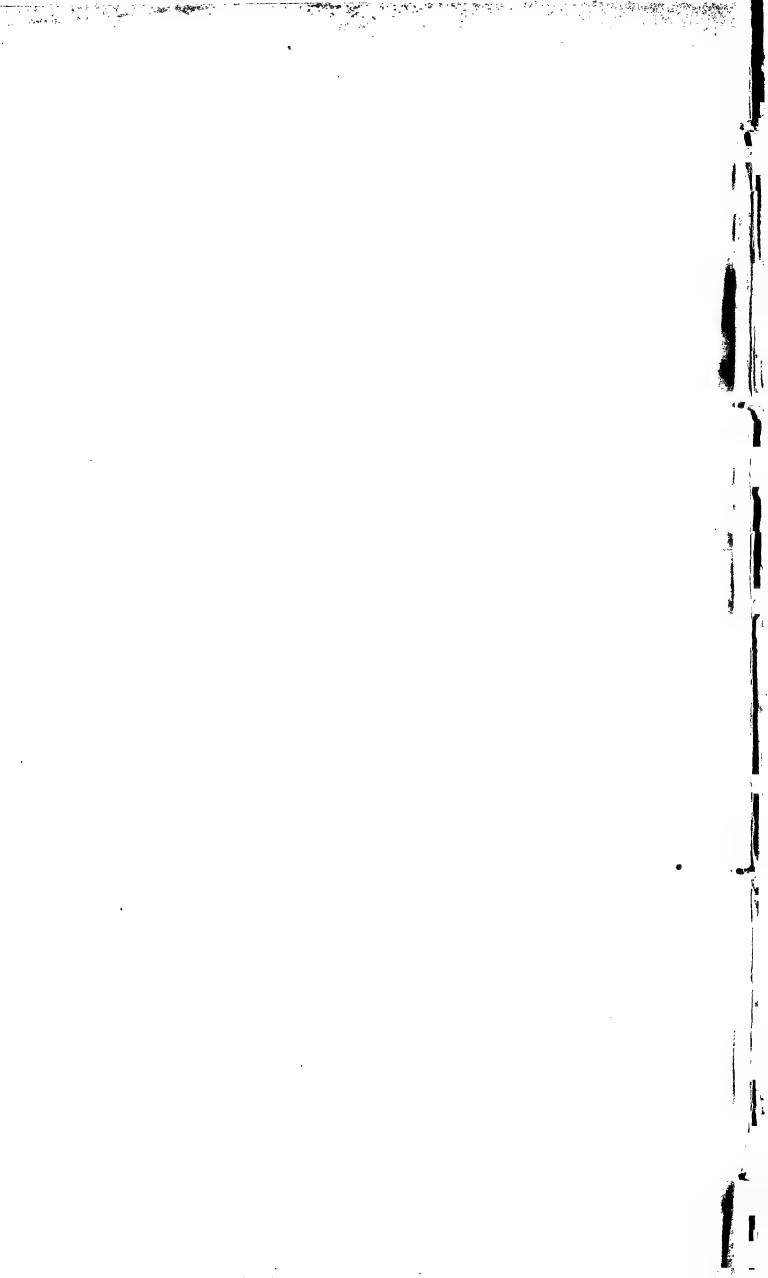


.

.

ग्रिट्यूट त्रष्ट्रकर क्रिय के क्रिय के क्रिय

I



हुम। । एक्रें र.च. हर हर हर हो। वार्षियक्या हैर र वर्ष्ट्यां विषयि। वार्षियक्या बार्विकार मुक्ति। ।वार्यायवास्यर स्थितं वार्यात् स्थात् हेवार्याः ।वार्विकार्यक्षात् वेर हेवा वेर वा श्चिरायाम्मार्का त्रवाक्षरामाम्या । व्याप्तवाम्यायाम्यायाम्यायाम्यायाम्यायाम्यायाम्यायाम्यायाम्यायाम्यायाम्याया 'सेवपायर मुचल हेर माझर रासे के कु अया है अरेट हिंद अन्येश रायर विविध से विश -- विद्या (मुद्या) राष्ट्र में मा (त्रा) रेट वड्या विद्यामा विद्यामा । र्र. पेर. पिर. प्राया गरेर. १. केर. शर. बावरं वरा मरेवायाता उद्देर होरे. इरा वायावसारा रक्षा राष्ट्रार वाया रहेर होरे. वाया रहेर होरे. ्रव्युरम्(अर्द्धरम्)सीटः यस्त्रम् सर्रर्रम् हेर्प्यक्षेत्रम् देर्द्रस्य स्थितः स्थितः स्थान स्मान्यस्यास्याना व्यानास्त्रिरः स्वर्थात्यः वारः वारः वारः वारः वारः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः र्क्रस्थक्य:पर:पर:की: हे त्यक्षेत्रका:मिर:क्रियायती क्रं प्रर:क्रिकार्यः तुर् स्र २१८ देश्य वचए दर स्था र दर्बर त. यातम श्रेच १९८ । श्रीट त स्था समामिता स्था म्बर्मान्यक्तित्रद्वत्त्र्यात्रम्य । महत्त्रम्य विश्वतित्त्रम्य विश्वत्त्रम्य विश्वत्त्रम्य विश्वत्त्वत्त्रम्य क्षा क्रिया क्रिया मात्रा करता विदया विदया यह रहा (मिरया) यह रहा मात्रा के मान्य पाया मात्रा र न्यर स्वार वा श्री श्री स्वार कर वा स्वार है। देन तर के त्या र्रट भुकारक्र अञ्चरम् सूट के वर्ष क्षिमातुम १८२ वर्ष के स्थानिया । वे र्वा मेरा वर्ष क्रा हर्यातिष्ट्याः मृत्यात्वे यो यायायास्य स्ट्यायाः । वायर सम्य व वतः ति द्रार्थः सम्य वादवादाः आदः तरे हर्त्वा वाहरात्मिकी थरामेर। दातहभागतीतिहरः वस्त्रम्हर्यः ल.स. १८: र्याण (र्या) तथा पर्वारम् रात्र रात्र रात्र सारम् वारम् वारम् वारम् वारम् कितास्व देवाराक्तिव्यारात्मयस्व । यात्रस्य नवा द्यारायर्रा स्वर्धान्यास्य बारिदरा.तरं.वर्ष.तरं.चुरा क्रिंग.धूब.ह्यायडरं.बूथ.कह्या.तरं.युवरा.वर्ष्या.पं हिट्हर। रेएवेदाअक्षेक्चम में रतताभूरदास्य अत्यक्षेत्रास्य । उर्देश (रेक्ष) भर में अन्तान्यायार्था हिरदेशकासी जिर्वेश एक छार केवार हेवया हारे हे ए वेदा वेदा के ता.इ.सं.रेवाहीय.एठरावावरीया.रा.इ.वाव नामानमा.ध.षा.च्याह्य देवारा.वर्षा से.चर्यानसेट. दिवाशवादिवर्वेचक्षेत्र.पहिलावद्रावि.चेवश्रदे.वर्वे रिलाग्रे,देव्य. श्चीट्र ने श्वा क्षेत्र शास्त्र के शास्त्र क्षेत्र क् नुस्तिन्त्रीया अरक्षित्र्येद्वतास्य अयः राष्ट्रियास्य स्तित्रात्र्यस्ति स्वराद्वत्यास्य स्ति त्रिवा मेवार्टा वर्द्र में स्थानिया हेर मेवल। से शक्ष में हे ही हार स्थान के त्या है।

plac:

श्रेवारेट सु तदे सुन् हत्या यन परत (करत) क्षांस्य हेर्द्रस्ता खेराडे से अपराम क्रिया के मार्थ है मेर महाम क्रिया के मार्थ है मार्थ है मेर महाम क्रिया के मार्थ है मार्य है मार्थ है मार्य है मार्य है मार्थ है मार्य है मार्थ है मार्य है भराम्डिन साह वया तामहरी सिर्द्र देवा में र वसहन । । अडिन वाडेवा साहर देवति व अहर् । सियानाम् देशानायहत्र अहरी । सुन्तर सुराना सुरानाम । सुन्यर । सुन्यर । सुन्यर । एवाए पा. (पारवाए)) साविद्र (वाविद्र) देवा शुर्क स्मान्त्र वसेत्र। । अयः ह्रवास्र शुर्वे थे। विवाह स्मर्यर्थे स्मर्थाम् रम्हा वर्षरण । क्षेत्रराया मेरा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्ष स्त्। र्रद्रार्र्भानेशामा विश्वराध्यारात्यामर्त्युवरा विमान्याय १म्द्रास्यावरा क्रिवराद्रांद्रायक्षात्रात्यात्रात्या । स्ट्रिंद्रायद्रायक्षे उगायम् (११९) रावरा । स्वाअंदे (श्वायंत्र) में में में वारावर्ण । स्वायवंत्र हिंद laugining च हुर्या । तिके कोर देवता स्वता स्वता स्वता । स्ट्रिस स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्व १००० वर्ष वर्ष वर्ष का सरकेर.केव.(वरेक) नापु.रनपत्रार्वात्ये । स्वान्त्रःश्ररात्रात्यः । विदःप्रेटःश्रराद्यः । श्चरम् अर्थर्थर्भियवाभर्ताता । श्वर्वे में में ते के तकर विद्या है से प्राप्त कर विद्य कर विद्या है से प्राप्त कर विद्य कर विद्या है से प्राप्त कर विद्य कर विद्या है से प्राप्त कर विद्य कर न्द्रत्यात्रेष्ठ्रम् (वक्कावर्षः (वर्षा)यान्त्व । स्ट्रिंद् वर्षः हिंद् के क्षान्त्व। ।र्ट्र नेभार्यते। प्याप्तिः अ.चेच.व। । जुनुकारार्ट्याः ह्वंत्रकान्त्व। । र्ययः ताः हाववः सिटार्टिंदः। । जेववाः क्षेत्रकः क्ष्या । स्रम्बर क्षेत्रवासम्पर्वकाता । दामु क्षर वस्त्रवा । ते प्रवास वर्षे चर्डिशास्त्री । दिवा दिवादिक्यदिवाद्देन्य । विश्वदाक्यदेन स्राधाद्वी । वास्ति दिवाहें वास्ति व स्रिक्ष्यर्थर्थ । र से अर्थर्ष्यवेवशन्त्व । श्रेक्षायकुर्धर्व विषेत्रवातर्व । र्यर् एसकारित करा हिर र्वा हारा हरा करा का का करा है। विस्तर के तर है या कारा देंडिया किट के पार्थ वर्ष प्राप्त प्रवृद्धित वर्ष या है। वाका प्रवृद्धि के वर्ष प्रवृद्धि का है साम्रभद्रमुत्रराष्ट्रराष्ट्रराष्ट्रयात्रया । क्यां वार्ट्रम् द्रेत्रमानुवा । वर्ष्याः मार्ट्रयाः भारत्याः याना Nवया अवर (उद्गः)रहाउन् रर द्वा । । उद्गारवार अवर केना से बिया है। श्रायक्ष्यं भेयाः श्राप्ता । क्षेय्यात्र ह्रव्यः त्राप्ताः वर्ते । श्रीदः स्वास्थिताः व र्मेर्यासीता विश्वराक्षेत्रायास्याम् विश्वरायव्यात् । येवरायहेवारायाः स्टार्यासर् रमण्यूर्वराष्ट्रे मुक्तान्त्र विदाविदावलका के बिदाला भवी दि सेवाम में मुक्त मुक्त क्रमायर। विषय आम्रद्वर द्वान्त्र । रे.भेग्रव क्रिंर्स्य क्रमा क्रम रेश'त्रेम'श्चे अश्वात्र शरपःश्रम् सरमा रतपःशर्वा ग्रेडमा स्राचित्रं स्रिट संम्राभा देश के श्रे दे । प्रमा हर छर र वर्षे हिरत्ये त्यक्ष तक्ष था व्यन्ति । दि नेवाम हो त केवा है

इंधु बार्ट जुन र्राजारणक्ट के विद्यान मानि कर प्राप्त कर के मान मानियेद्रित् भी ह शुक्रियास्तर्भियंद्रित्यावरात्वे । भू मर्थिद्रित्यर 'अस्तामाहरा। | द्रांचसार्थन्दर क्षियारा हा हर्। एक्षेत्रद क्षेत्र हु। देश्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र हिंदा क्षेत्र हिंदा क्षेत्र हिंदा क्षेत्र है। | द्रांप क्षेत्र हिंदा क्षेत्र है। | द्रांप क्षेत्र चा ग्रेंडव । ८२.८८्ट्राव.५८२१.द्वापु.खं । तिह्वालाल्ट्रेंद्वीवा द्वार क्रेंवा लेखे । अहारहर रद्याभयार्थास्य । तार्षेत्रप्राक्ष्याः स्त्रात्त्राः स्त्रात्त्राः स्त्रात्त्राः । व्यवस्त्र । व्यवस्त्य । व्यवस्य रताराष्ट्ररे. मर. के जाया है, जिरे ं का अधिकाव मिला कर प्रह्म या जावारी । किरे पर्षे इसा त्केशर्थित्रे मेर्वे विस्ट्रास्य स्वाप्य क्षेत्र क्षेत खरी किरतीयाब्यट्वातकेवा(अववत्ता)तारी जि.शा.ण्टाराधतार पर सामिता विवा निवा अवहत्वी वयर अध्याक्ति तथाया हैदा विद्याता में देववा की आर है। ता विद्य के देववा वर्षर अवा खवः उव। । नामवः स्वर्रस्य वाधाः प्रात्ता । द्वाकोर्थायते क्षेत्राः द्वाया । देवा मुख्याक्ष मुख्या । द्वास्वा क्षतुः केता केता द्वा । द्वतः तीरः द्वतः व व व व र्यः । । वेदः विभाक्षित्वाक्षेत्र, वद्या । सेंद्र, पक्ष, वासीयाता है आझेराव व्या । वर्देर कुराव वद् द्यार्दर। । से हिरत्वियासिक्राधालका । से दिल्लास् र,रर. तिवश्मा । सेर्दर, क्रि. हे. ख्रमाता ही र (क्रम) । १९ देश क्रिक्स क्रिक्स । १८६ श्रेम क्रिस्ता ने र तर् हिला निर्देश्यात्रात्रात्रे में विया । अस्व यं पव्यव अवया प्रवासी सुर । स्विव अदि वाद्रायात्र्यः न्यहर। । एक्टेंबरका नेराक्ष्मावसका हर। । खिकासर्व को नेराह्मावसामा हर। ्रवरेश्रसम्भूद्रवाह्रयाः व्याव्यायाः । । त्र्राच्यायाः वीताः वीताः वीताः । त्र्राच्याः विव्या उत्तराताली विवालक्ष्यमाखनाताले भेव दिन्द्रकी अहत्यहर (अहर) वादाता ्रंक्तिम्ब्राम्यारम् । वार्षित् । 

नर देश (बेरा)रीर व । श्रीट हे सुवातदुराय ते सुद हु त्यों। । द्यविश्वेक तद्य वित्र । एड्रेंबड्डर। । अर्रक्षमास्य मुनः या अर्वा १ । अर्वा दर्भागर मुन्तर द्वा । तम्य (ममेनम्)म् तानेवन्युयायाम्य स्थान्य । वातुःक्वारम् (मक्वारम्)युः सुकायाः १वः थिय। ॥ देश चे में हर अदएक्ये अ ह्र या रा देश दूरा विशेष खरीं में द्वार एड एम्से न दे के कार हैं ( के अपके ) हैं कि शाहर एक में कि शाहर प्राधित के आ पार श क्टाक्रवाहु अद्राष्ट्र (वार्षु) त्यवायम्थर्या दे अभवमायम्। । अद्राष्ट्र क्रियावदे ता चे त्यवता इर.प्र.म.हर्वायस्यार्थात्या म्य. म.स.मेराय (रहरता) यालयाय र भेरायः अर्तर्वात्र्यात्ररा अर्वकार्याक्ष्यान्त्राच्यात्राक्ष्यान्त्राच्यात्राक्ष्यात्र्या (८सर. इ.) यालया राष्ट्र अर. दे. यह वया रेटा पक्र हर वया स्थान स्था वडराक्ष्याना प्राधित्याक्ष्याक्ष्यां व्याप्ताने व्यापताने ने में या (ब्रम) रादा विश्वास यादा यादा विद्या है देश होता है ने विद्या हैने क्षेत्रक गर्भर की न में का केर का त्या केर हैं। विद्रार में हैं हैं विद्रार केर के का कर की में हैं लिया स्वाराहर्भावत्र स्वरावार्षिया विक्रायहर्स्य विकारहर्म्य इ. ज.सूर. म. जुब. न स. रेन ए. प्र. प्र. हें . रे. जूर परें थें , इं तर रें ये ए. कूर रें रें रे केंग्रिश हैं . पर हर किया मा सम्बन्धि देर से व रहा पर हिया हो। वया से देवा कर का हर हो र राष्ट्रे र्रर्द्धवर्म् केश्राक्षे यह राष्ट्रायहर अवत्याया अश्राक्षेत्र विद्या विताया वर्तर्वा वर्ष्याया त्यात्र प्रत्यावनाता वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया वर्षाया षिद्रद्र हैर एर्वे होता पर्ड है शास्त्र प्राय (ग भवे) हैं य राष्ट्र हैर सब अवर हैत र्यार स्वाया शुः धीर कर। । तव कराव पर दर द्वा मार्क मा श्रीट्रियानानी स्वाराय वितरायम् मार्डिट द्रमारावर्ड द्रमा में को व्यट बेर्ग वस्ताद्रभर रवर्ष्यानवर्गाः देशका केंद्रस्याना है राष्ट्री स्वारा है स्वारा देश के विकास के वित्र के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विका पास्त्वास्त्रेट्वार्श्वराचित्राच्यात्र्याच्यात्राचात्रक्षाः वार्ष्याः स्त्राचात्रास् र्अवासूर्याश्रेशवर्थः वटास्वारायश्याच्यायस्य। अवाराद्रायाः द्यावाः सूर्वार्थश्चराः नेरस्वा भावभावा में विश्व हैरा। र्वार्य्यायास्य स्तरायाः स्त्रायाः स्त्रायः स र्वा.रूवा.(र्याया) र इ.सी.पाश्राभवेशता है इ.रूवा हराश्य अ.रह.प्रा. यथिया साव

Seal

क्षेत्रवर त्या स्वा देवा श्रद्ध विद्या मार्थी दर्या मार्थी य केषा या श्रेष्ठ मार्थि स्वा केष्य मार्थि । स्वा केष्य । स्व केष्य । स्वा केष्य । स्वा केष्य । स्वा केष्य । स्वा केष्य । स्व केष्य । स्वा केष्य । स्वा केष्य । स्वा केष्य । स्व केष्य । स एवं अन्तियामा स्रोत्रेयाम् दराए में रहा ज्ञाना विश्व कर से या विश्व कर से विश्व हैं। हितः (हरः) एडिवाकितार्दः। दार्द्रक् मेवाताभारतः वश्यान्त्रः वश्यान्त्रः वश्यान्त्रः दुर के. वर्ष ८८ देश प्रवेश श्रे में दे वर्ष र अभागार प्र के केट व । वाष्ठां असी वार य्यात्रक्तिक्षित्रशाद्द्या द्यात्रक्षात्रक् क्षेत्रास्त्रेम् स्वाग्रद्यारा (स्वाम्यारा) यावद्याम्यरा स्वास्टरा त्राकृता 5 AV. 5. ME. अर्दे कुलारम भाद अर्द्धा राष्ट्रिया र देशराज्ञ (रेंगात) के था उष्ट्राया त्रात्या परिया क्षित क्षित क्षित । कर.भरेंथ्न,ध्र.र्थारातात्त्वे.ब्राचारात्त्वात्त्रातात्त्र्यत्त्रात्त्र्यात्त्रात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्य म्टर्श्यं र व वतः ही (के)र्युरा प्रशाहिता व राष्ट्रा राध्या या विषय । वर्षे र विकास र वर्षे कुलायरिवनात्रत्युवेतायक्षेत्रं ताविक्षेत्रं त्यावाक्षेत्रं व्याविक्षेत्रं वनात्रद्रत्यवासायि पिट प्राम्ने एवर व (र्वार क) विद्रायम् । अभिनेश यामकेश यथा व व व विद्रार रेवादश ल्या तर्विया था वा देरवुटा किंत केंदरा की दे बैदा मेंद हुवे ता दे विवास वा वा विवास चक्कि. वस्त्र में स्ट्रिंड क्रा भारत क्षेत्र क पर्ता व. हरा न्वर त्यवरा रा इसा दे वसवरा हर देशका दर ही ८ देशका विश्वरादर खना मेर् छर तकेर है। देन कि देन कि वी तन विदेश रन विश्व के देन विश्व के देन विश्व के देन विश्व के देन म् सर्वातक्रित्वरात्यर भवरा वर्षायर्थित्यं वर्षायार्थित्या स्वराध्या प्रसद्भ म्याना चाराया भरहें वर्षेत्र में या या नाम्याया तरेवया निर रहेव भरमा वयाक्रियातर्रित्रम् सिट्(रक्रि)यी,वमंक्र्यात्र प्रार्थितम् श्रिरम् श्रिरम् श्रियात्र प्रार्थित्या र्थतः यर्द्रक्राश्चिताय गुर्वा सहदे हिट हु। त्यति त्यु सु सु वा सं ( हुन) से होर वे कुवाद्याम् वाद्रायः से से दे सम उम्ह मेव (वरवावरा विध्याराम वर्षे (वर्षे)) र्धः विद्यः क्षेत्रक्षेत्रः करणः मत्यानः त्रं दे हर् दे में में क्रे त्यानः विदयः पाक्षेत्रः। क्षेत्रक्ष क्र्यानार्द्यया प्रमुद्दर सेवनावना सद्यम्य मानाक्रियाति स्मिन्याति र्था नर्थ (बर्ध) । निर्दरा (बर) की की आरमें (कर्र) ता । निर्विदर्ध (विवर्ध) य देशका(भरेशका) एकुट यम् र कुरा | रट हिंद देश अ.श. शहर श । यद्देशहर -अ.क्. इंदेश्या । एक्पार्मर्यं राष्ट्र क्रेशर्रा । एक्पेम्प्रिं (एक्पेस्य) ं) वर्ष्यायमार ह्रवार्थः। । वारोन्द्रार्थवार्थः वाष्ण्यवारक्ष्र्रः। । तक्षेत्ररः

्रिकावस्य स्वायर स्वायर क्षेत्र वर्ग मेंद्रक्ष महिश्यहिशास्य द्रश्या वर्ग । स्वायायिन केंव सदयहें मिर्वारा (स्वरावि मर वर्षारा) वर्षार्था राष्ट्रवारा वर्षार्था । यह द्वारा वर्षेत्र राष्ट्रित सदार्वरे. ८८ । एउवाराष्ट्र ८वासि में में मिलाला । बिलारे या में मिला । किया 2 प्रेम्स र्यतास्त्रम् रवारी वाता स्थास्य वासरवार्ट्य वासरी दिलह सर होने तरहरे न्रेद्की वाहर म् में क्या भीता कि हेव से वास प्रतिस्थित । विष्य के में सिंह के में विद्या विद्या के से देश है र दर्भ कर्ताना विश्वास्त्र विदेशकाश्वी करावर किरहें। हेर हे वे देशका वेशकायहरा दूर श्चीटार्थकर्दुता हुर् की वावश्चराय ते में ता वादमार्केका में या प्राप्त (मा) में यह सेट द्वावता रीत्वावित्ररावर। वनामार्वेवात्रव्यवावात्रद्याया देःस्राक्ववायते वात्रदरःस्रायोः सद्यक्षेत्रवालम्द्र्वावर्द्वार्वातः अरुव्यामुद्राविभाद्वारा स्वाद्रास्यक्ष्यद्रम् स्वाद्राम् यते नित्र १ दिन महीरा दसकी सद्वर रहेव रहेव (अद्वर्) र्वा क्र याराम्भर्यार्ट्यार्ट विवेदि दुर्भूया मे विस्तित्। द्रम्या संस्थित्या स्थित्या स्थित्या स्थित्या स्थित्या स्थित या कार्यस्था (रववस्था उर १ वका) अधिर वस्त्र भारत हिर १ दर। हिर १ वर्ष हर तिकारायके यायाना र्वा देवा के का मुरस्य देवहें के वेब प्राये रेन्ट के वेब प्राये हैं में के के कि कि के कि के कि कि कि क सम्बाद्यार्थरवर्गातर्वस्यात्रम् क्रिक्ष्यात्रम् क्रिक्ष्यात्रम् स्वाद्यात्रम् अत्यास्ट्रिक्रिक्ष्यात्वाह्यात्रात्वाहित्वा विद्वाचित्रात्वा क्षेत्रज्ञ स्याप्ति । द्विषाक्ष्र्रयविषाय्याताक्ष्यार्थवार्यर्थः यहर्षात्र्यः वर्ववावार्वाका विकास स्थान निष्युर की द्वारा की र्यावार्विकी सव द्वारा रह अर्थे. पार्थि दंशदमा अर्थन अर्थन अर्थन प्रमाधित्र वर्थन पर्वेष पर्वेष प्रमाधित वर्ष पर्वेष प्रमाधित वर्ष पर्वेष नेशत्रुव । तमुकार्के र्वारम् वरुवायानमा केया स्टाम्स क्रिवातकारम भु रित्या स्था तर होता हैया। हिर बी देर क्या हर र बा है है तर्वेश देव आ वर्ग है। यह महाराष्ट्रयाक राष्ट्रयह की हैं (की हैं) वराका ख्यानिक की देश वर्ष प्रवाद कार का त्या वा व ब्रायुक्षी मुद्दा वेन व्यवसायदात्युका व्यत्यसाका म्यादा (प्रथमत) भीरावका हर। देते सर स्वाचर सर देश वर्ष के र्ये व के के व व व स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास ता चनवारावडराम्भरवाराभित्वकार्याम् वर्षेत्रम् नेवर्षेत्रम् वर्षेत्रम् म्बर्किताम् द्रात्राम् स्वर्थन्ति स्वर्थन्ति स्वर्थन्ति स्वर्थन्ति स्वर्थन्ति स्वर्थन्ति स्वर्थन्ति स्वर्थन्ति वर्गा पर्ने द्वा श्रेय हरा व्यक्त शर्म द्वार में द्वार में कि वर्षे कि वर्षे कि वर्षे कि वर्षे कि वर्षे कि वर्षे अवस्त्रामाध्येववः हिटामाक्रमाक्षेत्रं कृत्वः द्वारवामाध्य द्वारामा। क्रावरद्वसावस्यद्वः र्टरा.यारीर.वृट्.) किंद.या.तैर.क्या.क्रीत्र.क्रीत्।(४ग्रा) याज्य अभया क्रिया विद्यारेत देदरा थ्रिया व्याद्वास्य विश्वास्य विष्य विष्य विष्य विश्वास्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष वाल्याचेत्रास्त्रवास्त्र । किटाब्रेटावरियाक्तिकार्कात्र विश्वास्त्र । क्रियाक्षेत्र क्रियाक्षेत्र क्रियाक्षेत्र

श्वेयर्वा

मूर्चित्रा हिट्यार्त्व्येल्याः इवायाः स्ट्रियंत्रे मुक्ताः वद्या है देशयाः श्रावक्षावम् । दर्वरशास्त्रवेशः स्वाधितः सवसायर स्वास्त्रवेशः र्यव्यास्त्रमः राष्ट्रविशः सवस्ति विश्वास्त्रवा कुवनाम्भवीट वीरा चर्वाद्वीत्य्राभारत्या हुट प्रक्षित्र स्था त्युवाया गर्यर वारा अर्थे अत्रहेस्वरा, रव्यं राष्ट्रिय, रवा हिर्दर्या हर्षे वित्र हिर त्या है रवा हेर् वित्र हिर हिर हिर हिर हिर हिर रदे विवेव स्ट्रां या या या दिया। गाजीया दे दर्दे हैं। ख्रीड़ चर्त्रिकेट्यरा । अत्रविराध्यरात्र हिराण्यक्षेत्र । दि विश्व विराधरात्र तर्ति। क्रियासम्बद्धां इद्रात क्रियाद्वां देशकारा स्थापद्धां सार्वे साह स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य (कतार मिर है) एक्टाअर (एक्टार) मैंदार नेरी |र्रहर र अस्प्राव । अन्यत स्याद्वास्तर्रात्रवहुव स्रिनेरस्यारायास्यादरस्यहर। दुरायादरान्यास्या र्रारक्षित्रायविद्याल्या । शिर्द्र शिर्वायक्षात् । राम्प्राप्तियक्षराद्या रक्षम् वर्ग क्रि.च. विचा निया ना (vose) क्रिया विचार विदार्ग पाया (श्रेया मा) रेग रवार सेया ना स्त्री सिक्ष्यं देवेश्यर्वे र्यात्राच्या र्यात्राक्षयात्राक्षरः व विषयात्राक्षरः व विषयात्राक्षरः व विषयात्रा शालाकिट्द्राराउद्गा क्रिमालमा विराधना निराधना क्रिया में उद्गा वसम्बन्धा विद्वालया द्वारा निर्माण कर्मा विद्वालया द्वारा । सर सन्यानावन होर् ते वे विद्यां हो अकर है। अकर है। यह रहा । हि रख रही पाईरा हो। गर खुं अक्रे र द्वरा के हुँ वार्य विद्या तक्ता रहारा (रहरा) के क्रे-नेट हैं है के ररेकु मूझ.ज.बेरा किंग्नेर,ठर,ठाक,र्ये,र्ये,पुरी मिर.सेन.में. उर्वश्रम्येव रहा र्वक्रिक्षिक नेतार वारातार्वाविश्वित्वात्रातात्वा विर्वेषवाक्रीर्वे. वेदा विद्वावारी रोगराम् नेवारीं देशे । रहके भेगर विवास कर कर देशे दे.वस.यात्राचेदर.वि.चे. पर्व पर्व पर्व पर्व हिरादाना विप्रकृताःवा ।र्यतः स्वाः ववायविरः मैंचए(चे.चए) याक्तरक्षित्रकरमा अहा । या तमा या विश्व हैं दें 'चे.चारे. । या विश्व हैं प्रस्तित सेर्स्स सेर्स्स सेर्स्स क्षेत्र त्या क्षेत्र रा. एक्श्वा अस्ते । विस्ते क्षेत्र विभागतिया के। विस्तर्य सम्बद्धात्मे विद्या

सिएए की ज्याचे नारदे। सिदाया कर के ये ये वारा कर प्रदिर हिंदे (हिंदे ) एसे क कार्याद क्षा किया । पर्द्र प्राप्तिदर्शमधाना बाहि पर्दर्श । पर्द्य समित क्षा विष्य के दर्दि हरा । मूखसाविष्य र्मिट्ट प्रवास अप्रविधादार विश्व वर्ष्टी द्रिक्ट या प्रदेश आप्रदेश अप्राप्त क्षा विवयसम्ब उस्राया याया सम्मान । त्राया त्राया त्राया त्राया त्राया विद्या । विद्यालय मार्थिया विद्या । र्मुंडे यर के ने रायता । वायहर तहुक खेरा यरते थी । की र खेर निर्मित्रे राय-माराव (रवायव) रदा मिलाक्वारा राय कराया दे । अहता (यहता) द्वाया वृद्ध कि रेकाश्वर में प्रतिष्ठित्य अवाध्यर्थ क्षेत्र । यह वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष । रवाया सं श्री विराणभार (य) श्रिवायवारमार यह साव हा वा हवाववाया एकता द्यामन्त्रा विद्यं एकक (याक) ता द्यांक्षेत्रामक्षेत्रामन्त्रा स्वारायिति तारकेन में में में । अग्रत्त क्रिं स्तार प्रमुप्या अरवाया । दर्यात हर्षित्रार्थर । इर प्रतासहत र्भनत्य । तर्गरसर्वे अवस्य मुनरे र्वरावाहिंगाहर विद्यान स्वराधिक क्षित्र हैं विद्यान हैं । दे से क्षेत्र के के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र क र्वश्वां ह्वार्गर्यः रे । श्विरर्गर्थं थुला हुर्ज्ववव्याः । दार्श्वरक्षां विवादिक्षां विवा र्यासास्त्राधारत्येत वयार्यालय। किटलाक्यायक्ष्यां यहेत्राधारक्ष्यायार्था विभ उवायर क्रिंश लाय दार सेवा शारम म हमार है ववारका राजा विश्वा पूर क्रिंग याता । रा. तर्मा श्री हिंदा मा से दार मा वार् रूट कर विवर ता रववक्र वर अधिकारिका किर्धित क्रिय र अपर कर के 4 Bark of Trees. नामवातिदरं अर्घद्रसेवर्धदा । म्हान्येवत् ह्यायद्युताहिला । तिद्रतिस्वव्ययमाण यडराक्ट्रिया । रनार यहिक्स सकर या महेकाराया । त्यावना के हेर मारव लेका । तर्वर इस्ट्र वे. प्रत्वे अरेवजा छ । प्रत्यिर खाता हे अर्थे हैं ता (इता) ता वर्षे (क्वर्ये) ह देशर (अर रमा देवशहर हिर तहन हैं ने करा है ते लेवें कि तक है विवर हैं र हरणवर्षात्र वरा वर । के गरीम झे इया देश । वर् हिला । इत (बन्ने) त्या मुखा हिला हिला अर् स्वाम् यते तावारवाकेकाल्या । अक्रवारगम्य विक्रिते भेद्राय रेपा र्या स्ट्राम्या दर्भा मार्थे के प्रार्थियों । मेर्य दे ते प्रार्थियों । मेर्य दे प्रार्थियों । मेर्य स्ट्राम्य शुर्द्धार अर्थे । किर तील अहण देश के अपता प्रचेश से अर्थ श्री । शिर प्रचार के वा । किर प्राण्य के वा । कि बुद्भुव (रहेक्श्रामाण्याम् सद्द विद्वास किर्यु स्वया हैक्या है या स्वापार विद्या स्वया हैक्या स्वया विद्या स्वया स्या स्वया स् केने करें गुर्दा | रहला हेन केने में लेर के वह वह वह है। इसरेंनरेला व मरावहरावित्राहरा



्ट्रा. श्री त्रांत्र त्रांत्र । श्री श्री व्या क्षेत्र व्या व्या क्षेत्र व्या व्या क्षेत्र व्या व्या क्षेत्र व्या व्या व्या व्या व्या अक् १.८६ मिशकुन है.रेए के एतार वासेश कि एर से में एत (हैं मानेता) है एतर 日 1年(山からまた)くシェインコーイタエ・ダエ・ダコのないかくくい しなく、いかい、新日の日では、 । विद्रास्त्र के स्वास्त्र के स द्वार विश्वासी । वारुवां वा का हिर की हें दें की नेवा नहीं न किया तव दें हैं या त्यां मेर तैमारविद्यान्त्री विवादी भारति वार्षित करा विद्यान करा विद्यान करा विद्यान करा विद्यान करा विद्यान करा विद्यान -10. श्वी तीरा कि कि कार्या वेशा । र क्वित विद्या निवा कारा ना निवा के वा विद्या कारा कार्या चाहरा ) वार्यरहर दवाम् के में वा में रिंग्यम (श्रीर वर्ग) रूरण में मिलह के रिंग्य रूप हो। क्षरहर्भा क्षेत्रक्ष्या । स्टायर प्रवास्त्र में ने क्षेत्र । स्टायर प्रवास्त्र । स्टायर प्रवास । प्राच्यात्र वार्यास्य में द्वा । द्वारा वार्य देव श्रिक्ष विक्रिय । क्षेत्र क्षेत्र विक्रा वार्य क्षेत्र क्षेत्र विक्रा वार्य क्षेत्र क्षेत्र विक्रा वार्य क्षेत्र क्षेत्र विक्रा वार्य क्षेत्र विक्रा वार्य क्षेत्र विक्रा विक्र विक्रा विक्र विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्र विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्र विक्र विक्रा विक्र रम्अरम् वसम्बन्धाः वसम्बन्धाः । विरम्भावन्त्राः । विरम्भावन्त्राः । विरम्भावन्त्राः । विरम्भावन्त्राः र्सिजा तर एक्ट्र । अ. रामा मार्थित स्वार विकास हो । कि. रिसे कि (रिसेंग) पर कि. पी क्रार कु में क्रार कु में हो यसमायायायाया । देशायते व्यायते व्यायते व्यायते द्रा । ते व्याद्रारा त्या करामा निर्धालाख्या । नाहन हिस्कनाराय रेप्स्का । रेख्यार स्मार्थिया स्माराया । श्रीपर्यामावनश्ची केंद्रदारही दिन्ने येरे येरे विकास व एकि र.इ.च विद्वा अर.चर.चए प्रें.च. अर. । रियर च अरात द्रा अरा सारक रहेवा । रवासुकी मुन्ना माम्या मिरस्या दरद्वाता । हिराक्रिक्त मानका अहरा र्वेग्रद्धभाभाषक्षेत्रव्य विद्वत्रवेश्राचित्रवात्र्याः तर्वात्र्यः वाववक्षात्रेवः (ज्यर) र्यायर। विवादात्यक्षतार्वकात्ती क्षेत्रार्थ विभागरम् स्थाताम्यविकार् ल्. दव: मृ.मृ.संकाकवाराव हिंवन्तर वालवाक्य तर्वात्रेव विद्यामा स्वार क्षेत्राय विवा स्. १९६१ । यह के अमाना वासाय के सहरा विकास है। विकास १९६० मपुड वाववःश्चिःतर्वः(ववाकः)र्वायेदा । विद्यवायित्व रायाः । तकः कृतार् दे स्ट्यून्यवासुः सायदारी विश्वभावासम्भित्यान्। तर् देर तर पर्या प्रद्रामुख्यादार र ने सम्द्रिया। हर छे डेर्य तथा। । अर्थ वर्षे में स्वार्थ कराये तर् । को क्षेत्र वर्ष कर्य कर्य स्वर्

रं भवनित्वाका(वर्षेत्र) हर वेरवा विद्यानिया विद्यानिया विद्यानिया वर्षव (वह्ने व) वर्षे ब्रें के कारा गावने करा ने इ कि सर (के सर) रह के खुर है। नेदा विकारकरात्करात्रकरात्राचा वार्यम्भारकातिकरार्था विकारका का pair गुरारोप्ते । श्रिटारगामकामाना श्रीराभावके वरित्रदायिव मेरा। श्रिका र्गान्तरकी बुकले मेरा विराधिताया कारा मार्थित विराधित वरी विद्यार्थन वर्गान्य लाकवारात्राता लाजेलाग्रम् वरायम्यत्य । ला क्रीव (वाम्बीकव) वर्द्धिका वार्त्राक्ष निवार देर त्या थी तिर्दे र्रे वार्त्त विता के वार्त्त के वार्त के वार्त्त के वार्त के वार्त्त के वार्त्त के वार्त्त के वार्त्त के वार्त्त के वार्त के वार्त्त के वार्त्त के वार्त्त के वार्त्त के वार्त्त के वार्त के वार्त्त के वार्त्त के वार्त्त के वार्त्त के वार्त्त के वार्त के वार्त्त के वार्त के वार्त के वार्त्त के वार्त के वार्त्त के वार्त के वार्त्त के वार्त्त के वार्त्त के वार्त स्थम्द्रम् मार्डवा दिर्के अवकृताम (कृत्यम) श्रेर्न्ता मार्ग्या दिना स्वाप्ता स्वाप्ता दिना स्वाप्ता स्वा म्या (वर्रातिवा केरिस्पार्या) वारीमा |यारक्षेत्रा केरिह्य, क्रिया वर्षे |रितपा प्रदर्शितप्राह्म दरायान्य वाक्षित् विश्वास्त्र विश्वास्त्र कें विश्वास्त्र केंद्रात्र (इक्ष) । त्युर्धाः का कार्या विद्वायह्व या है त्र केरा विद्याक्ष त्र करा केरा विद्याक्ष त्र विद्या (तहना) होर्डेचा (२) । विर्धादायां के तहर निर्धा । व्यद्रनेस तहर मुलाद्यते मारीका । स्राप्तासरद्री(व) कार्यास्त्रका पत्री । स्रेट पर्टर खि.के ता तमार्चर हा । वा पवाला । किर्नेतितान्तिकरेश्ने मुद्रिः (जैर) क्षेत्रण । श्चिर्रेर्धान्य वाल्यवर्षः र्ट्र हर् के लेका र्वा का (मा) आवत तर्वा ते अर्थ (क्या हे प्र) विता हे (रे) विद्या के विद्या देवा (२) वाववारर व्यवत्य अअवत्य अर्थन्त्र । र देन वाद्य वर (ग्रेर) वाद्या एक वर्ता । वे डेर हीर देते त्या हा भरा । के डेर तहुका के ता वसका सर्वे न स्रा त्राचर ब्रेम स्वारा परित्य रायति ह्या दे त्या हरता हो। तर्वत्रं ते ते राता हिर सातर् कर्व (बर्वका) श्रेड्र देश धवववा। वार बर देश हैं व से दिहां क्राव वश वारे आ तार प्रतिन द्विता है । यह हिट कर तास हुन या विवास हिट से की लाइ र्वारमाश्चर। किरायाक्रक्तिक्षिक्षक्षिक्षात्रात्माक्षिक्षक्ष्या र्यान्ध्रां कर्या अर्थित रेटलायला परिते स्थान्य। स्यान्त्राहर् स्त्री ह्या। । । । । । । । । । । इन्यान । इन्यान । वन्यान । वन्यान । वन्यान । श्रीताअहरूआ । वायूवाचाउद्देशवायूत्र्या चीत श्रेता । वादवाक्रिवातादर्या वरम्यूया र्गायहें वेश्वाम स्वामान्त्र । किरलेश र्या हर कार के वा वर्ष

श्राटका रियासेश्रिक सह मिरवध्रम् । श्री क्षेत्र क्षेत्र व व व व व व व व व व व व

हरमाक्या मुन्या विकित्यामान कर्णा अहरा। विक अर्ग तहेव क्या है (तह्य) । वार्चविक्षेत्रस्थाकुटारुक्चित्रक्षा विध्यद्वायक्षरः (धर्ष्टर्) नेतात्ये वार् (कूला)कूरमुर। विरंभवी विषे व्यर्थ वर्षेत्र वर्षेत्र (भष्टें) शुन्र) विष्णां वर्षेत्र असी वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वरेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वरेते वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र न्ता । श्रु. र्यायायात स्रेर. अया अ. ज. स्रुच्या । ट. क्या स्युख्या या ज. ह्या । दुरमायाया म्यान्य विश्वास्त्र । विश्वास्त्र विश्वास्त्र (८४३=१२) भवतुः विश्वास्त्र । विस्ते री या हिलाही । विकास विवास (विवास) (विवास) विवास अवद्गाविक तर्भविक तर्भविक तर्भविक विकास कर्म विकास कर वित मिन्ना अक्ता नास्य द्वारा । त्वायर स्ट्राप्त स म्.का । अवसा (अवसा) देशमः हा वासेवाताती । वृत्यदेशमः एवरा वे.सूवः ताता क्रिट्राधारायाः (त्म)अन्तरेषुया । त्याकरायावायाः असूर् (वर्ष्ट्रा) यात्रा । किर्या क्रियायाय मार्थित हित्याया क्रियाया क्रियायाय मार्थित । विद्याया प्रधाय मार्थित । विद्याया प्रधाय मार्थित । यवन (य वन) नद्र। क्रियार (क्रिया) यहार विव का त्रयुव को के के वासे पहुंच (बहुन) बादःला । छिदःदवारीशवाद्यक्षेदःयद्वः म्याः (बद्वः म्याः) क्या । वद्वं वाः (बद्वं वाः । इर.न। । र.मच. हर्म १८वी. ज. ब्रिना । रचम ग्रं माना हर्म वाया । जायर जिर वर हर गर्र क्वरे.य.वरं.वरं.वरं.वरं.वा ।रामसारगर्यतामुख्याम्यक्षियाम्यान्याः ।र्.र्.र.याम्यम् वि.च.यु.च्यायु.विदःता विदःत्रवायन्त्रवायायुवायाय्येवायाय्ये। व्याप्ताया विदेश्येयाः व्यवसः चन्निश्याक्षा श्रिच्छ स्था स्थानित्य विषेत्र । स्थित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य स्थानित्य । देशवारद्वरक्षेत्रक् एसर.प्रेंचलाची (कुल)क्टरी । श्रिर्द्यानचर म्वलका में लिला में विद्यां में कुराअड्यया. ज.५। किंद्युदेशतमधित्युत्य। विदे प्वथेश केंद्रा केंद्रा केंद्रा केंद्रा केंद्रा किंद्रा केंद्रा किंद्रा मा इर वरामा ने वर्में । निरंके ता मा हैर ने बारा मा है । वरामा है इंट्रन्मन्द्रवी वाह्या प्रवास्त्र । विदेश श्रेस (वर्षेत्र) नद्रवी से हे ज्ये ना क्षेत्र । येश तए से वाहित विदेश प्रतास क्रा. श्रीवःवस्तवावस्यावस्यात्रेत्। विष्ठात्यतितवस्य विश्ववातः स्ता विष्टः दग्गनद्यतः वर्द्रद्रिश्याः वद्या । एडिंग्.सं.मुन्प्रेज.हो.मारदा । मूद्युक्त.पण. मैं.दायाध्या । के.कुण. खरक्याकेयाजाल्या किया मार्थिय क्षेत्र क उत्राह्म के त्राह्म के निष्ट क ८८.। किलात्रं सूक्ष्र्यकातार कर्त्र क्षेत्रका । विश्वरात्र देश्च्य वित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र

मु महीरा दें मु में में में में में के तथे दें में दें नियं (मिन्स) तर् वियं दें मु दें में में से से से से से द्वानिरायां अवग्राम् ववः (वववः) त्रा । स्टूरिं विवाय वर देवारा केरा । स्ट्रहरा वर्षा केर् न्वटारे। भिर्मादवराभाभा मुद्दालहुक । छो था र खूटरादे त्यका मुते (कार्केत) भीरः केट्र (शुर्याम्स्य) पर्वेयाकेत्त्राः देवान्द्रम्र म्हन्य्यात्वावाक्ष्या । अन्त्र्यायावाद्यारी विर इत्य वित्वीत्रियो वराव वस्त वा क्या दिदर तद्व यादका हर। विद्यू वाहराक्षेत्रं में बेशभा(प्रवंश)र्। रिटार्ग बैदक्षिरक्षेत्रात्री । यर्पित्रं) रैस्राम्,त्तरकि र्णुया । श्रामु हुर हिर्स भर्यः । हिर्मु हुम्प्र क्या मार्थ (रा) । श्रीर र्या र भवन स्व स्व वर । किट क्रिट हो प्रारक्षियों । किट लेपाश क्रेट वा में एसे। किव संयुष्ट सम्रत वर्ग केंचल्याना । कर बेंबराजारवयार्यक्षर। जिस्त्रि रहार के अखिरेवा । वासायर MARI प्रदेशकारातास्त्री । विरादेशकास्त्रीरातासासार्वाका(अरवासा)व। विरादेशकास्त्री णायम्भा । सर्वासायारे सरायान् । देहर्स् १६८ दूर्द्वा । क्रिसर्द्वा । 2(2)। विरयद्द्यर्गे अधिभारम् वास्त्री विश्वर्ता मुद्रात मुद्रात मुद्रात विश्वर्ता विश्वर् रेश्या रहार्या महत्त्वा भवा भवना वर्षेत्रा हिंदी के विकास के विकास के विकास मिन्ति विकास के व र्व.श्रुवासहर। किर.बीटावर्.श्रुटावबुवाट्यासहर। रि.प्रे (क्यान्य) रुपान्य र सर्वेड 3531 ड्स.च सरन्द्रर चाववात्तर क्रिरंश्यू. (ज्बूर्स) मुक्त (जारा) क्रि.व 18 क्रिंट विकारा (वक्र दान हैना) के पारान्द्र । क्रिंट (वक्र दे) स हार विभागित । भागा है १८८७) (ग्रम् ह्र.) पर्यार्ट्यर्य । त्रा ह्र.) त्रा वर्षा (इ.) त्रा भरत (वर्षा वर्षा (धर्मा भरत वर्षा । शुलाकराम् यह स्वराभार्ताया स्वराभार्ति । विद्रास्त्रम् स्वराभार्ति । विद्रास्त्रम् स्वराभार्ति किलार्कत के स्वाकी प्रशादर तस्याकृत के नुति ही देव ही देव स्वाक के महत्रदर। धाराकृत स्वाव देव हिंदिर । धाराकृत realed यात्रवा स्वाप्त र रवाइयारार्थ क्रियंत्र रेश केर क्यायां सः द्वेवशास्त्रव्याम् विश्वाताः विश्वाताः विश्वाताः विश्वाताः विश्वाताः विश्वाताः विश्वाताः विश्वाताः क्रिजर्रद्रम्वस्त्रेया त्यास्तर्भयात्वर्ग्यात्वर्ग्यात्वर्ग्यात्यर्ग्यत्यस्त्रस्याः सम्भवारकार हर (वहर) वराय इटला वा किवार्गराय वरा है वा वाता हरी । वर्षेत्र हिं वी:अव बडिर हुटा । रसद्यम दे:अथ अप्यायायाया । रिदेव (वदेव) वाह्या वर्षे वाव्या मेव वर्षे ने वर्षे मिदासपु.श्रेवाल मेरे.चलवेशहूर चित्रहेद मिद्रहेद से. वर्ट केर मेरे वर्षा सा के सहियोर है। के ह देन हो बेंबेंबेंबर होट या संसद देन । युवा देव ने ता सवक हीश्या विवयरित्विर्व्यात्मा साम्राज्या विवयर से हे हे स्वया या तथा मवसर्वायात्रेयायतः द्वायति व्यवस्था। । साधुतायते त्यात्रायतः त्याः से स्वत्यं वास। । सावदेवे Xand of रहेट रा वरा हिन ही रा मूं वरा। | मानरा ज्या होर रवार मूं व रहे रा है वार्य पा | देवरा Pencocks: नारावरदा क्षेत्रिंदिय । श्रीटायवटासंदर्भवारविद्याः विदा श्रिटादगर्मे सुरा दर्मा विदा

भारते वा देशमान्त्रपुः केवारगः मुद्दा । अवाव श्रिक्ताद्वारमान्त्रपुर्धः मुद्दान्त्रपुर्धः विकारता विकार विकार का मुन्दिन्या । अवाव श्रिक्तान्त्रपुर्धः विकार विकार का मुन्दिन्या । अवाव श्रिक्तान्त्रपुर्धः विकार ल.रूर। ।शरशक्षिशक्षिशाराष्ट्रः विवायक्षेत्रकारे। ।ग्रेष्ठाक्षेत्वक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रका । श्रेष्ठाक्ष ब्र प्रचूर्यात्रा हि.ए व्. चर् त्रक्तर्यम् गूर् क्या | ट.क्या हिट्दर्वा त्रेयात्रा हिट. भ्रद्भावर स्वत्र अवता अरेवा त्रा १ । १८२ मिला श्रवा अर्थ अर्थ । किंद्र श्रा श्रव्य वा वा त्र के बे बे बा जी श्रीटाद्यारार्थक्ष्यायारात्यायाद्या । श्रीटक्षयारार् स्परवरदा । क्षिट्रश्रायक क्षेट्रस्परायाया । न्द्रेन्द्रश्चरमात्रवरवात्राद्री भि.च.च.चन्वर.चन्द्रायद्रेन्द्री । प्रवेदानी.च मानवायात्रदे मेरी । मार्ज्यते यावाविष्णाति । यद्वाका क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क् वराश्चानुराय। । म्यूनिराधिवः यास्यास्त्राधिव। । वर्षायाववयाधिराधिः वरासासत्त्रे वर्षाः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः म हर्श्वर क्रमारा हिर स (हराय) य स्मार्थ। । रह ख्रमा श्रेव या अव्दर्धा साव। । त्रुवा म्या १८६ एक म्यान म्यान हित्ता करें। मिन्यान के मिन्यान महभ्यत्रवरः त्राः ह्वाः ह्वाः त्रेत्। द्रियाः व्यतः क्षेत्रः व्यत्यः व्यत्यः । । । अर्थः त्रेत्रः व्यवाः व्यत्यः वार् वस्त्री। विद्युरक्त्रेर्यर्थं मारकावी विद्यक्ष्यं रवारो श्वाद्वायर् विद्युष अधुन्वत्रमान्द्रदे लद्रात्र । क्रिंद्रविवयाकेरार्शक्षेत्रमान्त्र । रिक्रालिट्यीराक्षेत्रमान्त्रविवयाकेरार्थित (15.5/4) (294) 915 ) SC.34/5.4.994. 25.94 (45.9) \$ 184.25.25.39. C.Pu अक्राधिका विकासमारथासुकाक्वाकाराधिका विदाररकामम्मरकारकेतर् अवभारक्तर्रवाका सुरः(१९९) क्रिरंदे। बिरंद्यान्यति क्रिरंदाभवेव प्यरंव। ।द्वायम्बर्धः क्रायक्ष्याचीद्वाद्वात्वात्र्रा । । तथार्थः ध्वायम् स्वयायक्षाः सक्ष्याः व्यव । । तथार्थः स्वयायक्षाः सक्ष्याः (एक्स.श्रीर्ग्या वयवाकी र्ग्य किर्मर्गम् राम्प्र) विद्याकी र्म्या वयवाकी र्ग्य किर्मर्ग व्यवस्थित विद्यार्गम् र्स्रख्यां वेद्यां मान्यक्र रेन्द्री स्थितं वर्ष सम्बर्ध सम्बर्ध सम्बर्ध सम्बर्ध रेन्द्र मान्य स्थान । । करमक्त्रक्तिक्षा । विर्धिरद्वरद्वराष्ट्रसक्ताक्षाक्षरात्रेत । विर्धिरक्षिरक्षा नधुरेश। । प्रथा-यानदर्धन्तानम् तात्रम् नवरात्र्या । भि.पर्द्रक्रभद्दे देवे हिट पर्ध्देश। वालवाभित्रम् वासारास्य तहुं सार्गार् । क्रिंही दः रहिः नदः (द्वः) तश्यायः सेर्। । हिरः पर्वेश्राज्याः पर किन्त्ररेयाः परी विश्वायद्वेत्रं सरक्षिण प्रविश्वायविश्वा वि त्युनाकुलामरकिताके केमन। । ५मन्त्रामायते क्रियुक्ते क्रियाके। ५गमःस्रवानस्यु

वीत्रहुवात्ये। विद्ववात्यात्यक्रः वदाः सुहत्यात्रेद्र। विवत्रहेदवाह्येद्रद्रात्यद्रवाह्यद्रवाह्यद्रवाह्यद्रवाह

क्य क्षेत्राया व तह व ही र ले र के व के वारा हिंद व के विश्व के राय के व हिंद के विश्व के विश स्या वरामाभव वस्ता । विर्टर यं के रररगर यह । वि (गलवः) रह महितामा के वासमही व्यक्षायाः द्रभाक्षाक्षाकुत्रं व्यवद्राद्रभावाक्षेत्रं । । त्राद्रवस्य व्यक्षेत्रं । । त्राद्रवस्य व्यक्षेत्र शहर,अए, अस. कि.स.चारेर. जाया. वर्देर. री । एक्स्याल्या. येव, जा. का.केव.वी विजयां व स्वालक्र म्यान्धिता । विरल्ड्या व्यत्या व्यत्या व्यत्या । विरल्ड्या व्यत्या । विरल्ड्या व्यव्या व्यव्या । तर.क्र्य.अविदाव। किंद्रकृष्ध्यप्रदास्याप्त । किंद्रअध्वस्य नियाने (महर)) । छिरतरेव देश(वरेव देश) अरुव अ अ रेर ला। । अद रवव ले समार्थ र मन देत। किवाः अर्वे रुषे देव रेवारा देत। विष्वु विष्यु विषय विष्यु विषय (भरुवाया) श्रिश्यित रवाराया येता त्वाया प्रत्या या नार्य त्या । नाववायवारी दर्द्धराभी तर् । द्वायाभागतात्व्रिः हीराभक्षाभ्या । श्रुवाभाद्रगत्र्विः द्वभाष्ट्रायाः छिर्नर स्वातेभारा तर्वेव (एकवर) हिर्मा । हिरस्याक तर्वा हर्ने । दिने हिंद्रीटारावियार्थार्। जि.चारीयाक्षेत्रके क्रियां (एववः) रेथार्। रि.र्टर.धेरावर्षाः होत्। होत्। होत्। होता होता । वी क्रिक्ट होता विकास । विकास क्रिक्ट होता । विकास ह द्वारान्त्रक्षक्षाक्षेत्र । ।वन्नवाक्षतं स्वराधाद्वर्ष्यक्षिवारा। देशः व्रमः व्रदेशवाद्वादेः नावनः थर तत्वार्यः दर स्टूर रामहेशमहेना धेर द्वरत्र चा. तीजार दाच डरा. ए वैयाजूर दा बीट. बी. भरेश आहेर.कु. वेश शक्र का कर ज्या की किंदा मार्टा व वार्ष्यात्रम्भाक्तरःज्यात्रभाक्ष्यभाषा । दुसारे देशवासूर दशवा सूबरु नुवास्था -(वन्तर) यति कुवारा की वादे प्यद्य नेता । ही दानी वाक्ष द्राक्षेत्र दर वारी साद्या अद्भावति करंत्र्वालामावर्गा ।हिंदालागर्वित्रम्यवित्यद्वात्र्य्यात्रम्यात्रम्यात्रम्याः एकर, रा.च ९४। रु. दैवायाचयर, प्रथाय चए वर्डर, च बेर. प्रथा छ । यहर वर्ष्याया । यहर देहर. चावश । प्रदर्भा व्यथा कर कर कर कर कर कर कर वाकेम (रायक्रम) करा गर्य 至と、名成と、ふくと、 だって、というと、多と、多とのとは、日本の日から、女上の日から、女上の日から、 るいまかえ

Land Strate Contract of the Contract of Strategic

358/

202

passing

bridge.

अयथार्रे वीटा या में अरा की रूपा (ब्र्या) पार्ट हिटाश मा में का प्रति वर में प्रवा वारीश. रिंद्रसेंद्र. यद् मि. ह्र, पा. जूर. हा. ब्रिट्श. शर.वी. शरा (रशरपाक्त स्थाय) क्रिय पाते स्मान्त्रा त्रकां वयात क्षा वाजारं कार्य प्रदेश मान्या स्थाना स्थान स्था

क्षयंत्रभव्यत्वरात्रा हिंद.ध्रेत्रेष्ठेष्ठायाचित्रवित्रवः धरात्राःक्ष्ट्रेत्वः (वर्गःक्ष्ट्रवः तार्गःक्ष कीवावसाराष्ट्रेर्डिल तर् विटा कुला यति वृत्ता यति वृत्ता वर्षे विद्रा वर्षे विद्रा वर्षे विद्रा वर्षे विद्रा कुला यति वृत्ता वर्षे विद्रा वर्षे र लें रमणा सम्स्रीयाना मेट तहरा होट (तहर) ता त्राक्षेत्र मेर क्यात हैं साथ (क्यात क्या अष्टिवलं वर्षेट्रं नववा है। विद्रय्यवयति द्वुत्रात्र होवा वर्षेट्र । द्विकक्ष वसूर्द्र वर हे । । श्रिक्ष स्वराश्वर देवारा (देवारा) मार्य राजा । श्रिक्ष देव वसूर्र्अम्बास्य । विवर्षास्य में विवर्षास्य विद्यास्य । त्या विवर्षास्य । श्रीस्थाने। र्वारवेशानुरीकेवाराकहरनेवारामही व्यवकानित्रियाने रक्षितावसा । वालसाव विकासारा वास्तर द्वा । वाद देव विवास या वर है त्व । र् अर्द्धरा सेवान्त्र र र व्यवासायकार्ग । वा मह हिर स्ट्राहर सेवावर्वर । । वा क्षराभक्षरक्षिक व. ता किर प्रकृत रहा कुंध वह कुरेही किर रेश शर रेट कुंधरे प्रदेश । ल्यूक्र न्त्र कुर के र में दूर जा है। कि म व हे व हे व हे व हे के व है। र प्रति प्रति । र अव पर है (अहर) अध्यामक्षक्षात्रात्री विभाग्ने (यवभाग्ने ) यविभाग्ने । यविभाग्ने । यविभाग्ने । यविभाग्ने । यविभाग्ने । च्यासाराह्। विराक्षरम्बारा काषास्त्रास्त्रा । र्या तहास्त्रीराग्रेश विष्णायाः । विराक्षर्याः विष्णे विष्णे विषण EN. (BANI) (M. L.) ZETU, B. LOUIS 1 124, SK. 45, SK. (48, 34) \$ E. D. OUL 1 34, 87.0.3 श्रव्हर् हर विश्वर भारत वर्षे । किंगड़र लगाया का भारत विया । त्या हर र मार्टर भारत र व्यायाया वं रोजया पालीर शिवान्येय । न्येका क्षेत्रं पता की बार्टराक्षर थे मा किर्यस्या के मार्थित गर्द्र) । प्रत्वमास्ति गर्द्रास्ति गर्द्रास्ति । १०० देन्स्य में भारति मान्या है। १वा । र्भरेट्र यर रोअसारा नेव हु वचन । श्रीट रव रास ने इंट्न हुँ र ने हुँ र श्री । वर्षि र् द्वार्डि नारा दंड्या । में पर् पदि (अद्वरि) देवान हिंदर हता । अहर हिंदर गर हैर रटा द्वाना रेडिया । तिया या तार्र्या दिया स्था तिया या तिया त्या तिया राज्य र मूर्एस्यात्रम्रः। विधायम्यासायम्यास्याम्याः विवायम्य र्जेव लावसार्यः है। दिवा हे लूका ने दर्शे वा ०८८ वरा हिटा सिमान बडिर अदेशे. नार्मार्री प्रस्ता (है) सम्मार्के हो जर्मरामा निरम्भेर करमीर्था शुःयावशायदेवा । इद्र सेट् प्रदेश सिंह सेवा वशा । व्राक्षिया हि हि प्रहीद प्रवार

रे लवा । यय यात्रा तरावना दर के ना ता हुर (हुर)। । या वाबुर (नाबुर)

XTo look with care, to Take Read.

र्वारायः (देवारायः) येद। । अवायरेगम् रास्वारकितिदेवः ववायेद। । से वेम्यदायायाः याद्वर्तिन्त्री विश्वसिद्धरात्राच्यात्राताता । श्रम् देशः (ब्ध्यः) दुद्धीलायगः हैं उत्ता भरे। विभागावतः भराता जिस्मा दराविता । में भरा अराजरा परिवादित । अर्टर चर जा । सम्यान् सम्द्रम् स्रम् स्रम् स्रम् स्रम् । मिनालयान्येयानानानम् स्रम् विद्रान्त विद्रान्तिक के स्वानिक विद्रान्ति विद्रानि विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रानि विद्रान्ति विद्रानि विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रान्ति विद्रानि विद् (वास्वायते) (तरुवा वा राजा वार्यवाय ह्वा (ह्वारा) द्वा अर्वा त्येव त्ये छेत्। देखा मेर मिट्रश्रीराध्यायात्वस्ता युरा शिरे जेर्धरयाता म्बिश्यास्त्रभारतः स्राध्यात्रियाः स्वास्त्रभारतः (१६) तक्षात्रम्यः माल्यदे प्रमान्त्रभारते । वर्षात्रश्रह्मराह्मेरायह्मेरायहर्तिः अरायक्षा(तक्षा) नर्रात्रेक्षेत्रम् स्वर देनक्षायातालुकार्यः श्रीदाश्वान त्रेशस्य स्थायात्र्या । देवस्य स्राप्त वर्षा राद्याचेन। हर्रथना क्षेत्र हम हम हो नारा ने र मुंख्यारा अर्ग तथे हो ने देश हर। ।श्रीर रसकारे रहे दे हे तमका यान केला सम् केला के हैं का है नाकी वर हु नावेश यन यारत्। रिन्नपश्चिद्वस्या स्निम्नदर्श कुलक्ष्यायात्रार्श्य क्षेत्र कुत्र कुत्र वित्र स्वाप्त क्षेत्र वित्र स्व मिर्विक् विभागामा हो व से तहर प्रदेश राह्म किया का हो विभावता तर व के विभाग स्यारे.(ये.) ड्र.त. दर.व.वर्षः सूर्क्षितिक्षिरेत्रिया अगा स्वर्ध्वासित्र

अंसिंगरीयान्त्र। ।रवानानुरक्तिवाय्यान्यर्वता ।चर्त्यप्यानक्षाक्तान्य्वा क्ता । केश तप्रकारका अवद्याता करेंद्र (परेट) । प्रवास क्षा क्षा प्रकार क्षा कर न्वता । व्यक्तास्विक्तिर्द्धरम्यराम्बेनारः । दर्दर्द्धम्यया । प्रवक्ष्यः मु अ.व.प्रद्यमेत्रवारापाद्वयां न्यूरी ।यात्रवा किंद्र्या राष्ट्रनी । श्रीर देशयोष्ट्र (क्र) कूर, 

विम्याद्वेर। । पद्धन्यवाभागम्याः यात्रवायाः तात्रवायाः तात्रवायाः विष्ठाः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः धी.वास्त्रीयांत्रपु, रेटरे.वर्डर:वया.लूरा । प्रवाक्टरःक्टिरःक्षे,वर्डरःवक्षेत्र । पिर्वो.वयात्रा. मर्द्वर क्रिया अव। ।द्याम यह क्रियायाय क्रिया थिया यह वहुद्दर । पहूजगाइमारीय। रियाएकि. काक्रुम. का. कपु दी डि. वमा. व्यादेश कि. परेया वि स्राहित्य, संरव्यात्या । एक्षतार्थरार्थरार्वत्रार्थरात्रे में पार्टा विश्वराह्में विश्वराह्में विश्वराह्में विवर्दा विगतन्त्रिक्ते मुत्या तर्वे के के दिन क्रिक्त कर विवास कर विवास कर विवास कर विवास कर विवास कर विवास कर वादवः वर्षे वर्षे वर्षे के वर्षे के वा विश्वा विश्वा वर्षे के वर वर्षे के व वेशक्तिक्षित्त्रत्य । श्रीट्रियाम् त्याम् त्याप्तस्य मित्रा हिर्भः या विद्वा थावानः क्यर। जिन्द्रेर.(क्र्र.)जन्तु शता, जरहवालुडी । देववायर:अग्रूटका(रेग्रटवाडा) वर्जे. हरे. है। । श्रीट्यामायाद्यवाष्ट्रायाक्ता। । हिट्छेरिक्षवास्त्रमावहवारादे। माय विया रिष्ट्रयाय । यह देश हिया । महियारी है देहरा । विक्रियारी है लक्ष्मराष्ट्रित्र)। १८.सर्थं शर्धे अ.स. के के कि कि कि विश्वार अ.स. र त्रवर्ष अ.स. म् लड़ायुः प्र पासदेहत्। निषवे स्था करत्यद्रप्रस्थाया । र्या द्राप्त पास्या विवा ते व्य यक्षेत्रचा के एक्ट्रमदेर प्रदराय होता । या क्षेत्र वे सदेर प्रवास हराया कार्य हे अरए ८म.एग.अ.१८.या । वालवंशवर्शिशक्रद्धयाताश्चवा । धु.एवंशक्रियातालाया अय्त्रित्यां सेएश्रिवर्त्रात्रेया । देवाश्रुवर्त्ता ह्या हिनाम्या विकास्य रूपाता रदर्याः अत्रव्याः (भारद्वायः) । यावयः अवस्थाः करासुरा अद्याः । भूवः व्यवाः वरदर स्वाः क्वियो मिर्मेव रेवा सेएक्ट मर्टर प्रदर्भ श्रीवा किंदि वाष्ट्रेय जिसे हाणा है। किंदि वाष्ट्रेय विश्व के जाता है। कृष् न्याया था (स्वर्षा) पर्यर अविद्या । वावन अवस्था कर केव लाखा । वि से र वर प्रद द्वियाक्ति. लाय। वित्यूव. रवा.सेपु.श्रुअरेर.प्रद्र.जा.सूर्वी. ।रेवा.मु. लदर्भेर.जे.पूर्व विस्त्रूय. क्षेत्रकुन दर ज्ञार् रदन्। । यावन अन्यक्ष्यकर विवास्त्रभाव। । दर्गरा तार्व दारविवा के न्त्री अम्बद्धाः सेश् क्र अर्दाष्ट्र जा सेव। विश्व संदेशका माना प्रवास के विष्णे रेवा.एक्ट्रावस्त्रेत्रस्यावशय। ।यर.४११.यथार्कर्तात्रस् ।वयवताय्रद्रद्रस्यमार्के लुवा ।अवूबर्बार्सपुक्यर्रि.प्रदास्त्रुवा । पश्चिर्द्धियार्म् ह्वित्राप्त् । यहः धुवः स्याक्षर् स्या १८ हर्षा यह स्याय स्वापन वर्षेत्रक्षा र्वा में के प्रमानिक्षा वर्षेत्रक स्वापन मुद्रतायहर्ष्ट्रप्रमा विद्याने । वर्षेत्रम् वर्षेत्रमात् वर्षेत्रमात् वर्षेत्रमात् वर्षेत्रमात् वर्षेत्रमात् व प्टरियावर्गाता (स्रेपा)शेरी विचयरर सम् अस्त्रिम् अर्थर सर्गार हर्यात्र विवास वी रारी विश्वास कु वर्षः श्रेन्नवाद वर्गः (देवो कुरा । किंदः सेवा कु हि सेरक्रवादी । वर्षः क्षेत्ररहु: इ.स.कामर्टि: (रेट)व। चिषवं अव तथा कर्मिया अर्थ वित्रा हरे। दिनहसूद्रा प्रदा रद्वयाक्तिला । अग्रवत्याः सेष्ठः क्षेत्रात्र्याः स्रवा । विद्यालयाः मध्यद्वः रूप्यात्रात्रः रदा विभागाना वर्गास्य मार्ने किया है ता विभाग निम्मारी विभाग वर्षिय

यराक्षद्वयस्त्रदः विश्वेष्टः (श्वेरः) रज्यव्दरः विष्कृते । । अय्वेश्द्वः द्वेतः देवः देवः देवः देवः प्टरायस्त्रेत्र। । ब्राक्टरस्त्राद्भः द्रमः क्रियास्त्रः । । सिटुरस्य द्रमः त्यास्य द्रश्यात् । । वा विवा सित् क्षरम्भाग्नेत्र। विदाद्यत्या द्रम्मेलाम् क्षेत्राम् स्वा । स्वावाद्याः स्वा ्राप्त्रका याथ्यायावयात्राक्तिक्षितात्रात्याया । र्वत्यायावद्वद्याता)य्राक्षेत्राता । विद्वाता क्रियाराष्ट्र। क्रि.रच.परचक्षात्रव्रक्षि.लुवा च्रि.प.क्रस्यातयात्रक्षित्रक्षित्रक्षेत्राची ।अक्रव्र दे उन्नर्म्याया पर्वणवर्ष हरदिरी कियाअसताया हर्ह ग्रहितासी विन्याया यो सम्मानिक र वद्या ।रत्तवराण्याः येदवस्यातवाः क्रिनेदा । क्रिंदः वद् में क्रिंदेः) अ स्ट्रेट्र में क्रिंदे अर्'खिलवरा'असिल'वे। ।रद्या अवस्था वस्या भेरा । विवाद द्या अर खिल क्षेर्या पर्वे ह्या रि.वस.व.वयवायवीव इसालवा । जिस.एड्र वास.जाडार.र्.का.वपु.दी शि.जावसेवपूर ब्राखियःलूर। मि.ज.श.एक्रोजा,(उक्रजा)रतरम्ब्रेलूर। ।रगए.ब्रम्बेर.तएर्स्वा.पर्वेषात् शर्भक्षित्रकेष्ट्रम् पार्क्षेत्रभार्भाश्य । । मा.केर्क्षणायू पुरिवाशायव्य ।। कुल बर्म्स् कुर्तिर वर्ते व्रक्ते व्रक्ते व्याते हैं में बार्ट वंश्वेश कावए जा इत्या क्रियामें के वर्षे कुराश्या दवाता वर्षे तरिया था वाही शामित दि दे वर्षे । स्था ही अभ्यम् स्था दु क दराएडर्टर, दे, रेंग. में अंशा के में रे. एरेंग (बंदेश) स्वूडा क्टूडरा माए जड़ बर्से में हिंदा केंग बीटाक्षान्ने नेमात्वया था मेखां के योवा यह रेडियाकी रवा सेह बाकरता के अंदेर बाबदवा श्री मि. की रेंगवा, वी अरेंड्स क्रिव, रंबे केए कुर केरे हैं, वंब, तए वार्यहाँ यह विवर्ग तार. गर्जे अहेर्यु है। छेगा नारता ॥ मा बंदा (र्ये) रव ए वर्ष में दर्य या राजन । राज्य राज्य व । राज्य राज्य राज्य व । राज्य राज्य राज्य व । राज्य कुराक्षेत्र वर वर । देश यश्यक्षिण दक्षि अकु में भाग । रेयूरश य प्रिया अर्थ यशि रहरशाञ्ची वि. सर्वेवाशारा व गए व से रा यही । सिर्देशकार के वर्षेद्र सम्मा इ.र.राभागवर्षाताः व्या वितामातारम् स्वारम् वितामाना म्भारा द्रात्या । वि द्राति व रव ति व मुवारा'ओ' खेररा'ही र मुत्रीरा गुंबारा ता हुव। विश्वार दि ही र द्राम द्रात अदुर (१४० खेर चेशरा । के केर मुक्ता सेव य रहा । केर केर से बाज घर बार रहा । किर केर वार्टरत्त्व् वारायवशा । वारावार्टराक्ष्यातार्वारविद्यालार्टी । क्षेत्रवेवाक्षर्याः या रगर थे ।वर । वि रगर ह रगर के अर्गर। ।रोवशर रगर विश्वरार के सर्गर के स्थित। रगर। । रगर्थं दुवानी खं कड़ेव्यारे। । रागः ही र रभवा अस्केवारिया। । हैं पर्दावस्थाना वीवाम्याना । याष्ट्राक्षिता विवासिक । विवासिक । र्वायावत्यक्रं रेशकार्यः। विरंत्यान्रर्थायवद्ग्यक्र्यक्षेत्रं । र्वायायक्ष्यं क्रियान म्यान्यान्य । द्वास्य भाषान्य वास्य मान्य मान्

वायर। ।यर,धुव.थु.अ.झे.चर.जा ।धुर.हे.कुए.हे.रअया.झर.कुव.परी ।सर.वा पर्वयात्रिरार्भवा वर्ष्याय्यायात्र्या । देर्वार्थयाः वर्र्राने त्या । द्वाने ये वर्र बिवास्तरायासी विकार कराया मान्यासी किराया कराया विवार कराया सर्यः अर्टेट्किट् प्रह्रुट्ट र्यूयाराज्ये। विष्णा श्राप्तः दर्माताः वर्षेट्यं विष्णा विष्ये विरुद्धिया। जयान्द्रात्व । यद्गमः यदिश्वाः श्वाः व्यद्। विद्यः सः अद्यात्रेष्ट्राः श्वाः विवाः वीः यग्नान्त्राक्ष्याक्ष्याक्ष्यात्रे । स्विवःक्रवः द्ववायाक्ष्याक्ष्याक्ष्याः श्ववायाः श्ववायाः । स्विवःक्ष्याः स्वयाः स्ययः स्वयाः स्वयः सिंदियां विवादी प्राप्त सुरही । एतिया देशदेश ही पार्त देश हो । सिंदिय है । सिंदिय है । सिंदिय है । सिंदिय है । क्षेत्रेत्रात्यात्रात्र्यूर्काराद्वेद्या रिवाशुः अटाक्रेटातिब्रीख्रा रिनएताक्र्रिरदिविक्षेत्रात्त्री हैवकुर-रमाक्षाः एक्ट्रेस्प्रेय। विश्वराह्मद्वानां नाथायवाद्य। निर्देशमुत्रावित्रे नाभित्र यूरी स्प्त्याताक्षर्द्रस्याक्ष्याक्षात्रे । केट्यास्यक्ष्ट्रत्ववाराक्ष्यक्षा । विश्वत्यास्य क्वायं दर। । स्टब्स्वावेरसामिदकेवानिया। । यरक्षिवादवरस्ट स्वायायावेद। विक्रिय वारक्षियार्याच्याच्याच्या । विदश्चिति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति वार्षियाः च्याप्ति वार्षियाः च्याप्ति वार्षियाः उभारति द्यवादर स्वास्त ध्येव। भिवासिका में रमा अक्षेत्रकी कारा । कि सि सदत थी को वर्ष द्विया । जिट्याल्यायाक्रर.क्र्येट्र्ट्र्र्ट्र । विभयात्रायविभक्षिययादे जित्यक्षिय। विद्याद रत्त्वरद्ध्यक्ष्यः भव। । अरद्यं निर्वत्यक्ष्यं स्वर्धिक्षाः स्वर्धाः । क्षिर्यास्य वास्त्रं र्यः स्वर्धाः मि. ज्रा रिक्ट मूक्टर्टर विक्रिक लागी । अरेट ग्रास्ट की का एके एके या । ट्रिक्स का ता के स्वावा की। क्षिणानरीये पर्य (क्षिरवर्ध) अर्थित वार्षेत्र । विकाल में वर्षि क्षिये व सहरी। या. प्रमास देशका. शर्ट हा पर्म अहरि । रे.वेश श्रामकाक्या हा । वि. दव शर वेश में वे अक्षे ड राज। रिवापर्रियायाम् रेवायार राम्या(दारह्याया) नेया छिर्द्रम्थायायाया हिन्द्रम्

१८ च्याचानु व्रमेर्य। क्रिक्सणवर्गन्तार्थ, क्रिक्सणवर्गन्तार्थ, क्रिक्सण्यंत्रार्थ, विमानुत्रीत्रार्थ, विमानुत्रीत्रार्थ, विमानुत्रीत्रार्थ, विमानुत्रार्थ, विमानुत्र्य, विमा

नारी राजा में देश वा की व से माना विकास वा असाम सिरायमा सिरायमा सिरायमा सिरायमा सिरायमा सिरायमा सिरायमा सिरायमा ख्र.बर.चन्नाता.प्रे.रेणया.या.चर्चे.या ।इर.क्र्यायाचा.रेतए.पान चन्ता दराएक. वर्षाता देत्रवादी वर्ते रव। देत्वादी तव्यात्यः (रव्यात्यः) तह्यात्रीदक्रवायति मु वायर सवाराक्षेत्रा में दे विषयानिया र्ययम्भूम स्वाय विषय स्वाय विषय दुवा सुर्वात्राम् १वर्ग्यात्रास्ट्रेराक्रायावड्याक्तिक्वियाताता र हिमार्ग्या सिक्टिक्क्रातार् भर यू त्यक्ती त्र वित्र क्षित्र क मी दिनायहन सम्बद्धार कार्या के स्थाद मा के रहेर हैं के कार करें । दे हैं का सुरुवा दुरे र्यतः रोटारे व्यट केव राक्षितः कृष्या गाव र्युवा शिक्षिवारा यस है राक्षर्वा शिक्ष विद् कु उने टा-अरा-क्रे. क्रियाना शारविषाना उने ता विष्क्रिया से मन्द्रे देश मी देना यह वासी दे यहम् इति नेश ताचरवा एडरेक्ट क्वायाना है या श्रे शे हिट में बेरेक रेम खेरे यर् यस में देशम्य प्रत्युव के स्तुवार्थ। दे हेश द्धरकार व्यर्ध्य की रवी व्यवस्था कु नियक्षि एवेटा । इट क्रियामा असर्थार सारा तारेशा में हिया वहवान में सेट में ट मेर मेर मेर मेर जाराद्रवाद्वर क्रिकार राजाद्रयत्य द्ररायन्त्र या वाहेराक्यर महत्य हैं वासुर्ध्य वाहा में देश हर बर वर वह एक (प्रतायक ) एक कार्यर प्रति हैं ने भागर कार मान्या ने माने स्वन्त्रका दे ने खेदारा प्रवेश रा (वर्षाया) दर परेदेर वर्षर या स्वाक्षिता स्वाक्षिता से हिन्द्रा स्ट्रिं हैन देन देन देन हैं । विद्या कार्य कार विद्या कार किर के विद्या हैन हैं । विद्या के विद्य द्यमात्र्यायात्रेतारात्रेतारात्रात्रमानदर्षेष्ठदर्मा तदेवादा सुराय त्रार्थिता सुरायो वालेंवे,वे,वार्ट्ट्रहट्राया,र्ट्ट्र्यावार्यर,वार्यर,श्रायवे,वार्ट्ट्र्यया,(वार्य)क्ट्रियावे

47.242.1 skey.

> प्राथित हे हैं। क्षा शिराम्य के प्रति के प्राथित के प्रति यवक्षा विन् ही दर्भ महर सं (महर सं) मिर ते हि । ही त्या कर कर मध्य कर मध्य यम् श्रद्धियाश्री प्रमुक्का विशायद्वायादया प्रदूर्ण विदाय हि। श्रियाय या स्वायति हित्ता वरायेव। सिर्म्याम्युधिये तेवक्ता । मरअवित्रम्याम् रायदायानु । सार्द मर्। । म्यार्ट्रराट्यानेश्वा वर्षात्री वर्षात्राच्यात्राच्या । मेल्ब्रिट्रकेवावव्याः । यात्राच्याः वर्षाः व सिर्केश्याद्याया (म्या) दरा विर्वेदाके हैं विरायण सारी विकेश त्यार स्टिन् यालाया निर्देश हिंद्श एक् मायवा त्यार में का (मेलाड) द्रामंबर्ग । व्यक्त तक्षांवन । वुःश्वनान्त्रस्त्रमः । वावव्यव्यन्त्ररः तर् त्यः व्यव। । त्यन्त्रस्वय्यते व्यवः ताः व्यवः । वाव रून स्ट्रिक स्

थ्यम्ब्रंति (क्रॅ) त्यनायनुराद्देव (गुर्हर) क्षेत्रीय। । अक्षेत्र वारतारग्रमनेति दूराहोरादे। । युरा अर्हेर्यथार्याद्र (वर्र) अराधिव। विराधिवार्ये हे हिर स्ट्रियये वरे। निर्देश अञ्चरकान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान प्रविषाता हो। । दाकी-प्रशास्त्र माराज्याकी हो। । की सरकेराया वर्षे प्रविष् दुविदुर्गको तर्वे सेर। । अवारमारवर्वे वावहेवावहेवारे। । वे रोरवर्वे वावविद्वावेश। वाक्रवाह्मर की दुर द्वावालदी। वाह्यालया वाक्रवाह्मर छरछेर। विस्हार वाक्रवादा वाहियादे। मायवा, में द्रानु व में द्राव में द्राव भी दे द्राजी ता द्रवा मुख्य हुत। मिला यह क्र व्यवस्थी र्। विश्वस्त कालद्वभूमवभूम्हरा रिस्ट्रक्र्यक्षेत्राधरात्रे सामवास्ट्र अन्दःश्रुवःश्रुदः। । वाववाराःश्रुद्धःयमः त्यवाराःव्यद्। । वादतःश्रद्धःश्रुद्धः । वाववाराःश्रुद्धः । प्रवासी विकटवं वह वारायते स्वार्थे । विवार्थे राष्ट्रिय । विवार्थे राष्ट्रिय । विवार्थे राष्ट्रिय । विवार्थे राष्ट्रिय । रद्या के शाया है। कि कि त्र वर की क्षेत्र द्वानेता कि क्षेत्र कर रावे त्या रेता दि के वार्ष यत्यद्वायत् श्वायव्यव्य । स्टर्य्यते यस्याययः भिवद्वः स्त्रा । स्वायायदिः स्वर्णाः धवा। संसर्भासहता (तर्भातहता) भीवा । भी राउभाभीवारा तहेवानुसामेदा । दे देशभी तहेवा द्रातः व्यद्भेद्र । वालुः कुद्रवाववा द्वेद्रग्नया व्यद्धाः । वालुः क्षद्रवा व्यवा व्यवा व्यवा व्यवा व्यवा वकरावनुरायम् दे विक्ता है। भरेता है। है। हैं के विकास रो सर। । इन्यायरी राज्य मिन्य । विष्या । विषय । देशचेर्डिट अर्व में द्ध्याया। के प्रवेशकु सेप्रायस्वाद्धाः याग्रायवः र्ति अट्सिक स्था यहें में किर व सेंद्र व में द्वा है ते के विवास के अहिता के त्वी अ कु सेवायाता के जातूरा वा कर प्रविष्ठ है अर्थ विवादी कुष माश्च सर्विष्ट ) दे के दला । वि राम्कित्रम्यवर्ष्यते द्वाराक्ष्यवात्रम्यायाः यर्षाम्य वर्षाम्यक्षिः दुः वर्षाम्यायाः स्राप्ताः स्राप्ताः गिल्मू मार्च तर्हे हैं। होगा वर्शकायह देर धरकाश्रा यी. अष्ट्र वीट क्रिक्स विद्वार । विद्या रा. दे. शु. के. क्रुचारा अष्ट्र। रिवार अष्ट्र अष्ट्रे विद्वार अष्ट्रे क्रवंश्वरा । व.च.र्ये.कुक्र्यारा.अक्री । अक्ररेतुवा.च तराअध्याप वयवा रा याश्चानियार्थायाच्यार्थात्याः क्षाःभक्ता । स्वर्त्त्वयाः नेताः क्षेत्रः व्यत्त्रः व्यत्तिक्षेतः याः अक्र । रि.स्ट.र्याःस्र्रः (स्वाः) स्रद्वशक्र । रट्टाट.ट्रायाः विश्वास्त्रः । वह्यास्त्रः कियास्त्रका । श्विरको सम्भाष्ट्रवर्द्धलासुर्येत । कर्तमः वद्यक्षकित्युवस्ति । वर्तिस

हेत्र वार्डवा (२२) वार र द्वरा । रयह को र खर वारो न यह वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य । क्रिस्मेर कराने सम्दूर्भात्वेवर्भव। किलाबेर्क्यनास्य मान्यवाद्यवाधव। विवास विकास यम्दरी शिरेतपुर यदकार, जाना राज्यारा दियात्रा नाता कर बन्दी किष्टर मुक्त है। यर् अ.स्. (वर्षु अ.वस्तरहेश रहरक्षवेश च.एट) चर्यर। व्हिटारशया क्रिक्ट क्रिके करे. (क्.)र् । विस्तर नध्नेयादर भुजवित्र भूरी किट दर्य का या अप इस मिरा दिस वस मिरा) व स्वा है। बग्रा । में हेट (क्षिक्षे के हैर) मुजाबार है वा प्रवर्श विष्ठ के वेश में हिर देश वा करेंद्र सेवा ता । व्रो क्षेटकुआद्या विद्यातक्ष्य । विद्यारक्षर । विद्यारक्षर विद्यातक । विद्यारक्ष विद्यातक । विद्यारक्ष विद्यातक । विद्यारक प्रवास विद्यारक विद्यातक । विद्यारक प्रवास विद्यारक विद्यातक । विद्यारक प्रवास विद्यारक प्रवास विद्यारक विद्य कर्यक्षात्र दुत्र्द्यमञ्चला । क्षेत्र त्यम् सुरल्य स्थादेशाधेन। । दावरीमधि कित्रकारमातारे किरायन मेरावर्गा वार्गा, नवाइरामकारा विमर्ट (मेरे) केमरी सु क्षा किट्र इंग्रेस के वर्ष वर्ष हैं के अपना है। अर एड्र हेर मुख्द में ए ए बेटा किट्र के वर्ष चित्ररात्मिय। विराद्यातायाक्यर स्था (स्था)तास्य । सिरायायसक्यर देवसामास्य । सिर्वा कुरिनु दरको हुन द समा विराधाय दिन्दे देने दे गुदान्य हुट। विराधाय हर है के तद्यायन हिर स्वरायक्षित्वारा अहर हेव । द वा भारत् है। ता तवा देवा भरा। विवास अद्याया वा रोपः र्श्रा (क्रि.भ) विकासम्बद्धाः स्था रिन्दरक्षाः स्थान । यिष्टेश्च एर्येय रात्रेय देश देश ता एर्स ता (एर्स्स ता एर्स्स ता । । न्य वित्र में या वे ता देश वे दार्डिश एकर वार्वां के वारा (वार्वाहिवारा) कू जार्के र (किर.)। विदेश हैं जार्बा रूट किर्ज वर्त्रर. (वर्द्धर.)। विर.प्रश्नाभाषा वर (वर्षावराष्ट्र) भाषा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व याच्यारारत्य्भवत ए वस्तारा (स्वारा) विक्याराभक्ता (स्वारा) है। रदः वरीराभाष्ट्रशा अन् अक्ष (ह्य भा) अर्थ में के क्ष्य । । एकर व बेर वे ने के अक्षर (एक) । शर्णाम् के के (केवा में) में पाला राहा । में हारा (में हारा। भरत केंद्र) दे अहर रे. में हा । विश्व भर वनामान्त्र पर्वेचासेर.क्त्रा । यु.म.र.र्र्याम.पाम.है। । यामेर.पर्वेच.यूपाम्द्रा ॥ डेलाकोश्वर-डेटवादत्डिका-श्वर करा के की त्वर देशिता हु तस्का वरा के

याप्ट शुट त्र याथा याग्रम, ये जिम्हा (हिम्हा) येशका मुमानम, घट्टा महि भी ए ठाड्मा विद्याली, विद

बुवाय) किंक्टर चार्राच्या च अगःत्रार्थः ब्रह्मुम् दे चिक्रिंदिभरणविधान्त्राच्या अग्नेया भेनाम् द्रा च्यार्था व्यार्था चार्राच्या चार्या चार्या

पर सम्बद्धाः स्री किंवाहियुत्ति । हो। ह्याने ने के लेक्ना केर ने । निर्मे अञ्चर सक्तर स्पर्मेर । क्रिर वःहःव्यव्यक्तमञ्ज्ञः मेद। स्विःवन्यर्थेवायः वर्षः शुनेद। ।यः वरे स्वरं व्यव्यक्षेत्रः चित्रभः विवसानेत । ८.८८.८.८.४ भन्ना । एक्ष्यात्रभः द्वाराष्ट्रभः केम् केषात्रमः । विमेश्वरः स्वार्गर्यास् । ब्रिंद एक्सेच (ग्रेनेक अहरामा पर्। वि एक्से च्राक्षावय हिता पर् ची.ची.एची.ण.ची.च.पर्देचा.(चडेचणक्.ची.ची.तेर.<u>४ च्यू दम्यू दमा दुल</u>्य मार्थेस है) विर तेरव.अह्र. मे.चर.अर. धर.चे. (क्र.वे.) पर्देर क्रिया.पर्दे | व्यू र ज्यू प्राप्त क्रिया क्रिया प्रवेष राधुन्धुन्द्रयान्द्र। । उ.च. मवान्द्रर.दे. यकात्रात्ता (स. ४ वालवान्द्रर. ज. थणामवर्ष) । निर्वादमर. राहिषाइट. दृष्ठे ता घटा । ब्रिंद श्रीर स्वाक्ष रख्टा शा हिंदा । । दातका प्रांत्र देर दृष्ठे ता यादा । व्रि. यादा अदा देवा क्षेत्र देवा । त्यादवा यना देवता क्षेत्र देवा । दात्र त्या रमर.विष्युं क्रेर.क्रेश्वी ।रबालु हेब क्रमाला हेब्बली लोगी । या ये माने शास हे व्यक्त मिटाश्रुका । रिराएकेट.अए.शु:च. अ.शु.ण। किंग्रेडारअर क्राया र खेळवारुका पर रे. कुरी वार्ष्यम् रुवार्यायीः स्टार्झे स्वता । देवता व्वार्य रूप्ता मान्यः द्वी । ख्रिर्दरातु शुः व वेता या वी । क्षेत्राम्बर्धामाक्तिः एक्रियाय स्था । दरम् वर्गम्बर्भरतः एक्षेत् । श्रिम् स्थितः स्थितः स्थितः छर। स्त्रिः नर्द्धर् देवारेन् विस् । रे.वेशन्य दवः अर्टरायके। ग्रिनेट अन्यराय विधालवीयः इर। डि.वस.क्रवंशूप्र अक्ष्यंपास्। ।चन्दरीयवन्त्रव्याः म्रायः हर। ।ब्रु.त. हाः पुर्देशसम्बन्धाः वानिक्षिरारमामार्थारावरुरम्भास। । रमास्यमारावुरस्किमायेवारासाराज्य। । वीः महाविष् बूबाक्की ह्रवा हिर्वात । इराइवाव वर (५वट)र्गम क्वेरताय । एवरकेशव केवा ग्रह्म निर्धायवर। अव:र्रद्वासुर्वायायाम्बर्(यवर)। वियास्यायाम्बर्वाद्वास्यायान्याया

वार कि त्वार क्रां क्रा

नार्यस्ति द्वामुक्तात्र्यम्य द्वार्यम्य द्वार्यम्य

भ्र चन्दर भरा दक्ष यात्र स्राया स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य

1号

म् सम्कुवापरी रिवाका प्रयादाराकाश्वरातिमा हिरायाका। ।राज्यरार्द्या हैवा श्चित्राधिक। । वाध्यस्य वट्यतः तद्यराद्यातरुरात्ये ध्येवः व्यद्रत्यस्य स्थतः स्थतः स्थतः परंजव। वित्ववावरहिवालयगायह सम्मान्त्रवा । दक्षः क्रि. पर्क्षः क्रिंग् व्याप्तवा । वार्रायामा केवा के के वितारगर किया । अर्थे वया अविते ही वा के विता के तो की वा अर्थे के क्रिक्षक्षर्भक्ष्यां के क्रिक्र के क्रिक्ष्य विकार क्रिक्ष के क्रि एके चर्वा वर्दर दर्द केंद्र ले थेवा । या वारेशावर की शाव विवाश या थेवा । दर शर दर्वा द्वारे प्रवाहित्र । केंग्र अवातायर अर्था । वा के बिरवरा अक्षिक्र । या प्रवाहित वभीतर त्यम्य तर् । मरबीद्वास्य त्यम्यत्र । मीद्वामाधीतर अवारद् इद्द्वायते ही हिट्टवारवाद्य । दे तद्वे वी विवादन ते तदी । वस देवेना हे अहत श्. शर्यः त्री । विर ७ क्षां रामरदायः त्रायः क्षिरात्रे। । वायाः विर त्याः वयाः (पर्ययो पर , वालस्य न्याः श्री बेट्ने। । विवादभर थर के के तहेव रे। । हुना हिट्डिंश वर्षेव (गर्पव) हुन हट वाव। । ८८मा के के महत्य के मा अरा विकास के के खेलारी में आ के महत्य में रेडि मार्टरी सैवायं अर्रः (गर्रः) की क्षः कुर्रे। । रमतः यर्थान्रर्थयात्र्यरान्त्र। । व्हरत्वतार्थम् ल, इ. क्रें. ७ वे. (४ ह्वा) तह्या या वेर्दे सेवर्गन हर की वर्षेर्य प्रमुद्देव या ता किया सम्मिय स्वर्व स्वर्व हर एक्ट्साम्याम् त्रात्त्राम् रायात्राम् । यर्गार्याः द्रितास्य विकार्याः विकार्याः मलाएक्पार्यर क्रिम्यूर्ट्य करा राजापर विवाय राजार र्रा विश्व मुस्ति स्थाय विवास त्वारं रेश खर्त त्येष स्पिने हो। त्वारं रेश में रायते कुंदा हेर क्षेत्र कुंदा तर त्यार के स्वरादेर वाया अद्यादा के त्या के स्वराद्या के स्वराद्या स्वराद्या के स्वराद्या स्वराद्या स्वराद्या स्वराद्या स सेवश्रद्रम् स्वास्त्रम् वर्ष्ट्रम् यात्राम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् सदरमञ्ज रे न भव हर्षे र रुवन मुक्त थर वनकारा अर कनकार हर यह मुक्तररा र्वे. श्रेन्. वर् रद्वे व द्वर. । प्र. में (कुम) श्रेन वर् कुव रामने कार्या रन कर कार मार्थे द्रवाद्धवाक्षेत्रक्षः नाम्यात्रुक्त्वाराके व्यरक्षर्यम् अरतक्षेत्रक्ष्यस्य स्थर हिर्यसा स्रेम्बर्रियर्रियर र्स्स् कें अरि (ववरदर में अर्थ) सर् दे सम्याय प्रमास मार्थर) किरा या खितास्त्राकारत्या अर्थे व तर स्वाप्तित्य या मही अर्थन्त रहारा में ने अर्थित स्र रायरेशकर व्यर दे जवा हैर (उहर) हर देव्या स्रम्भारा प्रदेश हर । यरत के स्वरा मुश्राह्माराम् मुन्दुम्दुरम्हर। मुन्नाभाष्ट्रवान्त्राः व्यवस्वहर्वस्र्यः म्याराक्षित्वाया यात्राचारक्षेत्रेर धर अरत्वी स्वाया श्रेया द्वर छेर धरे त्या स्वाप्तर त में में हैं भारी सेवलाईर। सेर वर्षा जवाय वहिलाक रहिते में हैं हे लावला र में वर्षा जवान्द्राद्र अव्यात्त्रहिवात्त्रवेत्र राद्र वेवरायात्त्र । द्वावाद्वाद्वे व स्वराय वरायद्वात्त्र

यहरद्रभायसर द्रा अस् स्व = डका हार्र ती हा थे हा रे ता मस्या वेका खेवता की । दिका र्क्तिवर्गर्गराताम् के केर्र्यम् यार् हिर्डा देवारा चर्यर्डर सर्वनिष्ठा स्वरं वित्र रात्र स्रवराद्या द्वार्श्यक्षराता कुराद्य कुराद्वा कुराद्वा कुराद्वा कुराद्वा कुराद्वा कुराद्वा स्वा स्वरा क्टाम में विभवताम् में शिरख्यारमम् यं नायव। यं मेर र्यायाय विभिन्न विभाग्येव। सरम्मा वं मर स्वात है ता तो व्यर हे मही तर दे दे में ते वे या में बारते।

क्ष्याहियेद्धी हो। है । स्थारवाहिव नावभा में परामहिव नाय में परामहिव नाय में परा १ हें दे बेरी है। विकिश्वर अहार देगर हैं। विकिश्वर के अहार विवाह हैं। है। यहर विर्वेश विषय्यायन्य विष्ट्र । । दर दर दर कार्यका । श्री श्री देशवाया अवन र्वी.जा क्रिश्टेर्नेशकार्यात्र सेन्युयान्या ।रश्यान्ते में ज्याने विवडन) ही । विर्मित्रे पर्मित्र है। विर्मा विर्मा किराने किराने के के किराने के के किराने के के किराने के किराने के किराने यासम्बद्धा । र्यात्यत्स्यर्वाभे भेषे वाह्यत्यः सम्बद्धाः भेषा । वावस्यति । म् मारामा कर्षे । के चर्यराय क्षियां कर्षे । त्यमक्ष्याद्वा स्कृता वा मारमाद्वा । कीर वार्श्वाः म्यान्त्रेत। १८.४८:देवाश्च हाक्टर्यर्। १र्थः क्रियः त्यान्यः वहास्याः । वदः एक्स्वाः शे चरान्ति द्वाराधित। विकार कराने कराने विकार कराने श्रीट ख्वारगर ये । । यं वायर यह केर केर केर देश भीवा । १ में वायर यह अर्थे वा रेस्स्यान हिसंकेवाभादेवहिमा (गरेना) यदाने रा क्या देवामा विमेना) मर्मेराया स्राम्बर तह्या स्वारिकारी । श्रिटायको वर्त खेखारा । प्रश्रीट द्वारा तावा है। म् रा. (श्रुमा) रामुसा । स्ट्रमार्डराजी रे ने प्रायम् । श्रिर्धिर राते हे सामहता हा सूत्र (स्व) विदर्भ श्रेमकेट रूट्या । निका करा (भ्रें कर) में टर्ट में के वा ता हैंगा तात्रक्षताल्यः। दिवसद्वीदकीक्षांद्रम्यायाक्षका। व्यातम्द्रावन्द्रम् (३)) दिर्दर हैं अदिअदुर दार ता दि हरार ताव दे अहता (तहवा) मेरा किराय र्य (युक्त) निर्वति निर्वेश हैं वा (वार्षेया)। विर्देश द्वा वराद यते सदत्वाव के रा । की केर्युवाराधिरवात्मेव (अक्)वायुवा) रि:अ:ख्रुप्रुवाकी ध्रेवर्वाक्षेर् । । अर:अव:वन्युः खुः र्गर्द्यायारा द्वेत (भववः)। । यद्भवन् १ द्वे स्वाला मेल। । त्यारी वा धवेद र्याभर। । भाषान्त्रः यथान्तः हवः यः परः। । श्रान्तः स्वावायः यः परवा। । याद्धवः क्रां विशे (गुर्) अभारहियान्याल अहर। रिवा के धः के वहे ने हे सुर अहर। अस अधिरसर श्रीर रेन्द्रसहर। शिर्ञुकाभिर्गमहर्गमहर। ।वन्द्रक्रिकाकीयावन तर्किन। यावा साता सेराया सरकाया । ८.१वा. श्रु ह्याला वा हर (केर) वा प्राप्त । किरादेश हिंदा हा

वर्षशस्त्रे। वर्षा भ्रद्भेने हुरायायदा । विवायहराहेवा या राजा थरी । द्वाराष स्वायुरायरायेद। । अदतः कुरात्येव छेदायादम्द्वायेदा । की वनम्बराम्द्राये प्रमेषप्रा अवाद्मार्थं से में स्था हर है। व्यट्अव वर्षे अर्थे वर्षे प्रदेश वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे त्य कडिक । अ हुर यदमद्वा यद । द्याच्याद्वरक्षे मेंत्रम्थोर्म्यासाद्ध्यादर पक्ष्यावक्ष्यक्षर् द्वर्रमावः तात्र वाद्यात्य द्वर् लार.सीर. यभभाश्वर. थेथे नाए तर हेरे। रतए जारी मिंदा दे अकूब की या कुरे में प्राप्त की में अपूर की में श्चाया मि.मे. मिर.रेंगे (स्वा) मुहाकेर अ.मि.मिर्रा प्राय मारुभारदायारादादादादाक्षाक्षाक्षा दादमारामार्थः ह्यालाक्षेत्राक्ष्यां हेत्राक्ष्यां वर्षेत्राद्धरवायर बहुते (बहुते)। गिला अधि यह स्था हो। इ श्री रे रे के लेव नकेर रेंद्र । रे रे व हरकर थर रेद्र । क्रिश्व हकर वकर हा देदा स्वावप्रसेवामान्याः शुन्ते । दर्दरद्रामने भाव। । दनामाध्यकावाद्याः शुन्ते स्वाद्याः यानाराम्यान्यर्भः द्रार्द्रग्रस्यर्। विद्वायन्यराक्तिकाता । मे ग्रायन्यर्भः द्राद्र्यः रादा विन सुरस्य येते वाषालह्याता | दरस्रद्रशुर्ग्वराद्वासद्रवास्त्र । स्वस्टर्ग्वर्थः क्रियाभर्गा । भी तक्षमान्त्रम्भावा । भी तक्षमान्या । भी तक्षमान्या । भी तह्यास्त्रीरमें अक्टी ।सुरव्यायति वि वाद्वाया राट्केवाया । विव्यो तस्त्रम् शुन्देग्द्र। । रद्रायायक्षासम्बद्धाराः स्ट्रियायदा । दे सेर. प्राचर स्ट्रियायाया। र्वान सुर (बर्ब) शेर्यता तारा र र भी । अर्थ हेराके ने र वारा व ने ता । ताराबहर (क्षक्षराम्)श्रीरवातातारार्याया । विराद्वाक्षीयव्याताना । विराद्यावादिया की तिवाकेदाहर। । प्रायदाश्चाता स्थान । हिर देवा भी से वेबा रतिर वेद है। । वार थ्यर हीर त्यंक्र सारी हुरा । हिर र मर नहीं से हिना ते थ्येन । र र यह त्यार त्यि ते त क्. ए ग्राम् । विर देवामुर (मृष्ण) क्. ए ग्राम प्राथमित विष्ण । देवाम न्रायमेत ने द्र वाह्यानेत्। विष्या द्वान्त्राक्षेत्रहारा थाता। दिवा प्रदान ने वाहरा वाहरा विकास त्माह्या । हीरक्षेत्रेर्द्धाने वत्पविरत्य । इक्षेत्रेन्द्रिय । द्या अया अर्थर य ता ही दक्षेत्र हिर्म हिर्म हिरम हैं हैं देश देश देश है है हैं ता है है है। दिशह वहरदर्भविक्ष्यांवहकार्याक्षा हिंदे हें हिर्श्वेयाक्ष्यक्षेत्रायक्षेत्रायाः प्रदाविक्षात्र । विष्टा भवत्र। रमान्त्रास्त्रः द्रातायनका। विरक्षेत्रः त्रात्वायहर विवादर। विर्वादर्शः विवादर्शः शर्यात्वामा ।रेरेरामायार्भे । रियापामा ।रेरेरामायार्भे । रियापामा । रियापामा । रियापामा । र्मरवर्भित्र्रे । विर्ययमायस्यातस्यातस्यातस्यातस्यातस्या वार्ट्र-बार्ट्र-इसा ।र्यप्यद्ग-ब्रिट-ब्रेट-पर्ट्र-विया । क्रिट-स्वातिया हिया.

पर्चामायम् । शिर्द्रभवापद्भास्य (पह्मास्य) अक्टामक्ट्रका (प्रिट्र)

स्यान्त्राच्यात्राव्यात्राच्याः स्यान्त्राच्यात्राव्यात्राच्याः स्यान्त्राच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्यात्रचयात्रचयात्रच्यात्रच्यात्रचयःचयात्रचयःचयात्रचयःचयात्रचयःचयात्रचयःचयात्रचयःचयःच

द्वरा मेर वरा है रहे वह रहे तस्त्र के वारा प्रताह कर में राम है र वी तम प्रताह वा स्व मरा द्वाकी रेशर्यतातारिकी र त्येव या भाइरायर के त्वासक्वा मिस्टिश हैते हैं रहे की प्रकारित्येत्राताता वार्याद्रियात्या वता । र्यातातात्रे केर्यूर्र्र्र्य्य र्यात्वातात्रे म् निर्मा कार्यात्रा देश देवर मेर तर एकरल हैर है। में मेर महंदर मार्य मार्य भाषात्रा रहेर रथललसहरा नेवडिट वी देवकेव दे रहवा हेट वार्ड वा ला दिवा होते त्या के से त्या कर से स वसर्रे रियत तस्यम्य रा (हरास) सुम्मा तमानिस्नि र स्वस्या शदर्यत्यं लासेयास्य हिर्देशयाक्ष्मणाकः विर्देश (ब्रेट्रे) से में म्यामायस्य (ग्रेंस्य)या सम्भेत्राक्षणके मारी तारी तारी वर्ष देन के कि सम्भेत्रा है। सम्भेत्रा है। सम्भेत्रा है। सम्भेत्र हारी छिन्छर महिमालव राज्या हा वेर धन मन्दर निरं (ब्रिंट) । द्या ता व्या राज्या छर ह्या त्येव प्र रकारणकी जरमा किर वर अरेर र वसमे हर के अभागना प्राम्य वर रक्ति कि वह हर मूंव (व हुव) श्रमः भर रेशियाश तथा तथा एकता हा (कुलाना देशके)र्या है वस्यी सर यराद्वरा थेवरात्रा । दूरादेवराष्ट्रा प्रदेशक्षेत्र प्रदेशका द्वारा है। सिराद्वा नि वन्वाराक्षिक्षिक्षां स्थान्य । अस्ति । अस्ति स्थान्य । मिक्यानाम् वाराम्यान् वेद्रयम् द्रयम् वद्रयम् वद्रवान् वद्रवान्य वद्रवान्य वद्रवान्य वद्रवान्य वद्रवान्य वद्रव एसर हिर वता रदत्र रेक्स के बिर के में में रेट (बर्ड : अरें ) रे हेर वर्ग ही एक्स हिन्द्र मान (क्षित्र मान क्षा हिन क्षा मान क्षा हिन हर हर है। या कर हिना देखा अर्यः द्वायाला क्रेया राष्ट्र रहरः दे वर्षा यद्या रत्या श्रद्ध्या (क्) मृत्या तय्य । रुटः द्रा द्रिते के का कि अहरा या अहरा वादत (क्षेत्र अहरा) श्राभद्रद्धः मिन्न विद्यक्षार्थायाः श्रद्धां भीता अदित्यम् वर्षात्व क्षेत्रं में वर्षाद्व

इंशराक्षित्र के त्राहा ता है। देन देन त्राहा की त्र का राजा देन के स्रवताचन्त्र क्रिया पर्वे अ। (अर्टर में आ अर्टर अय्वत्र ) दे पाया वे लाट ता दे मिन हर सी मुंब (वर्ग) वर्षा वर वरा वी ता बर्द्ध अवहर्द तर्ग वर देर र र र र र र र में अमे र हिराया दे प्र. श. राया वारा स्त्री (र १०० ४ । राया स्त्रा ह्या हि स्टर) यह स्त्री (ही ) र हार स्वरा हिवास । अवादम्सुर्यक्षराभिताः(वर्षता)र्वदम् स्वावताः सूर्यः। रेम द्वर है। य अम्बे वर्ष के के (कर्व) दश क्ये हिर करा। रयत कर के (क्ये) की तिरामहिताम् राम्ये (स्व) हराय छ हैर है भरत है या वलका असाय छवा सायसा मिछा है की हैं वा यम का हवा त्या है के दे दे में में अकट हुट हूं का अदल है तथ दर्भ थरा में थे। नर र कुला है। एक या कुर के वा का या अंग की ते र र र र र में में प्रार्थ के वा कर हैं स्वया में उर्वता (वर्षेता) श्रेटावर्था । वर्षा १ वर्षा देशका देशका वर्षा देशका वर्षा में की मात्रकार । (गारा वर दे देव वरा मेर में (मेर मेर मेर पर पर के सवरादेर) माज्य । माजारा (माजा) पराद मानमा कें नर नेर दर ( र ) विभवाया मुवाया मार पर ए पारिया में में अवान्त्र हरा। मारे में र्वाश्वीतस्या वर्ष्ट्रा अदुराष्ट्रम्वरा स्थ्युरम्बक्वा दमास्यात्वा द्राष्ट्रका विं वार्शिश तहवाराना आहरे हेट दर या की दहना वा बदे ए हरे अदूर दे व वद् । देन वार्गित क्रां में रहेचाया त्याव मेर वर्ड हुए में खिर के खिर वर्ग (के कुरा में वर्ग ) सेवामहर देर'वार्थर'र्ड' चेर्डवाराइटवार्डकारम'०रार। डिअर्थ'यार्ट' के तहवार्डटार्स्थ्रास्ट्र' त्तार्युक्तित्रात्रात्त्र्ये द्वारावायात्रात्त्रात्त्र्ये । व्याप्तित्त्रात्त्र्ये । क्राया की र विकास दारा तियात विकास (तिया अहंगा इंद्र) य-मना साल मा हिर अर व हर हर दर्भर |र्यारेड्सवन नन्यार्यार्यार्यार्यार्यार्या 異可るとくてといるくなってると、(ののる)をいって、子子るい内(まちょうまう)かっちく) इ.जग.अर्डर.एड्रेज.(ज्याक) कर्णाकः प्रतेषुः प्रा अहए। अहए।अत्यवन्त्रात्रात्त्रेर्त्त्रात्रेर्त्त्रे संदर्भ स्बर्धराम्द्रम् द्रभराकुरामान्ध्रम् व्यापा त्रिया द्रभारा स्मान्या करा तर्राथा स्राक्षित्रकार वाक्षेत्र देवेता का । इक्रांस् (वक्रांस्) रेहिर रअवादी मूल राष्ट्रे रहेरी रगर हरा द्वा र रह हुका रेट पुर्वा इरा. मु. कुर (बर्ब) वरा कुरा गारा गारा गारा गरा गरा (ब्राया) केरा हर तथा अहा रेडें। रभएक देति वालुटाममवास्तर व्या (व्या) यवा मेम मा पर में मेर त्या है ब्रिया (क्रि) दरार वराकराता था अवाधि ररावयान्वरावरात्र (वादता) । त्यावः यमात सुव वेर हुता दर कुला या रोट छवा की सुलाया दे हुवा हैदा। अदता तेरे व दर सर्दरातरे व (तवावा) की तहीराय हेराई शं के मार्थ महाराज्य हैं। (हैंगा) वार्दराय मान्या [2.4] PORTE, NO. 51-12/201, (As. ) 2.50, ME. (SS.) 2/2.501.95. या क्षेत्र भारत्या के रदावया रव व द्वार नेट की तायता (तड तड यह वर्ग) या वा महिताया हर

291

र्राति र वरावर यर छैरा तूर हीर रा यर छे तरा 到れて स्यार्शक्षक्षक्ष्या स्थाद्वायवयाय्याक्षर्वाक्षात्वार्वाक्षर्वस्था हर। वर्षाक्ष्रिका क्षेत्र क्ष्या प्रकार क्षेत्र क्षेत् श्रीरातात्र्वेत्वा त्रवाताया पुष्टुते सूवायस्या रहररायते स्वितारताची त्रेर 'स्वाववर्' र, सेंब. (वरेंबे) वस, एकर. धुर.में. यूप्र. सूर.बिंड. खुर. प. र मेंबे स. नार वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष क्रेंस् व'दक्राराभाराभार दिवस'द्राम्त्रास्य स्थायद'त्यववन्यनद्वेद'त्वक्रायः न्यहेमने हेट (ब्राया) सम्भाद्वाया विने दम्कलात्त्र मान मुदे तावरकादर व्यवहिक स्निन् हिल्यं देर त्वी अ(त्वीताः) हुं न्या देर हे विस्वता र्या देश हैं। स्या ग्रेट तर केया (इस) नरा। श्रेट्र रवत वर्द्ध म्या कर (क्रियकर) स्यार्क साथ र्वः हे ता (रवः श्रुदः) इरदेव। श्रभागः वर्षः हे नः वर्षे वातुनः कुववाययाः विकर्ति । वर्षः नर्ते नर्वने राया हुया यर व्यापारी म हुर्वय सर्वर मर्दि। रेम शिराय देशका समारितरिकास्तर। जिला समारिका सम्मिन्ने पर दिस्ता सिने म्भायत्र विकास्तर्ते। अद्वाद्व हें हें हें हें त्यर का मेर् म्भायत्य हो है वासामित ति हैं शिलार्सा श्रुद्दर अग्रमा सति दर वेश हे हुव मम्मराउद द्वात कर मुहर विति भवता र्न द्रश्चायय। व्यक्षाया (अर्गायमा) द्रश्राद्रश्या क्रिया विश्वा क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क् · 12,72,1 शर्कात पर्वेद्यातर् हराहि करिया है या हरा है या हरा में श्राप्त करा है। या न्यातार्थतात्र्र्वत्वस्याः भराभा द्रार्थातात्रे दे देटम्बिन्तातात्वा व्यापा उदारा है। वह वार्षिक के विश्व किया है। है। है। है। विश्व के वार्षिक के वार्ष्ठ के वार्षिक के वार्ष्ठ के वार्ष् सर्बर्यायम् नर्वे गिकाक्ष्यक्षेत्रकी हु। शुंकिए हे से ति हैं ते है ते हैं ते ह रद्रद्र्यं अभियात्र। किर विवादा के अव वहक्षित्रे । वा किरि द्याय के खरानेद्र। अंकेंबें। अधुअद्भवादाय। श्री ने द्यार ने द्वान्त हुद। |द्यार वह्या हुन अन्यत । मलकात्रवाहरा विकालाहराते द्यारवरुद्वात्रमा । द्यारामः स्वकृदामालकाहरा

म्। रिवक्षवाक्षमः (हराक्षः) देवाक्षेत्रक्षः विदेनः (वेद्रमः) तदः व्यक्षद्वेवः (तर्ववः दिवादः) देवादः विदेने । देश्रवाहीरद्यानद्रात्वद्रद्वभवा विभागावतःभव्ताहाः विवासाव। भाषतः विदः रादश्रात्राता (अपरावधेव अदश्र विकाशिकात है। चेद देश आदाक देवा ही चेदी । अधिका एक्टार्श्यन मिन केराज्य लिया तर्या विश्वास्था विश्वास्था मिन के अल्ला हिमास्था मिन कर्ने ति तत्र मेर् विव्व ते त्यारेट अर्वे त्या तर्वा रगम्बिट कर्यते हा वारे विक्र खर्रातुअनुर्यत्यार्यर्यर् । किलेश्वरकेवअन्यनायर्ग । विन्देशके क्षेत्रकेव क्षेत्रकेव न्द्रियास्य श्रुद्दर्गास्य म्यान्य विभयास्य विभयास्य स्वर्षः स्वर्षः । विभयन्त्रम् द्रम्यास्य भवा वदः विभ तर्क हिनायते सारारे रावनाय। हिरावेर यहवायति सेन (रेव) र रिराहेश र्थताताकी शुरानेता । दुवाकी शकुरास्य तिवा तत्वा । समिनिरातकर यति स्वा केरादे । देवार्थे। यदेवादेशास्त्रेरायदेवीकेवारेद। स्वतःवाववेतः अवावदेव प्रावेदारम्बतः स्वादेश चर्वार्त्यात्मक्याः श्रद्धाः मर् । वर्षान्वेशक्वाक्षम् वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः तर्वारी दिरहराद्यत्यात्यात्यात्रात्रा । वीद्यक्षावित्यम् तवातर्व । विविद्यद्यस् (माउरकरे) नथातात्वर्दे। विदेशरेका केवा नाउँ र वन्व याने दा वित्र देश देश वित्र हरी। रियत वहें वीरा तावा असे वर्षे ने पर की। विदाय तावर विदेश हैं में रही वर वर तिवी था मरिष्यम् स्वतंत्रम् । वार्ववाधिर वार्ववात्मक्षाते तर्व तो वारास्का भिक्का मर्म ८८। १८८, विश्वादानार मूर राष्ट्र १८८ । १८८५ मि १८५० मि १८५ में १८८ में १८८ में १८८ में १८८ में १८८ में १८८ में परीकार्री । दे.श्रुवंत्रकारादरं पंजरंत्वराद्वरः। । द्राराद्वावाद्वतात्राह्नात्राता । हःकरः याली रिया नेर हर्मा दे हिर हर राया था। कुल ये राय हर हिरा कला तह्यारी भारते। माववाभर्यार महूर इसरारी थर से मारार (वात वे माया या माराराया । विस्त्रिय विरा म्रायास्य अवादरहुवातायवनुवानितहुव विमर्भेदरादरवामारेववातवदूर क्षेयर्वसर्द्धा रेनेर में श्रूर नेर विद्वार केरी केर्तियु वर्व । रयत वरुर नेशर ताह कर में सुरार्द्रया श्रेट के गरेनाया यह कर्ता गुका सराम श्रम सहर व द्वा मुला त्ये मर्ते दरावस्त्रा गर्दा विटा) हे त्रवामभयस्य वदास्र देवा यते दराद् द्वाराध्य वाते वावशाला। स्टार्शः इवाशः स्टराद्यां नेरायवाश्वादे वास्वाद्धं द्वाः तारा द्वीः वर्षाकुर, वात्रान्दर, प्रवा (वर्षाना) नार्षकी, त्यात्री, कवाना, दर, वडना, दर, न्यूर, नार्ष, कियो भाष्ट्रभयास्थात्वर, किलात्ए, सिंगांत्रमालर्थात्वर, देशक्रांत्रमाल्यां सिंगांत्रमाल्यां 

गिक्स् अध्येष्ट्र हैं। छैं।। র্থথা शु त्येव धरि अर्थे अर्थे अरेदरे। । नवा तनुक्या यह से क्षेत्र अरेदरे। विद्या तमु वहें र्श्चरम्भासाम्पर्दे । श्री त्रांभा मार्थर (मार्थर) मुन्ता त्राम्बर। । रहम निस्मायमा वरिः वे म्यारे । रयुवयायुवार्डरकेत कुर के वर्षे । यसवर्रर कुल य नायवारा का श्रीर र ने अग्रेशिय विशा रे श्रिम श्रीर । हिंश म्बर में स्वार है या हिंदा । हिंद स्वरा है या देखा स्ता। ।हेंत्र. त्या स्वा । वस्ता देव्या स्वा । र द्वा स्वा । वस्ता वस्ता निव वता देव्या अर्गे.य. केंग्रां(वर्धेंग्रां) ।कुरं.वार्ग्रान्त्रं, यूरं.वार्ध्यत्रं, वार्थ्यत्रं, वार्थ्यत्रं केंद्रं मान्द्रत्यम् (मान्त्रम् विदात्मा विदायम् विदायम् विद्यम् येला । अमातहें असर मते मुलदे हुदा देश अर मति हैं महिल के से महिल क्र. श्रेम. डिम् । श्रेमके द्रायाम द्रायाम् द्रिम त्रायाम (ग्रिमके) द्रमाता स्वायता (वर्गा भर देवां शक्त रायं दर भरवता । तके भर देवता रार्देवता रार्देहा । दवाना रेयं वाता रेयं व क्यारा स्वायास्य । विस्तिक वासाय द्वा । श्री हे. यत्याक क्या में हे । विश्व विद्या प्राया । विश्व विद्या । विस् -विश्वासन्ति। । महाह्यात्वावयात्रम् में वर्षात्रम् । महस्य निम् वर्षात्रम् । रक्षायाका विकाम विकाम का मान्या विकाम का मान्या का मान्य याविश्वस्यां भीर्मे अना विशासनात्मा सर्मित्र स्त्राम् द्राप्त स्त्राम् (कृषः) र्भवास्त्राह्या । क्रिंदेभर क्रांभरवाराह्या । वार्थ्याह्यां स्वां देश द्वा । देशवाः क्षे. द्वा. इ. द्वा. शुभा सुंदः दे। | द्वांभेदः स्था दुः भावा हृदः हरा। । वा शुभा या छा द्वा या हेद 目の一部多知可以表出的的人人。因的「」」「まれるかいいまる、から知る人人人自己」 हर्ड्या शिर्द्रमार्द्रभव वर्द्रम् कर्षेत्र । स्वरक्ष्यभद्रत्थे (श्रीया) श्रीकर्त्वहरू क्रार्डियावित्रक्षेत्र, विकायदेय क्रिर्ध्याक्ष्यात्रात्र क्रिर्धियाक्ष्यात्र क्रिया ल्यातालिश्यात्व र्वा तक्ष्यायाय्वास्य वारास्या विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य र्गात्मरमा र्वत्यम् द्वामात्र्यम् । तर्मात्रमा । तर्मात्रमात्रमा । तर्मात्रमात्रमात्राम् मे रहा। में सैवांशरीं वादालरं अक्षा वाद्रामध्याता भाषद्वा के वाद्रामध्या वाद्रामध्या भाषा वाद्रामध्या वाद्रामध

कुराज्ञमान्त्रः भाराज्ञाः स्वास्त्रः स्वास्

येथ्रासा (रेश्रमा हरमार) कियार्य हिन्सा क्रियार्थ विषय विषय हिन्द्र रेश्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या म् ब्रि. तथ्य में बर्श्वकिरश्रद्रात्रह द्वरायक्षां नध्वित्रायम् पर्दश्चलास्याः म्हर यादेशकाराम्या वर्वान द्वाराहराम्या दाले द्वाराव मान्या के ने प्राप्त के निष्ठ क यालक्ष्यां नातः से कुराकुरा विष्ट्रात्रक्षा एकुरा रहिला रहिला स्ट्रिक सर्दर व क्रियाने राजा निया रभम्हिल हैल शिल शेल डेरहर श्रु व र त्या है वह महिल हिर वर व है। वा वारे वारे विहर थेव। महार्यनाकी सतायरबीकी राक्ष्रवाबराहमा राज्याना दें वा दहादना प्रवाकित के वा सुद्राव्य । ब्यामा हर वातर दूर दर वध रद दिविया। विवास रदाही के विवास कर दे हैं विवास मझरेंडेट । राटारीमें के तार्या र मा त्या त्या त्या त्या स्तर में हिंदी हैं तार हैं ति हैं हैं हैं हैं अं.ज.र्य.क्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रम्भेत्रमाहः (मेत्रक्षे)अर्टनाम्यारं वर्षाता रवःवासर्दिनेत्रः क्षे. रूपारार्गराज्य (म्प्) मेंवा. अरेर. रू. अस्री स्वा. य देव. य देव. य देव. य प्रा. कुन्(वकुन्) मेट द्वायति श्रुप्त क्रिंग करा या बदमाशुः तत्वा क्रिया यति यद्वेर वसा भन्ना होता भानीय र देत होने का प्रता है। स्रेच कर हिला का स्टिक के प्रता है। सर किया है। भी का प्रता के का कि श्रीट.त.येश्रायाता श्रीर.ह. हिजायहर (मिजायहर) कि.का.च.र. सेट.येश सेर.वाट.पर हैंग कर.जन्म.च. परे द्री. इर.हर. यी. एंट्र. के र. थरण स्था म्राहे। क्रियाचम् स्रवाभागरक्षण्यात्वेत्रा । व्यावे । व्यावे । व्यावे । राम्नेवर्गास् त्मवाक्षेत्रम् । तद्दर्भति दुस्याम्बा स्मात्वर्गा थाराज्यविति स्वाभिनेवर्गा नाम्यास्य वर्ष्यं वर्षान्त्र वर्ष्यं क्षेत्र वर्ष्यं क्षेत्र वर्ष्यं वर्ष्यं वर्ष्यं वर्ष्यं वर्ष्यं वर्ष्यं वर्ष्यं अ. या या ४ देश में . यो त्यारेश ४ . ध्रायामकिवाला । अ.किवासराना या शास्त्री केरवरम्यम् मेर्यातार् । र.म.हेम्केषायामभक्षात्रान्ते। र.म.थ्रामायान्त्रे। र्या जात्रद्भर धरे तस्यावरता विश्वराधि वर्द्ध दर्भेया क्याया । श्रम्भास्य वर्षि की ही टकेंग्राता । श्रेर विरामते से दावी जाया हुया र । विष्य द्वार वा करि वर्ड दुर्ग देवे। स्टाइलप्रतिहरं यं न्यायारहे। विशेषा वेदान्यायाद्वा दे वर्षा त्याप्रदेशका स्टाला स्वार क्रिया मेर्ट्र । क्रिस्ट ला (स्टलाया) होवायते वर्ष द्वार वर्ष । विस्तास्य द्रश्वानानाम् । स्वित्वानाम् विद्यानाम् विद्यानाम विद्यानाम् विद्यानाम विद्यानम विद्यानाम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद्यानम विद् श्चरक्षेत्र। किरालाचार्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात् द्रकिलास्तरहर्म्द्राच्या । व्यक्षित्रम् क्षित्रक्षेत्रक्षेत्रम् वार्येत । तथाद्रमधेवास्त्रम्

पालाश्च तिरक्षित्र देशक्षित्र । अरक्षित्र वर्षण्य पर्रश्चित्र वर्षण्य वर्षण्या । विद्रान्त वर्षण्या । वर्षण्य वर्षण्य वर्षण्या । वर्षण्य वर्षण्या । वर्षण्य वर्षण्या । वर्षण्य वर्षण्या व

साम्याः स्थान्यः स्थान्यः विद्याः स्याः । अस्याः स्याः स्यः स्याः स्याः

मि. मार. पा । जिथास्य प्रवेशहर्या तथा, अववे (परे न्यूरा) । में हिंदिर तार्वे व स्थित प्रवेशिय स्वयं प्र का के कि कर स्थानक वन्तरा विश्व है है है ता सिवा के बेब ने विश्व के के कि है । स्वायावयात्याः । द्वाद्यायात्वः (ता) स्वायात्यात्रः । मार्डिक्षमः इयवद्यां स्ते क्षत्र के वा (ब्रुका) प्रभाग न हर्द्य (ब्रुद्र) । विद्या कर्द्र क्षेत्र का ता की द्वर विद्या विद्या चराश्रक्तियात्रेयाः (प्राम)करा तासर। । यात्रहुता देरास्य सालाश्रर। विरास्य सम्म थ्येव त्या । विक्र थे तर्ते न हरे (नर्दे) ता श्रुवा द्वारा । विर्वे कार्य प्राप्त प्रवेश रे राक्तिकियान्त्र मिन्नियान्त्र । क्षित्र मिन्नियाने मिन्नियाने मिन्नियाने मिन्नियाने विकास मिन्नियाने नेता भिर्मेर्या (वर्मेर्य) हुर एर्मेर (वर्मेर) ते रेता । तमस्विराया रेर विवासिरा रेरा नास्त्रीर यास्त्रीर देगान अवट स्रववा । देवना सुम्म मह अला की वेव ले । खेनादेवन यास्त्रीता पर्वरमञ्चारार्। ।तराद्धम् मेर्द्रक्षया श्चर्या । श्वरम् वर्षा वर्षा । रहेर स्वराध्या । (वर्षानी) द्वाया । (पाष्टितेस वं रोटस्व दरा) । दार्ट्सावित व्युष्टरदरा । वर्ष्ठ्यायतिद्वाः क्रे.से.केज.८८। । यश्नांतर, धु. एवेअ.८२.फि.८८। छिअ.वे.ए.८त.४.८८८ (क्यांवेक्प्रांतरता. भूर रहा)। विल्येय (वल्य) क्षेत्र देश यह शाहे द्वायह । वास मार्थ र छ र छ र सद्ये ये दा। रेश्रेवःश्रीरःरभगः वरःग्रदःर। व्रिट्वेश्यकेष्ठ्यस्यारःरगरःश्या । व्याप्रशस्यायः ग्रादः र्माभेर। ।।उदा भेरहर तरम वर्ष भ्रांक्ष ही रे हम सरका या श.एसीरा । यर गरारद है एसीराम्याराज्यर राष्ट्र (देवायादर है यायादर है याया है अध्यास मार्थिय याद्यः करावराद्यात्रात् । दावके वाध्येवाकरास्त्रावयास्त्। । यन दे ध्येवाकरान्या म्डे.(ड्रे.) शुरुतार्टर के.(रटकेर्.) रुट्वराजवा के.यूट्वलायशितामुर्वर मार्था (क्रिम्) र्वे देशा मस्तिवतात्रे । पहुरवंशास्ति ताल्र्र्ये छर। विर्धास्तिवता सुर्धिता कर्रदेगांभर। १०रे (के.) हीरयह रयह दयह वर्र में में ता । निवान के हैं के हिरायह वर्षे म्रेरी विस्त्राधिद्यता ये से स्रेर्जिय। रिस्ट्रिंग तहर से ग्रेग गरा हर न। रिस् पर्दर्भ वार्ट्र स्वाहर नेम्बा । त्वा अह्व कुर वाडेवा कर सुव द्वा भेरा । १ छ व छे । हुर हु। लाश्रम् । देश्वन इत्रवस्तरे व्यद्भेद्री ॥वेद्रन्दि हुवायां के यदे यदि के वाहेद। क्यां यं श्रेरक्रे थार विवाश रहिवा यायरि र राम्या पुरशाय। द्यत पुर्द क्रिया वर्षने (गराव)/२८ हीरया इस्राधिक देश है पा है या है य क्रर्या शर्य दे दे से बिट बिट , पर्रिया दे वा ये पर विषये (अवेव) रेट था हे , य विश सम , बरें प् ।) शुरु लाहे व्याध्यातीर नेर। । शु (930)) क्राया मुर स्वाप्त्र अभागमतः तेव। विभागमतः अद्यतः द्वारा भेर्यति । ह्याः तेवः य

247

) वाशत् यर.संदाप्वालावरा.एवं वरसेंद्रस्तामायहमातप्रश्ची वि.एव.तासम्बित्रहर वरास्या । राजाविष्ठा एक्त्रवह्नव यहिता हिल्ला राज्या वर्षा । र्दर्र यह करित्मेया राष्ट्री । शुक्ष्मेन एहव राष्ट्र हो विश्वास्य हो में अहे में में व स्वाभार्यः । याविवाधरके रावमा । भारतियारियारे वाद्यामेर् राक्ष्या । तह्याद्वीटकुतायात्येद्ववायावी । वाखवायाविकाव्यद्देवाकेद। । द्यार्थाक्षावी सक्तिर्दा ।श्रीटाराश्चर्दावायेन श्रीवाहेंस्। रिभन्नया यन्त्राता स्थान्या ह्या राषा स्थान रा या व व के न या त में दे दे । । अर्दे श्वा ही हो हो व के प्रा । दे अवाह वा वा के रा व कर्णा (म्लाम) परी ।रदास्रेर्क्याव (दक्य) अध्यव है। ।रव वेदा चर्य के वर खर है। । पर्देर ववात्रकेत्रात्मक्वार्वात्र्याः हरा । यास्तर्वर्वात्कर, यार्केटारी । यायाः सर्वार्धियाः हरे.शु.रदा । अवए (अवसर्) अरक्षक्यत्र देवेत्यत्रिक्षेत्री.दी ।दावर्षेत्रकारां व्यरः वरामभेद। । देव हे खर थरि देश ला । देश हे में खराव में में लाइया। निम्नासंख्या म्.प्रता.त्रांश्री. ल्यात्र्व । व्यया वित्यात्रुता द्वातात्र्य । त्या वर्षः स्व व्यायावह्याक्तर, मध्याक्ष्याक्षर, ता. (अवा. हाराजा) हारी ।रे.शहर.ने हारिकाल्या वेया ह्या (अहा) विराधा इ.क्रिंग.रूरी रिश.एकाए.अब्.ज.इस.एकाए.रअपी दि.च्रें-व्राट्मां प्रिंग्यें के व्यापार्क्षका वी। । तिक्षराकाराया देशमर सिर्नेर। । नेता तवाद वरेवाता में वा तवाद वस्त्रा। विदः ्रिक्षिय। क्लार्ट्स् ब्रिंद्राम् श्रुंत्रेश्वरात्री । लाह्रास् झाले व्यत्रद्राद्रम् विवानेता । नेतालवातः 1947 द्राः ताक्षत्रेता तद्वाराचेता । द्रचा यो तद्दन्त्र वन्त्र र व । विरद्गारः रासिकारियारीयार्था । वातिरिरयवयात्व्यरात्व्यरात्रा मिर्यवाराध्येव देशा । त्र्येश (देश) यथा कर रर रवर हर् रेना थेर। रिहर ग्रेंद्राप्तरा राश्चितात्व मिया(ग्रेंगारमण्ड) होवेर्यर हिशा होश्चरत्री किया सरक्षर हिरा भूरी माड्यास्यायायात्रस्य । अद्भवायाम् दुःद्रास्य मन्द्रा । यस्य तः त्रभयायायाय्य । क्षरार् क्षारार्विते क्षारार्विता । विवासरम् विवासयात्वहर् में क्षारा विवासयाते क्षारात्वहर् में द्वमा व्यायात्यात्यात्या दिरामर वर्षम् वर्षम् ह्या ह्या वर्षा म्यायाव वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा रवा याल्य ही वारेका मेर । विकाम कार्मिका कार्यका वार्य म्या । म्यार्गरक्षात्रकेत्रात्रकेत्रात्रकेत्रात्रा । दरःश्वर्थरकार्यः वर्ष्यः दरः । म्यार्थकारा

एवाँ ते वहर घडला के तर वहर वह तर है की विकास वि

श्चिंत्वे भाक्षरका याष्ट्राता सक्षेत्र । श्चिरको सम्द्रवृद्दत्रस्य मुद्दा । दवा व वृत्वे सम्प र्भाषायाकेश्याम्बद्धरा(अहूरा)। रिरायाम्यायात् सिकिलायम्याम्याम्या भारत। विकल्यक्षितं विकालकार) प्रती विकालकार) प्रती विकालकार क्षेत्रकार क्षेत य्यव्याद्यः केव से हे अध्या विदर्यव या के में अप विवयत्य विवयत्य के हैं। दर्से में येशका | श्रामट देशकार में जारकार । कासकर र जार के कि विराधार में द्राम्यात नथा तत्र्वा । अ विते र्येन य प्राप्त हर मेरा वितर हेन स्वानुहरते तर्म अर्पेर्ड । यात्राचार्यायात्रियात्यादे। । अत्यविद्यंद्रयं मास्यास्य स्वार्थः स्वार म् रातास्त्रास्य । महीदानुति वदानीता (न) यदानुदा (नेट) दरा । दयता वदुदानिना ने 大大·聖人·英·(知東) | あり、大大・「は、聖の、大人 」 あて、とからで、「日本にはなべる。 राभाराख्यात्वर्द्यर या श्रामा निवारत्य । व्यामा भाराभवाव र्यो येते विद्या मेर् । व्या स्रवास्यान्त्रे व्यातः स्रा विद्यात्रेत्। । यद्यावावान्त्रेत्यातः स्रात्वे व्यात्रे व्यात्रे व्यात्रे व्यात्रे ल. परेच शिक्षणचित्रक्षर, र्वेच. प्र. परेच वित्रक्षर विश्वर वित्रः)। हिट्यास्थाकिकात्त्व, यथकात्त्र, प्रह्मेर । यथकाकाकात्व्यक्षेराका क्षेत्रका विवासीरायः वसायम् वर्षात्रम् । त्रवरायम् । वर्षायम् । वर्षायम् । वर्षायम् । वर्षायम् वर्षायम् इमसा शि.च.श्वाकरमाजिसमानिक्त्रिका शिक्ष्यिक शिलालानी शिर्द्राय पर्देशिया क्रिअन्ता । विरक्षित्यत्वित्यात्र्वेवाक्षेत्र्यः (अक्षेत्र)। विष्युः व यद्यात ीन्तुःस.व.स.देर.वारीकार्त्यःस.व.स.स.स.वारीका) विष्युवःइषुः विवात्विकारः । पार्ये

स्वरापर। किंत्रावावशास्याकाराष्ट्रवाक्षाः व्यवः अहे त्यानातावार्यम् नेर। । यार्थित्यतायि का विक्रेशि । वित्र वा क्षित्य क्षिताय वा विक्रिया । विक्र विन रे.र्ट.ल्य न्यान्तरा । त्यान्य राज्य वित्रास्तरात्त्व विष्यां वित्रास्त्र वित्रास्त्र वित्रास्त्र वित्रास्त्र वित्रास्त्र वित्रास्त्र वित्रास्त्र वित्र " राह्यक्र र या में में र देन । यह अही हारो र के में निया या । विवाद के में र में र में म् हर्मेन्द्राता विष्टिः क्रिम्बाकितार्म् त्राच्याता रिम् व्यवस्थाता वर्षेत्रप्रम् परी न् थर: हीर मेर हैशायनवाय। विवया क्रिक्त मेर हिर हैं वदाय। रिमेर के केर एक्ट.(अक्ट.)ड्य.शुर्व। धि. (ब्रेट)र्स.चड्य.क्रियादी.र्युक्ता । ८. देवेशयाता.वर्षेत्र. विद्वानिष्टावा । तहीट खन्या हर्गेरा हरम्या । देशेश्यक्ताया खन्या खन्या हरा । रशे कर्षाया हर्षा स्वादु ततुर। । याहवाया रा धेव याव के वाववा स्वारः । । ता वा तो वहाव अहरवराल्यदा विद्यात्र, क्रेंन. रामान्यका रिलयात्र वसूरक्टरक्राक्षात्रका माराया माराया । वार्यं में त्या निया माराया । वाराया वाराया । बिबाला हिला । इन्नेवर्ण अब्देव लाट्य के लाटा । नेवरण ति थालाटा हिना । वन वस्त्रः (भगस्व) ठारतः श्रीराः सः रहः (सगम्यः) । वहः। । अक्रमः रगमः नातुकः हुनः हुन्। । वनः र्गान के अर्द मुस्या से हिया । विवादगर्दर मुं (दर हैं) एवा के हिया भिर्म की एव असन्दरदुन्यका भिन्नकेराः कून यते हुता दुन्य । दिहेश मार्थ नद्यां कर मार्थिका र्वाअविदारायम्। (ब्राम् क्रियामा स्मिनारवारावरायम्। दिनारेर मक्रें देव हु। श्रें देशरा। दिवाचेरहरा द्वारे देन द्वर वादवा स्वायारे रर ती रायमें द्वरा अवर कर यह स्थते मुख्यारे र राष्ट्र का रारे वर्द मुख्या खुराड्टेर'यर'वर्ग् हिला द्वायोर' त्यारु द्विकरा'र्ग |रेर'हीरथ हेया हेया स्थाप हे अहर रा हुता 打型・シュをあれるいと、 とは、子子の一日の、これ、日、(型)ロエ、び、「日、エアイロと、日本年日、 29/21 यरान्त्रास्त्रास्य (स्वरा) याथेव। दिन्द्री मुन्त्रिता वरे खुता व्या (वे ता) वर्षे द्वरा स्वरी केंद्र महत्य। यविश्व व्यव्यास्त्र स्त्र स् मित्रकी मिताया वाराख्या (क्या) हुन हिर तर्व हैता त्र वह ता या वह ता या ये प्रत्य या र र प्रदेश र या र साम्रातर्भायर द्राट वी द्राराधार प्रवस विवस विवति म्याया है से दे वी (र्थ) माम्राया र् तर हैं। हैंर्र रा है। वे त्या छव (हैर छवल) किया प्रकार के प्राप्त के प्रकार के प्रक क्षित्या राज्या राज्याहे हिंगझभराक्षर अक्ष देरी तर्चा र हिंदा हर विद्युक्त सिर्वर्ग

र् स्वया। विश्वास्ट्रिक्ट्रेस्ट्रिंग् क्रम् लवाव क्षणाया वाक्षात्म । वाक्षात्म । वाक्षात्म । वाक्षात्म । वाक्षात्म अस्रदेशवे.दे.६्यी.लु.वे.च्र.परी.चा शेवा अस्या त्रास्ता त्रासे पा ही देश राम स्वासे वा क्रिअर्र के (वर्र के) रे विभाग के वास्त्र वाद्य रहा अर खेश के किर वे रह बे वह मिलान स्वारा थीवाडी |रिते विवारी थार की तर्वा यस द्वा यति ह्वाराता हेवार देवा हिरं (रहरं) वे वदवंश कर वेश रहर (हर) । अके रामभेर आरहेर था एका भर वं अर्के देशने : यद्शे दव : शे व्य (अर्थ) रा तम् नु दुर्द्य धिववश ने धिव द्वारश दुवारा में केंग्राहु व्यद्भवता ने राम्मुलायां की हार्विशाम में राम्मुदा केंग्रामुदा केंग्रामुदा केंग्रामुदा केंग्रामुदा क्रिक्टवारेवा है स्थानेशनेवाया वायेय दे वर्ष स्थान स्वास्त्र स्वास्त्र है दे वर्ष दे निर्देश तर्थ सरस्य। खर्डियायदेक्श्रेनिष्ठास्या तत्रम्बर्भाग्रेन्त्रम्बर्भात्रःस्य वरारे वरववन इतायके या देवरा देवरा के वरा के वर्ष रा.स्याविका.में से प्राचिता प्रत्य होने स्था किट्यी किपायरि एक्वा रे प्रवश अवश र वि व दे. पर्णायवर्ग के देवा देवेंदरा परिक्री के अव (देवाव) दे. देया र हिवास ता देवा परि (वस) रे,रेब्रुरम, विश्व क्रि, इंडि. क्रिया क्रिया कर क्रिया कर के विश्व क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क राशास्त्र श्रेवः(अक्ट्रेशवरे) क्रियाचे यरास्त्रवशायराने रामिश्रिक्ति हारा से देश ताअक्ष्मका । वन्त्रार्थ्येवस्त्रता सुर्वः रे क्ष्मिर्दे वर्द्रं देते । वन् । यन् ने सम्यक्ष त्र त्यार र त्या विषय । स्वार्य विषय । किरबक्रेर) तार. पादमात्रर. प्रकृता रविया श्री केश में में प्रकृत क्रिया केश किए। कर प्रमान इक् द्व मा मा ही (क्रिया) क्षक (अवराज्या पहुंच परि क्रिया दर) मि का वर के कर्ने परि के कर् दर्भत्यां अति तथ्या हर्य र्योदरा हर। हीर ख्रामा श्री श्री का हैन हैन अहुव अहुव में वाद्रायात्मेर्ड्रायर मेवलार्रा मुक्तिर्वल हिरार्ग्यावना अद्याल स्पूर् र्वाया देनस्वायानुनास्य दरदेनस्य द्वायान्तर्भित्रस्य के सम्बन्दर्भित्र ्राष्ट्रचरादराचरावाव्यव्याक्षेत्रव्यक्षेत्रवा रहितर्थराधाताकाताव्यव। दरम्हरम् मभरास्त, कर्कर र्षेत्रस्थात् त्याय क्षियास्य तायर् म. कर्त्रथ क्षा सर् से म. क्षियंद. वर्गर्दर्ध्वाववदाक्षेत्रीतारुष्ट्रा तवतत्रेतात्र्युतास्वार्याचेर सतादराष्ट्रारा क्रा श्रुव चढराता वरे बुदर्श क्रवाया दादवया केदा (क्राकेदा) देवाया श्राप्त स्वीरा

दवःराहः ताषुताःदरः शहेदःभवःराःतरे तर्भेताःतरः वे न मेर राहिताः (अक्रेगः)वरवरहेत नालभ्यास्यान्याः केराम्याः सम्मान्त्राः विराहिरा विराम्याः विराम्याः विरामाः सम्मान्त्राः विरामाः सम्मान्त्राः शर्यशाराधुः स् द्वर् स्था (ग्) पर्याया दे स्थित रार्टर। हिरशु देशश्चिश अहर श्वर हिरश क्या श्रुव रद सुव देर सुरा व दर्भ श्रीद की द्वार सुद दर्ग हिर व राष्ट्र स्था स्था स्था रहे र हिर है । न्या के.चर श्रेवासदर लाटका (लाट) जिन्न शर्त्य के कर विश्व श्रेय कर श्रेवा के सकर श्रेवा किया के संविधा के संवधा त्र्वाचरष्ठारवर्ष्याश्चा क्राचारवाच्या (क्) यटास्वायाता व्यक्ष्यव्याप्रमान्य युवस्वरा दर एहट्यां हेवा सुव। द्वायवत्वरा यदि वाह्या है। तः दवर यदे शेवादर विवाधित हेटा हे किया ये विद्यास्त त्वासर् वास्त्र वास् सम्प्रास्टा त्रीपद्यर त्रकेष वता केंद्र थरा सूद्र वर देवर हैंदर हैं दर्श हैं दर्श हैंवर (वर्षेत्र) हराराक्ष्राक्षेत्र देव स्वारास्त्र हर है ज नवर भी जेव यह र प्रार्टिक द्वावर स्वार्थ मरत। भूवः मं मक्षा तर् हेर भर सम् मक्षा स्ट्रां अक्षेत्र त्या क्षेत्र विते । महर विष र्म.के.चन.म्.रद्वाराम.के.बावेश.किर.स.विवासकेतात. प्रत्ववस्तरमें इमेरी उम्हेत. दे। व्यत्ति हे ने से सम्देश हर हेर दे र ने याया ना वाव वा में वा का मान के में के ना है ना कर में र सरात्रार करात्र अविकासिर स्यूरा दुलाई स्थात्र के त्यादा से दल व कि ता स्था न्यास्याः म्याधान्यात्रस्याः स्ट्रास्याः स्ट्रास्याः स्ट्रास्याः स्ट्रास्याः मुग्रा राते ख्रासहर्द्धर खेवरावरा तकेवरा (केवरा) कर मेर किरमेर) येर या व्यर पति रार्दर क्रवला क्रवलार्टरवा द्वार के के क्षेत्र के क्षेत \$ 01.57.89.51.87.684.41. N.891.5.87.694.50.5.84.26.21. कें में बेर यति क्रिंट हैं केंद्र बेद अद्भाव कि कि अवादा के क्रिंट तहीं के रहा है खेद हैं अद्भाव करा। 18:08×8×8×8×317:030×25,11500×105×20×105×20×105×20×10×2 क्षिट्या द्वा अक् देश क्षेत्र विश्व त्रवाधि तस्ट केश्या विषा प्रदेश देश स्वर्ध क्रां श्रद्ध रहा दहा हैदा कर बार् रात्र वर्षे tostretch. न्रास्यादेशक्षायात्रास्य द्राधियाम्ने सम्बद्धाः स्वास्त्रास्त्राः स्वास्त्राः स्वास्त्राः स्वास्त्राः स्वास्त र्यान्ति एहें दर्रता श्रीतान्त्रिया स्वाध्यक्ष्य वह द्वाश्वास्त्री त्याया हर करेंद्रे त्या क्रया रतिर राष्ट्रिया स्थानुर देश्यां स्थाने हें माने स्थाने हें माने हें माने हें माने हैं हैं माने हैं माने हैं माने हैं माने हैं म 

हराअ.८९. एय्याद्वप्त स. रे.या.जा । छ्र.८९ च्याच्यात्वर,रया रे.यूरा । ख्राच्यात्वर,जाहवा ज्या

सूनायति खड़ यासेट (लट) दुशकारा । अस देवायति (तनेवायते) तद्य नक्दर्राय द्वाकार्।

र बुद्या

नेनास्यावराने तहिमारां दे

ल्यर र्वा भेरा । देवा द्वा वदकी तहुं अने रहें। । द्यं व सा ब अ तर् व व द्वा स्था नम्या । श्रीरव देवां के प्रायति । विसारव देवां राज्य राख्या । केला वार देखेर ल. हर्। । काराबा अर की भर राम गाहर । रे. देर श्रे आहे. आर्र जार ता । दे. यार हे अहत देवा वस्यादः। विदेश्वेव तहार्यास्य स्थाते स्थाते स्थाते । स्थित के साम्यात् स्थाते स्थात । स्थि अरात्कर्या में देर (गर्ने र) वसाकेर्। किया होया सारा पर्या हा सारा हार सह सह त्या । कुर्वतात्र्रे । वस्टर्डर्रियर तर् से हराता । के वा तहरा दे हुस्राता र र र र र र र वास्त्राचार्यरम् १६१६ १६१६ मान्यान्य । १८६ मान्यान्य । १८६ मान्यान्य । १८६ मान्यान्य मन्या । वर्ष्य वर्षे महर महर महर भेरेर । व्यादवल मिन के साम । र्मेर्द्रवा । विर्वेद्वा । विर्वेद्वा । विर्वेद्वा । विद्वा विष्य । विद्वा विष्य । विद्वा विष्य । विद्वा विष्य क्रियायान्त्र । विदायान् (छ। हा) में रार्भरायस्य हाला । नार्ट हर अ अ दुवस्य क्रिया हैं तर्युयत। विक्रिश्वरे दुरा प्रवास देश है। अदत है अस दे दुरा हिना दिना देश शवार्षिक्षाः (रवराया) तवावातात्वर। विष्युः तदेशायदुर्वति । वर्षेत्राः तर्वा छेर। वर्षेत्रः वर्षेत्रः तर्वा छेर। वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर् कं छर्थर्थत्व न मान्या विष्विष्ट्र विष्यु केर्य हैं देश्या विष्यु केर्य केर्य केर्य केर्य केर्य केर्य केर्य केर्य रक्षवार्यरम्य के न्या कि वर्षे हिं ते व ( १ वर्षे ) वर्षे । वर्षे । वर्षे । वर्षे । वर्षे । वर्षे । एहर शहर ते। १६१ रवर्ग में अह तर्वारा । विर्मर राम्य के राम्य वी वहरत्यन्य त्रव्यत्रात्यवाराके वर्षात्य राष्ट्रे तार्या वाराष्ट्रयार्या । निर्दर यराव (गर्मव) ता खर यम्भर। । खर खंदा कुति धर सुना ता वे। । यस व (गर्मव) व्यव नुवा अर्के ते वर रहेन अवअभी हेरा। वर्डिट्डर्र्येच्यात्रम्भक्तात्रकेत्रं (य)क्षेत्रभावकाराः हेर्यस्राधाः म् अरम्ब्यावशास्त्रिर्वर्षात् तर्ह्दारम् तहेदारम् ता स्वाराधान्य । द्वा अक्रदेति त वा वा र्वे भवन र्भर यार्ट में की रहें ग्रेश चर्या है वार्य है विवर्ग र्वा अर्थे तार कें मंदर दा ताव्या है वा (24) (日のなれば、いいとなく、こうは、(24)といいくらばれ はなくくむにはのしているかが、 वसा । तर्रे वर्षायार्ग्य राष्ट्रिकाळेकाउव। । र्वारवायाः का मुं श्राट्यावसां खर्ग हरे रूट क्रेश देश र्वेश लाक्ष्य। । अर्थ मार्थ (मा) था ख्रां बट वर्षा । मा देश देश देश देश देश देश देश (अस्) काराम्या । नवारकारामामुः धरकारी ध्येव। । ने मेर क्रिका निर्देश क्रिका निर्द र्ग्, रद्र। । एड. र्या. श्रद्धा र्वेश्मा रद्र। विश्वशार्या राज्य यहरा विश्वाय रहा।

र्ने म्यान्त्रा र्ने म्यान्त्रा विकासम्य र्या म्यान्य विकासम्य विक

कुला(क्) अबेदाष्ट्रा प्रत्येताहर विवार वादा रही की बड़ार अपार रामे हैं बिक्र) द्दर। विभए में रे रेच सेच रेर हैंग हरें। हिर र रेश हैंदर र से से में सर्वित्राक्षान्त्र्वाक्षान्त्रात्त्र्याः वदाह्यवाः त्रद्वद्वाक्षाः द्वाया । वद्वायवाः उद्यर्गात्रास्य । विश्वक्वार्गर्मा । विश्वक्वार्गर्भा । विश्वसार्भियः एक्ट यसमान राह्ना मिर्दर्दर दर हो। यद ता विद्वसमान दिन तारमाता म्बर् । मी में में में में बार्य दें रहेबाला खेंचा हे अश्रेश केंद्र मा में करें पर्दे परियों हिना ने में मर स्वा का अर्थर (इरा नहर) तहन । न्यूर हर हैं (क्रें) क्षेत्र व कर् थरे वर मेर देस्याम् वर्षा रावस्य विकारा यहा मिन्ने के नाथ त्राराहरा यहिन्ता प्राथित स्वास्था स्वा । त्वा स्राम्या विषय्यात्म् भेष्ठा स्राम्यान्यात्म् । स्राम्यान्यान्याः स्राम्यान्यान्याः म्या (क्) मेर दे दर्भाता मृ.स. म. रे.डेया अष्ट्रां पडार है मिया विरायत कर म्रम्थर्थर्थत्। इत्रा म्यार्थर्म् द्रिर्द्र यव्याच्या श्रीर्थात्र्या あれ、マンス・アンシンでは、日本では、一番いれ、から、より、とかいいかがあるよって、 न्यार्वासे वर्गरत्यु कुषव्या जवजा रतपानक्षात्वेता मूद्यद्रात्यराज्यार् はない、(を成り) 「一年、日本のからい、からからなっているできていれていますいという。 रमयाश्चा मम्मा क्रिया कारा मित्र कारा मित्र क्षिया के वाद्य मित्र क्षिया के वाद्य के वाद्य क्षिया क्षिया क्षिय

ट्यक्रिम्थ्रेप्रकृट में चाम्रतार प्रकृता चर्रा विवाय रहे। विवाय रहे। विवाय रहे। विवाय रहे मास्याय त्यात मित्रा मास्याय त्यात मास्याय विवाय मित्रा मास्याय प्रवित्य प्रवित्य मास्याय प्रवित्य मास्याय प्रवित्य मास्याय प्रवित्य प्रवित्य प्रवित्य प्रवित्य प्रवित्य मास्याय प्रवित्य मास्याय प्रवित्य मास्य प्रवित्य मास्य प्रवित्य प्रवित्य प्रवित्य प्रवित्य मास्य प्रवित्य म

सरंश्रूरत्त्वेश। शुश्रभावत्रात्वात्त्रित्यात्रे विर्या करामात्रात्त्रात्त्रे राष्ट्रभावत् र्यात (यय) भटराक्रियाकी विदेश त्रिया के अमा हैर महिष्य भारत प्रदेश हैं । महिल्ला इर्.शर्व, राज्ञ च वधार्ट विधा, रेब्रूटमाक्तिरव, कुरे.श्रु मान्नु राज्य प्राप्त, तिव्य थार्ट, रेट ब्यु राज्ये वाशियांतावायरवाय। र विरम्स्य्यवाक्षाक्षाक्षेत्रक्षेत्रक्षाक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्ष विवरात्र देवाने व्यद्भ अहर्ता परात्वा रहामभाष्ट्रवाद्य खराद्र खरादा खराद्र भन ब्रीटाता अबा गाइदातर् वर्षता व व्यवा ता अबुद्र व्या थरा दे तद को अध्या वर्षर नेन। तकेकेर द्वारा में वना येश सुरा र दे दे उत्तर र दाया ही र रवायति के र्द्रण स्वास्ट्र के भीषारद्र क्रमस्य अहित अहित स्ट्रा में हे से दें अव पाय पर रवाः नरको अग्रनः दुःरावा । देनः अरवा सः दरः दवा सः दरः तरे हिसं क्षे व ह्या (० सवः) ह अपात्त्रक्ष्यात्त्रवेदा देह्यानकेदक्ष्यात्रात्त्र्याद्वात्रवात्यात्त्र्यात् कुन्द्रका नेता दरम्य का का तर्म का का तर्म के का तर्म का तर्म के तर्म क र्रात्र्यम् हेर्। धरश्चरायाम् वर्षेष्ठः (बहर्)याद्वावर्रे क्रियास्य रहेर् क्राम्यक्षित्ते क्षेत्रं मित्रास्थित्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः नम्ब्रेष्ट्रम् मात्रुत्रे । सम्अवेशमार्थ्यम् मार्थ्यम् । स्रिम् त्राम्यार्थे । स्रिम् त्राम्यार्थे । तकेशर स्वाय र स्वर यारा । भीर स्वाय र तार्मर तो नेरा । स्वय रहते तव रवन विध्यम्भे । द्रायतेलाकारात्मकारात्मेरात्मेर। स्वारम्भकावनायते सर्दरशकेवनी। सहरा नेवाचारामयार मन्त्र । विवासाविक ववास्ति हैव हरेवे। ववा विवा वारा लायम्दलारेर। १८८ यहा वना स्वास्थाय होते। वि रम्बरालायम् राखारेर। लका रः खिवारार्ने अविधिर्छर प्रसाहरा । राष्ट्रे तहिवा हेवेसा के हा । र्यविश्रेर विध्वता (गल्य) पानिमयात्रात्रात् । कामर मिन्द्रिंद्रिंद्रिंद्रें) भीव। किम्मर मिन्द्रिंद्र भीवादि एक्वा विराक्ट्रकाथात्वेकाराहिक्द्रका । महत्त्व वह राधिः क्रेट्रा वह वह विराधिकाराहिक हिरासवा भावस्वरातिर (विरं) किर्मासहर कराता रेर् छिर्ष्या छाता है हर क्टा । महरु था तार्व कर्र वे । विवय करिया स्वर्थ मिताया विश्वातातुः स्ववेद्र। । लट्डाक्षेत्रतुः विद्रक्ष्यः। किंद्रः मञ्जूषः सेवा अध्यात्वित्रात्रात्री ब्राधिकार्यम् वाराव ग्रास्त्र । विक्रे वास्त्रायां के देवा मुन् । द्वाया अवतः तर्वति मिणायमालवर । मिलाक्रेवब्मानुवाबकारादेव (तमावम्) वेदा । त्वक्षरावर्थ प्रत्यान्वता

त। श्चिरायाः वर्गर स्वातावर्गर। द्रायाकावर्गर देवां तावर्गर। वर्षाय न्यहर. अर. बेबेबेश.प्रा. इ. । श. उर्दर, ८व. राष्ट्र विद्यार मित्र देवें दें (बर्बेट्स) । श. के. से रक्ष वाता बरकारारे। भी हेरारवापि हिरारवापि कार्या केरावर्या । (अवार्यवाक्षित्रार्यक्षायार) स्वायानामा सुरास्त्रा हिर्यात हराने विषय है। वहर देव है के सा दि से से से से से वस्तान। तिमास्त्रेतासकर रसर्गार त्रेवाकेट की शिर्दर रगर केंद्र मास्त्रेर कर कर ट्या.श्रेश्राष्टियाचारीट,पर्वेर. (विराइरेंग्)रटा ल्ल्रेर.र्याताक्रेख्णा. इत्या हि. निर प्रवर्श तिर्मेर (प्रक्रिं) क्रूड्य क्रूड्य (क्रूड्य) ता । स्र दुर्ग के विषेत्र अपनित्र मडेला (कडेला) मतदूर व्यूप शुर्था देश । तक्य तहूर खड़िर के दूरा । विक्र तहूर ब्रामाराया महत्त्वयान्त्र । दिश्वायात्रायाः भवः (दिवयः) स्मारायाः । यादायात्राद्र। । विद्यारायात्री वाडेश खुवार्टा । के भ्राराया तहार हे के के ता । के अशरवाधि वर्भर तवा त्वा प्याहेरी रिया (यहेरा त्र दशक्षाय मेर्ट्र) हिला विया कर अयो तराहरा के वा त्रिया कर विया कर विया के त्थरशास्त्रं (सर्वे) विव । सर्यते हिर् के विस्टर्र । वार्डवा सरवित वित्र स्वत र्यान्यस्य स्वादात्ते । दवः श्रुद्धात्यात्तः । क्षेत्र्यः क्षेत्र्यः स्वाद्धात्यः । दे क्षेत्रः क्षेत्रात्यः स्वाद्धात्यः । दे क्षेत्रः स्वाद्धात्यः स्वाद्धात्यः स्वाद्धात्यः । दे क्षेत्रः स्वाद्धात्यः स्वाद्यः स्वाद्धात्यः स्वाद् क्राका क्रिंड राष्ट्र क्रिका है से स्वयं राप्ता रिवा तर् जा वा है हैं दे माजा रिवासकर इवसाता हीव (हिव) रामहर । दि तहना तह यह तर तह त्या हमाना हो ता होर. क्वाता विता मानाद्व वित्रिक्षा विविव्यव विकाय के कित्रे वित्र माना विकाय के विविद्या इंबवान्याता । अ. ल. वायरियाद्वराता वी । के. वरंक्याक्ति देते देते दे ता वियो स्वज्ञात्यात्र । १ द्वार्ष्य । १ द्वार्ष्य । १ द्वार्ष्य । नेता ने म ने ह स्वया ही हो र के तथा ला रमनेता रहा देव या के भी देवा ला के म नेती केता हारी वा केवा सम्भूयावात्रम् मुख्या सर प्रदे से द्या र वह द्या हिर के ते वह स्वता है। रादरा अहरावराद्वे सम्बर्धकारा उराक्षेत्रधारात्वा स्थाम् मन्वराधकार्ये । स्मायका प्रदायका से दूरा र् दूरा के दूरा के वराष्ट्र र त्या के वरा मायका मायका स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया मिन्यार त्यार द्रात्य द्रात्य द्रात्य क्षात्र का मिन्य क्षात्य क्षात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र शास्त्रका वास्त्राक्षेत्रक्ष्यार्द्र.वार्ध्याद्वः द्र्या (व्या) अद्ये द्र्या वस्त्रकः वर्ष्ट्रकः वर्ष्ट्रकः यात्राचाथात्ते दर त्रद्धाः स्वान् वाक्ष्यां स्वान् वाक्ष्यां स्वान् वाक्ष्यां वाक्ष्या (मण्य) पर्यात्री.करं, माज्यरंदरः केश्वास्त्रमध्या (शरामेरत्यक्षा) में स्थाप्तरा (एडरा)-प्रअध्यात्तिः दर्वतः दर्वतः दर्वतः दर्वतः वर्षताः कर्णाः क्षाः न्याः क्षाः न्याः वर्षाः

क्षिवलद्रद्रा तरे स्मर्य रियो के मेरे रहीं किया में अवसक्या में सहस्र के स्वित्रवर्ग रद्याचीयायोद्रेर.अहर्त.लहा अवरायम् अवता क्रि.सानुसारा श्चिम्यायात्वमः विद्यम्द्रम्याद्वयद्यम्यव्यवस्यद्रमः । वद्यम्यायद्रमः मा स्रा दिया होते। वार्या सामित का वट स्थायमा राया तरेता ने ने में सुकास्य मिलम्रेरियाम्केषरा । अक्षेत्ररार्म्यके मध्यत्रार्मः । मैनकेन्युकार्क्रियाक्षरावस्ता नाभरक्षासार मान्या सरविद्यास्य विरम् केरा में श्रदर, भरवास दिवाराजा पाकुका । देशक्वि देवाराज्य पाकुका प्रदायकेथ होर । रे.स्टब्स्य. मी तिया है। । विद्या का दल से में की देवहर्स में में दें (इस) । में में में में में में में में में स् किलायहरा श्रद्धा है भारे। रि.हे.के पार्य केंद्र द्रभा भवा कित्ये पारवाकिता मून देश । । अन्ववर्ग द्वश्यादर एड्स्थ्यावर । प्रवेश्वर एक्स्या । प्रवेश्वर विकास वार्गरा द्वार्याया वाष्ट्रायवार्ष्या । (१ द्वार्वेशक्तर्था) कियायत् सहर्वारा सर्दे । अन्तर्भित्या प्राप्त प्राप्त । विस्तर भागिया में प्राप्त । श्चित्रायान्य । विश्वति द्वार्था । विश्वति द्वार्था । विश्वति । महराया दिख्यका के हर करी कि वर्षणाया के वसके वरायका देश का अविद्या के वा सम्बद्ध के वर्षण के वर्णण के क्षित्र स्वाद्य स्वाद् मर्था। वर्षे अर्थ के प्रमान के प्रमान कि कि कि के प्रमान र. अमास्तरती. थ्रे.मा विमालहेमा खेरा हो वाका माने का किया (ब्रह्) तामा माने प्रति × किया यामार्थ्य मान्य (क्षिया) प्रतिभागते । पान्त्र मिर्यार्थ (मिर्येद्रात्या) पर्येख्याता अ Mea श्रीरायास्त्र त्यास्याया । विदस्तायासुगास्यास्त्र विवास्य विवास्य विवास्य त्याः त्याः विवास्य विवास्य विवास्य मिन्दर अर्डा ।राज्यी दराजाया स्थाने । किलायाए से जा मार होने स्ट्रिक्ता स्वाध्यादे। शिर्धि सर ता न्यर देश खेता वावव अवकार ता हैना राखेर। कियाय हर ताहें बादया अवं हि न न न न ता (व न ता य) साता प्रभारता राखे रे। रियात त्यते श्रे श्रुट त्यवा ह य श्रुट। विविध्य विवास विशेष रा या मु (र शुः ) श्रीया

दे। सिन्बरेश्चित्रात्वा है वहुटा शुः विकाशकुरी ट द्वासियारे दिवाक्षर

केर दें स्वाला मनवर राष्ट्र त्यवा है वडिरा । शे बेरिश से लाश प्रेश । क्वे बेश विश्व देशवाला लाइ । 

डियालात्य डेटा दिरहाल मण्याहित्य ए हैं है से देशरावशता ही टाहिर्दरा सरलक्ष्याचेरेत्रवर्षक्षामक्ष्या । यर्वराष्ट्रवर्षक्षेत्रव । क्र.स. (क्षाय) य नतर्त्रहार्त्र हिरामायूर्कवाश्ववही । नवादाभावतात्व्रिक्षायाः भेव।

द्व हिर वहेंब पर के का अंडिरी विश्व हर हर जर क्षेत्र है के रवाबर वशा

ARM : 川野いた、かに、39、町、(色水、48、色)、長く本 37、名か、5、町 と、てかか、 इस्रा द्वाराष्ट्र तर्वा निर्वा कर्षा के विकास कर्ता के विकास करें परीका,रदारिका,रिप्तिका,रिप्तिक्षित,यार्थना,प्राम्,रिकास, वर्ष्टि,श्रिका,रदा, यार्ग्र,प्रिदाय, रिकासदेर म (यतिशशहर्यः) यार्थर है। दे सेया नर अद्यात प्रश्ने हिंद्य श्री है स्थया वक्षित्रमः (क्रा) वद्या दे सवास्र तस्या स्वारा त्वा वार्षे के वारा ने स्वारा है दे स्वारा स्वारा है दर्भावा द्रम्यास्त्रम्यम्यम् वर्षात्रम्यम्। (यादःस्यास्यम् वर्षात्रम्यास्याः त्ववायन्त्रे देशक्षेत्रात् श्रीर स्मराय कुर्यायक्षात्रात्य स्मराय हिर्मा विष् हर देशवास सर्वर रेक्टर के यो दे स्वायता सर्भा क्या था हर बेर सर्वा खबारर लामाञ्चना निक्रामात् रदावरा नर नंदर्भ में ते क्रिया विवास्त्र में ति क्रिया में ति क्र हिरी चालके एप्येय ते का त्रित के देही के देही का त्रा प्रत्य के राज्य है है राज्य वाकातात्वात्वात्रद्वात् श्रामात्रात्रः । त्यात्रात्रः । त्यात्रात्रः त्यात्वात्रः व्याप्त्रः द्वात्वा वीर थ इश्राम्य मार्थित त्राहर त्राहर महरा वर्षेया वर्षेया वर्षेया के वर्षेया है। 

स्यारंशक्त नार्थाहार्याः (रा) रगरंशा स्टर्स बराश्ची खेलालव न्त्र । सर्वा हेन सर (वर) हे र म से विकारिक ्उम्मेराश्वी वराभातात्वीवात्तरात्वेय । अराभाद्वेय गांचे राज्या ची । व्याप्याद्यत्वम् वाप (इगरा) धुर्वनवर्ग । क्षेत्र द्वारिय देश देश देश देश देश देश देश हैं । त्या । विवह्रें स्थित्व में हर्जे विश्व में हरी । के हेरी (तरिक्ष) में करित सम्बर्ध त्या। द्रावाता व्यापार तर्ता हे । त्या मारे कुराय में द्राय में वा विवास कि कुराय मारे कि विवास कि वा विवास कि विवास कि वा विवास कि विवास कि वा विवास कि विवास

नविवःस्ट्रा जिरमाचरास्ट्रम् स्थाताः नेयल्याराउवः स्थेवःस्र उद्या सर्वः माझेकारा तः देवराह्य रदःश्वर स्थान हर्यार्थिश के द्यान्वराया । केला रा.थात्रभ में. ७०० छ। कि एवंता में या है एवं या मार्थ । विराय का निर्धा के विषय । र्श्य । मार्श्याची याद्यं वे.की अरारदार । यार्श्याची त्रेयाची त्रेयाची त्रेयाची त्रेयाची त्रेयाची त्रेयाची त्र

्ड्रिया'

3

म्बन्देशः वाहेतः इत्यान्त्रेव केव रवन वह कर वाला मिव तामवार व व निवस्ति हर क्रांची वाहवाहिर गर्म बाराण श्रीय वर देश नेता होते विश्व सारविर शर्व केवेल स्वित्रास्त यार्या विर रे.चेर्यंत्रम् जातवर। विग्नानिकाम्येवान्यस्य क्रियंत्रम् विक्री रे.पहिला देवर् सर्या विदर्शन्त्रस्तर पहुंच्याया। विदर्श विद्वा (१) विद्वा विद्या **७ ह**र्षाय र तक्या विकार प्रति देश र ति देश र ति होते । विकार में केट दे के द त्या व र यह । भूगलम्यारान्य प्रकृतामान्यर। रि.स. श्री अर्थराम्यराता । र्यायस्य क्रियः भूतायशासर रहेवासा र्वक्ष्यान्ता विषया विषया है विषया है दे दे दे दे दे दे दे दे हैं विषया है ते हैं विषया है ते विषय हैं विषय हैं वर्ष्ट्रभास्य म्यान्य त्या द्या वर्षा द्वी के वर्ष्ट्रभा त्या द्वा वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर् स्यान्त्र स्राप्तात्वर् हिर्द्र स्राप्तात्वर् । स्राप्तात्वर् स्राप्तात्वर् । स्राप्तात्वर कुर्मित्रह्म । प्रमाधिवमात्रम् म्यास्य । । प्रमाण्य । धर्मा विश्वमात्रम् । श्राचेराहेलाताक्षाच्यात्रे । विकारका ह्रवेशका तावारात्रे । कि.एर्चेश चक्कि व.व.र्तराश्रम् । ॥ डेलाइम्डेटाटम्यति स्वतादेरा द्यतायक्ष्यास्यदे चारीश. चड्रप्र. इ. ९ व. ४ वे थे ४ थे र. इ. ८ वे . हे. इंग रायर मेरे । श्रुरेश दश्चा शर्थ में वे वे अर्डास्वराक्तिके स्वायति द्वारा हेर्ड्याय स्वता हिट स्वा वर्षेश्यात केर् क्वारा निर्म प्रमान्त्रात्त्रम् कर्ण म्यान्त्रात्त्रात्त्र क्ष्यात् । त्या क्ष्यात्यात्त्र क्ष्यात्त्र क्ष्यात्त्र क्ष्यात्य क्ष की में हैं हुर । प्रेस (मी में बेन महिर ) यर दे मेर शर शर मिर में एके में एके में हैं में वा सार हर रहा ए वर्द यान्याक्ता मामा वर्षेत्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्ष यीरक्षे भेष्यराष्ट्रर याम्यवाद्यीया तक्ष्यम् । तामी रक्ष्यावा र्या स्वास्याव्या रिम्वार्गम्यति के त्युवानवं नार्गम् त्युटः नी मार्थाः वर्गम् वर्गम् यथात्रकार् सेवास्टर्व विद्यातात्रा यथ्र स्थान्य विद्यात्राचित्र विद्यात्राचित्र शर्भायम्भात्रात्रम्भावत्र्वात्र्यात्र्यात्र्यात्रम्भात्रम्

श्रेष्ट्रवाराः स्टा अत्याकारवावर् मृत्ये हो स्वादा कीता सूक्षा या (वहस्या) वितायार केवा वावर्ष अकर (कर) के नेदा के बादार पा थार पर के मा कर होते हैं ने में हैर हैर हैर के पर के ले (ब्रियाव्या) रहः ब्रीया र्वा अर्थायाया वी द्यात सिरामहित माताक्ष्यां माति हैर देशाया रथतः श्रेट्योद्रभाषान् द्वेत्रः स्थार्थार्थार्थार्थाः भ्रेत्रविश्वः क्षेत्रः स्थार्थार्थाः विश्वः स्थार्थाः स्थाः स्थार्थाः स्थाः स्थार्थाः स्थार्थाः स्थार्थाः स्थाः स्थार्थाः स्थार्थाः स्थार्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थार्थाः स्थार्याः स्थार्याः स्थार्थाः स् अर्दर या राम. मुद्र क्रियाता नाता प्रकार ब्रम्बर क्रिया या शहर यम द्राया अरहा दे ही तह । जारीर हैर वया, पुरविशक्त विवन्न इंटर दे कि स्वया के हैं। वादवासी वाहर है। अक्ष्यंत्रम् र मेश एक्वरा। देल्लार सम्द्र हिट परा मा वान्यवार रह्म वाहिलादर। यश्चर द्वार की पाल हिंदा महिंदिल (परा) थर हुन । रहेर हो हिंद महिंद होर । अधर ही तर्भावित मी.र हिंगुंगाराया गया माया की दर्दर राष्ट्र मेंट है तर्या में हर त्या माया मी दर हुआ रासायर केंद्र। रेस दराय श्रद्धीया श्रे दिवाया इद्येश के वा स्वा श्रे वा वश्याया वस ईर.वश.एरवा.ग्रा प्रश्निभार्यक्ष्यं देश्यम् सम् विर. ख्रवपावश. लट्टा 1124, र. १९वा. ४, ४ वाम स्व. कटा स् र अवास्र र वार्ट्ड वी एसर र मिवरास्व (स्वा) तता देवारा र वर्षा तार करहरा से वरा रेया है हर राजा राजे राम ने राहर मुं मुक्रा राम् वान्व्यायक्ष्याहरः। तेथं भारदायाद्वीतः वाक्ष्याक्वितः म्वं द्वरः येवदमः श्रेय यार्या स्वामायाइमालम्बर्धार्यात्यात्यात्या क्रिलाहे से हैं। विशा शुरायक देव अभागत मेर यह है भी किर यह सुरिक ते के स्वास्ट्रायस्य । विद्रायस्य । स.एक्चिताल देवाल द्ववास हूरी दिन माने के वाल दिवाल दिवाल के कारी विक्रस्थानुन इं ए प्रतिया (प्रस्वा) वडा विराह्न । न्या विराह्न । विराह्न । विराह्न । विराह्न । इ. वया या में हिंदी | व्यक्त रवस्ते अस्ता खवारवार भे रया खवा | वे संशरर स्वीता खेव। । खे र्क्ट्या के जनर वर (बर) परी विश्व में की की की की विश्व में रामें दिया। वनःतर्। शिट्रह्मः दर्याभेद्र हुत्यस्य । इ.यह्या अक्यायक्याया अद्याय

प्रक्र-, प्रकेट-राज । विराधन्य अथा विराध (प्राप्त क्षेत्र) । विराधन्य अथा विराधने अथा । विराधने अथा

राध हराअद्वाद । मियायन्वअसाववायायदे तो स्ट्रा अम्म (अम्)। । ता भ्राम्य रायम्य

नवः(एक्वराव) सिर्ध्यम् वाध्याः खलाकः र्वारतः हः(स्ट्रं) देर विक्रां विक्रां

वियाभाष्ट्र । १९९८ अदः यते ५१ ता दु क्रादा का अदे । अप्तर दुशास्त्र ता स्थान व। यिगद्यम्य केतावातास्य होता । विश्वस्थित्यका सेव क्वांवस। । विभिन्नित श्चरात्रीया चरमा भेर दर। । हे वर्षेता तो श्वरात्रीया (के) चरमा खर है। । विराधिया नेवा इसक्त्रा हो हर ता दिखर वयस्य या तर्षे यूरी वितर ता वृंदरा रहवेंदरा स्व न्दा । वाद्मिनानाभरके विनाता (विष्यायाता) । व्यदः या (रयदाया) वर्जेता वर्षे) र्वेश्वा । श्वांत्र्वेश्वाना विवादी निरम्याता । धीर यहका वसका सवास नेरा दयः देर खर्यम् न मुख्या । त्रवायि वर्ट ता वर्ष याव । व्यव द्यार । प्यामिया हरे। रि.स्ट.क्र्याकेवद्य स्तिता। विदय्या त्रिक्षा विद्या "थरः। दिवलभ्रास्यात्रस्यत्रभवेष्य्रीत। । तह्भ्राश्चरत्रदेशक्ष्यः वार्षाः वा येत्रयान्यन्त्रवारायायायाया । नेतात्रव्यविष्यं मुन्दे । विष्यपद्रम्दरः लयः नेवा ने महिर ह्या दे हुए 250,54,9,2431 II वार: ब्रेम्वह्रवारा क्षेत्र: श्रद्धाः सरा स्वात स् देर.धंडल.ग्रा ग ऑयार्ड रहेर दे एखेंग श्री त्येशया नवश्र देते (नवअद्येत) अनुवाय त्ये । । रागर या र्षा द्रवे त्ये रहे त्या रहेत्। रवा तर्वियाना या सर सेति वर सेते अरुव वयात्वाची । सरद्वा व साय विवास्त्राता व्व क्षेत्रा एष्ट्रया खेते अदुव्यक्ष एष्ट्र। । देवाया हते देवाता के विद्याया देवा या प्राप्त सार्था नेवाव। विद्यास्त्रिक्ट्मिक्टिकारी कार्यक्रिकारी विद्याद्वात विश्व श्रीर:अव:राधः आयर दर्वःवया । क्षेत्राया वर्वा गुरः हर वर वर्दे दरा । द्वित्रयारं विवा बुटःदयाःयरित्व । द्वान्वेटक्रमापरिवटःयवुर्यः। तिव्दःववा ख्रद्वेवायावरायाः हुटा क्रियाश्राम् वास्त्रेयात्रा स्ट्रिया । इ.स. ब्रायाया सुव अया स्वया । हिटा श्चिर्रेश्युक्त ताम्या अवत्याता । दयतं वि संद्वा देव वि त्युक्त त्युक्त । श्चिर देग र दुद्व लबितान्त्रवः (बीटः रमाराचर्रान्वा हैं तिष्ठातान्त्रवः) विवावावान्त्रान्त्रवरात्रा । येवारद्व्यवाता द्वारव्याः व्या । रहमः वास्रवास्त्रात्यमः तववः र । । वेः वयवः राः वित्रवाराः हम र्युव नश्याके विष्ट्र त्युर यथेर। । तके यर स्वात में स्वार है स्वार है। । दर्द में द्वर रुक्रानाथरावत विरायखर्खर्खराचरत्वर याथर। रि.मेर के अती तर्वानाराया। ही.रर्ग.अरअ.ठ.म.म. । तेग्रांर्. जग्रां में अर्थ्रेर्जरा । रेक्से (स्रेस्)र्गेर्या क्षेत्रवायका त्र्याः ख्रा म्यानिहार प्रात्येर्ट्र राष्ट्री । का अअक्रम् क्रिके वाता । देनामाध्यम ब्रें की रेर हरा (रेर शर) रे । इ. अया प्रमुभराय (या. पा व क्रेर) वि. व. वा व्या स् सं एड्राड्र । इ. अया ब्राइर एर्ग्यु अला र या. पात्र किया । या. या. व्या हे वर्षा द्र वया त्रा र । श्चिट्रालहर्ष (वे.संद्र)र्गालस्थ्रेर) ।रग्वश्चर्ष्यक्रियान्यम् त्वस्या

म्राम्यान्त्र्रम् । तिस्याप्येक हर्त्या तिस्याप्ति । के मेर्र् हरे। मेनाथाया(वन्नवाथाया)यर्वप्यप्यप्यप्रेर। । एक्रायायर्वाविवाचिताचेर। रे.र्ट.शे.अहवर्यास्य । रम्भक्षे प्रयोक्षे त्रेररे। र्याद्र रम्स्र छो.अहररे। ध्रीटार्यार तिवानप्रें मेंदायाते। विश्वेरद्ये पाक्षरायात्रें किर.कर.की पायाव्या वियोत्या |रक्षायर् हि. वार्च्यार्च्याक्षर। । वर्ष्यर् ह्या एवर्ष्य म् । रचवार्व र्'त्य द्वारा हैं हा (रयत र स्थळर सुत्र हैं र र मुराम्बर्भक्र दर्भाता विनेत्रारा कर्म हर हर हर के विनेत्र रामी प्रमाणकी त्या मुद्धरकी अर्थ (वहुंब) दुर दिव अर्थ किया मन हिसहरहरा विश्व सवा मर्थ होट हिंदी क् दाय्य रा तिया हर देशर (हर अर ) प्रवास विराद । विवास देश । हिन्देश्हें हैं विवासिक स्वेद राजा। वितर्भाउन सेवा स्वार ह वर्गरास्य (अ)वर्षण वर्ष्वारा व्याप्रभावन्य हता वर्ष्य स्था वर्ष्य स्था वर्ष्य できるからはいいないからからしているというというはいいないはいいかいというないので हुन। सं इट निवे वंशान भी र वंशान र से र दें। से सी निवेश र दें विवेश के लिए विकेश म्रान्यान्त्रा वर्ष्याद्रक्षाः वर्षेत्रः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे कष्टे क्षेत्रः कष्टे कष्ट स्रां राज्या द्रमा वन्तरवरा हिट अका वाद्य विद्या है तहुवा ही र के वा हिवा है। यह कर नाथा हि मेर दे आर में बहुया (में हिंदा) मड्रव यदिन ताम हरे। दे हैं शास के वारवरत परीट.क.च तेंत्रा.चीरा.की.ताप्रकेता.त्रा.केचा.परीपायप्रविकाक्षा.परवर ४. म. अहता.प. प्रकृतान्त्र्यान्त्रेत्रान्यान्त्रात्यान्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रात्यान्त्रा चम्ने में देवी अवयं दयायर्था के र जयर आहेर राष्ट्र देश यह र कि विकास के वित उर्पार्के केर के मार्च ने वाके के प्रचार समार्थ स्थान समार्थ केर रिट विद्र्य स्था के द्वीर द्यार त्रंत देव विद्याराचार त्रंत द्वार द्वार द्वार त्या व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त क्रिम्य एड्रिश्टी याग्र र तारु पर्यक्ष रटा र स्मिया था दे तर प्राप्त के विकास के वित मस्र हिस्तिण देशा धश्या मुना हो नरचर्छ। । दे हिंब (हिंब) किल खें अभया हिंद किए। रा मियावश्र मिया हिर चारिता (वर्ष) हो ग.(हा) धुव,रद.रद्य, ये ज्या प्रात्रा प्राप्ता प्राप्ता प्राप्ता बी रवाया रहाव रहा रविभाश्चितारा श्रेराक्ष भी र हिया से केवरा से तिया में स्थित से र शर्यायश्याः क्रें विद्यी एक्षाया वेश्वाया क्षेत्र भारत्वे व्यव पर्णायहरे हुद ही दार्यार्थे हिया 

रवाक्या वरेत्र वादाय के वाद्या अवशवद्व के व्या देश रहा

2 संभा

बुरा(बु) युर्याक्ट. प्रकृत्युः था सम्मान्ता अमारम् वास्त्रास्यान्यास्यास्य मुराया र्राया सुर्धे वर्षे वर् चार्यात्रकेत्। स्टानर्वे विद्वासम्बर्धात्रा चारत्यात्रक्षाः यो विद्यान्यक्षाः विद्यान्यक्षाः इसराक्षियामम्बर्गे वारा विश्वास्त्र भारत कर्ण विश्वास्त्र भारत विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र वृद्रा तहस्रविद्युरक्ष्यवायायात्रम्स्योक्षयात्राचा (त्ना रहेक्टल्ला) र्यवशावहर्तिश्चातारमायवृत्यस्य स्वास्तरः वेर्स्न्य वास्त्रवा (हेर्गकर) तथातर्थायाः स्वर्ष्य्य रास्त्र हेर्ते द्राहित रास्त्रेरे ४२ अर्गहरी श्चित्रेर (अट) रार्टा र्राट्गर्शेश की प्रवस्ता श्वारी रेवर्रा हीर यत्यर्टर व ग्रास्त्रेत कर मन्यायय वंद क्षेत्र अत्यस्त्र मा यद्भितर वल्यायास्या ।देवेवेवाक्यायबुदाबुत्वाविवाकीवाद्वीराद्यावाष्ट्रस्थायाब्दराविदा र्यतः वर्र्भे मेते सून् सर्यः स्केवर्भे स्ति त्रार्थः स्ति स्वार्थः स्ति स्वार्थः स्ति स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वरं स्वर यम्भारानिया श्रीर्यते श्रुतेयते द्वात्यते व्यद्द्या अर्वृत्यते स्वत्यते त्याक्ष का इस ता सूर्य मार्ट्र, क्रिया नर किराधार प्राश्चिमा ही, ही, हु, हुया, प्राह्म भाषे साथ मध्यार् रेय्या (वर्षेया) चेटा वित्यायार अवार्या राजवार वित्या से स्थित स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्वितितर्भित्वित्वर्भविव्वत्य। प्रियुर्णिस्याण्येन्यत्यः स्वित्वर्ग्यक्षेत्रः सव्युर्वेद्वर्भः स्वर्ष्यः सेशरी द्या करारी येथें। विद्यांक्य से अंद्र आदाई भारी येश राष्ट्र है प्रवेश है अदेश यम्यवरा कथात्रः व्याख्यात्यम् रार्यात्यदुर् १ वरास्यवद्य द्वारेष्ठ्याः वदुर् ह्या लावी एकट र्विश्वर्येत (वर्ष्य) र ज्ञा भर रायरवर्षेत्र। नव रेशास्त्र वा (रश्त्रेय) समित्र ब्रीन्नेसाम्बर सुद्धीय व्यवस्थित ही रहेते वावर सुर् हिं) ह्य पहिट ही रह्य वर्षर स्था अवस्थित होंवा राकुर्या राभगाउन्ह्याम् राभगाउन्ह्याम् राभगाउन्हराम् राभगावित्याम् विकारि मर्था। नः अष्टित वर्रः म्वारियः भरः मिर्द्रायः यहरः श्रीः ताः में स्वार्थः मिन्न मानिकार मानिकार कार्य क्षेत्रा मात्र वर्षः वावसासुः व्यद्धटः स्वारवानः नदः ताः वाहतः देशः व्यवः मुदः ख्वाः द्वाः वाः वाहतः स्वान, अवस्ति वाकारत, यूरम्बुला में हिर्तता का में दारा निर्मा अपान के प्राप्त कर की दाहिए। अप्रत्यका स्वान का टरक्षितात्मरा अअकुरा यथाय द्वारा प्राचिता प्राचिता क्या हिता हिता हिता । राधुः अवर। कि. ज्रास्वार दिया किता अक्षर देश किर्य क्री सिरा जांवाहियोः हैं। विश् ZG12.12] सिवराशक्या अरमक्या मेंत्राचा रदा विराधक्या राशक्या कि कि विराधक्या

एलवारा नपुरेया अर्ध्या विद्या मात्रा अक्या है व्या अक्या भाषाक्रया

१ केट. । अट्रावभरा में हर्रा मंत्रसा विकासक्षा में कार्यस्य विकास दिवास दिवास के. रा.क. रा.परे. परे. पा. पारका क्रिंड के. पा. पहेंग के विश्व के रा. परे. पांतर सिर रा. रूवेलहुकाल विराधित (बुक्ते रोवासकी माहर रहेरा । रागर वदानिवास किंकी यक्षात्रियातः । हितुः (हितुः) तत्रवाक्षातानि तताः हुरः त्वाक्षर ह्या विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास इर. तर् त. त्राचार हर हर हर विष्ट्र (क्र.) क्षेत्र हर कर (क्र.) रह हर हर हर विष्ट्र र्यव नरकं ए नवर्टा विवववन्त वह्य द्वार्वर यव । नेट द्वार्वन द्भवार्यात्वारा वीवय्याष्ट्रायति हिट्याया वर्द्राह्मवायायति वर्दे ह्या तरी निव वलक्षाय में हराया महाता तिया । के वा क्षेट्रियावरा खालहुवा । के वा कु व व व राय रायहुवा शेरव्रहारायार्दि हैरायरक्षेत्रायानायर के करें। के महेर्याहरा के स्थान वार्डिय । इ.र. हरा हरे हर हरा हरा हरा विवा रहा विवा रहा विवा । ट्रवाराया हराया राष्ट्रा हेटाडी हेटाडी हेटाडी या राष्ट्राया हिटाडी श्र ह्यारायवारत्वारत्वारत् राज्यार्यायम् वर्षायाद्यात्रेयात्वार्याः (स्वा महत्य) वरायक्षरावत । स्वयाद्याद्वा स्वेत्राक्षरायक्षरायका । वराव यववायरी रायवाय हव । इत्यं हर्य प्रायाया या हराय हराया । कार्या दर वा वत्रवेत तावर द्वारा हर। ।दे (दे) कि क्षेट हेते वा वरा सारहत । ता बिवा (म्यविक्) के दव त्यरम्बर्दी दवर य हरा रहा ता कुराकर । विषय विषय तार क्राक्षित्य है। में अया (यह) में ही तारा के यद तर्य । से या राय देश में में या या ता हिर्अद्धेवशक्वे दुववाया वर्द्ध्विय्वातावाइर्'हर्मा रास्त्रा । व्राप्त करावित क्रिया करा वर्षा वर वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर कि. इ. त्र. त. हे ३ हेरा व हे दर के के हिमारी देव हैं ति ता व के देव ति व व के विकास हैं वानर वान । द्वी वा तरी ताकांके वा कोर । वदा केन वर वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष । वर वर्ष। रे.क. धर.रेश.८ प्रा. १८० ल्या १८० ल्या १८० ल्या १८० त्या बिवालाय केवाला । वर्र विवाला वे एक्ट केवा व । विवार मेर स्वरास्त्र । विवार मेर स्वरास्त्र । वर याञ्चेता अद्भाः हरात हर्। विताया वर्षहरा जाते रहता क्षेत्र । वर्षहरा रक्षाता प्रह्मा या (धर) है। की मानवार के हमा है नहार । द्वार रह हिर्द्धार हैं। मालु। विकेशयाताथवरायरिद्रा त्यां वक्षात्यम् र्याथेव। र्यवक्षे 

नते हैं। दर त्यां ह्या हितारा क्षेत्र । वि. भेया (वि. ह्या) या पर क्षेत्र वित्रा देश। द्यानाकुन, मेट त्याराकुन । धुनाधुन्तरमा मेट (इक्टरप)राधुक्र । तर धुपरवामा प्रमास पहुंगाराश्रेत्र। हि. परि: त्रमानुता प्रतापति है। विक्रमारे रेन अहर यम त्या विदेश क्ष्यार्रत्यवेतावर्या ।वर्रस्यवस्याचस्य वर्षः (म्) खे.वरः पर्वे । सिंशक्याम्यापातारे सेर. च बिराला | रेम्। ए वरा हर केटा केटा किया वर्षे ए (स्वर्)। न र र में बादा-चेंचे (रइम बैंद सूज)। रिक (बुर्वर्ट केव) वन्द्रमुद्राहाद्वाद्र सुद्राह्माद्रयाद्याः क्याय्यात्रहे सुद्रह्वगत्स्रयाः । तम् वहुरः क्रिक्ट्र होते वर्षे प्रवास होट ता है त्या कारा में रवा ता ते वर्षे होते राजहरेंगा मिल्यान्त्रेम्या मार्गित्राचितान्त्राचित्राचितान्त्राचितान्त्राचितान्त्राचितान्त्राचितान्त्राचितान्त्राचितान्त्राचितान्त्राचितान्त्राचतित् श्रद्भार्थद्य। ।वर्दर्भूवाकावीत्वहः द्वाद्भाराष्ट्रद्धिराधविषात्रेवावयाक्रदः (वर्ष)यतं वर्मः वस्वायर्ष्य रेविश्वरित्ने मव्यायाया किर्टा हर । धरा भवा राटा है। या स्वाया केर्या केर्या केर्याया विवासिक मिन्द्रेश प्रमुक्त । प्रमुक्त प्रमुक्त । प्रमुक्त विकार विवासिक विवासि न्विः भर्ने हिर्धः मुक्तरार्विः स्रितः वर्ते र्नातः स्रितः निं चर्ने व वर्षः राष्ट्रितः (रोव्यतः वरः から、山といるとしている。日本のは、「日本」のは、日本の日本の日といるとしている。 या शहारी दया है प्रकारिक इति यो वेष तार्टर गंवरा वह से र विकार्या। मिक्राक्षाक्षाक्षा हिमात्रिया हिमात्रिया है स्वायां के वास्ता विकरा रेगीया के के विकास के विकास के किया मुं तरमुं मुं ता भुं न त्या। । वार्रायात तर्वे र्यत्या । य्वेर स्क्रिक्ट क्रमा दियमाराक्तितकेथ्याद्या विराक्तिकार्याक्ता विराक्तित्यामान्त्रीमान्त्री विश्व मूट्रद्रमास्यक्षेत्रव्यक्षेत्रक्ष्यमा नियम् द्रिर्द्रम् । व्यद्रिर्द्रम् । व्यद्रम् इस्थान्या वित्यान्यत्यक्षाक्षे वस्यान्यत्यत् क्षात्राम्यम् वित्राम्यम् मीटा विरेक्त हर राहित्या है। प्रिकेश हराय दि विरेश के विरोध कर के विरोध के क्षर हा. हा. हे । वि. (शे.) कुन ही जा. (शिंज) शर्म बार्ट र कि. हो। कि जाकुन रहा जा है। हुट खर उरा । या नेश बार्श रहें रेग भर द्वा । हिंद के कवार हिंद दिवारा नर-पूर्व । स.चड्ड्य. यें इ.रंजा कुराक्षे सेंगा वराहा (मूहा)र्था सर्वेद सूर सेंग्रां हेर् तर्वि (वस्) तर्वि यातिकता । अवतः वर्षिते स्व १ अकरे हेर् दर। रव से अकरे द्याः स्मान्यत्यम्। । अ स्वानः स्मान्यः यत्यः वार्यभावत्यः। । वर्षमान्यवयः तद्रः X (व्यावः द्वारेश)

ह्वयं,

ड्रेंग्स्म राकुन्दुः 🗸 (वतुनलयर न्यून) मण्डेन्ड्र्या संविद्यास। । दुद्यस्ति। युक्तांमकर (मक्रेर) हाररः। विध्यक्तरं न वरायक्ति सक्त हार् (रमवाद्य) हो। वर् क्रिंट में बी प्रमास्त्र कर के के किल्या के के किल्या के के किल्या के के किल्या किल्य बिरातर अवाधकारा अधे वर बिरा । यह वा किरायके का तरे प्रायमहरी । यह इस हि वा हव दुर्दे वते व ग्रान्वेशन्वव विद्राद्र द्रात वहुद्र स्वा तर् वहेवा श (वहेवा) तर् द्रा वाडेशास्त्री सरास्त्रेरद्भारत्याद्र । यात्राक्षात्रा स्वारा (ग्रमा) तायक्षमयम् । यहमायताक्षे मुक्तम्यतान् । मुद्रम्यम्यताः । म् म्यान्यः वर्षवर्षः (क्रीस्वाकेकः) रहमक्षां (क्री) तर्वं र्वाक्षवरा क्रियं क् वरिवर्मिन्त्व । यात्रविवर वरित्र तहर पहर दे। वहवर्ष द्या ता तहा सुने स्वाराध्य द्वा अह्व (द्वा रहेब) क्वारा चु केवारा थ देव विद्या स्वा क्वारा द्वा क्वारा द्वा क्वारा है । देव विद्य क्वारा क्वारा क्वारा है । देव विद्य क्वारा あるとのないか しょれていいまか(年の本)のからかいので、は、ままはははられば、 न्वरान्त्र विमालका विमालकारा द्वाया राष्ट्र विमालकार्या । क्रियाम्बर्गार्थः । म्रिट्यं मिर्याम् मिर्यं मिर्याम् । म्रिट्यं मिर्याम् मिर्याम् मिर्याम् मिर्याम् मिर्याम् न्त्व । विर्ध्यात्रहरा विद्यारा क्रिकार केरा विद्या क्रिकार विद्या विद्य के में के तामक्ष्य वहें में ता के रामकोर्र्य में में विकार प्राप्त में में राश्चारत्व । हे. वालुटकर् अन्युवारादे। विवारताव विवासारका काराय न्य विवास ता. प्रवे (र्यव) श्रीराष्ट्री कटाराता विर विद (श्रेर विद ) मेंद्र रायन्त्र याकी विद्यां प्रदेशका दिवरका देव श्रेष्ठ विद्या न। किंगर्रधीरविवेशवयुर्धसम्मिन। तहें हैं देर अधे अर्थ सम्मिन। तर्ष्या विश्वास्य विश्वास् न्वेच । तम्ना के बन्ने मुल हमा हमा हो रचल हुर तहें हर रा रहा हि तम् विश्वत्यायम्भव । रिकोक्ष्यायक्षितः क्षेत्रः वर्षेत्रः या वर्षेत्रः । त्याक्ष्यायक्षेत्रः म्याप्ति। विश्वाति । वर्षर्ववाति क्रिक्षेत्र वर्षि । वर्षर्ववाति क्रिक्षेत्र वर्षि । वर्षात्र वर्षि स्टान त्यम्म स्ट्रान्डेन । यान्यर यह त्रान्यर स्ट्रान्य । द्रान्यर । द्रान्यर ।

चित्रारा श्रेना तत्र में ते हो हैं ते वर्ष हैं तवरक स्थान । श्रेर यह रह स्थान म्यानिकालका वित्ति किन्तिकारी नित्ति हैं स्वराहिकारी वित्तिकार्य किन्ति के स्वभवा रयना भेरवर द्वर वामि गुन । हिन केने द्वरा रुप या नुस् हर्मा भर द्व बेराया पर अर व बेराया व केरे (बेरें के) रे व बेराया परी परी की र्वेया दुरा वर्गान्त्र शादी वर्गर एक्टर न्या स्ट्रिया क्षेत्रका क् स्यायित्वीयअवास्रदार्वानुदा हिंद्र) रशुरे वरा ता तार्य स हिंद्र हैटा हिंद्र होटा राष्ट्र वर्ष रहे देवरा देश सर्द्रमात रहत माना मह मर की का मन का सादर बात का मान वा मान मुलार्यकेव यात्रे देशिलार वरा वर्ड्डिम् अवर रोर सुवा मुवा हेर हुर हिर पहेर र्टा इस्र पंकेष्टारिंद्र क्षा प्रसामेर पृष्ठिता राजा म्ल्यां राष्ट्र त्याया द्रायस्याया सर्ग्या स्रायम् याम् म्यायम् अर्थित्र स्रायम् <u> रवातवरे (यरस श्रुर्-डेट वावर र्य)</u>। त्रें किल्कि हिंग (कि) ते हिंग का का निर्मेश सम्बद्ध तथा।

क्रम् न्या । विद्याद एक्ष्म १००० वट स्वयं क्रम्य प्रयम् स्वयं क्रम्य विश्वास्य विश्वा

, . ·

"A book that is shut is but a block"

RCHAEOLOGIC

GOVT. OF INDIA
Department of Archaeology
NEW DELHI.

Please help us to keep the book clean and moving.

8. W., 148. N. DELHI.